वार्षिक प्रतिवेदन

2024-25

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की
रूड़की

कुलाध्यक्ष (विजिटर)

महामहिम श्रीमती द्रौपदी मुर्मू

भारत की राष्ट्रपति

अध्यक्ष, भा.प्रौ.स. परिषद

माननीय श्री धर्मेंद्र प्रधान

शिक्षा मंत्री, भारत सरकार

अध्यक्ष, अभिशासक परिषद

पद्मश्री डॉ. बी वी आर मोहन रेड्डी

निदेशक

प्रो. कमल किशोर पंत

उप निदेशक

प्रो. उदय प्रताप सिंह

प्रतिवेदन: एक नज़र में
2024-25

विभाग / केंद्र / इकाइयां / स्कूल	
शैक्षणिक विभाग/केंद्र	23
विशेष केंद्र	14
सेवा केंद्र	07
अन्य इकाइयाँ	06
स्कूल	01
अनुदान	धनराशि करोड़ में
एमओई	82521.00
अन्य	2859.50
कुल	85380.50
सीएसआईआर	184.68
अनुसंधान एवं परामर्श	39849

छात्र भर्ती		**छात्र संख्या**	
बी.टेक./बी.आर्क./आईडीडी	1326	बी.टेक./बी.आर्क./आईडीडी	5520
स्नातकोत्तर उपाधि	1122	स्नातकोत्तर उपाधि	1976
शोधार्थी	728	शोधार्थी	3295
कुल	3186	कुल	10791
पुरुष	2403	पुरुष	8144
महिला	783	महिला	2647

प्रदान की गई उपाधियों की संख्या	
बी.टेक./बी.आर्क./आईडीडी	1277
स्नातकोत्तर उपाधि	793
शोधार्थी	443
कुल	2513
पुरुष	1933
महिला	580

संकाय/कर्मचारी संख्या	
संकाय/ प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस/एमेरिटस/विजिटिंग और सहायक/पीडीएफ	666
गैर-शिक्षण स्टाफ	630
समूह ए	98
अन्य (समूह बी, सी एवं एमटीएस)	532

शोध पत्र	
पत्रिकाएँ	2415
सम्मेलन एवं अन्य प्रकाशन	851
कुल	3266

परामर्श परियोजना		**प्रायोजित अनुसंधान परियोजनाएँ**	
नई परियोजनाओं की संख्या	962	नई परियोजनाओं की संख्या	254
परिव्यय (राशि लाख में)	115.72	परिव्यय (राशि लाख में)	282.76

सामग्री

दृष्टि एवं ध्येय 1
निदेशक संदेश 2
अभिशासक परिषद 5
शैक्षणिक मामलें 7
राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय रैंकिंग 9
अनुसंधान एवं विकास गतिविधियाँ 12
बौद्धिक अधिकार संपदा प्रकोष्ठ 19
मीडिया आउटरीच 23
इनक्यूबेशन इकाइयाँ 27
प्रशासनिक मामलें 33
संकाय मामले 33
छात्र मामलें 38
स्थानन 67
अंतरराष्ट्रीय संबंध 75
संसाधन एवं पूर्व छात्र मामले 88
संस्थान कार्यक्रम 96
संस्थान व्याख्यान 102
केन्द्रिय सुविधाएँ 103
विभाग/केंद्र/विद्यालय 113
पहलें 161
संस्थान लेखा 169
प्रकाशन सांख्यिकी 179

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रूड़की

दृष्टि

शिक्षा में वैश्विक स्तर की उत्कृष्टता प्राप्त करना और विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी में नवाचारी अनुसंधान के माध्यम से एक संधारणीय व न्यायसंगत समाज का निर्माण करना।

ध्येय

एक ऐसे वातावरण का सृजन करना जिससे ऐसे बौद्धिक क्षमता युक्त, नवाचारी तथा उद्यमिता युक्त वृत्तिकों का पोषण हो सके जो उद्योग के साथ सहभागिता से विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की वृद्धि में योगदान कर सकें तथा राष्ट्र एवं मानवता के कल्याण हेतु इसका उपयोग व विकास कर सकें।

निदेशक संदेश प्रतिवेदन 2024-25 हेतु

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की ने अत्यंत गर्व एवं जिम्मेदारी की भावना सहित शैक्षणिक वर्ष 2024-25 हेतु संस्थान की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की है। इस वर्ष में परिवर्तनकारी वृद्धि, अत्याधुनिक नवाचार एवं मजबूत वैश्विक सहयोग देखने को मिले हैं, जिससे तकनीकी शिक्षा में उत्कृष्टता, अग्रणी अनुसंधान व उद्यमशील नेतृत्व को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध एक प्रमुख संस्थान के रूप में आईआईटी रुड़की की भूमिका की पुष्टि हुई है।

आईआईटी रुड़की को सीआईआई मोस्ट इनोवेटिव इंस्टीट्यूशन अवार्ड 2024 से सम्मानित किया गया है, जो इस प्रतिष्ठित सम्मान का लगातार पाँचवाँ वर्ष (2020-2024) है। यह सम्मान नवाचार को आगे बढ़ाने, परिवर्तनकारी तकनीकों को विकसित करने एवं शोध परिणामों को वास्तविक दुनिया के प्रभावशाली अनुप्रयोगों में बदलने के लिए संस्थान की अटूट प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। इसके अतिरिक्त, संस्थान को सीआईआई बौद्धिक संपदा (आईपी) पुरस्कार 2024 प्राप्त हुआ, जिसने नवाचार, आईपी प्रबंधन एवं प्रौद्योगिकी व्यावसायीकरण में संस्थान की उत्कृष्टता को दृढ़ किया, जिससे भारत की तकनीकी उन्नति को आगे बढ़ाने वाले आईपी-जागरूक पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने में आईआईटी रुड़की के नेतृत्व को मजबूत किया जा सके।

एनआईआरएफ 2024 रैंकिंग में, आईआईटी रुड़की ने कुल मिलाकर 8वां स्थान, इंजीनियरिंग में 6वां, शोध में 9वां व इनोवेशन में 6वां स्थान प्राप्त किया। वास्तुकला एवं नियोजन विभाग ने लगातार चौथे वर्ष प्रथम स्थान बनाए रखा। वैश्विक स्तर पर, संस्थान ने क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 335 प्राप्त की, एशिया में 108वीं रैंकिंग प्राप्त की और सभी विषयों में शानदार प्रदर्शन किया, धातुकर्म एवं पदार्थ अभियांत्रिकी में 51-100 रैंकिंग, जानपद अभियांत्रिकी एवं वास्तुकला में 101-150 रैंकिंग और कई विषयों में शीर्ष 200 में शामिल रहा, जो शैक्षणिक विस्तार एवं वैश्विक प्रतिस्पर्धा को दर्शाता है।

अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों के संबंध में, वर्ष 2024-25 में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है एवं भारत के विकसित भारत@2047 के दृष्टिकोण के साथ नए सिरे से संरेखण हुआ है। आईआईटी रुड़की में, हम अनुसंधान, नवाचार एवं शिक्षा को आगे बढ़ाने के लिए पूरी तत्परता से प्रतिबद्ध हैं जो सीधे राष्ट्रीय प्राथमिकताओं एवं सामाजिक कल्याण में योगदान करते हैं।

हमारे अनुसंधान एवं विकास इकोसिस्टम ने सेमीकंडक्टर, क्वांटम टेक्नोलॉजी, स्वच्छ ऊर्जा, आपदा लचीलापन, डिजिटल स्वास्थ्य, ग्रामीण विकास, सटीक विनिर्माण, ड्रोन, इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) एवं टिकाऊ बुनियादी ढांचे जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में प्रभावशाली योगदान दिया है। हम भविष्य के लिए तैयार प्रतिभाओं को पोषित करते हुए अंतःविषयक केंद्रों एवं मिशन-संचालित परियोजनाओं के माध्यम से वास्तविक दुनिया की चुनौतियों का समाधान करते हैं।

संस्थान ने 254 प्रायोजित शोध परियोजनाओं एवं 962 परामर्श कार्यों के विविध पोर्टफोलियो का समर्थन करते हुए ₹398.48 करोड़ का बाहरी वित्तपोषण प्राप्त किया। शिक्षा मंत्रालय, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी मंत्रालय, आवासन एवं शहरी कार्य के मंत्रालय, सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग सहित केंद्रीय मंत्रालयों से महत्वपूर्ण वित्तपोषण प्राप्त हुआ, साथ ही एआरआईक्यूटी इंटरनेशनल, लाइफआर्क यूके, मैक्स प्लैंक सोसाइटी जर्मनी एवं सदर्न क्रॉस यूनिवर्सिटी ऑस्ट्रेलिया जैसे अंतर्राष्ट्रीय भागीदारों से भी सहयोग प्राप्त हुआ। इन पहलों ने क्वांटम प्रौद्योगिकियों, एआई-संचालित रक्षा अनुप्रयोगों, स्मार्ट कृषि, टिकाऊ ऊर्जा प्रणालियों एवं शहरी नियोजन में महत्वपूर्ण चुनौतियों का समाधान किया।

रूपांतरित शोध, उद्यमशीलता एवं रणनीतिक साझेदारी पर ज़ोर देते हुए, हमने स्टार्टअप एवं प्रौद्योगिकियों को सक्षम बनाया है जो

जीवन को बेहतर बनाते हैं, खासकर वंचित क्षेत्रों में। वर्ष के दौरान, हमने 146 पेटेंट दायर किए और 20 प्रौद्योगिकियों को उद्योगों को हस्तांतरित किया, जिससे बड़े स्तर पर व्यावसायीकरण हुआ।

सरकार एवं उद्योग के साथ हमारी सहभागिता ने भारत की विकास यात्रा में एक विश्वसनीय विचारशील भागीदार के रूप में आईआईटी रुड़की की भूमिका को मजबूत किया है। आईआईटी रुड़की ने भारतीय सेना, पावर ग्रिड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड, एनटीपीसी, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल), आईसीआईसीआई फाउंडेशन, सेवर्न ग्लोकॉन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड एवं कंटेनर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया जैसी प्रमुख संस्थाओं के साथ 67 समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए। इन साझेदारियों के कारण सेमीकंडक्टर, शहद प्रमाणीकरण एवं खाद्य सुरक्षा, हाइड्रोजन अर्थव्यवस्था में प्रक्रिया सुरक्षा एवं अनुकूलन, आपदा जोखिम-लचीलापन एवं स्थिरता (आईसीएआरएस) के लिए एकीकृत केंद्र में कई उत्कृष्टता केंद्रों की स्थापना हुई।

आईआईटी रुड़की सरकारी एजेंसियों, उद्योगों एवं शैक्षणिक भागीदारों के साथ मिलकर उन्नत उद्यमिता कौशल विकास कार्यक्रम (ई-एसडीपी) एवं पीएमकेवीवाई जैसे विभिन्न क्षमता निर्माण कार्यक्रम भी चलाता है। ये पहल विभिन्न क्षेत्रों में तकनीकी, प्रबंधकीय एवं उद्यमशील कौशल को बढ़ाने, ड्रोन, ईवी, हरित हाइड्रोजन अर्थव्यवस्था और कई अन्य उभरते क्षेत्रों में व्यावसायिकों, कारीगरों, किसानों एवं छात्रों का समर्थन करने पर केंद्रित हैं।

अपनी कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी (सीएसआर) पहलों के माध्यम से, संस्थान ग्रामीण विकास, स्वास्थ्य, शिक्षा, स्वच्छता एवं कौशल प्रशिक्षण में सामाजिक रूप से प्रभावशाली परियोजनाओं को लागू करने के लिए उद्योग के साथ साझेदारी करता है - समावेशी विकास को बढ़ावा देता है और वंचित क्षेत्रों तक तकनीकी पहुंच का विस्तार करता है। विशेष रूप से प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार (पीएसए) के कार्यालय के सहयोग से अपने आरएसवीसी मॉडल को प्रस्तुत करने हेतु, आईआईटी रुड़की के एक उद्योग त्वरक, एएआरटीआई फाउंडेशन को जमीनी स्तर पर नवाचार, ग्रामीण विकास एवं टिकाऊ प्रौद्योगिकी अपनाने में अपने उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रतिष्ठित एनएसई सोशल स्टॉक एक्सचेंज पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

जैसे-जैसे हम आगे बढ़ रहे हैं, हमारा लक्ष्य अपने सामाजिक प्रभाव को बढ़ाना, बड़े पैमाने पर नवाचार को बढ़ावा देना, तथा एक आत्मनिर्भर, समावेशी एवं विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी भारत को आकार देने के लिए एक अग्रणी संस्थान के रूप में अपनी जिम्मेदारी को निभाना है।

ये उपलब्धियां ज्ञान को कार्रवाई में परिवर्तित करने, राष्ट्रीय प्राथमिकताओं को आगे बढ़ाने एवं सार्थक सामाजिक प्रभाव उत्पन्न करने वाली वैश्विक साझेदारियों को बढ़ावा देने के लिए संस्थान की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती हैं।

आईआईटी रुड़की में संकाय के नेतृत्व में नवाचार लगातार आगे बढ़ रहा है, जिसमें 15 नए स्टार्टअप की स्थापना एवं 50 से अधिक संकाय द्वारा संचालित उपक्रमों का संचालन शामिल है। टाइड्स बिजनेस इनक्यूबेटर एवं आईहब दिव्यसंपर्क जैसी इनक्यूबेशन इकाइयों ने ऐसे स्टार्टअप के विकास को सक्षम बनाया है, जिन्होंने राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसा अर्जित की है। उल्लेखनीय रूप से, संस्थान ने बौद्धिक संपदा प्रबंधन में उत्कृष्टता के लिए आईपी सीआईआई पुरस्कार 2024 प्राप्त किया एवं इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल (आईआईसी) से 4-स्टार रेटिंग प्राप्त की।

27 जुलाई, 2024 को आयोजित 24वें दीक्षांत समारोह में 1,277 स्नातक, 794 स्नातकोत्तर एवं रिकॉर्ड 442 डॉक्टरेट उम्मीदवारों को उपाधियाँ प्रदान की गई। वर्तमान में 3,295 पीएचडी शोधार्थी सहित 10,700 से अधिक छात्र संख्या के साथ, आईआईटी रुड़की विश्व स्तर पर सक्षम व्यावसायिकों एवं शोधकर्ताओं को तैयार करने के लिए प्रतिबद्ध है।

ऊर्जा, स्थिरता एवं उन्नत प्रौद्योगिकियों में उभरती मांगों को पूरा करने के लिए, आईआईटी रुड़की ने 2024-25 में पांच नए शैक्षणिक कार्यक्रम शुरू किए हैं: बी.डेस., ऊर्जा इंजीनियरिंग में बी.टेक. एवं कम्प्यूटेशनल मैटेरियल्स इंजीनियरिंग, स्ट्रक्चरल एवं कम्प्यूटेशनल बायोलॉजी, व अंतरिक्ष विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में एम.टेक. कार्यक्रम।

संस्थान ने अमेरिका, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, जर्मनी, फ्रांस, जापान एवं आसियान देशों के प्रमुख संस्थानों के विद्वानों एवं प्रतिनिधिमंडलों की मेजबानी करके जीवंत ज्ञान-साझाकरण को बढ़ावा दिया।

यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी सिडनी, आरडब्ल्यूटीएच आचेन, इकोले सेंट्रल डी नैनटेस, द यूनिवर्सिटी ऑफ शेफील्ड, द यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्सास एट ऑस्टिन और ग्रीजे यूनिवर्सिटी एम्स्टर्डम जैसे विश्वविद्यालयों के साथ रणनीतिक जुड़ाव के परिणामस्वरूप प्रमुख समझौता ज्ञापन (एमओयू) एवं संयुक्त उपाधि समझौते हुए, जिससे शैक्षणिक उत्कृष्टता एवं नवाचार हेतु आईआईटी रुड़की की प्रतिबद्धता मजबूत हुई।

वैश्विक शिक्षा के प्रति अपने समर्पण को आगे बढ़ाते हुए, संस्थान ने वर्ष 2024-25 में 132 से अधिक पूर्णकालिक अंतर्राष्ट्रीय छात्रों का स्वागत किया, जिससे इसका बहुसांस्कृतिक वातावरण समृद्ध हुआ एवं अनुसंधान समुदाय मजबूत हुआ।

वैश्विक अनुसंधान एजेंसियों के साथ साझेदारी करके, अंतर्राष्ट्रीय शिखर सम्मेलनों में भाग लेकर व सहभागिता परियोजनाओं का नेतृत्व करके, आईआईटी रुड़की अपने विश्वव्यापी नेटवर्क का विस्तार कर रहा है, तथा विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं सांस्कृतिक समझ में प्रगति को बढ़ावा दे रहा है।

संस्थान का मीडिया प्रकोष्ठ आउटरीच एवं संस्थागत दृश्यता बढ़ाने में महत्वपूर्ण रहा है। राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर 500 से अधिक मीडिया फीचर व एक मजबूत डिजिटल जुड़ाव रणनीति के साथ, संस्थान की उपलब्धियों को वैश्विक दर्शकों तक प्रभावी ढंग से प्रसारित किया जा रहा है। रणनीतिक संचार एवं शोध आउटरीच के माध्यम से संस्थान सार्वजनिक एवं शैक्षणिक चर्चा में सबसे आगे रहता है।

जैसा कि आईआईटी रुड़की अद्वितीय उत्कृष्टता के 178 वर्षों का गौरवपूर्ण उत्सव मना रहा है, संस्थान ज्ञान की सीमाओं को आगे बढ़ाने, अभूतपूर्व नवाचार को बढ़ावा देने और जटिल वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए भविष्य के नेताओं को सशक्त बनाने के अपने मिशन में अडिग बना हुआ है।

शिक्षा मंत्रालय से प्राप्त 825 करोड़ रुपये से अधिक का उदार एवं निरंतर सहयोग इस उल्लेखनीय प्रगति में महत्वपूर्ण रहा है।

राष्ट्रीय महत्व के एक प्रमुख संस्थान के रूप में, आईआईटी रुड़की अपने विविध शोध, नवाचार, सांस्कृतिक एवं आउटरीच पहलों के माध्यम से ज्ञान व सामाजिक प्रभाव की सीमाओं को आगे बढ़ाने के लिए गहराई से प्रतिबद्ध है। स्किल इंडिया, डिजिटल इंडिया, नमामि गंगे, स्टार्ट-अप इंडिया एवं उन्नत भारत अभियान जैसे भारत सरकार के प्रमुख मिशनों के साथ संस्थान घनिष्ठ रूप से जुड़ा हुआ है| इस वर्ष हमारे प्रयास समावेशी उत्कृष्टता एवं सतत प्रगति के प्रति हमारे समर्पण को दर्शाते हैं। स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन, सीईएफआईपीआरए इंडो-फ्रेंच सिम्पोजियम, एसपीएआरसी इंडो-यूके वर्कशॉप जैसे प्रमुख कार्यक्रम एवं नमामि गंगे व एचएएसआई के तहत पहल तकनीकी नेतृत्व, पर्यावरण संरक्षण एवं सामाजिक जिम्मेदारी पर हमारे ध्यान को रेखांकित करते हैं। थॉम्सो'24 जैसी सांस्कृतिक उपलब्धि, 32वें आईएएचआर सिम्पोजियम एवं डीएई न्यूक्लियर फिजिक्स सिम्पोजियम जैसे क्षेत्र-विशिष्ट कार्यक्रमों के साथ मिलकर संस्थान के जीवंत बौद्धिक पारिस्थितिकी तंत्र और इसकी बढ़ती वैश्विक भागीदारी को दर्शाते हैं। इन प्रयासों के माध्यम से, आईआईटी रुड़की संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) एवं भारत के आत्मनिर्भर भारत विजन में सार्थक योगदान दे रहा है, तथा राष्ट्र व उससे आगे के लिए एक लचीला, उन्नत एवं न्यायसंगत भविष्य बनाने के हमारे संकल्प की पुष्टि कर रहा है।

अपने छात्रों, शिक्षकों, पूर्व छात्रों एवं स्टाफ के अथक समर्पण के साथ, आईआईटी रुड़की विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में स्थिरता, लचीलापन व वैश्विक नेतृत्व की विशेषता वाले भविष्य की ओर भारत की यात्रा का नेतृत्व करने के लिए दृढ़ स्थिति में है।

प्रो. के.के. पंत
निदेशक, आईआईटी रुड़की

जून 2025

अभिशासक परिषद

अध्यक्ष	
पद्मश्री बी.वी.आर. मोहन रेड्डी अध्यक्ष, अभिशासक परिषद, भा.प्रौ.सं.रुड़की एवं कार्यकारी अध्यक्ष, साइएंट लिमिटेड हैदराबाद	**अध्यक्ष**

राज्य सरकार के दो नामित व्यक्ति	
प्रो. नरेंद्र सिंह पुत्र स्व. श्री हरीश चंद्र जिला हरिद्वार 31.12.2023 तक	**सदस्य**
प्रो. ओंकार सिंह कुलपति वीर माधो सिंह भंडारी, यूटीयू देहरादून - 248007 दिनांक 01.07.2017 से 23.02.2024	**सदस्य**
हरियाणा सरकार प्रधान सचिव तकनीकी शिक्षा विभाग चंडीगढ़	**सदस्य**

आईआईटी परिषद के चार नामांकित व्यक्ति	
अपर सचिव (टीई) शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार उच्च शिक्षा विभाग नई दिल्ली	**सदस्य**
प्रो. (सेवानिवृत्त) एच.सी. पोखरियाल दिल्ली विश्वविद्यालय	**सदस्य**
पद्म भूषण एवं पद्म श्री डॉ. अनिल पी. जोशी हिमालय पर्यावरण अध्ययन एवं संरक्षण संगठन देहरादून (उत्तराखंड)	**सदस्य**
श्री अश्वनी लोहानी पूर्व अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक एयर इंडिया, नई दिल्ली	**सदस्य**

निदेशक (पदेन)

प्रो. कमल किशोर पंत निदेशक भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुडकी	**सदस्य**

सीनेट के दो नामांकित व्यक्ति

प्रो. सी एस पी ओझा जानपद अभियात्रिकी विभाग भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुडकी 31.12.2023 तक	**सदस्य**
प्रो. यू पी सिंह रसायन विज्ञान विभाग भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुडकी 31.12.2023 तक	**सदस्य**
प्रो. एन के समाधिया जानपद अभियांत्रिकी विभाग भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुडकी 01.01.2024 से	**सदस्य**
प्रो. बी के गाँधी यांत्रिक एवं औद्योगिक अभियांत्रिकी विभाग भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुडकी 01.01.2024 से	**सदस्य**

विशेष आमत्रित

प्रो. यू पी सिंह रसायन विज्ञान विभाग भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुडकी दिनांक 01.01.2024 से प्रभावी	**सदस्य**

सचिव

श्री प्रशांत गर्ग कुलसचिव भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुडकी	**सचिव**

शैक्षणिक मामले

शैक्षणिक मामले कार्यालय संस्थान के प्रवेश, पाठ्यक्रम एवं मूल्यांकन से संबंधित सभी मामलों को देखता है। आईआरसी, आईएपीसी की बैठकों का संचालन करने की जिम्मेदारी इसकी है और सीनेट की बैठकों के संचालन में भी इसकी महत्वपूर्ण भूमिका है। संस्थान व्याख्यान के कक्ष एवं सम्मेलन परिसर का रखरखाव शैक्षणिक मामले कार्यालय द्वारा किया जाता है। वार्षिक दीक्षांत समारोह, विज्ञान दिवस, कुलशासक प्रशंसा पुरस्कार, संस्थान अनुसंधान दिवस, संस्थान अनुसंधान पुरस्कार एवं कार्यशालाओं सहित संस्थान स्तर के कई कार्यक्रम शैक्षणिक मामले कार्यालय द्वारा आयोजित किए जाते हैं।

1. **दीक्षांत समारोह:** भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की का 24वां वार्षिक दीक्षांत समारोह 27 जुलाई, 2024 को आयोजित किया गया। सुश्री देबजानी घोष, अध्यक्ष, नैसकॉम दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि रहीं। समारोह में बी.टेक./बी.आर्क./एकीकृत द्वि उपाधि/एकीकृत एम.टेक./एकीकृत एम.एससी. की कुल 1277 उपाधियाँ एम.टेक./एम.आर्क./एम.यू.आर.पी./पी.जी.डिप्लोमा/एम.एस. सी./एम. बी.ए. की 794 उपाधियाँ प्रदान की गईं। इसके अलावा, विभिन्न विषयों में 442 पीएच.डी./ द्वि उपाधियाँ प्रदान की गईं।

2. **पुरस्कार वितरण समारोह –** स्नातक छात्रों को कुलशासक प्रशंसा पत्र: आईआईटीआर में शैक्षणिक नियमों के अनुसार सीजीपीए में उच्चतम वृद्धि प्राप्त करने के लिए स्नातक छात्रों को प्रोत्साहित करने हेतु पुरस्कार वितरण समारोह।

3. **विज्ञान दिवस:** राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर संस्थान ने रुड़की के स्कूली बच्चों के लिए क्विज प्रतियोगिता, इंटरेक्टिव आइडिया प्रतियोगिता, विज्ञान प्रदर्शनी और ओपन हाउस जैसे विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए। मुख्य अतिथि आईआईएसईआर मोहाली के प्रोफेसर पी गुप्ता शर्मा ने विज्ञान दिवस पर व्याख्यान दिया।

4. **संस्थान अनुसंधान दिवस:** आईआईटी रुड़की ने संस्थान अनुसंधान दिवस मनाया, जिसमें इसरो के पूर्व अध्यक्ष श्री ए.एस. किरण कुमार मुख्य अतिथि थे। इस एक दिवसीय कार्यक्रम में पोस्टर प्रतियोगिता, अतिथि व्याख्यान और पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें अनुसंधान, नवाचार एवं तकनीकी उत्कृष्टता की भावना पर प्रकाश डाला गया।

स्नातक (यूजी) एवं स्नातकोत्तर (पीजी) प्रवेश में वृद्धि के साथ, पिछले 10 वर्षों में छात्र संख्या में महत्वपूर्ण परिवर्तन हुए हैं। 2014-15 में, स्नातक छात्रों की संख्या 4450 थी, जबकि स्नातकोत्तर छात्रों की संख्या 2166 थी। 2020-21 में यूजी एवं पीजी छात्रों की संख्या क्रमशः 4159 और 1470 हो गई। वर्तमान में, संस्थान में लगभग 10791 छात्र हैं, जिनमें से 5520 यूजी और 1976 पीजी हैं। अधिक से अधिक छात्र आबादी को उच्च-गुणवत्ता एवं समग्र शिक्षा प्रदान करना जारी रखने हेतु, संस्थान प्रक्रियाओं को संशोधित एवं विकसित करता रहता है जो बदलती परिस्थितियों को प्रभावी ढंग से संबोधित कर सकते हैं। पिछले 10 वर्षों में पीएचडी छात्रों की संख्या में उछाल आया है। वर्ष 2014-15 में 1445 पीएचडी छात्रों से बढ़कर वर्ष 2024-25 में 3295 हो गई। 2024 के दीक्षांत समारोह में पीएचडी प्रदान करने वालों की संख्या 442 है। यहाँ कुछ ऐसे छात्रों का विवरण दिया गया है जिन्होंने असाधारण प्रदर्शन किया है: (अनुलग्नक-I में संलग्न)

पुरस्कार एवं छात्रवृत्ति

- संस्थान के विभिन्न कार्यक्रमों में छात्रों को निम्नलिखित पुरस्कार एवं छात्रवृत्ति वितरित की गई हैं:
- दीक्षांत समारोह-2024 के दौरान स्नातक करने वाले छात्रों के बीच कुल 138 पुरस्कार वितरित किए गए।
- स्नातक करने वाले छात्रों के अलावा अन्य छात्रों के बीच कुल 71 पुरस्कार वितरित किए गए।
- संस्थान की निःशुल्क मेसिंग योजना के तहत कुल 129 अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के छात्र लाभान्वित हुए तथा राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल के माध्यम से 173 अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के छात्र लाभान्वित हुए।
- साधनहीन छात्रों के बीच कुल 555 मेरिट कम मीन्स (एमसीएम) छात्रवृत्ति वितरित की गई, जिनमें से 317 छात्र संस्थान की एमसीएम से लाभान्वित हुए तथा 238 छात्र दानदाता प्रायोजित एमसीएम से लाभान्वित हुए।
- संस्थान की ट्यूशन फीस माफी योजना के तहत कुल 1210 छात्र लाभान्वित हुए।
- इंस्पायर शी योजना से कुल 88 छात्र लाभान्वित हुए।
- कुल 294 छात्रों को विभिन्न केंद्रीय, राज्य, सार्वजनिक क्षेत्र एवं निजी संगठनों से छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है।

शैक्षणिक सत्र 2024-25 में निम्नलिखित शैक्षणिक कार्यक्रम शुरू किए गए हैं:

- बी. डिजाइन
- बी.टेक. (ऊर्जा अभियांत्रिकी)
- एम.टेक. (कम्प्यूटेशनल मैटेरियल्स अभियांत्रिकी)

- एम.टेक. (स्ट्रक्चरल एवं कम्प्यूटेशनल बायोलॉजी)
- एम.टेक. (अंतरिक्ष विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी)

शैक्षणिक कार्यक्रमों एवं संस्थान के परिणामों की सूची अनुलग्नक-II में संलग्न है।

जेईई (एडवांस्ड)-2024 केवल कंप्यूटर आधारित टेस्ट (सीबीटी) के रूप में आयोजित किया गया था। जेईई (मेन)-2024 के बाद दो लाख पचास हजार उम्मीदवारों को पात्र घोषित किया गया था। इसमें 3 घंटे की अवधि के 2 द्विभाषी (हिंदी और अंग्रेजी) पेपर थे। आईआईटी रुड़की जोन ने छह राज्यों हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश, पंजाब, उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश तथा केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ के 28 शहरों में 56 केंद्रों पर जेईई (एडवांस्ड) 2024 परीक्षा आयोजित की। भारतीय केंद्रों के अलावा आईआईटी रुड़की जोन ने नेपाल के एक केंद्र में भी परीक्षा आयोजित की। जेईई (एडवांस्ड)-2024 का परिणाम 09 जून, 2024 को घोषित किया गया। आईआईटी रुड़की जोन में पंजीकृत उम्मीदवारों की कुल संख्या 18,088 थी, जिनमें से 5,136 विभिन्न आईआईटी में सीटों के लिए चयनित हुए। आर्किटेक्चर एप्टीट्यूड टेस्ट (एएटी) की परीक्षा 12 जून 2024 को आयोजित की गई थी।

मंत्रालय से सहायता

वित्त वर्ष 2023-2024 के लिए मंत्रालय से प्राप्त सहायता अनुदान में (राशि करोड़ में) शामिल है

आवर्ती	652.32
गैर आवर्ती	172.89
कुल अनुदान	825.21
फीस एवं अन्य से आय	103.00

राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय रैंकिंग

राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ)

राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) को मानव संसाधन विकास मंत्रालय (एमएचआरडी) द्वारा आधिकारिक रूप से अनुमोदित किया गया था और माननीय मंत्री द्वारा 29 सितंबर, 2015 को लॉन्च किया गया था। यह अग्रणी ढांचा पूरे भारत में संस्थानों की रैंकिंग के लिए एक मजबूत कार्यप्रणाली प्रदान करता है, जो मूल्यांकन हेतु आवश्यक मापदंडों की पहचान करने के लिए एमएचआरडी द्वारा गठित एक समर्पित कोर कमेटी की व्यावहारिक सिफारिशों पर आधारित है। मापदंडों में मोटे तौर पर "शिक्षण, सीखना एवं संसाधन", "शोध एवं व्यावसायिक अभ्यास", "स्नातक परिणाम", "आउटरीच एवं समावेशिता" तथा "धारणा" शामिल हैं जो संस्थागत गुणवत्ता और प्रभाव का आकलन करते हैं।

2022 और 2023 में, अतिरिक्त श्रेणी-विशिष्ट क्षेत्र अनुसंधान संस्थान और नवाचार; को एनआईआरएफ रैंकिंग पोर्टफोलियो में शामिल किया गया। इस वृद्धि का उद्देश्य भारत में प्रमुख उच्च शिक्षा संस्थानों और विश्वविद्यालयों को उनके शोध, नवाचार और छात्रों एवं शिक्षकों से जुड़ी उद्यमशीलता पहलों के आधार पर व्यवस्थित रूप से रैंक करना है।

वर्ग	2024	2023	2022	2021	2020
समग्र	8th	8th	7th	7th	9th
अभियांत्रिकी	6th	5th	6th	6th	6th
वास्तुकला	1st	1st	1st	1st	2nd
प्रबंधन	18th	18th	19th	14th	12th
अनुसंधान*	9th	7th	8th	-	-
नवाचार **	6th	5th	-	-	-

एनआईआरएफ में अनुसंधान* श्रेणी 2022 में आरंभ होगी
एनआईआरएफ में नवाचार** श्रेणी 2023 में आरंभ होगी

क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग

क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग विश्वविद्यालय के प्रदर्शन का आकलन करने के लिए एक उच्च माना जाने वाला बेंचमार्क है, जिसे उच्च शिक्षा में अग्रणी एनालिटिक्स फर्म क्वाक्वेरेली साइमंड्स द्वारा विकसित किया गया है। यह व्यापक रैंकिंग दुनिया भर के छात्रों एवं विश्वविद्यालयों भागीदार को अमूल्य अंतर्दृष्टि प्रदान करती है, जो शिक्षा, अनुसंधान एवं शैक्षणिक समुदाय पर समग्र प्रभाव में उत्कृष्टता प्राप्त करने वाले संस्थानों को उजागर करती है।

क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2025

क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2025 – वैश्विक रैंक = 335वीं
क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2024 – राष्ट्रीय रैंक = 7वीं

क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग: एशिया 2025

क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2025 – वैश्विक रैंक = 108वीं
क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2024 – राष्ट्रीय रैंक = 8वीं

क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग: स्थिरता 2025

क्यूएस स्थिरता 2024 – वैश्विक रैंक = 561वीं
क्यूएस स्थिरता 2024 – राष्ट्रीय रैंक = 7वीं

क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी विषय रैंकिंग 2025

आईआईटीआर की विषयवार रैंक/बैंड नीचे दर्शाई गई हैं:

विषय क्षेत्र/ अनुशासन	2025 में ग्लोबल बैंड	2025 में राष्ट्रीय रैंक
वास्तुकला एवं निर्मित पर्यावरण	101-150	तीसरा
समग्र अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी	131	सातवीं
रासायनिक अभियांत्रिकी	251-300	आठवीं
संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	201-250	सातवीं
जानपद एवं संरचनात्मक अभियांत्रिकी	101-150	सातवीं
यांत्रिक, वैमानिकी एवं विनिर्माण अभियांत्रिकी	151-200	आठवीं
विद्युत एवं इलेक्ट्रॉनिक अभियांत्रिकी	151-200	आठवीं
धातुकर्म एवं पदार्थ अभियांत्रिकी	51-100	आठवीं
जैविक विज्ञान	551-600	आठवीं
रसायन विज्ञान	301-350	आठवीं
पर्यावरण विज्ञान	151-200	पाँचवीं
पदार्थ विज्ञान	201-250	सातवीं
गणित	251-300	आठवीं
भौतिकी एवं खगोल विज्ञान	351-400	आठवीं
व्यवसाय एवं प्रबंध अध्ययन	301-350	चौहदवीं
अर्थशास्त्र एवं अर्थमिति	551-700	ग्यारहवीं

इंडिया टुडे बेस्ट कॉलेज रैंकिंग

भारत की अग्रणी साप्ताहिक समाचार पत्रिका इंडिया टुडे, एमडीआरए के साथ मिलकर एक वार्षिक सर्वेक्षण करती है, जिसमें देश के शीर्ष कॉलेजों की रैंकिंग की जाती है। इस पहल का उद्देश्य भारत में उच्चतम गुणवत्ता वाली शिक्षा प्रदान करने वाले संस्थानों की पहचान करने के लिए एक बेंचमार्क स्थापित करना है।

इंडिया टुडे	बेस्ट कॉलेज रैंकिंग 2024
वास्तुकला	प्रथम
अभियांत्रिकी	5वां

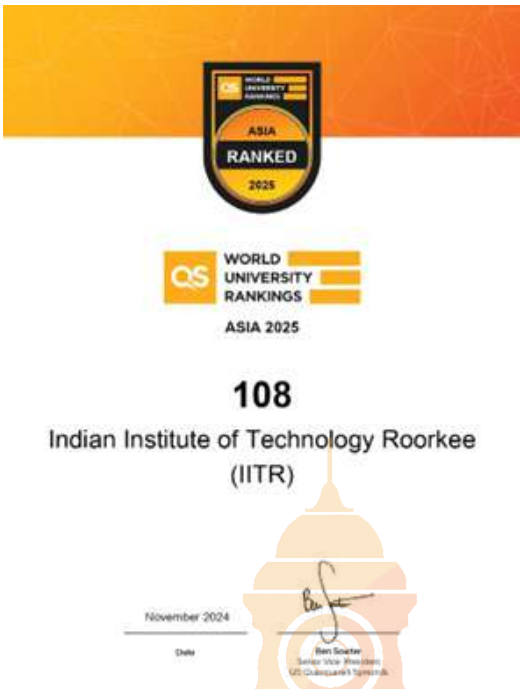

अनुसंधान एवं विकास गतिविधियाँ

वित्तीय वर्ष 2024-25 में, आईआईटी रुड़की को अनुसंधान एवं विकास से संबंधित गतिविधियों के लिए 282.76 करोड़ रुपये का बाहरी वित्तपोषण प्राप्त हुआ। इसमें भारत के आंतरिक एवं बाह्य सरकारी एजेंसियों, उद्योगों व अन्य लोगों से प्राप्त वित्तपोषण शामिल था।

अनुसंधान एवं विकास गतिविधियाँ

संस्थान का स्निक कार्यालय,उद्योगों, सरकारी एजेंसियों और वित्त पोषण निकायों के साथ सक्रिय रूप से जुड़कर अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं के लिए एक सुविधाकर्ता के रूप में कार्य करता है। यह वित्त पोषण के अवसरों की पहचान करने, साझेदारी बनाने और प्रतिस्पर्धी प्रस्ताव विकसित करके शोधकर्ताओं का समर्थन करने में सहायता करता है। स्निक अपने व्यापक नेटवर्क के माध्यम से आईआईटी रुड़की के संकाय और शोधकर्ताओं को ऐसी शोध परियोजनाएँ शुरू करने में सक्षम बनाता है जो वास्तविक दुनिया की चुनौतियों का समाधान करती हैं और समाज पर गहरा प्रभाव डालती हैं। इस वर्ष कुल 282.76 करोड़ के परिव्यय के साथ कुल 254 प्रायोजित शोध परियोजनाएँ स्वीकृत की गई हैं। इसी तरह, 115.72 करोड़ के कुल परिव्यय के साथ कुल 962 परामर्श परियोजनाएँ स्वीकृत की गई हैं।

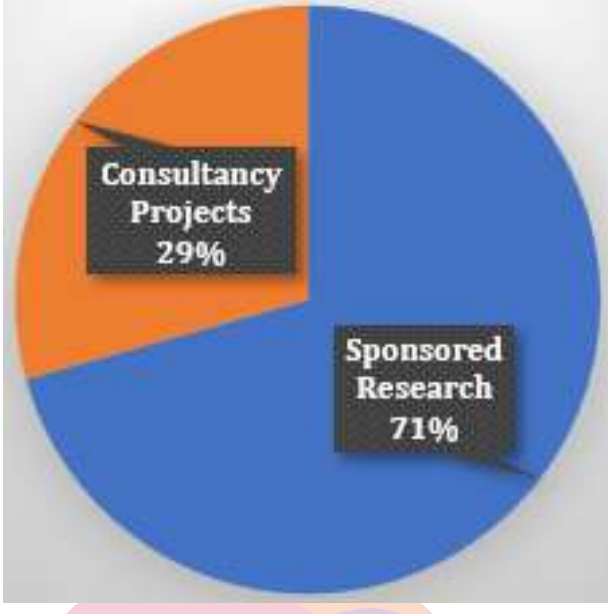

अनुसंधान एवं विकास के लिए बाह्य अनुदान

कुछ प्रमुख परियोजनाएं इस प्रकार हैं:-

1. एचएसपी 70 अवरोधकों के वितरण के लिए वायरस-संक्रमित कोशिकाओं को लक्षित करने वाले एंटीबॉडी-ड्रग संयुग्मों का विकास, लाइफआर्क, लंदन, यूनाइटेड किंगडम द्वारा प्रायोजित

   इस परियोजना का उद्देश्य एंटीबॉडी-ड्रग संयुग्मों को विकसित करना है जो विशेष रूप से वायरस से संक्रमित कोशिकाओं को लक्षित कर सकते हैं और एचएसपी 70 अवरोधकों को वितरित कर सकते हैं, जिसमें व्यापक रूप से क्रॉस-रिएक्टिव एंटीबॉडी टुकड़ों का अलगाव और लक्षण वर्णन शामिल होगा। इसके अलावा, इसमें एडीसी विकास में शामिल किए जाने के लिए एंटीबॉडी टुकड़ों की उपयुक्तता हेतु उनके जैव रासायनिक और जैवभौतिक लक्षण वर्णन शामिल होंगे।

2. ऊर्जा एवं पर्यावरण से संबंधित स्थायी समाधानों के लिए उत्प्रेरक नवाचारों का विकास: मैक्स प्लैंक पार्टनर ग्रुप, जर्मनी द्वारा प्रायोजित प्रकृति के उत्प्रेरक प्रदर्शनों की सूची से सबक

   इस शोध का उद्देश्य ऊर्जा एवं पर्यावरण से संबंधित समस्याओं से निपटने के लिए एक जैव प्रेरित संधारणीय दृष्टिकोण का उपयोग करना है, विशेष रूप से प्राकृतिक जैव-रासायनिक नाइट्रोजन चक्र से जुड़ी दो सबसे महत्वपूर्ण चुनौतियों का समाधान करना: नाइट्रस ऑक्साइड सक्रियण एवं नाइट्राइट / नाइट्रेट कमी। इसके अतिरिक्त, कार्बन-मुक्त वैकल्पिक ईंधन के रूप में अमोनिया के सक्रियण का भी पता लगाया जाएगा। अज्ञात एवं परिहारकारी प्रतिक्रियाशीलता की खोज करने की कोशिश करने वाले मौलिक रूप से डिज़ाइन किए गए प्रतिक्रिया रसायन विज्ञान की परस्पर क्रिया, नए अनुप्रयोगों के साथ, नई प्रतिक्रियाशीलता की खोज की सुविधा प्रदान कर सकते हैं, जो आने वाले वर्षों में अकादमिक शोध के शिखर का प्रतिनिधित्व करने के लिए तैयार है।

3. कैमरा-आधारित वीडियो का उपयोग करके नदी के पानी में मलबे की निगरानी, दक्षिणी क्रॉस विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया द्वारा प्रायोजित एक स्थायी पर्यावरण की सुविधा प्रदान करना

   इस शोध परियोजना का प्राथमिक उद्देश्य भारतीय नदियों में माइक्रोप्लास्टिक मलबे की स्वचालित निगरानी के लिए एक

अभिनव मशीन लर्निंग और कंप्यूटर विज़न-आधारित प्रणाली विकसित करना और उसे लागू करना है। प्रस्तावित प्रणाली को ऑस्ट्रेलियाई संदर्भ में भी लागू किया जाएगा। जल निकायों, विशेष रुप से नदियों में प्लास्टिक प्रदूषण के बढ़ते खतरे के कारण मलबे का पता लगाने और उसकी मात्रा निर्धारित करने के लिए एक स्केलेबल और स्वचालित दृष्टिकोण की आवश्यकता है। पारंपरिक तरीके श्रम-गहन हैं, उनमें मापनीयता की कमी है और वे व्यापक वैश्विक नमूने के लिए अनुकूल नहीं हैं। इस शोध के परिणामों से न केवल भारत के भीतर जल प्रदूषण से संबंधित देश-विशिष्ट चुनौतियों के बारे में बल्कि ऑस्ट्रेलियाई संदर्भ में भी मूल्यवान अंतर्दृष्टि मिलने की उम्मीद है और इस प्रकार यह वैश्विक स्तर पर योगदान देगा।

शुरु की गई अन्य परियोजनाओं की सूची इस प्रकार है:-

1. **भारतीय शहद की प्रोफाइलिंग, फिंगरप्रिंटिंग और डेटाबेस विकास**

   वित्त पोषण एजेंसी: राष्ट्रीय मधुमक्खी पालन एवं शहद मिशन, राष्ट्रीय मधुमक्खी बोर्ड एवं किसान कल्याण, नई दिल्ली स्वीकृति परिव्यय (करोड़):- 13.5

2. **इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईसीटी अकादमी योजना, चरण II**

   वित्त पोषण एजेंसी: इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, नई दिल्ली स्वीकृति परिव्यय (करोड़):- 10

3. **आईआईटी रुड़की, सहारनपुर परिसर में 5जी/6जी दूरसंचार सीओई की स्थापना**

   वित्त पोषण एजेंसी: यू.पी. इलेक्ट्रॉनिक्स कॉर्पोरेशन लिमिटेड, लखनऊ स्वीकृति परिव्यय (करोड़):- 20

4. **पावरग्रिड सेंटर ऑफ एक्सीलेंस**

   वित्त पोषण एजेंसी: पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन लिमिटेड, नई दिल्ली स्वीकृति परिव्यय (करोड़):- 20.73

5. **आरएएसपीएसी (क्वांटम कंप्यूटिंग के लिए पुन: विन्यास योग्य एवं स्केलेबल फोटोनिक क्यूबिट आर्किटेक्चर: विषम एवं अखंड दृष्टिकोण)**

   वित्त पोषण एजेंसी: राष्ट्रीय क्वांटम मिशन, डीएसटी, नई दिल्ली स्वीकृति परिव्यय (करोड़):- 12.04

6. **क्षमता निर्माण के लिए शहरी नियोजन के अमृत वित्त पोषित केंद्र (एसीयूपीसीबी)**

   वित्त पोषण एजेंसी: आवास एवं शहरी मामलों का मंत्रालय, नई दिल्ली स्वीकृति परिव्यय (करोड़):- 10

7. **विश्वसनीय नोड मुक्त हाइब्रिड क्वांटम सुरक्षित संचार नेटवर्क (टीएएचक्यूईईसीएटी)-एसकेएस**

   वित्त पोषण एजेंसी: राष्ट्रीय क्वांटम मिशन, डीएसटी, नई दिल्ली स्वीकृति परिव्यय (करोड़):- 10.4

8. **हाइपरस्पेक्ट्रल रिमोट सेंसिंग का उपयोग करके ऑब्जेक्ट डिटेक्शन**

   वित्त पोषण एजेंसी: डीआरडीओ, डीआईए-सेंटर ऑफ एक्सीलेंस अनुमोदन व्यय (क्रेडिट):- 6.99

9. **आपदा प्रतिरोधक अवसंरचना के लिए यूएसएआईडी/भारत उच्च शिक्षा साझेदारी**

   वित्त पोषण एजेंसी: वर्जीनिया टेक, यूएसए अनुमोदन व्यय (क्रेडिट):- 5.25

आरंभ की गई कुछ प्रमुख परामर्श परियोजनाएं इस प्रकार हैं:-

- पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय, चंडीगढ़ के लिए विरासत प्रभाव आकलन रिपोर्ट।
- 220 एमएलडी एसटीपी एवं 292 एमएलडी एसपीएस मेरठ के सभी डिजाइन एवं रेखाचित्रों की जांच।
- ग्रुप हाउसिंग सोसायटी निराला ग्रैंड (पूर्व में मॉर्फियस प्रतीक्षा के नाम से जाना जाता था) प्लॉट संख्या 16-ए, सेक्टर-1, ग्रेटर नोएडा (पश्चिम) के संरचनात्मक डिजाइन की समीक्षा।
- सहायक मंडल अभियंता, उत्तर रेलवे, हरिद्वार के अधीन हरिद्वार-देहरादून खंड में 28-30 किमी के बीच भूस्खलन-प्रवण स्थान में निवारक और उपचारात्मक उपायों के लिए परामर्श।
- पुल के लिए नदी प्रशिक्षण कार्यों हेतु मॉडल अध्ययन।
- राज नगर एक्सटेंशन में उच्च वृद्धि वाले आरसीसी टॉवर एजिस फ्रेगरेंस के संरचनात्मक डिजाइन की प्रूफ जांच।

संस्थान ने अनुसंधान एवं विकास से संबंधित गतिविधियों के लिए कुल 6.01 करोड़ रुपये की धनराशि जारी की। नए संकाय सदस्यों के लिए अनुसंधान आरंभ करने के लिए एफआईजी के रूप में 4.69 करोड़ रुपये की धनराशि स्वीकृत की गई। वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान संस्थान द्वारा जारी की गई धनराशि निम्नलिखित क्षेत्रों में वितरित की गई:

1) नए संकाय सदस्यों को संकाय दीक्षा अनुदान दिया जाता है, जिससे किसी व्यक्ति के लिए अनुसंधान अवसंरचना स्थापित करने हेतु धन उपलब्ध कराया जा सके।

2) मैचिंग ग्रांट – यह योजना बाहरी एजेंसियों से 50% स्वीकृत अनुदान या 20 लाख रुपये के साथ उपकरण खरीद का समर्थन करती है। इस योजना का लाभ एक व्यक्तिगत संकाय सदस्य या संकाय सदस्यों के समूह द्वारा उठाया जा सकता है, इस मैचिंग ग्रांट योजना के तहत संस्थान बाहरी एजेंसियों को प्रस्ताव प्रस्तुत करने के साथ एक प्रतिबद्धता पत्र प्रदान कर सकता है। कुल 93.55 लाख के कुल परिव्यय के साथ कुल 16 परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है।

3) पेटेंट दाखिल करने, शोध प्रकाशन और/या अंतर्राष्ट्रीय यात्रा के लिए संकाय सदस्यों को अनुदान की सुविधा प्रदान करना

- लीवरेज अनुदान एवं ब्रिज अनुदान
- पी.एच.डी. छात्रों के लिए फैलोशिप
- सम्मेलन, सेमिनार, प्रदर्शनियाँ
- प्रकाशन
- छात्र अनुसंधान/प्रतियोगिता/कार्यक्रम

4) स्माइल अनुदान – आईआईटी रुड़की में स्माइल (प्रमुख अंत:विषय प्रयोगशाला उपकरणों के लिए सहायता) योजना प्रमुख अनुसंधान उपकरणों की खरीद के लिए धन मुहैया कराती है, खास तौर पर उन क्षेत्रों में जहां लंबे समय से ज़रूरत महसूस की जा रही है या नए अनुसंधान क्षेत्रों को समर्थन देने के लिए। यह निधि एक प्रस्ताव पर आधारित है और इसका उपयोग अप्रचलित उपकरणों को अपग्रेड करने के लिए भी किया जा सकता है। 38.85 लाख के कुल परिव्यय के साथ 1 परियोजना को मंजूरी दी गई है।

उद्योग अकादमिक संबंधों का लाभ उठाने के लिए, संस्थान लगातार कॉर्पोरेट शिखर सम्मेलनों में भागीदारी, कॉर्पोरेट व्याख्यान, छात्रों के लिए अवसर पैदा करने (इंटर्नशिप, फेलोशिप एवं वर्क स्टूडेंटशिप) जैसी गतिविधियों को बढ़ावा देता है, और कॉर्पोरेट संस्थाओं के साथ समझौता ज्ञापनों और एमओए के निष्पादन के माध्यम से कॉर्पोरेट संस्थाओं के साथ अनुसंधान सहयोग करता है। वर्ष 2024-25 में, विभिन्न सरकारी और निजी संस्थाओं के साथ कुल 67 समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए। सूची इस प्रकार है:-

- ब्रह्मोस एयरोस्पेस तिरुवनंतपुरम लिमिटेड
- अनंत टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड
- आइएस्की सलाहकार एवं परामर्श सेवाएँ
- सूर्य कमांड: भारतीय सेना
- स्काईरूट एयरोस्पेस प्राइवेट लिमिटेड
- सीबीडीई – एमएमटीटीसी-आईआईआईटीडीएम कांचीपुरम एवं एचके गर्ग
- हेला इंडिया लाइटिंग लिमिटेड
- जल संसाधन एवं प्रबंध के लिए केंद्रीय जल आयोग
- शहरी बाढ़ के लिए केंद्रीय जल आयोग
- भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष संवर्धन एवं प्राधिकरण केंद्र (इन-स्पेस)
- कुमाऊं विश्वविद्यालय, नैनीताल
- नीति अनुसंधान, नवाचार एवं प्रशिक्षण के लिए राष्ट्रीय दूरसंचार संस्थान, गाजियाबाद
- बुनियादी ढांचे, प्रौद्योगिकी, अनुसंधान एवं प्रबंधन संस्थान अहमदाबाद
- आईएफसीआई वेंचर कैपिटल फंड्स लिमिटेड
- प्लैनेट एयरोस्पेस, बेंगलुरु
- सैटश्योर एनालिटिक्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
- उत्तराखंड संस्कृत विश्वविद्यालय
- लीनियराइज्ड एम्प्लीफायर टेक्नोलॉजीज एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड
- टेलीमैटिक्स के विकास के लिए केंद्र, सी-डॉट
- संयुक्त राज्य अमेरिका कृत्रिम बुद्धिमत्ता संस्थान (यूएसएएसएआई)
- ऊर्जा एवं पेट्रोलियम अध्ययन विश्वविद्यालय, देहरादून
- भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद-केंद्रीय भैंस अनुसंधान संस्थान, हिसार
- कंटेनर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (कॉनकॉर)
- टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज लिमिटेड
- गेक्सन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड / ग्रीन हाइड्रोजन एनर्जी लिमिटेड एवं ग्रीनस्टैट हाइड्रोजन इंडिया (जीएचआई) लिमिटेड
- राष्ट्रीय सौर ऊर्जा संस्थान (एनआईएसई)
- अमृत- आवास एवं शहरी मामलों का मंत्रालय, भारत सरकार
- समरकंद स्टेट यूनिवर्सिटी, उज्बेकिस्तान
- नेशनल इनलैंड नेविगेशन इंस्टीट्यूट, एनआईएनआई (बिहार)
- आरती फाउंडेशन
- रेखी फाउंडेशन फॉर हैप्पीनेस
- कार्बन यू टर्न टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड
- भौतिकी अनुसंधान प्रयोगशाला, अहमदाबाद
- अदानी एंटरप्राइजेज लिमिटेड
- न्यू एज एजुकेशन एंड स्किल्स फाउंडेशन-नामटेक
- आईआईआईटी वडोदरा

- एचएमटी लिमिटेड-हिंदुस्तान मशीन टूल्स
- सेंटर फॉर हैवी हॉल रेल रिसर्च एंड डेवलपमेंट-सीएचएचआरडी, नोएडा
- ट्वेंटी-फर्स्ट सेंचुरी माइनिंग प्राइवेट लिमिटेड
- सुजलॉन एनर्जी लिमिटेड
- हाइड्रोकार्बन सेक्टर स्किल काउंसिल (एचएसएससी), नोएडा
- एलायंस फॉर एनर्जी एफिशिएंट इकोनॉमी, एईईई, नई दिल्ली
- पॉवरग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड
- जीबी पंत इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, पौड़ी गढ़वाल
- सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालयस्कूल ऑफ आर्टिलरी: भारतीय सेना
- राष्ट्रीय कृषि-खाद्य एवं जैव विनिर्माण संस्थान (एनएबीआई)
- आईसीएआर-राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान संस्थान करनाल
- इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई), भारत एआई
- पुल, रोपवे, सुरंग, एवं अन्य
- उत्तराखंड इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड (ब्रिडकुल)
- एडोवु वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड (एडक्सल)
- जीरो कोड टेक्नोलॉजीज एंड एप्लाइड रिसर्च (जेईटीए)
- इमार्टिकस लर्निंग प्राइवेट लिमिटेड
- चड्ढा पेपर लिमिटेड (सीपीएल)
- यूपीएल यूनिवर्सिटी ऑफ सस्टेनेबल टेक्नोलॉजी
- नेशनल सेंटर फॉर गुड गवर्नेंस (एनसीजीजी)
- बीएआईएफ डेवलपमेंट रिसर्च फाउंडेशन
- बायोरिटिन बायोसाइंसेज
- फ्यूचरेंस टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड
- सनराइज मेंटर्स प्राइवेट लिमिटेड (कोडिंग निंजा)
- सीएलए इंडस वैल्यू कंसल्टिंग प्राइवेट लिमिटेड
- भाखड़ा ब्यास मैनेजमेंट बोर्ड
- सहारनपुर टेस्टिंग इंस्ट्रूमेंट्स प्राइवेट लिमिटेड लिमिटेड
- रबर केमिकल एवं पेट्रोकेमिकल कौशल विकास परिषद (आरसीपीएसडीसी)
- अंतर्राष्ट्रीय जल प्रबंधन संस्थान (आईडब्ल्यूएमआई)
- जियोएक्सपोअर प्राइवेट लिमिटेड
- महाराष्ट्र सरकार में नगर नियोजन निदेशक

कुछ प्रमुख समझौता ज्ञापन इस प्रकार हैं:-

- सूर्या कमांड ने आईआईटी रुड़की के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए, यह सहयोग बोफोर्स तोप प्रणाली के लिए एक एआई-आधारित इलेक्ट्रॉनिक सर्किट यूनिट और ऊबड़-खाबड़ इलाकों में सुरक्षित निकासी के लिए एक जाइरोस्कोपिक रुप से स्थिर स्ट्रेचर के विकास पर केंद्रित था। इस साझेदारी ने शिक्षा-रक्षा संबंधों को मजबूत किया एवं स्वदेशी तकनीकी क्षमताओं को आगे बढ़ाने में आईआईटी रुड़की की भूमिका को मजबूत किया।

- भारतीय सेना की 6 माउंटेन डिवीजन ने डिजाइन एवं विकास गतिविधियों के लिए आईआईटी रुड़की के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए, जिससे भारतीय सेना की तकनीकी आवश्यकताओं को समझने में आईआईटी रुड़की से भारतीय सेना को विशेषज्ञ सलाह/परामर्श प्रदान किया जा सके।

- हेला इंडिया लाइटिंग लिमिटेड ने आईआईटी रुड़की के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए, जिसमें आईआईटीआर छात्रों को अनुसंधान सहयोग एवं कार्य-छात्रवृत्ति व प्रीप्लेसमेंट प्रस्ताव शामिल हैं। साथ ही, डॉक्टरेट अनुसंधान के लिए पीएम

फेलोशिप सहयोग, सीएसआर पहल के तहत उद्योग-उन्मुख एमटेक कार्यक्रम। आईसीएआर-केंद्रीय भैंस अनुसंधान संस्थान ने आईआईटी रुड़की के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए, बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन, यूएसए द्वारा प्रायोजित 'डिजिटल सपोर्ट सिस्टम का उपयोग करके जलवायु स्मार्ट भैंस पालन' नामक शोध परियोजना के लिए, "आईसीएआर-सीआईआरबी, प्रमुख केंद्र के रूप में है, और आईआईटी रुड़की एवं एडिलेड विश्वविद्यालय संयुक्त अंतरराष्ट्रीय सहभागिता में सहयोगी भागीदार हैं।

- कंटेनर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड ने अनुसंधान एवं नवाचार के माध्यम से लॉजिस्टिक्स को बदलने के लिए आईआईटी रुड़की के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। यह रणनीतिक सहयोग उन्नत अनुकूलन मॉडल और निर्णय समर्थन प्रणाली विकसित करके, विशेष रूप से पश्चिमी समर्पित माल ढुलाई गलियारे (डब्लूडीएफसी) पर कंटेनरीकृत माल की आवाजाही को अनुकूलित करने पर केंद्रित है।

- गेक्सन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रीन हाइड्रोजन एनर्जी सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड और ग्रीनस्टैट हाइड्रोजन इंडिया लिमिटेड ने भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार के कार्यालय की पहल के साथ हाइड्रोजन अर्थव्यवस्था में प्रक्रिया सुरक्षा और जोखिम भेद्यता में उन्नत विज्ञान केंद्र शुरू करने के लिए आईआईटी रुड़की के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

- रेखी फाउंडेशन फॉर हैप्पीनेस ने आईआईटी रुड़की के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसके तहत आईआईटी रुड़की में "सेंटर ऑफ एक्सलेन्स फॉर द साइन्स ऑफ हैपीनेस्स" की स्थापना की जाएगी। इस सहयोग के पीछे मुख्य विचार खुशनुमा वातावरण के अनुप्रयोग के माध्यम से छात्रों और कर्मचारियों के लिए अनुसंधान, प्रशिक्षण, शिक्षा एवं खुशहाली के वातावरण को बढ़ावा देना है।

- न्यू एज मेकर्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एनएएमटेक) ने आईआईटी रुड़की के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। इस समझौता ज्ञापन का उद्देश्य अनुसंधान, संगोष्ठी और छात्रों के उद्योग इंटरफेस के लिए संयुक्त सहयोग की संभावना तलाशना है। इसमें छात्रों को एनएएमटेक के औद्योगिक व्यावसायिक जुड़ाव कार्यक्रम (आईपीईपी) में शामिल करने पर विशेष जोर दिया जाएगा। दोनों संगठनों ने संयुक्त इंटर्नशिप, एक्शन रिसर्च प्रोजेक्ट, फैकल्टी क्षमता विकास, परामर्श कार्य, अतिथि व्याख्यान और सम्मेलन, संगोष्ठी जैसी आउटरीच गतिविधियों के लिए सहयोग की संभावना तलाशने का फैसला किया है।

- एचएमटी लिमिटेड ने आईआईटी रुड़की के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए, दोनों संगठनों के लिए पारस्परिक लाभ के संबंध स्थापित करने के लिए, आईआईटीआर और एचएमटी ने शैक्षणिक एवं अनुसंधान संबंधी गतिविधियों के लिए सहयोग के क्षेत्रों पर सहमति व्यक्त की है, जिसमें आईआईटीआर छात्रों के लिए टॉप-अप फेलोशिप और वर्क स्टूडेंटशिप, इंटर्नशिप, प्रयोगशाला सुविधाओं और उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) को प्रायोजित करना, एचएमटी कर्मचारियों के लिए पाठ्यक्रम और कार्यशालाएं, आईआईटी रुड़की में हैकथॉन और प्रदर्शनियां शामिल हैं।

- पावरग्रिड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया ने सीएसआर पहल के तहत दोनों संगठनों के लिए पारस्परिक लाभ के संबंध स्थापित करने और तीन अत्याधुनिक उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) स्थापित करने के लिए आईआईटी रुड़की के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। पावरग्रिड और आईआईटी रुड़की ने तीन अत्याधुनिक उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) स्थापित करने के लिए साझेदारी की है, जिसमें यूएचएस नेटवर्क के लिए एक कमांड-एंड-कंट्रोल सेंटर, एक आईओटी अनुसंधान एवं अनुप्रयोग केंद्र और एक साइबर सुरक्षा एवं मोबाइल सुरक्षा लैब शामिल है।
- सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने राष्ट्रीय राजमार्गों पर सुरंग परियोजनाओं पर तकनीकी सहयोग के लिए सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय व आईआईटी रुड़की के बीच

सहयोग के लिए सामान्य रूपरेखा को रेखांकित करने के लिए आईआईटी रुड़की के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

- भारतीय सेना के आर्टिलरी स्कूल ने आईआईटी रुड़की के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए, जिसका उद्देश्य दोनों संगठनों के बीच सहयोगात्मक अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए आईआईटी रुड़की में उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) की स्थापना करना है। प्रस्तावित केंद्र का नाम "रक्षा एवं सुरक्षा में अध्ययन एवं अनुप्रयुक्त अनुसंधान के लिए उत्कृष्टता केंद्र" होगा।

- राष्ट्रीय कृषि-खाद्य एवं जैव विनिर्माण संस्थान (एनएबीआई) के साथ समझौता ज्ञापन, जैव प्रौद्योगिकी, जैव विनिर्माण, न्यूट्रास्युटिकल्स, नैनो प्रौद्योगिकी एवं संबंधित क्षेत्रों के पारस्परिक रुप से सहमत क्षेत्रों में सहयोगात्मक अनुसंधान और विकास हेतु, इन क्षेत्रों में अनुसंधान को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से

अंतर्राष्ट्रीय संगठनों और निजी क्षेत्र की संस्थाओं के साथ संयुक्त साझेदारी।

- रोपवे प्रौद्योगिकियों के पारस्परिक रूप से सहमत क्षेत्रों में सहयोगात्मक अनुसंधान एवं विकास के लिए ब्रिडकुल ने आईआईटी रुड़की के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। दोनों संगठनों के लिए पारस्परिक लाभ के संबंध स्थापित करने के उद्देश्य से, ब्रिडकुल और आईआईटीआर ने इस समझौता ज्ञापन में उल्लिखित शैक्षणिक एवं अनुसंधान-संबंधी गतिविधियों पर सहयोग के निम्नलिखित क्षेत्रों पर सहमति व्यक्त की है।

बौद्धिक अधिकार संपदा प्रकोष्ठ

संस्थान का आईपीआर प्रकोष्ठ बौद्धिक संपदा से संबंधित सभी गतिविधियों के लिए संपर्क का एकमात्र बिंदु है। आईपीआर प्रकोष्ठ के कार्य क्षेत्र में सभी प्रकार के आईपी दाखिल करना और उनका प्रबंधन करना शामिल है। इसके अलावा, आईपीआर प्रकोष्ठ अनुदान प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाने और प्रौद्योगिकियों के आगामी व्यावसायीकरण के लिए पेटेंट आवेदन की तैयारी की सुविधा भी प्रदान करता है। प्रौद्योगिकियों के टीआरएल स्तर में सुधार के लिए 2022 में टीआरएलबी योजना शुरू की गई। इसके बाद, कई आविष्कारकों को अपनी संबंधित प्रौद्योगिकियों के टीआरएल स्तर में सुधार के लिए संस्थागत समर्थन प्राप्त हुआ। इस वर्ष आईआईटी रुड़की को बौद्धिक संपदा प्रबंधन में उत्कृष्टता के लिए आईपी सीआईआई पुरस्कार 2024 प्राप्त हुआ, जिसमें अनुसंधान परिणामों को स्वीकृत पेटेंट में बदलने की एक मजबूत क्षमता का प्रदर्शन किया गया। आईपीआर प्रकोष्ठ छात्रों और संकाय सदस्यों को अपने स्वयं के नवीन विचारों में निवेश करने और अपनी बौद्धिक संपदा की रक्षा करने के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से विभिन्न कार्यशालाओं और अन्य सूचनात्मक सत्रों के माध्यम से विभागीय एवं संस्थागत स्तर पर जागरूकता बढ़ाने के निरंतर प्रयास करता है। आईपीआर प्रकोष्ठ वेबिनार के नियमित घटकों में डर्वेंट इनोवेशन डेटाबेस का उपयोग करके पूर्व कला खोज पर प्रशिक्षण शामिल है। समय-समय पर, बहुत सारी आईपीआर प्रतियोगिताएं भी आयोजित की जाती हैं और एक व्यापक आईपी पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के प्रयास में कई वेबिनार, विशेषज्ञ वार्ता और कार्यशालाएं आयोजित की जाती हैं। आईपीआर प्रकोष्ठ प्रक्रिया, सुव्यवस्थित करने और बौद्धिक संपदा के आवेदन व अनुदान में तेजी लाने के लिए समर्पित है, जिसमें रिकॉर्ड तोड़ 143 पेटेंट आवेदन देखे गए हैं, जिनमें से 62 को मंजूरी दी गई है।

पेटेंट एवं अन्य आईपी फाइलिंग:

बौद्धिक संपदा (आईपी) नवाचार के गतिशील परिदृश्य में, पिछले वित्तीय वर्ष में उल्लेखनीय उछाल आया। इस समयावधि के दौरान, बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) सेल में विभिन्न गतिविधियों की भरमार रही, जिसमें छात्रों एवं शैक्षणिक सदस्यों के समूह से 193 आईपी आवेदन प्राप्त हुए। इन प्रस्तुतियों की बौद्धिक संपदा मूल्यांकन समितियों (आईपीएसी) द्वारा सावधानीपूर्वक जांच की गई, जिसके परिणामस्वरूप 143 पेटेंट दाखिल किए गए। यह अवधि रचनात्मकता और सरलता की एक समृद्ध संस्कृति का प्रतीक थी, जो बौद्धिक संपदा के क्षेत्र में मूर्त योगदान के रूप में परिणत हुई।

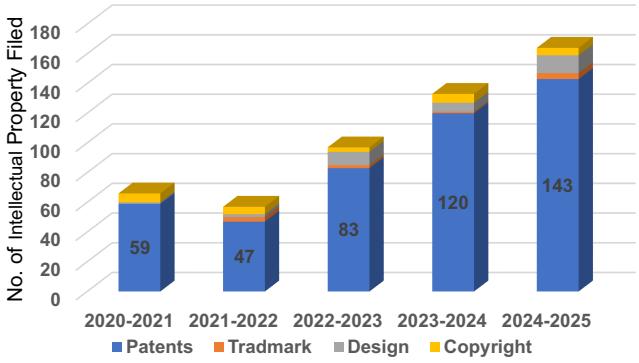

चित्र 1: पिछले पांच वर्षों में दायर बौद्धिक संपदा आवेदनों की संख्या

आईपी प्रकार	दायर आवेदन (सं.)
भारतीय पेटेंट दायर	143
भारतीय पेटेंट स्वीकृत	01
पीसीटी आवेदन	04
ट्रेडमार्क	12
औद्योगिक डिजाइन	05
औद्योगिक डिजाइन पंजीकृत	05
कॉपीराइट	05
कुल आईपी	**231**

तालिका 1: वित्त वर्ष 2024-25 में दायर पेटेंट एवं अन्य आईपीआर आवेदन

आईआईटी रुड़की को आईपी सीआईआई पुरस्कार 2024 प्राप्त हुआ

आईआईटी रुड़की ने प्रकाशित पेटेंटों के मुकाबले स्वीकृत पेटेंटों के अपने असाधारण अनुपात के लिए विशेष मान्यता प्राप्त की है, जो बौद्धिक संपदा (आईपी) प्रबंधन में संस्थान की उत्कृष्टता को उजागर करता है। यह शोध परिणामों को स्वीकृत पेटेंटों में प्रभावी रूप से परिवर्तित करने की अपनी क्षमता के लिए जाना जाता है। सुव्यवस्थित प्रक्रियाओं और मजबूत संस्थागत समर्थन के साथ, आईआईटी रुड़की कुशल आईपी फाइलिंग और व्यावसायीकरण सुनिश्चित करता है, जो नवाचार एवं बौद्धिक संपदा की सुरक्षा के लिए अपनी मजबूत प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।

संस्थान नवाचार परिषद

संस्थान नवाचार परिषद (आईआईसी) भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के नवाचार प्रकोष्ठ (एमआईसी) के तहत शुरू की गई एक पहल है, जिसका उद्देश्य उच्च शिक्षण संस्थानों में नवाचार एवं उद्यमिता को बढ़ावा देना है। परिसर में एक जीवंत नवाचार संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए स्थापित, आईआईसी छात्रों एवं शिक्षकों को विचार, अनुसंधान एवं वास्तविक दुनिया की समस्याओं के लिए उन्नत समाधानों के विकास में सक्रिय रूप से शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करता है। परिषद नियमित रूप से कार्यशालाएँ, हैकथॉन, स्टार्टअप मेंटरिंग सत्र एवं उद्यमिता विकास गतिविधियाँ आयोजित करती है। मंत्रालय के नेतृत्व वाली इस पहल के माध्यम से, आईआईसी संस्थागत नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने और इसे राष्ट्रीय नवाचार एवं स्टार्टअप लक्ष्यों के साथ संरेखित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

आईआईसी 4-स्टार रेटिंग

आईआईटी रुड़की को संस्थान की इनोवेशन काउंसिल (आईआईसी) से प्रतिष्ठित 4-स्टार रेटिंग से सम्मानित किया गया है, जो नवाचार एवं उद्यमिता की जीवंत संस्कृति को बढ़ावा देने में इसके अनुकरणीय प्रयासों का प्रमाण है। यह प्रतिष्ठित मान्यता अनुसंधान उत्कृष्टता को आगे बढ़ाने, स्टार्टअप को बढ़ावा देने और परिवर्तनकारी तकनीकी प्रगति को आगे बढ़ाने के लिए संस्थान की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है।

आईआईसी क्षेत्रीय मीट में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार

आईआईटी रुड़की को क्षेत्रीय सम्मेलन में प्रतिष्ठित आईआईसी सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार से सम्मानित किया गया है, जिसमें इसके उत्कृष्ट शोध एवं उन्नत विचारों को मान्यता दी गई है। यह सम्मान शैक्षणिक उत्कृष्टता के प्रति संस्थान की प्रतिबद्धता और जटिल शोध परिणामों को प्रभावी ढंग से संप्रेषित करने की इसकी क्षमता को दर्शाता है। यह पुरस्कार नवाचार की संस्कृति को बढ़ावा देने, ज्ञान के प्रसार को प्रोत्साहित करने और प्रौद्योगिकी एवं अनुसंधान की उन्नति में महत्वपूर्ण योगदान देने पर आईआईटी रुड़की की निष्ठा को रेखांकित करता है।

शॉर्ट टर्म आईपीआर कोर्स

आईआईटी रुड़की में आईपीआर प्रकोष्ठ एवं डीपीआईआईटी आईपीआर चेयर सतत शिक्षा केंद्र के सहयोग से साल में दो बार आईपी कोर्स आयोजित करता है। इस कोर्स का उद्देश्य पेटेंटिंग, कॉपीराइट और प्रौद्योगिकी व्यावसायीकरण सहित बौद्धिक संपदा अधिकारों की समझ को बढ़ाना है। यह संकाय, शोधकर्ताओं और उद्योग व्यावसायिकों के लिए उनके आईपी ज्ञान को मजबूत करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह कार्यक्रम नवाचार और प्रभावी आईपी प्रबंधन की संस्कृति को बढ़ावा देता है।

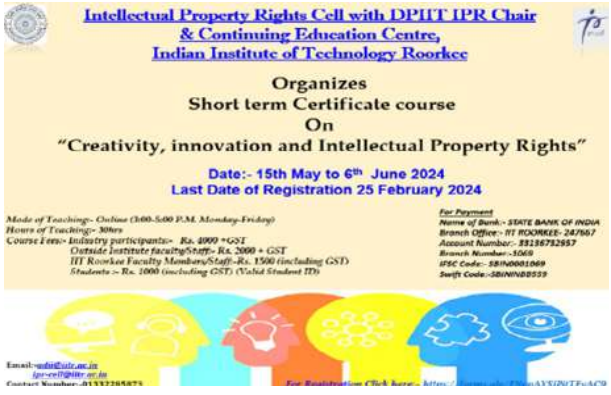
Intellectual Property Rights Cell with DPIIT IPR Chair
& Continuing Education Centre,
Indian Institute of Technology Roorkee

Organizes
Short term Certificate course
On
"Creativity, innovation and Intellectual Property Rights"

Date:- 15th May to 6th June 2024
Last Date of Registration 25 February 2024

Mode of Teaching:- Online (3:00-5:00 P.M. Monday-Friday)
Hours of Teaching:- 30hrs
Course Fees:- Industry participants:- Rs. 4999 +GST
Outside Institute faculty/Staff:- Rs. 2000 + GST
IIT Roorkee Faculty Members/Staff:-Rs. 1500 (including GST)
Students :- Rs. 1000 (including GST) (Valid Student ID)

For Payment
Name of Bank:- STATE BANK OF INDIA
Branch Office:- IIT ROORKEE- 247667
Account Number:- 33136732957
Branch Number:-1069
IFSC Code:- SBIN0001069
Swift Code:-SBININBB559

संकाय उद्यमिता को समर्थन

आईआईटी रुड़की के संकाय सदस्य सक्रिय रूप से उद्यमशील उपक्रमों को आगे बढ़ाते हैं, अपने शोध एवं क्षेत्रों की विशेषज्ञता का लाभ उठाते हुए उन्नत समाधान विकसित करते हैं और स्टार्टअप लॉन्च

करते हैं। संस्थान का मजबूत और सहायक पारिस्थितिकी तंत्र उन्हें अभूतपूर्व विचारों को प्रभावशाली उद्यमों में बदलने के लिए सशक्त बनाता है। अत्याधुनिक तकनीकों द्वारा संचालित ये उद्यम नवाचार और सहयोग की भावना का उदाहरण हैं जो आईआईटी रुड़की के उद्यमशीलता परिदृश्य को परिभाषित करता है। आज तक, 50 संकाय सदस्यों ने इस पहल के तहत अपने उद्यम पंजीकृत किए हैं। उल्लेखनीय रूप से, पिछले वित्तीय वर्ष में ही, आईआईटी रुड़की में 15 स्टार्टअप स्थापित किए गए, जो उन्नत तकनीकों को व्यवहार्य वाणिज्यिक समाधानों में बदलने पर केंद्रित थे। उनमें से कुछ हैं:- एडवांस्ड मैन्यूफैक्चरिंग सॉल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड

- बैटजी एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड
- एनर्जीएनव स्मार्ट केमिकल्स एंड मैटेरियल्स प्राइवेट लिमिटेड
- विएग्रोसिस टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड
- एडवांस्ड मेम्ब्रेन होराइजन प्राइवेट लिमिटेड
- ईसीओ कार्बन इनोवेटर

प्रौद्योगिकी हस्तांतरण गतिविधियाँ

प्रौद्योगिकी हस्तांतरण एवं व्यावसायीकरण तथा अनुसंधान प्रयोगशालाओं से नवाचारों को बाज़ार तक लाने के लिए महत्वपूर्ण प्रक्रियाएँ हैं, ताकि इसे वास्तविक पारिस्थितिकी तंत्र में लाया जा सके, आईपीआर प्रकोष्ठ प्रौद्योगिकी के निम्नलिखित प्रमुख पहलुओं पर काम करता है

- प्रौद्योगिकी की पहचान: शोधकर्ता या नवप्रवर्तक वाणिज्यिक क्षमता वाली प्रौद्योगिकियों की पहचान करते हैं
- बाजार मूल्यांकन: बाजार की मांग, प्रतिस्पर्धा और संभावित ग्राहकों को समझने के लिए विश्लेषण किया जाता है
- लाइसेंसिंग या सहयोग:
- उत्पादों या प्रक्रियाओं में प्रौद्योगिकी को एकीकृत करने के लिए लाइसेंसधारी को सहायता प्रदान की जा सकती है।

इस वर्ष, आईआईटी रुड़की ने चिकित्सा, अपशिष्ट जल उपचार, एआई/एमएल, बैटरी और स्थिरता सहित विभिन्न क्षेत्रों में 21 प्रौद्योगिकियों को हस्तांतरित किया। यह पहल सामाजिक प्रभाव पर ज़ोर देने के साथ नवाचार को बढ़ावा देने पर संस्थान की निष्ठा को उजागर करती है।

जागरूकता सत्र

एक मजबूत एवं व्यापक बौद्धिक संपदा पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के लिए बड़ी संख्या में वेबिनार, विशेषज्ञ वार्ता और कार्यशालाएँ आयोजित की गईं। इन आयोजनों का उद्देश्य छात्रों, शोधकर्ताओं और संकायों को आईपी के विभिन्न पहलुओं के बारे में शिक्षित करना और उनसे जुड़ना था। उन्होंने पूरे संस्थान में नवाचार जागरूकता को बढ़ावा देने और आईपी संरक्षण की संस्कृति को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

मीडिया आउटरीच

मीडिया प्रकोष्ठ: रणनीतिक दृश्यता एवं सहभागिता को बढ़ावा देना

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की में मीडिया प्रकोष्ठ रणनीतिक संचार, मीडिया जुड़ाव एवं सूचना के समय पर प्रसार के माध्यम से संस्थान की सार्वजनिक छवि को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। संस्थान के आधिकारिक संचार इंटरफ़ेस के रूप में, मीडिया प्रकोष्ठ आईआईटी रुड़की की शैक्षणिक उत्कृष्टता, शोध उपलब्धियों, संस्थागत उपलब्धियों एवं सामुदायिक पहलों को हितधारकों के व्यापक स्पेक्ट्रम तक पहुँचाने के लिए जिम्मेदार है। पिछले एक वर्ष में, मीडिया प्रकोष्ठ ने संस्थान की दृश्यता को काफी बढ़ाया है, जिसके परिणामस्वरूप प्रमुख राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय मीडिया प्लेटफ़ॉर्म पर 500 से अधिक फ़ीचर सामने आए हैं। बेहतर तरीके से शोध की गई सामग्री को क्यूरेट करके, आकर्षक कहानियाँ गढ़कर और दृश्य कहानी कहने का लाभ उठाकर, प्रकोष्ठ ने आईआईटी रुड़की को विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं नवाचार में अग्रणी के रूप में प्रभावशीलता के साथ स्थापित किया है। पारंपरिक मीडिया के अलावा, मीडिया प्रकोष्ठ ने ट्विटर, फेसबुक, लिंक्डइन, इंस्टाग्राम और यूट्यूब जैसे प्लेटफ़ॉर्म पर संस्थान की डिजिटल और सोशल मीडिया उपस्थिति को मजबूत किया है। बढ़ते डिजिटल दर्शकों के साथ, सेल यह सुनिश्चित करता है कि सूचना गतिशील, समावेशी एवं संस्थान के विज़न के अनुरूप बनी रहे। प्रमुख घटनाओं, शोध सफलताओं और राष्ट्रीय पहलों से जुड़े अभियानों ने पर्याप्त भागीदारी हासिल की है और सार्वजनिक चर्चा में आईआईटी रुड़की की पहुँच को बढ़ाया है। महत्वपूर्ण रूप से, मीडिया प्रकोष्ठ ने परिवर्तनकारी खोजों को उजागर करके, संकाय उपलब्धियों को बढ़ावा देकर और सुलभ प्रारूपों में जटिल शोध को प्रसारित करके अनुसंधान आउटरीच का सक्रिय रूप से समर्थन किया है। इन प्रयासों ने विभिन्न विषयों में आईआईटी रुड़की के अत्याधुनिक योगदान के बारे में लोगों की समझ और प्रशंसा को व्यापक बनाया है। सक्रिय आउटरीच से परे, मीडिया प्रकोष्ठ ने संवेदनशील संचार और संकट की स्थितियों के प्रबंधन में असाधारण क्षमता का प्रदर्शन किया है। पारदर्शिता और विश्वसनीयता पर ध्यान केंद्रित करते हुए, इसने सुनिश्चित किया है कि संस्थान का संदेश चुनौतीपूर्ण समय के दौरान स्पष्ट, समय पर और इसके मूल मूल्यों के अनुरूप बना रहे। मीडिया के साथ मजबूत संबंध बनाने, प्रेस विज्ञप्तियों का समन्वय करने, साक्षात्कारों की सुविधा प्रदान करने और प्रमुख कार्यक्रमों का समर्थन करने के अपने प्रयासों के माध्यम से, मीडिया प्रकोष्ठ आईआईटी रुड़की की प्रतिष्ठा और संस्थागत लोकाचार को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहा है।

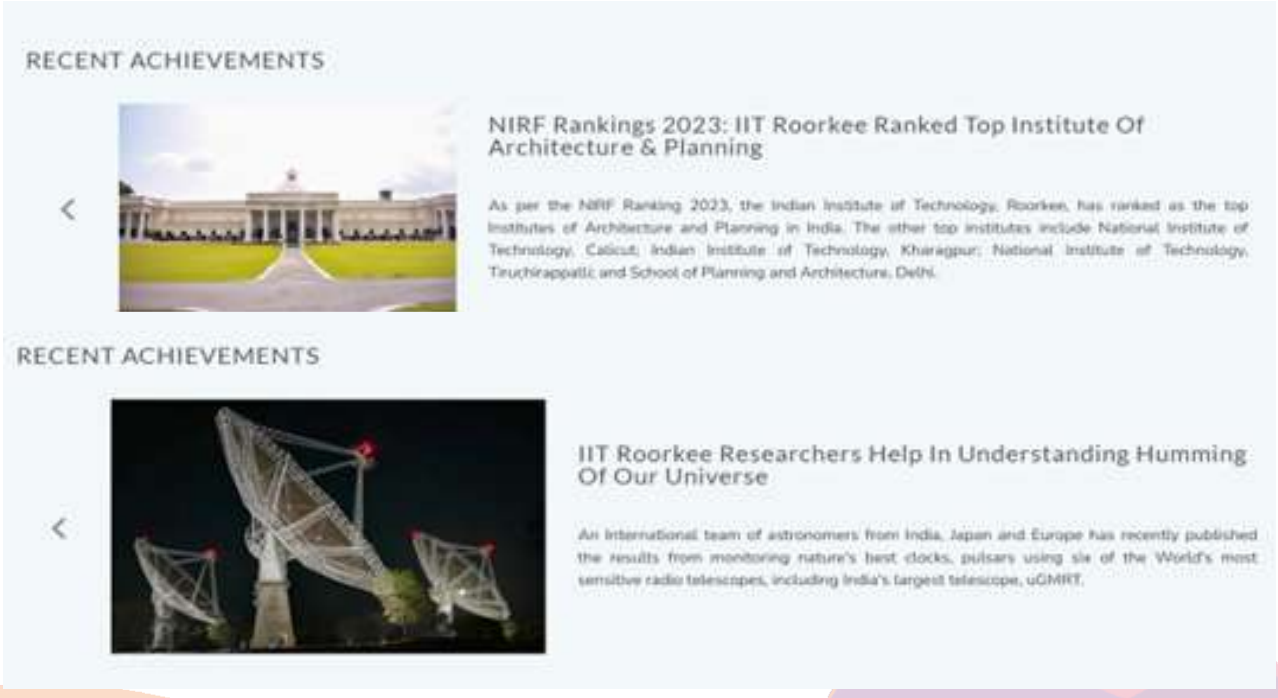

RECENT ACHIEVEMENTS

IIT Roorkee Professor Felicitated For Outstanding Contributions

Indian Institute of Technology Roorkee (IIT Roorkee) achieves another milestone. Prof Ramesh Chandra, Institute Instrumentation Centre, IIT Roorkee, was honoured at the recent DRDO-Academia Conclave organized by Defence Research and Development Organizations (DRDO) on May 25 - 26, 2023, at DRDO Bhawan New Delhi.

RECENT ACHIEVEMENTS

IIT Roorkee-Backed Start-Up Indi Energy Wins National Award 2022

Indian Institute of Technology Roorkee's (IIT Roorkee) start-up Indi Energy, which specializes in manufacturing Sodium-Ion batteries, has won the National Startup Awards 2022 in 'Energy Storage' category.

IITR IN MEDIA

IIT Roorkee organizes Industry-Academia Conclave on Sustainable Energy

READ MORE

Driving Financial Inclusion: IIT Roorkee's Trailblazing Conference on Digitaliza

READ MORE

IIT Roorkee Convocation: 1,916 degrees awarded to UG, PG, PhD graduates

READ MORE

IIT Roorkee to hold its Convocation as part of successful 3 years

READ MORE

IIT Roorkee's Research Awards 2022: Here's the list of winners

READ MORE

IIT Roorkee researchers help in understanding humming of our universe observed

READ MORE

IITR IN MEDIA

IIT Roorkee takes a key Step Towards Carbon-neutral and Air Pollution-Free Campus

READ MORE

IIT-Roorkee invents coating to enhance durability of submarine equipment

READ MORE

IIT Roorkee Organises A High-End Workshop On Demystifying Cell-Free Communication

READ MORE

IIT Roorkee and IOCL join hands for the promotion of education, research

READ MORE

IIT Roorkee Celebrates Yuva Sangam-II: Youth From Uttarakhand To Visit Telangana

READ MORE

IITR Celebrates National Tech Day in presence of governor Lt Gen (Retd)

READ MORE

IITR IN MEDIA

Renewable grid integration, green hydrogen labs inaugurated at IIT Roorkee

READ MORE

IITRDF And PTC India Financial Services Ltd. (PFS) Inked An MoU

READ MORE

IIT Roorkee organizes Industry-Academia Conclave on Sustainable Energy

READ MORE

Driving Financial Inclusion: IIT Roorkee's Trailblazing Conference on Digitaliza

READ MORE

IIT Roorkee Convocation: 1,916 degrees awarded to UG, PG, PhD graduates

READ MORE

IIT Roorkee to hold its Convocation as part of successful 3 years

READ MORE

RECENT RESEARCH

We Embrace AI To Tackle Disruptions

In an interview with BW Businessworld, Kamal Kishore Pant, Director, Indian Institute of Technology, Roorkee, highlights the utilisation of artificial intelligence and machine learning in optimising the efficient

READ MORE

IITRoorkee develops water-soluble coating to replace plastic in disposable paper

A team of researchers from the Indian Institute of Technology Roorkee, IIT Roorkee, has developed a coating for disposable paper that is water soluble and will be used in various applications with requirements of

READ MORE

IIT-Roorkee invents coating to enhance durability of submarine equipment

Researchers from the Centre for Nanotechnology at IIT-Roorkee have claimed to have developed a "first of its kind titanium-based coating" that would enhance the durability of the components of naval

READ MORE

RECENT RESEARCH

IIT Roorkee develops structural colour-based sensors from agro-waste sugarcan

A group of researchers from the Indian Institute of Technology Roorkee (IITR), department of polymer and process engineering have developed structural colour-based sensors by making structural

READ MORE

Researchers at IIT Roorkee are able to record Ultrafast Photoresponse in SiS

Imagine waste plastic bottles coming to your rescue during an earthquake. Scientists at IIT-Roorkee claimed to have developed a technique that will just do that for you.

READ MORE

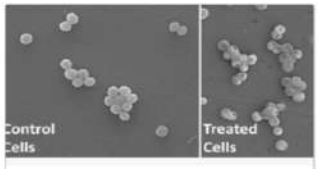

IIT Roorkee researchers discover new antibacterial molecule 'IITR00693'

IIT Roorkee researchers led by Prof Ranjana Pathania, discover New Antibacterial Molecule Against Superbugs, the molecule has shown potent antibacterial activity against a wide range of Gram-positive and

READ MORE

RECENT RESEARCH

IIT Roorkee Researchers developing sustainable technologies to tackle Plastic

IIT Roorkee researchers are developing sustainable technologies to tackle plastic and e-waste. The large generation of plastic waste and electronic waste (e-waste) has become a matter of concern due to

READ MORE

IIT Roorkee researchers help in understanding humming of our universe observed

An International team of astronomers from India, Japan and Europe has recently published the results from monitoring nature's best clocks, pulsars using six of the World's most sensitive radio telescopes,

READ MORE

We Embrace AI To Tackle Disruptions

In an interview with BW Businessworld, Kamal Kishore Pant, Director, Indian Institute of Technology, Roorkee, highlights the utilisation of artificial intelligence and machine learning in optimising the efficient

READ MORE

NOTABLE ACHIEVEMENTS

SOCIAL MEDIA BUZZ

PRINT COVERAGE

COMMENDING INNOVATION
IIT ROORKEE RESEARCHERS IDENTIFY POTENTIAL DRUG FOR CHIKUNGUNYA

E-Cell
TICKETS SOLD OUT!!
E-SUMMIT 2025
IIT ROORKEE'S E-SUMMIT 2025

SMART INDIA HACKATHON
TRANSFORMING NATION

LATEST UPDATES
IIT Roorkee Successfully Hosts Winter School on Globalization, Development, Gender, and Leadership
IIT Roorkee Signs MoUs to Preserve, Promote, and Revitalize Craft, Culture, Heritage, and Tourism in Uttarakhand.
IIT Roorkee licensed technology with Jagatjit Agri India Private Limited.
IIT Roorkee conducts flag ceremony for Yuva Sangam
THE NEWS
IIT Roorkee Researchers Develop Millet-Based Edible Straws – A Healthier and Eco-Friendly Choice.
IIT Roorkee proudly celebrated the 76th Republic Day, led by Prof. K.K. Pant & Prof. U.P. Singh.
Grand Opening of Virasat Festival 2025 and Zonal Convention at IIT Roorkee
Congratulations to Prof. Kaushik Parida for receiving the highly prestigious SMC Emerging Scientist Award 2024.
UPCOMING EVENTS
The Department of Water Resources Development and Management (WRD&M), IIT Roorkee, is offering 1 year P.G. Diploma and 2 years M.Tech Degree Programmes in Water Resources Development, Irrigation Water Management, Drinking Water and Sanitation Specializations. The programs are designed for sponsored candidates to build expertise in sustainable water management. Last date for applications: June 30, 2025.

IIT ROORKEE AND NIIGATA UNIVERSITY START DOUBLE PHD PROGRAM FOR STUDENTS IN INDIA AND JAPAN

IIT ROORKEE RESEARCHERS UNVEIL BREAKTHROUGH STUDY ON MOTHER'S MILK AS A PROBIOTIC DELIVERY VEHICLE

TRANSFORMING LIVES FOREVER

MECHANICAL ENGINEER FROM IIT-ROORKEE AND FORMER HARYANA CS, VIVEK JOSHI NOW ELECTION COMMISSIONER

M.Tech. (VLSI)
Industry Professionals
2025-26
Last Date :
05 May 2025
APPLY NOW
CAREER DEVELOPMENT CELL
IIT ROORKEE
COMET'25
CELEBRATING EXCELLENCE
IIT ROORKEE WELCOMES COMET'25 - A GRAND SHOWCASE OF INNOVATION, LEADERSHIP & EXCELLENCE

इनक्यूबेशन इकाइयाँ

प्रौद्योगिकी नवाचार एवं उद्यमिता विकास सोसायटी (टाइड्स) टाइड्स बिजनेस इनक्यूबेटर

प्रौद्योगिकी नवाचार एवं उद्यमिता विकास सोसाइटी (टाइड्स) आईआईटी रुड़की एवं स्थानीय उत्तराखंड क्षेत्र में नवाचार एवं उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए सोसाइटी पंजीकरण अधिनियम, 1860 के तहत गठित एक सोसाइटी है।

टाइड्स, आईआईटी रुड़की में एक बिजनेस इनक्यूबेटर "टाइड्स बिजनेस इनक्यूबेटर" चलाता है और उसका प्रबंधन करता है, जिससे नए स्टार्टअप को इनक्यूबेट किया जा सके। टाइड्स बिजनेस इनक्यूबेटर को भारत सरकार द्वारा एक अग्रणी इनक्यूबेटर के रूप में मान्यता प्राप्त है। #startupindia

टीआईडीईएस टीम का नेतृत्व प्रोफेसर के.के. पंत, अध्यक्ष, शासी निकाय एवं निदेशक, आईआईटी रुड़की; श्री आजम अली खान, सीईओ; डॉ. संजीव मन्हास, संकाय प्रभारी; तथा शिक्षा एवं उद्योग जगत के अन्य सदस्य कर रहे हैं।

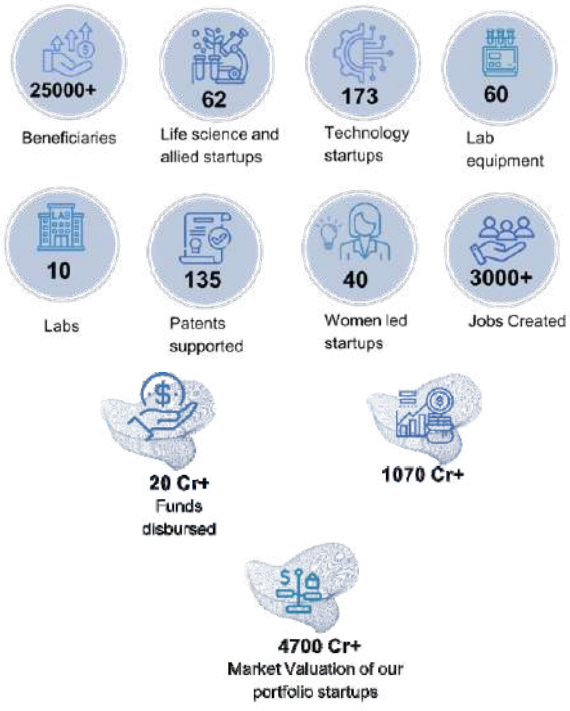

- आईआईटी रुड़की के टाइड्स में प्री-इन्क्यूबेशन महत्वाकांक्षी उद्यमियों को अपने स्टार्टअप विचारों को परिष्कृत करने के लिए एक मंच प्रदान करता है। यह उद्योग विशेषज्ञों तक मार्गदर्शन, संसाधन एवं पहुँच प्रदान करता है। प्री-इन्क्यूबेशन शुरुआती चरण के उद्यमों का समर्थन करता है, उन्हें व्यवसाय मॉडल विकसित करने, विचारों को मान्य करने और इनक्यूबेशन कार्यक्रम के लिए तैयार करने में मदद करता है।

- आईआईटी रुड़की के टाइड्स में इनक्यूबेशन संसाधनों, मेंटरशिप और बुनियादी ढांचे के माध्यम से स्टार्टअप को बढ़ावा देता है। यह कार्यालय, प्रयोगशालाएं, प्रोटोटाइपिंग जैसी सुविधाएं प्रदान करता है और स्टार्टअप को उद्योग विशेषज्ञों से जोड़ता है। टाइड्स कार्यशालाएं एवं प्रशिक्षण निवेशकों तक पहुंच प्रदान करती है। इसका विभिन्न क्षेत्रों में सफल उद्यमों का समर्थन करने, उद्यमशीलता और नवाचार को बढ़ावा देने का ट्रैक रिकॉर्ड है।

- **Startup Portfolio**

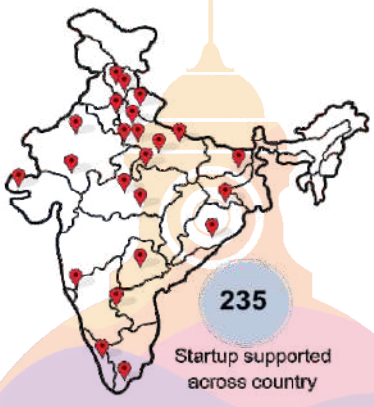

Funding and Acquisition

18+
Startup Funding Programs

5+
Ministries Associated

Partnership & Collaborations

90+
Ecosystem Partners

पुरस्कार एवं प्रशंसा:

1. टाइड्स इनक्यूबेटेड स्टार्टअप इंडी एनर्जी को "एसआईडीबीआई यंग एनवायरनमेंटल चैंपियंस चैलेंज" की "वेस्ट टू एनर्जी सॉल्यूशंस एंड रिसाइकिलिंग टेक्नोलॉजीज" की श्रेणी में प्रथम स्थान दिया गया।
2. टाइड्स इनक्यूबेटेड स्टार्टअप आकाशलब्धि प्राइवेट लिमिटेड को उद्योग मंत्रालय के स्टार्टअप ओडिशा द्वारा "वर्ष 2023-24 का सर्वश्रेष्ठ इनोवेटिव स्टार्टअप" के प्रतिष्ठित खिताब से सम्मानित किया गया।
3. स्टार्टअप फेनमैन एनर्जी ने प्रसिद्ध आईआईटी रुड़की परिसर में स्थित टाइड्स बिजनेस इनक्यूबेटर में इनक्यूबेट होने के साथ ही एक परिवर्तनकारी यात्रा शुरु की।
4. हॉर्नेट बायोलॉजिकल प्राइवेट लिमिटेड को कर्नाटक स्टार्टअप नीति 2022-27 की आइडिया2पीओसी अनुदान सहायता योजना के तहत भारतीय रुपयों में 21,00,000 प्रदान किए गए।
5. टाइड्स आईआईटी रुड़की ने "यूरोपीय/नॉर्डिक बाजार में प्रवेश: अवसर एवं चुनौतियां" पर एक आकर्षक और ज्ञानवर्धक इंटरैक्टिव सत्र आयोजित किया।
6. टाइड्स आईआईटी रुड़की के उन्नत स्टार्टअप में से एक, मोक्स ने अगामी स्टोर्स के साथ एक रणनीतिक साझेदारी की।
7. यूग्रीन टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड के संस्थापक गौरव द्विवेदी ने शिक्षा मंत्रालय के इनोवेशन प्रकोष्ठ एवं एआईसीटीई से 6 लाख रुपये का अनुदान प्राप्त किया।
8. टाइड्स आईआईटी रुड़की के इनक्यूबेटेड स्टार्टअप, पेरोवस्काइट इनोवेशन प्राइवेट लिमिटेड ने सोलर विंडो टेक्नोलॉजी को आगे बढ़ाने के लिए आईओसीएल स्टार्ट-अप चैलेंज अनुदान जीता।
9. टाइड्स आईआईटी रुड़की के सीईओ, आजम अली खान ने सैन फ्रांसिस्को में भारत के माननीय महावाणिज्यदूत डॉ. के. श्रीकर रेड्डी से मुलाकात की।
10. टाइड्स आईआईटी रुड़की ने उन्नत जीपीयू क्लाउड समाधानों के अग्रणी प्रदाता ई2ई क्लाउड के साथ सहयोग किया।
11. टाइड्स आईआईटी रुड़की के सीईओ आजम अली खान ने बर्कले यूनिवर्सिटी में स्काईडेक एक्सेलेरेटर का दौरा किया।
12. टाइड्स आईआईटी रुड़की के एग्रीटेक स्टार्टअप एसएस एग्रीकल्चर इनोवेशन ने "सस्टेनेबल स्टार्टअप ऑफ द ईयर 2023-24" पुरस्कार जीता।
13. टाइड्स आईआईटी रुड़की ने ऑस्टिन, टेक्सास में IITRAANA (आईआईटीआरएएनए) ग्लोबल कॉन्क्रेंस में भाग लिया।
14. टाइड्स आईआईटी रुड़की के इनक्यूबेटेड स्टार्टअप फ्लैब्स ने 1 मिलियन से अधिक मेडिकल रिपोर्ट तैयार की।
15. टाइड्स आईआईटी रुड़की के इनक्यूबेटेड स्टार्टअप गोहेम्प एग्रोवेंचर ने सोलर डेकाथलॉन क्लाइमेट स्मार्ट इनोवेशन प्रदर्शनी 2024 के लिए अर्हता प्राप्त की।
16. गोहेम्प एग्रोवेंचर ने ऑस्ट्रेलिया के पर्थ में हेम्प होम एक्सपो 2024 में सस्टेनेबल आर्किटेक्चर में भारत के नवाचार को प्रदर्शित किया।
17. टाइड्स आईआईटी रुड़की द्वारा संचालित इनक्यूबेटेड स्टार्टअप आकाशलब्धि प्राइवेट लिमिटेड को एक्सपेंडेबल स्पेस हैबिटेट के निर्माण पर उनके अभूतपूर्व कार्य के लिए "द टाइम्स ऑफ इंडिया" में शामिल किया गया।
18. टाइड्स आईआईटी रुड़की द्वारा संचालित स्टार्टअप यूग्रीन टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड ने ऑयल इंडिया लिमिटेड के साथ कार्बन कैप्चर प्रोजेक्ट को सफलतापूर्वक पूरा किया।
19. टाइड्स आईआईटी रुड़की में निधि ईआईआर योजना के तहत एक स्टार्टअप, पेटेंटी टेक्नोलॉजी सॉल्यूशंस को 'इमर्जिंग स्टार स्टार्टअप अवार्ड्स 2024' से सम्मानित किया गया।
20. पेटेंटी टेक्नोलॉजी सॉल्यूशंस की संस्थापक अमृता एम. को एलीवेट 2023 कार्यक्रम जीतने के लिए स्टार्टअप कर्नाटक द्वारा सम्मानित किया गया।
21. टाइड्स आईआईटी रुड़की में निधि ईआईआर योजना के तहत एक स्टार्टअप कोडमेट ने मात्र 7 महीनों में 100,000 डॉलर का कुल राजस्व प्राप्त किया।
22. टाइड्स आईआईटी रुड़की में इनक्यूबेटेड स्टार्टअप मेंटिसवेव नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड को स्टार्टअप कर्नाटक एलिवेट 2023-24 के विजेताओं में से एक के रूप में मान्यता दी गई।
23. टाइड्स आईआईटी रुड़की में इनक्यूबेटेड स्टार्टअप गोहेम्प एग्रोवेंचर को अमृतम, सस्टेनेबल इंडिया अवार्ड से सम्मानित किया गया।
24. लॉग9 मैटेरियल्स के संस्थापक अक्षय सिंघल को यंग अचीवर अवार्ड से सम्मानित किया गया।
25. टाइड्स आईआईटी रुड़की को डीबीटी बीआईआरएसी द्वारा टियर III शहरों में देश के सर्वश्रेष्ठ इनक्यूबेटर के रूप में सम्मानित किया गया।
26. टाइड्स आईआईटी रुड़की को जेनिसिस कार्यक्रम के लिए मैटी द्वारा जी1 श्रेणी में कार्यान्वयन एजेंसी के रूप में चुना गया।

27. मुंबई में आयोजित मेकिंग इंडियाइम्प्लोयेबल कॉन्फ्रेंस एंड अवाड्र्स 2024 में, भूमिकैम के संस्थापक प्रो. सिद्धार्थ खरे को राइजिंग स्टार अवार्ड से सम्मानित किया गया!
28. पेटेन्टी टेक्नोलॉजी सॉल्यूशंस की संस्थापक अमृता एम. को एंटरप्रेन्योर ऑफ द ईयर अवार्ड से सम्मानित किया गया।
29. टीम कोडमेट को एक्सपैंड नॉर्थ स्टार, जिटेक्स ग्लोबल 2024 में प्रदर्शन करने का अवसर मिला।
30. एसएमडीपावर सॉल्यूशंस ने लोकमत गोवा स्टार्टअप टूरिज्म अवाड्र्स में सर्वश्रेष्ठ इनोवेटिव स्टार्टअप अवार्ड जीता।
31. नवस्ट्रीम इनोवेशन को चौथे सीएसआई आईटी एक्सीलेंस अवाड्र्स 2024 में यंग स्टार्ट-अप ऑफ द ईयर से सम्मानित किया गया।
32. अवकलन लैब्स भारत से चुने गए 30 स्टार्ट-अप में से एक था, जिसे 20 और 21 नवंबर, 2024 को फिनलैंड के हेलसिंकी में आयोजित स्लश इवेंट के लिए स्टार्ट-अप प्रतिनिधि के रूप में चुना गया।
33. साक्षी ईवी कोहोर्ट से एक बेहतरीन स्टार्ट-अप एलेक्सो एनर्जी ने दक्षिण एशिया में सीड स्पार्क के नौवें कोहोर्ट को सफलतापूर्वक पूरा किया और पिच प्रतियोगिता का विजेता बनकर उभरा।
34. निधि प्रयासी स्टार्टअप, आरवाईएम ग्रेनर्जी ने केपीआईटी स्पार्कल 2025 में एक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की, जो प्रतियोगिता में पुरस्कृत होने वाली एकमात्र टीम के रूप में उभरी, जिसने 28,000 वैश्विक प्रतिभागियों के बीच गोल्ड अवार्ड और ₹7 लाख का पुरस्कार प्राप्त किया।
35. एग्री जॉय, एक टाइड्स आईआईटी रुड़की पोर्टफोलियो स्टार्टअप, ने हाइड्रोपोनिक्स प्रौद्योगिकी में अपने अभूतपूर्व कार्य के लिए वसंत उत्सव 2025, उत्तराखंड में प्रथम पुरस्कार जीता।
36. डॉ. सिद्धार्थ खरे द्वारा स्थापित संकाय-नेतृत्व वाले स्टार्टअप, भूमिकैम को विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा ऑपरेशन द्रोणागिरी कार्यक्रम के तहत भारत के शीर्ष 25 स्टार्टअप में चुना गया और ₹10 लाख का वित्त पोषण अनुदान दिया गया।
37. टाइड्स आईआईटी रुड़की में साक्षी ईवी कोहोर्ट का एक स्टार्टअप, फ्लक्स मोटर्स, ताइवान स्मार्ट सिटी टैन 2022 में प्रदर्शन करने वाला उत्तराखंड का एकमात्र स्टार्टअप है।
38. आकाशलभी ने भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) को अपना पहला एयर डेटा कंप्यूटिंग सिस्टम दिया, जो भारत की एयरोस्पेस यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, और इसे एयरो इंडिया 2025 में प्रदर्शित किया जाएगा।
39. टाइड्स आईआईटी रुड़की के तीन इनक्यूबेटेड स्टार्टअप को डीएसटी निधि प्रयास द्वारा समर्थित 50 स्टार्टअप की प्रतिष्ठित "आइडिया टू इम्पैक्ट" सूची में शामिल किया गया है।

आई-हब दिव्यसंपर्क, टीआईएच

आई-हब दिव्यसंपर्क एक सेक्शन 8 कंपनी है जो आईआईटी रुड़की में एक प्रौद्योगिकी नवाचार केंद्र है, जिसे विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) एवं भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की (आईआईटीआर) द्वारा शुरू किए गए अंतःविषयक साइबर भौतिक प्रणालियों (एनएम-आईसीपीएस) पर राष्ट्रीय मिशन के तहत स्थापित किया गया है, ताकि रक्षा, डिजिटल हेल्थकेयर, उद्योग 4.0 और टिकाऊ स्मार्ट शहरों जैसी दुनिया की मौजूदा चुनौतियों के लिए उन्नत समाधान तैयार किए जा सकें, जनशक्ति को प्रशिक्षित किया जा सके और उद्यमशीलता को प्रोत्साहित किया जा सके।

आई-हब का मुख्य ध्यान सीपीएस में उत्पादों एवं प्रौद्योगिकियों को विकसित करने और उनका व्यावसायीकरण करने के लिए अनुसंधान एवं नवाचार को बढ़ावा देने पर है, जिसमें प्रासंगिक और अगली पीढ़ी के स्मार्ट उपकरणों, प्रौद्योगिकियों और सामग्रियों पर विशेष जोर दिया गया है।

केन्द्रित क्षेत्र:

- रक्षा
- स्वास्थ्य सेवा
- उद्योग 4.0
- टिकाऊ स्मार्ट शहर

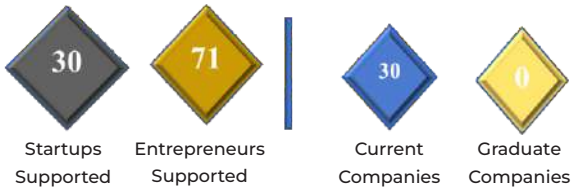

इनक्यूबेशन में निवेश: 13.27 करोड़। स्टार्टअप द्वारा जुटाई गई धनराशि: 32 करोड़

बाह्य वित्तपोषण: स्टार्टअप का मूल्यांकन: - 695.2 करोड़।

रोजगार सृजन: 2024 एवं 2025 में स्टार्टअप के माध्यम से 48 नौकरियां सृजित होंगी।

प्री-इन्क्यूबेशन प्रोग्राम:

छात्रों की नवाचार एवं उद्यमशीलता की क्षमता को प्रज्वलित करने के लिए, हम प्रेरित छात्रों एवं व्यक्तियों को साइबर भौतिक प्रणालियों

के लिए स्मार्ट उपकरणों एवं सामग्रियों के व्यापक क्षेत्र में कार्य करने के लिए व्यापक एवं समग्र राष्ट्रीय ज्ञान प्राप्ति व विश्लेषण (चाणक्य) फेलोशिप और उद्यमी-इन-रेजिडेंस (ईआईआर) कार्यक्रम प्रदान कर रहे हैं।

1. चाणक्य यूजी फेलोशिप: -

आईआईटी रुड़की के टीआईएच में आईएचयूबी दिव्यसंपर्क का दृढ़ विश्वास है कि ताजा, रचनात्मक एवं मूल युवा मस्तिष्क में दुनिया को बदलने की अपार क्षमता है। छात्रों की नवाचार एवं उद्यमशीलता क्षमता को प्रज्वलित करने के लिए, आईआईटी रुड़की में टीआईएच प्रेरित यूजी छात्रों को व्यापक एवं समग्र राष्ट्रीय ज्ञान प्राप्ति एवं विश्लेषण (चाणक्य) फेलोशिप प्रदान कर रहा है जो साइबर भौतिक प्रणालियों के लिए स्मार्ट उपकरणों और सामग्रियों के व्यापक क्षेत्र में काम करना चाहते हैं।

2. एंटरप्रेन्योर्स-इन-रेजिडेंस (ईआईआर): -

यह कार्यक्रम नवोदित नवप्रवर्तकों को उद्यमियों में बदलने के लिए समर्थन और प्रोत्साहन देता है, स्टार्टअप उपक्रमों से जुड़े जोखिमों को कम करता है और उच्च वेतन वाली नौकरियों की अवसर लागत को कम करता है। यह कार्यक्रम 6-12 महीनों के लिए प्रति माह 30,000 रुपये का अनुदान सहायता प्रदान करता है।

आईपी विवरण

मुख्य बिंदु:

- 4 पेटेंट दिए गए हैं
- 21 पेटेंट दायर और प्रकाशित किए गए हैं
- 1 कॉपीराइट प्रदान किया गया है

इनक्यूबेशन:-

आईहब दिव्यसंपर्क का उद्देश्य उद्योगों और स्टार्टअप के साथ मिलकर काम करना है ताकि नए रोजगार के अवसर पैदा किए जा सकें और आर्थिक विकास को बढ़ावा दिया जा सके। स्टार्टअप प्रोग्राम के कई प्रकार उपलब्ध हैं:

1. **प्रयास कार्यक्रम** विचारों को प्रोटोटाइप में बदलने के लिए प्रोटोटाइप फंडिंग प्रदान करता है। प्रयास अनुदान विचार एवं नवाचारों को प्रोटोटाइप में बदलने के लिए एक प्रूफ-ऑफ-कॉन्सेप्ट अनुदान है। आवेदक व्यक्तिगत इनोवेटर या शुरुआती चरण के स्टार्टअप हो सकते हैं। इस कार्यक्रम के तहत स्टार्टअप को अधिकतम 10 लाख तक का अनुदान दिया जाएगा।
2. **पंख-द विंग्स** कार्यक्रम संभावित स्टार्टअप को आशाजनक विचारों, नवाचारों एवं प्रौद्योगिकियों के साथ वित्तीय सहायता प्रदान करता है। साइबर-फिजिकल सिस्टम में डीप टेक्नोलॉजी-सक्षम उत्पादों के स्टार्टअप इस कार्यक्रम के लिए आवेदन कर सकते हैं। स्टार्टअप को कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय के तहत एक निजी लिमिटेड कंपनी के रूप में शामिल किया जाना चाहिए। इस कार्यक्रम में संभावित सीड फंडिंग 50 लाख तक होगी।
3. **डायल (डेडिकेटेड इनोवेशन एक्सेलेरेटर)-पंख** प्रोपेल प्रोग्राम स्टार्टअप्स को अपने इनोवेटिव उत्पादों और तकनीकों को जल्दी से जल्दी बाजार में लाने के लिए एक सहायक वातावरण प्रदान करता है। प्रमाणित एमवीपी वाले और कम से कम एक वित्तीय वर्ष में 50 लाख तक का राजस्व अर्जित करने वाले स्टार्टअप इस कार्यक्रम के लिए आवेदन कर सकते हैं। इस कार्यक्रम में वित्तपोषण सहायता 2 करोड़ तक होगी, जहाँ भी लागू हो।

गठबंधन विवरण: -

यह सुनिश्चित करने के लिए कि दूरदराज और पहाड़ी क्षेत्रों सहित कहीं से भी नवाचार उभर सकता है, आईहब दिव्यसंपर्क ने एक अद्वितीय हब-एंड-स्पोक मॉडल लागू किया और अब तक, हमने 29 स्पोक हब स्थापित किए हैं, जो आईहब दिव्यसंपर्क एवं आईआईटी रुड़की के विस्तार शाखा के रूप में काम करते हैं। ये स्पोक मुख्य रूप से दूरदराज के क्षेत्रों में स्थापित किए गए हैं, जिसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि नवाचार, व्यक्तियों की एक विस्तृत श्रृंखला तक पहुँच सके। कोर हब विभिन्न क्षेत्रों में सैटेलाइट "स्पोक" के साथ समन्वय करता है, स्थानीय प्रतिभाओं और स्टार्टअप के साथ सक्रिय रूप से जुड़ता है। यह दृष्टिकोण हमारी पहुँच को बढ़ाता है, विविध परिदृश्यों में नवाचार का समर्थन करता है, और नवाचार को सार्वभौमिक रूप से विकसित करने की हमारी प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।

आईहब दिव्यसम्पर्क के स्पोक हब:

- **समझौता ज्ञापन:-** 2024-2025 में, आईहब दिव्यसंपर्क ने 02 अंतर्राष्ट्रीय समझौतों पर हस्ताक्षर किए। इसने कौशल विकास में मदद के लिए 06 उद्योगों के साथ भागीदारी भी की
- साझेदारी एवं सहयोग: वर्ष 2024-25 में, आईहब दिव्यसम्पर्क ने 02 अंतर्राष्ट्रीय और 04 राष्ट्रीय सहयोग स्थापित किए हैं।

वर्ष (2024-2025) में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग

1. सोशल इम्पैक्ट सॉल्यूशन, जापान: आईहब दिव्यसंपर्क ने उभरती प्रौद्योगिकियों में नवाचार को बढ़ावा देने, अत्याधुनिक प्रगति एवं सामाजिक प्रभाव के लिए वैश्विक सहयोग को बढ़ावा देने के लिए सोशल इम्पैक्ट सॉल्यूशन, जापान के साथ भागीदारी की है।
2. सोगांग विश्वविद्यालय, कोरिया: आईहब दिव्यसंपर्क ने क्वांटम कंप्यूटिंग एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सहित उन्नत प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में सोगांग विश्वविद्यालय, कोरिया के साथ सहयोग किया है, जिससे अत्याधुनिक अनुसंधान एवं नवाचार में वैश्विक भागीदारी को बढ़ावा मिला है।

राष्ट्रीय सहयोग

1. राइट्स लिमिटेड: आईहब दिव्यसंपर्क ने परिवहन अवसंरचना एवं स्मार्ट मोबिलिटी समाधानों में नवाचार एवं तकनीकी प्रगति को आगे बढ़ाने के लिए राइट्स लिमिटेड के साथ साझेदारी की है।
2. होमलैंड सिक्यूरिटेक प्राइवेट लिमिटेड: आईहब दिव्यसंपर्क ने सहयोगात्मक अनुसंधान एवं नवाचार के माध्यम से क्वांटम-संबंधित प्रौद्योगिकी को आगे बढ़ाने के लिए होमलैंड सिक्यूरिटेक प्राइवेट लिमिटेड के साथ भागीदारी की है।
3. एंटीना वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड: आईहब दिव्यसंपर्क ने क्वांटम-संबंधित प्रौद्योगिकी एवं नवाचार को आगे बढ़ाने के लिए एंटीना वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड के साथ साझेदारी की है।

4. एक्सीआईआर एडटेक प्राइवेट लिमिटेड: आईहब दिव्यसंपर्क ने शिक्षा प्रौद्योगिकी एवं कौशल विकास में नवाचार को आगे बढ़ाने के लिए एक्सीआईआर एडटेक प्राइवेट लिमिटेड के साथ साझेदारी की है।

- **पुरस्कार एवं प्रशंसा:**

1. मिथ्यावर्स प्राइवेट लिमिटेड:

- मीटी स्टार्टअप चैलेंज 2024 में उपविजेता।
- माइक्रोसॉफ्ट फॉर स्टार्टअप्स प्रोग्राम के लिए चुना गया।

2. नेक्सैक्टली एआई सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड:

- शिल्प स्टार्टअप फेस्ट 2.0 में सर्वश्रेष्ठ एडटेक स्टार्टअप,सोनू सूद द्वारा दिया गया पुरस्कार, शिक्षा के लिए न्यूरोटेक में संस्थान नवाचार को मान्यता देते हुए।
- एमजेएफ इंडिया पैवेलियन, सीईएस 2025, लास वेगास में फाइनलिस्ट, जहां नेक्सैक्टली एआई सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड ने दुनिया के सबसे बड़े उपभोक्ता तकनीक व्यापार शो में वैश्विक इनोवेटर्स से जुड़कर अपने स्टार्टअप का प्रदर्शन किया।
- प्रतिष्ठित हैलो टुमॉरो डीप टेक पायनियर्स में से एक के रूप में चुना गया!

3. विग्रम लैब्स प्राइवेट लिमिटेड:

- टाई पुणे नर्चर 13.0 एक्सेलेरेटर प्रोग्राम के लिए चयनित।
- गूगल एआई अकादमी 2024 के लिए चयनित।

4. थेरानॉटिलस प्राइवेट लिमिटेड :-

नैसकॉम इमर्ज 50 द्वारा 2024 में भारत के शीर्ष 50 डीपटेक स्टार्टअप! NASSCOM Emerge 50!

प्रशासनिक मामले

संस्थान की प्रशासनिक प्रक्रियाएँ, सेवाएँ एवं गैर-परियोजना तथा गैर-शिक्षण कर्मचारियों (स्थायी, अस्थायी एवं आउटसोर्स) के लिए कार्मिक प्रबंध कुलशासक (प्रशासनिक मामले) के कार्यालय द्वारा प्रबंधित किए जाते हैं। इसे नियोजित करने के लिए, प्रभाग प्रशासनिक संरचनाओं एवं संबंधों के लिए नियम बनाने, विभिन्न स्तरों पर स्टाफिंग व जनशक्ति की आवश्यकता का आकलन करने, नौकरी के कार्यों व प्रोफाइल, प्राधिकरण के स्तर एवं कर्तव्यों, भर्ती नीतियों, कैरियर व पदोन्नति के चरणों को परिभाषित करने तथा संबंधित कर्मचारियों को काम पर रखने एवं भर्ती करने के अलावा विभिन्न इकाइयों को सर्वोत्तम जनशक्ति संसाधनों का आवंटन व मंजूरी देने का प्रभारी है। कृपया अनुलग्नक में गैर-शिक्षण अधिकारियों की सूची देखें।

संकाय मामले

संकाय मामले द्वारा वर्ष के दौरान, 42 संकाय सदस्य (22 सहायक प्रोफेसर ग्रेड I, 19 सहायक प्रोफेसर ग्रेड II और 01 प्रोफेसर) संस्थान में शामिल हुए। संस्थान में पूर्णकालिक संकाय सदस्यों की संख्या बढ़कर 555 हो गई है, जिसमें 239 प्रोफेसर, 116 एसोसिएट प्रोफेसर, 171 सहायक प्रोफेसर (ग्रेड-I) एवं 29 सहायक प्रोफेसर (ग्रेड-II) शामिल हैं। इसके अलावा, 77 सहायक संकाय सदस्य और 34 पोस्ट डॉक्टरल फेलो भी हैं। लगभग 16 संकाय सदस्य सेवानिवृत्त हुए, जिनमें से 13 को फिर से नौकरी मिल गई, 03 ने इस्तीफा दे दिया और 01 की मृत्यु वर्ष के दौरान हो गई। संस्थान ने अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में भाग लेने के लिए संकाय सदस्यों को वित्तीय सहायता प्रदान की।

- अनुप्रयुक्त गणित एवं वैज्ञानिक कंप्यूटिंग विभाग के प्रो. पंकज गौतम को अंतर्राष्ट्रीय गणित कांग्रेस (आईसीएम) में भाग लेने के लिए अंतर्राष्ट्रीय गणितीय संघ (आईएमयू) से यात्रा सहायता प्राप्त हुई।
- वास्तुकला एवं नियोजन विभाग के प्रो. गौरव रहेजा को बर्लिन तकनीकी विश्वविद्यालय के बर्लिन सेंटर फॉर ग्लोबल एंगेजमेंट द्वारा अनुसंधान फेलोशिप प्रदान की गई; उन्हें थाईलैंड के बैंकॉक में चुलालोंगकोर्न विश्वविद्यालय में आयोजित चौथे एसएमयूएस अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के लिए एसएमयूएस यात्रा फेलोशिप भी प्रदान की गई।
- वास्तुकला एवं नियोजन विभाग के प्रो. हर्षित सोसन लाकड़ा को मिशिगन विश्वविद्यालय, एन आर्बर, यूएसए में यूनाइटेड स्टेट्स-इंडिया एजुकेशनल फाउंडेशन द्वारा फुलब्राइट-नेहरू पोस्टडॉक्टरल अनुसंधान फेलोशिप प्रदान की गई।
- वास्तुकला एवं नियोजन विभाग के प्रो. सोनल आत्रेय को निर्मित पर्यावरण पर पुनर्विचार पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में विशेष उल्लेख पुरस्कार प्रदान किया गया।
- जैव विज्ञान एवं जैव अभियांत्रिकी विभाग की प्रो. रंजना पठानिया को एसीएस संक्रामक रोगों द्वारा 'स्टार रिविऊयर ऑफ द डिकेड'के रूप में चुना गया।
- जैव विज्ञान एवं जैव अभियांत्रिकी विभाग के प्रो. एसआर यादव को एनएएसआई, प्रयागराज द्वारा नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज, इंडिया (एफएनएएससी) का फेलो चुना गया।
- जैव विज्ञान एवं जैव अभियांत्रिकी विभाग के प्रो. पी. गोपीनाथ को आईआईटी रुड़की द्वारा प्रतिष्ठित "ए.एस. आर्य इंस्टीट्यूट चेयर प्रोफेसरशिप" से सम्मानित किया गया। इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर सॉइल मैकेनिक्स एंड जियोटेक्निकल इंजीनियरिंग (आईएसएसएमजीई), 2024 से ब्राइट स्पार्क लेक्चर अवार्ड भी प्राप्त किया। इसके अलावा उन्हें भारत सरकार के बायोटेक्नोलॉजी विभाग द्वारा टाटा इनोवेशन फेलोशिप के लिए चुना गया है और, आईआईटी रुड़की, 2024 में पोस्ट ग्रेजुएट श्रेणी के तहत उत्कृष्ट शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- प्रो. के.के. पंत, रासायनिक अभियांत्रिकी विभाग, को प्रो. सी.एन.आर. राव पदक एवं केमकॉन प्रतिष्ठित वक्ता पुरस्कार 2024 से सम्मानित किया गया।
- प्रो. शिशिर सिन्हा, रासायनिक अभियांत्रिकी विभाग, प्लास्टिक टुडे पत्रिका के मुख पृष्ठ पर छपे और केमकॉन प्रतिष्ठित वक्ता पुरस्कार 2024 प्राप्त किया।
- प्रो. विमल सी. श्रीवास्तव, रासायनिक अभियांत्रिकी विभाग, इंडोनेशिया के डिपोनेगोरो विश्वविद्यालय, केमिकल इंजीनियरिंग विभाग में सहायक प्रोफेसर नियुक्त किए गए।
- प्रो. प्रकाश बिस्वास, रासायनिक अभियांत्रिकी विभाग, आईआईटी-आईएसएम धनबाद के पेट्रोलियम इंजीनियरिंग

विभाग की संकाय चयन समिति में कार्यरत थे। साथ ही, 9वें ग्रीन एंड सस्टेनेबल केमिस्ट्री कॉन्फ्रेंस, एल्सेवियर, एनसीएल पुणे के सत्र अध्यक्ष नियुक्त किए गए। उन्हें नेपाल के त्रिभुवन विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संस्थान, अनुप्रयुक्त विज्ञान एवं रासायनिक अभियांत्रिकी विभाग में विजिटिंग प्रोफेसर भी नियुक्त किया गया।

- रासायनिक अभियांत्रिकी विभाग की प्रो. शबीना खानम को आईआईटी रुड़की द्वारा "एसटीईएम में उनके प्रभाव: स्थिरता एवं पर्यावरण परिवर्तन को बढ़ावा देने" के लिए उत्कृष्टता पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इसके अलावा, उन्हें विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के वाइज-किरण प्रभाग में वाइज-स्कोप फेलोशिप के तहत प्रस्तावों का मूल्यांकन करने के लिए विषय विशेषज्ञ भी नियुक्त किया गया।
- रासायनिक अभियांत्रिकी विभाग के प्रो. विमल कुमार को भारत सरकार के रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय के रसायन एवं पेट्रोकेमिकल्स विभाग का नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया।
- रासायनिक अभियांत्रिकी विभाग के प्रो. आर.पी. भारती को शैक्षणिक उत्कृष्टता के लिए एसएलआईईटी से विशिष्ट पूर्व छात्र पुरस्कार प्राप्त हुआ।
- रासायनिक अभियांत्रिकी विभाग के प्रो. हरि प्रकाश वेलुस्वामी को फ्रेंच इंस्टीट्यूट इन इंडिया (आईएफआई) द्वारा वैज्ञानिक उच्च स्तरीय विजिटिंग फेलोशिप (एसएसएचएन) 2024 से सम्मानित किया गया; लिली विश्वविद्यालय का दौरा किया। उन्हें स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय (2024) द्वारा शीर्ष 2% वैज्ञानिकों की सूची में भी शामिल किया गया और गैस विज्ञान एवं अभियांत्रिकी से 2023 इमर्जिंग साइंटिस्ट अवार्ड प्राप्त किया।
- रसायन विज्ञान विभाग के प्रो. धीरज कुमार को उत्कृष्ट युवा संकाय पुरस्कार से सम्मानित किया गया और आईआईटी रुड़की द्वारा संस्थान अनुसंधान फेलोशिप प्राप्त की।
- रसायन विज्ञान विभाग के प्रो. देबासिस बनर्जी को अलेक्जेंडर वॉन हम्बोल्ट फाउंडेशन, जर्मनी से अनुभवी शोधकर्ताओं के लिए हम्बोल्ट रिसर्च फेलोशिप प्राप्त हुई। इसके अलावा, उन्होंने जर्मनी के गोएटिंगेन विश्वविद्यालय, जर्मनी के रुहर-यूनिवर्सिटेट बोचुम और फ्रांस के सोरबोन विश्वविद्यालय में विजिटिंग प्रोफेसर के रूप में कार्य किया।
- जानपद अभियांत्रिकी विभाग के प्रो. अमित अग्रवाल को मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एमएनआईटी), जयपुर से यंग अचीवर्स अवार्ड (शैक्षणिक एवं अनुसंधान उत्कृष्टता) प्राप्त हुआ। इसके अलावा, उन्हें टीयू बर्लिन एवं डीएएडी द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय पूर्व छात्र कार्यशाला के लिए यात्रा अनुदान भी मिला। उन्हें आईईई बेंगलुरु मोबिलिटी चैलेंज 2024, आईआईएससी बैंगलोर में विशेष मान्यता प्रदान की गई।
- जानपद अभियांत्रिकी विभाग के प्रो. सतीश चंद्रा को इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया), उत्तराखंड केंद्र द्वारा प्रख्यात इंजीनियर पुरस्कार 2024 से सम्मानित किया गया।
- प्रो. अंजनेया दीक्षित, जानपद अभियांत्रिकी विभाग, को आईआईटी रुड़की, 2024 में यूज़ी यंग फैकल्टी श्रेणी में शीर्ष 5 शिक्षकों में से एक के रूप में प्रशंसा प्रमाण पत्र प्राप्त हुआ।
- प्रो. राहुल देव गर्ग, जानपद अभियांत्रिकी विभाग, को आईआईटी बॉम्बे एफओएसएसईई जीआईएस, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, 2024 द्वारा राष्ट्रीय भू-स्थानिक फैकल्टी फेलो पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- प्रो. प्रदीप कुमार गर्ग, जानपद अभियांत्रिकी विभाग, को आईआईटी बॉम्बे एफओएसएसईई जीआईएस, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, 2024 द्वारा राष्ट्रीय भू-स्थानिक फैकल्टी फेलो पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- प्रो. सिद्धार्थ खरे, जानपद अभियांत्रिकी विभाग, को आईआईटी बॉम्बे एफओएसएसईई जीआईएस, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, 2024 से सर्वश्रेष्ठ भू-स्थानिक स्टार्टअप पुरस्कार मिला। उन्हें इंडिया एजुकेशन फोरम एवं इंडिया एम्प्लॉयर फोरम, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा राइजिंग स्टार अवार्ड 2024 से भी सम्मानित किया गया। उनके स्टार्टअप भूमिकैम को आईआईटी रुड़की इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन सेल द्वारा नैसकॉम टेक्नोलॉजी कॉन्फ्लुएंस (एनटीसी) 2024, चंडीगढ़ के लिए चुना गया। भूमिकैम को इन-स्पेस इसरो एवं अंतरिक्ष विभाग, भारत सरकार द्वारा शीर्ष 8 कंपनियों में चुना गया।
- प्रो. चंद्र शेखर प्रसाद ओझा, सिविल इंजीनियरिंग विभाग, को राष्ट्रीय भू-सूचना विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (NIGST), हैदराबाद में मूल्यांकन बोर्ड (BoE) का सदस्य नियुक्त किया गया। उन्हें भारतीय राष्ट्रीय इंजीनियरिंग अकादमी में सिविल इंजीनियरिंग के लिए अनुभागीय समिति का संयोजक भी नियुक्त किया गया।
- प्रो. मनोरंजन पड़ीदा, जानपद अभियांत्रिकी विभाग, को भारतीय सड़क कांग्रेस का अध्यक्ष चुना गया।
- प्रो. नरेंद्र कुमार समाधिया, जानपद अभियांत्रिकी विभाग, को भारतीय भू-तकनीकी सोसायटी द्वारा आईजीएस कुएकेलमैन पुरस्कार से सम्मानित किया गया। साथ ही, भारतीय भू-तकनीकी

सोसायटी से "वर्ष 2023 का सर्वश्रेष्ठ ईबीएम" में दूसरा पुरस्कार जीता। इसके अलावा उन्हें आईजीएस ज़ेड टैक द्विवार्षिक पुरस्कार भी मिला।

- जानपद अभियांत्रिकी विभाग के प्रो. विश्वास ए. सावंत को आईआईटी हैदराबाद, 2024 से सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुति पुरस्कार प्राप्त हुआ।
- जानपद अभियांत्रिकी विभाग के प्रो. अभिराज शर्मा को लॉरेंस लिवरमोर नेशनल लेबोरेटरी, यूएसए, 2024 द्वारा भौतिक और जीवन विज्ञान निदेशालय पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- जानपद अभियांत्रिकी विभाग की प्रो. आकांक्षा त्यागी को इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स द्वारा आईईआई यंग इंजीनियर्स अवार्ड 2024 से सम्मानित किया गया, साथ ही उन्हें इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर सॉइल मैकेनिक्स एंड जियोटेक्निकल इंजीनियरिंग (आईएसएसएमजीई), 2024 से ब्राइट स्पार्क लेक्चर अवार्ड भी प्राप्त हुआ।
- कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग के प्रो. संदीप कुमार गर्ग को वेब सेवाओं पर एक प्रतिष्ठित कोर-ए सम्मेलन आईईईई आईसीडब्लूएस 2024 के लिए कार्यक्रम समिति के सदस्य के रूप में चुना गया।
- प्रो. अपूर्व कुमार शर्मा, डिजाइन विभाग, को आईआईटी रुड़की में अजीत सिंघवी इंस्टीट्यूट चेयर प्रोफेसर के रूप में नियुक्त किया गया, डिजाइन विभाग के प्रमुख के रूप में उनके योगदान को मान्यता देते हुए।
- प्रो. सुधीर कुमार तिवारी, भू - विज्ञान विभाग, को आईआईटी रुड़की में शिक्षण में उत्कृष्टता पुरस्कार 2024 से सम्मानित किया गया।
- प्रो. एम.एल. शर्मा, भूकंप अभियांत्रिकी विभाग, को मजबूत मोशन सेंसर के लिए सर्वश्रेष्ठ व्यावसायीकरण पुरस्कार मिला।
- प्रो. पी.सी. अश्विन कुमार, भूकंप अभियांत्रिकी विभाग, इंडियावेल्ड्स टीम का हिस्सा थे जिसने द्वितीय सीआईआई राष्ट्रीय संक्षारण प्रबंधन अभ्यास प्रतियोगिता और पुरस्कार में प्रथम पुरस्कार जीता।
- प्रो. पंकज अग्रवाल, भूकंप अभियांत्रिकी विभाग, को आईसीआई-अल्ट्राटेक "वर्ष का उत्कृष्ट कंक्रीट प्रौद्योगिकीविद् पुरस्कार, 2024" से सम्मानित किया गया।
- भूकंप अभियांत्रिकी विभाग के प्रो. रितेश कुमार को जर्मनी के किट में हम्बोल्ट ईवीआर फेलोशिप से सम्मानित किया गया।
- विद्युत अभियांत्रिकी विभाग के प्रो. सतीश एस. बेलखोडे को 'यूनिवर्सल पावर इलेक्ट्रॉनिक बिल्डिंग ब्लॉक (यू-पीईबीबी)-असिस्टेड वी2एक्स-सिस्टम विद एन्हांस्ड एफिशिएंसी एंड पावर डेंसिटी' परियोजना के लिए प्रधानमंत्री प्रारंभिक कैरियर अनुसंधान अनुदान (पीएम-ईसीआरजी) से सम्मानित किया गया। साथ ही, उन्हें 2024 का ईसीसीई बेस्ट पेपर अवार्ड भी प्राप्त हुआ।
- प्रो. सोहोम चक्रवर्ती, इलेक्ट्रिकल अभियांत्रिकी विभाग को ब्रुसेल्स इंस्टीट्यूट फॉर एडवांस्ड स्टडीज (बीआरआईएएस) द्वारा सीनियर फेलोशिप 2025 से सम्मानित किया गया। साथ ही, रिसर्च फाउंडेशन फ़्लैंडर्स, बेल्जियम द्वारा वित्त पोषित फ़्लैंडर्स में आने वाले प्रवास के लिए एफडब्लूओ अनुदान प्राप्त किया।
- प्रो. परीक्षित पारीक, इलेक्ट्रिकल अभियांत्रिकी विभाग को प्रधान अन्वेषक के रूप में प्रधानमंत्री प्रारंभिक कैरियर अनुसंधान अनुदान से सम्मानित किया गया।
- प्रो. जीवानंद एस, इलेक्ट्रिकल अभियांत्रिकी विभाग को साइर फेलोशिप प्राप्त हुई।
- प्रो. अपूर्व कुमार यादव, इलेक्ट्रिकल अभियांत्रिकी विभाग को टाइड्स, आईआईटी रुड़की द्वारा स्टार्ट-अप सपोर्ट 2025 के सबसे होनहार कैंपस चैंपियन के रूप में मान्यता दी गई।
- प्रो. स्पर्श मित्तल, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी विभाग ने एक पेपर का सह-लेखन किया, जिसे पैटर्न रिकॉग्निशन पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "सर्वश्रेष्ठ उद्योग-संबंधित पेपर पुरस्कार" प्राप्त हुआ। इसके अलावा, भारत में 2024 क्वालकॉम फैकल्टी अवार्ड के प्राप्तकर्ता भी थे।
- इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी विभाग के प्रो. विश्वेंद्र एस. पूनिया को अमेरिकन फिजिकल सोसाइटी के इरविन ओपेनहेम पुरस्कार के लिए नामित किया गया था।
- इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी के प्रो. धर्मेंद्र सिंह ने आईआईटी रुड़की में विकसित उपग्रह-आधारित कृषि सूचना प्रणाली में योगदान दिया, जिसे शैक्षणिक/शोध संस्थानों द्वारा नागरिक-केंद्रित सेवाओं पर उत्कृष्ट शोध के तहत ई-गवर्नेंस के लिए राष्ट्रीय "गोल्ड" पुरस्कार प्राप्त हुआ।
- इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी विभाग के प्रो. बिष्णु प्रसाद दास को वीएलएसआई डिज़ाइन कॉन्फ्रेंस 2025, बेंगलुरु में सर्वश्रेष्ठ टेप-आउट पुरस्कार मिला।
- मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विभाग के प्रो. पवन कुमार सतुलुरी ने भाषा विज्ञान के लिए यूजीसी पाठ्यक्रम डिजाइन समिति के लिए विषय विशेषज्ञ के रूप में कार्य किया।

- मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विभाग की प्रो. स्मिता झा को एनआईटी उत्तराखंड की सीनेट सदस्य नियुक्त किया गया।
- हाइड्रोलॉजी विभाग के प्रो. अंकित अग्रवाल को भारतीय राष्ट्रीय युवा विज्ञान अकादमी (आईएनवाईएएस-आईएनएसए) में 5 वर्षों के लिए सदस्यता के लिए चुना गया, जो फरवरी 2025 से शुरू होगी।
- हाइड्रोलॉजी विभाग के प्रो. भास्कर ज्योति डेका को भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के इनोवेशन सेल, एआईसीटीई द्वारा युक्ति इनोवेशन चैलेंज 2023 (युक्ति 2.0) से सम्मानित किया गया।
- हाइड्रोलॉजी विभाग के प्रो. नितिन खंडेलवाल को रॉयल सोसाइटी ऑफ केमिस्ट्री, यूके के वाटर साइंस फोरम से एलन टेटलो मेमोरियल अवार्ड मिला।
- हाइड्रोलॉजी विभाग के प्रो. बृजेश कुमार यादव को एजीजीएस डिस्टिंग्विश्ड फेलो अवार्ड मिला। साथ ही, उन्हें दक्षिण अफ्रीका के ज़ुलुलैंड विश्वविद्यालय के लिए यात्रा अनुदान भी मिला। इसके अलावा उन्हें बाल्टिक कार्बन फोरम 2024, विलनियस, लिथुआनिया में भाग लेने के लिए अनुदान भी मिला। उन्हें जल शक्ति मंत्रालय द्वारा सीजीडब्ल्यूए के तहत भूजल मॉडलिंग एसओपी समीक्षा के लिए समिति सदस्य के रूप में नामित किया गया था।
- जल विज्ञान विभाग के प्रो. सुमित सेन को बाढ़ एवं कटाव पर राष्ट्रीय आपदा न्यूनीकरण निधि परियोजनाओं के लिए तकनीकी सलाहकार समिति में नामित किया गया। साथ ही, उन्हें हिमालयन यूनिवर्सिटी कंसोर्टियम, आईसीआईएमओडी, नेपाल की संचालन समिति का सदस्य नियुक्त किया गया।
- जल एवं नवीकरणीय ऊर्जा विभाग के प्रो. प्रशांत सुराना को एसएसएचएन-2024 फेलोशिप मिली। साथ ही, उन्हें भारतीय तकनीकी शिक्षा सोसायटी (आईएसटीई) द्वारा 2024 के लिए इंजीनियरिंग कॉलेजों के युवा शिक्षकों द्वारा किए गए सर्वश्रेष्ठ शोध कार्य के लिए एसजीएसआईटीएस राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- जल एवं नवीकरणीय ऊर्जा विभाग के प्रो. एस.के. सिंघल को नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय द्वारा एमएनआरई प्रोफेसर चेयर से सम्मानित किया गया।
- प्रबंधन अध्ययन विभाग (डीओएमएस) के प्रो. विनय शर्मा को नई दिल्ली में आयोजित एक समारोह में भारत के राष्ट्रपति द्वारा प्रतिष्ठित राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार 2024 से सम्मानित किया गया।
- प्रबंधन अध्ययन विभाग (डीओएमएस) के प्रो. सौरभ अरोड़ा को शिक्षा जगत में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए 2024 में शिक्षण एवं अनुसंधान में उत्कृष्टता पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- प्रबंधन अध्ययन विभाग (डीओएमएस) के प्रो. संतोष रंगनेकर को नेपाल के काठमांडू में आयोजित 30वें आईटीएएम सम्मेलन में सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- गणित विभाग के प्रो. मनील टी. मोहन को आईआईटी रुड़की का उत्कृष्ट शिक्षक पुरस्कार 2024 से सम्मानित किया गया।
- गणित विभाग के प्रो. एस. के. गुप्ता को आईआईटी रुड़की का उत्कृष्ट शिक्षण पुरस्कार 2024 से सम्मानित किया गया
- गणित विभाग के प्रो. राम जिवारी को पोलैंड की पोलिश राष्ट्रीय एजेंसी द्वारा उलम एनएडब्ल्यूए रिसर्च फेलोशिप से सम्मानित किया गया।
- गणित विभाग के प्रो. अरबाज खान को ऑस्ट्रेलिया के मोनाश विश्वविद्यालय से रॉबर्ट बार्टनिक फेलोशिप प्राप्त हुई।● एमआईईडी विभाग के प्रो. पी. के. जैन को गुजरात के इंफ्रास्ट्रक्चर टेक्नोलॉजी रिसर्च एंड मैनेजमेंट संस्थान (आईआईटीआरएएम) का महानिदेशक नियुक्त किया गया।
- एमआईईडी विभाग के प्रो. सौरभ शर्मा को इंटरनेशनल सोसाइटी फॉर एनर्जी, एनवायरनमेंट एंड सस्टेनेबिलिटी द्वारा यंग साइंटिस्ट अवार्ड 2024 से सम्मानित किया गया।
- एमआईईडी विभाग के प्रो. कौशिक पाल को राजस्थान के महामहिम राज्यपाल श्री हरिभाऊ किसनराव बागड़े द्वारा शिक्षक दिवस 2024 पर राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय (सीयूआरएजे) द्वारा शिक्षण उत्कृष्टता पुरस्कार - 2024 प्रदान किया गया।● धातुकर्म एवं सामग्री अभियांत्रिकी विभाग के प्रोफेसर निखिल धवन को वर्ष 2023 के लिए आईआईएम-एएसएम लेक्चरशिप (उत्तरी अमेरिका) प्रदान किया गया, जिसे भारतीय धातु संस्थान (आईआईएम) और एएसएम इंटरनेशनल द्वारा संयुक्त रूप से प्रदान किया गया।
- कागज प्रौद्योगिकी विभाग के प्रो. कीर्तिराज के. गायकवाड़ को आईआईटी रुड़की से इंस्टीट्यूट रिसर्च फेलोशिप (आईआरएफ) उत्कृष्ट युवा संकाय पुरस्कार 2024 मिला। साथ ही, आईआईटी रुड़की में शिक्षण में उत्कृष्टता पुरस्कार के लिए पीजी एवं युवा संकाय दोनों श्रेणियों में शीर्ष पांच संकायों में चुना गया। इसके अलावा खाद्य सुरक्षा, पोषण एवं सार्वजनिक स्वास्थ्य में उनके योगदान के लिए आईएलएसआई इंडिया द्वारा युवा वैज्ञानिक पुरस्कार 2025 प्राप्त किया।

- कागज प्रौद्योगिकी विभाग के प्रो. विभोर कुमार रस्तोगी को आईआईटी रुड़की में शिक्षण में उत्कृष्टता पुरस्कार 2024 के लिए पीजी और युवा संकाय दोनों श्रेणियों में शीर्ष पांच संकायों में चुना गया।
- पॉलिमर एवं प्रोसेस अभियांत्रिकी विभाग के प्रो. प्रदीप कुमार माजी को '1992 बैच इंस्टीट्यूट चेयर प्रोफेसरशिप' से सम्मानित किया गया। साथ ही, 2024 में डीएएडी, जर्मनी से डीएएडी-द्विपक्षीय फैकल्टी एक्सचेंज प्रोग्राम फेलोशिप प्राप्त की।
- पॉलिमर एवं प्रोसेस अभियांत्रिकी विभाग की प्रो. कुलजीत कौर को अमेरिकन केमिकल सोसाइटी के पॉलिमर मैटेरियल साइंस एंड इंजीनियरिंग (PMSE) यूएस डिवीजन से फ्यूचर फैकल्टी अवार्ड 2024 प्राप्त हुआ।
- प्रो. गौरव माणिक को 2024 में रॉयल सोसाइटी ऑफ केमिस्ट्री (RSC) का फेलो चुना गया।
- पॉलिमर एवं प्रोसेस अभियांत्रिकी विभाग के प्रो. कौशिक परिदा को इंडियन नेशनल एकेडमी ऑफ इंजीनियरिंग (आईएनएई) के यंग एसोसिएट के रूप में शामिल किया गया।
- प्रो. कौशिक परिदा को एसएमसी इमर्जिंग साइंटिस्ट अवार्ड 2024 मिला।
- प्रो. सचिन कुमार श्रीवास्तव को आउटस्टैंडिंग यंग फैकल्टी अवार्ड - 2024 से सम्मानित किया गया और उन्हें इंस्टीट्यूट रिसर्च फेलोशिप प्राप्त हुई।
- प्रो. विपुल रस्तोगी को ऑप्टिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया द्वारा "विशिष्ट फेलो" की उपाधि से सम्मानित किया गया।
- प्रो. योगेश कुमार शर्मा को आईआईटी रुड़की में उत्कृष्ट शिक्षण एवं अनुसंधान के लिए 2024 का राम कुमार पुरस्कार मिला। उन्हें बैटरी रिसर्च सोसाइटी ऑफ इंडिया का संस्थापक सचिव-सह-कोषाध्यक्ष भी नियुक्त किया गया।
- प्रो. अंजनी कुमार तिवारी को आईआईटी रुड़की में यूजी श्रेणी (80+ छात्रों वाली कक्षाएं) में उत्कृष्ट शिक्षण के लिए शीर्ष पांच संकायों में शामिल किया गया।
- प्रो. बसंत यादव को उत्तराखंड राज्य केंद्र, द इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया), देहरादून (2024) द्वारा प्रख्यात इंजीनियर पुरस्कार – 2024 (45 वर्ष से कम) से सम्मानित किया गया।
- प्रो. मोहित प्रकाश मोहंती को बार्सिलोना, स्पेन में आयोजित मल्टी-हैजर्ड डिजास्टर रिस्क रिडक्शन (डीआरआर) अकादमी में भाग लेने के लिए अंतर्राष्ट्रीय यात्रा अनुदान मिला। इसके अलावा उन्हें इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ हाइड्रोलॉजिकल साइंसेज द्वारा प्रतिष्ठित शिवपालन यंग साइंटिस्ट ट्रैवल अवार्ड (SYSTA) से सम्मानित किया गया।
- प्रो. आशीष पांडे को इंडियन एसोसिएशन ऑफ सॉइल एंड वाटर कंजर्वेशनिस्ट्स से डॉ. के.जी. तेजवानी पुरस्कार (प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन) मिला। इसके अलावा, उन्हें जल शक्ति मंत्रालय में भरत सिंह चेयर प्रोफेसर नियुक्त किया गया।
- प्रो. थंगा राज चेलिया को भारत के केंद्रीय सिंचाई और विद्युत बोर्ड के तहत सोसाइटी ऑफ पावर इंजीनियर्स के फेलो के रूप में सम्मानित किया गया।
- नैनोटेक्नोलॉजी सेंटर के प्रो. एम. शंकर को एनआईटी दिल्ली और देवभूमि उत्तराखंड विश्वविद्यालय के लिए बोर्ड ऑफ स्टडीज (BoS) का सदस्य नियुक्त किया गया।
- नैनोटेक्नोलॉजी सेंटर के प्रो. पी. गोपीनाथ को ए.एस. आर्य इंस्टीट्यूट चेयर प्रोफेसरशिप, आईआईटी रुड़की, मार्च 2025। इसके अलावा, टाटा इनोवेशन फेलोशिप के लिए भी चयनित
- प्रोफेसर पीयूष श्रीवास्तव, सेंटर ऑफ एक्सीलेंस इन डिजास्टर मिटिगेशन एंड मैनेजमेंट (CoEDMM), को 9वें ग्लोबल एनर्जी एंड वाटर एक्सचेंज ओपन साइंस कॉन्फ्रेंस (GEWEX-OSC 2024), सपोरो, जापान, जुलाई 2024 में भाग लेने के लिए $500 का अंतर्राष्ट्रीय यात्रा अनुदान मिला।
- प्रोफेसर रजत रस्तोगी, सेंटर फॉर ट्रांसपोर्टेशन सिस्टम्स (सीट्रांस), को 2025-2027 के लिए भारतीय सड़क कांग्रेस की मल्टीमॉडल ट्रांसपोर्टेशन सिस्टम्स पर G-6 समिति का संयोजक नियुक्त किया गया।

छात्र मामले

2024-2025 में, छात्र मामलों ने छात्रों के बीच जवाबदेही, अनुशासन एवं शैक्षणिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित किया। री-बोर्डिंग, ओरिएंटेशन एवं काउंसलिंग कार्यक्रमों के माध्यम से, हमने उनके समग्र विकास और कल्याण का समर्थन किया। हमारे प्रयासों का उद्देश्य जिम्मेदार नेतृत्व को बढ़ावा देना और छात्रों को उनकी पूर्ण क्षमता तक पहुँचने में मदद करना था।

स्वस्थता केंद्र

आईआईटी में स्वस्थता केंद्र ने मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता, प्रारंभिक हस्तक्षेप एवं सहायता चाहने वाले व्यवहार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 33 प्रभावशाली कार्यक्रम लागू किए। वर्ष के दौरान, इसने 1,587 नए मामलों, 3,434 अनुवर्ती सत्रों और 49 आपात स्थितियों का प्रबंधन किया, साथ ही कम सीजीपीए वाले छात्रों का समर्थन किया तथा नए छात्रों और उनके माता-पिता के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रमों की सुविधा प्रदान की। प्रमुख पहलों में जीवन कौशल प्रशिक्षण, शैक्षणिक परामर्श एवं विभागों में वेलनेस प्रतिनिधियों की नियुक्ति शामिल थी। केंद्र ने एक महीने तक चलने वाले मानसिक स्वास्थ्य साक्षरता अभियान का भी नेतृत्व किया और प्रमुख रूप से मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता दिवस मनाया। इसके अतिरिक्त, छात्र सहायता समिति ने आर्थिक रूप से परेशान छात्रों को आवश्यक सहायता प्रदान की।

टीम स्वस्थता: आईआईटी रुड़की में स्वस्थता की संस्कृति का विकास

आईआईटी रुड़की में टीम स्वस्थता, जिसमें 12 पीओआर सदस्य एवं 25 नई भर्ती (अगस्त 2024 तक) शामिल हैं, मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए यह टीम स्वस्थता केंद्र और छात्रों के बीच एक पुल का कार्य करती है। टीम ने नए छात्रों के पंजीकरण और ओरिएंटेशन का सक्रिय रूप से समर्थन किया एवं मानसिक स्वास्थ्य माह के दौरान आठ प्रभावशाली कार्यक्रमों का नेतृत्व किया। मार्च 2025 में, उन्होंने संचालन, डिजाइन, संपादकीय और वेब डेवलपमेंट में 23 नए लोगों का स्वागत किया, जो भविष्य की वेलनेस पहलों को आगे बढ़ाने में मदद करेंगे। छात्र कल्याण प्रयासों को और समृद्ध करने के लिए एक परिचयात्मक सत्र एवं आगामी योजनाएँ वर्तमान में चल रही हैं।

शैक्षणिक सफलता को सशक्त बनाना: शैक्षणिक सुदृढ़ीकरण कार्यक्रम (एआरपी) का प्रभाव

शैक्षणिक सुदृढ़ीकरण कार्यक्रम (एआरपी) टीम ने 2024-25 में कई प्रभावशाली पहलों का नेतृत्व किया, विशेष रूप से स्नातक शिक्षण सहायकों (यूजीटीए) की रणनीतिक भर्ती एवं छात्रों के बीच शैक्षणिक स्पष्टता को बढ़ावा देने एवं कैरियर अन्वेषण को सुविधाजनक बनाने के लिए डिज़ाइन किए गए गतिशील सत्र आयोजित किए। ऊर्जा एवं डिजाइन जैसी नई शुरू की गई शाखाओं में छात्रों को मजबूत समर्थन प्रदान करने पर विशेष ध्यान दिया गया, जिससे वरिष्ठ मार्गदर्शन और शैक्षणिक संसाधनों की उनकी शुरुआती ज़रूरत को पूरा किया जा सके।

इस वर्ष के स्प्रिंग ऋतु एवं औटम सेमेस्टर के दौरान, स्नातक शिक्षण सहायकों (यूजीटीए) के रूप में सेवा करने के लिए 156 छात्रों के एक समूह का सावधानीपूर्वक चयन किया गया। इन यूजीटीए ने विभिन्न विभागों में प्रथम वर्ष के मुख्य पाठ्यक्रमों का समर्थन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिससे उनके साथियों के सीखने के अनुभव में महत्वपूर्ण योगदान मिला।

2024 में प्रमुख कार्यक्रम एवं पहल में शामिल हैं:

- **व्यवसाय में उच्च अध्ययन पर पूर्व छात्र सत्र:** इसमें आईआईटीआर के सफल पूर्व छात्र शामिल हुए, जिन्होंने व्यवसाय में उन्नत उपाधि प्राप्त करने में अपनी अंतर्दृष्टि और अनुभव साझा किए।

- **विशाल जोशी द्वारा अतिथि वार्ता:** न्यूक्लियस एजुकेशन के सह-संस्थापक एवं एक प्रतिष्ठित टेडएक्स वक्ता विशाल जोशी के नेतृत्व में एक आकर्षक सत्र, जिन्होंने आईआईटी मद्रास एवं

आईआईएम नागपुर के माध्यम से अपनी शैक्षणिक यात्रा के साथ-साथ एडटेक क्षेत्र में अपने उद्यमशील उपक्रमों पर बहुमूल्य विचार प्रस्तुत किए।

- **इंटर्नशिप पैनल:** पीएम, कंसल्टिंग और क्वांट फाइनेंस: एक केंद्रित पैनल चर्चा जो छात्रों को उत्पाद प्रबंध, परामर्श एवं मात्रात्मक वित्त में उपलब्ध विविध अवसरों के बारे में जानकारी प्रदान करती है।
- **गाइडेंस जंक्शन -** विदेशी अनुसंधान इंटर्नशिप: छात्रों को विदेश में अनुसंधान इंटर्नशिप करने के तरीके के बारे में मार्गदर्शन करने के लिए समर्पित एक जानकारीपूर्ण सत्र।
- **गाइडेंस जंक्शन-सेमेस्टर एक्सचेंज:** सेमेस्टर एक्सचेंज कार्यक्रमों में भाग लेने के बारे में व्यापक जानकारी और मार्गदर्शन प्रदान करने वाला सत्र।
- **सीएफए एवं कैरियर ग्रोथ सत्र:** चार्टर्ड फाइनेंशियल एनालिस्ट (सीएफए) पदनाम एवं वित्त क्षेत्र में व्यापक कैरियर विकास रणनीतियों के बारे में जानकारी प्रदान करने वाला एक लक्षित सत्र।

विकास एवं परिवर्तन को बढ़ावा देना: छात्र मेंटरशिप कार्यक्रम (एसएमपी)

छात्र मेंटरशिप कार्यक्रम (एसएमपी) अपने मूल मिशन में दृढ़ है: प्रथम वर्ष के स्नातकों को व्यापक मार्गदर्शन और मजबूत समर्थन प्रदान करना, क्योंकि वे आईआईटी रुड़की के गतिशील शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक वातावरण में स्वयं के परिवर्तन के साथ आगे बढ़ाते हैं। 2024-25 के शैक्षणिक सत्र के दौरान, एसएमपी टीम ने पिछले वर्षों की कई प्रभावशाली पहलों पर काम किया, साथ ही मेंटरशिप ढांचे को मजबूत करने, संचार चैनलों को अनुकूलित करने और मेंटर की जवाबदेही बढ़ाने के उद्देश्य से उन्नत रणनीतियाँ भी प्रस्तुत कीं। मेंटरशिप संरचना की निरंतर प्रभावकारिता सुनिश्चित करने के लिए, मार्च 2025 में एक व्यापक मेंटर मूल्यांकन प्रक्रिया आयोजित की गई। इस मूल्यांकन में छात्र एवं वरिष्ठ समन्वयकों दोनों से मूल्यवान प्रतिक्रिया शामिल की गई, जो कार्यक्रम में सुधार के लिए महत्वपूर्ण अंतर्दृष्टि प्रदान करती है। इस वर्ष मेंटर भर्ती और ऑनबोर्डिंग प्रक्रिया में एक महत्वपूर्ण बदलाव आया, जिसमें संरचित साक्षात्कार और मेंटर केंद्रित कार्यशाला सत्र शामिल थे। इन सत्रों में सहानुभूति विकसित करने, संचार कौशल को निखारने और मेंटरों के बीच नेतृत्व गुणों को बढ़ावा देने पर विशेष जोर दिया गया। इसके अलावा, टीम ने सेमेस्टर के शुरुआती हफ्तों के दौरान और फिर पहले सेमेस्टर के समापन पर प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए सक्रिय रूप से आकर्षक आइस-ब्रेकिंग सत्र आयोजित किए। इन सत्रों ने छात्रों के लिए अपने मेंटरों से जुड़ने, विश्वास स्थापित करने और एक मजबूत व विश्वसनीय सहायता प्रणाली के साथ अपनी आईआईटी रुड़की यात्रा शुरू करने के लिए एक आरामदायक एवं समावेशी वातावरण बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। करियर टॉक सीरीज़ की सफलता के आधार पर, एसएमपी ने वेलनेस सेंटर द्वारा आयोजित सहयोगी प्रशिक्षण कार्यशालाओं और निरंतर जुड़ाव के माध्यम से अपने मेंटरों को और सशक्त बनाया है। इस रणनीतिक सहयोग ने मेंटरों को छात्र संकट के शुरुआती संकेतों को पहचानने और छात्रों को ज़रूरत पड़ने पर उचित सहायता संसाधनों की ओर प्रभावी ढंग से मार्गदर्शन करने के लिए महत्वपूर्ण कौशल से तैयार किया है, जिससे छात्र कल्याण के लिए एक समग्र दृष्टिकोण सुनिश्चित होता है।

सांस्कृतिक परिषद

आईआईटी रुड़की में सांस्कृतिक परिषद ने एक गतिशील वर्ष बिताया, जिसमें 16 कार्यक्रमों में 600 से अधिक प्रतिभागियों के साथ एक नया सामान्य चैम्पियनशिप प्रारूप शुरू किया गया और गरबा नाइट, दिवाली उत्सव एवं "आईआईटीआर गॉट टैलेंट" जैसे जीवंत समारोहों की मेजबानी की गई। सत्रह सांस्कृतिक क्लबों ने प्रभावशाली फिल्मों, थिएटर, संगीत शो, साहित्यिक कार्यक्रमों, स्टैंड-अप प्रदर्शनों और कला प्रदर्शनियों के माध्यम से योगदान दिया। हाइलाइट्स में सिनेमैटिक्स, ड्रामेटिक्स और म्यूजिक सेक्शन द्वारा प्रमुख प्रोडक्शन, क्षितिज एवं देबसोक द्वारा आकर्षक गतिविधियाँ और ऑडियो एवं फाइन आर्ट्स सेक्शन से रचनात्मक आउटपुट शामिल थे। परिषद ने रचनात्मकता, समावेशिता और छात्र अभिव्यक्ति की एक परिसरीय संस्कृति को सफलतापूर्वक बढ़ावा दिया।

अंतर आईआईटी सांस्कृतिक समागम

आईआईटी रुड़की ने 26 से 29 दिसंबर 2024 तक आईआईटी पटना में आयोजित अंतर आईआईटी सांस्कृतिक समागम 7.0 में उल्लेखनीय छाप छोड़ी। संगीत, फिल्म, साहित्य, नाटक, नृत्य, फैशन और ललित कलाओं में, दल ने सराहनीय प्रदर्शन किया। सिनेसेक टीम ने 51 घंटे की फिल्म निर्माण प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता, जबकि संगीत अनुभाग ने बैंड प्रदर्शन में रजत सहित समग्र रूप से कांस्य पदक जीता। नाटकीय अनुभाग ने माइम, मोनोलॉग और स्ट्रीट प्ले सहित सभी थिएटर वर्टिकल में भाग लिया। फैशन सोसाइटी ने फैशन शो में दूसरे स्थान और मजबूत मॉडलिंग सबमिशन के साथ समग्र रूप से रजत पदक जीता। कैनवस पेंटिंग, लाइव स्केचिंग और कॉस्ट्यूम डिज़ाइन जैसे आयोजनों में ललित कला ने शीर्ष-10 में जगह बनाई। क्षितिज और देबसोक ने विभिन्न भाषण और साहित्यिक कार्यक्रमों में उल्लेखनीय प्रदर्शन किया। आईआईटीआर दल की तैयारी, सहयोग एवं रचनात्मकता की सराहना की गई और इसे संस्थान के अब तक के सबसे विविध और सफल अंतर आईआईटी सांस्कृतिक कार्यक्रमों में से एक बताया गया।

सिनेमा क्लब

सिनेमा क्लब ने विभिन्न प्रकार की फिल्म स्क्रीनिंग, क्यूरेटेड इवेंट्स और रचनात्मक प्रतियोगिताओं के माध्यम से आईआईटी रुड़की समुदाय को सक्रिय रूप से शामिल किया, जिसका उद्देश्य विभिन्न भाषाओं और शैलियों में सिनेमा एवं कहानी कहने के साझा जुनून को बढ़ावा देना था।

स्पिक मैके

2024-2025 के दौरान, स्पिक मैके आईआईटी रुड़की ने शास्त्रीय कलाओं, लोक परंपराओं, सिनेमा एवं व्यावहारिक शिक्षा को एक जीवंत टेपेस्ट्री में पिरोया, जिसने परिसर और समुदाय दोनों को समान रूप से उत्साहित किया।

- गोटीपुआ नृत्य प्रदर्शन; एमएसी ऑडिटोरियम में भारत के 77वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर ओडिशा के युवा गोटीपुआ नर्तकों के एक समूह ने भगवान विष्णु के दस अवतारों को लाइव गायन, वायलिन, बांसुरी, मर्दला, हारमोनियम और मजीरा के साथ फिर से प्रस्तुत किया, जिसके बाद एक जीवंत प्रश्नोत्तर सत्र शुरू हुआ।
- आउटरीच मूवी स्क्रीनिंग; रामनगर के चंद्र शेखर पब्लिक स्कूल में, स्पिक मैके ने कक्षा 6-12 के लिए द मेकिंग ऑफ द महात्मा की स्क्रीनिंग की, जिसमें गांधी के शांति और सत्य के आदर्शों पर छात्रों के नेतृत्व में चर्चा हुई।
- कबीर लोक संगीत समारोह; पद्मश्री डॉ. भारती बंधु एवं समूह ने संत कबीर की कविता को लोक-शास्त्रीय संलयन के माध्यम से प्रस्तुत किया, जिसमें तबला, ढोलक, कीबोर्ड, घुंघरू और कोरस गायन शामिल थे, जो सार्वभौमिक प्रेम पर गहन चिंतन को दर्शाता है।
- विरासत 2025; एक पखवाड़े तक चलने वाला उत्सव जिसमें प्रदर्शन, कार्यशालाएँ और विरासत अन्वेषण शामिल हैं:
- दादी पुदुमजी द्वारा कठपुतली: पर्दे के पीछे की अंतर्दृष्टि के साथ इंटरैक्टिव दस्ताने, स्ट्रिंग और मैरोटे कठपुतली।
- कर्नाटक वायलिन वादन: विदुषी ए. कन्याकुमारी द्वारा वातापी गणपतिम भजे, पंचरत्न कृति एवं सिंधु भैरवी थिलाना की प्रस्तुतियों ने खड़े होकर तालियाँ बटोरीं।
- चारुलता फिल्म स्क्रीनिंग: सत्यजीत रे की क्लासिक को प्रदर्शित करने के लिए सिनेमा क्लब के साथ सहयोग।

- कूडियाट्टम प्रदर्शन: संस्कृत रंगमंच की अनुष्ठानिक कहानी और जटिल हाव-भाव वाली शब्दावली की खोज।
- व्यावहारिक कार्यशालाएँ: श्री मिथिलेश झा के साथ तबले की मूल बातें; विदुषी वैजयंती काशी के अंतर्गत कुचिपुड़ी नृत्य; पद्मश्री भानुभाई चितारा के साथ माता नी पचेड़ी कपड़ा पेंटिंग।
- कुचिपुड़ी नृत्य गायन: वैजयंती काशी ने कृष्ण की लीलाओं और पूतना प्रसंग का नाट्य रूपांतरण किया, जिसे प्रश्नोत्तरी द्वारा प्रस्तुत किया गया।
- हेरिटेज वॉक: सोलानी एक्वाडक्ट, धनौरी विद्रोह स्थल और 1842 कार्यशाला का निर्देशित दौरा, जो रुड़की की इंजीनियरिंग विरासत को उजागर करता है।
- उस्ताद एफ. वासिफ़ुद्दीन डागर द्वारा ध्रुपद: भक्तिपूर्ण शिव रचनाओं के साथ ध्यानपूर्ण राग पूरिया और देस।
- विरासत सम्मेलन: एक तीन दिवसीय आवासीय शिविर जिसमें योग, श्रमदान, गायन और सुलेख गहनता, जापानी फिल्म कागेमुशा एवं प्रतिभागियों का प्रदर्शन शामिल है, जिसका समापन एक सांस्कृतिक विदाई के साथ हुआ।

छात्र मामले परिषद (एसएसी)

छात्र मामले परिषद (एसएसी) ने पूरे शैक्षणिक वर्ष 2024-2025 में एक अत्यधिक सक्रिय एवं महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जो सक्रिय छात्र निकाय एवं संस्थान के प्रशासन के बीच एक अपरिहार्य सेतु के रूप में कार्य करती है। एसएसी के अधिकारियों ने छात्रों से संबंधित उभरती चिंताओं को दूर करने और छात्र समुदाय में सुचारु, प्रभावी संचार चैनल सुनिश्चित करने के लिए नियमित रूप से बैठकें आयोजित कीं। संस्थागत मामलों में छात्रों की भागीदारी को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाने के लिए, एसएसी प्रतिनिधियों ने छात्र अभिषद और विभिन्न समिति सदस्यों के साथ सक्रिय रूप से समन्वय किया। ये समन्वित प्रयास यह सुनिश्चित करने में सहायक साबित हुए कि विविध छात्र दृष्टिकोणों को महत्वपूर्ण परिसर-संबंधी चर्चाओं और अभिन्न निर्णय लेने की प्रक्रियाओं में सोच-समझकर एकीकृत किया गया। एसएसी ने वर्ष के दौरान कई प्रमुख पहलों का नेतृत्व किया, जिसमें छात्र जीवन को समृद्ध बनाने और सक्रिय भागीदारी को बढ़ावा देने पर व्यापक ध्यान केंद्रित किया गया। उल्लेखनीय पहलों में निम्नांकित हैं:

संस्थागत मामलों में छात्रों की भागीदारी को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाने के लिए, एसएसी प्रतिनिधियों ने छात्र सीनेटरों और विभिन्न समिति सदस्यों के साथ सक्रिय रूप से समन्वय किया। ये सम्मिलित प्रयास यह सुनिश्चित करने में सहायक साबित हुए कि विविध छात्र दृष्टिकोणों को महत्वपूर्ण परिसर-संबंधी चर्चाओं और अभिन्न निर्णय लेने की प्रक्रियाओं में सोच-समझकर एकीकृत किया गया। एसएसी ने वर्ष के दौरान कई प्रमुख पहलों का नेतृत्व किया, जिसमें छात्र जीवन को व्यापक रूप से बेहतर बनाने और सक्रिय भागीदारी को बढ़ावा देने पर व्यापक ध्यान दिया गया।

एसएसी जागरूकता पहल: "नशा छोड़ो, भारत जोड़ो"

छात्र गतिविधि परिषद (एसएसी) ने गर्व से एक प्रभावशाली जागरूकता मार्च का नेतृत्व किया, जिसका समापन आईपीएस अधिकारी कुशी मिश्रा द्वारा दिए गए एक प्रेरक व्याख्यान के साथ हुआ। "नशा छोड़ो, भारत जोड़ो" (ड्रग्स को ना कहें, भारत को एकजुट करें) की शक्तिशाली थीम पर केंद्रित इस पहल का उद्देश्य नशीली दवाओं के दुरुपयोग के हानिकारक प्रभावों के बारे में जागरूकता बढ़ाना और एक स्वस्थ, अधिक एकजुट समाज के लिए जोश से वकालत करना था। इस कार्यक्रम ने युवाओं को नशीली दवाओं से मुक्त जीवन जीने के लिए महत्वपूर्ण ज्ञान और गहन प्रेरणा के साथ सफलतापूर्वक सशक्त बनाया।

छात्रावास संचालन की बेहतर निगरानी

छात्रावास मामलों के अंतर्गत मजबूत निगरानी समितियों की स्थापना की गई, ताकि मेस सेवाओं के कुशल संचालन और सभी छात्रावास सुविधाओं के सावधानीपूर्वक रखरखाव को सुनिश्चित किया जा सके, जिससे आवासीय छात्र कल्याण में उल्लेखनीय वृद्धि हुई।

जीवंत सामुदायिक एवं उत्सव कार्यक्रम

एसएसी की व्यापक भागीदारी के मुख्य आकर्षण के रूप में, हॉस्टल अफेयर्स काउंसिल ने बहुप्रतीक्षित मनोरंजन कार्यक्रमों का आयोजन किया। इनमें दिवाली के दौरान एक शानदार "पटाखा" शो और होली पर हर्षोल्लासपूर्ण "रंग बरसे" उत्सव शामिल था, जिसने छात्रों के बीच समुदाय और साझा उत्सव की जीवंत भावना को बढ़ावा दिया।

विस्तारित अंतर-भवन चैम्पियनशिप

खेल मामले परिषद ने विस्तारित समय-सीमा के साथ अंतर-भवन चैम्पियनशिप का सफलतापूर्वक आयोजन किया, जिसमें सहज भागीदारी को बढ़ावा दिया गया और विभिन्न खेलों में 1,500 से अधिक छात्रों को प्रभावशाली ढंग से शामिल किया गया। इस पहल ने परिसर के खेलों में समावेशिता और व्यापक भागीदारी को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ावा दिया।

शैक्षणिक नीति समीक्षा और समावेशिता

एसएसी ने शैक्षणिक परिषद द्वारा विशेष रूप से अनुरोध किए जाने पर पात्रता मापदंड एवं डोरा फंडिंग मानदंडों की गहन समीक्षा की सराहनीय पहल की। इस महत्वपूर्ण उपक्रम का उद्देश्य अकादमिक अखंडता को बनाए रखते हुए समावेशिता को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाना है।

पुनर्जीवित सांस्कृतिक जुड़ाव

सांस्कृतिक परिषद ने जनरल चैंपियनशिप कल्चरल के लिए एक गतिशील नया मॉडल लॉन्च किया, जिसमें 17 विविध कार्यक्रमों की सफलतापूर्वक मेजबानी की गई, जिसमें 600 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। इसके अतिरिक्त, उन्होंने प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए **"आईआईटीआर गॉट टैलेंट", एक रोमांचक गरबा नाइट,** एक आकर्षक रंगोली प्रतियोगिता के साथ एक पर्यावरण-अनुकूल दिवाली समारोह और प्रतिष्ठित मुख्य भवन लाइट-अप जैसे प्रमुख कैंपस कार्यक्रमों का सावधानीपूर्वक आयोजन किया, जो एक समृद्ध सांस्कृतिक अवस्था में योगदान करते हैं।

तकनीकी मामले

आईआईटी रुड़की में छात्र तकनीकी क्लब रोबोटिक्स, प्रोग्रामिंग, एयरोमॉडलिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स और एआई/एमएल जैसे विविध क्षेत्रों में नवाचार एवं व्यावहारिक शिक्षा को बढ़ावा देते हैं। ये क्लब छात्रों को सैद्धांतिक ज्ञान लागू करने, वास्तविक दुनिया की परियोजनाओं पर काम करने और राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए एक मंच प्रदान करते हैं।

एमडीजी स्पेस

निर्मित एवं सुधारित परियोजनाएं

- चुनाव पोर्टल: कैंपस चुनावों के लिए सुरक्षित मंच; मार्च 2025 तक 120k से अधिक वोट डाले गए।
- ई-प्रमाणन एवं मेडिकल बुकलेट: ईमेल/डाउनलोड विकल्पों के साथ प्रमाणपत्र, आईडी कार्ड और मेडिकल रिकॉर्ड के लिए केंद्रीकृत पोर्टल।
- ऐपेटाइज़र: मेस मेनू, सूचनाएँ, स्किप काउंट और फीडबैक सिस्टम।
- सुरक्षा ऐप: फिंगरप्रिंट एवं क्यूआर सिस्टम के साथ प्रवेश/निकास को डिजिटाइज़ करता है; आगंतुक/सामग्री प्रबंधन पोर्टल प्रगति पर है।

व्यापक समुदाय के लिए

- **डोमेनफोर्ज:** कंप्यूट/स्टोरेज समर्थन के साथ उपडोमेन के लिए उपकरण; गिटहब परिनियोजन को एकीकृत करता है।
- **डीएस विज़:** डेटा संरचनाओं को विज़ुअलाइज़ एवं डीबग करने के लिए वीएस कोड एक्सटेंशन।
- **इकोफाई:** ओपनएआई-संचालित चैटबॉट के साथ स्लैक-एकीकृत होस्टेड चैट प्लेटफॉर्म।
- **आईकेएस प्रमाणपत्र पोर्टल:** शिक्षा मंत्रालय के आयोजनों के लिए प्रमाणपत्र स्वतः तैयार करता है और ईमेल करता है।

जारी परियोजनाएँ

- सुरक्षा: महिलाओं की सुरक्षा के लिए पहनने योग्य-ट्रिगर एसओएस अलर्ट ऐप; वर्तमान में फंड की तलाश है।
- एमडीजी वॉल: सभी एमडीजी परियोजनाओं के लिए विज़ुअल ट्रैकर; प्रायोगिक तकनीकी स्टैक।
- एचएलएसएलएलएस: कोड इंटेलिजेंस सुविधाओं के साथ एचएलएसएल के लिए भाषा सर्वर।
- केरिसो: कई लड़ाकू यांत्रिकी के साथ मध्ययुगीन समय में सेट पिक्सेलयुक्त 2 डी यूनिटी गेम।

आयोजित कार्यक्रम

- कोड एवं डिज़ाइन का सीज़न: 29 प्रोजेक्ट्स में 34 फ्रेशर्स के साथ 40-दिवसीय मेंटरशिप; टूल्स, डिज़ाइन और टीमवर्क पर कार्यशालाएँ।
- नेबुला: इंटर्नशिप सीज़न से पहले कोड-ए-थॉन; कई चैलेंज राउंड के बाद 20 फ़ाइनलिस्ट।
- हैक8ऑल: 36 घंटों में 85+ प्रोजेक्ट्स के साथ पहला एमडीजी हैकथॉन; कई ट्रैक्स में पुरस्कृत।
- Ctrl-Alt-Hack: राष्ट्रीय पहुँच एवं व्यापक तकनीकी क्षेत्र के साथ आगामी 36-घंटे का हैकथॉन।

कार्यशालाओं का आयोजन

- शेडर्स: GPU प्रोग्रामिंग एवं कंप्यूटर ग्राफिक्स परिचय।
- टग कनेक्ट विन: लाइव गेम डेमो के साथ वेब सॉकेट कार्यशाला।
- वेब स्क्रैपिंग: वेबसाइटों से डेटा निष्कर्षण पर व्यावहारिक कार्यशाला।
- फुल स्टैक डेव: एंड-टू-एंड ऐप डेवलपमेंट को कवर किया गया, हैक8ऑल प्रतिभागियों की सहायता की गई।

उल्लेखनीय भागीदारी

एमडीजी सदस्यों ने जीएसओसी, एसओबी, इंटर आईआईटी टेक मीट 13.0, गूगल जेमिनी हैकाथॉन, एथइंडिया और एथग्लोबल (सिंगापुर) में शानदार प्रदर्शन किया, जिससे आईआईटी रुड़की की वैश्विक तकनीकी उपस्थिति को बढ़ावा मिला।

एसीएम छात्र अध्याय

शुरुआती ओपन प्रोजेक्ट्स

अनुकूल, सिस्टम-स्तरीय सीखने के लिए 3-5 सप्ताह के कार्यक्रम:

- सीपीयू शेड्यूलर – कुशल एल्गोरिदम डिजाइन। (250+ प्रतिभागी)
- बूटलोडर – बूटलोडिंग तंत्र की मूल बातें। (60)
- ईबीपीएफ ऐप्स – रीयल-टाइम सिस्टम मॉनिटरिंग। (45)

कार्यक्रम एवं कार्यशालाएं

- कोड डिसिफर (जनवरी) - कोडिंग प्रतियोगिता; 200+ प्रतिभागी।
- सॉकेट प्रोग्रामिंग (जनवरी) - नेटवर्किंग एवं आईपीसी मूल बातें।
- मल्टीथ्रेडिंग सत्र (अक्टूबर) - समवर्तीता और समानांतरता की अवधारणाएँ।
- नेटवर्किंग का परिचय (अक्टूबर) - प्रोटोकॉल एवं वास्तविक दुनिया के केस स्टडीज़।
- भर्ती वार्ता (जनवरी) एवं परिचय वार्ता (नवंबर) – एसीएम संस्कृति का अवलोकन।
- प्लेसमेंट वार्ता (मई) - उद्योग विशेषज्ञों के साथ कैरियर मार्गदर्शन।

उल्लेखनीय परियोजनाएँ

- केएसओएस – कर्नेल एवं बूट कार्यान्वयन (क्यूईएमयू-आधारित) के साथ ऑपरेटिंग सिस्टम।
- वीआर रेंडरर – हेड-ट्रैक्ड इमर्सिव रेंडरिंग टूल।
- AI इंटरव्यू प्लेटफ़ॉर्म – एनएलपी-संचालित मॉक इंटरव्यू सिस्टम (गिटहब)।

उपलब्धियां

- स्टैक 2 डीप (जनवरी 2025) – दूसरा (ओपन), तीसरा (यूएनआईडीएओ); ब्लॉकचेन विशेषज्ञता प्राप्त हुई।
- टेकशिला एमएल ट्रैक (जून 2024) – दूसरा स्थान; एआई प्लेटफॉर्म विकास।
- आईसीपीसी रीजनल (जनवरी 2025) – प्रारंभिक रैंक: 203, रीजनल: 56; समस्या-समाधान कौशल में वृद्धि।

एयरसोक आईआईटी रुड़की

एयरसोक आईआईटी रुड़की का एयरोमॉडलिंग, ड्रोन एवं मानव रहित हवाई प्रणाली (यूएएस) के लिए प्रमुख छात्र समूह है, जो एयरोस्पेस प्रौद्योगिकियों में व्यावहारिक शिक्षा, अनुसंधान एवं नवाचार के लिए समर्पित है।

भर्ती की मुख्य बातें

- परिचयात्मक कार्यशाला (फरवरी 2025): 104 प्रतिभागियों को आर.सी. विमानों और ड्रोनों पर प्रशिक्षित किया गया।
- शॉर्टलिस्टिंग: तकनीकी साक्षात्कार के बाद सहयोगी परियोजनाओं के लिए 33 का चयन किया गया।
- अंतिम चयन: एच.आर. साक्षात्कार एवं परियोजना मूल्यांकन के बाद 19 को शामिल किया गया।

प्रमुख कार्यक्रम एवं पहल

- फ्लाइट फ्यूरी @ कॉग्निजेंस (मार्च 2025) पेलोड डिलीवरी चुनौतियों के साथ आरसी विमान प्रतियोगिता। विजेता: टीम मत्स्य - वायुगतिकीय उत्कृष्टता के लिए मान्यता प्राप्त।
- ड्रोन एवं आरसी विमान कार्यशाला (फरवरी 2025) 84 चयनित प्रतिभागियों के साथ व्यावहारिक प्रशिक्षण।
- ड्रोन4एस हैकाथॉन (सितंबर 2024) 60 आवेदकों में से 31 को शॉर्टलिस्ट किया गया; ड्रोन तकनीक के माध्यम से स्थिरता, कृषि, आपदा प्रबंधन पर ध्यान केंद्रित किया गया।
- आगामी: एरोथॉन 2025
- जून: यूएएस डिजाइन एवं प्रस्तुति
- नवंबर: परीक्षण उड़ानें एवं प्रदर्शन मूल्यांकन

उल्लेखनीय परियोजनाएँ

- मिनिएचर कार्गो प्लेन – पेलोड परीक्षण प्लेटफ़ॉर्म
- वेपॉइंट नेविगेशन ड्रोन – जीपीएस-निर्देशित स्वायत्त मानचित्रण
- डिफरेंशियल थ्रस्ट प्लेन – मोटर नियंत्रण के माध्यम से पतवार रहित उड़ान
- आरओएस बाधा परिहार – Pi + कैमरा का उपयोग करके वास्तविक समय का पता लगाना
- गहराई अनुमानक – 2डी वीडियो से 3डी मानचित्रण
- जेस्चर कमांड मॉड्यूल – मीडियापाइप के माध्यम से हाथों से मुक्त ड्रोन नियंत्रण
- एकल मोटर विफलता का पता लगाना – सुरक्षा के लिए पिक्सहॉक टेलीमेट्री
- आर्डूइनों-आधारित ड्रोन – कस्टम, कम लागत वाला शैक्षिक यूएवी
- ऑर्निथॉप्टर – पक्षी जैसा फड़फड़ाता पंख वाला विमान
- ओसीआर मॉड्यूल – स्वचालित लेबल पहचान के लिए ईज़ीओसीआर

प्रतियोगिता की मुख्य विशेषताएं

- कलाम लैब्स टेक मेकर एक्सपो (अक्टूबर 2024) – बायो-प्रेरित ऑर्निथॉप्टर के लिए ₹25,000 का पुरस्कार
- मैथवर्क्स मिनीड्रोन प्रतियोगिता (अगस्त 2024) – MATLAB-आधारित पथ-अनुसरण सिमुलेशन
- इंटर आईआईटी ड्रोन चैलेंज (दिसंबर 2024) – 3-मोटर ऑपरेशनल ड्रोन के साथ चौथा स्थान

एरीस क्लब (रोबोटिक्स, ड्रोन, एआर/वीआर, डेव, एआई/एमएल)

भर्ती प्रक्रिया; रोबोटिक्स एवं ड्रोन वर्टिकल

- 105 प्रतिभागियों के साथ भर्ती परीक्षा (9 फरवरी 2025), जिसमें मेक्ट्रोनिक्स एवं इलेक्ट्रॉनिक्स सब-वर्टिकल शामिल हैं।
- सीबीटी टेस्ट के बाद तकनीकी साक्षात्कार।
- शॉर्टलिस्ट किए गए उम्मीदवारों ने तकनीकी और टीमवर्क कौशल का आकलन करने के लिए सहयोगी परियोजनाएं पूरी कीं।
- अंतिम एचआर राउंड परियोजना-आधारित मूल्यांकन पर केंद्रित था।

एआर/वीआर एवं विकास वर्टिकल

- एआर/ वीआर, गेम डेवलपमेंट एवं योग्यता पर प्रारंभिक परीक्षण।
- हैकाथॉन राउंड: यूनिटी में गेम-बिल्डिंग और तकनीकी चुनौतियाँ।
- अंतिम साक्षात्कार विचार प्रक्रिया और गहराई पर केंद्रित थे।
- संयुक्त प्रदर्शन के आधार पर शीर्ष उम्मीदवारों को शामिल किया गया

एआई/एमएल वर्टिकल

- 162 प्रतिभागियों के साथ प्रवेश परीक्षा।
- छवि विभाजन और वर्गीकरण पर कागल-आधारित हैकथॉन।
- योग्यता के आधार पर अंतिम साक्षात्कार के लिए 20 उम्मीदवारों को चुना गया।

कार्यक्रम एवं पहल

- गेम डेव वर्कशॉप (यूनिटी); व्यावहारिक गेम-बिल्डिंग सत्र
- कॉग्निजेंस में स्काई मैन्युवर; आपदा प्रतिक्रिया, शहरी नियोजन जैसी वास्तविक दुनिया की समस्याओं पर ड्रोन का उपयोग

उल्लेखनीय परियोजनाएँ

- वर्चुअल हेल्पिंग हैंड - इमर्सिव बायोलॉजिकल एक्सप्लोरेशन के लिए यूनिटी और C# का उपयोग करने वाला वीआर एजुकेशन ऐप।
- सिटीआर्ट वॉकर - लाइटशिप वीपीएस एवं फायरबेस के माध्यम से संस्कृति और तकनीक को मिलाकर एआर अनुभव।

- एरो-फॉलोइंग रोबोट - ROS + OpenCV का उपयोग करके गज़ेबो सिमुलेशन।
- डिलीवरी ड्रोन - PX4, ROS/MAVROS का उपयोग करके लाइन-फॉलोइंग ड्रोन।
- ऑब्जेक्ट-ट्रैकिंग ड्रोन - YOLO/DeepSORT + ड्रोन एकीकरण।
- डेप्थ एस्टीमेटर - विज़न ट्रांसफॉर्मर-आधारित डेप्थ प्रेडिक्शन।
- एयर कैनवस - रियल-टाइम कैमरा फीडबैक के साथ जेस्चर-आधारित ड्राइंग सिस्टम।
- न्यूज़ स्क्राइब एआई - लामा 3.2 और प्लेराइट के साथ लैंगचेन-आधारित ब्लॉग जनरेटर।
- 3-डीओएफ जिम्बल - सॉलिडवर्क्स में डिज़ाइन किया गया, टिंकरिंग लैब आईआईटीआर का उपयोग करके 3डी प्रिंट किया गया।

उपलब्धियां

- आईएसडीसी 2024; 12वीं रैंक।
- एमज़ोन चेलेंज 2024; 4वीं रैंक
- कोलिंग 2025 RegNLP (रेज़ एनएलपी); 3वीं रैंक
- कोलिंग 2025 एफएमडी; 16वीं रैंक
- स्टेक-2 डीप; 2वीं (ओपन), 3वीं (यूएनआईडीएयू) रैंक

एएसएमई आईआईटीआर छात्र अनुभाग

2007 में स्थापित, एएसएमई आईआईटीआर छात्र अनुभाग व्यावहारिक शिक्षा, कार्यशालाओं और वास्तविक दुनिया की परियोजनाओं के माध्यम से बहु-विषयक इंजीनियरिंग कौशल को बढ़ावा देता है। हमारा ध्यान रोबोटिक्स, स्वचालन, संधारणीय डिजाइन और डेटा विज्ञान पर केंद्रित है - जिसमें अंडरवाटर रोबोटिक्स (यूआरओवी एवं एयूवी) में प्रमुख योगदान है।

भर्ती

प्रतिवर्ष (जनवरी-फरवरी) आयोजित की जाने वाली इस प्रक्रिया में भर्ती वार्ता, एक तकनीकी परीक्षण और तकनीकी ज्ञान, समस्या-समाधान एवं टीम वर्क का मूल्यांकन करने वाले दो साक्षात्कार दौर शामिल हैं।

कार्यशालाएं आयोजित

- सॉलिडवर्क्स – सीएडी मॉडलिंग एवं असेंबली (45 प्रतिभागी)
- एएनएसवाईएस – मैकेनिकल सिस्टम के लिए परिमित तत्व सिमुलेशन (60)
- आरओएस – गज़ेबो सिमुलेशन के साथ रोबोट ऑपरेटिंग सिस्टम की मूल बातें (35)
- मोटर ड्राइवर – पीडब्लूएम और एच-ब्रिज का उपयोग करके रोबोटिक्स के लिए सर्किट डिज़ाइन (30)
- टिंकरसीएडी – शुरुआती लोगों के लिए 3डी प्रोटोटाइपिंग (35)

उल्लेखनीय परियोजनाएँ

- एयूवी - नेविगेशन एवं मेनिपुलेशन के लिए स्वायत्त पानी के नीचे रोबोट; एसएयूवीसी 2024 में 8वां स्थान प्राप्त किया।
- सोलिनास - गहरे टैंकों के लिए टेलीस्कोपिक मिक्सिंग सिस्टम; इंटर आईआईटी टेक मीट 12.0 में स्वर्ण।
- 6-थ्रस्टर आरओवी - एसएयूवीसी में बकेट-टू-बकेट टास्क परफ़ॉर्मर।
- ग्रिपर आर्म, बाधा-निवारक ड्रोन, लाइन फॉलोअर, रैम इफ़ेक्ट व्हीकल - टेकफेस्ट 2024 और सृष्टि'24 जैसे इवेंट में तैनात।
- कोज़मो क्लेंच बॉट - आईआईटीबी टेकफेस्ट के लिए बनाया गया स्वायत्त टास्क-सॉल्विंग रोबोट।

उपलब्धियां और प्रतियोगिताएं

- SAUVC (एसएयूवीसी) 2024 (सिंगापुर) – अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 8वां स्थान; बेहतर हाइड्रोडायनामिक्स और सेंसर एकीकरण।
- टेकज़ीबिशन, कॉग्निजेंस – एयूवी प्रदर्शन के लिए प्रथम स्थान।
- रोबोटिक्स @ आईआईटीबी – फाइनलिस्ट; प्रणोदन एवं उछाल में वृद्धि।

सम्मान

- एएसएमई सबसे महत्वपूर्ण सदस्यता वृद्धि पुरस्कार (सितंबर 2024) - 35+ एएसएमई छात्र वर्गों के बीच उत्कृष्ट विकास के लिए राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त।
- क्लब ने रोबोसॉकर एवं प्लाज़्मा-पुल, कॉग्निजेंस 2024 में जज के रूप में भी काम किया।

ब्लॉकचेन सोसाइटी (ब्लॉकसोक)

ब्लॉकसोक आईआईटी रुड़की का ओपन ब्लॉकचेन एवं वेब3 समुदाय है। यह कार्यशालाओं, व्याख्यानों एवं स्टैकटूडीप जैसे हैकथॉन के माध्यम से सहयोग, परियोजना निर्माण और ज्ञान साझा

करने को बढ़ावा देता है। भर्ती हैकथॉन या जनवरी-फरवरी में सालाना आयोजित होने वाली परीक्षा एवं साक्षात्कार प्रक्रिया के माध्यम से की जाती है।

मुख्य कार्यक्रम

- स्टैकटूडीप एवं स्टैकटूडीप 2.0 - व्यापक भागीदारी के साथ वार्षिक ब्लॉकचेन हैकथॉन
- यूनिडाओ कोहोर्ट - गहन शिक्षण + परियोजना मेंटरशिप कार्यक्रम
- व्याख्यान श्रृंखला – ZKSync (ज़ेडकेसिंक) एवं रॉबिन के साथ सत्र (उपलब्ध)
- ब्लॉकचेन परिचय वार्ता एवं एएमए- 100 से अधिक छात्रों को शामिल किया गया
- भर्ती अभियान - परीक्षण, वार्ता और साक्षात्कार ने भावुक ब्लॉकचेन शिक्षार्थियों को शामिल किया

प्रमुख परियोजनाएँ

- हॉर्सराइडर्स – हफ़/सॉलिडिटी (गिटहब) में ईवीएम के लिए एफएफटी गणित लाइब्रेरी
- एथेना – गहन विश्लेषण के लिए गो-आधारित ब्लॉकचेन डेटा पार्सर
- सेलेन – गो में लाइटवेट एथेरियम क्लाइंट, अनुदान-समर्थित
- ज़ेडकेक्वेस्ट – शून्य-ज्ञान प्रमाणों के लिए गेमिफाइड लर्निंग प्लेटफ़ॉर्म
- बेस्कर – स्मार्ट कॉन्ट्रैक्ट में म्यूटेशन परीक्षण के लिए रस्ट टूल
- एथ-टूल्स – तेज़ एथेरियम डीएपी विकास के लिए टूलकिट

प्रतियोगिताएं एवं उपलब्धियां

- एथइंडिया, एथग्लोबल (सिंगापुर एवं ब्रुसेल्स), भारत स्थित, एथऑनलाइन, एजेंटिकएथ में विजेता मुख्य सीख: तीव्र प्रोटोटाइपिंग, टीम समन्वय, विचारों में सरलता एवं प्रभावशाली प्रस्तुतियाँ

स्टार्टअप एवं अनुदान

- ब्लॉकफ्लो – नो-कोड वेब3 इन्फ्रा, सर्किल के एलायंस का भाग
- ल्यूसिडलीफाइनेंस – डीफाई लिक्विडिटी रणनीतियों को स्वचालित करना
- ईस्टोर एवं प्रिवोट – ब्लॉकचेन-आधारित ई-कॉमर्स एवं गोपनीयता मतदान के लिए अनुदान
- सेलेन एवं चिलक्वेस्ट – एथेरियम लाइट क्लाइंट एवं
- ब्लॉकचेन गेमिंग प्लेटफ़ॉर्म के लिए अंतर्राष्ट्रीय अनुदान

डेटा साइंस ग्रुप (डीएसजी)

डेटा साइंस ग्रुप (डीएसजी) आईआईटी रुड़की में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग एवं डेटा साइंस पर केंद्रित एक छात्र-नेतृत्व वाला समुदाय है। यह परियोजनाओं, प्रतियोगिताओं और कार्यशालाओं के माध्यम से व्यावहारिक शिक्षा, शोध प्रकाशन एवं उद्योग जुड़ाव को बढ़ावा देता है।

भर्ती प्रक्रिया

तीन चरणों में आयोजित:

- बीवाईओपी (दिसंबर) - छात्र अपने स्वयं के एमएल प्रोजेक्ट विचार प्रस्तुत करते हैं एवं विकसित करते हैं।
- शुरुआती परिकल्पना (जनवरी) - प्रथम/द्वितीय वर्ष के लिए कागल-आधारित एमएल प्रतियोगिता।
- ब्लॉगथॉन (जनवरी) - छात्र एमएल विषयों या पिछले डीएसजी प्रोजेक्ट के बारे में लिखते हैं।
- यह मजबूत पहल एवं समस्या-समाधान कौशल वाले शिक्षार्थियों की भर्ती सुनिश्चित करता है।

मुख्य कार्यक्रम

- डब्लूडब्लूटी अतिथि व्याख्यान (जुलाई 2024) - डब्लूडब्लूटी विशेषज्ञों द्वारा परामर्श में डेटा विज्ञान पर अंतर्दृष्टि; 100+ उपस्थित लोग।
- जनरेटिव एआई बूटकैंप (अगस्त-सितंबर 2024) – 3-सप्ताह की श्रृंखला; 800+ प्रतिभागियों ने प्रमाण पत्र एवं पुरस्कार अर्जित किए।

प्रमुख परियोजनाएँ

- पिका-बॉट आर – पोकेमॉन लड़ाइयों के लिए सुदृढीकरण सीखने पर आधारित बॉट।
- सेग्मएडिट – इनपेंटिंग एवं इमेज सेगमेंटेशन (एसएएम, लामा) के लिए एआई टूल।
- नॉलेज आरएजी – वेक्टर एम्बेडिंग के साथ एलएलएम-संचालित सूचना पुनर्प्राप्ति।
- विज़ुअल एमएल – वेब-आधारित विज़ुअल एमएल लर्निंग प्लेटफ़ॉर्म (डी2एल पोर्ट टू पायटॉर्च)।

- फोरकास्टप्रो – डीप लर्निंग एवं सांख्यिकीय पूर्वानुमान मॉडल की तुलना करने के लिए टूल।
- एआई कवच – सुरक्षित एआई परिनियोजन के लिए प्रमाणित रूप से मजबूत एमएल मॉडल ट्रेनर।

प्रतियोगिताएं एवं प्रदर्शन

- एमज़ोन चैलेंज – 16वीं रैंक
- नेऊर्लआईपीएस एरियल डेटासेट चैलेंज – शीर्ष 20% (227/1200)
- इन्नोव8 2.0 (2024) – शीर्ष 20
- मिंत्रा हैकरैप: वीफॉरशी – सेमी-फ़ाइनलिस्ट

उपलब्धियां

- आईसीएलआर एवं नेऊर्लआईपीएस में स्वीकार किए गए पेपर – प्रीमियर एआई सम्मेलनों में पोस्टर प्रस्तुतियाँ
- पहला स्थान – एम्बेडेड सुरक्षा चुनौती (सीसॉ)
- दूसरा स्थान – माइक्रोसॉफ़्ट सदस्यता अनुमान चुनौती (आईईईई एसएटीएमएल)
- 4 जीसोक चयन – ओपन-सोर्स एमएल टूल में योगदान
- 16वीं रैंक – एमज़ोन एमएल चैलेंज
- पेपर स्वीकृति – एमएलआरसी सम्मेलन

डिज़ाइन स्टूडियो (डीएस)

डिज़ाइन स्टूडियो आईआईटी रुड़की का आधिकारिक डिज़ाइन क्लब है, जो ग्राफ़िक, मोशन, 3D एवं यूआई/यूएक्स डिज़ाइन के प्रति जुनूनी छात्रों के लिए एक रचनात्मक पावरहाउस के रूप में कार्य करता है। यह क्लब कार्यशालाओं, प्रतियोगिताओं और वास्तविक दुनिया की परियोजनाओं के माध्यम से व्यावहारिक अनुभव प्रदान करता है, जिससे भविष्य के डिज़ाइन व्यावसायिकों का एक जीवंत समुदाय विकसित होता है।

भर्ती प्रक्रिया

प्रत्येक वर्ष सम सेमेस्टर में आयोजित की जाने वाली चयन प्रक्रिया में शामिल हैं:

- डिज़ाइन टास्क सबमिशन
- तकनीकी + एचआर साक्षात्कार हेक्सकोड के पोडियम विजेता सीधे एचआर राउंड के लिए अर्हता प्राप्त करते हैं।

मुख्य कार्यक्रम

- हेक्सकोड 2025 (फ़रवरी) - अनस्टॉप पर आयोजित 36 घंटे का राष्ट्रीय डिज़ाइनथॉन; पूरे भारत से 100+ प्रतिभागी; ब्रुसिरा द्वारा प्रायोजित, ज़ोमैटो डिज़ाइन टीम द्वारा निर्णायक।
- 3डी डिज़ाइन कार्यशाला (जनवरी) - मॉडलिंग, टेक्सचरिंग एवं रेंडरिंग की मूल बातों पर केंद्रित ब्लेंडर कार्यशाला।
- डिज़ाइन (सितंबर) – कंट्रास्ट, बैलेंस एवं पदानुक्रम जैसे डिज़ाइन सिद्धांतों पर इंटरैक्टिव सत्र।

उल्लेखनीय परियोजनाएँ

- एनएसडीसी सिएरा लियोन रिपोर्ट – एनएसडीसी एवं सिएरा लियोन के एमटीएचई के लिए व्यावसायिक रूप से डिज़ाइन की गई रिपोर्ट।
- सांस्कृतिक जीसी ब्रांडिंग – कैंपस-वाइड चैंपियनशिप के लिए पूर्ण डिज़ाइन एवं प्रचार किट।
- एस्पायर सीएडी रिसर्च – स्लीप-ट्रैकिंग डिवाइस के लिए विज़ुअल डिज़ाइन सहायता।
- विनाइल कवर रीडिज़ाइन – इलस्ट्रेटर कार्य रेट्रो एल्बम कवर को फिर से बनाना।
- फ़ोटोमैनिपुलेशन चैलेंज – फ़ोटोशॉप-आधारित छवि रचना।
- पोकेमॉन कैरेक्टर डिज़ाइन – स्केचबुक एवं एडोब सूट का उपयोग करके कल्पनाशील अवधारणा कला।

प्रतियोगिताएं एवं उपलब्धियां

- इंटर आईआईटी डिज़ाइन मीट 7.0 दूसरा स्थान - ऑनलाइन डिज़ाइन मैराथन तीसरा स्थान - ऑनलाइन ग्राफ़िक डिज़ाइन
- मुख्य सीख: बढ़ी हुई रचनात्मकता, प्रतिक्रिया-आधारित पुनरावृत्ति, बेहतर सौंदर्य सामंजस्य
- भविष्य में स्कोप: टाइपोग्राफी, सम्मिश्रण, उद्योग जोखिम एवं समयबद्ध निष्पादन में सुधार।

उद्यमिता प्रकोष्ठ (ई-सेल)

ई-सेल छात्रों को मार्गदर्शन, प्रतियोगिताओं एवं स्टार्टअप इकोसिस्टम तक पहुँच प्रदान करके नवाचार एवं उद्यमशीलता की सोच को बढ़ावा देता है।

विजन: आईआईटी रुड़की को एक स्टार्टअप हब के रूप में विकसित करना जो रचनात्मकता, जोखिम लेने और वैश्विक प्रभाव को बढ़ावा देता है।

केन्द्रित क्षेत्र

- उद्यमिता शिक्षा
- स्टार्टअप इनक्यूबेशन
- प्रतियोगिताएँ एवं पिच इवेंट
- उद्योग सहयोग
- व्यवसाय कौशल विकास
- कैंपस स्टार्टअप इकोसिस्टम निर्मा

भर्ती प्रक्रिया

- प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए प्रतिवर्ष (फरवरी-मार्च) आयोजित की जाने वाली इस प्रक्रिया में शामिल हैं:
- बिजनेस मॉडल कैनवास कार्य
- स्टार्टअप अनुसंधान एवं विश्लेषण
- व्यावसायिक कौशल एवं समस्या-समाधान का मूल्यांकन करने वाले साक्षात्कार

मुख्य कार्यक्रम

- स्टार्टअप-प्रेरित ट्रेजर हंट (अगस्त) – 600 से अधिक प्रतिभागियों ने व्यावसायिक अवधारणाओं पर आधारित पहेलियाँ हल कीं।
- बिजनेस फ्रेमवर्क वर्कशॉप (अगस्त) – स्टार्टअप मॉडल पर आजम अली (टाइड्स सीईओ) द्वारा कार्यशाला + मुख्य भाषण।
- एक्सेलेरेटर (अक्टूबर) – आईपीवी, इंडिया एक्सेलेरेटर एवं अन्य के समक्ष 150+ स्टार्टअप प्रस्तुत किए गए; आईआईटीआर के प्रथम वर्ष के छात्रों को एक्सेलेरेटर जूनियर के अंतर्गत प्रस्तुत किया गया।
- एनविज़न (सितंबर) – राष्ट्रीय व्यापार चुनौती; मास्टर्स यूनियन के विजेताओं ने ई-समिट में लाइव प्रस्तुति दी।
- ई-समिट '25 (जनवरी-फरवरी) – आईआईटीआर प्रमुख 3-दिवसीय स्टार्टअप उत्सव; 15K+ लोगों की उपस्थिति, स्टार्टअप एक्सपो, कंसल्ट केस एवं अमन गुप्ता, डॉ. ए. वेलुमणि एवं अन्य द्वारा वार्ता सहित 50+ कार्यक्रम।
- हाई-रेज़ (फरवरी) – डिज़ाइन + UX मिनी-सम्मेलन; 250+ उपस्थित लोगों के साथ पैनल, कार्यशालाएँ और डिज़ाइन चुनौतियाँ।
- साप्ताहिक चर्चाएँ - स्टारबक्स, मेन्सा, ऑफ़बिज़नेस जैसे ब्रांडों पर उद्योग-आधारित साप्ताहिक चर्चाएँ।

उल्लेखनीय परियोजनाएँ

- पर्सनल फ़ाइनेंस ट्रैकर – यूपीआई एसएमएस पार्सिंग का उपयोग करके रीयल-टाइम व्यय प्रबंधक।
- क्लब भर्ती ऐप - क्लब साक्षात्कार कार्यक्रम एवं जानकारी के लिए केंद्रीकृत प्लेटफ़ॉर्म।
- डेल्टा - नौकरियों, इंटर्नशिप एवं फ़्रीलांसिंग के लिए आईआईटीआर का अवसर पोर्टल।
- कैंपस मोबिलिटी - रात के समय व पीक-ऑवर के समय छात्र यात्रा के लिए यूलु बाइक प्रस्तुत करने का प्रस्ताव।
- स्टार्टअप समुदाय निर्माण - एक स्थायी छात्र स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र बनाना।

प्रतियोगिताएँ एवं उपलब्धियाँ

- हल्ट पुरस्कार 2024 - ग्रीन हाइड्रोजन-आधारित उद्यम के साथ वैश्विक स्तर पर शीर्ष 6; वैश्विक प्रदर्शन को बढ़ावा दिया।

सुझाव: सत्यापन में सुधार करें, जल्दी प्रोटोटाइप बनाएँ, एवं पूर्व छात्रों की सलाह का लाभ उठाएँ।

एनेक्टस आईआईटी रुड़की

छात्रों को वास्तविक दुनिया की समस्याओं के लिए स्थायी, उद्यमशील समाधान प्रस्तुत करने के लिए सशक्त बनाता है।

विजन: सामाजिक परिवर्तन के लिए नवाचार एवं सहयोग को बढ़ावा देना।

केन्द्रित क्षेत्र:

- सामाजिक उद्यमिता
- तकनीक-संचालित नवाचार
- सतत विकास
- राष्ट्रीय एवं वैश्विक प्रतियोगिताएं

कार्यशालाओं, वक्ता सत्रों एवं उच्च प्रभाव वाली परियोजनाओं के माध्यम से, एनेक्टस सामाजिक भलाई के लिए प्रौद्योगिकी एवं व्यवसाय को जोड़ता है, आईआईटी रुड़की में अंतर-विषयी सहयोग को बढ़ावा देता है।

भर्ती प्रक्रिया

- भर्ती स्प्रिंग सेमेस्टर में निम्नलिखित ट्रैक पर आयोजित की जाती है:
- उत्पाद/अनुसंधान एवं विकास – समस्या कथन + साक्षात्कार
- डिजाइन/मीडिया – रचनात्मक कार्य + साक्षात्कार
- एनेक्ट-ए-थॉन विजेताओं को सीधे साक्षात्कार के अवसर मिलते हैं।

प्रमुख कार्यक्रम

- ई-समिट (जनवरी-फरवरी) में एनविज़न – 80 से अधिक कॉलेजों के 450 से अधिक प्रतिभागियों ने स्केलेबल सामाजिक नवाचारों का प्रदर्शन किया।
- फ्रेशर्स इग्नाइट (अगस्त) – 100 से अधिक फ्रेशर्स ने सामाजिक उद्यमिता पर क्विज़ और गेम में भाग लिया।
- एनेक्ट-ए-थॉन 6.0 (जनवरी) – विजेताओं के लिए ₹2,000 पुरस्कार + सीधे साक्षात्कार के साथ राष्ट्रीय विचार चुनौती।
- वक्ता सत्र – शरद विवेक सागर, यशवीर सिंह एवं विकास काकवानी ने छात्रों को उनकी उद्यमशीलता की यात्रा से प्रेरित किया।

मुख्य परियोजनाएँ

- स्टबएक्सट्रैक्ट – बायोरिफाइनरी तकनीक के माध्यम से पराली को वैनिलीन, पीएलए व लैक्टिक एसिड में परिवर्तित करता है। हल्ट पुरस्कार 2025 क्षेत्रीय फाइनलिस्ट, नाबार्ड ने मान्यता दी।
- आर्क – मंदिर के फूलों के कचरे को अगरबत्ती एवं गुलाल में बदल कर ग्रामीण महिलाओं को सशक्त बनाता है।
- रीस्टोव – एनेक्टस म्यूनिख के साथ साझेदारी में इनडोर वायु प्रदूषण को कम करने वाला बायोगैस कुकस्टोव।
- स्क्रैप - कैंपस प्लास्टिक को परीक्षा पैड एवं बोतलों जैसे उपयोगी उत्पादों में रीसायकल करता है। एनेक्टस नेशनल्स 2024 सेमी-फाइनलिस्ट।
- अनुश्रुति – डीएचएच व्यक्तियों के लिए एआई का उपयोग करके रीयल-टाइम आईएसएल-टू-टेक्स्ट कनवर्टर।
- ब्लैक सोल्जर फ्लाई - लार्वा के माध्यम से खाद्य अपशिष्ट को जैव ईंधन, उर्वरक व पशु आहार में परिवर्तित करता है।
- खोज - स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं को बढ़ावा देने के लिए छिपे हुए पर्यटन स्थलों को बढ़ावा देता है।
- एमजी लैंप - दूरदराज के क्षेत्रों में केरोसिन की जगह खारे पानी पर आधारित ईंधन सेल लैंप।
- पार्वती - केले के रेशे से बायोडिग्रेडेबल सैनिटरी पैड।
- बायो-कार्बन कैप्चर - CO/CO उत्सर्जन को जैव ईंधन में बदलने के लिए बैक्टीरिया का उपयोग करता है।
- प्रतियोगिताएं और उपलब्धियां
- एनेक्टस नेशनल्स 2024 – सेमी-फाइनलिस्ट (प्रोजेक्ट स्क्रैप)
- हॉल्ट प्राइज 2025 – कैंपस विजेता और क्षेत्रीय फाइनलिस्ट (प्रोजेक्ट स्टबएक्सट्रैक्ट)
- एनेक्टस नेशनल्स 2023 – सेमी-फाइनलिस्ट (प्रोजेक्ट आर्क)

पूर्व छात्र स्टार्टअप

- लूपवॉर्म – कीट पालन के माध्यम से खाद्य अपशिष्ट से निपटने वाला एग्री-बायोटेक स्टार्टअप; $3.4 मिलियन जुटाए, फोर्ब्स 30 अंडर 30 में शामिल।
- क्योरलिंक – व्हाट्सएप-आधारित हेल्थटेक प्लेटफॉर्म; टियर-2 शहरों में परिचालन बढ़ाने के लिए $3.5 मिलियन जुटाए।

फाइनेंस क्लब

फाइनेंस क्लब आईआईटी रुड़की इक्विटी रिसर्च, क्वांट फाइनेंस, एल्गो ट्रेडिंग और अर्थशास्त्र में रुचि रखने वाले छात्रों के लिए एक गतिशील केंद्र है। 2018 में स्थापित, इसका उद्देश्य तकनीक-केंद्रित पारिस्थितिकी तंत्र में वित्त की एक स्थायी संस्कृति विकसित करना है। प्रतियोगिताओं, कार्यशालाओं, खुली परियोजनाओं और सहयोगों के माध्यम से, क्लब छात्रों को आधुनिक वित्त के लिए वैचारिक एवं व्यावहारिक दोनों तरह के प्रदर्शन से सशक्त बनाता है।

भर्ती प्रक्रिया

फरवरी में प्रत्येक वर्ष आयोजित, चयन में शामिल हैं:

- भर्ती परीक्षा (क्वांट + गुणात्मक वित्त, करंट अफेयर्स)
- साक्षात्कार
- क्रिएटिव के लिए डिज़ाइन ट्रैक (पोर्टफोलियो सबमिशन)
- प्रमुख कार्यक्रमों (फ़िनविस्टा, क्वांटाथॉन) में शीर्ष प्रदर्शन करने वालों के लिए सीधे साक्षात्कार

मुख्य कार्यक्रम एवं पहल

- फ़िनविस्टा – आईआईटीआर-अनन्य केस प्रतियोगिता (260 प्रतिभागी); विषय: टेस्ला इंडिया में प्रवेश, इंडिगो की लाभप्रदता
- क्वांटाथॉन - 36 घंटे की मात्रात्मक वित्त समस्या-समाधान चुनौती (100+ प्रतिभागी)
- फिनसेप्शन - वित्तीय ज्ञान का परीक्षण करने वाली दो-दौर की प्रश्नोत्तरी; वित्त के लिए नए लोगों का परिचय
- फिनक्वेस्ट – 1 वर्ष और 2 वर्ष के लिए मेंटर की गई वित्तीय परियोजना इनक्यूबेशन
- फिनकॉनमेनिया – एसआरसीसी एवं फिनशॉट्स के साथ राष्ट्रीय स्तर का केस कॉम्प (2,500+ पहुंच)
- पोर्टफोलियो परफेक्टो – राष्ट्रीय पोर्टफोलियो डिजाइन चुनौती (450+ प्रतिभागी)
- कार्यशालाएँ – विषय: तकनीकी विश्लेषण, गेम थ्योरी, एल्गो ट्रेडिंग, पेपर ट्रेडिंग

- वर्ल्डक्वांट ब्रेन चैलेंज – सत्र + नकद पुरस्कार के साथ चुनौती

आगामी कार्यक्रम:

वर्ल्डक्वांट आईक्यूसी कार्यशाला (मार्च 2025)

कैपिटल क्वेस्ट (अप्रैल 2025)

ओपन प्रोजेक्ट्स (ग्रीष्म 2025) – गुणात्मक एवं मात्रात्मक वित्त

फ्लैगशिप प्रोजेक्ट्स

- स्टोकेस्टिक वोलैटिलिटी का उपयोग करके विकल्प मूल्य निर्धारण – हेस्टन, एसएबीआर, कोउ, मेर्टन मॉडल का उपयोग करके आर^2 > 0.95 प्राप्त किया
- दो-चरण क्रेडिट स्कोरिंग मॉडल – एएनएन + मार्स; 92% सटीकता, लॉजिस्टिक रिग्रेशन से 15% बेहतर
- लॉन्ग-शॉर्ट पोर्टफोलियो के लिए डीप लर्निंग – एमएलपी, सीएनएन, एलएसटीएम, ट्रांसफॉर्मर; शार्प > 6 प्राप्त किया
- विकल्प मूल्य निर्धारण में क्वांटम कंप्यूटिंग – कुशल एवं सटीक वित्तीय मॉडलिंग
- बहाव-स्वतंत्र अस्थिरता अनुमान – पारंपरिक मानक विचलन मॉडल से बेहतर

प्रतियोगिताएँ एवं उपलब्धियाँ

- फिनटेक ओलंपियाड 2024 – राष्ट्रीय फाइनलिस्ट
- इंडियन केस चैलेंज, आईआईटी खड़गपुर – फाइनलिस्ट
- इक्विटी रिसर्च चैलेंज, आईआईटी गुवाहाटी – शीर्ष 10 फाइनलिस्ट
- इंटर आईआईटी टेक मीट 13.0 – शीर्ष 7 (बीटीसी/ईटीएच ट्रेडिंग रणनीति)
- ऑप्स-स्ट्रेटेजिया, बिट्स पिलानी – प्रथम स्थान
- फिनटरप्राइज 2024, डीडीयूसी – दूसरा स्थान

विरासत उपलब्धियाँ:

- इंटर आईआईटी टेक मीट 12.0 – स्वर्ण एवं रजत (ज़ेलटालैब्स, वर्ल्डक्वांट)
- अल्फाग्रेप अल्फाथॉन 2024 – वैश्विक रैंक 1
- EY CAFTA (ईवाई – काफ्टा) – राष्ट्रीय स्तर पर शीर्ष 5 (6 बार विजेता)
- जेपीएमसी क्वांट चैलेंज – राष्ट्रीय रैंक 1

गीक गजट

2009 में स्थापित, गीक गजट आईआईटी रुड़की की आधिकारिक तकनीकी पत्रिका है। तकनीकी ज्ञान साझा करने के माध्यम के रूप में शुरू हुई यह पत्रिका लेखकों, डिजाइनरों, डेवलपर्स एवं इनोवेटर्स के रचनात्मक एवं बौद्धिक समूह में विकसित हुई है। हम विज्ञान, कहानी कहने, दर्शन, पॉप-टेक और गीक से जुड़ी हर चीज़ का पता - आकर्षक लेखन, डिज़ाइन और वेब अनुभवों के माध्यम से लगाते हैं।

भर्ती

गीक गजट की अनूठी मल्टी-पाथ भर्ती प्रक्रिया ने सभी क्षेत्रों में रचनात्मक समावेश सुनिश्चित किया:

- समस्या कथन प्रस्तुतियाँ: संपादन, डिज़ाइन, वेब, वित्त के लिए (इंस्टाग्राम रिलीज़ के माध्यम से)
- इंट्रो टॉक चैलेंज (वित्त): सीधे एचआर साक्षात्कार के लिए लाइव उत्पाद-पिचिंग राउंड
- स्पूकटैकुलर शोडाउन: हैलोवीन-थीम वाली लेखन/डिज़ाइन प्रतियोगिता जिसमें नकद पुरस्कार + सीधी भर्ती की पेशकश की जाती है

शॉर्टलिस्ट किए गए उम्मीदवार टीम अनुकूलता के लिए एचआर मूल्यांकन सहित 2-3 साक्षात्कार दौर से गुज़रे।

प्रमुख गतिविधियाँ एवं पहल

- द्विवार्षिक पत्रिका प्रकाशन प्रत्येक सेमेस्टर में, जीजी तकनीकी डीप डाइव्स,विज्ञान-फाई अन्वेषण, फिलोसोफिकल पीसेस एवं आश्चर्यजनक दृश्य लेआउट से भरा एक संस्करण प्रकाशित करता है।
- फ्रेशर्स के लिए परिचयात्मक चर्चा वार्षिक इंटरैक्टिव सत्र जिसमें क्लब की भूमिकाएँ, विरासत एवं क्षेत्रों-विशिष्ट अवसरों का परिचय दिया जाता है।
- कार्यशालाएँ एवं आंतरिक अपस्किलिंग एडोब इलस्ट्रेटर, फ़ोटोशॉप, इनडिज़ाइन, लेखन और लेआउट डिज़ाइन पर सदस्य-नेतृत्व वाले सत्र निरंतर सीखने को सुनिश्चित करते हैं।
- थीम्ड प्रतियोगिताएँ और रचनात्मक लड़ाइयाँ स्पूकटैकुलर शोडाउन और मिनी-स्प्रिंट जैसे कार्यक्रम पुरस्कार और साक्षात्कार के लाभों के साथ मैत्रीपूर्ण प्रतिस्पर्धा और अभिव्यक्ति की संस्कृति को बढ़ावा देते हैं।

आगामी परियोजना

- एसटीसी एक्स गीक गज़ेट विशेष संस्करण छात्र तकनीकी परिषद के साथ एक सहयोगी तकनीकी-पत्रिका – आईआईटीआर की नवाचार संस्कृति का सबसे अच्छा उत्सव मनाती है, जिसमें छात्र समूह लेख, विशेष साक्षात्कार, चित्रण और समुदाय-संचालित सामग्री शामिल है।

आईजेम आईआईटी रुड़की

आईजेम आईआईटी रुड़की एक अंतः विषय, छात्र-नेतृत्व वाला शोध क्लब है जो वैश्विक आईजेम (अंतर्राष्ट्रीय आनुवंशिक रूप से इंजीनियर मशीन) प्रतियोगिता में भाग लेता है। टीम जेनेटिक इंजीनियरिंग, कम्प्यूटेशनल मॉडलिंग एवं सामुदायिक आउटरीच का उपयोग करके वास्तविक दुनिया की समस्याओं से निपटने के लिए सिंथेटिक बायोलॉजी एवं बायोटेक्नोलॉजी-आधारित समाधानों पर ध्यान केंद्रित करती है। हमारा मिशन जीव विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की राह पर अनुसंधान को बढ़ावा देना है, अकादमिक विषयों में सहयोग को बढ़ावा देना है। आईजेम आईआईटीआर छात्रों को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर विचार करने, प्रयोग करने और नवाचारों को प्रस्तुत करने का अधिकार देता है।

भर्ती प्रक्रिया

भर्ती प्रतिवर्ष सम सेमेस्टर के दौरान आयोजित की जाती है। बहु-चरणीय प्रक्रिया में शामिल हैं:

- लिखित आवेदन
- तकनीकी दौर (वेट लैब, ड्राई लैब, मानव अभ्यास, वित्त, आउटरीच)
- शॉर्टलिस्ट किए गए उम्मीदवारों के लिए एचआर साक्षात्कार

कार्यक्रम एवं पहल

- खेत का दौरा
- चाय चर्चा
- स्कूल का दौरा

उल्लेखनीय परियोजनाएँ एवं उपलब्धियाँ

- शुगरकेयर - स्पॉट द रोट ऑन द स्पॉट; जेनेटिक इंजीनियरिंग, डीएनए एक्सट्रैक्शन, मॉलिक्यूलर डॉकिंग, सीएनएन, रेसनेट, वीजीजी16, एफिशिएंटनेट, पीसीआर

प्रतियोगिताएँ एवं प्रदर्शन

- आईजीईएम वैश्विक प्रतियोगिता; रजत पदक प्राप्त किया

मोटरस्पोर्ट्स

आईआईटी रुड़की मोटरस्पोर्ट्स, आईआईटी रुड़की की आधिकारिक फॉर्मूला स्टूडेंट टीम है। यह टीम फॉर्मूला-स्टाइल इलेक्ट्रिक रेस कारों का डिजाइन बनाती है, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेती है, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी एवं कार्बन न्यूट्रैलिटी में अनुसंधान एवं विकास को बढ़ावा देती है।

प्रमुख पहल एवं कार्यक्रम

- टेकशिला 2024: कार के पुर्जे एवं ट्रॉफियाँ प्रदर्शित की गईं, तकनीक के प्रति उत्साही लोगों को आकर्षित किया और दृश्यता बढ़ाई।
- **फ्रेशर्स ओरिएंटेशन:** दीक्षांत समारोह हॉल में प्रथम वर्ष के यूजी छात्रों को टीम से परिचित कराया गया।
- **इंट्रो टॉक + थॉम्सो सिम्युलेटर स्टॉल:** इंट्रो टॉक ने ~150 फ्रेशर्स को आकर्षित किया; कार सिमुलेटर वाले थॉम्सो स्टॉल पर 750+ लोग आए। वर्चुअल कैंपस टूर के लिए टिंकरिंग लैब के साथ सहयोग किया।
- **इंटर आईआईटी टेक मीट 13.0:** आरएमएसई19 प्रदर्शित किया गया, प्रायोजकों सहित 500+ लोगों को शामिल किया गया; उद्योग की दृश्यता बढ़ाई गई।
- **भर्ती एवं स्वायत्त कार्यशाला:** भर्ती वार्ता, परीक्षण एवं साक्षात्कार आयोजित किए गए। डीएसजी के साथ एआई-संचालित स्वायत्त वाहन कार्यशाला आयोजित की गई।
- **संज्ञान रोड शो:** आरएमएसई'25 का लाइव प्रदर्शन किया गया, जिसमें बड़ी भीड़ जुटी। उच्च ऊर्जा एवं प्रदर्शन ने पूरे परिसर का ध्यान आकर्षित किया।

फ्लैगशिप प्रोजेक्ट: आरएमएसई'25, आरएमएसई'23 की तुलना में महत्वपूर्ण अपग्रेड:

- पेटेंट-योग्य विकर्ण डैम्पर
- पूरा एयरो पैकेज
- इन-हाउस बीएमएस एवं वीसीयू
- केन -आधारित डेटा लॉगिंग सिस्टम

प्रदर्शन हाइलाइट्स

- शीर्ष गति: 120 किमी/घंटा
- मोटर टॉर्क: 240 एनएम
- मोटर पावर: 100 kW (80 kW तक कम)

समयरेखा

- मई 2024: डिज़ाइन को अंतिम रुप दिया जाना; चेसिस पूरा हुआ
- सितंबर 2024: बिजनेस प्लान प्रेजेंटेशन (फॉर्मूला भारत प्रीलिम्स)
- नवंबर 2024: रोलिंग चेसिस स्टेज पर पहुंचा; VED में भाग लिया
- दिसंबर 2024: परीक्षण और वाहन स्थिति की वीडियो प्रस्तुति

प्रतियोगिता प्रदर्शन

फॉर्मूला भारत 2025

- प्रथम – मैथवर्क्स स्किडपैड मॉडलिंग
- प्रथम – अल्टेयर सिमुलेशन चैलेंज
- 11वां समग्र (60 टीमों में से)

चल रहा डिज़ाइन चक्र प्रतियोगिता के बाद, अगली कार के लिए डिज़ाइन शुरू हुआ:

- सबसिस्टम-विशिष्ट एवं एकीकृत समयसीमाएँ बनाई गईं
- साप्ताहिक सहयोगी सत्र आयोजित किए गए
- डेटा-संचालित सुधारों के लिए आरएमएसई'25 परीक्षण निर्धारित किए गए

इन्फोसेकआईआईटीआर

इन्फोसेकआईआईटीआर एक छात्र-नेतृत्व वाला समुदाय है जो आईआईटी रुड़की में साइबर सुरक्षा एवं सूचना सुरक्षा पर केंद्रित है। यह क्लब प्रतिस्पर्धी समस्या-समाधान, सहयोगी ज्ञान साझाकरण और बाइनरी शोषण, क्रिप्टोग्राफी, डिजिटल फोरेंसिक, रिवर्स इंजीनियरिंग एवं वेब सुरक्षा जैसे साइबर सुरक्षा क्षेत्रों के व्यावहारिक अन्वेषण के माध्यम से तकनीकी शिक्षा को बढ़ावा देता है।

प्रमुख कार्यक्रम

- **बैकडोरसीटीएफ:** 1,100 से अधिक प्रतिभागी टीमों के साथ वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय कैप्चर द फ्लैग प्रतियोगिता। गूगल क्लाउड, ज़ेलिक, ट्राइल ऑफ बिट्स एवं क्लाउडडिफेंस.एआई सहित संगठनों द्वारा प्रायोजित।
- **विंटरहैक सीटीएफ:** आईआईटी रुड़की के छात्रों के लिए शुरुआती-अनुकूल सीटीएफ। विजेताओं को भर्ती साक्षात्कार और पुरस्कार प्राप्त होंगे।
- **एन00बीसीटीएफ:** क्लब भर्ती के लिए व्यावहारिक सुरक्षा कौशल का आकलन करने के लिए डिज़ाइन किया गया प्रथम वर्ष का विशिष्ट सीटीएफ।
- **परिचय वार्ता एवं कार्यशाला:** छात्रों को वेब शोषण, रिवर्स इंजीनियरिंग एवं क्रिप्टोग्राफी जैसे साइबर सुरक्षा मूल सिद्धांतों से परिचित कराने वाले कार्यक्रम। प्रत्येक कार्यक्रम में 300 से अधिक प्रतिभागी थे।

प्रतियोगिताएं एवं प्रदर्शन

- सीसॉ सीटीएफ फाइनल; भारत में पहला और दूसरा, वैश्विक स्तर पर 7वां और 13वां
- सीसॉ ईएससी; भारत में पहला
- डीएससीआई ईवाई हैकाथॉन; भारत में तीसरा, 7वां, 8वां और 13वां
- जर्सी सीटीएफ, विश्वासीटीएफ; पहला स्थान
- पर्ल सीटीएफ, शक्तिसीटीएफ; तीसरा स्थान
- इनकोगनिटो 5.0, यमास सीटीएफ; चौथा और पांचवां स्थान
- पेट्रीयटसीटीएफ, बीवाईयूसीटीएफ; पांचवां स्थान
- फ्लेयर-ऑन 11; तीन सदस्यों ने सभी चुनौतियां पूरी कीं
- सीवीई-2024-0911; इंडेंट पार्सर में भेद्यता पाई गई
- सीटीएफ टाइम2024 वैश्विक रैंकिंग; दुनिया भर में 37वें स्थान पर

उपलब्धियाँ

- अंतर्राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा प्रतियोगिताओं में लगातार शीर्ष स्थान।
- सीसॉ ईएससी में पहला स्थान और लगातार पाँच वर्षों तक सीसॉ सीटीएफ में उच्च वैश्विक रैंक।
- क्लब के एक सदस्य द्वारा खोजी गई हीप ओवरफ़्लो भेद्यता को सीवीई-2024-0911 सौंपा गया।
- पूरे वर्ष में एक दर्जन से अधिक वैश्विक सीटीएफ आयोजनों में शीर्ष पाँच स्थान।
- फ़्लेयर-ऑन 11 के माध्यम से रिवर्स इंजीनियरिंग में उत्कृष्टता के लिए मान्यता प्राप्त।
- सीटीएफ टाइम पर विश्वभर में 37वें स्थान पर रहा, जो क्लब के लिए अब तक की सर्वोच्च रैंकिंग है।

आउटलुक

इन्फोसैकआईआईटीआर प्रतिस्पर्धी भागीदारी, शोध-संचालित शिक्षा एवं तकनीकी उत्कृष्टता के माध्यम से वैश्विक साइबर सुरक्षा समुदाय में आईआईटी रुड़की की उपस्थिति को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। क्लब का लक्ष्य सूचना सुरक्षा के भविष्य के लिए विशेषज्ञता का निर्माण और प्रतिभा का पोषण करना जारी रखना है।

मॉडल एवं रोबोटिक्स अनुभाग

आईआईटी रुड़की में मॉडल एवं रोबोटिक्स अनुभाग (मार्स) एक गतिशील मंच के रूप में कार्य करता है जहाँ इंजीनियरिंग रचनात्मकता वास्तविक दुनिया के अनुप्रयोग से मिलती है। स्वायत्त एवं इंटेलिजेंट प्रणालियों के निर्माण पर मुख्य ध्यान देने के साथ, यह अनुभाग रोबोटिक्स, एआई, एम्बेडेड सिस्टम एवं मैकेनिकल डिज़ाइन में व्यावहारिक सीखने के व्यापक अवसर प्रदान करता है। प्रतियोगिताओं, कार्यशालाओं, परियोजनाओं और व्याख्यानों के माध्यम से, मार्स नवाचार, सहयोग एवं तकनीकी उत्कृष्टता की समृद्ध संस्कृति को बढ़ावा देता है।

प्रतियोगिताएँ एवं प्रदर्शन

1. फ्लिपकार्ट ग्रिड 6.0 - रोबोटिक्स चैलेंज
- फ्लिपकार्ट द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्तर की रोबोटिक्स चुनौती।
- आईआईटीआर मार्स ने 19,000+ टीमों में से चौथा स्थान प्राप्त किया।
- परियोजना में गोदाम संचालन के लिए एक स्वायत्त रोबोट विकसित करना शामिल था।

2. ई-यंत्र रोबोटिक्स प्रतियोगिता
- आईआईटी बॉम्बे द्वारा आयोजित, आरओएस, ड्रोन नियंत्रण, छवि प्रसंस्करण और एम्बेडेड सिस्टम पर केंद्रित।
- भागीदारी ने वास्तविक समय रोबोटिक्स सिस्टम में उन्नत सीखने को सक्षम किया।

3. इंटर आईआईटी टेक मीट 2024 - आईआईटी बॉम्बे
- हाई प्रेप (आइडियाफोर्ज पीएस): PX4 एवं एलक्यूआर का उपयोग करके दोष-सहिष्णु क्वाडकॉप्टर सिस्टम विकसित किया, जिससे 25ms विफलता पहचान विलंबता प्राप्त हुई।
- मिड प्रेप (भारत पोर्ज पीएस): ROS2, SLAM, Nav2 एवं मशीन लर्निंग का उपयोग करके मल्टी-एजेंट निगरानी प्रणाली बनाई।

4. इसरो रोबोटिक्स चैलेंज (आईआरओसी-यू)
- जीएनएसएस-निषेधित वातावरण में स्वायत्त ड्रोन नेविगेशन पर एक परियोजना के साथ योग्य।
- बैरोमेट्रिक ऊंचाई अनुमान के साथ कस्टम जीपीएस एमुलेटर विकसित किया; भविष्य के लक्ष्यों में विज़ुअल स्लैम एकीकरण शामिल है।

मुख्य परियोजनाएँ एवं नवाचार

मुख्य परियोजनाएँ

- जीपीएस के बिना ड्रोन नेविगेशन: मंगल जैसे वातावरण के लिए कस्टम ऑनबोर्ड सिंथेटिक जीपीएस एवं सेंसर फ़्यूज़न के साथ PX4 ड्रोन।
- रोबोडॉग: मैन्युअल रूप से नियंत्रित चौपाया रोबोट, सुदृढीकरण रूप से सीखने का उपयोग करके स्वायत्त होने की योजना बनाई गई।

ओपन प्रोजेक्ट्स

- एलेक्सा का उपयोग करके वॉयस-कंट्रोल्ड बॉट
- आरसी कंट्रोल के साथ ओमनी-व्हील बॉट
- जेस्चर-कंट्रोल्ड कार रोबोट
- कन्वेयर-आधारित ऑब्जेक्ट वर्गीकरण
- डायनेमिक लॉन्च के साथ बॉल-टारगेट हिटिंग सिस्टम

कार्यशालाएँ एवं कार्यक्रम

1. व्याख्यान श्रृंखला (100+ प्रतिभागी)

- इलेक्ट्रॉनिक्स, आरओएस, मैकेनिकल सिस्टम एवं एआई/एमएल को कवर किया गया
- मौलिक एवं उभरती हुई रोबोटिक्स तकनीकों पर ध्यान केंद्रित किया गया।

2. व्यावहारिक कार्यशालाएँ

- प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए ओपन सीवी एवं आर्डूइनों का उपयोग करके जेस्चर-कंट्रोल्ड सर्वो मोटर कार्यशाला।

3. मेकाथॉन 2025

- समस्या कथन: पुली सिस्टम एवं मोशन सिमुलेशन के साथ केबल-संचालित रोबोटिक कोहनी संयुक्त डिज़ाइन।

4. विज़न टेक्नोलॉजी चैलेंज

- हैकाथॉन ई-कॉमर्स लॉजिस्टिक्स के लिए एमएल-आधारित शिपमेंट गुणवत्ता मूल्यांकन पर केंद्रित है।

5. टेक प्रदर्शनी - मेडीबॉट

- स्वच्छ, संपर्क रहित डिलीवरी के लिए एक स्वायत्त फ़ार्मेसी डिस्पेंसिंग बॉट का प्रदर्शन किया।

उपलब्धियाँ

- चौथा स्थान - फ़्लिपकार्ट ग्रिड 6.0
- चौथा रैंक - हाई प्रेप (इंटर आईआईटी टेक मीट)

- चौथा रैंक - मिड प्रेप (इंटर आईआईटी टेक मीट)
- नवाचार के लिए मान्यता - टेक प्रदर्शनी

निष्कर्ष

मार्स के लिए 2024-25 सत्र रणनीतिक नवाचार, सफल प्रतियोगिता भागीदारी एवं प्रभावशाली परियोजना विकास द्वारा चिह्नित किया गया था। अत्याधुनिक तकनीकों और क्रॉस-डोमेन एकीकरण पर निरंतर ध्यान देने के साथ, टीम आईआईटी रुड़की में छात्र-नेतृत्व वाली रोबोटिक्स उन्नति में सबसे आगे बनी हुई है।

प्रोग्रामिंग एवं एल्गोरिदम समूह (पीएजी)

प्रोग्रामिंग एवं एल्गोरिदम समूह (पीएजी) आईआईटी रुड़की में प्रतिस्पर्धी प्रोग्रामिंग (सीपी) की एक मजबूत संस्कृति को बढ़ावा देता है और वैश्विक प्रतियोगिताओं, विशेष रूप से अंतर्राष्ट्रीय कॉलेजिएट प्रोग्रामिंग प्रतियोगिता (आईसीपीसी) में संस्थान का प्रतिनिधित्व करता है। पीएजी सहयोग, अभ्यास और उत्कृष्टता पर ध्यान केंद्रित करते हुए एल्गोरिदम और समस्या-समाधान के प्रति उत्साही कोडर्स का एक समुदाय बनाता है।

कार्यक्रम एवं पहल

- नंबरफाइल 2024
- एल्गोफोबिक 2024
- इंटर-कॉलेज सीपी कैंप
- सीपी वर्कशॉप का परिचय
- लोगीक्वेस्ट '24
- इंट्रो टॉक + हेडस्टार्ट सीरीज़
- एल्गोरिद्म 2.0
- भर्ती वार्ता
- कोडब्लिट्ज़ '25
- एंडगेम 11.0
- इंसोम्निया '25 (फ्लैगशिप)
- आईआईसीपीसी कोडफेस्ट
- कोडिफाई रंबल
- अंतर्राष्ट्रीय कोडिंग चैलेंज

फ्लैगशिप प्रतियोगिता - इंसोम्निया '25

- आईआईसीपीसी के बाद भारत में दूसरी सबसे बड़ी सीपी प्रतियोगिता
- पूरे भारत से 1700+ प्रतिभागी
- कोडफोर्स पर होस्ट किया गया; 5 घंटे में 14 समस्याएँ
- पुरस्कार पूल: ₹1,00,000
- भारत के शीर्ष कोडर्स एवं संस्थानों की भागीदारी

प्रतियोगिताएँ एवं प्रदर्शन

- आईसीपीसी वर्ल्ड फ़ाइनल्स; वैश्विक स्तर पर 108वाँ स्थान
- आईसीपीसी ऑनलाइन प्रीलिम्स; तीसरा (भारत)
- आईसीपीसी क्षेत्रीय; तीसरा (चेन्नई)
- आईसीपीसी एशिया-वेस्ट फ़ाइनल्स; 6वाँ (एशिया-वेस्ट)
- आईआईसीपीसी कोडफ़ेस्ट; क्षेत्रीय होस्ट साइट

उल्लेखनीय उपलब्धियाँ

- आईसीपीसी वर्ल्ड फ़ाइनलिस्ट; टीम अस्ताना, कज़ाकिस्तान में ICPC फ़ाइनल्स के लिए योग्य
- आईसीपीसी प्रीलिम्स - भारत; शीर्ष 10 में 2 PAG टीमें (रैंक 3 और 8)
- आईसीपीसी चेन्नई क्षेत्रीय; 100+ टीमों में से तीसरा स्थान
- आईसीपीसी एशिया-वेस्ट फ़ाइनल्स; छठा स्थान; 2025 के फाइनल के लिए क्वालीफाई करने वाली चौथी भारतीय टीम
- आईआईसीपीसी क्षेत्रीय साइट; पीएजी ने अंतर्राष्ट्रीय फर्मों के साथ प्रतियोगिता की मेजबानी का समन्वय किया

भौतिकी एवं खगोल विज्ञान क्लब (पीएएसी)

भौतिकी एवं खगोल विज्ञान क्लब (पीएएसी), जिसे पहले स्टारगेज़िंग सेक्शन के नाम से जाना जाता था, आईआईटी रुड़की का मुख्य छात्र-नेतृत्व वाला शैक्षणिक क्लब है जो भौतिकी, गणित एवं खगोल विज्ञान में वैज्ञानिक संवाद को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है। एसटीसी एवं कुलशासक-स्त्रिक के तहत संचालित, यह क्लब ओपन प्रोजेक्ट, व्याख्यान और क्विज़ से लेकर जर्नल चर्चा एवं व्यावहारिक कार्यशालाओं तक के आयोजन करता है। समावेशिता को अपने दिल में रखते हुए, पीएएसी सभी वैज्ञानिक रूप से जिज्ञासु का स्वागत करता है, जो वर्षों से इच्छुक छात्रों को परिचालन, डिज़ाइन एवं तकनीकी भूमिकाएँ प्रदान करता है। खुली भर्ती और सत्र-वार प्रोजेक्ट लॉन्च निरंतर जुड़ाव और सीखने को सुनिश्चित करते हैं।

आयोजित किए गए प्रमुख कार्यक्रम

1. इंटीग्रेशन बी

300+ प्रतिभागी | ₹7.5K पुरस्कार पूल

एलिमिनेशन राउंड के साथ टीम-आधारित एमआईटी-शैली एकीकरण प्रतियोगिता।

2. गणित सप्ताह

कार्यक्रम: डेस्मोस आर्ट, मैथ क्रॉसवर्ड, कैओस क्विज़, मैथ बाउल

गणितीय रचनात्मकता एवं समस्या समाधान का एक सप्ताह तक चलने वाला उत्सव।

3. कॉस्मिक कॉनड्रम क्विज़

विश्व अंतरिक्ष सप्ताह मनाया गया

खगोल विज्ञान अवधारणाओं, खगोलीय पिंडों और अंतरिक्ष मिशनों पर एमसीक्यू क्विज़।

4. ऑप्टिकल एवं रेडियो खगोल विज्ञान पर प्राइमर

- कस्टम-निर्मित रेडियो टेलीस्कोप के साथ व्यावहारिक डेमो
- रेडियो टेलीस्कोप प्रोजेक्ट के सहयोग से कार्यशाला आयोजित की गई।

5. जर्नल क्लब सीरीज़

- इनर्शियल फ्रेम, डी ब्रोगली परिकल्पना, सीएफटी जैसे विषयों पर चर्चा
- सहकर्मी के नेतृत्व में अकादमिक अन्वेषण एवं आलोचनात्मक विश्लेषण को प्रोत्साहित किया गया।

6. पीएएसी ओपन प्रोजेक्ट्स 2024

- 250+ प्रतिभागी | 10+ अंतः विषय परियोजनाएँ
- क्वांटम टनलिंग एवं पीआईएनएनएस से लेकर एस्ट्रो सोनिफ़िकेशन एवं सोलर इरेडिएंस फोरकास्टिंग तक के विषय।

प्रमुख कार्यक्रम

- कॉस्मिक वॉयेज: एस्ट्रोफ़ोटोग्राफ़ी, व्याख्यान, टेलीस्कोप सत्र एवं क्विज़ की विशेषता वाला सप्ताह भर चलने वाला उत्सव।
- पीएएसी ओपन प्रोजेक्ट्स (अर्धवार्षिक): वास्तविक दुनिया के अनुप्रयोगों के साथ अंतः विषय परियोजनाओं पर काम करना।
- एकीकरण बी: दबाव में समस्या-समाधान को बढ़ावा देने वाला प्रतिस्पर्धी एकीकरण-समाधान कार्यक्रम।
- गणित सप्ताह: मजेदार, इंटरैक्टिव गणित गतिविधियों एवं ट्यूटोरियल को बढ़ावा देने वाला थीम सप्ताह।

उल्लेखनीय परियोजनाएँ

- वेरिलॉग में अनुमानित गुणकों को डिजाइन करना: पावर-कुशल एमएल हार्डवेयर डिज़ाइन।
- भौतिकी-सूचित तंत्रिका नेटवर्क (पीआईएनएन): एआई मॉडल का उपयोग करके ओडीई एवं पीडीई को हल करना।
- रेडियो टेलीस्कोप परियोजना: एक कार्यशील 5 मीटर रेडियो टेलीस्कोप और 21 सेमी मिल्की वे सिग्नल डिटेक्शन का निर्माण।
- एस्ट्रो सोनिफिकेशन: रचनात्मक वैज्ञानिक विश्लेषण के लिए खगोलीय डेटासेट को ऑडियो प्रारूपों में अनुवाद करना।

प्रतियोगिताएँ एवं प्रदर्शन

- इंटर आईआईटी टेक मीट 14.0 - रैंक 5 चंद्रयान -2 एक्स-रे डेटा विश्लेषण पर काम किया; बहुमूल्य खगोल भौतिकी एवं एमएल अनुभव प्राप्त किया।
- एस्ट्रोपिक्सल, बिट्स पिलानी - रजत पदक ओरियन नेबुला की एस्ट्रोफोटोग्राफी प्रस्तुति के साथ दूसरा स्थान प्राप्त किया।

उपलब्धियाँ

- स्वर्ण पदक - हाइपरियन केस स्टडी प्रतियोगिता, आईआईटी कानपुर
- दूसरा स्थान - रिसर्चथॉन 2.0, एनआईटी सूरत
- 5वीं रैंक - इसरो की सोलर बर्स्ट चैलेंज (इंटर आईआईटी टेक मीट)
- विजेता - एस्ट्राक्स एस्ट्रोफोटोग्राफी प्रतियोगिता, आईआईटी मंडी
- कांस्य पदक - ओपीएचओ 2022, टीम हिदेयोशी
- कई एस्ट्रोफोटोग्राफी विशेषताएँ - जिसमें दुर्लभ धूमकेतु सी/2022 ई3 (जेडटीएफ) और मेसियर 51ए शामिल हैं।

मुख्य बातें

- एक्स-रे स्पेक्ट्रोस्कोपी, डेटा कैलिब्रेशन एवं खगोलीय छवि प्रसंस्करण में बेहतर प्रदर्शन किया।
- प्रतियोगिताओं के लिए बेहतर समय प्रबंधन और गहन तकनीकी तैयारी की आवश्यकता की पहचान की।
- व्यावहारिक परियोजनाओं, सहकर्मी चर्चाओं और अतिथि व्याख्यानों के माध्यम से परिसर में सहभागिता को बढ़ाया गया।

क्वांटम कंप्यूटिंग ग्रुप (क्यूसीजी)

क्वांटम कंप्यूटिंग ग्रुप (क्यूसीजी) एक छात्र-संचालित पहल है जो आईआईटी रुड़की में क्वांटम कंप्यूटिंग संस्कृति को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। सिद्धांत एवं व्यवहार के बीच की खाई को पाटने के मिशन के साथ, क्यूसीजी व्यावहारिक कार्यशालाओं, हैकथॉन, अतिथि व्याख्यान और सहयोगी परियोजनाओं के माध्यम से अनुसंधान, सीखने एवं सामुदायिक जुड़ाव को बढ़ावा देता है। इस क्लब में स्नातक, स्नातकोत्तर एवं डॉक्टरेट छात्रों की भागीदारी बढ़ रही है और यह राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय क्वांटम कंप्यूटिंग सर्किलों में सक्रिय बना हुआ है।

फ्लैगशिप इवेंट - क्विस्किट फॉल फेस्ट + डेड एंड अलाइव 3.0

संरचना:

- कार्यशालाएँ: क्वांटम कंप्यूटिंग एवं क्विस्किट की मूल बातें
- अतिथि वक्ता: श्री भंवर गुप्ता, IBM क्वांटम एंबेसडर
- हैकथॉन: दो ट्रैक - जनरल प्रॉम्प्ट और फ्रेशर्स प्रॉम्प्ट
- **भागीदारी:** 45+ पंजीकरण | 10+ सबमिशन

मुख्य विशेषताएं:

- आईबीएम क्वांटम से सहायता
- पुरस्कारों में एमेज़ोन उपहार कार्ड एवं आईबीएम मर्चेंडाइज़ शामिल थे
- सभी शैक्षणिक स्तरों के छात्र शामिल हुए

मुख्य कार्यक्रम एवं पहल

- ओपन प्रोजेक्ट्स 2024
- परिचयात्मक चर्चा श्रृंखला
- आईबीएम राजदूत द्वारा अतिथि वार्ता
- भर्ती 2025

मुख्य शोध परियोजनाएँ

- C++ का उपयोग करके क्वांटम सिमुलेशन इंजन आईआईटीआर के लिए एक उच्च गति सिमुलेशन पैकेज का विकास
- क्वांटम सर्किट अनुकूलन के लिए मेटा-लर्निंग फ्रेमवर्क वीक्यूई /क्यूएओए पैरामीटर अभिसरण को बढ़ाने के लिए एलएसटीएम नेटवर्क का उपयोग किया
- क्वांटम ग्राफ न्यूरल नेटवर्क के माध्यम से हैमिल्टनियन सिमुलेशन संयुक्त क्यूज़ीएनएन एवं क्वांटम स्पिन सिस्टम मॉडलिंग
- क्वांटम कन्वोल्यूशन के माध्यम से क्वांटम छवि वर्गीकरण व्याख्या योग्य क्वांटम-संवर्धित छवि क्लासिफायर बनाए गए

उपलब्धियाँ

- पेनीलेन क्यूहैक समापन
- आईबीएम क्वांटम चैलेंज समापन
- क्यूओएसएफ मेंटरशिप भागीदारी
- इनसैट सर्फ फ़ेलोशिप
- क्यूटेक छात्रवृत्ति

आउटरीच एवं सामग्री

- क्यूबाइट्स: अत्याधुनिक क्वांटम उन्नति पर लघु सूचनात्मक पोस्ट के रुप में लॉन्च किया गया
- ब्लॉग: टोपोलॉजिकल क्वांटम कंप्यूटिंग पर लेख जारी किए गए
- सहयोग: क्यूओएसएफ, क्यूनिकल, वुमेनियम, जीसोक, एवं राष्ट्रीय क्वांटम मिशन (एनक्यूएम) परियोजनाओं में सक्रिय योगदान

निष्कर्ष एवं टेकअवे

- क्यूसीजी ने तकनीकी कठोरता एवं सामुदायिक जुड़ाव दोनों के संदर्भ में 2024-25 में अपनी पहुंच और गहराई का काफी विस्तार किया।
- मजबूत साझेदारी (जैसे, आईबीएम क्वांटम) एवं व्यावहारिक परियोजनाओं ने सिद्धांत एवं अनुप्रयोग को जोड़ने के अपने मिशन को आगे बढ़ाया।
- एमआईटी आईक्यूहैक जैसी वैश्विक चुनौतियों में केंद्रित भागीदारी को बढ़ाने और सीखने के परिणामों को अनुकूलित करने के लिए प्रतियोगिता चक्रों के दौरान एक बेहतर संगठनात्मक संरचना की सिफारिश की जाती है।

एसएई आईआईटी रुड़की

एसएई आईआईटी रुड़की संस्थान में एसएई इंटरनेशनल का छात्र अध्याय है, जो ऑटोमोटिव इंजीनियरिंग, मोटरस्पोर्ट डिज़ाइन एवं वाहन नवाचार में रुचि को बढ़ावा देता है। यह क्लब उन छात्रों का एक तकनीकी समूह है जो वास्तविक दुनिया की समस्याओं को हल करने के लिए मैकेनिकल एवं इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग का उपयोग करने के प्रति उत्साही हैं। वर्ष 2024-25 ने व्यावहारिक शिक्षा, रचनात्मक प्रोटोटाइपिंग और प्रतिस्पर्धी उत्कृष्टता के लिए एक नई प्रतिबद्धता को चिह्नित किया - विशेष रुप से फॉर्मूला कार्ट डिज़ाइन चैलेंज (एफकेडीसी) के संदर्भ में।

मुख्य पहल

सोफोमोर्स के लिए ओपन मिनी-प्रोजेक्ट्स

- सोफोमोर्स ने वास्तविक दुनिया की चुनौतियों पर काम किया, साथ ही ऑटोमोटिव डिज़ाइन में इंजीनियरिंग अवधारणाओं को लागू किया।
- इसमें शामिल मुख्य परियोजना हैं: रोबोटिक आर्म डिज़ाइन, डिस्क ब्रेक का थर्मल विश्लेषण, रॉकेट बॉडी और ब्रिज विफलता विश्लेषण, इलेक्ट्रोमैग्नेटिक इंजन एवं स्टीयरिंग मैकेनिज्म है।

फ्रेशर्स के लिए परिचयात्मक वार्ता

- प्रथम वर्ष के छात्रों को एसएई की विरासत एवं ऑटोमोटिव डिज़ाइन के क्षेत्र से परिचित कराया गया।
- क्लब की संरचना, पिछली उपलब्धियाँ, तथा नए खिलाड़ी किस प्रकार योगदान दे सकते हैं, इस पर चर्चा की गई।

एफकेडीसी अनुसंधान एवं तैयारी

- फॉर्मूला कार्ट डिज़ाइन चैलेंज के लिए तैयारी:
- पिछले विजेता डिज़ाइनों की समीक्षा
- पावरट्रेन एवं एर्गोनॉमिक्स चर्चाएँ
- गो-कार्ट डायनेमिक्स एवं सामग्री चयन का विश्लेषण

भर्ती एवं टीम विस्तार

- भर्ती वार्ता, परीक्षण एवं साक्षात्कार आयोजित किए गए
- डिज़ाइन, अनुसंधान, इलेक्ट्रिकल एवं संचालन में 29 नए सदस्य शामिल किए गए

एफकेडीसी सीज़न 9 कार्यशाला

- आईआईटी रुड़की ने 6 संस्थानों के 50 से अधिक छात्रों के लिए एफकेडीसी सीज़न 9 कार्यशाला की मेजबानी की|
- कार्ट डिज़ाइन की मूल बातें, प्रदर्शन मेट्रिक्स एवं उद्योग के रुझान को समाहित किया
- पिछले एफकेडीसी विजेताओं के साथ लाइव प्रश्नोत्तर शामिल किया गया|

हाइलाइट्स एवं प्रभाव

- आंतरिक परियोजनाओं के माध्यम से ओपन-एंडेड इनोवेशन एवं इंजीनियरिंग संस्कृति को बढ़ावा दिया|
- एफकेडीसी कार्यशाला के माध्यम से एक होस्ट एवं इंटर-कॉलेज मेंटर हब के रूप में कार्य किया|
- छात्र-नेतृत्व वाले अनुसंधान एवं विकास तथा हाथों-हाथ निर्माण की एक मजबूत पाइपलाइन बनाई|
- यांत्रिकी, इलेक्ट्रॉनिक्स और एम्बेडेड सिस्टम को मिलाकर काम करने वाली अंतर-विषयक टीमें

एसडीएसलैब्स

एसडीएसएलैब्स आईआईटी रुड़की में छात्रों के नेतृत्व वाली सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट लैब है, जिसे अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी परियोजनाओं एवं ओपन-सोर्स योगदानों के माध्यम से नवाचार को बढ़ावा देने के लिए जाना जाता है। "सोचो। बनाओ। शिप करो" के सिद्धांत से प्रेरित होकर, यह क्लब उच्च-प्रभाव वाले उपकरण, सिस्टम, गेम और प्लेटफ़ॉर्म बनाता है, जिनका उद्देश्य वास्तविक दुनिया की समस्याओं को हल करना है। पूर्व छात्रों के मजबूत समर्थन और सफल उत्पादों की विरासत के साथ, एसडीएसलैब्स आईआईटीआर की तकनीकी संस्कृति में सक्रिय रूप से योगदान देता है, जिसमें सलाह देना, हैकथॉन का आयोजन करना और पूरे परिसर और उसके बाहर उपयोग किए जाने वाले सॉफ़्टवेयर विकसित करना शामिल है। इसके सदस्य सिस्टम प्रोग्रामिंग, एआई, ब्लॉकचेन, वेब/गेम डेवलपमेंट और साइबर सुरक्षा जैसे डोमेन का पता लगाते हैं।

भर्ती प्रक्रिया

- भर्ती परीक्षा + साक्षात्कार के माध्यम से वार्षिक प्रवेश
- सिंटैक्स एरर, विंटरहैक, मीरा हैकाथॉन, विंटर ऑफ़ कोड और मेकर्स जैसे आयोजनों के माध्यम से
- समस्या-समाधान और जिज्ञासा को प्रोत्साहित करता है - कोई पूर्व सॉफ़्टवेयर अनुभव आवश्यक नहीं है

ओपन प्रोजेक्ट

ओपन प्रोजेक्ट पूरे वर्ष के दौरान जारी किए गए:

- विंटर ऑफ़ कोड
- मेकर्स

मुख्य कार्यक्रम

- सिंटैक्स एरर
- मिक्समैच
- मीरा हैकाथॉन

व्याख्यान

- वीपीएन और टोरेंट का परिचय – 200+
- गेम डिज़ाइन और डेव – 100–150+

- उत्पाद डिज़ाइन का परिचय – 100+
- हैकाथॉन में क्या बनाएँ – 300+
- लिनक्स पार्टी (उबंटू सेटअप) – 250+

उल्लेखनीय परियोजनाएँ

- स्टडीपोर्टल
- वेक्टरडीबी
- एर्डोस
- क्विज़ियो
- वॉचडॉग
- गैस्पर
- प्लेसीटीएफ / कटाना
- ज़ीउस

प्रतियोगिताएँ एवं प्रदर्शन

- सीएसएडब्ल्यू ईएससी
- ईटीएच इंडिया
- ईटीएचसिंगापुर
- आईआईसीपीसी फाइनल
- कैलिमेरो हैकाथॉन
- अन्य उल्लेखनीय कार्यक्रम: गूगल जेनएआई, डॉक्यूसाइन, इनफिनिट हैकाथॉन, स्टैक टू डीप, एजेंटिकईटीएच, डब्ल्यूटीएफ×आईडीजीसी है|

सोसाइटी ऑफ बिजनेस (सोकबिज)

यह संस्थान का प्रमुख व्यवसाय एवं प्रबंधन-केंद्रित छात्र निकाय है। परामर्श, उत्पाद प्रबंधन एवं डेटा एनालिटिक्स में कार्यक्षेत्रों के साथ, क्लब वास्तविक दुनिया की व्यावसायिक समस्या-समाधान, डेक-मेकिंग और रणनीतिक सोच को बढ़ावा देता है। स्पीकर सत्रों, कार्यशालाओं, प्रतियोगिताओं एवं उद्योग परियोजनाओं के माध्यम से, सोकबिज प्रौद्योगिकी एवं व्यावसायिक कौशल के बीच एक सेतु के रूप में कार्य करता है, जिससे छात्रों को कक्षाओं से बोर्डरूम में जाने में मदद मिलती है।

भर्ती प्रक्रिया

- कब: फरवरी में सालाना आयोजित किया जाता है
- कैसे:
- उत्पाद एवं परामर्श: केस-सॉल्विंग एवं डेक-मेकिंग चुनौतियाँ
- एनालिटिक्स: भर्ती परीक्षा के बाद साक्षात्कार
- कई साक्षात्कार दौरों के बाद अंतिम चयन किया जाता है

खुली परियोजनाएँ

- आम तौर पर अक्टूबर के आसपास, द्विवार्षिक रूप से जारी की जाती हैं
- परामर्श, उत्पाद एवं विश्लेषण में व्यावहारिक सीखने पर ध्यान केंद्रित किया जाता है
- केस-आधारित सीखने, वास्तविक दुनिया के विश्लेषण एवं प्रस्तुति डिज़ाइन को प्रोत्साहित किया जाता है

मुख्य कार्यक्रम

- परिचय वार्ता
- वर्टिकल-वाइज सत्र
- स्थानन एवं इंटर्नशिप वार्ता
- भर्ती वार्ता
- उत्पाद और परामर्श कार्यशाला
- बिजनेस बाजीगर
- विंटर एनालिटिक्स

उल्लेखनीय परियोजनाएँ

- क्राउड
- माइंडशिफ्ट
- फ़ारोसियन

प्रतियोगिताएँ एवं प्रदर्शन

- पीएमएक्स'24 – राष्ट्रीय उपविजेता
- विहान'25 – राष्ट्रीय द्वितीय रनर-अप
- टेकशिला'24 – स्वर्ण पदक
- आईसीसी एवं जागृति 2025 – फाइनलिस्ट
- ईवाई कैफ्टा, एवेन्यूज़, श्री राम व्यापार – कई फाइनलिस्ट फिनिश
- जेडएस कैंपस बीट्स चैलेंज – विजेता
- केपीएमजी आइडियाशन, कोन्सुलेंज़ा – राष्ट्रीय फाइनलिस्ट
- सीपीसीबी सरकार हैकाथॉन – विजेता

उपलब्धियां (ऑल टाइम)

- एरिक्सन इनोवेशन अवार्ड – राष्ट्रीय

- इंटर आईआईटी टेक मीट – कई कांस्य, रजत एवं स्वर्ण पदक (2017–2024)
- शारे ग्लोबल द्वारा आई-बैच – वैश्विक स्वर्ण पदक
- इंटर-शारे इंडिया – राष्ट्रीय स्वर्ण

टीम नॉक्स

टीम नॉक्स आईआईटी रुड़की का प्रमुख ऑफ-रोड मोटरस्पोर्ट्स क्लब है। (BAJA) बाजा एसएई जैसी प्रतियोगिताओं के लिए इलेक्ट्रिक एटीवी बनाने पर केंद्रित, टीम टिकाऊ वाहन इंजीनियरिंग, व्यावहारिक शिक्षा एवं अंतःविषय सहयोग को बढ़ावा देती है। सशक्त डिजाइन, सिमुलेशन, निर्माण एवं परीक्षण के माध्यम से, क्लब छात्रों को वास्तविक दुनिया के ऑटोमोटिव अनुभव से सशक्त बनाता है। वाहन डायनेमिक्स, पावरट्रेन ऑप्टिमाइजेशन, सस्पेंशन डिजाइन, सीएई। ऑफ-रोड मोबिलिटी समाधानों में नवाचार-संचालित इंजीनियरिंग एवं नेतृत्व।

भर्ती प्रक्रिया

- स्प्रिंग सेमेस्टर में तकनीकी सप्ताह के बाद प्रतिवर्ष आयोजित की जाती है
- परिचयात्मक और भर्ती वार्ता
- चयन दौर (तकनीकी + टीमवर्क मूल्यांकन)
- तकनीकी, विपणन एवं डिजाइन प्रभागों में 40 नए लोगों को शामिल किया गया

कार्यक्रम एवं पहल

- खुली परियोजनाएँ; सीएई, वाहन डायनेमिक्स, ई-पावरट्रेन पर 15 अंतःविषय की परियोजनाएँ
- ऑफ-रोड सिम्युलेटर; थॉम्सो के दौरान इन-हाउस एटीवी पर वीआर ड्राइविंग सिम्युलेटर
- एबीएन में ड्रिफ्ट शो' लाइव एटीवी ड्रिफ्टिंग और छात्रों द्वारा परीक्षण

फ्लैगशिप प्रोजेक्ट

- इलेक्ट्रिक ऑल-टेरेन व्हीकल का डिज़ाइन और निर्माण
- लघु परियोजनाएँ; स्टेटिक/डायनेमिक रोलकेज विश्लेषण, एर्गोनोमिक रोलकेज डिज़ाइन, सस्पेंशन ज्योमेट्री विश्लेषण, व्हील हब ऑप्टिमाइज़ेशन, प्लैनेटरी गियरबॉक्स डिज़ाइन, ब्रेक डिस्क थर्मल विश्लेषण, इलेक्ट्रिक सर्किट सिमुलेशन, स्टीयर-बाय-वायर सिस्टम और पीसीबी डिज़ाइन (रेडी-टू-ड्राइव सर्किट)

प्रतियोगिताएँ एवं प्रदर्शन

- बिक्री कार्यक्रम; 6वाँ स्थान
- वर्चुअल डायनेमिक्स;9वाँ स्थान
- स्थिरता कार्यक्रम;12वाँ स्थान
- सीएई; 15वीं रैंक
- आईपीजी रनटाइम;15वीं रैंक
- मैकेनिकल और इलेक्ट्रिकल प्री-टेक इंस्पेक्शन पास किया
- सीएई और सस्टेनेबिलिटी फाइनल (हैदराबाद) के लिए योग्य
- मुख्य सीख एवं दृष्टिकोण
- पूर्ण-वाहन सिमुलेशन एवं सबसिस्टम ऑप्टिमाइज़ेशन में सुधार
- दस्तावेज़ीकरण एवं परीक्षण प्रक्रियाओं को मजबूत करना
- अगले सीज़न के लिए फिजिकल राउंड में शीर्ष-10 राष्ट्रीय फिनिश का लक्ष्य

प्रायोजक

- अल्टेयर
- क्रॉसहेड इंजीनियरिंग
- आर्क ग्लोबल
- वेस्पायर
- पावर लॉन्चपैड

टीम रोबोकॉन

2009 में स्थापित टीम रोबोकॉन आईआईटीआर, अंतरिक्ष रोबोटिक्स एवं स्वायत्त प्रणालियों के बारे में बहु-विषयक छात्र समूह है। विभिन्न इंजीनियरिंग क्षेत्रों से 40 से अधिक सदस्यों की मानव शक्ति के साथ, टीम ग्रहों की खोज के लिए उन्नत रोवर प्रोटोटाइप विकसित करने में माहिर है और अंतर्राष्ट्रीय रोवर चैलेंज (आईआरसी), अंतर्राष्ट्रीय रोवर डिज़ाइन चैलेंज (आईआरडीसी), एवं अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष ड्रोन चैलेंज (आईएसडीसी) जैसे विशिष्ट आयोजनों में विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धा करती है।

कार्यक्रम एवं पहल

- कॉग्निजेंस 2025
- अंतरिक्ष दिवस
- थॉम्सो एवं टेकज़ीबिशन

प्रमुख परियोजनाएँ

- मार्स रोवर प्रोटोटाइप; स्वायत्त मिशन, मृदा परीक्षण, भू-भाग मानचित्रण
- रोबोटिक आर्म; नमूना संग्रह एवं तैनाती के लिए 5-डीओएफ मैनिपुलेटर
- ड्रोन सिस्टम; सेंसर डेटा अधिग्रहण, हवाई नेविगेशन
- मून रोवर डिज़ाइन; आईआरडीसी-अनुपालन चंद्र भू-भाग रोवर

प्रतियोगिताएँ एवं प्रदर्शन

- आईआरसी 2025; विश्व स्तर पर 10वां, एस्ट्रोबायोलॉजी में तीसरा
- आईआरडीसी 2025; फाइनलिस्ट - विश्व स्तर पर शीर्ष 6
- आईएसडीसी 2025; विश्व स्तर पर 5वां, आईआईटी में पहला

मुख्य उपलब्धियां

- इंटरनेशनल रोवर चैलेंज; कुल मिलाकर 10वां, एस्ट्रोबायोलॉजी में तीसरा, पिछले वर्ष से अधिक बढ़त
- आईआरडीसी 2025 फाइनलिस्ट; फाइनल में केवल 2 आईआईटी टीमों में से एक
- आईएसडीसी 2025; वैश्विक स्तर पर 5वां, विज्ञान मिशन में चौथा
- फ्लिपकार्ट ग्रिड 6.0
- इंटर आईआईटी टेक मीट 13.0; नो प्रेप पीएस में स्वर्ण पदक
- हुंडई होप स्कॉलरशिप; केंद्रीय मंत्री द्वारा सम्मानित

विजन एवं भाषा समूह (वीएलजी)

विज़न एंड लैंग्वेज ग्रुप (वीएलजी) आईआईटी रुड़की में एक शोध-केंद्रित गहन शिक्षण समुदाय है जो आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस-विशेष रूप से कंप्यूटर विज़न (सीवी), नेचुरल लैंग्वेज प्रोसेसिंग (एनएलपी) और डीप लर्निंग (डीएल) की सीमाओं की खोज पर केंद्रित है। क्लब नियमित रूप से न्यूरआईपीएस, ईसीसीवी, आईसीसीवी और एएएआई जैसे शीर्ष स्तरीय सम्मेलनों में प्रकाशित हाल के शोध पत्रों पर खुली चर्चा आयोजित करता है, जिससे एक सक्रिय शोध वातावरण को बढ़ावा मिलता है।

वीएलजी सदस्य सक्रिय रूप से मौलिक शोध परियोजनाओं में शामिल होते हैं, अक्सर वे प्रसिद्ध विश्वविद्यालयों के प्रोफेसरों और उद्योग विशेषज्ञों के साथ मिलकर काम करते हैं, जिसका उद्देश्य प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों में प्रभावशाली कार्य में योगदान देना होता है।

आयोजित कार्यक्रम

- खुली चर्चाएँ, 1y कार्यशालाएँ एवं पिक्सेल-प्ले
- उल्लेखनीय परियोजनाएँ और शोध प्रकाशन
- कोको के साथ ऑब्जेक्ट डिटेक्टरों की बेंचमार्किंग: आगे की नई राह
- पर्दा हटाना
- ध्यान बदलाव: असुरक्षित सामग्री से एआई को दूर रखना
- स्टेगाविज़न: ध्यान तंत्र के साथ स्टेग्नोग्राफ़ी को बढ़ाना
- LoRA (लोरा) अनलर्न्स मोर एंड रिटेन्स मोर
- मुझे एक संकेत दें: क्या एलएलएमएस संकेत के साथ गणित हल कर सकते हैं?
- कार्य वैक्टर के ज्यामितीय माध्यिका का उपयोग करके मॉडल मर्ज करना
- LoRA-Mini (लोरा – मिनी): अपघटन एवं चयनात्मक प्रशिक्षण
- प्रभावी मशीन अनलर्निंग (NegLoRA) के लिए निम्न रैंक अनुकूलन
- अनुकूली शहरी नियोजन ढांचा
- जनरेटिव मॉडल में स्पेक्ट्रल पूर्वाग्रहों का विश्लेषण
- एलएलएमएस में बचाव के रूप में छंटाई
- प्रतियोगिताएं एवं प्रदर्शन
- न्यूरआईपीएस एलएलएम मर्जिंग चैलेंज; राइट-अप विजेता
- मिडस्ट चैलेंज (एसएटीएमएल); सभी श्रेणियों में शीर्ष 4-15
- टेकशिला एमएल ट्रैक; दूसरा स्थान (रजत)

उपलब्धियां

- पारस चोपड़ा एवं वैश्विक प्रोफेसरों के साथ सहभागिता; सीएमयू, ट्रिनिटी डबलिन, मिला (कनाडा) और लॉसफंक एआई लैब के साथ सहयोग

क्रीड़ा परिषद

पिछले वर्ष हमारे खेल कार्यक्रमों के लिए कई महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ रहीं हैं, जिसमें चैंपियनशिप जीत, शीर्ष स्थान एवं व्यक्तिगत प्रशंसाएँ शामिल हैं, जो हमारे एथलीटों की प्रतिभा एवं समर्पण को दर्शाती हैं। मजबूत कोचिंग समर्थन से, हमने नए प्रशिक्षण कार्यक्रमों, एनएसओ और मॉर्निंग फिटनेस क्लासेस के माध्यम से प्रतिस्पर्धी उत्कृष्टता एवं समग्र विकास दोनों को प्राथमिकता दी। क्रीड़ा परिषद अब 16 खेलों की देखरेख करती है और बुनियादी ढाँचे एवं सामुदायिक जुड़ाव को बढ़ाना जारी रखती

है। इंटर भवन, कलर्स ट्रॉफी और इंस्टीट्यूट ओपन जैसे प्रमुख वार्षिक आयोजन, स्पर्धा व आरोहण जैसे टूर्नामेंटों में भागीदारी के साथ, एक जीवंत खेल संस्कृति को बढ़ावा देते हैं। आगे देखते हुए, हमारा लक्ष्य अवसरों का विस्तार करना, संसाधनों में निवेश करना और खेल भावना एवं विकास को बनाए रखना है।

साइक्लोथॉन

आईआईटी रुड़की के संस्थान क्रीड़ा परिषद ने राष्ट्रीय पोषण सप्ताह के उपलक्ष्य में साइक्लोथॉन 2024 का सफल आयोजन किया। राष्ट्रीय पोषण सप्ताह मनाने और फिट इंडिया मूवमेंट को बढ़ावा देने के लिए एक उल्लेखनीय कार्यक्रम में, आईआईटी रुड़की के इंस्टीट्यूट स्पोर्ट्स काउंसिल ने साइक्लोथॉन 2024 का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस कार्यक्रम में 65 छात्रों, दस प्रोफेसरों एवं कर्मचारियों की उत्साही भागीदारी देखी गई, जिन्होंने आईआईटी रुड़की से सहारनपुर परिसर तक 45 किलोमीटर की चुनौतीपूर्ण सवारी पूरी की। कार्यक्रम के पूरा होने पर प्रतिभागियों को पदक देकर सम्मानित किया गया। 45 किलोमीटर की सवारी का सफल समापन सभी प्रतिभागियों के समर्पण और लचीलेपन का प्रमाण है, जो आईआईटी रुड़की में स्वास्थ्य और फिटनेस की संस्कृति को और बढ़ावा देता है। कार्यक्रम का समापन उत्साहपूर्ण तरीके से हुआ, जिसमें प्रतिभागियों ने फिट इंडिया मूवमेंट को बढ़ावा देने तथा स्वस्थ जीवन को प्राथमिकता देने का संकल्प व्यक्त किया।

ट्रायथलॉन इवेंट

आईआईटी रुड़की ने उत्तराखंड राज्य ओलंपिक के भाग के रूप में ट्रायथलॉन इवेंट की मेजबानी की, जिसमें असाधारण एथलेटिक प्रतिभा और भावना का प्रदर्शन किया गया। ट्रायथलॉन प्रतियोगिता में चुनौतीपूर्ण तैराकी, साइकिलिंग एवं दौड़ स्पर्धाएँ शामिल रहीं। कुल 23 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिसमें विभिन्न क्षेत्रों के एथलीट शामिल थे, जिनमें हल्द्वानी से पाँच और रुद्रप्रयाग से दो एवं आईआईटी रुड़की से अन्य शामिल थे। आईआईटी रुड़की का मजबूत प्रतिनिधित्व और सराहनीय परिणाम अपने छात्रों के बीच खेल और शारीरिक फिटनेस को बढ़ावा देने की इसकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह कार्यक्रम धैर्य की परीक्षा और टीम वर्क और खेल भावना का उत्सव था।

5वीं स्क्वैश स्टेट गेम्स चैंपियनशिप 2024, उत्तराखंड एवं राष्ट्रीय खेल शिविर

संस्थान क्रीडा परिषद उत्तराखंड के स्क्वैश महासंघ के सहयोग से स्क्वैश स्टेट गेम्स चैंपियनशिप 2024 का आयोजन करेगी और साथ ही, हमने आईआईटी रुड़की में स्क्वैश के लिए राष्ट्रीय खेल शिविर का आयोजन किया।

वार्षिक संग्राम टूर्नामेंट

संस्थान क्रीडा परिषद ने 11 अक्टूबर से 13 अक्टूबर तक संग्राम टूर्नामेंट का आयोजन किया, जिसमें 3 आईआईटी, 2 एनआईटी और 2 आईआईआईटी के साथ-साथ 18 राज्यों के अन्य राज्य विश्वविद्यालयों के लगभग 60 कॉलेजों से 1000 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिसमें आईआईटी रुड़की के पूर्व छात्रों की टीमें भी शामिल थीं। एथलेटिक्स, बैडमिंटन, बास्केटबॉल,

शतरंज, क्रिकेट, फुटबॉल, हॉकी, पावरलिफ्टिंग, स्क्वैश, टेबल टेनिस, ताइक्वांडो, टेनिस, वॉलीबॉल, वेटलिफ्टिंग सहित कुल 14 औपचारिक कार्यक्रम आयोजित किए गए।

57वां अंतर आईआईटी क्रीड़ा कार्यक्रम 2024-25

10 दिसंबर से 17 दिसंबर 2024 तक आईआईटी कानपुर और आईआईटी इंदौर में आयोजित 57वीं अंतर आईआईटी खेल मीट 2024-25 में 175 दलों ने भाग लिया। आईआईटी रुड़की ने 56 आयु वर्ग में भारोत्तोलन में स्वर्ण पदक और फुटबॉल, हॉकी, बास्केटबॉल (लड़कियों), वॉलीबॉल एवं बास्केटबॉल (लड़कों) में कांस्य पदक जीता। एथलेटिक्स में छह स्वर्ण पदक (डिस्कस महिला, लंबी कूद महिला, भाला पुरुष, 400 मीटर महिला, 800 मीटर महिला, 1500 मीटर महिला), सात रजत पदक (हैमर थ्रो, पोल वॉल्ट, शॉट पुट, 4*400 रिले और 4*400 मिश्रित रिले), चार कांस्य पदक से सम्मानित किया गया।

हाफ मैराथन

संस्थान क्रीडा परिषद ने 2 मार्च 2024 को हाफ मैराथन का आयोजन किया। मैराथन में विभिन्न तकनीकी विश्वविद्यालयों और राज्यों से कुल 1800 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

हिमालयन एक्सप्लोरर्स क्लब

आईआईटी रुड़की में हिमालयन एक्सप्लोरर्स क्लब (एचईसी) ने वास्तव में एक उल्लेखनीय वर्ष का समापन किया, जिसमें नई पहलों की शुरुआत, महत्वाकांक्षी अभियानों को सफलतापूर्वक निष्पादित करने और अपने आउटरीच का महत्वपूर्ण विस्तार करने की विशेषता रही।

अग्रणी पहल

अपने इतिहास में पहली बार, एचईसी ने अंतर-आईआईटी ट्रेकिंग सहयोग की अगुआई की, जो आईआईटी रुड़की से परे ट्रेकिंग की व्यापक संस्कृति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक अभूतपूर्व प्रयास था। हमने आईआईटी दिल्ली (केदार कांथा और हर की दून तक) व आईआईटी कानपुर (कुआरी दर्रे ट्रेक के लिए) के साथ संयुक्त ट्रेक सफलतापूर्वक आयोजित किए। इन सहयोगों ने अमूल्य अंतर-संस्थान संबंधों को बढ़ावा दिया, साझा सीखने के अनुभवों को सुविधाजनक बनाया और देश भर में आईआईटी छात्रों के बीच बाहरी सांस्कृतिक जुड़ाव को काफी व्यापक बनाया।

एक अन्य महत्वपूर्ण पहल में 22-27 सितंबर, 2024 तक स्केटिंग कैंप का आयोजन शामिल था, जिसे दीक्षांत समारोह हॉल के सामने प्रमुखता से आयोजित किया गया था। इस शिविर में 50 से अधिक छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिससे कौशल विकास, सौहार्द को बढ़ावा देने और संस्थान के भीतर खेल भावना को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण योगदान मिला। इस सफलता के आधार पर, एचईसी ने फरवरी 2024 और मई 2025 में लोकप्रिय रोलर स्केटिंग दौड़ का आयोजन करके परिसर की खेल संस्कृति को और बढ़ाया।

स्मारकीय उपलब्धियाँ

माउंट युनम (6,121 मीटर) की सफल चढ़ाई के साथ एक ऐतिहासिक उपलब्धि प्राप्त की। यह 52 वर्षों में आईआईटी रुड़की के छात्रों द्वारा चढ़ी गई सबसे ऊँची चोटी है, जो क्लब की असाधारण और बढ़ती तकनीकी विशेषज्ञता के साथ-साथ ऊँचाई पर इसकी उल्लेखनीय सहनशक्ति को भी रेखांकित करती है। इस अभियान ने न केवल छात्रों के नेतृत्व वाले पर्वतारोहण के लिए एक नया मानदंड स्थापित किया, बल्कि संस्थान के भीतर महत्वाकांक्षी पर्वतारोहियों की एक नई पीढ़ी को भी गहराई से प्रेरित किया।

इस प्रमुख उपलब्धि के अलावा, एचईसी ने हम्टा दर्रा, करेरी झील, पाराशर झील और युल्ला कांडा (दुनिया के सबसे ऊंचे कृष्ण मंदिर की मेजबानी के लिए उल्लेखनीय) सहित कई नए और चुनौतीपूर्ण ट्रेक प्रस्तुत किए और उन्हें सफलतापूर्वक पूरा किया। क्लब ने फूलों की घाटी, देवरियाताल-चंद्रशिला, दयारा बुग्याल और गुलाबी कांथा जैसे प्रतिष्ठित स्थलों के लिए लोकप्रिय ट्रेक पूरा करके उत्कृष्टता की अपनी परंपरा को भी जारी रखा। शैक्षणिक वर्ष 2024-2025 (दो सेमेस्टर में) के दौरान 15 अलग-अलग ट्रेकिंग और 3 सफल स्केटिंग स्पर्धाओं में 1,300 से अधिक प्रतिभागियों के साथ, हिमालयन एक्सप्लोरर्स क्लब आईआईटी रुड़की में साहसिकता, अन्वेषण और शारीरिक कौशल की भावना का स्पष्ट रूप से नेतृत्व करना जारी रखता है।

एनसीसी

आईआईटी रुड़की में एनसीसी इकाई अनुशासन, नेतृत्व एवं निस्वार्थ सेवा का एक शानदार उदाहरण है। रक्षा मंत्रालय की एक अभिन्न शाखा, राष्ट्रीय कैडेट कोर महानिदेशालय (डीजी एनसीसी) के सम्मानित मार्गदर्शन में काम करते हुए और छात्र कल्याण कुलशासक द्वारा समर्थित, यह अपने कैडेटों के भीतर देशभक्ति और सामाजिक जिम्मेदारी के गहन मूल्यों को स्थापित करने के लिए समर्पित है। कठोर गतिविधियों की एक विविध श्रृंखला के माध्यम से - जिसमें सटीक ड्रिल अभ्यास, औपचारिक गार्ड ऑफ ऑनर ड्यूटी, आवश्यक फायरिंग ड्रिल, प्रभावशाली स्वच्छता अभियान, महत्वपूर्ण जागरूकता अभियान और गहन नेतृत्व शिविर शामिल हैं - छात्रों को सावधानीपूर्वक प्रशिक्षित किया जाता है और उन्हें जिम्मेदार, कर्तव्यनिष्ठ नागरिक बनाया जाता है। एक समर्पित कमांडिंग ऑफिसर, कुशल पीआई स्टाफ और एक प्रतिबद्ध नागरिक टीम द्वारा समर्थित, इकाई का नेतृत्व करता है, जो सभी कालातीत आदर्श वाक्य द्वारा एकजुट होते हैं: "एकता एवं अनुशासन।"

प्रमुख कार्यक्रम एवं पहल

- परिचयात्मक वार्ता प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों ने दीक्षांत समारोह हॉल में एक अभिमुखीकरण सत्र में भाग लिया, जिसमें एनसीसी के दायरे - अभ्यास, फायरिंग, शिविर, शैक्षणिक, आदि के बारे में जानकारी दी गई।
- **स्वतंत्रता दिवस गार्ड ऑफ ऑनर:** 55 कैडेटों की एक अनुशासित टुकड़ी ने आईआईटी रुड़की के निदेशक को गर्व से गार्ड ऑफ ऑनर दिया, जो परेड के साथ मार्च कर रहे थे। इस समारोह को जीवंत ध्वजारोहण समारोह और एबीएन स्कूल और आईआईटी के छात्रों द्वारा मनमोहक प्रदर्शन से और भी जीवंत बना दिया गया।

- **अंतरिक्ष दिवस** अंतरिक्ष, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी केंद्र के सहयोग से, कैडेटों ने व्याख्यान एवं कार्यशालाओं के साथ भारत की अंतरिक्ष उपलब्धियों, विशेष रूप से चंद्रयान-3 का उत्सव मनाया।

- **कैडेट भर्ती** शारीरिक एवं लिखित परीक्षा सहित कठिन भर्ती अभियान में 180 से अधिक प्रेरित कैडेटों को शामिल किया गया, जो एनसीसी के प्रति बढ़ती रुचि को दर्शाता है।

- **कैडेट प्रशिक्षण** 3 यूके सीटीआर एनसीसी रुड़की द्वारा साप्ताहिक प्रशिक्षण सत्रों में सैन्य अभ्यास, हथियार संचालन, मानचित्र पढ़ना एवं सामाजिक जागरूकता को शामिल किया गया - जो कैडेट विकास की रीढ़ है।

- **वृक्षारोपण अभियान** ग्रीन कमेटी और आईडब्ल्यूडी के साथ संयुक्त रूप से आयोजित इस पहल ने पारिस्थितिक जिम्मेदारी पर जोर दिया क्योंकि कैडेटों ने पूरे परिसर में पौधे लगाए

- **गांधी जयंती प्रश्नोत्तरी** 3 9 8 प्रतिभागियों के साथ एक ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी ने छात्रों के बीच गांधीवादी मूल्यों और ऐतिहासिक जागरूकता को बढ़ावा दिया

फायरिंग अभ्यास तीस कैडेटों ने जेसीओ की देखरेख में बीईजी रुड़की में लाइव फायरिंग सत्र में भाग लिया, जिससे उन्हें सटीक शूटिंग का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त हुआ।

रक्तदान शिविर संस्थान चिकित्सालय और स्थानीय रक्त बैंकों के सहयोग से आयोजित किया गया, इस कार्यक्रम में उत्साही छात्र और संकाय सदस्यों ने भाग लिया, जिससे मानवीय मूल्यों को बढ़ावा मिला।

संविधान दिवस प्रश्नोत्तरी एवं चित्रकला प्रतियोगिता न्याय एवं समानता जैसे विषयों के साथ, कार्यक्रमों ने नागरिक चेतना को बढ़ाया और कैडेटों के बीच रचनात्मक अभिव्यक्ति को प्रोत्साहित किया।

- **रन फॉर फ़न -** 3 यूके सीटीआर के सहयोग से, 200 से अधिक कैडेटों ने शारीरिक फिटनेस, सौहार्द और उत्साह को बढ़ावा देने के लिए 5 किमी की दौड़ में भाग लिया।

- **संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर (सीएटीसी)** इस 10 दिवसीय आवासीय शिविर में विभिन्न इकाइयों के कैडेटों को एक साथ लाया गया और कर्नल अनूप व्यास एवं कर्नल ए.के. नौटियाल के नेतृत्व में पीटी, ड्रिल, नेतृत्व व्याख्यान, हथियार प्रशिक्षण, तम्बू स्थापना प्रतियोगिता, बाधा प्रशिक्षण, एनसीसी सांस्कृतिक दिवस और खेल टूर्नामेंट शामिल थे। शिविर ने एकता और समग्र विकास को बढ़ावा दिया।

- **गणतंत्र दिवस गार्ड ऑफ ऑनर** सत्तर कैडेटों ने एक जीवंत परेड टुकड़ी का गठन किया, संस्थान के गणमान्य व्यक्तियों के सामने उत्कृष्ट समन्वय और गर्व का प्रदर्शन किया

एनएसएस

पिछला वर्ष इस दृढ़ विश्वास का एक गहरा प्रमाण है। हमने शिक्षा, पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक कल्याण और युवा सशक्तिकरण के क्षेत्र में कई पहलों का परिश्रमपूर्वक नेतृत्व किया है। यहाँ हमारी सेवा की अटूट यात्रा की एक झलक दी गई है:

शिक्षा एवं सशक्तिकरण पहल

मेंटरशिप प्रोग्राम: हमने जेईई उम्मीदवारों के लिए व्यक्तिगत 1-ऑन-1 मेंटरशिप शुरू की, जिससे उन्हें व्यापक शंका-समाधान, लक्षित क्विज़ एवं अमूल्य शैक्षणिक मार्गदर्शन के लिए आईआईटी रुड़की के छात्रों के साथ प्रभावी रुप से जोड़ा जा सके।

संकल्प नवोदय कार्यक्रम: यह वर्ष भर चलने वाली निःशुल्क ऑनलाइन मेंटरशिप और टेस्ट सीरीज नवोदय विद्यालय के विद्यार्थियों के लिए सावधानीपूर्वक तैयार की गई है, तथा विशेष रुप से समान अवसरों को बढ़ावा देने एवं सुनिश्चित करने के लिए डिजाइन की गई है।

सामर्थ्य 2.0: अपनी पिछली सफलता के कारण पुनर्जीवित, सामर्थ्य नए एलएचसी परिसर में योग्य छात्रों के लिए निःशुल्क ऑफ़लाइन कोचिंग प्रदान करता है।

अभ्यास एवं प्रगति टेस्ट सीरीज़: कक्षा ग्यारहवीं और बारहवीं के छात्रों को उनकी तैयारी को ट्रैक करने और सुधारने में सहायता करने के लिए जेईई की स्थितियों का अनुकरण करने वाली मॉक टेस्ट सीरीज़।

पर्यावरणीय पहल

वृक्षारोपण अभियान: अर्श योग जनकल्याण ट्रस्ट के सहयोग से 100 पौधे लगाए गए - जैव विविधता एवं हरित परिसर के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाते हुए।

शून्य अपशिष्ट सप्ताह: रचनात्मक प्रतियोगिताओं और सफाई अभियानों सहित जागरूकता गतिविधियों की एक श्रृंखला, जो टिकाऊ एवं सचेत जीवन शैली की बढ़ावा देती है।

सड़क सुरक्षा माह: कार्यशालाओं, "सड़क सुरक्षा के लिए दौड़" और "हेलमेट मैन ऑफ इंडिया" श्री राघवेंद्र कुमार के मुख्य भाषण के साथ, हमने यातायात अनुशासन एवं सुरक्षा के महत्व को समझा।

प्रमुख कार्यक्रम: राष्ट्रीय सामाजिक शिखर सम्मेलन 2025

राष्ट्रीय सामाजिक शिखर सम्मेलन 2025 ने विचारों का आदान-प्रदान करने एवं प्रभावशाली समाधान बनाने के लिए परिवर्तन-निर्माताओं, विचारकों एवं कार्यकर्ताओं को एक छत के नीचे एक साथ लाया। मुख्य आकर्षण में शामिल हैं:

मासिक धर्म स्वच्छता कार्यशाला

स्थानन प्रकोष्ठ

स्थानन एवं प्रशिक्षुता गतिविधियाँ निरंतर बढ़ रही हैं। स्थानन सलाहकार परिषद (जिसमें अंतिम एवं पूर्व-अंतिम वर्ष के शैक्षणिक कार्यक्रमों के छात्र प्रतिनिधि एवं प्रत्येक शैक्षणिक विभाग/केंद्र के संकाय प्रभारी शामिल हैं) के साथ छात्र/कर्मचारियों की एक मुख्य स्थानन एवं प्रशिक्षुता टीम गतिविधियों के सुचारु निष्पादन की देखभाल के लिए पूरे वर्ष काम करती है। टीम ने इस वर्ष स्थानन सीजन के लिए एक रणनीतिक योजना प्रस्तुत की है, जिसमें इंटर्नशिप, प्री-स्थानन ऑफर (पीपीओ) एवं पारंपरिक स्थानन पर जोर दिया गया है। अभ्यर्थियों को लगातार परिश्रमपूर्वक तैयारी की आवश्यकता के बारे में बताया गया है। स्थानन एवं इंटर्नशिप प्रकोष्ठ ने स्थानन एवं इंटर्नशिप के लिए पंजीकृत 950 से अधिक प्रतिष्ठित कंपनियों के साथ सफलतापूर्वक भागीदारी की है। इन सहयोगों के परिणामस्वरूप, हमारे छात्रों ने 1631 से अधिक संयुक्त प्रस्ताव हासिल किए हैं, जिससे तलाशने के लिए उन्हे असाधारण अवसर मिले हैं। स्थानन सीजन का सारांश तालिका 1 में दिया गया है।

मुख्य बातें	मेट्रिक्स
पंजीकृत छात्रों की संख्या (स्थानन हेतु)	1583
सक्रिय रूप से भाग लेने वाले छात्रों की संख्या	1481
भाग लेने वाली कंपनियों की संख्या	243
नौकरी की पेशकश करने वाली कंपनियों की कुल संख्या	225
नौकरी के प्रस्तावों की कुल संख्या	1074
स्वीकृत प्रस्तावों की संख्या	1009
प्री-प्लेसमेंट प्रस्तावों की संख्या	230
स्वीकृत प्री-प्लेसमेंट प्रस्ताव	215
शीर्ष भर्ती क्षेत्र	कोर अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी, आईटी/सॉफ्टवेयर

महत्वपूर्ण विशेषताएं

- प्रत्येक दिन कैंपस भर्ती के कई सत्र आयोजित किए गए। हम स्थानन के पहले दिन (1 दिसंबर, 2024) दुनिया भर में हाइब्रिड मोड में 40 से अधिक शीर्ष पायदान वाली कंपनियों की प्रक्रियाओं का संचालन करने में कामयाब रहे।
- कैंपस प्लेसमेंट के लिए 4500 से अधिक कंपनियों से संपर्क किया गया।
- हम कंपनियों को आमंत्रित करने के लिए सक्रिय दृष्टिकोण के साथ काम करते हैं। हम लिंक्डइन, सेल्सक्यूएल एवं एलुमनाई नेटवर्क जैसे विभिन्न तरीकों से अंतरराष्ट्रीय फर्मों के साथ संबंध बनाने पर लगातार कड़ी मेहनत कर रहे हैं और दुनिया भर की कई फर्मों से सकारात्मक प्रतिक्रिया प्राप्त कर रहे हैं।
- अब तक 1072 जॉब प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। चूंकि सत्र 2024-25 के लिए भर्ती प्रक्रिया अभी भी जारी है, इसलिए कई ऑफर आने की उम्मीद है।
- इस वर्ष 557 इंटर्नशिप प्रस्ताव (सभी पंजीकृत छात्रों के लिए) प्राप्त किए जा सकते हैं।
- 3 अंतरराष्ट्रीय ऑफर सहित 230 प्री-प्लेसमेंट ऑफर प्राप्त हुए।
- ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप भर्ती के लिए 97 कंपनियों एवं स्थानन के लिए 255 कंपनियों ने कैंपस में भाग लिया (चूंकि सत्र 2024-25 के लिए भर्ती प्रक्रिया अभी भी जारी है, इसलिए कई संगठनों के आने की उम्मीद है)।
- 254 कंपनियों में से 56 कंपनियां पहली बार आई थीं।
- स्थानन एवं इंटर्नशिप प्रकोष्ठ ने ब्रांच एलिजिबिलिटी बढ़ाने, सीजीपीए कटऑफ कम करने, वेटलिस्ट बढ़ाने के लिए कंपनी के अधिकारियों के साथ कई बातचीत की है और ऑनलाइन टेस्ट के नतीजों के बाद आखिरी समय में (हाइब्रिड मोड के माध्यम से) वॉक-इन इंटरव्यू आयोजित किए हैं, ताकि अधिक से अधिक छात्र इंटरव्यू के लिए आ सकें, जिससे छात्रों के साथ-साथ आने वाली कंपनियों के लिए भी सकारात्मक स्थिति बनी।
- हमारे संसाधनों के कुशल उपयोग को सुनिश्चित करने के लिए स्थानन एवं इंटर्नशिप प्रकोष्ठ ऐप के साथ-साथ स्थानन प्रक्रियाओं का पूर्ण कम्प्यूटरीकरण किया गया है।
- आईएमजी टीम के सहयोग से स्थानन पोर्टल (चैनल) का पूर्ण अनुकूलन किया जा रहा है, ताकि इसे वर्चुअल मोड के लिए उपयोगकर्ता के अधिक अनुकूल बनाया जा सके, सूचना साझा करने के लिए अधिक सुविधा प्रदान की जा सके और कागजी कार्रवाई को कम किया जा सके व समग्र प्रदर्शन को बढ़ाया जा सके।
- जिन कंपनियों ने पहली बार कैंपस से इंटर्न को कार्य पर रखा है, उनमें शामिल हैं - एक्सेंचर, वर्ल्ड वाइड टेक्नोलॉजी, ओला इलेक्ट्रिक, यूनिफाईएप्स, जूमइन्फो टेक्नोलॉजीज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ब्रिटिश पेट्रोलियम (बीपी), संसार, जिन्निया डिजिटल

सर्विस, एलएलपी, वार्नर ब्रदर्स डिस्कवरी (डब्ल्यूबीडी), ड्यूश इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, केनव्यू सॉल्यूशंस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, हीरो मोटोकॉर्प, बुल्स आई, नॉलेज सिस्टम लिमिटेड, ऑटोलिव जापान लिमिटेड, कंसाई नेरोलैक पेंट्स लिमिटेड, आदेश चैरिटेबल फाउंडेशन आदि।

- स्थानन के लिए पहली बार कैंपस प्लेसमेंट में भाग लेने वाली प्रमुख एमएनसी/कोर कंपनियां एयर फ्लो प्राइवेट लिमिटेड हैं। लिमिटेड, अल्फा पंप्स प्राइवेट लिमिटेड, अनंत सिस्टम्स, ऑरोरा एनर्जी रिसर्च इंडिया, बेकर ह्यूजेस, बार्को इलेक्ट्रॉनिक्स, कॉमनवेल्थ बैंक ऑफ ऑस्ट्रेलिया, डीएलएफ लिमिटेड, हेवलेट पैकार्ड एंटरप्राइज, हिताची एनर्जी, केनव्यू सॉल्यूशंस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, प्यूमा स्पोर्ट्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, रेडमैटिक सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड, रिबन कम्युनिकेशंस, सिगआईक्यू.एआई इंक, यूएसए, स्ट्रीमसोर्स टेक्नोलॉजीज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, सिंक्रोनी इंटरनेशनल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड, द एनर्जी एंड रिसोर्सेज इंस्टीट्यूट (टीईआरआई), वीमॉक, वीवीएफ इंडिया लिमिटेड आदि।
- उच्चतम स्तर पर संबंध एवं संपर्क स्थापित करने के लिए कंपनियों के साथ प्रोफेसर-इन-चार्ज, प्लेसमेंट एवं इंटर्नशिप प्रकोष्ठ की वर्चुअल/फिजिकल मीटिंग नियमित रूप से आयोजित की जा रही हैं।

छात्रों की तैयारी

स्थानन एवं प्रशिक्षुता प्रकोष्ठ ने कई कंपनियों के साथ मिलकर छात्रों के विकास में सहायता करने के उद्देश्य से उद्योग-आधारित कार्यक्रमों और सत्रों की एक विस्तृत श्रृंखला आयोजित की। जेपी मॉर्गन चेस ने क्वांट डिकोड की मेजबानी की, जो क्वांटिटेटिव फाइनेंस की दुनिया को समझने पर केंद्रित एक वेबिनार था। सेल्सफोर्स ने फ्यूचरफोर्स टेक एक्सेलेरेटर लॉन्च किया, जो तकनीकी उद्योग के लिए मेंटरशिप और मूल्यवान अनुभव प्रदान करता है। माइक्रोन टेक्नोलॉजी, इंडिया ने यूआरएएम व्याख्यान आयोजित किया, जिसमें उभरती हुई तकनीकी प्रगति के बारे में जानकारी दी गई। मास्टरकार्ड ने डेटा-संचालित भूमिकाओं में रुचि रखने वाले छात्रों का मार्गदर्शन करने के लिए डिज़ाइन किए गए एनालिटिक्स में करियर नामक एक विशेष सत्र आयोजित किया। द ह्यूमन फ्रंटियर कलेक्टिव के माध्यम से स्केल एआई ने छात्रों को एआई-संचालित समाधानों पर विचारोत्तेजक चर्चाओं में शामिल किया। अमेज़ॅन के साथ हैकऑन ने वास्तविक दुनिया की चुनौतियों से निपटने के लिए व्यावहारिक अवसर प्रदान किए। ये पहल, अन्य बातों के अलावा, मजबूत उद्योग-अकादमिक सहयोग को बढ़ावा देने और छात्रों को व्यावसायिक दुनिया की उभरती मांगों को पूरा करने के लिए तैयार करने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं। नीचे कैंपस भर्ती में भाग लेने वाली कंपनियों की सूची दी गई है:

क्रम सं.	कंपनी/संगठन/संस्था का नाम
1	64स्क्वेयर
2	आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड
3	एक्सेंचर एस एंड सी
4	एकॉर्डियन पार्टनर्स (पूर्व में मेरिलिटिक्स)
5	एडवर्ब टेक्नोलॉजीज लिमिटेड
6	आदित्य बिड़ला साइंस एंड टेक्नोलॉजी
7	एडोब
8	एईकॉम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
9	एयर फ्लो प्राइवेट लिमिटेड
10	अजयविजन एजुकेशन प्राइवेट लिमिटेड
11	अल्फा पंप्स प्राइवेट लिमिटेड
12	अमेजन
13	अमेरिकन एक्सप्रेस
14	एनाकिन
15	अनंत सिस्टम्स
16	एप्लाइड मैटेरियल्स
17	अरसागा पार्टनर्स, इंक.
18	एस्पायर आईआईटी एंड मेडिकल
19	एटीओबी
20	ऑरोनोवा कंसल्टिंग
21	ऑरोरा एनर्जी रिसर्च इंडिया
22	ऑक्सो एआई इंजीनियरिंग प्राइवेट लिमिटेड
23	एवथॉन (पूर्व - स्पार्क कॉग्निशन)
24	एक्सिस बैंक लिमिटेड
25	एक्सट्रिया इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
26	एक्सेला रिसर्च एंड एनालिटिक्स प्राइवेट लिमिटेड
27	बैफ डेवलपमेंट रिसर्च फाउंडेशन
28	बजाज ऑटो लिमिटेड और चेतक टेक्नोलॉजी लिमिटेड
29	बेकर ह्यूजेस
30	बकलीवाल ट्यूटोरियल्स
31	बार्कलेज
32	बार्को इलेक्ट्रॉनिक्स
33	भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, गाजियाबाद

34	भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड
35	बिजली टेक्नोलॉजीज
36	ब्लिंकिट
37	बीएनवाई मेलन
38	बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप
39	कैफल एडवाइजर्स
40	केयर्न ऑयल एंड गैस
41	कार्स24 प्राइवेट लिमिटेड
42	सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ टेलीमैटिक्स (सी-डॉट)
43	चैतन्य अकादमी (कृष्ण चैतन्य एडुकेयर प्राइवेट लिमिटेड)
44	सर्कल के
45	सिटीमॉल
46	कॉग्निजेंट टेक्नोलॉजी सॉल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड
47	कोहेसिटी
48	कॉमनवेल्थ बैंक ऑफ ऑस्ट्रेलिया
49	कॉन्टिनेंटल इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (टायर डिवीजन)
50	कॉस्मो फर्स्ट लिमिटेड
51	डी. ई. शॉ इंडिया
52	डीसीएम श्रीराम
53	डेलोइट कंसल्टिंग इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
54	डेल्टा इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
55	ड्यूश इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
56	डेवरेव क्लाउड इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
57	डिजिटल ए पी आई क्राफ्ट
58	डीआईटी यूनिवर्सिटी, देहरादून
59	डीएलएफ लिमिटेड
61	ड्रीम11
61	ईस्टर्न इलेक्ट्रोलाइजर लिमिटेड
62	एबुलिएंट सिक्योरिटीज प्राइवेट लिमिटेड
63	एनफेज एनर्जी
64	ई-रिंग आईटी सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड
65	फिको
66	फ्लिपकार्ट इंटरनेट प्राइवेट लिमिटेड
67	फ्लाईनावा टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड
68	एफएन मैथलॉजिक कंसल्टिंग सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड
69	फ्यूचर्स फर्स्ट इन्फो टेक प्राइवेट लिमिटेड
70	गेल (इंडिया) लिमिटेड
71	जेनपैक्ट
72	गोदरेज प्रॉपर्टीज लिमिटेड
73	गोल्डमैन सेशे
74	गुडस्पेस एआई
75	गूगल
76	ग्रेविटन रिसर्च कैपिटल एलएलपी
77	ग्रीनको ग्रुप
78	ग्रेऑरेंज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
79	ग्रो
80	ग्रेट लर्निंग एजुकेशनल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड
81	हार्नेस आईओ आरएंडडी लैब्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
82	एचसीएल टेक्नोलॉजीज
83	हीरो मोटोकॉर्प
84	हीरो मोटर्स
85	हेवलेट पैकार्ड एंटरप्राइज
86	हायलैब
87	हिल्टी टेक्नोलॉजी सॉल्यूशंस इंडिया
88	हिंद रेक्टीफायर्स लिमिटेड
89	हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल)
90	हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड
91	हिताची एनर्जी
92	आईबीएम
93	आईसीआईसीआई बैंक
94	आईसीआईसीआई लोम्बार्ड जीआईसी लिमिटेड
95	आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज
96	इनामों
97	इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल)
98	इन्फो एज इंडिया लिमिटेड
99	इन्फोसिस कंसल्टिंग
100	इनिटो
101	इनमोबी टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड
102	इंटेल इंडिया लिमिटेड
103	इंटेलिमेशन.एआई
104	इंट्यूट इंडिया प्रोडक्ट डेवलपमेंट सेंटर प्राइवेट लिमिटेड
105	आईओएन ट्रेडिंग इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
106	इरेज ब्रोकिंग सर्विसेज एलएलपी
107	आईआरईडीए
108	आईएसजीईसी हैवी इंजीनियरिंग लिमिटेड
109	आईटीसी लिमिटेड
110	जे पी मॉर्गन चेस एंड कंपनी
111	जगुआर लैंड रोवर टेक्नोलॉजी एंड बिजनेस सर्विस इंडिया लिमिटेड
112	जेविस
113	जे. ई. सी. आर. सी. यूनिवर्सिटी, जयपुर
114	जिंदल स्टील एंड पावर
115	जेएम फाइनेंशियल लिमिटेड
116	जे. एस. डब्ल्यू. ग्रुप
117	जस्टडायल लिमिटेड

118	के12 टेक्नो सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड
119	केलॉग ब्राउन एंड रूट इंजीनियरिंग एंड कंस्ट्रक्शन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (केबीआर)
120	कीसाइट
121	केनव्यू सॉल्यूशंस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
122	किंगफा साइंस एंड टेक्नोलॉजी (इंडिया) लिमिटेड
123	के. एल. ए.-टेनकोर कॉर्पोरेशन
124	के. पी. आई. टी. टेक्नोलॉजीज
125	क्वांटम पेपर्स
126	कुणाल हाउसवेयर प्राइवेट लिमिटेड
127	एलएंडटी फाइनेंस
128	लार्सन एंड टूब्रो लिमिटेड
129	एलजी सॉफ्ट इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
130	लोहम
131	एलटीआईमाइंडट्री
132	मैजिकब्रिक्स
133	मास्टरकार्ड
134	मैथवर्क्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
135	मीशो
136	मेज़िंक (सुपर क्रिएटर टेक प्राइवेट लिमिटेड)
137	माइक्रोलैंड लिमिटेड
138	माइक्रोन टेक्नोलॉजी
139	माइक्रोसॉफ्ट इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
140	मोराबू हंसिन इंडस्ट्री कं., लिमिटेड
141	एमफैसिस लिमिटेड
142	माईगेट
143	मिंत्रा डिजाइन प्राइवेट लिमिटेड
144	नारायण ग्रुप ऑफ एजुकेशन
145	नेशन विद नमो
146	नेशनल एक्रीडिटेशन बोर्ड फॉर टेस्टिंग एंड कैलिब्रेशन लेबोरेटरीज (एनएबीएल)
147	नेटवेस्ट
148	निवा बूपा हेल्थ इंश्योरेंस
149	नोकिया
150	एनएसई इंडिया लिमिटेड
151	न्यूक्लियस सॉफ्टवेयर एक्सपोर्ट्स लिमिटेड
152	एनवीडिया
153	ओशनियरिंग इंटरनेशनल सर्विसेज लिमिटेड
154	ऑयल इंडिया लिमिटेड
155	ओला इलेक्ट्रिक
156	ओरेकल
157	ओसफिन.एआई
158	पीसीएल एल्गोनएक्सएआई (पेरोलक्लाउड इंडिया प्राइवेट लिमिटेड)
159	पेट्रोनेट एलएनजी लिमिटेड
160	फोनपे प्राइवेट लिमिटेड
161	प्लूटस रिसर्च प्राइवेट लिमिटेड
162	पल्सलैब्स
163	प्यूमा स्पोर्ट्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
164	क्वाडेई
165	क्वालकॉम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
166	क्वांटैकस
167	क्वांटबॉक्स रिसर्च
168	क्वेस्ट ग्लोबल इंजीनियरिंग सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड
169	क्विकसेल
170	क्विंटिक्स मैनेजमेंट कंसल्टेंसी प्राइवेट लिमिटेड (सूत्र मैनेजमेंट)
171	रैडामैटिक सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड
172	रैपिडो
173	रेज़ पावर एक्सपर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड
174	रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड
175	रिलायंस न्यू एनर्जी इनिशिएटिव्स
176	रिबन कम्युनिकेशंस
177	रुब्रिक
178	सेल्सफोर्स
179	सैम्पलिटिक्स टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड (इनिटो-बायोटेक)
180	सैमसंग आरएंडडी इंस्टीट्यूट, नोएडा
181	सैमसंग आरएंडडी, दिल्ली
182	सैमसंग रिसर्च बैंगलोर
183	सैमसंग सेमीकंडक्टर्स इंडिया रिसर्च
184	संजीवनी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट्स
185	एसएपी लैब्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
186	शलम्बरगर इंडिया
187	श्नाइडर इलेक्ट्रिक
188	सेडेमैक मेक्ट्रोनिक्स प्राइवेट लिमिटेड
189	सीमेंस ईडीए
190	सीमेंस लिमिटेड
191	सिगआईक्यू.एआई इंक, यूएसए
192	एसकेएपीएस इंडस्ट्रीज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
193	एसएलबी सोफ्टवेयर
194	स्नैपमिन्ट फाइनेंशियल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड
195	स्पेक्ट्रम टेक्नो कंसल्टेंट्स प्राइवेट लिमिटेड
196	स्पीडलैब्स
197	स्प्रिंकलर
198	स्क्वायरपॉइंट कैपिटल
199	एस. एफ. आर. लिमिटेड

200	श्री चैतन्य
201	स्टैंडर्ड चार्टर्ड जीबीएस
202	स्ट्रीमसोर्स टेक्नोलॉजीज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
203	सन पेट्रोकेमिकल्स प्राइवेट लिमिटेड
204	सिंक्रोनी इंटरनेशनल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड
205	सिंपेस बायोफार्मा रिसर्च प्राइवेट लिमिटेड
206	टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड
207	टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (TCS)
208	टाटा मोटर्स
209	टाटा स्टील
210	टेकमैट्रिक्स
211	टेरा क्वेस्ट मिनरल्स प्राइवेट लिमिटेड
212	टेक्सास इंस्ट्रूमेंट्स
213	द एनर्जी एंड रिसोर्सेज इंस्टीट्यूट (टेरी)
214	द फ्यूचर यूनिवर्सिटी
215	थॉर्नटन टॉमसेटी
216	थॉटस्पॉट इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
217	टोटल एनवायरनमेंट
218	टीपीसी टेक्निकल प्रोजेक्ट्स कंसल्टेंट्स प्राइवेट लिमिटेड
219	ट्रांसऑर्ग एनालिटिक्स
220	ट्रेडेंस एनालिटिक्स
221	ट्राइडेंट ग्रुप
222	ट्यूरिंग
223	ट्विलियो
224	उबर
225	यूआईपाथ
226	यूकेजी (अल्टीमेट क्रोनोस ग्रुप)
227	यूनिक आइडेन्टिफिकेशन अथॉरटी ऑफ इंडिया (यूआईडीएआई)
228	यूएनओआरजी वेंडर सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड
229	वरुणा मरीन सर्विस बी.वी.
230	वर्चुसा
231	वीज़ा इंक
232	वीएमए आर्किटेक्ट्स
233	वीमॉक
234	वीवीएफ इंडिया लिमिटेड
235	वाल्टर पी मूर इंजीनियरिंग इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
236	वार्नर ब्रदर्स डिस्कवरी
237	वेल्स फार्गो इंटरनेशनल सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड
238	विलिंग्स, इंक.
239	जियोन मल्टीवेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड
240	ज़ेनॉन एनालिटिक्स प्राइवेट लिमिटेड
240	ज़ेप्टो
241	जेडएल टेक्नोलॉजीज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
242	ज़ोमैटो

प्रत्येक क्षेत्र में नौकरियों की संख्या क्षेत्र, देश एवं आर्थिक स्थितियों के आधार पर काफी भिन्न हो सकती है। हालांकि, कंपनियों द्वारा दी जाने वाली क्षेत्रवार नौकरियों का विवरण निम्नलिखित है।

सेक्टर	प्रस्तावित नौकरियां	कंपनियों की संख्या
अकेडेमिक / एजुकेशनल	51	13
एनालिटिक्स / डाटा साइंस	67	15
कन्स्ट्रक्शन/ इन्फ्रास्ट्रक्चर	26	7
कंसल्टिंग	88	26
कोर	293	74
ई- कॉमर्स	79	15
फाइनेंस / फिनटेक	132	24
एफएमसीजी	8	4
गवरमेंट / पीएसयू	60	12
आईटी / सॉफ्टवेयर	220	43
मीडिया	6	2
अन्य	29	9
ट्रेडिंग	5	5

समग्र स्थानन आँकड़े रोजगार प्राप्त करने में छात्रों की सफलता का एक व्यापक दृष्टिकोण प्रदान करते हैं

कार्यक्रम-वार स्थानन आंकड़े:

कार्यक्रम	पंजीकृत	प्रतिभागिता	प्रस्तावित जॉब
बी. टेक./बी. आर्क	965	889	760
बीएस-एमएस	5	4	4
आईएमटी	49	45	28
आईएमएससी	59	54	44
एम.टेक./एमबीए एमयूआरपीएम.आर्क.	386	378	194
एम. डेस.	19	19	1
एम. एससी.	100	92	28
पीएच. डी.	-	-	13
कुल	1583	1481	1072

* 2024-25 बैच की स्थानन प्रक्रिया अभी भी जारी है एवं कई और प्रस्ताव आने की उम्मीद है।

विभाग-वार स्थानन आंकड़े:

क्र. सं.	उपाधि	पंजीकृत	प्रभावी स्थानन (अ)	कुल प्रस्ताव (ब)
1	वास्तुकला एवं नियोजन	28	14	15
2	जैव विज्ञान एवं जैव अभियांत्रिकी	26	15	16
3	रासायनिक अभियांत्रिकी	113	75	86
4	जानपद अभियांत्रिकी	143	84	87
5	कंप्यूटर विज्ञान अभियांत्रिकी	111	107	115
6	विद्युत अभियांत्रिकी	157	137	149
7	इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी	101	91	96
8	भौतिकी	35	18	18
9	Production & Industrial Engg.	50	32	33
10	यांत्रिकी अभियांत्रिकी	145	112	126
11	धातुकर्म एवं पदार्थ अभियांत्रिकी	56	18	19
	कुल बी. आर्क. / बी. टेक.	965	703	760
12	**बीएस- एमएस (रासायनिक विज्ञान)**	**5**	**4**	**4**
13	एकीकृत एम. टेक. भूवैज्ञानिक प्रौद्योगिकी	27	14	14
14	एकीकृत एम. टेक. भूभौतिकीय प्रौद्योगिकी	22	14	14
	कुल एम. टेक. /बीएस- एमएस	54	32	32
15	**एकीकृत एम. एससी. (अनुप्रयुक्त गणित)**	**39**	**34**	**34**
16	एकीकृत एम. एससी. (रसायन विज्ञान)	8	5	5
17	एकीकृत एम. एससी. (भौतिकी)	12	5	5
	कुल एकीकृत एम. एससी.	59	44	44

1	वास्तुकला एवं नियोजन	19	4	4
2	रासायनिक अभियांत्रिकी	22	10	10
3	जानपद अभियांत्रिकी	34	16	17
4	कंप्यूटर विज्ञान अभियांत्रिकी	23	17	18
5	विद्युत अभियांत्रिकी	30	14	15
6	इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी	24	14	14
7	यांत्रिक एवं औद्योगिक अभियांत्रिकी	44	23	25
8	धातुकर्म एवं पदार्थ अभियांत्रिकी	12	9	9
9	पॉलिमर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी	14	7	7
10	अनुप्रयुक्त गणित एवं वैज्ञानिक कंप्यूटिंग	15	7	7
11	डेटा विज्ञान	17	12	12
12	कृत्रिम बुद्धिमत्ता	13	9	9
13	बांध सुरक्षा एवं पुनर्वास	5	2	2
14	जल एवं नवीकरणीय ऊर्जा विभाग	11	3	3
15	जल विज्ञान	14	6	6
16	भूकंप अभियांत्रिकी	30	14	14
17	पैकेजिंग प्रौद्योगिकी	6	0	0
18	पल्प एवं पेपर अभियांत्रिकी	7	4	4
19	जल संसाधन विकास एवं प्रबंधन विभाग	11	1	1
20	बायो प्रोसेस अभियांत्रिकी	2	0	0
21	आपदा न्यूनीकरण एवं प्रबंधन विभाग	12	0	0
22	इन्फ्रास्ट्रक्चर सिस्टमस	5	0	0
23	नैनो प्रौद्योगिकी	5	0	0
24	फोटोनिक्स	6	0	0
25	एसएसईएम	5	0	0
26	एमबीए	0	16	17
	कुल एम.आर्क /एमबीए/एमयूआरपी/एम.टेक.			
1	औद्योगिक डिजाइन में एम.डिजाइन	19	1	1
1	अनुप्रयुक्त एम.एससी. भूविज्ञान	17	3	3
2	एम. एससी. जैव विज्ञान एवं जैव अभियांत्रिकी	10	6	6
3	एम. एससी. रसायन विज्ञान	23	10	10
4	एम. एससी. अर्थशास्त्	7	0	0
5	एम. एससी. गणित	23	6	6
6	एम. एससी. भौतिकी	20	3	3
	कुल एम. एससी.			
1	पीएच.डी.	0	13	13

पीएचडी छात्रों का स्थानन:

स्थानन एवं प्रशिक्षुता प्रकोष्ठ ने विभिन्न क्षेत्रों की अग्रणी कंपनियों के साथ रणनीतिक सहयोग स्थापित किया है। इनमें से कई संगठन पहले से ही इंटर्नशिप, प्लेसमेंट के अवसरों और अन्य शैक्षणिक सहयोगों के माध्यम से हमारे विद्वानों के साथ जुड़े हुए हैं। यह व्यापक दृष्टिकोण हमारे पीएचडी उम्मीदवारों के लिए शोध-उन्मुख भूमिकाओं को सुगम बनाने के लिए बनाया गया है, जो उनके व्यक्तिगत हितों और विशेषज्ञताओं के साथ अवसरों को संरेखित करता इन प्रयासों के परिणामस्वरूप, प्रकोष्ठ को अब तक 13 प्रस्ताव सफलतापूर्वक प्राप्त हुए हैं, एवं भविष्य में और भी प्रस्ताव मिलने की उम्मीद है। ये सहयोग शिक्षा जगत एवं उद्योग जगत के बीच की खाई को कम करने में सहायक हैं, जिससे हमारे विद्वान प्रभावशाली एवं नवोन्मेषी व्यावसायिक वातावरण में अपनी विशेषज्ञता का उपयोग कर सकेंगे।

प्रशिक्षुता रिपोर्ट:

स्थानन एवं प्रशिक्षुता प्रकोष्ठ ने प्री-फाइनल वर्ष के छात्रों के लिए अनिवार्य ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप के लिए प्रतिष्ठित कंपनियों जैसे डी. ई. शॉ इंडिया, जेपी मॉर्गनचेस, टेक्सास इंस्ट्रूमेंट्स, गूगल इंडिया, उबर, क्वाडआई, क्वांटबॉक्स रिसर्च, रुब्रिक इंडिया प्राइवेट लिमिटेड - घरेलू और अमेरिकी ऑफर, गोल्डमैन सैक्स, बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप इंडिया, माइक्रोसॉफ्ट इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, सेल्सफोर्स, केएलए टेनकॉर, एक्सेंचर, अमेरिकन एक्सप्रेस, ओरेकल इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, एडोब, यूआईपाथ, अमेज़न डेवलपमेंट सेंटर, सैमसंग रिसर्च बैंगलोर (डेव और एडवांस डेव), वर्ल्ड वाइड टेक्नोलॉजी, एनवीडिया ग्राफिक्स प्राइवेट लिमिटेड, ओला इलेक्ट्रिक, टाटा स्टील, क्वालकॉम इनकॉर्पोरेटेड, जूमइन्फो टेक्नोलॉजीज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ब्रिटिश पेट्रोलियम (बीपी), बार्कलेज, वेल्स फार्गो, वीज़ा, ड्यूश इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, लिमिटेड, पीडब्ल्यूसी इंडिया, नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई), आईसीआईसीआई बैंक, फ्लिपकार्ट, रेजरपे, हेवलेट पैकार्ड एंटरप्राइज और रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड सहित कई अन्य कंपनियों ने इंटर्नशिप के अवसर प्रदान किए। कार्यालय द्वारा कुल 557 इंटर्नशिप के अवसर प्रदान किए गए।

अंतरराष्ट्रीय स्थानन:

इस वर्ष, एक महत्वपूर्ण उपलब्धि यह रही कि कई अंतरराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा छात्रों की विदेशों में नौकरियों के लिए भर्ती की गई। विलिंग्स इंक., टेकमैट्रिक्स, सिगआईक्यू.एआई इंक. (यूएसए), अर्सागा पार्टनर्स इंक., मोराबू हानशिन इंडस्ट्री कंपनी लिमिटेड और वरुणा मरीन सर्विस बीवी जैसी संस्थाओं ने छात्रों को विदेश में नौकरियों के लिए प्रस्ताव दिए। इन कंपनियों द्वारा कुल 12 अंतरराष्ट्रीय प्रस्ताव प्रदान किए गए, जो संस्थान की टैलेंट पूल की वैश्विक उपस्थिति एवं मान्यता को दर्शाते हैं।

- इस वर्ष कुछ नियमित भर्तीकर्ताओं (कंपनी) की अनुपस्थिति के बावजूद, बाज़ार में मंदी के कारण, प्लेसमेंट और इंटर्नशिप सेल ने समान या उससे भी अधिक प्रतिष्ठा वाली कई नई उच्च-स्तरीय कंपनियों को शामिल करके सफलतापूर्वक इसकी भरपाई की। भर्तीकर्ताओं के आधार का यह रणनीतिक विस्तार छात्रों के लिए गुणवत्तापूर्ण अवसरों तक निरंतर पहुँच सुनिश्चित करता है।
- प्लेसमेंट के प्रभारी द्वारा शीर्ष स्तरीय कंपनियों के साथ कई ऑफलाइन और ऑनलाइन बैठकें आयोजित की गईं। इन प्रयासों का उद्देश्य उद्योग और अकादमिक जगत के बीच संबंधों को सुदृढ़ करना था, और इनसे कई प्रतिष्ठित संस्थानों को प्लेसमेंट और इंटर्नशिप प्रक्रियाओं में भाग लेने के लिए सफलतापूर्वक आकर्षित किया गया।

अंतरराष्ट्रीय संबंध

विदेश जाने वाले छात्र

आईआईटी रुड़की छात्रों को अंतर्राष्ट्रीय आदान-प्रदान के अवसरों का लाभ उठाने के लिए सक्रिय रूप से प्रोत्साहित करता है और विदेशों में शैक्षणिक या इंटर्नशिप अनुभवों के लिए सहायता प्रदान करता है। व्यापक सेमेस्टर एक्सचेंज दिशानिर्देश अंतर्राष्ट्रीय संबंध कार्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं। संस्थान इन कार्यक्रमों में भाग लेने वाले स्नातक और परास्नातक दोनों छात्रों के लिए सुगम क्रेडिट स्थानांतरण की सुविधा प्रदान करता है। यह आधिकारिक अधिसूचनाओं के अनुसार, विदेशों में शोध करते समय छात्रों को अपनी फ़ेलोशिप या असिस्टेंटशिप बनाए रखने में भी सहायता प्रदान करता है। आईआर कार्यालय द्वारा घोषित एक्सचेंज कार्यक्रमों में आवेदनों की जाँच और नामांकन के लिए विभागीय अनुमोदन की एक संरचित प्रक्रिया शामिल होती है। कुछ मामलों में, छात्र आईआर कार्यालय को शामिल किए बिना सीधे कार्यक्रमों के लिए आवेदन कर सकते हैं। यह कुशल और छात्र-अनुकूल दृष्टिकोण, वैश्विक संपर्क को बढ़ावा देने और तेजी से परस्पर जुड़ती दुनिया में अपने छात्रों की शैक्षणिक यात्रा को बेहतर बनाने के लिए आईआईटी रुड़की के समर्पण को दर्शाता है।

कुलशासक, अंतरराष्ट्रीय संबंध कार्यालय द्वारा हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन

क्रम. सं.	समझौता ज्ञापन पक्ष	देश
1	इलिनोइस इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी	अमेरिका
2	साइतमा यूनिवर्सिटी	जापान
3	डेकिन यूनिवर्सिटी	ऑस्ट्रेलिया
4	डिमार्टमेंट ऑफ इलेक्ट्रिकल एंड कंप्यूटर इंजीनियरी, यूनिवर्सिटी ऑफ सस्केचेवान	कनाडा
5	डिमार्टमेंट ऑफ केमिकल एंड बायोलॉजीकल इंजीनियरी, यूनिवर्सिटी ऑफ सस्केचेवान	कनाडा
6	यूनिवर्सिटी ऑफ लोरेन	फ्रांस
7	द यूनिवर्सिटी ऑफ शेफ़ील्ड	यूनाइटेड किंगडम
8	फार वेस्टन यूनिवर्सिटी	नेपाल
9	लॉफबोरो यूनिवर्सिटी	यूनाइटेड किंगडम
10	मेमोरियल यूनिवर्सिटी ऑफ न्यूफाउंडलैंड	कनाडा
11	मेमोरियल यूनिवर्सिटी ऑफ न्यूफाउंडलैंड	कनाडा
12	क्वीन्स यूनिवर्सिटी	कनाडा
13	क्योटो यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट फॉर एडवांस्ड स्टडी (केयूआईएएस), क्योटो यूनिवर्सिटी	जापान
14	आईओडब्ल्यूए स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी	अमेरिका
15	विलानोवा यूनिवर्सिटी	अमेरिका
16	"ताशकंद इंस्टीट्यूट ऑफ इरिगेशन एंड एग्रीकल्चरल मैकेनाइजेशन इंजीनियर्स" नेशनल रिसर्च यूनिवर्सिटी	उज्बेकिस्तान
17	नॉर्वेजियन जियोटेक्निकल इंस्टीट्यूट (एनजीआई)	नॉर्वे
18	यूनिवर्सिटी ऑफ ओलू	फिनलैंड
19	समरकंद स्टेट यूनिवर्सिटी	उज्बेकिस्तान
20	समरकंद स्टेट यूनिवर्सिटी	उज्बेकिस्तान

21	द व्रीजे यूनिवर्सिटी एम्स्टर्डम	नीदरलैंड
22	ज्वाइनिंग एंड वेल्डिंग रिसर्च इंस्टीट्यूट (JWRI), ओसाका यूनिवर्सिटी	जापान
23	आईएचई डेल्फ़्ट इंस्टीट्यूट फॉर वॉटर एजुकेशन	नीदरलैंड
24	निगाटा यूनिवर्सिटी	जापान
25	माइनिंग एंड मेटलर्जी इंस्टीट्यूट बोर (एमएमआईबी)	जापान
26	हेल्महोल्ट्ज़-ज़ेंट्रम हियरऑन	सर्बिया
27	यूनिवर्सिटी ऑफ़ टेक्नोलॉजी सिडनी	जर्मनी
28	इकोले सेंट्रल डे नैनटेस	ऑस्ट्रेलिया
29	इंस्टीट्यूट ऑफ़ टेक्निकल साइंसेज़ ऑफ़ एसएएसए (सर्बियाई एकेडमी ऑफ़ साइंसेज़ एंड आर्ट्स)	फ्रांस
30	निगाटा यूनिवर्सिटी	सर्बिया
31	निगाटा यूनिवर्सिटी	जापान
32	आरडब्ल्यूटीएच आचेन यूनिवर्सिटी	जापान
33	इनोनू यूनिवर्सिटी	जर्मनी
34	सोगांग यूनिवर्सिटी	तुर्की
35	यूनिवर्सिटी ऑफ ट्रेंटो	दक्षिण कोरिया
36	यूनिवर्सिटी ऑफ पैट्रास	इटली
37	ईयूटी+ पार्टनर	ग्रीस
46	ओरेगन स्टेट यूनिवर्सिटी	बुल्गारिया, आयरलैंड, साइप्रस, लातविया, स्पेन, रोमानिया, इटली, जर्मनी और फ्रांस
47	वेस्टर्न सिडनी यूनिवर्सिटी	अमेरिका
48	कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, योनसेई यूनिवर्सिटी	ऑस्ट्रेलिया
49	टेक्नीश यूनिवर्सिटेट बर्लिन	दक्षिण कोरिया
50	यूनिवर्सिटी ऑफ पॉट्सडैम	जर्मनी
51	होचस्चुले फर टेक्निक अंड विर्टशाफ्ट ड्रेसडेन यूनिवर्सिटी ऑफ एप्लाइड साइंसेज (एमओयू का नवीनीकरण)	जर्मनी
52	रित्सुमीकन यूनिवर्सिटी	जर्मनी
53	टेक्सास ए एंड एम यूनिवर्सिटी	जापान
54	यूनिवर्सिट डी लोरेन	अमेरिका

अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधिमंडलों के दौरे/बैठकें:

प्रोफेसर वतारु होरिउची, ओसाका मेट्रोपॉलिटन यूनिवर्सिटी, जापान का दौरा

प्रोफेसर वतारु होरिउची, ओसाका मेट्रोपॉलिटन यूनिवर्सिटी, जापान एक महत्वपूर्ण दौरे पर आए, जो दोनों प्रतिष्ठित संस्थानों के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) के लगभग तीन वर्षों को चिह्नित करता है। इस दौरे ने एमओयू के तहत स्थापित सहयोगी संरचना को विस्तार देने की प्रतिबद्धता को और मजबूत किया। इस यात्रा ने एमओयू के दायरे को विस्तार देने के लिए आधार तैयार किया, जिसमें अंतर्विषयी अनुसंधान और पारस्परिक शैक्षणिक विकास पर ध्यान केंद्रित किया गया, जो आईआईटी रुड़की की वैश्विक शैक्षणिक उत्कृष्टता और नवाचार के प्रति समर्पण को दर्शाता है।

सहयोगात्मक वार्ता हेतु अमेरिका/डेनमार्क के प्रमुख संकाय सदस्यों का दौरा

विजिटिंग प्रोफेसरों में अमेरिका के टेक्सास यूनिवर्सिटी, ऑस्टिन के प्रोफेसर सीन टी. रॉबर्ट्स, आरहूस यूनिवर्सिटी, डेनमार्क के प्रोफेसर टोबियास वीडनर और आईआईएससी बैंगलोर के प्रोफेसर पी. के. दास शामिल थे। प्रतिनिधिमंडल ने सहयोगात्मक पहलों के अवसरों का पता लगाने हेतु मुलाकात की।

अलास्का फेयरबैंक्स यूनिवर्सिटी, यूएसए के प्रो. संतोष पांडा का दौरा

प्रो. पांडा ने "एडवांसेज इन जियोस्पेशियल डाटा साइंस इन नेचुरल रीसोर्स ऐप्लीकेशन्सः केस स्टडीज़ फोर्म" शीर्षक पर एक व्याख्यान दिया, जहां प्रो. पांडा ने छात्रों और शिक्षकों के साथ अपने अनुभव साझा किए कि कैसे सरकारी एजेंसियां, व्यवसाय और समाज के प्रत्येक क्षेत्र भू-स्थानिक विज्ञान और प्रौद्योगिकी में नवाचारों से लाभान्वित होते हैं।

महत्वपूर्ण खनिजों के अनुसंधान में सहयोग की खोज: मोनाश यूनिवर्सिटी, ऑस्ट्रेलिया के प्रोफेसर येलिशेट्टी का दौरा

प्रो. येलिशेट्टी के साथ बातचीत करके, छात्रों और संकायों को इस महत्वपूर्ण क्षेत्र में महत्वपूर्ण ज्ञान प्राप्त करने का अवसर मिला। इस आयोजन ने छात्रों को महत्वपूर्ण खनिजों के अनुसंधान में अपनी समझ को व्यापक बनाने और अपने ज्ञान को बढ़ाने के लिए एक उत्कृष्ट मंच प्रदान किया।

यूनिवर्सिटी ऑफ साउथ फ्लोरिडा, यूनाइटेड स्टेट्स के प्रोफेसर सुनील मिठास का दौरा

साउथ फ्लोरिडा यूनिवर्सिटी के मुमा कॉलेज ऑफ बिजनेस के प्रोफेसर सुनील मिठास को उनकी वैश्विक भारतीय वैज्ञानिक (वैभव) फेलोशिप के तहत यह सम्मान दिया गया। प्रोफेसर मिठास वर्तमान में आईआईटी रुड़की के प्रबंध अध्ययन विभाग (डीओएमएस) का दौरा कर रहे हैं।

नेशनल चेंग कुंग यूनिवर्सिटी (एनसीकेयू), ताइवान के प्रोफेसर चिंग-फू चेन का दौरा

वर्जीनिया टेक, अमेरिका के प्रो. शिमा शाहब का दौरा

ह्यूस्टन यूनिवर्सिटी, टेक्सास, संयुक्त राज्य अमेरिका के प्रतिनिधिमंडल का दौरा

लेकहेड यूनिवर्सिटी, टोरंटो, कनाडा के डॉ. जानुस कोजिंस्की का दौरा

जेएसटी एवं क्योटो यूनिवर्सिटी (जापान) के प्रतिनिधियों का दौरा

जापान विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी (जेएसटी) तथा क्योटो यूनिवर्सिटी का एक प्रतिनिधिमंडल, जिसमें जेएसटी के निदेशक डॉ. ताकाशी कोनिशी, क्योटो विश्वविद्यालय में आईएन-सीबीआई के प्रमुख प्रो. गणेश पांडियन नामसिवायम, जेएसटी के वरिष्ठ स्टॉफ श्री तोशिमासा मात्सुमोतो और जेएसटी के सकुरा विज्ञान कार्यक्रम मुख्यालय के वरिष्ठ स्टॉफ श्री शिन तामकी शामिल थे।

प्रो. श्रेयस कुमार, टेक्सास ए एंड एम यूनिवर्सिटी, यूएसए का दौरा

प्रो. श्रेयस कुमार के साथ एक दिलचस्प वार्ता हुई। चर्चा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, डेटा साइंस, साइबर सुरक्षा एवं दूरसंचार जैसे अत्याधुनिक क्षेत्रों में अनुसंधान सहयोग को बढ़ाने पर केंद्रित थीं।

दोनों संस्थानों ने संयुक्त परियोजनाओं को बढ़ावा देने के लिए दृढ़ प्रतिबद्धता व्यक्त की जिसका उद्देश्य नवाचार को बढ़ावा देना एवं एक स्थायी वैश्विक प्रभाव उत्पन्न करना है।

इंडो-फ्रेंच सेंटर फॉर द प्रमोशन ऑफ एडवांस्ड रिसर्च (आईएफसीपीएआर/सीईएफआईपीआरए) के निदेशक डॉ. नितिन सेठ का दौरा

टेक्सास यूनिवर्सिटी, अर्लिंग्टन, यूएसए के साथ साझेदारी

टेक्सास यूनिवर्सिटी, अर्लिंग्टन, यूएसए के मास्टर्स स्टडीज के निदेशक प्रोफेसर सुभाष सी. सिंघल ने दोनों प्रतिष्ठित संस्थानों के बीच सहयोग के अवसरों को बढाने पर चर्चा की।

कर्टिन यूनिवर्सिटी, ऑस्ट्रेलिया के साथ सहयोग को बढ़ावा देना

कर्टिन यूनिवर्सिटी, ऑस्ट्रेलिया के विज्ञान एवं अभियांत्रिकी के प्रोफ़ेसर विष्णु पारीक, प्रतिष्ठित प्रोफेसर जॉन कर्टिन, एवं प्रोफेसर जोनाथन पैक्समैन।

लीडेन यूनिवर्सिटी, नीदरलैंड और टेक्निकल यूनिवर्सिटी ऑफ म्यूनिख, जर्मनी के प्रतिनिधिमंडल का दौरा

लीडेन यूनिवर्सिटी, नीदरलैंड के डॉ. आकृति सक्सेना एवं टेक्निकल यूनिवर्सिटी ऑफ म्यूनिख के कैटालिसिस रिसर्च सेंटर के समूह नेता डॉ. रचित खरे सहित एक प्रतिनिधिमंडल ने साझेदार यूनिवर्सिटी के साथ सहयोग के अवसरों, विशेष रूप से अनुसंधान और शैक्षणिक आदान-प्रदान पर ध्यान केंद्रित किया।

भारत-यूके एसपीएआरसी कार्यशाला हेतु यूनिवर्सिटी ऑफ स्ट्रैथक्लाइड, यूके के प्रतिनिधिमंडल का दौरा।

प्रोफेसर सुशांत आनंद, इलिनोइस यूनिवर्सिटी, शिकागो का दौरा

प्रोफेसर आनंद ने रासायनिक अभियांत्रिकी विभाग में एक आकर्षक व्याख्यान दिया, जहां संकाय एवं छात्रों को उनके साथ वार्ता करने का अनूठा अवसर प्राप्त हुआ। सत्र में एक इंटरैक्टिव प्रश्नोत्तर खंड शामिल था, जिसने ज्ञानवर्धक चर्चाओं को बढ़ावा दिया और नवीन विचारों को प्रेरित किया।

मियामी यूनिवर्सिटी, संयुक्त राज्य अमेरिका के प्रतिनिधियों का दौरा

मियामी यूनिवर्सिटी, संयुक्त राज्य अमेरिका के प्रोफेसर प्रतीम बिस्वास, डीन, कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एवं केमिकल, एन्वाइरन्मेन्टल एंड मटिरीअल्स इंजीनियरिंग तथा प्रोफेसर आशुतोष अग्रवाल, बायोमेडिकल इंजीनियरिंग ने आईआईटी रुड़की के रासायनिक अभियांत्रिकी विभाग का दौरा किया।

न्यू साउथ वेल्स यूनिवर्सिटी, यूएनएसडब्ल्यू, सिडनी के साथ नए सहयोग को बढाना

अपनी यात्रा के दौरान, प्रो. जोशी महत्वपूर्ण चर्चाओं में शामिल हुए। बैठक का मुख्य एजेंडा दोनों प्रतिष्ठित संस्थाओं के बीच संभावित सहयोग के अवसरो को तलाशना था। चर्चाएँ उन संभावनाओं और लाभों पर केंद्रित थीं जो ऐसी साझेदारियाँ हमारी संस्थाओं के लिए ला सकती हैं।

ओपन यूनिवर्सिटी, यूके के प्रोफेसर महेश आनंद का आईआर कार्यालय में दौरा

ओसाका मेट्रोपॉलिटन यूनिवर्सिटी, जापान के साथ सहयोग के नए आयाम

प्रोफेसर मासाकाजु इवामुरा, ओसाका मेट्रोपॉलिटन यूनिवर्सिटी, जापान के ग्रेजुएट स्कूल ऑफ इंफॉर्मैटिक्स के कोर इंफॉर्मैटिक्स विभाग के सह प्रोफेसर ने सहयोग के अवसरों की खोज के लिए दौरा किया।

सीएनआरएस, फ्रांस के अनुसंधान निदेशक डॉ. श्रीनिवास वी कावेरी का दौरा

जापान सोसायटी ऑफ एप्लाइड फिजिक्स, टोक्यो, जापान के निदेशक डॉ. डैनियल मोरारु का दौरा।

जापान के प्रतिनिधिमंडल का दौरा

प्रतिष्ठित आगंतुकों में शामिल थे:

- प्रोफेसर तत्सुया इशिकावा, होक्काइडो विश्वविद्यालय
- प्रोफेसर कज़ुनारी साको, कागोशिमा विश्वविद्यालय
- प्रोफेसर कासामा कियोनोबु, क्यूशू विश्वविद्यालय

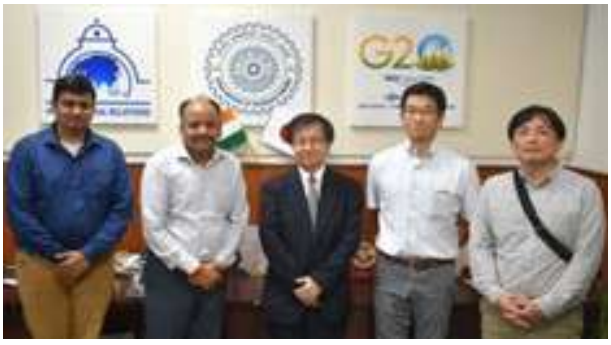

सर्बिया के प्रतिनिधिमंडल का दौरा

माइनिंग एंड मेटलर्जी इनस्यूट बोर और बेलग्रेड यूनिवर्सिटी, सर्बिया के प्रतिनिधिमंडल का दौरा। प्रतिनिधिमंडल में शामिल थे:

- डॉ. स्टीवन दिमित्रीजेविक,
- डॉ. सिलवाना बी दिमित्रीजेविक,
- डॉ. अलेक्ज़ेंड्रा इवानोविक,
- श्रीना मैग्डालिनोविच

क्वीन्स यूनिवर्सिटी, कनाडा के प्रतिनिधिमंडल का दौरा

यॉर्क यूनिवर्सिटी, यू.के. के प्रो. एंड्रेई एंड्रेयेव का दौरा।

यूनिवर्सिटी ऑफ क्वींसलैंड, ऑस्ट्रेलिया के इंस्टीट्यूट फॉर मॉलिक्यूलर बायोसाइंस की फैकल्टी डॉ. ज़ायटा ज़ियोरा का दौरा।

उन्होंने पर्यावरणीय स्थिरता, अपशिष्ट जल उपचार, और हरित भविष्य के लिए नवाचार समाधानों सहित वैश्विक चुनौतियों पर चर्चा की।

टेक्निकल यूनिवर्सिटी ड्रेसडेन, जर्मनी के ग्लोबल वाटर एंड क्लाइमट ऐडप्टेशन सेंटर के समन्वयक डॉ. फिरास अलजानबी का दौरा

डॉ. अलजानबी ने दोनो संस्थानों के बीच संभावित सहयोग एवं शैक्षणिक आदान-प्रदान को बढाने पर गहन चर्चा की।

डॉ. एलेना पावल्युकोवा, प्रमुख, मेडिकल फिजिक्स, रसियन अकादमी ऑफ साइंस, रूस का दौरा

एम्सटर्डम यूनिवर्सिटी मेडिकल सेंटर, नीदरलैंड के प्रो. हरि एस. शर्मा का दौरा

टेक्सास ए एंड एम यूनिवर्सिटी, यूएसए के प्रोफेसर श्रेयस कुमार का दौरा

दोनों संस्थानों के बीच संभावित सहयोग एवं शैक्षणिक आदान-प्रदान पर चर्चा।

कैलगरी यूनिवर्सिटी, कनाडा के प्रोफेसर गोपाल अचारी का दौरा

यूओसी एवं आईआईटी रुड़की के बीच सहयोग को बढ़ावा देने हेतु।

गाइडलाइन जियो, यूएसए के श्री पेर वेस्टहोम का दौरा

आर्कटिक यूनिवर्सिटी, नॉर्वे के यूआईटी के प्रो. एनेट बेयर का दौरा

मेमोरियल यूनिवर्सिटी ऑफ न्यूफाउंडलैंड, कनाडा के प्रोफेसर कपिल तहलान का दौरा, जापान के क्योटो यूनिवर्सिटी के प्रतिनिधिमंडल का दौरा

जापान के प्रतिनिधिमंडल ने क्योटो यूनिवर्सिटी, जापान एवं आईआईटी रुड़की के बीच सहयोग को बढ़ावा देने हेतु आईआईटी रुड़की का दौरा किया।

फ्रांसीसी संस्थान एवं फ्रांसीसी दूतावास के डॉ. डिडिएर रबोइसन एवं श्री एमेरिक वो क्वांग का दौरा

अंतरराष्ट्रीय दौरा

आईआईटी रुड़की के प्रतिनिधिमंडल ने नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर, सिंगापुर का दौरा किया

यह दौरा शैक्षणिक एवं अनुसंधान सहयोग के नए रास्ते तलाशने के लिए किया। टीम ने विभिन्न विभागों के प्रतिष्ठित संकाय सदस्यों के साथ सस्टैनबल टेक्नोलॉजी, एनर्जी स्टॉरेज, सिविल इंजीनियरिंग और एडवांस मटीरियल जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की।

आईआईटी रुड़की के प्रतिनिधिमंडल द्वारा एसयूटीडी सिंगापुर यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नॉलोजी एंड डिजाइन, सिंगापुर का दौरा

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रुड़की के एक प्रतिनिधिमंडल ने हाल ही में शिक्षा और अनुसंधान में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देने हेतु एसयूटीडी सिंगापुर यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नॉलोजी एंड डिजाइन का दौरा किया।

आईआईटी रुड़की के प्रतिनिधिमंडल ने सिंगापुर स्थित भारतीय उच्चायोग के साथ बैठक की

अंतर्राष्ट्रीय शैक्षणिक एवं अनुसंधान सहयोग को बढ़ावा देने, तकनीकी नवाचार को बढ़ाने एवं सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देने पर चर्चा हुई।

आईआईटी रुड़की ने सिंगापुर की विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं अनुसंधान एजेंसी (A*STAR) के साथ अनुसंधान सहयोग को और मजबूत किया

अनुसंधान सहयोग एवं तकनीकी नवाचार के नए रास्ते तलाशने के लिए।

आईआईटी रुड़की के प्रतिनिधिमंडल ने टेक्नीश यूनिवर्सिटेट बर्लिन, जर्मनी का दौरा किया

आईआईटी रुड़की के प्रतिनिधिमंडल ने शैक्षणिक एवं अनुसंधान सहयोग की संभावनाओं को बढाने एवं उसे मजबूत करने के लिए टीयू बर्लिन, जर्मनी का दौरा किया।

वैश्विक साझेदारी को मजबूत करना: आईआईटी रुड़की के प्रतिनिधिमंडल द्वारा जर्मनी का दौरा।

आईआईटी रुड़की के प्रतिनिधिमंडल ने पोट्सडैम यूनिवर्सिटी, जर्मनी का दौरा किया

दोनों संस्थानों के बीच दीर्घकालिक सहयोग हेतु एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

आसियान के साथ संबंधों को मजबूत करना: सहयोग की दिशा में एक कदम

चर्चा का केंद्र शैक्षणिक एवं अनुसंधान सहयोग को सुदृढ़ करना एवं आसियान देशों के आम लोगों के लिए प्रभावशाली परियोजनाओं की शुरुआत करना था। श्री खोबरागड़े के मूल्यवान विचार एवं समर्थन से आईआईटी रुड़की के आसियान के शीर्ष शैक्षणिक संस्थानों के साथ संबंधों में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

यूपीएम इंटरनेशनल वीक, मैड्रिड, स्पेन

सप्ताह भर चलने वाले इस कार्यक्रम ने अंतर्राष्ट्रीय प्रतिभागियों को शैक्षणिक और सांस्कृतिक आदान-प्रदान में शामिल होने और वैश्विक सहयोग को बढ़ावा देने के लिए एक मंच प्रदान किया।

आईआईटी रुड़की के प्रतिनिधिमंडल ने उज्बेकिस्तान के ताशकंद में भारतीय दूतावास का दौरा किया

आईआईटी रुड़की के प्रतिनिधिमंडल ने ट्वेंटे यूनिवर्सिटी, नीदरलैंड का दौरा किया

वैज्ञानिक सहयोग बढ़ाने एवं संयुक्त अनुसंधान पहल को आगे बढ़ाने पर चर्चा की।

आईआर के अन्य गतिविधियों पर दृष्टिकोण

आईआईटी रुड़की ने उच्च शिक्षा के अंतर्राष्ट्रीयकरण पर नीति आयोग की कार्यशाला में योगदान दिया

कार्यशाला ने वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने, पाठ्यक्रम मानकों में सुधार करने एवं प्रभावशाली अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देने के लिए रणनीतियों की खोज करके भारत के उच्च शिक्षा पारितंत्र को आगे बढ़ाने में एक मंच के रूप में कार्य किया।

सिंगापुर में आईआईटी रुड़की के एलुमनी मीट– संपर्क, सहयोग एवं भविष्य के प्रयासों का समारोह

आईआईटीआर के वैश्विक समुदाय को एक साथ लाकर संपर्क एवं सहयोग की एक शाम का आयोजन। इस कार्यक्रम में आईआईटी रुड़की के प्रतिनिधिमंडल ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

आईआईटी रुड़की के आईआर कार्यालय द्वारा आसियान डीआईए शिखर सम्मेलन 2025 का आयोजन

इस प्रतिष्ठित कार्यक्रम में म्यांमार, इंडोनेशिया, मलेशिया, फिलीपींस, सिंगापुर, थाईलैंड एवं वियतनाम सहित आसियान देशों के छात्र शामिल हुए। इस शिखर सम्मेलन का उद्देश्य आसियान छात्रों एवं भारत के बीच शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देना था।

हेरिटेज नेटवर्क महासभा 2024 का आयोजन आईआर कार्यालय द्वारा किया गया।

इस सभा को साझा लक्ष्यों, सहयोग की प्रेरणा और नवाचार व हेरिटेज नेटवर्क के मिशन को समर्थन देने की दृष्टि ने संचालित किया, जो महाद्वीपों में शिक्षा और अनुसंधान सहयोग को बढ़ावा देता है। हेरिटेज नेटवर्क का व्यापक दृष्टिकोण उच्च शिक्षा सहयोग (अनुसंधान और प्रशिक्षण) को सुदृढ़ करना, भागीदार संस्थानों के बीच शैक्षणिक और अनुसंधान आदान-प्रदान को विकसित करना, और यूरोप व भारत के बीच अभियांत्रिकी, विज्ञान, डिजाइन एवं प्रौद्योगिकी में उच्च-स्तरीय शैक्षिक कार्यक्रमों को बढ़ावा देना था।

बाहर जाने वाले छात्र

आईआईटी रुड़की छात्रों को अंतर्राष्ट्रीय एक्सचेंज प्रोग्राम के अवसरों का लाभ उठाने के लिए सक्रिय रूप से प्रोत्साहित करता है और विदेशों में शैक्षणिक या इंटर्नशिप के अनुभवों के लिए सहायता प्रदान करता है। सेमेस्टर एक्सचेंज संबंधी दिशानिर्देश अंतर्राष्ट्रीय संबंध कार्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं। संस्थान इन कार्यक्रमों में भाग लेने वाले स्नातक एवं स्नातकोत्तर छात्रों हेतु सरल क्रेडिट स्थानांतरण की सुविधा प्रदान करता है। आधिकारिक अधिसूचनाओं के अनुसार, यह विदेशों में शोध करते समय छात्रों को अपनी फ़ेलोशिप या असिस्टेंटशिप बनाए रखने में भी सहायता प्रदान करता है। आईआर कार्यालय द्वारा अधिसूचित एक्सचेंज प्रोग्राम में आवेदनों की जाँच एवं नामांकन विभागीय अनुमोदन की एक संरचित प्रक्रिया द्वारा की जाती है। कुछ मामलों में, छात्र अंतर्राष्ट्रीय संबंध कार्यालय को शामिल किए बिना सीधे कार्यक्रमों के लिए आवेदन कर सकते हैं। यह सुव्यवस्थित एवं छात्र-अनुकूल दृष्टिकोण, छात्रों के वैश्विक अनुभव को बढ़ावा देने और तेजी से परस्पर जुड़ती दुनिया में अपने छात्रों की शैक्षणिक यात्रा को बढ़ाने में आईआईटी रुड़की के समर्पण को दर्शाता है।

शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के दौरान एक्सचेंज प्रोग्राम (एमओयू के तहत) में छात्रों की भागीदारी:

क्रम. सं.	विश्वविद्यालय का नाम	छात्रों/कार्यक्रमों की संख्या
1	टेक्निकल यूनिवर्सिटी म्यूनिख	2
2	टेक्निकल यूनिवर्सिटी ड्रेसडेन	1
3	मैक्स डेलब्रुक सेंटर बर्लिन	1
4	टेक्निकल यूनिवर्सिटी बर्लिन	1
5	टेक्निकल यूनिवर्सिटी ब्राउनश्विक	1
6	कार्ल्सरुहे इंस्टीट्यूट ऑफ	1
7	लाइबनिज़ यूनिवर्सिटी हनोवर	1
8	हेल्महोल्ट्ज़ इंस्टीट्यूट फॉर फार्मास्युटिकल रिसर्च सारलैंड	1
9	स्टटगार्ट यूनिवर्सिटी	1
10	सोरबोन यूनिवर्सिटी, फ्रांस	1
11	द ऑस्ट्रेलियाई नेशनल यूनिवर्सिटी	4
12	एचएसएलयू	8
13	टेक्नीश यूनिवर्सिटैट ड्रेसडेन	7
14	टेक्नीश यूनिवर्सिटैट डार्मस्टेड	2
15	लीबनिज यूनिवर्सिटैट हनोवर	2
16	आरडब्ल्यूटीएच आचेन यूनिवर्सिटी	2
17	एनटीएचयू	1
18	क्वींस यूनिवर्सिटी, किंग्स्टन	1
19	बर्मिंघम यूनिवर्सिटी	1
20	हेरियट-वाट यूनिवर्सिटी, एडिनबर्ग, यूनाइटेड किंगडम	1
21	एडवांस टेक्नोलॉजी इंस्टीट्यूट सरे यूनिवर्सिटी, यूनाइटेड किंगडम	1
22	अल्बर्टा यूनिवर्सिटी	2
23	क्योटो यूनिवर्सिटी	2
24	होचस्चुले लुज़र्न	3
25	एनवाईसीयू, ताइवान	4
26	ईएसटीपी	1
27	जियोफोर्सचुंग्सजेंट्रम (जीएफजेड) पॉट्सडैम, जर्मनी	1
28	लीपज़िग यूनिवर्सिटी	1
29	टीयूएम, जर्मनी	6
	टेक्नीश यूनिवर्सिटैट ड्रेसडेन	1
30	एरिज़ोना स्टेट यूनिवर्सिटी	3
31	येल यूनिवर्सिटी	1
32	आईएनएसएआईटी, सोफिया यूनिवर्सिटी	1
33	कैलगरी यूनिवर्सिटी	1
34	अल्बर्टा यूनिवर्सिटी	1
35	यूनिवर्सिटी डी मोंटपेलियर, फ्रांस	1

2024-25 वित्तीय वर्ष के दौरान, आईआईटी रुड़की ने नेपाल, तंजानिया, सीरिया, इथियोपिया, बांग्लादेश, सूडान, श्रीलंका, म्यांमार, इंडोनेशिया, फ्रांस आदि सहित विभिन्न देशों के 132 अंतर्राष्ट्रीय छात्रों का स्वागत किया। ये छात्र विभिन्न शैक्षणिक क्षेत्रों से संस्थान में शामिल हुए हैं जैसे कोर्सवर्क में शामिल होना, नवीन परियोजना कार्य करना, उन्नत स्नातकोत्तर अध्ययन करना एवं पीएचडी में शोध करना। उनकी उपस्थिति शैक्षणिक वातावरण को समृद्ध बनाती है, विचारों, संस्कृतियों और विशेषज्ञता के गतिशील आदान-प्रदान को बढ़ावा देती है, जिससे आईआईटी रुड़की का वैश्विक शैक्षणिक समुदाय और समृद्ध होता है।

संसाधन एवं पूर्व छात्र मामलें

कुलशासक, संसाधन एवं पूर्व छात्र मामलें (डोरा) कार्यालय पूर्व छात्रों, विद्यार्थियों एवं आईआईटी रुड़की के बीच संबंधों को बढ़ावा देने एवं सुदृढ़ करने हेतु समर्पित है, जो एक महत्वपूर्ण "स्वर्ण त्रिभुज" बनाता है। इसे प्राप्त करने हेतु, डोरा कार्यालय पूर्व छात्रों के साथ मिलकर आईआईटी रुड़की में विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम एवं पहले आयोजित करता है, जिससे पूर्व छात्रों का संस्थान के साथ संबंध और मजूबत हो सके। कार्यालय दानदाताओं एवं कॉर्पोरेट भागीदारों से वित्तीय सहायता प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। दान और सीएसआर फंडिंग के माध्यम से, डोरा आईआईटी रुड़की में कई शैक्षणिक, शोध और विकासात्मक परियोजनाओं को सुविधाजनक बनाता है, जो संस्थान के विकास एवं उत्कृष्टता में योगदान देता है। वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान, आईआईटी रुड़की को कुल 31,18,52,369.05 रुपये का दान प्राप्त हुआ। संस्थान अपने पूर्व छात्रों एवं शुभचिंतकों के प्रति उनके अटूट समर्थन एवं योगदान के लिए हार्दिक आभार व्यक्त करता है। वर्ष के प्रमुख दानदाताओं में पावर ग्रिड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (सीएसआर के तहत), 1999 बैच के पूर्व छात्र, 1996 बैच के पूर्व छात्र और श्री संदीप गर्ग सहित कई अन्य लोग शामिल थे। उपरोक्त के अनुरुप, 2024-25 के दौरान की गई गतिविधियों की कुछ मुख्य बातें इस प्रकार है:

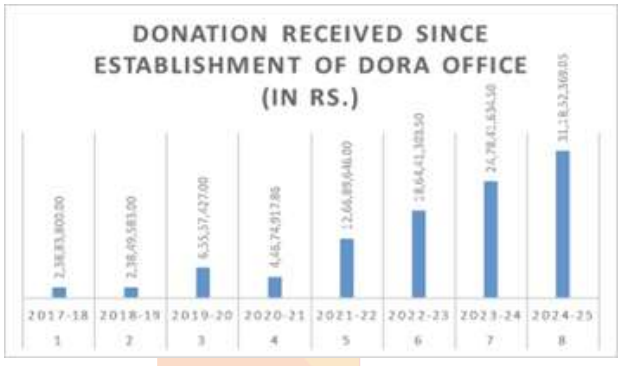

Graphical representation of fund-raised progress with year:

वित्त वर्ष 2023-2024 में हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापनों का विवरण

अ- व्यक्तिगत/बैच दान से प्राप्त दान से स्थापित निगम:

- 1996 बैच डोनेशन
- डॉ. सुब्रत रे लैक्चर सिरीज़
- श्रीमती सत्या मोहन एमसीएम छात्रवृति
- धीरा वर्मा मेमोरियल छात्रवृति
- श्रमण छात्रवृति
- सर्वाधिक उत्कृष्ट महिला उपलब्धि हेतु सुरभि मेमोरियल स्वर्ण पदक
- स्वर्गीय श्रीमती प्रकाश वती सिंघल छात्रवृति
- श्रीमती मिथिलेश सिंघल छात्रवृति
- पर्यावरण में शोध हेतु हरि वैश गोमती देवी पुरस्कार
- जल प्रबंधन में शोध हेतु हरि वैश गोमती देवी पुरस्कार
- सुजाता वार्ष्णेय स्वर्ण पदक
- आईआईटीआर के फुटबॉल एंव हॉकी मैदान के भूमिगत स्प्रिंकलर सिस्टम का नवीनीकरण
- एचएम और ईबी रॉबी एमसीएम छात्रवृत्ति
- द्वितीय वर्ष के छात्रों हेतु मधु गोयल सर्वांगीण उत्कृष्टता पुरस्कार
- स्नातक छात्रों के बीच मधु गोयल सर्वांगीण उत्कृष्टता पुरस्कार
- यूओआर64 बी.ई. एएनयू यूओआर66 बी.आर्क. स्कॉच
- आनंद मंगल उत्कृष्ट प्रशासनिक कर्मचारी पुरुष समूह ब और स पुरस्कार
- एनसी सक्सेना स्वर्ण पदक
- बैच में सर्वश्रेष्ठ ऑलराउंडर हेतु श्री राकेश राय पुरस्कार
- क्लास ऑफ 1999- वित्तीय सहायता
- डीएस/एआई में बी.टेक में सर्वश्रेष्ठ छात्र हेतु श्रेयस कुमार स्वर्ण

पदक
- रसायन अभियांत्रिकी हेतु स्वर्गीय श्री सोहन लाल पुरस्कार
- पेपर टेक्नोलॉजी हेतु स्वर्गीय श्रीमती कमला देवी पुरस्कार
- पॉलिमर एवं प्रोसेस अभियांत्रिकी हेतु स्वर्गीय श्रीमती स्नेह लता गुप्ता पुरस्कार
- योगेश और इंदु कंसल वित्तीय सहायता
- वाद-विवाद की विभिन्न विधाओं में सर्वश्रेष्ठ छात्र
- सर्वश्रेष्ठ ऑल-राउंड खिलाड़ी हेतु अंबुज कुमार ट्रॉफी
- आईआईटी रुड़की के विकास हेतु योगदान
- श्याम पुष्प वित्तीय सहायता
- यांत्रिक अभियांत्रिकी हेतु पीडी अग्रवाल स्वर्ण पदक
- सांस्कृतिक उत्कृष्टता हेतु आशुप्रिया झा पुरस्कार
- विवा गौड़ मेमोरियल इंटर्नशिप
- अस्मिता हेतु दान
- रमेश कुमार शर्मा वित्तीय सहायता
- डॉ. रीता गुप्ता WiSTEM पूर्ण शुल्क माफ़
- रामकली (लाला दाई) एमसीएम छात्रवृत्ति
- डॉ. अजीत सिंघवी सम्मेलन कक्ष
- एलुमनि 87
- अल्फा ग्रेप छात्रवृत्ति कार्यक्रम:
- सामाजिक सेवाओं में उत्कृष्टता हेतु पंडित शिव दयाल सिंह मेमोरियल पुरस्कार
- स्वर्गीय श्री वीरेंद्र कुमार मित्तल मेमोरियल वित्तीय सहायता
- रघु नाथ प्रसाद चतुर्वेदी स्मृति पुरस्कार
- कुलभूषण स्वरूप रायज़ादा छात्रवृत्ति
- परिशिष्ट- कृष्ण गोपाल गर्ग पुरस्कार
- अजीत सिंह यादव स्मृति पुरस्कार

ब- सीएसआर अंशदान के अंतर्गत संगठनों से प्राप्त दान: -

- ब्रिजकॉन लैब
- फार्माफिलिएट्स रिसर्च स्टाइपेंड एंड एक्सीलेंस अवार्ड
- पावर ग्रिड सेंटर ऑफ एक्सीलेंस
- आईआईटी रुड़की हाफ-मैराथन के ट्रॉफी एवं पदक के लिए फार्माफिलिएट्स का योगदान
- होरिबा टैलेंट हंट छात्रवृति
- सस्टेनेबल फार्मिंग हेतु होरिबा फंडिंग
- एआई. टेक. इमर्जिंग स्कॉलर्स कार्यक्रम
- संचार प्रणाली प्रयोगशाला के संवर्धन के लिए दान
- "स्तन और प्रोस्टेट कैंसर के इलाज में उनके उपयोग के लिए एंटीकैंसर अणुओं के रूप में कुछ नए फाइटोकेमिकल प्रेरित सिंथेटिक यौगिकों के परीक्षण" के लिए फार्माफिलिएट्स फंडिंग: प्रकाश व्यवस्था, ध्वनि प्रणाली की स्थापना और ऑडिटोरियम की साज-सज्जा और सीसीटीवी कैमरे की स्थापना
- एएडी आईआईटी रुड़की के विभिन्न उद्देश्यों हेतु समझौता ज्ञापन
- एआईईएसकेवाई एडवाइजरी एंड कंसल्टेंसी सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड के साथ समझौता ज्ञापन
- नेशनल हाई-स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के साथ परिशिष्ठ समझौता ज्ञापन
- नेशनल हाई-स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड के साथ दूसरा परिशिष्ठ समझौता ज्ञापन
- डीएमआई हाउसिंग फाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड के साथ परिशिष्ठ समझौता ज्ञापन

वित्त वर्ष 2024-25 में प्राप्त दान:

- पावरग्रिड सेंटर ऑफ एक्सीलेंस
- आईआईटी रुड़की के विकास हेतु अनुदान
- 1996 बैच डोनेशन
- श्याम पुष्प वित्तीय सहायता
- विभिन्न छात्रवृत्तियाँ
- 1998 बैच द्वारा क्लास गिफ्ट
- एआई. टेक. इमर्जिंग स्कॉलर्स कार्यक्रम
- आईआईटी रुड़की के इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी विभाग के प्रयोगशालाओं का उन्नयन
- पी के कापसे औडिटोरियम
- इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी विभाग की संचार प्रणाली प्रयोगशाला का संवर्धन
- होरिबा टैलेंट हंट स्कॉलरशिप
- क्लास ऑफ 1999 - वित्तीय सहायता
- सांस्कृतिक उत्कृष्टता हेतु अशुप्रिया झा पुरस्कार

- नेशनल हाई स्पीड रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एनएचएसआरसी), नई दिल्ली द्वारा एएडी के लिए भवन निधि
- योगेश एवं इंदु कंसल वित्तीय सहायता
- हरि वैश गोमती देवी पुरस्कार
- "स्तन और प्रोस्टेट कैंसर के इलाज में उनके उपयोग के लिए एंटीकैंसर अणुओं के रूप में कुछ नए फाइटोकेमिकल प्रेरित सिंथेटिक यौगिकों के परीक्षण" के लिए फार्माफिलिएट्स फंडिंग: प्रकाश व्यवस्था, ध्वनि प्रणाली की स्थापना और ऑडिटोरियम की साज-सज्जा और सीसीटीवी कैमरे की स्थापना
- आईआईटी रुड़की में सतत अपशिष्ट प्रबंधन पहल
- यूओआर64 बी.ई. एंव यूओआर66 बी.आर्क. छात्रवृत्ति
- जानपद अभियांत्रिकी में सबसे उत्कृष्ट महिला अचीवर हेतु सुरभि मेमोरियल गोल्ड मेडल
- बैच में सर्वश्रेष्ठ ऑल-राउंडर हेतु श्री राकेश राय पुरस्कार
- पीडी अग्रवाल स्वर्ण पदक
- रमेश कुमार शर्मा वित्तीय सहायता
- कृष्ण गोपाल गर्ग पुरस्कार
- आनंद मंगल उत्कृष्ट प्रशासनिक पुरुष कर्मचारी ग्रुप ब और स ऑफ द ईयर पुरस्कार
- कॉटले भवन का नवीनीकरण
- शरमन फाउंडेशन छात्रवृत्ति
- वाद-विवाद की विभिन्न विधाओं में सर्वश्रेष्ठ छात्र
- श्रीमती सत्य मोहन एमसीएम छात्रवृत्ति
- ए के गोयल ग्रीन एनर्जी पुरस्कार एवं स्वर्ण पदक
- अल्फाग्रेप छात्रवृत्ति कार्यक्रम
- स्वर्गीय श्रीमती प्रकाश वती सिंघल छात्रवृत्ति
- श्रीमती मिथिलेश सिंघल छात्रवृत्ति
- एनसी सक्सेना स्वर्ण पदक
- सुजाता वार्ष्णेय स्वर्ण पदक
- आईआईटीआर के फुटबॉल एंव हॉकी मैदान के भूमिगत स्प्रिंकलर सिस्टम का नवीनीकरण
- अनुश्रुति अकादमी हेतु परियोजना निधि
- मधु गोयल ओलराउंडर एक्सलेन्स पुरस्कार
- सर्वश्रेष्ठ ऑल-राउंड खिलाड़ी हेतु अंबुज कुमार ट्रॉफी
- विवा गौड़ मेमोरियल इंटर्नशिप
- डॉ. अजीत सिंघवी सम्मेलन कक्ष
- मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान में प्रो. (श्रीमती) पूनम सागर पुरस्कार
- रामकली (लाला दाई) एमसीएम छात्रवृत्ति
- फार्माफिलिएट्स रिसर्च स्टाइपेंड एंड एक्सीलेंस अवार्ड
- 1983 बैच द्वारा प्रायोजित व्यावसायिक विकास और नवाचार पुरस्कार
- दुर्गा पुरस्कार नकद पुरस्कार
- रसायन अभियांत्रिकी हेतु स्वर्गीय श्री सोहन लाल पुरस्कार
- प्लप एवं पेपर टेक्नोलॉजी हेतु स्वर्गीय श्रीमती कमला देवी पुरस्कार
- पॉलिमर एवं प्रोसेस अभियांत्रिकी हेतु स्वर्गीय श्रीमती स्नेह लता गुप्ता पुरस्कार
- सस्टेनेबल फार्मिंग हेतु होरिबा फंडिंग
- एचएम और ईबी रॉबी एमसीएम
- प्रो. सुब्रत रे एंडोमेंट व्याख्यान श्रृंखला
- सरोजि नीटीस फॉर सरोजि नीटीस- मेरिट कम मीन्स छात्रवृत्ति
- अरविंद कुमार जैन एमसीएम छात्रवृत्ति
- श्रीमती दर्शन नारंग मेमोरियल मेरिट कम मीन्स छात्रवृत्ति
- आदर्श कुमार प्रधान एमसीएम छात्रवृत्ति
- अम्बा प्रसाद कलावती मेमोरियल नकद पुरस्कार
- श्रीमती एवं श्री बलवंत सिंह छात्रवृत्ति
- अजीत सिंह यादव स्मृति पुरस्कार
- पर्यावरण अभियांत्रिकी में प्रो. सी.एल. तोशनीवाल पुरस्कार
- इंजीनियर रविंद्र नाथ चतुर्वेदी छात्रवृति
- आईआईटी रुड़की हाफ-मैराथन के ट्रॉफी एवं मेडल हेतु फार्माफिलिएट्स का योगदान
- अस्मिता हेतु दान (1998 बैच द्वारा क्लास गिफ्ट)
- अनुश्रुति अकादमी
- श्री लक्ष्मी संपत एवं श्रीमती श्री आयंगर छात्रवृत्ति
- जनरल कॉर्पस
- 1960 बैच की ब्लू सैफायर जुबली
- पर्यावरण अभियांत्रिकी में उत्कृष्टता हेतु प्रो. (श्रीमती) रेणु भार्गव नकद पुरस्कार
- बीटेक डीएस/एआई में सर्वश्रेष्ठ स्नातक छात्र हेतु श्रेयस कुमार स्वर्ण पदक

शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार की योजनाएं

संस्थान ने निम्नलिखित योजनाओं के तहत वर्ष 2024-25 के दौरान आईआईटीआर के छात्रों और शिक्षकों की संख्या में वृद्धि की योजना बनाई है :

कार्यक्रम/ योजना	उत्तम अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन	अंतरराष्ट्रीय शोध इंटर्नशिप हेतु छात्रों को यात्रा सुविधा	विदेशी संस्थानों के भ्रमण के लिए आईआईटीआर के छात्रों का सहायता	विदेश में संस्थानों के भ्रमण के लिए शिक्षकों को सहायता	विदेशी संस्थानों के शिक्षकों शोधकर्ताओं और छात्रों की सहायता
बीटेक/बीआर्क	01	01	04	-	-
बीएस-एमएस	-	-	02	-	-
एम. टेक	-	-	-	-	-
एम. आर्क	-	-	-	-	-
एम.एससी.	-	01	01	-	-
एमआईएम	-	-	-	-	-
पीएच.डी.	94	-	01	-	-
आईएमटी	-	01	-	-	-
आईडीडी	-	-	-	-	-
शोधकर्ता	-	-	-	-	-
शिक्षक	-	-	-	-	01
कुल	95	03	08	-	01

एंडोमेंट लेक्चर सीरिज :-

अलग-अलग विभागों में व्याख्यानमाला का आयोजन किया गया है, जिनमें से कुछ इस प्रकार हैं — एम.एल. कपूर धर्मार्थ व्याख्यानमाला, प्रो. जी.एन. रामचंद्रन मेमोरियल लेक्चर सीरिज, ए. के. कमल मेमोरियल लेक्चर सीरिज, जे. बी. लाल मेमोरियल लेक्चर सीरिज, ओ. डी. थापर मेमोरियल लेक्चर सीरिज और सी. वी. रमन मेमोरियल लेक्चर सीरिज

स्थापना दिवस समारोह

25 नवंबर, 2024 को आईआईटी रुड़की ने अपना 177वां स्थापना दिवस मनाया। स्थापना दिवस के अवसर पर, डोरा कार्यालय ने अपने पूर्व छात्रों की उत्कृष्ट उपलब्धियों के सम्मान में विशिष्ट पूर्व छात्र पुरस्कार समारोह व विशिष्ट युवा पूर्व छात्र पुरस्कार समारोह का आयोजन किया। संस्थान ने समग्र शिक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को मूर्त रूप देते हुए "भारत का सशक्तीकरण — शिक्षा, नवप्रयोग और सांस्कृतिक विरासत को प्रोत्साहन" कार्यक्रम के साथ बढ़ावा देना जारी रखा।

डीएए, डीवाईएए और ओएसए से सम्मानित लोगों की सूची :

(क) सम्मानित विशिष्ट पूर्व छात्र

- प्रो. भीम सिंह (1977-बीई-इलेक्ट्रिकल), आईआईटी दिल्ली
- प्रो. अयोध्या नाथ तिवारी (1980-एमएससी-भौतिकी),

प्रोफेसर और प्रमुख, एम्पा- स्विस फेडरल लेबोरेटरीज फॉर मैटेरियल साइंस एंड टेक्नोलॉजी, ईटीएच-ज्यूरिख स्विट्जरलैंड

- श्री युवराज मेहरा (1971-बीई-केमिकल), प्रबंध प्रमुख सलाहकार, मेहरा कंसल्टिंग सर्विसेज, मोंटगोमरी, टेक्सास, यूएस
- श्री जी. मधुसूदन रेड्डी (1987-एमई-मैकेनिकल), उत्कृष्ट वैज्ञानिक और निदेशक रक्षा धातुकर्म अनुसंधान प्रयोगशाला, कंचनबाग, हैदराबाद
- श्री संजय कुमार अग्रवाल (1987-बीई-ईसीई), अध्यक्ष केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड
- श्री विकास कुमार (1987-बीई-इलेक्ट्रिकल), प्रबंध निदेशक, दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड
- श्री आनंद राममूर्ति (1996-बीई-धातुकर्म और पदार्थ इंजीनियरिंग), प्रबंध निदेशक और उपाध्यक्ष, माइक्रोन इंडिया
- श्री संदीप गर्ग (1981-बीई-इलेक्ट्रिकल), वेलस्पन एंटरप्राइजेज लिमिटेड में सीईओ और प्रबंध निदेशक।
- श्री रवि कांत गुप्ता (1981-बीई-सिविल), सीईओ और एमडी ब्रिजकॉन सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली
- श्री सुनील गोयल (1989-बीई-ईएंडसी), सोपरा स्टेरिया इंडिया में उप सीईओ और सोपरा बैंकिंग सॉफ्टवेयर इंडिया में सीईओ

(ख) सम्मानित पुरस्कार प्राप्त युवा पूर्व छात्र (डीवाईएए) :

- श्री पुनीत जग्गी (2010-बीटेक-केमिकल), संस्थापक, प्रेसिंटो टेक्नोलॉजीज, पुणे और सह-संस्थापक, जेनसोल ग्रुप, अहमदाबाद।
- श्री सौरभ गुप्ता (2016-बीटेक-मेटलर्जिकल एंड मैटेरियल इंजीनियरिंग), सीईओ और सह-संस्थापक, स्कीताई, न्यूयॉर्क, यूएसए।
- श्री अभिषेक अग्रवाल (2016-बीटेक-इंडस्ट्रियल), फार्मले, नई दिल्ली में सह-संस्थापक और निदेशक।
- श्री घनश्याम पिलानिया (2007-बीटेक-मेटलर्जिकल एंड मैटेरियल इंजीनियरिंग), मैटेरियल साइंटिस्ट, लॉस एलामोस नेशनल लेबोरेटरी (एलएएनएल), न्यू मैक्सिको, यूएसए।
- सुश्री पूजा देवी (2010-एमटेक-नैनोटेक्नोलॉजी), प्रिंसिपल साइंटिस्ट, सीएसआईआर-सेंट्रल साइंटिफिक इंस्ट्रूमेंट्स ऑर्गनाइजेशन, चंडीगढ़।

(ग) उल्लेखनीय सेवा पुरस्कार विजेता (ओएसए) :

- श्री आदित्य गुप्ता (1974-बीई-मेकैनिकल और 1976-एमई-मशीन डिजाइन), अध्यक्ष, हेरिटेज फाउंडेशन यूएसए, आईआईटीआरएचएफ।
- श्री विवेक के. वर्मा (1983-बीई-इंडस्ट्रियल और 1985-एमई-मेकैनिकल), ग्लोबल सर्विस डिलिवरी इग्जेक्युटिव (ईयू और यूएस), नीलसन ग्लोबल कनेक्ट, शिकागो, यूएसए)

पूर्व छात्र एवं कॉर्पोरेट संपर्क गतिविधियाँ

होरिबा (एचओआरआईबीए) प्रतिभा खोज छात्रवृत्ति समारोह : होरिबा खोज छात्रवृत्ति से कुल 30 छात्रों को सम्मानित किया गया। होरिबा भारत का कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) उपक्रम। जापान के होरिबा, लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी होरिबा इंडिया ने इन छात्रों को उनकी शैक्षणिक उत्कृष्टता के सम्मान में 12 विभिन्न विभागों के एकमुश्त आंशिक शिक्षा शुल्क माफ करवाया। वर्ष 2023 में 'टुगेदर वी ग्रो' थीम के तहत शुरू इस छात्रवृत्ति कार्यक्रम में आईआईटी रुड़की के मेधावी छात्रों को सहायता दी जाती है।

हाईलैब्स एआई क्वेस्ट हैकाथॉन (एआई खोज कार्यक्रम) : हाईलैब्स एआई क्वेस्ट हैकाथॉन : हाईलैब्स अमेरिकी स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में गंदी सामग्री के एआई-संचालित समाधानों का एक अग्रणी

वितरक है। हाईलैब्स एआई क्वेस्ट हैकाथॉन का विकास विशेष रुप से आईआईटी रुड़की के छात्रों के लिए व्यावहारिक समाधानों पर नई खोज करने हेतु किया गया था। यूएस-आधारित पद के लिए दो विजेताओं को हाईलैब्स के साथ नियोजन पूर्व साक्षात्कार का अवसर मिला। एआई क्वेस्ट का आयोजन हाईलैब्स ने डोरा कार्यालय और आईएआरसी (पूर्व छात्र संपर्क संस्थान प्रकोष्ठ/इंस्टिट्यूट एलुमनाई रिलेशंस सेल) के सहयोग से किया।

एलुमनाई जुबिली रीयूनियन एवं गेट-टुगेदर 2024-25 (पूर्व छात्र जयंती पुनर्मिलन और सम्मिलन 2024-25)

- **हीरक जयंती पुनर्मिलन :** 1964 और 1965 (बी. आर्क) बैच का हीरक जयंती पुनर्मिलन। अपने परिवारों के साथ 60 ओजस्वी पूर्व छात्रों ने भाग लिया।

- **माणिक्य जयंती पुनर्मिलन :** वर्ष 1964 और 1965 (बी. आर्क) बैच का माणिक्य जयंती पुनर्मिलन। इस कार्यक्रम में अपने परिवारों के साथ 160 ओजस्वी पूर्व छात्रों ने भाग लिया।

- **रजत जयंती पुनर्मिलन :** वर्ष 1999 और 2000 के रजत जयंती पुनर्मिलन (बी. आर्क) बैच 281 के ओजस्वी पूर्व छात्रों ने अपने परिवारों के साथ भाग लिया।

- **स्वर्ण जयंती पुनर्मिलन :** वर्ष 1974 और 1975 के स्वर्ण जयंती पुनर्मिलन (बी. आर्क) बैच 200 के ओजस्वी पूर्व छात्रों ने अपने परिवारों के साथ भाग लिया।

- **कोरल जुबली रीयूनियन (प्रवाल जयंती पुनर्मिलन) :** वर्ष 1989 और 1990 (बी. आर्क) बैच के कोरल जुबली रीयूनियन में अपने परिवारों के साथ ओजस्वी 155 पूर्व छात्रों ने भाग लिया।

- **पर्ल जुबली रीयूनियन (मौक्तिक जयंती पुनर्मिलन) :** वर्ष 1994 और 1995 का पर्ल जुबली रीयूनियन (बी. आर्क)। अपने परिवारों के साथ 110 ओजस्वी पूर्व छात्रों ने भाग लिया।

- **ब्लू सफायर जुबली रीयूनियन (नील नीलमणि जयंती पुनर्मिलन) :** अपने परिवारों के साथ वर्ष 1960 बैच के 30 ओजस्वी पूर्व छात्रों ने ब्लू सफायर जुबली रीयूनियन (नील नीलमणि जयंती पुनर्मिलन) में भाग लिया।

- **इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग (पीएचडी) का पूर्व छात्र मिलन समारोह :** इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग (पीएचडी) के पूर्व छात्र मिलन समारोह में अपने परिवारों के साथ 35 ओजस्वी पूर्व छात्रों ने भाग लिया।

- **वर्ष 1974 और 1975 बैच के पृथ्वी विज्ञान इंजीनियरिंग का पूर्व छात्र मिलन समारोह :** वर्ष 1974 और 1975 बैच के पृथ्वी विज्ञान इंजीनियरिंग के पूर्व छात्र मिलन समारोह में अपने परिवारों के साथ 30 ओजस्वी पूर्व छात्रों ने भाग लिया।

- **वर्ष 1980 बैच के पूर्व छात्र मिलन समारोह :** वर्ष 1980 बैच के पूर्व छात्र मिलन समारोह में अपने परिवारों के साथ 170 ओजस्वी पूर्व छात्रों ने भाग लिया।

संस्थान पूर्व छात्र संबंध की पहलें (आईएआरसी)

पूर्व और वर्तमान छात्रों के संपर्क को सुदृढ़ करने के साथ-साथ वर्तमान छात्र समुदाय के लिए सार्थक अवसर पैदा करने के उद्देश्य से डोरा (डीओआरए) कार्यालय संस्थान के पूर्व छात्र संपर्क प्रकोष्ठ (आईएआरसी) के साथ मिलकर विभिन्न कार्यक्रमों का संचालन करता है।

आईएआरसी द्वारा आयोजित कार्यक्रम

भावना सोनी (बी. आर्क-2017) के साथ **आस्क मी एनीथिंग**

सार्थक शर्मा (बी.ई.-मेकैनिकल इंजीनियरिंग 2023) के साथ **पूर्व छात्र करियर वार्ता**

मोहित कुमार (आईडीडी-सीएसई-2023) द्वारा **पूर्व छात्र करियर चर्चा**

हरकीरत सिंह (बीटेक-सीएस-2018) द्वारा **पूर्व छात्र करियर चर्चा**

एआई क्वेस्ट हैकाथॉन पुरस्कार वितरण समारोह :

समापन समारोह के अंतिम चरण में प्रवेश करने वाले शीर्ष के 15 फाइनलिस्ट टीमों के विजेताओं की घोषणा की गई और सभी प्रतिभागियों का अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर हाईलैब्स के प्रतिनिधियों ने एक प्रेरक व्याख्यान दिया। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वालों को उनके अभिनव योगदान के लिए विशेष रूप से सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम का एक मुख्य आकर्षण फाइनलिस्ट टीम के सभी सदस्यों को प्री-प्लेसमेंट इंटरव्यू (नियोजन पूर्व साक्षात्कार/पीपीआई) में भाग लेने का अवसर था। इसमें दो छात्रों को संयुक्त राज्य अमेरिका में हाईलैब्स की टीम में शामिल होने का प्रतिष्ठित प्री-प्लेसमेंट ऑफर (पीपीओ) प्राप्त हुआ।

आईएआरसी के अन्य कार्यक्रम

- **मॉक इंटरव्यू (छद्म साक्षात्कार) :-** आईएआरसी के कार्यक्रम में वर्तमान छात्रों का पूर्व छात्रों से संपर्क कराया जाता है और इंटर्नशिप सत्र की तैयारी में उनकी सहायता के लिए मॉक इंटरव्यू का आयोजन किया जाता है। 300 से अधिक छात्र इस मार्गदर्शन और परामर्श का लाभ उठाते हैं।
- **क्लास सांग (कक्षा गीत) :-** आईएआरसी, सिनेसेक और कोरियो क्लब के बीच के इस सहयोगात्मक कार्यक्रम में स्नातक बैच का एक हृदयस्पर्शी मिक्सटेप तैयार किया जाता है। यह छात्रों की आईआईटीआर यात्रा के अनुभव को समेटे एक डिजिटल मेमॉरी के रूप में कार्य करता है। इसे यूट्यूब पर अपलोड कर दिया जाता है।
- **एलुम्नाइ बिगविग्स :-** एक महीने तक चलने वाली प्रश्नोत्तर माला का यह कार्यक्रम आईआईटीआर के समृद्ध इतिहास और उल्लेखनीय पूर्व छात्रों का एक समारोह है। सहभागियों के बीच आमोद-प्रमोद और पहेली-आधारित प्रश्नोत्तर कार्यक्रम का आयोजन होता है, जिसमें विजेताओं को नेटफ्लिक्स सब्स्क्रिप्शन और गूगल प्ले क्रेडिट्स जैसे रोमांचक पुरस्कार प्रदान किए जाते हैं।
- **एलुम्नाइ न्यूज़लेटर :-** यह आईएआरसी की एक मासिक डिजिटल पत्रिका है, जिसमें वर्तमान छात्रों को पूर्व छात्रों की नवीनतम उपलब्धियों, कार्यों, और अवसरों की जानकारी दी जाती है।
- **आर-लैंड मेम्वॉयर्स :-** यह आईआईटी रुड़की की 175 से अधिक वर्षों की विरासत को को एक श्रद्धासुमन का कार्यक्रम है, जिसमें संस्थान के इतिहास और विकास के बारे में आकर्षक और सूचनात्मक संदेश प्रस्तुत किए जाते हैं।

आईआईटी के पूर्व छात्रों का वैश्विक नेटवर्क

समस्त विश्व में भारी संख्या में फैले आईआईटी रुड़की के छात्रों के साथ एक व्यापक संपर्क कायम करने के लिए डोरा कार्यालय उसके पूर्व छात्रों के वैश्विक नेटवर्क को लेकर निरंतर कार्य कर रहा है।

- आईआईटी रुड़की के पूर्व छात्रों के वैश्विक नेटवर्क पर 31.03.2025 तक लगभग 50,000 सत्यापित पूर्व छात्रों के प्रोफाइल बनाने में डोरा कार्यालय सफल रहा है।
- डोरा कार्यालय ने अब तक लगभग 13,998 पूर्व छात्रों को 'आईआईटी रुड़की ग्लोबल एलुम्नाइ कार्ड' जारी किया है। दुनिया भर के पूर्व छात्रों ने इस कार्ड की बड़ी सराहना की है।
- डोरा कार्यालय और पूर्व छात्रों के बीच संवाद नियमित रूप से होता रहता है — पूर्व छात्रों को जन्मदिन की शुभकामनाएँ, त्योहारों-उत्सवों की शुभकामनाएँ और विवाह वर्षगाँठ की शुभकामनाएँ भेजी जाती हैं।
- आईआईटी रुड़की के पूर्व छात्रों और दानदाताओं को कार्यक्रमों व पूर्व छात्रों से संबद्ध समाचारों की नवीनतम जानकारी के लिए डोरा कार्यालय हर माह स्निपेट जारी करता है।
- उपहार के प्रतीक के रूप में दानदाताओं के साथ पुरस्कार प्राप्त करने वाले विजेताओं की तसवीरें और आभार के व्यक्तिगत संदेश साझा किए जाते हैं।
- डोरा वेबसाइट पर 'बुक माई एलुम्नाइ' खंड में नियमित रूप से सुधार करते हुए पूर्व छात्र लेखकों के नवीनतम सहयोगों का उल्लेख किया जाता है। डोरा कार्यालय को पूर्व छात्रों से उनके आलेखों को प्रस्तुत करने के लिए कई अनुरोध प्राप्त हुए हैं, जो उनके अपने संस्थान से जुड़े रहने के उत्साह के परिचायक हैं।
- आईआईटीआरएए कार्यकारी समिति (ईसी) चुनाव 2024-26 : डोरा कार्यालय ने आईआईटी रुड़की पूर्व छात्र संघ (आईआईटीआरएए) की कार्यकारी समिति 2024-2026 के लिए चुनावों का आयोजन सफलतापूर्वक किया है।

आईआईटी रुड़की के कार्यक्रम

केमडे – 2024 :

केमडे के नाम से जाने जाने वाले रसायन विज्ञान विभाग के वार्षिक शोधकर्ता दिवस का 28 नवंबर, 2024 को आयोजन किया गया। इस अवसर पर, प्रो. एम.एल.एन. राव (आईआईटी, कानपुर) और प्रो. सम्राट मुखोपाध्याय (आईआईएसईआर, मोहाली) के विशेषज्ञ व्याख्यानों के अतिरिक्त, विभाग के शोधकर्ताओं ने मौखिक प्रस्तुतियाँ और पोस्टर भी प्रस्तुत किए, जिसके बाद पुरस्कार वितरण और एक आनंदायक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस विभागीय कार्यक्रम में हमारे शोधकर्ताओं की बहुविषयक प्रतिभा का प्रदर्शन किया जाता है और उन्हें परस्पर संवाद व सहयोग का एक मंच प्रदान किया जाता है।

एसएनओएआर 2025 :

आईआईटी रुड़की में 21-22 फरवरी, 2025 को सोसाइटी फॉर नाइट्रिक ऑक्साइड एंड अलाइड रेडिकल्स (SNOAR-2025) के राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में 20 से अधिक प्रतिष्ठित विशेषज्ञों के व्याख्यानों, 30 पोस्टरों और 10 मौखिक व्याख्यानों की प्रस्तुतियों का आयोजन किया गया। सम्मेलन में समस्त भारत के अलग-अलग संस्थानों के लगभग 60 सहभागियों ने भाग लिया।

सीईएफआईपीआरए :

"ब्लैक इज दि न्यू ग्रीन)" विषय पर 15-18 फरवरी 2025 तक प्रायोजित भारत-फ्रांसीसी संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस

संगोष्ठी में नौ फ्रांसीसी प्रतिनिधियों, 20 विशेषज्ञ वक्ताओं और समस्त भारत से 50 शोधकर्ताओं ने भाग लिया। संगोष्ठी में जलवायु परिवर्तन रोकथाम में बायोचार की भूमिका पर पैनल परिचर्चा, तकनीकी पोस्टर कार्यक्रम, बायोचार उत्पादों, उनके अनुप्रयोगों, बाजार क्षमता और कार्बन क्रेडिट पर विमर्श, नेटवर्किंग के अवसरों व प्रयोगशाला के निरीक्षणों पर चर्चा की गई।

विश्व आर्द्रभूमि दिवस 2025 :

"हमारे साझा भविष्य के लिए आर्द्रभूमि संरक्षण" विषय के साथ विश्व आर्द्रभूमि दिवस 2025 का समारोह मनाया गया। कार्यक्रम में जैव विविधता संरक्षण, जलवायु नियंत्रण और सतत जल प्रबंधन में आर्द्रभूमियों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ, तदनंतर आर्द्रभूमि संरक्षण के महत्व पर चर्चा की गई। समारोह एक सार्थक मंच है, जहाँ इन महत्वपूर्ण पारिस्थितिक तंत्रों के संरक्षण में सामूहिक प्रयासों पर जोर दिया जाता है।

स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन (एसआईएच) :—

शिक्षा मंत्रालय के नवप्रवर्तन प्रकोष्ठ (इनोवेशन सेल/एमआईसी) तथा एआईसीटीई द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम का संचालन आईआईटी रुड़की के रीथिंकिंग! टिंकरिंग लैब में 11 से 15 दिसंबर, 2024 तक इसके 7वें संस्करण के एक अंग के रूप में किया गया। एक मुख्य केंद्र के रूप में, आईआईटी रुड़की ने एनटीआरओ, हिमाचल सरकार और गोदरेज जैसे संगठनों की अत्याधुनिक चुनौतियों का सामना करने वाले समस्त भारत से 156 सहभागियों और सलाहकारों की 23 टीमों की मेजबानी की। उपग्रह चित्र के एआई-आधारित विश्लेषण और परिशुद्ध कृषि से लेकर टिकाऊ घरेलू उपकरणों में अभिनव खोज तक समस्याओं के विवरण के विषय थे। कार्यक्रम में युवाओं को सशक्त बनाने और अभिनव खोज एवं उद्यमिता के जरिए भारत की आत्मनिर्भरता को आगे बढ़ाने की संकल्पना पर विचार किया गया।

पीएकेवीवाई के अंतर्गत स्किल्ड इंडिया (कुशल भारत) — एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग (3डी प्रिंटिंग) :-

प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई) के अंतर्गत संचालित स्किल्ड इंडिया - एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग (3डी प्रिंटिंग) कार्यक्रम एक विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम है, जिसका उद्देश्य आधुनिक विनिर्माण में एक परिवर्तनकारी तकनीक 3डी में उन्नत कौशल प्रदान करना है। आईआईटी रुड़की स्थित स्किल इंडिया प्रशिक्षण केंद्र — रीथिंक! टिंकरिंग लैब में जुलाई से अक्टूबर 2024 तक 19 प्रशिक्षुओं के एक बैच के साथ इस कार्यक्रम का सफलतापूर्वक संचालन किय गया। इस उभरते क्षेत्र में नव प्रवर्तन को बढ़ावा देना और तकनीकी क्षमता का निर्माण करना इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य था, जो एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग में कुशल व्यावसायिकों को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

आईडीईएएस :-

इस कार्यक्रम का आयोजन आईआईटी, रुड़की के डिजाइन इनोवेशन सेंटर (डीआईसी) के सहयोग से आईआईटी रुड़की के अभिकल्प विभाग और कनाडा के क्वीन्स विश्वविद्यालय द्वारा संयुक्त रूप से किया गया।

भारत-इंग्लैंड स्पार्क (एसपीएआरसी)-कार्यशाला :—

सर्वश्रेष्ठ शिक्षक के भारतीय शोध समूहों और विश्व के शीर्ष विश्वविद्यालयों के प्रतिष्ठित शोध समूहों के बीच, विज्ञान के अत्याधुनिक क्षेत्रों या मानव जाति के लिए प्रत्यक्ष सामाजिक प्रासंगिकता वाले क्षेत्रों में, विशेष रूप से भारत में, ठोस अनुसंधान सहयोग स्थापित करना स्पार्क (एसपीएआरसी) कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य है। इस कार्यशाला का आयोजन आईआईटी रुड़की (भारत) और स्ट्रैथक्लाइड विश्वविद्यालय (यूके) द्वारा स्पार्क परियोजना के एक अकादमिक कार्यक्रम के रूप में किया जा रहा है।

आईएएचआर की 32वीं संगोष्ठी :—

भारत में आईएएचआर की यह पहली संगोष्ठी थी। इसमें 21 देशों के 57 अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों और 71 भारतीय प्रतिनिधियों समेत कुल 128 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। 10 प्रतिनिधि ऑनलाइन संगोष्ठी में शामिल हुए। संगोष्ठी की औद्योगिक भागीदारों, मुख्यतः हाइड्रोलिक मशीनरी के प्रतिष्ठित निर्माताओं ने पूरी सहायता की और इस क्षेत्र में भारतीय उद्योगों की क्षमता का प्रदर्शन करने के लिए उनके प्रतिनिधियों ने पूर्ण सत्र के दौरान एक प्रस्तुति भी दी।

डीएई की 68वीं परमाणु भौतिकी संगोष्ठी

परमाणु भौतिकी समुदाय को उनके शोध कार्य प्रस्तुत करने के साथ-साथ इस क्षेत्र के शोधकर्ताओं के साथ संवाद करने के लिए एक वैज्ञानिक मंच प्रदान करना संगोष्ठियों की इस श्रृंखला का उद्देश्य है। संगोष्ठी के विज्ञान-विमर्श में पूर्ण वार्ता, मौखिक और पोस्टर प्रस्तुतियों, सहायक पत्र और शोध-प्रबंध प्रस्तुतियों का समावेश किया गया। इसके अतिरिक्त, यंग अचीवर अवार्ड (वाईएए) के लिए चयनित प्रत्याशियों ने भी व्याख्यान दिए। 6 दिसंबर, 2024 को एक दिवसीय संगोष्ठी पूर्व अभिविन्यास कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया। संगोष्ठी में कुल 400 सहभागियों ने भाग लिया।

सीएडीएफईएम इंडिया के सहयोग से संयुक्त उद्योग-शिक्षा जगत सहयोग कार्यशाला

सीएडीएईएम (कैडफेम) इंडिया के सहयोग से आयोजित उद्योग-अकादमिक कार्यशाला का "शीर्षक वॉटर रिसोर्सेज एंड हाइड्रोपावर सिस्टम्स साइम्युलेशन यूजिंग एएनएसवाईएस (एएनएसवाईएस के उपयोग से जल संसाधन एवं जलविद्युत प्रणाली का अनुकरण)" था। कार्यशाला में जल संसाधनों और जलविद्युत प्रणालियों के लिए उन्नत अनुरूपता तकनीकों के अनुप्रयोग पर बहुमूल्य सूक्ष्म दृष्टि प्रदान की गई। सहभागियों ने नवीनतम एएनएसवाईएस सॉफ़्टवेयर उपकरणों का उपयोग किया और जटिल जलविद्युत प्रणालियों का प्रभावी ढंग से मॉडलिंग और अनुकरण करना सीखा। व्यावहारिक कार्यक्रमों में व्यावहारिक अनुप्रयोगों का प्रदर्शन किया गया, और बताया गया कि अनुकरण से जलविद्युत प्रणालियों की दक्षता और विश्वसनीयता का संवर्द्धन किस प्रकार हो सकता है। इसके अतिरिक्त, उभरते रुझानों और डिजिटल रूपांतरण पर चर्चा में जलविद्युत प्रणाली अनुकरण के भविष्य पर एक दूरदर्शी दृष्टिकोण प्रदान किया गया। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ, और फिर राष्ट्रगान के पश्चात पीईएचईएम लैब और कार्यशाला दोनों का सफल उद्घाटन किया गया।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

आईआईटी रुड़की के लाल बहादुर शास्त्री स्टेडियम में योग मंत्रालय द्वारा तैयार सभी सामान्य योग प्रोटोकॉल के साथ 15 से 21 जून 2023 तक सात दिवसीय योग शिविर का आयोजन किया गया। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस समारोह का मुख्य उद्देश्य लोगों को योग के लाभों के प्रति जागरूक करना है। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के लिए हर वर्ष एक विषय का निर्धारण किया जाता है। "स्वयं और समाज के लिए योग" इस वर्ष का विषय था।

बिजली प्रणाली साइबर सुरक्षा हैकाथन

आईहब दिव्यसंपर्क और टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड के सहयोग से 15 अक्टूबर 2024 को "पावर सिस्टम साइबर सुरक्षा हैकाथन — आधुनिक समाज की रीढ़ की रक्षा" का आयोजन किया गया। साइबर खतरों से बिजली प्रणालियों की सुरक्षा के लिए नवीन समाधान का विकास करना इस हैकाथॉन का उद्देश्य है। इसमें आईआईटी, एनआईटी और समस्त भारत के विभिन्न सरकारी व निजी संस्थानों के सहभागियों ने भाग लिया। यह कार्यक्रम डेढ़ महीने तक चला, जिसमें इंटरने पर कई राउंड हुए और 14-15 अक्टूबर को आईआईटी रुड़की में दो दिवसीय अंतिम कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

थॉमसो (टीएचओएमएसओ) 24 का थीम : ए क्रॉसरोड ऑफ कल्चर्स (संस्कृतियों का मिलन)

आईआईटी रुड़की का प्रमुख वार्षिक सांस्कृतिक महोत्सव, **थॉम्सो**, एक आयोजन भर नहीं है; यह तीन दिवसीय एक भव्य समारोह है — कला, संगीत, नृत्य और अद्वितीय सांस्कृतिक विविधता के सूतों से बना एक जीवंत वस्त्रविन्यास। वर्ष **2005 में उत्तराखंड सरकार द्वारा आधिकारिक मान्यता प्राप्त होने के बाद से "उत्तराखंड का युवा महोत्सव"** के रूप में प्रतिष्ठित, थॉम्सो एक स्थायी प्रकाश स्तंभ, एक गतिशील पात्र के रूप में अडिग खड़ा है जहाँ भारत की सर्वश्रेष्ठ प्रतिभाएँ, असीम रचनात्मकता और बहुमूल्य परंपराएँ एक साथ मिलती हैं और देश के कोने-कोने से सहभागी भाग लेते हैं।

थॉम्सो'24 की परिकल्पना अत्यंत सूक्ष्मता से की गई थी और इसे एक उद्बोधक नाम **"संस्कृतियों का मिलन"** के रूप में साकार किया गया था। यह एक थीम भर नहीं बल्कि भारत की नानारूप क्षेत्रीय विरासतों का एक जीवंत रूप था। कला की दृष्टि से चार अलग-अलग क्षेत्रों — उत्तर, दक्षिण, पूर्व और पश्चिम — में विभाजित हमारे विशाल परिसर ने एक विषयमूलक उत्कृष्ट रचना का रूप ले लिया, और प्रत्येक क्षेत्र में उसकी विशिष्ट संस्कृति की धड़कन महसूस की जा सकती थी। इस भव्य संरचना के मध्य प्रतिष्ठित आलीशान मुख्य भवन खड़ा है, जो उस समरसतापूर्ण मिलन स्थल का एक शक्तिशाली प्रतीक है, जहाँ इन विविध परंपराओं का न केवल मिलन हुआ, बल्कि उनकी सामूहिक भावना का समारोह भी मनाया गया।

देश में अपने प्रभाव के सही अर्थों में संवर्धन के लिए, **कारवाँ** के क्षेत्रीय कार्यक्रमों के माध्यम से थॉम्सो ने अपनी सीमा का संवर्धन किया। जयपुर, लखनऊ और चंडीगढ़ में समारोह पूर्व आयोजित इन अति सफल कार्यक्रमों ने न केवल रोमांच पैदा किया; बल्कि उन्होंने समस्त उत्तर भारत में एक ठोस आधार रखते हुए एक प्रचंड उत्साह का संचार भी किया।

- **सहभागियों की कुल संख्या :** 3200 से भी अधिक
- **भाग लेने वाले कॉलेजों संख्या :** समस्त देश से 700 से अधिक प्रभावशाली संस्थान
- **राज्यों का प्रतिनिधित्व :** इस कार्यक्रम का आयोजन समस्त भारत के लिए किया गया, जिसमें पंजाब, हरियाणा, जम्मू और कश्मीर, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, राजस्थान, मध्य प्रदेश, बिहार, गुजरात और कई अन्य क्षेत्रों के प्रतिभावान लोगों ने भाग लिया, और इस प्रकार देश के अलग-अलग क्षेत्रों से आए लोगों का सम्मिलन हुआ।

कार्यक्रम और सहभागिता

थॉम्सो'24 कार्यक्रम के इन महज तीन रोमांचक दिनों में उच्च कोटि की प्रतियोगिताओं और मंत्रमुग्ध कर देने वाले प्रदर्शनों के एक स्पंदनशील संयोजन के 100 से ज्यादा कार्यक्रमों की एक अद्भुत श्रृंखला प्रस्तुत की गई। रोमांच से भर देने वाला फुटलूज़, आनंददाययक सरगम, जोरदार बैटल ऑफ द बैंड्स, रोमांचक वॉर ऑफ डीजेज और अति आकर्षक वोग फाइनल (पहले दिन की प्रोनाइट की भव्य शुरुआत) समारोह के मुख्य कार्यक्रम थे, जिन्होंने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। नए भाव के साथ यूट्यूब फैन कनेक्ट ने एक अद्वितीय प्रेरक चर्चा का आयोजन किया, जिसमें शामिल दीकिला शेरपा, उन्नति तोमर, लक्ष्य गौर और अनिकेत लामा जैसी हस्तियों ने डिजिटल सितारों और उनके उत्साही प्रशंसकों के बीच की खाई को दूर कर सीधे मुग्ध दर्शकों से बातचीत की।

मंच से अलग, **हीरो** की नवीनतम बाइक के आकर्षक रोड शो का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम कोई प्रस्तुति भर नहीं, बल्कि एक बड़ी प्रदर्शनी थी, जो पूरे समारोह का एक जीवंत दृश्य-विधान बन गई, जिसका भारी संख्या में लोगों ने आनंद उठाया।

सामाजिक प्रभाव और आर्थिक संरक्षण

थॉम्सो'24, विज़न आईएएस और आईआईटीआरएए के प्रतिष्ठित सहयोग से आयोजित और हीरो द्वारा संचालित, शक्तिशाली सहयोग का एक गौरवशाली उदाहरण है। बैंकिंग क्षेत्र की दिग्गज संस्थाओं पीएनबी, एसबीआई और केनरा बैंक जैसे हमारे रणनीतिक साथियों, आईओसीएल, पावरग्रिड और गेल जैसे अग्रणी सार्वजनिक उपक्रमों; और नारायण सेवा संस्थान, संजीवनी, से ट्रीज आदि जैसे हमारे सहयोगियों ने हमारी सफलता को परिपुष्ट किया। इन अमूल्य मैत्रीपुर्ण संबंधों ने हमारी सांस्कृतिक और सामाजिक सीमा का अधिक से अधिक विस्तार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिससे यह सिद्ध हुआ कि थॉम्सो'24 महज युवाओं और विविधता का समारोह नहीं, बल्कि एक अति समावेशी और ज़िम्मेदारी के साथ संचालित प्रयास भी था।

कॉग्निजेंस 2025

अर्श योग और जनकल्याण ट्रस्ट (एनजीओ) के सहयोग से कॉग्निजेंस के इस कार्यक्रम ने रुड़की के शंकरपुरी स्थित स्वामी विवेकानंद हाई स्कूल में एक महत्वपूर्ण भोजन वितरण अभियान का संचालन किया। यह अभियान केवल भोजन उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं; बल्कि युवाओं में आशा और महत्वाकांक्षा का संचार करने का एक सुव्यवस्थित प्रयास था।

भोजन वितरण के इस अभियान के अतिरिक्त, हमारी टीम ने छात्रों से संपर्क किया और उन्हें कड़ी मेहनत, समर्पण और नेतृत्व की शिक्षा दी। हमारा उद्देश्य स्पष्ट था : अगली पीढ़ी को बड़े सपने देखने और अपनी आकांक्षाओं को निरंतर पूरा करते रहने की प्रेरणा देना।

इस कार्यक्रम में शारीरिक स्वास्थ्य और मानसिक सशक्तीकरण, दोनों पर व्यापक रूप से चर्चा की गई और एक अधिक आशाजनक और आत्मनिर्भर भविष्य की आधारशिला रखी गई। कॉग्निजेंस इन सहयोगों के माध्यम से सकारात्मक परिवर्तन लाने के प्रति प्रतिबद्ध है और यह मानता है कि सच्चा विकास करुणा, शिक्षा और सामूहिक जिम्मेदारी से ही संभव है।

नमामि गंगे कार्यक्रम : पावन गंगा का संरक्षण

हरिद्वार के चंडी घाट पर नमामि गंगे के सहयोग से आईआईटी रुड़की के कार्यक्रम कॉग्निजेंस ने एक बड़े सफाई अभियान का संचालन किया, जिससे क्षेत्र की स्वच्छता फिर से बहाल हुई और जिम्मेदार अपशिष्ट प्रबंधन प्रथाओं को बढ़ावा मिला। जागरूकता के प्रभावी अभियानों के माध्यम से, हमने स्थानीय लोगों और तीर्थयात्रियों को नदी प्रदूषण और सामुदायिक कार्रवाई के महत्व की जानकारी दी। नमामि गंगे के निरंतर सहयोग से, स्वच्छ और स्वस्थ गंगा के लिए तकनीक-संचालित समाधानों का उपयोग करके अपने प्रयासों का विस्तार करना हमारा लक्ष्य है।

एचएएसआई : व्यापक स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम के माध्यम से महिलाओं का सशक्तीकरण

मासिक धर्म स्वच्छता के प्रति जागरूकता का प्रसार करने और वंचित समुदायों की महिलाओं को सशक्त बनाने के ध्येय से नमामि गंगे के अंतर्गत आईआईटी रुड़की की टीम कॉग्निजेंस ने एचएएसआई (स्वास्थ्य एवं स्वच्छता कार्यक्रम) की शुरुआत की। सैनिटरी पैड वितरण, घर-घर प्रचार-प्रसार और शैक्षिक कार्यक्रमों के माध्यम से, हमने वर्जनाओं को तोड़ा और सुरक्षित स्वच्छता प्रणालियों को बढ़ावा दिया। स्थानीय लोगों की पुरजोर सहायता से, एचएएसआई स्थायी परिवर्तन और महिला सशक्तीकरण की दिशा में एक सार्थक कार्यक्रम बन गया।

सतर्कता जागुरुकता सप्ताह

आईआईटी रुड़की के कर्मचारियों ने सतर्कता जागरूकता सप्ताह

कार्यक्रम के अंग के रूप में सार्वजनिक जीवन में सत्यनिष्ठा को बढ़ावा देने और भ्रष्टाचार मुक्त समाज का निर्माण करने के प्रति प्रतिबद्धता जताई। इस सतर्कता जागरूकता सप्ताह कार्यक्रम का आयोजन 28 अक्टूबर से 3 नवंबर, 2024 तक किया गया, जिसका विषय था :

"सत्यनिष्ठा की संस्कृति से राष्ट्र की समृद्धि"

आईआईटी रुड़की की टीम सत्यनिष्ठा और न्यायकिता की संस्कृति और स्पष्टता, उत्तरदायित्व और न्याय पर आधारित ठोस कॉर्पोरेट प्रशासन को कायम रखने के प्रति प्रतिबद्ध है।

संस्थान व्याख्यानमाला

1. प्रो. अरविंद अग्रवाल, विशिष्ट विश्वविद्यालय प्रोफेसर, मेकैनिकल और मैटेरियल्स इंजीनियरिंग विभाग, फ्लोरिडा अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्याल, यूएसए, दिनांक : 12-08-2024, विषय :— मल्टीफंक्शनल कोटिंग्स एंड कंपोजिट मटीरियल्स फॉर लूनर एंड स्पेस मिशंस

2. प्रो. सी. नटराज, विशिष्ट प्रोफेसर, इंजीनियर्ड सिस्टम्स, और निदेशक, विलानोवा सेंटर फॉर एनैलिटिक्स ऑफ डायनेमिक सिस्टम्स (वीसीएडीएस), विलानोवा विश्वविद्यालय, विलानोवा, यूएसए, दिनांक : 16-08-2024, विषय :— डायग्नोस्टिक्स ऑफ इंजीनियरिंग एंड बायॉमेडिकल सिस्टम्स ए पर्स्पेक्टिव फ्रॉम्ट्रू डिकेड्स ऑफ रिसर्च

3. इं. हिमांशु तिलवणकर, निदेशक, एनवाइरोटेक सॉल्यूशंस, गुड़गांव, दिनांक : 06-11-2024, विषय :— पॉलिसी एंड रेग्युलेटरी फ्रेमवर्क्स फॉर एन्वायरन्मेंटल प्रोटेक्शन इन इंडिया : स्पेशल फोकस फॉर स्टार्टअप

4. प्रो. कृष्णास्वामी नंदकुमार, मुख्य वैज्ञानिक, इनर्जी रिसर्च इंस्टिट्यूट, शेडोंग एकेडमी ऑफ साइंसेज, जिनान, दिनांक : 27-11-2024, विषय :- पर्स्पेक्टिव्स ऑन मैन्युफैक्चरिंग इनोवेशंस इन प्रॉसेस इंडस्ट्रीज

5. प्रो. निगेल राइट, प्रोफेसर, जल और पर्यावरण इंजीनियरिंग, सिविल इंजीनियरिंग विभाग, बर्मिंघम विश्वविद्यालय, यूके, दिनांक : 06-12-2024, विषय :— इंटरडिसिप्लिनरी चैलेंजेज इन फ्लड रिस्क मैनेजमेंट

6. इं. (डॉ.) अभय गुप्ता, निदेशक, स्केलेटन कंसल्टेंट्स प्राइवेट लिमिटेड, नोएडा/इंदौर, दिनांक : 12-02-2025, विषय: - - इंजीनियरिंग जाइगैंटिक स्टेट्यू : केस स्टडी ऑफ 351-फीट टॉल लॉर्ड शिवा स्टेट्यू ऐट नाथद्वारा, नियर उदयपुर, राजस्थान, इंडिया

7. प्रो. प्रेम कुमार, प्रोफेसर, इन्फॉर्मेशन टेक्नॉलॉजी, मैककॉर्मिक स्कूल ऑफ़ इंजीनियरिंग, नॉर्थवेस्टर्न विश्वविद्याय, यूएसए, दिनांक : 27-03-2025, विषय :— इंजीनियरिंग चैलेंजेज फॉर दि इमर्जिंग फोटोनिक क्वांटम नेटवर्क्स

8. श्री भगवान शंकर, आईएएस (सेवानिवृत्त), नई दिल्ली, दिनांक : 16-04-2025, विषय :— डाइवर्सिटी ऑफ इंडिया एंड इट्स रेलिवैंस इन फ्रेमिंग दि पॉब्लिक पॉलिसी

केंद्रीय सुविधाएं

आधारभूत संरचना

पिछले वित्तीय वर्ष में, प्रमुख आधारभूत संरचना परियोजना अर्थात् विज्ञान कुंज (ईडब्ल्यूएस योजना) में 572-सायिकाओं वाले छात्रावास (चरण 1) का निर्माण और आईआईटी रुड़की में इसरो, सीएसएसटी एवं डीआईए-कोर (डीआरडीओ) के कार्यालयों/ प्रयोगशालाओं के लिए रविंद्र मेस लाउंज का नवीनीकरण कार्य (असैनिक, विद्युत और अग्नि एवं सुरक्षा कार्य) पूरा हो गया है। कुछ चालू निर्माण परियोजनाएं, जिनके निकट भविष्य में पूरी हो जाने की आशा है, इस प्रकार हैं : रसायन विज्ञान विभाग के लिए नए शैक्षणिक ब्लॉक का निर्माण, पश्चिमी शैक्षणिक ब्लॉक का निर्माण, आंतरिक ईआई, एचवीएसी, अग्निशमन, फायर अलार्म, लिफ्ट, ऑडियो-विजुअल सिस्टम, सीसीटीवी एवं आईआईटी रुड़की में बीएमएस की स्थापना एवं विकास कार्य समेत मेहता फैमिली स्कूल ऑफ डेटा साइंस एंड आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एमएफएसडीएसएआई) का निर्माण, आईआईटी रुड़की में शैक्षणिक स्थानों का पुनर्गठन, विस्तार एवं सुधार : मेटालर्जिकल एवं मटीरियल इंजीनियरिंग विभाग (एमएमईडी), चरण-1 एवं आईआईटी रुड़की में परिवहन अनुभाग के निकट एलजीएसएफ (लाइट गेज स्टील फ्रेम्ड) संरचना प्रौद्योगिकी पर (जी + 2) खंडों के अतिरिक्त ट्रांजिट प्रशासनिक ब्लॉक का निर्माण।

संस्थान यंत्र-विन्यास केंद्र

संस्थान के यात्रविन्यास केंद्र (आईआईसी) में उच्च-आवर्धन इमेजिंग, पदार्थ गुणधर्म निर्धारण, परिशुद्ध रासायनिक विश्लेषण आदि में उपयोग किए जाने वाले परिष्कृत उपकरण उपलब्ध हैं। इस केंद्र का संचालन अनुभवी शिक्षकों के मार्गदर्शन में प्रशिक्षित तकनीकी कर्मचारी और शोधकर्तागण करते हैं। इसकी क्षमताओं और परिचालन प्रगुणता के संवर्धन के लिए हाल में अत्याधुनिक उपकरणों के साथ इसका विस्तार किया गया है।

उपयोग

चित्र (क) में वित्त वर्ष 2021-22, 2022-23, 2023-24 और 2024-25 के लिए अलग-अलग उपकरणों पर उपयोग के कुल घंटों का ग्राफिकल चित्रण उपलब्ध है। पिछले वर्षों की तुलना में, विभिन्न प्रणालियों पर उपयोगकर्ता के काम के समय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

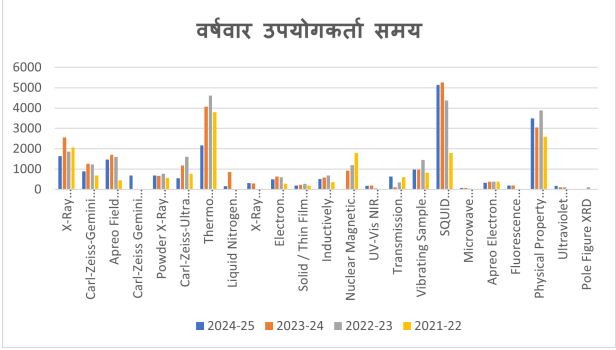

चित्र (क) : वित्त वर्ष 2021-22, 2022-23, 2023-24 और 2024-25 के लिए विभिन्न उपकरणों पर उपयोगकर्ता के घंटों की कुल संख्या का ग्राफिकल चित्रण।

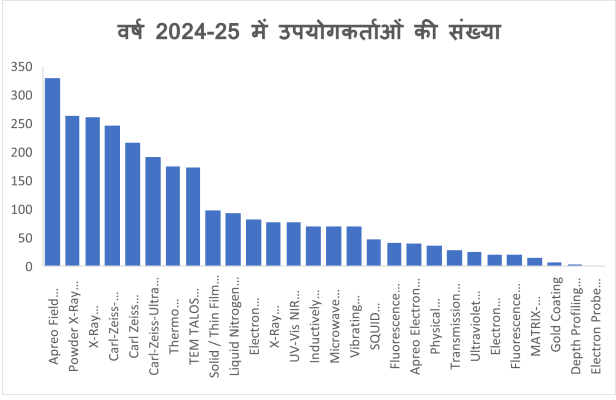

चित्र (ख) : वित्त वर्ष 2024-25 में उपयोगकर्ताओं की कुल संख्या का ग्राफिकल चित्रण।

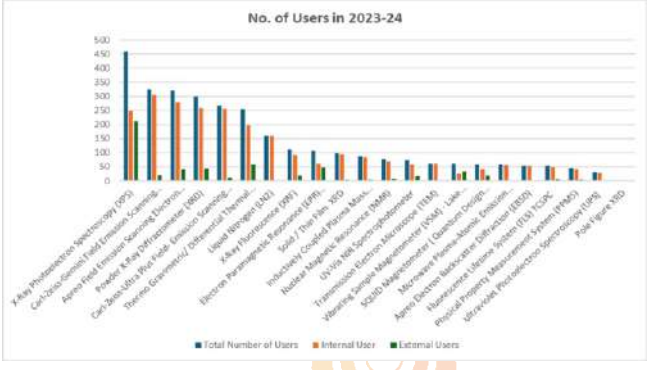

चित्र (ग) : वित्त वर्ष 2023-24 में आंतरिक और बाह्य उपयोगकर्ताओं की कुल संख्या का ग्राफिकल चित्रण।

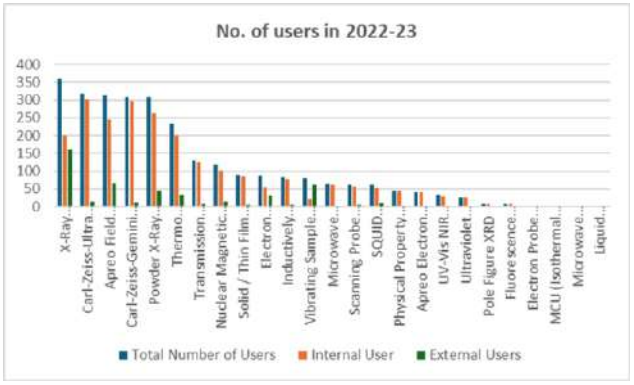

चित्र (घ) : वित्त वर्ष 2022-23 में आंतरिक और बाह्य उपयोगकर्ताओं की कुल संख्या का ग्राफिकल चित्रण।

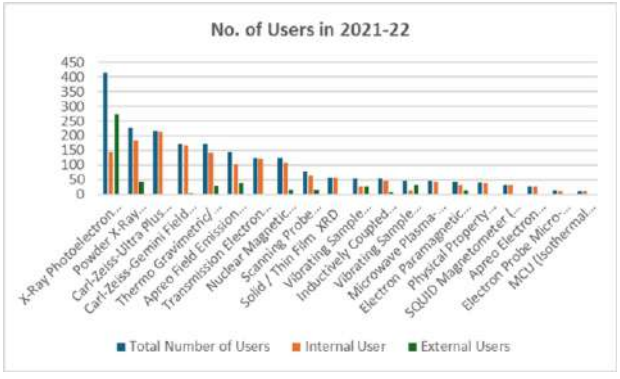

चित्र (च) : वित्त वर्ष 2021-22 में आंतरिक और बाह्य उपयोगकर्ताओं की कुल संख्या का ग्राफिकल चित्रण।

शिक्षा और सहभागिता :-

राष्ट्रीय सम्मेलन (आई-मैट 2024) : आईआईटी रुड़की के इंस्टीट्यूट इंस्ट्रूमेंटेशन सेंटर (संस्थान यंत्र-विन्यास केंद्र) में कॉन्फेरेंस ऑन इनोवेशंस इन मटीरियल्स साइंस विषयक सम्मेलन और कैरेक्टराइजेशन टेक्नीक्स पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस चार दिवसीय कार्यक्रम की शुरुआत दो दिवसीय सम्मेलन और तदनंतर एक कार्यशाला से हुई। कार्यशाला मुख्यत: केंद्र के अनुभवी तकनीकी कर्मचारियों द्वारा संचालित उपकरणों के प्रदर्शन और व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों पर केंद्रित थी।

केंद्र ने छात्रों और शिक्षकों के लिए आईआईसी के विभिन्न विशिष्ट उपकरणों के निरीक्षण हेतु विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों के दौरे का आयोजन किया है, जिनमें से कुछ संस्थान इस प्रकार है :

क) गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय, हिसार

ख) चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ

ग) देवभूमि उत्तराखंड विश्वविद्यालय

घ) सीओईआर विश्वविद्यालय, रुड़की का पैरामेडिकल विभाग।

ङ) आरपीएस डिग्री कॉलेज, महेंद्रगढ़, हरियाणा

च) ट्रिब्यूनल के छात्र

नए और परिष्कृत उपकरण :—

1. फील्ड एमिशन स्कैनिंग इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप (कार्ल ज़ीस जेमिनी 560)

ऑक्सफर्ड ईडीएस से समृद्ध जेमिनी 560 से एफई-एसईएम, 10X से 10,00,000X तक के आवर्धन पर अलग-अलग प्रकार के नमूनों की स्थलाकृतिक और तात्विक जानकारी प्राप्त होती है। इसका स्पैशियल रिसॉल्यूशन अच्छा (~ 0.5 एनएम) है, जो आईआईटी रुड़की के अलग-अलग विभागों और विभिन्न बाहरी उपयोगकर्ताओं के अनुसंधान की आवश्यकताओं को पूरा करने में सक्षम है।

2. हाई रिसॉल्यूशन ट्रांसमिशन इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप (एचआरटीईएम) :

टालोस एफ200एक्स एक स्कैनिंग ट्रांसमिशन इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोप (एस) टीईएम है जो ऊर्जा का प्रसार करने वाले एक्स-रे स्पेक्ट्रोस्कोपी (ईडीएस) सिग्नल डिटेक्शन के साथ उच्च-रिज़ॉल्यूशन (एस)टीईएम और टीईएम इमेजिंग करता है। 2 डी / 3 डी रासायनिक लक्षण (केमिकल कैरेक्टराइजेशन) पैदा करने के लिए 4 इन-कॉलम एसडीडी सुपर-एक्स डिटेक्टरों का उपयोग किया जाता है। इसमें संरचनात्मक मानचित्रण (कंपोजिशनल मैपिंग) भी संभव है जो 4 इन-कॉलम एसडीडी सुपर-एक्स डिटेक्टर द्वारा उत्कृष्टता के साथ किया जाता है।

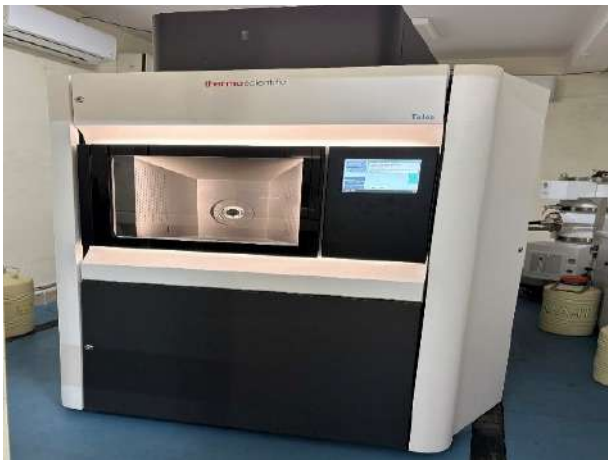

शोध परिणाम और प्रभाव :—

क्र. सं.	संस्था	अनुदान (लाख)
1	डीआरडीओ	250.00
2	डीआरडीओ	127.00
3	टीएचडीसी, ऋषिकेश	166.10
4.	डीआरडीओ, नई दिल्ली	235.54

प्रकाशन :—

कुल	पुस्तक	पुस्तक में प्रकाशित अध्याय	सम्मेलनों में प्रस्तुत जनर्लस्	पत्रिकाओं में प्रकाशित जनर्लस्	आईपी दर्ज/अनुदानित
24	0	0	0	21	3

क्षमता

छात्र	पीएच.डी	9
	पोस्ट डॉक्टरल	2
कुल		11

छात्रों की उपलब्धि:-

1. श्री सोमदत्त ने पोलैंड के ग्लीविस स्थित सिलेसियन प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में प्रशिक्षु के रूप में पोलैंड का दौरा किया।

2. सुश्री अनन्या बंसल को आईआईटी रुड़की में आयोजित सीएफएसई रिसर्च स्कॉलर दिवस (शोधकर्ता दिवस) पर सर्वश्रेष्ठ पोस्टर का पुरस्कार मिला।

3. श्री प्रमोद कुमार को वर्ष 2024 के लिए प्रतिष्ठित "कॉमनवेल्थ स्प्लिट-साइट डॉक्टरल फेलोशिप" से सम्मानित किया गया।

4. नीतेश चौधरी को उन्नत प्रौद्योगिकी के लिए पॉलिमर पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर का पुरस्कार और ट्रांस्फॉर्मिंग वेस्ट मैनेजमेंट : सर्कुलर इकॉनॉमी एंड इनर्जी सस्टेनेबिलिटी विषयक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में पुरस्कार प्राप्त हुआ। इसके अतिरिक्त, उन्हें भारतीय कार्बन सोसाइटी एनडब्ल्यूसीएम 2025 सीएसआईआर आईआईपी देहरादून द्वारा कार्बन पदार्थ पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर का पुरस्कार भी प्राप्त हुआ। (गाइड : प्रोफेसर रमेश चंद्र और प्रोफेसर प्रदीप के. माजी)

वित्त एवं व्यवसाय :-

वित्त वर्ष	उपयोगकर्ता शुल्क (रु.)	परिचालन व्यय (रु.)		अनुरक्षण लागत (रु.)	उपयोगकर्ता (प्रतिशत)	
		परीक्षण अनुदान	डीओसी/योजनेतर	डीओसी/योजनेतर	आईआईटीआर	बाह्य उपयोगकर्ता
2021-22	26,65,117/-	26,45,923/-	84,68,560/-	77,38,390/-	82.3	17.7
2022-23	45,69,032/-	33,96,437/-	1,43,63,880/-	70,78,932/-	83.11	6.9
2023-24	41,28,678/-	29,23,121/-	1,07,64,742/-	42,33,139/-	75.6	24.4
2024-25	36,50,332/-	41,73,210/-	1,34,15,846/-	40,58,741/-	-	-

डिजाइन इनोवेशन सेंटर (अभिकल्प सृजन केंद्र/(डीआईसी))

आईआईटी रुड़की में भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के अनुमोदन से नवोन्मेष नाम से एक डिज़ाइन इनोवेशन सेंटर (अभिकल्प सृजन केंद्र (/(डीआईसी)) की स्थापना की गई है। इसका मूल उद्देश्य डिजाइन के प्रति जागरुकता का प्रसार करना है। यह देश में डीआईसी, ओपन डिज़ाइन स्कूल और राष्ट्रीय डिज़ाइन इनोवेशन नेटवर्क की स्थापना के मद्देनजर मंत्रालय के राष्ट्रीय कार्यक्रम के अंतर्गत विकसित बीस केंद्रों में से एक है। केंद्र मुख्यत: उत्तर-पश्चिम हिमालयी क्षेत्र की समस्याओं को दूर करने के लिए एक संस्कृति के रूप में डिजाइन और

नवाचार की दिशा में कार्य करेगा। आईआईटी रुड़की के डीआईसी का एक उद्देश्य मंथन, ज्ञानार्जन और कार्य की प्रक्रिया से डिजाइन की एक विशिष्ट रूप से प्रभावशाली संस्कृति का निर्माण करना है। अत्याधुनिक इंजीनियरिंग, स्थापत्यकला, विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं प्रबंधन संचालित शैक्षणिक अभिविन्यास में सृजनात्मक समस्या समाधान की पद्धति के समेकन के लिए यह एक प्रेरक परिप्रेक्ष्य का सृजन करता है। डिजाइन नवाचार का कोई केंद्र शैक्षिक संस्कृतियों के भीतर परिणाम-आधारित प्रतिमान परिवर्तन की अपार संभावनाओं को जन्म देता है। इसमें शिक्षा के नए मॉडलों का विकास करना, स्थानीय, क्षेत्रीय, राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्यों की जानकारी प्राप्त करना, यथा आवश्यक उन्नत खोज करना, डिजाइन के ज्ञान के देशी भंडारों के रूप में प्रक्रमों का प्रलेखन और संग्रह करना व उन्हें समग्र रूप में प्रसारित और साझा करना आते हैं। आईआईटी रुड़की के डीआईसी का उद्देश्य रचनात्मक समस्या-समाधान की पद्धति के विकास तक ही सीमित नहीं है, बल्कि विभिन्न क्षेत्रों में डिजाइन आधारित उन्नत खोज के माध्यम से यह मानवीय समस्याओं के समाधान के लिए अपने अधिकार को भी आगे बढ़ाना चाहता है, ताकि आवश्यकताओं और कल्पना, प्रज्ञा एवं प्रौद्योगिकी, विचारों की अभिव्यक्तियों और परिणामों और सबसे बढ़कर, प्रगति एवं जीविका को एक दूसरे से जोड़ने के एक सार्थक चक्र का सृजन हो सके।

- "सिलिंड्रिकल इलेक्ट्रिकल एक्टेंशन" (डिजाइन पंजीकरण) को शामिल कर लिया गया है।

केंद्र ने कई कार्यक्रमों का आयोजन किया है, जिनमें से कुछ इस प्रकार हैं "इनोवेशन डिजाइन फॉर एक्सिलेंस, एफोर्डेबिलिटी एंड सस्टेनेबिलिटी (आईडीईएएस) पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी, डिजाइन एंड मैन्युफैक्चरिंग टेक्नॉलॉजीज पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीडीएमटी), वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट (ओडीओपी) कार्यक्रम के अंतर्गत गन्ना किसानों के लिए दो दिवसीय कार्यशाला, "फंडामेंटल्स ऑफ टॉय डिजाइन" पर एक दिवसीय कार्यशाला, "थिंकिंग विजुअली फॉर डिजाइनर्स" पर अतिथि व्याख्यान"

रीथिंकिंग! दि टिंकरिंग लैब

आईआईटी रुड़की का रीथिंकिंग! दि टिंकरिंग लैब छात्रों और शिक्षकों के लिए रचनात्मकता, उन्नत खोज और व्यावहारिक शिक्षा के संवर्धन हेतु तैयार अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित है। छात्रों को समस्या-समाधान कौशल का विकास और व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित करते हुए सैद्धांतिक ज्ञान और व्यावहारिक कार्यान्वयन के बीच की खाई को दूर करना इसका मुख्य उद्देश्य है। उद्यमिता की भावना का विकास करने में सहायता करता और सृजनात्मकता, सहयोग व उन्नत खोज को बढ़ावा देता है। यह उन्हें इस योग्य बनाता है कि वे प्रारूप के विकास की प्रक्रिया का उपयोग करते हुए अपनी अवधारणाओं को इंजीनियरिंग के ठोस समाधान का रूप दे सकें।

रीथिंकिंग! दि टिंकरिंग लैब समर्थित शैक्षिक पाठ्यक्रम

- एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग (एमआईएन-601)
- टिंकरिंग एंड मेंटरिंग (टीएमआई-102)
- एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग (एमटीएन-318)

टीआईडीएस और टीआईएच में संचित रीथिंकिंग दि टिंकरिंग लैब समर्थित स्टार्टअप समूह

क्र. सं.	स्टार्टअप
1.	लिनियराइज्ड एंप्लिफायर टेक्नॉलॉजीज एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड
2.	नैनोएआई टेक्नॉलॉजी प्राइवेट लिमिटेड
3.	अवकलन लैब्स प्राइवेट
4.	लिमिटेडब्रेनोवेटिव लैब्स प्राइवेट लिमिटेड
5.	मैंटिसवेव नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड

उल्लेखनीय कार्य :-

- **थॉम्सो (टीएचओएमएसओ) का एआर ट्रेजर हंट (अक्टूबर 2024) :** 200 प्रतिभागियों के लिए एक इमर्सिव कैंपस-वाइड एआर गेम, जिसमें सहयोग और समस्या-समाधान पद्धति को बढ़ावा देने के ध्येय से जियोलोकेशन, यूनिटी/एआरकोर और नियांटिक लाइटशिप एसडीके का समेकन किया गया है।
- **कैंपस वर्चुअल रेसिंग (अक्टूबर 2024) :** रुड़की मोटरस्पोर्ट्स के साथ कार ड्राइविंग सिम्युलेटर का सह-आयोजन, जिसमें

यूनिटी और कस्टम जाइरोस्कोप कंट्रोल्स के माध्यम से 500 उपयोगकर्ताओं को रियलिस्टिक एफ1 सिम्युलेशन में शामिल किया गया।

- टीएमआई-102 (टिंकरिंग और मेंटरिंग) (नवंबर 2024)
- स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन 2024 (दिसंबर 2024)
- प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई) के अंतर्गत स्किल इंडिया पाठ्यक्रम का आयोजन किया गया

कॉग्निजेंस - रोबोटिक्स एंड गेम डिवेलपमेंट इवेंट्स (मार्च '25) : नैनोनेविगेटर माइक्रोमाउस एंड मिस्टिक पिक्सेल एक्सआर डिवेलपमेंट

टिंकरिंग लैब ने कई परियोजनाओं की सहायता की है, जिनमें से कुछ इस प्रकार हैं : जाइरो-कंट्रोल्ड मल्टीप्लेयर रेसिंग : सी#/यूनिटी मोबाइल गेम विद जाइरोस्कोप स्टीयरिंग एंड रिएक्ट—बेस्ड यूआई—एचीब्ड स्मूथ क्रॉस—डिवाइस परफॉर्मेंस, एआर ट्रेजर हंट गेम : यूनिटी एआर एक्सपेरिएंस — सर्वर-साइड आर्किटेक्चर सपोर्ट्स सिक्वेंसियल गेमप्ले एंड रीयल-टाइम लीडरबोर्ड्स, टेस्ट पोर्टल : फुल-स्टैक ऐप फॉर कैंपस-वाइड ऑनलाइन एसेसमेंट्स—फीचर्स प्रॉक्टरिंग, टिंकरिंग लैब ने कई परियोजनाओं की सहायता की है, जिनमें से कुछ इस प्रकार हैं : गायरो-कंट्रोल्ड मल्टीप्लेयर रेसिंग : सी#/यूनिटी मोबाइल गेम विद जाइरोस्कोप स्टीयरिंग एंड रिएक्ट—बेस्ड यूआई—एचीब्ड स्मूथ क्रॉस—डिवाइस परफॉर्मेंस, एआर ट्रेजर हंट गेम : यूनिटी एआर एक्सपेरिएंस — सर्वर-साइड आर्किटेक्चर सपोर्ट्स सिक्वेंसियल गेमप्ले एंड रीयल-टाइम लीडरबोर्ड्स, टेस्ट पोर्टल : फुल-स्टैक ऐप फॉर कैंपस-वाइड ऑनलाइन एसेसमेंट्स—फीचर्स प्रॉक्टरिंग, चैनेल-1 ऑथ, एंड सिक्योर ऐडमिन पैनेल, मेटाफिट एक्सआर फिटनेस ऐप : यूनिटी एआरकोर ऐप विद 3डी ट्रेनर, ऑडियो क्यूज, एंड गेमीफाइड वर्कआउट्स—इंटेग्रेट्स मोशन स्टूडियो एनिमेशंस फॉर रीयलिज्म मॉडेल एसेंब्ली/डिसएसेंब्ली ऐप्स : एआरकोर ऐप्स फॉर जेस्चर – एंड यूआई—बेस्ड एक्सप्लोरेशन ऑफ टेक्निकल कंपोनेंट्स — एनहांस्ड इंजीनियरिंग एजुकेशन, फैसिलिटीज सिम्युलेटर इन एआर : एआर टूल फॉर रीयल-टाइम फैसिलिटी मैनेजमेंट सिम्युलेशंस — एप्लाइड इन ट्रेनिंग फॉर मैन्युफैक्चरिंग एंड लॉजिस्टिक्स,

डिवेलपमेंट ऑफ फंक्शनल, कॉस्ट-इफेक्टिव, एंड सस्टेनेबल प्रोटेक्टिव पैकेजिंग, 3 डी पेंटिंग एंड सेल कल्चर फॉर टिश्यू इंजीनियरिंग ऐप्लिकेशंस, एनैलिसिस ऑफ नॉर्मल फोर्स इन स्फेरिकल एंड सिलिंड्रिकल बॉडीज, लो-कॉस्ट हैंडहेल्ड वॉटर प्यूरीफायर फॉर फ्लडवॉटर ट्रीटमेंट, 3डी फिगरीन ऑगमेंटेशन यूजिंग एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग, अर्थक्वेक अर्ली वॉर्निंग डिवाइस (ईईडब्ल्यू सिस्टम), लो-कॉस्ट एक्स-बैंड आरएफ सोर्स, कैपिलरी ऐक्शन स्टडी यूजिंग मल्टी-होल्ड क्यूबॉइडल सॉलिड प्लेट्स, ऑटोमेटिक इरिगेशन सिस्टम बेस्ड ऑन सॉयल मॉइस्चर लेवेल्स, स्मार्ट रिवर फ्लो मॉनिटरिंग फॉर फ्लड एंड रिसोर्स मैनेजमेंट एकं सोनिक क्रिस्टल-बेस्ड नॉज कंट्रोल पिरियॉडिक स्ट्रक्चर्स।

टिंकरिंग लैब ने कुछ कार्यक्रमों का आयोजन किया, जिनमें से कुछ इस प्रकार हैं :—

टीएमआई-102 (टिंकरिंग एंड मेंटरिंग) :— रीथिंक! दि टिंकरिंग लैब ने अंतरस्नातक के प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए टीएमआई-102 पाठ्यक्रम का संचालन किया, जिसमें 1,332 अन्वेषकों, 115 से अधिक शिक्षकों और अलग-अलग विभागों के 35 से अधिक टीम की सहभागिता से 335 अलग-अलग हार्डवेयर परियोजनाओं को शामिल किया गया। समस्या-समाधान कौशलों के संवर्धन और शिक्षण क्षमता के अधिक से अधिक विस्तार के लिए सहायता और सलाह देने वाले सलाहकारों के मार्गदर्शन में यह व्यावहारिक पाठ्यक्रम व्यावहारिक प्रयोगों के जरिए शिक्षा और उन्नत खोज को बढ़ावा देता है।

पीएमकेवीवाई के अंतर्गत स्किल इंडिया — योग स्वास्थ्य प्रशिक्षक प्रधान मंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई) के अंतर्गत संचालित स्किल इंडिया योग स्वास्थ्य प्रशिक्षक कार्यक्रम, समुदायों में स्वास्थ्य और कल्याण को बढ़ावा देने के लिए प्रमाणित योग वृत्तिकों के विकास पर केंद्रित एक विशिष्ट प्रशिक्षण कार्यक्रम था। आईआईटी रुड़की के स्किल इंडिया प्रशिक्षण केंद्र, रीथिंक! दि टिंकरिंग लैब एवं इंस्टिट्यूट स्पोर्ट्स काउंसिल (आईएससी) ने 30 प्रशिक्षुओं के एक दल के साथ जुलाई 2024 से जनवरी 2025 तक इस पाठ्यक्रम का सफलतापूर्वक संचालन किया। इस कार्यक्रम में सहभागियों को स्वास्थ्य क्षेत्र में करियर के सृजन के लिए आवश्यक कौशल और प्रमाणपत्र प्रदान किये गए।

महात्मा गांधी केंद्रीय पुस्तकालय (एमजीसीएल)

सन् 1847 में संस्थान की स्थापना के साथ स्थापित यह महात्मा गांधी केंद्रीय पुस्तकालय (एमजीसीएल) देश के सर्वाधिक पुराने शैक्षणिक पुस्तकालयों में से एक है। शुरु में, यह एक साधारण कॉलेज पुस्तकालय के रूप में कार्य करता था, जिसमें लगभग 34 छात्रों और 6 शिक्षकों के लिए कुछ सौ पुस्तकें थीं। सन् 1856 में गंगा नहर पुस्तकालय में इसके विलय के बाद, पुस्तकालय के संसाधनों में आशातीत वृद्धि हुई और इसका नाम बदल कर केंद्रीय पुस्तकालय कर दिया गया। सन् 1862 में ईस्ट इंडिया कंपनी से एडिसकॉम्ब कॉलेज पुस्तकालय संग्रह में इसके अधिग्रहण के बाद इसकी संपत्ति में और वृद्धि हुई। संप्रति, 80,000 वर्ग फुट क्षेत्र पर फैला चार कमरों का यह एमजीसीएल एक आधुनिक रुप ले चुका है और सेंट्रली एयरकंडिशंड सुविधा तथा सूचना व संचार प्रौद्योगिकी के अत्याधिनिक संसाधनों से संपन्न है।

बीते कई वर्षों से, एमजीसीएल अपने इलेक्ट्रॉनिक पुस्तकालय संसाधनों को बेहतर बनाने का निरंतर प्रयास कर रहा है। यह समस्त विश्व के प्रतिष्ठित प्रकाशकों के डिजिटल डेटाबेस, ई-जर्नल और ई-पुस्तकों की एक विस्तृत श्रृंखला, और मानकों, पेटेंट आदि जैसे कई अन्य ऑनलाइन शोध संसाधन सुलभ कराता है। एमजीसीएल 'शोधगंगा - भारतीय शोध-प्रबंधों का भंडार', 'भारतीय राष्ट्रीय डिजिटल पुस्तकालय' और 'आईआईटी में शोधार्थियों का साझा डेटाबेस' की सामग्री में सुधार कार्यों पर भी ध्यान रखता है। इसके अतिरिक्त, एमजीसीएल विभिन्न संस्थान स्तरीय सूचना और श्रेणी-निर्धारण से संबद्ध कार्यकलापों में भी अहम भूमिका निभाता है।

संप्रति पुस्तकालय के 10500 से अधिक पंजीकृत सदस्य हैं। पुस्तकालय का लाभ लेने वालों की विविध आवश्यकताओं पूरा करने के लिए, एमजीसीएल नानारुप सेवाएँ प्रदान करता है, जैसे कैंपस नेटवर्क में ऑनलाइन संसाधनों की सुलभता, दूर-दराज तक ई-पुस्तकालय की सुलभता (https://elibrary.mgcl.iitr.ac.in), शुल्क पर पुस्तकें, पाठ्यपुस्तक ऋण, पुस्तकालय की सदस्यता, उच्च गति का वाई फाई, शोध सहायता सेवाएँ, रिप्रोग्राफ़िक सेवाएँ, पुस्तकालय संसाधनों की एक ऑनलाइन सूची आदि। पुस्तकालय बड़ी संख्या में आधुनिक कंप्यूटरों से सुसज्जित है, जो इंटरनेट पर उपलब्ध शैक्षणिक जानकारी सुलभ कराते हैं। पुस्तकालय में इसका लाभ लेने वालों को टर्निटिन, रिमोट एक्सेस, ग्रामरली और साहित्यिक चोरी से संबद्ध समस्याओं पर आधारित शोध सहायता सेवाएँ भी प्रदान की जाती हैं। उपयोगकर्ताओं का ज्ञानवर्धन करने और पुस्तकालय संसाधनों के प्रभावी उपयोग को बढ़ावा देने के लिए एमजीसीएल विभिन्न प्रशिक्षण और जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन करता है।

अनंतिम संग्रह

एमजीसीएल में पुस्तकों की कुल संख्या	340000
वित्त वर्ष 2024-25 में नवग्रहीत पुस्तकें	1397
ई-पुस्तकों की कुल संख्या	64800
वित्त वर्ष 2024-25 में नवग्रहीत ई-पुस्तकें	872
पत्रिकाएँ (सजिल्द)	65200
शोध प्रबंध और शोध निबंध	18000+
इलेक्ट्रॉनिक पत्रिकाएँ/सम्मेलन पत्र (पुस्तकालय और ओएन ओएस अभिदत्त)	13346
संपूर्ण पाठ सामग्री	10
ग्रंथ सूची/उद्धरण सामग्री	15
अभिलेखागार	07
मानक	04
सॉफ्टवेयर/उपकरण	03
खोज सेवाएँ	01

छात्र समस्त सत्र में 7 पुस्तकें (अंतरस्नातक 3, स्नातकोत्तर 7 और शांधकर्ता 7) ले सकते हैं। संस्थान में प्रत्यक्ष आईपी-आधारित और रिमोट एक्सेस कनेक्टिविटी के माध्यम से कई प्रकाशकों और संग्राहकों से प्राप्त 13,346 से अधिक इलेक्ट्रॉनिक पत्रिकाएँ/संपादित सम्मेलन पत्र, 10 संपूर्ण पाठ सामग्री, 15 ग्रंथसूचियाँ/उद्धरण सामग्री, 64,800 ई-पुस्तकें, 04 मानक सामग्री (अर्थात् एएसटीएम, आईईसी, ब्रिटिश और भारतीय मानक), 02 पेटेंट डेटाबेस, 7 पत्रिका अभिलेखागार, 03 शोध सहायता सॉफ्टवेयर/उपकरण आदि उपलब्ध हैं।

ई-पुस्तकालय सेवा (https://elibrary.mgcl.iitr.ac.in) और इसके मोबाइल ऐप एमलाइब्रेरी (mLibrary) का आईटीआईआर समुदाय द्वारा व्यापक रूप से उपयोग किया जाता है, जो एमजीसीएल MGCL के लिए उपलब्ध संपूर्ण इलेक्ट्रॉनिक संसाधन सुलभ कराता कराता है। संप्रति, इसके 6,900 से अधिक पंजीकृत उपयोगकर्ता हैं, और समीक्षाधीन अवधि के दौरान 1,896 से अधिक सक्रिय उपयोगकर्ता थे। यह सेवा 3,30,000 से अधिक बार देखी गई और इलेक्ट्रॉनिक संसाधन डाउनलोड किये गए, जो उपयोगकर्ताओं के लिए इसकी उच्च सहभागिता और महत्व का परिचायक है। नीचे एमजीसीएल से संबद्ध प्रकाशकों की सूची प्रस्तुत है।

क्र. सं.	प्रकाशक/स्रोत
1	एसीएस ईबुक्स लाइब्रेरी
2	ब्लूम्सबरी आर्किटेक्चर ऑनलाइन लाइब्रेरी
3	ब्लूम्सबरी डिजाइन ऑनलाइन लाइब्रेरी
4	ब्लूम्सबरी कलेक्शन
5	सीबीएस ईबुक्स लाइब्रेरी
6	सीआरसीनेटबेस ईबुक्स लाइब्रेरी
7	कैंब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस ऑनलाइन लाइब्रेरी
8	डीग्रूटर ईबुक्स लाइब्रेरी
9	एडवाइ एलगर ईबुक्स लाइब्रेरी
10	ईबीएससीओ पोर्टल
11	एलसेवियर साइंस डाइरेक्ट ईबुक्स लाइब्रेरी
12	एमराल्ड बीएमईईबुक्स लाइब्रेरी
13	आईओपी सोसाइटी ईबुक्स लाइब्रेरी
14	खन्ना पब्लिशर्स
15	मैकग्रॉ-हिल एक्सेस इंजीनियरिंग लाइब्रेरी
16	मैकग्रॉ-हिल एजुकेशन ईबुक्स लाइब्रेरी
17	न्यू एह इंटरनेशनल
18	ऑक्सफर्ड हैंडबुक्स ऑनलाइन लाइब्रेरी
19	ऑक्सफर्ड स्कॉलरशिप ऑनलाइन लाइब्रेरी
20	पीयर्सन — प्रोक्वेस्ट ऑनलाइन लाइब्रेरी
21	सुलतान चंद एंड कं
22	स्प्रिंगरनेचर ऑनलाइन लाइब्रेरी
23	वाइली ऑनलाइन लाइब्रेरी
24	वर्ल्ड साइंटिफिक ऑनलाइन लाइब्रेरी
25	एसएजीई (सेज) नॉलेज लाइब्रेरी
26	एसएजीई (सेज) ईविद्या लाइब्रेरी

आईएसओ 9001:2015 प्रमाणन : एमजीसीएल की गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली आईएसओ-9001:2015 की निरीक्षण लेखापरीक्षा ब्रिटिश मानक संस्थानों (बीएसआई) के लेखा परीक्षकों द्वारा मानक मानदंडों के अनुरूप पूरी की गई।

हिंदी पखवाड़ा और संविधान दिवस के अवसर पर पुस्तक प्रदर्शनी

ग्रेटर नोइडा एक्सटेंशन कैंपस जीएनईसी आईआईटी रुड़की

आईआईटी रुड़की का जीएनईसी कैंपस ग्रेटर नोइडा के नॉलेज पार्क-2 में 10.42 एकड़ के हरे-भरे क्षेत्र में फैला हुआ है। नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे, यमुना एक्सप्रेसवे और मेट्रो से अच्छी तरह से जुड़ा यह कैंपस अत्यधिक सुरक्षित है, और राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया को गति प्रदान करने उद्देश्य से शिक्षा, शोध, परामर्श, उभरती प्रौद्योगिकियों और विकास के क्षेत्र में आईआईटीआर की शक्ति और क्षमताओं की उपस्थिति दर्ज कराने के लिए एक रोमांचक मंच प्रदान करता है। अनेकानेक तकनीकी संस्थानों से घिरे और आईआईटी रुड़की के बढ़ते औद्योगिक केंद्र के निकट होने के कारण, इस कैंपस का उद्देश्य उद्योग और शिक्षा दोनों के साथ अपने संबंध को व्यापक बनाना है।

यूपी के ग्रेटर नोइडा में जीएनईसी कैंपस कंप्यूटर लैब, कक्षा, सम्मेलन सुविधाओं, आवास सुविधाओं, विकास केंद्र और सिविल लैब से सुसज्जित है।

राजभाषा (हिंदी) प्रकोष्ठ

राजभाषा प्रकोष्ठ की स्थापना 31 जनवरी, 2002 को हुई थी। अपनी स्थापना के समय से ही राजभाषा प्रकोष्ठ न केवल भारत सरकार की राजभाषा नीतियों के अनुपालन के प्रति प्रतिबद्ध है, बल्कि संस्थान के प्रशासनिक एवं शैक्षणिक क्षेत्रों में राजभाषा के क्रियान्वयन को बढ़ावा देने के प्रति भी सदैव तत्पर रहा है। यह प्रकोष्ठ संस्थान के वार्षिक प्रतिवेदन, वार्षिक लेखा प्रतिवेदन और संस्थान की वेबसाइट के अतिरिक्त अन्य सभी आवश्यक प्रलेखों, प्रपत्रों आदि के हिंदी अनुवाद में अहम भूमिका निभाता है। वहीं, हिंदी दिवस एवं अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं और प्रोत्साहन योजनाओं का आयोजन कर शिक्षकों, अधिकारियों, कर्मचारियों, संस्थान के छात्रों और स्कूल के बच्चों को पुरस्कार प्रदान किया जाता है। केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण संस्थान के भाषा एवं टंकण पाठ्यक्रम में वैकल्पिक आधार पर प्रतिवर्ष कर्मचारियों को हिंदी का प्रशिक्षण भी दिया जाता है।

उपलब्धि : 29 जनवरी, 2025 को हरिद्वार स्थित नगर राजभाषा क्रियान्वयन समिति ने टीओएलआईसी की 39वीं बैठक में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की को 2023-24 में उत्कृष्ट राजभाषा क्रियान्वयन के लिए तृतीय पुरस्कार प्रदान किया।:

विभागीय गतिविधियाँ : वर्ष 2024-25 में विभाग द्वारा संपादित विभिन्न गतिविधियों का विस्तृत विवरण इस प्रकार है :

- **संस्थान राजभाषा कार्यान्वयन समिति :** समिति द्वारा संस्थान में राजभाषा की प्रगति का हर तीन महीने बाद नियमित रूप से निरीक्षण किया जाता है। 31 मार्च, 2025 तक इस समिति की 90 से अधिक बैठकें हो चुकी हैं।
- **हिंदी की प्रगति रिपोर्ट :** संस्थान में हिंदी की प्रगति की त्रैमासिक और अर्धवार्षिक रिपोर्ट, हर तीन और छह महीने पर शिक्षा मंत्रालय के गाजियाबाद स्थित क्षेत्रीय क्रियान्वयन कार्यालय (उत्तर) और हरिद्वार सचिवालय की नराकास को भेजी जाती हैं।
- **हिंदी व्याख्यान और कार्यशाला :** संस्थान के कर्मचारियों के बीच हिंदी को बढ़ावा देने के लिए राजभाषा प्रकोष्ठ ने विभिन्न विषयों पर हिंदी व्याख्यान और कार्यशालाओं का आयोजन किया, ताकि उनमें उनका अपना कार्यालयीय कार्य हिंदी में करने की अभिरुचि बढ़े।
- **हरिद्वार नराकास की गतिविधियों में भागीदारी :** नराकास का पूरा नाम नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति है, जिसमें केंद्र सरकार के कार्यालयों का एक समूह शामिल है। आईआईटी रुड़की भी हरिद्वार की नराकास का सदस्य है। हरिद्वार की इस नराकास द्वारा समय-समय पर आयोजित बैठकों, सम्मेलनों और कई अन्य कार्यक्रमों में आईआईटी रुड़की के निदेशक और कर्मचारियों ने भाग लिया और इस बड़े मंच पर उन्हें पुरस्कार प्रदान किये गए।
- **हिंदी समारोह एवं प्रतियोगिता :** वर्ष 1980 से संस्थान हर वर्ष 4 सितंबर को हिंदी दिवस/सप्ताह/पखवाड़े का आयोजन करता आ रहा है। इस वर्ष प्रकोष्ठ ने 14 सितंबर से 1 अक्टूबर, 2024 तक हिंदी पखवाड़े का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में कर्मचारियों के लिए हिंदी अनुवाद, हिंदी टिप्पण एवं प्रारूपण, हिंदी निबंधन लेखन जैसी विभिन्न प्रतियोगिताओं और अन्य प्रोत्साहन योजनाओं का आयोजन किया। 1 अक्टूबर 2024 को इन प्रतियोगिताओं के पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। डॉ. दामोदर खड़से समारोह के मुख्य अतिथि रहे। हिंदी पखवाड़ा समारोह में अधिकारियों/शिक्षकों/कर्मचारियों/छात्रों सहित कुल 49 विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किये गए।
- **अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस एवं प्रतियोगिता :** अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस 2025 के अवसर पर, संस्थान के विद्यार्थियों के लिए उनकी अपनी मातृभाषा में ट्रांसक्रिएशन, कविता लेखन और निबंध लेखन जैसी कुछ प्रतियोगिताओं के आयोजन के साथ-साथ स्कूली छात्रों के लिए दो श्रेणियों में पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, ताकि विभिन्न भाषाओं को प्रश्रय मिल सके और आईआईटी समुदाय में उन्हें बचाए रखा जा सके।
- **हिंदी पत्रिका का प्रकाशन :** "प्रौद्योगिकी मंथन" राजभाषा प्रकोष्ठ द्वारा प्रकाशित एक अर्धवार्षिक हिंदी पत्रिका है। इसमें प्रौद्योगिकी, विज्ञान और अनुसंधान के अतिरिक्त राजभाषा, अनुवाद, शिक्षा, खेल और स्वास्थ्य से संबद्ध विषयों पर आलेख शामिल किए जाते हैं। प्रत्येक संस्करण के चयनित तीन लेखों को हिंदी समारोह में पुरस्कार भी दिया जाता है।
- **हिंदी भाषा एवं हिंदी टंकण प्रशिक्षण :** प्रकोष्ठ द्वारा हिंदी भाषा (प्रबोध, प्रवीण और प्राज्ञ) एवं हिंदी टंकण की साप्ताहिक कक्षाओं का आयोजन किया गया। 11 से 13 जून, 2024 तक एलएचसी में हिंदी भाषा (प्रबोध, प्रवीण और प्राज्ञ) परीक्षा के आयोजन के अतिरिक्त 02 जनवरी, 2025 को संस्थान के कंप्यूटर सेंटर की प्रयोगशाला में दो सत्रों में हिंदी टाइपिंग परीक्षा का आयोजन किया गया।
- **हिंदी संभाषण कक्षा :** राजभाषा प्रकोष्ठ ने हिंदीतर भाषाभाषी कर्मचारियों और अंतरराष्ट्रीय छात्रों के लिए हिंदी संभाषण कक्षाओं का आयोजन किया है। ये कक्षाएँ अभी भी चल रही हैं।
- **हिंदी पुस्तक प्रदर्शनी :** हिंदी समारोह के अवसर पर, महात्मा गांधी केंद्रीय पुस्तकालय में 17 सितंबर से 01 अक्टूबर 2024 तक हिंदी पुस्तक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। पुस्तकालय में हिंदी की लगभग दस हज़ार पुस्तकें हैं।
- **भारतीय भाषा उत्सव :** 11 दिसंबर, 2024 को प्रकोष्ठ ने पहली बार प्रख्यात तमिल कवि, लेखक और प्रख्यात स्वतंत्रता सेनानी श्री सुब्रमण्यम भारती की जयंती के अवसर पर भारतीय भाषा उत्सव का आयोजन किया। इस अवसर पर, प्रकोष्ठ ने कर्मचारियों और छात्रों के लिए निबंध और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया।

- **मंत्रालयों से राजभाषा निरीक्षण :** संस्थान के दो राजभाषा निरीक्षणों में पहला निरीक्षण अगस्त 2024 में गृह मंत्रालय से गृह मंत्रालय से गाजियाबाद स्थित क्षेत्रीय क्रियान्वयन कार्यालय (उत्तर) के उपनिदेशक श्री छबील मेहर ने और दूसरा, नवंबर, 2024 को गृह मंत्रालय से ही श्री जगदीश राम पौड़ी, निदेशक (राजभाषा) ने किया।
- **अनुवाद :** वार्षिक रिपोर्ट, दीक्षांत समारोह रिपोर्ट और परिपत्रों/आदेशों के अनुवाद में प्रकोष्ठ ने अहम भूमिका निभाई है।

ई-शिक्षा केंद्र

ई-शिक्षा केंद्र (ईएलसी) की परिकल्पना मुख्यत: वीडियो/वेब/मल्टीमीडिया आधारित उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा सामग्री तैयार करने और राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संवर्धित शिक्षा कार्यक्रम (एनपीटीईएल) परियोजना हेतु पाठ्यक्रम-आधारित सामग्री का विकास करने के लिए की गई थी। बीते वर्षों में, इसकी भूमिका का विस्तार ई-शिक्षा के नए प्रतिमानों को शामिल करने, शिक्षकों को स्वयं अपनी ई-सामग्री का विकास करने और एनपीटीईएल द्वारा विकसित ई-सामग्री का उपयोग करने का प्रशिक्षण देने, अन्य संस्थानों के शिक्षकों को अपने-अपने संस्थानों में वीडियो और वेब आधारित व्याख्यानों के प्रसारण की सुविधा के लिए प्रशिक्षण देने, मांग पर चौबीसों घंटे वीडियो व्याख्यानों का प्रसारण, आईआईटी-रुड़की में प्रश्न कोषों का निर्माण, सुधार तंत्र के माध्यम से ई-सामग्री के निर्माण का गुणवत्ता नियंत्रण और ई-शिक्षा में शिक्षाशास्त्र से संबद्ध अनुसंधान करने के लिए किया गया है। वर्ष 2023-24 में, ई-शिक्षा केंद्र ने आईआईटी रुड़की में 16 विधाओं का समावेश करते हुए 24 पाठ्यक्रम शामिल किए। उस वर्ष, ई-शिक्षा केंद्र ने राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संवर्धित शिक्षा कार्यक्रम (एनपीटीईएल) को 215 सेमेस्टर की समग्र पाठ्यक्रम सामग्री प्रदान की, जो व्यापक मुक्त ऑनलाइन शिक्षा (वेब आधारित नि:शुल्क दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रम/मैसिव ओपेन ऑनलाइन कोर्स) के रूप में प्रदान की जाती है। केंद्र के पास 1,079 समग्र सेमेस्टर के पाठ्यक्रमों का संग्रह है। वेबसाइट पर उपलब्ध 215 सक्रिय पाठ्यक्रमों के लिए नामांकित दर्शकों की संख्या की संख्या में 660,183 थी। केंद्र ने वार्षिक दीक्षांत समारोह 2024 का सीधा प्रसारण सफलतापूर्वक किया है। केंद्र ने संस्थान की विभिन्न गतिविधियों का समावेश भी किया है, जैसे सम्मेल, उद्घाटन समारोह, अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन और समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर समारोह आदि। ई-शिक्षा केंद्र चालू सेमेस्टर के लिए वीडियो पाठ्यक्रम बनाने हेतु हाइब्रिड मोड में भी अपनी सेवाएँ प्रदान करता है और इसे आईआईटी रुड़की के छात्रों के साथ साझा भी किया है।

सुरक्षा कार्यालय

वर्ष 2024-2025 में कैंपस के आसपास एडवांस्ड समराइजेशन सॉफ्टवेयर (ब्रीफ-कैम) युक्त हाई रिसॉल्यूशन के लगभग 300 कैमरे लगाए गए हैं। सीसीटीवी कैमरों के बेहतर उपयोग के लिए इस सॉफ्टवेयर में उपयोगकर्ता को लोगों की गिनती, घुसपैठ की पहचान आदि जैसे एज-बेस्ड फिल्टर का उपयोग करने की सुविधा मिलती है। ये कैमरे प्रवेश द्वारों, सड़कों, सार्वजनिक क्षेत्रों, खेल के मैदानों, आवासीय क्षेत्रों आदि जैसे सार्वजनिक क्षेत्रों में युक्तियुक्त ढंग से लगाए गए हैं। इन कैमरों की स्थापना से सुरक्षा उपायों का संवर्धन हुआ है और कैंपस की गतिविधियों पर नज़र रखने के लिए ये महत्वपूर्ण सिद्ध हो रहे हैं। इस वर्ष सुरक्षा ड्रोन भी लगाया गया। ड्रोन की स्थापना से गणतंत्र दिवस, स्वतंत्रता दिवस आदि जैसे राष्ट्रीय आयोजनों और संस्थान के थॉम्सो, कॉग्निज़ेंस आदि जैसे अन्य प्रमुख आयोजनों के दौरान सुरक्षा कार्यालय की कार्य क्षमताओं में वृद्धि हुई है। इसके अतिरिक्त, ड्रोन संस्थान के भवनों की छतों की सुरक्षा भी कर रहा है। कैंपस में त्वरित सुरक्षा उपाय दल (क्यूआरटी) की तैनाती सुनिश्चित की गई है। गश्ती वाहनों के साथ त्वरित सुरक्षा उपाय दल (क्यूआरटी) तैनात किए गए हैं। मौजूदा व्यवस्था में, त्वरित सुरक्षा उपाय दल (क्यूआरटी) के सदस्य कैंपस के आसपास गश्त लगाएँगे और 24*7 के आधार पर समस्याओं का समाधान भी करेंगे। एडवांस्ड सीसीटीवी सर्विलैंस ने कैंपस में सभी के लिए एक सुरक्षित परिवेश प्रदान किया है। कैमरे में कैद फुटेज का उपयोग, यथा आवश्यक, सुरक्षा उद्देश्यों और कैंपस में उत्पन्न होने वाली आवश्यक जाँच/संवेदनशील समस्याओं के समाधान के लिए किया जाता है। सभी प्रवेश, निर्गम द्वार और सड़कें सुरक्षा निगरानी के दायरे में हैं, जो कैंपस में रहने वालों को एक अतिरिक्त सुरक्षित और सुखद परिवेश उपलब्ध कराते हैं।

अस्पताल

संस्थान के कैंपस के मध्य में एक अस्पताल है, जहाँ ओपीडी उपचार के अतिरिक्त आईपीडी की सुविधा भी प्रदान की जाती है। अस्पताल का प्रबंधन एलोपैथिक डॉक्टरों और एलोपैथिक संविदा डॉक्टरों की एक टीम करती है। अस्पताल में एक होमोथेटिक यूनिट है। दंत चिकित्सा के लिए, एक योग्य दंत चिकित्सक भी हैं। अस्पताल में ईएनटी, नेत्र रोग, हड्डी रोग, बाल चिकित्सा, त्वचा रोग, हृदय रोग, श्वसन चिकित्सा और तंत्रिका विज्ञान में सुपर स्पेशलिस्ट परामर्श के लिए नियुक्ति के आधार पर विशेषज्ञ परामर्श की व्यवस्था है। कैंपस में रहने वालों के लिए यह अस्पताल प्राथमिक चिकित्सा का एक

उत्कृष्ट स्वास्वय सुविधा केंद्र है। प्राथमिक चिकित्सा देखभाल के बाद चिकित्सा आपात की स्थिति में रोगी को अस्पताल में उपलब्ध एम्बुलेंस से मैक्स देहरादून भेजने की व्यवस्था है। सरकारी दिशानिर्देशों के अनुरुप आईआईटी अस्पताल में पल्स पोलियो टीकाकरण की व्यवस्था भी है।

अस्पताल में मिलने वाली सुविधाएँ इस प्रकार हैं :

- ओपीडी सुविधा (एलोपैथी)
- होमियोपैथी सुविधा
- दंत चिकित्सा सुधिा
- वार्ड/इनडोर सुविधा
- सामान्य ओटी
- भौतिक चिकित्सा
- प्रयोगशाला सेवाएँ
- दवाखाना
- ईसीजी सेवाएँ
- एंबुलेंस सेवाएँ
- विशेषज्ञ ओपीडी सेवाएँ

आईआईटी रुड़की के इंस्टीट्यूट हॉस्पिटल में हाल के विकासक्रम में, डॉ. दिशा श्रीवास्तव को जून 2024 में नियमित दंत चिकित्सक के रुप में नियुक्त किया गया। रोगियों की देखभाल में सुधार के मद्देनजर, भौतिक चिकित्सा इकाई के लिए शॉर्ट वेव डायथर्मी, कॉम्बिनेशन थेरेपी और शॉकवेव थेरेपी मशीनों समेत कई महत्वपूर्ण चिकित्सा उपकरण खरीदे गए। आईआईटी रुड़की के लाभार्थियों को सीजीएचएस दरों पर सेवाएं प्रदान करने के लिए मैक्स, फोर्टिस, आर्टेमिस जैसे प्रतिष्ठित अस्पतालों, स्थानीय पैथोलॉजी लैब और दंत चिकित्सा सेवा प्रदाताओं के साथ कई समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए। वहीं, 2,50,786 रुपये मूल्य के अनुपयोगी उपकरणों को औपचारिक निविदा प्रक्रिया के जरिए हटाया गया।

अस्पताल का स्थिति विवरण 2023-24

ओपीडी सेवा प्राप्त रोगी	216805
भौतिक चिकित्सा	18500
आपातकालीन रोगी	22310
ईसीजी	1504
एक्स-रे रेडियोलॉजी	5936
सर्जिकल ड्रेसिंग	112
दंत उपचार	14812
पैथोलॉजी लैब जाँच	238817
रोगी भरती	920

विभाग/केंद्र/स्कूल

अनुप्रयुक्त गणित एवं वैज्ञानिक कंप्यूटिंग (अभिकलन)

अनुप्रयुक्त गणित एवं वैज्ञानिक अभिकलन विभाग (डी-एएमएससी) में, हमारा लक्ष्य छात्रों को वैज्ञानिक और बहु-विषयक क्षेत्रों में उत्पन्न होने वाली चुनौतीपूर्ण, व्यावहारिक समस्याओं के समाधान के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल प्रदान करना है। पाठ्यक्रम और शोध में गणित की कठिनाइयों और कम्प्यूटेशनल दक्षता पर ध्यान दिया जाता है, ताकि छात्रों को शैक्षणिक और व्यावहारिक दोनों ही क्षेत्रों में सार्थक सहयोग देने के योग्य बनाया जा सके। डी-एएमएससी के शिक्षक उन्नत पद्धतियों के माध्यम से समकालीन चुनौतियों का समाधान और ज्ञान संवर्धन का प्रयास करते हुए न्यूमेरिकल डिफरेंशियल इक्वेशंस (संख्यात्मक अवकल समीकरण), न्यूमेरिकल ऑप्टिमाइजेशन (संख्यात्मक अनुकूलन), डेटा विज्ञान और मशीन शिक्षण (मशीन लर्निंग) समेत अनुसंधान के व्यापक क्षेत्रों में सक्रियता से कार्यरत हैं।

शिक्षकों/सहायक शिक्षकों/ अतिथि शिक्षा शिक्षकों की कुल संख्या	5 नियमित 1 संयुक्त शिक्षक 1 विजिटिंग शिक्षक 1 सहायक शिक्षक
पोस्ट डॉक्टरल फेलो की संख्या	00
पीएमआरएफ की संख्या	02

शैक्षिक गतिविधियाँ

प्रोग्राम (कार्यक्रम) प्रदत्त	नामांकि छात्रों की संख्या	प्रदत्त डिग्रियों की संख्या
M. Tech	24	15
Ph. D	34	06

अनुसंधान एवं विकास गतिविधियाँ

परियोजना की स्थिति	आर्थिक संरक्षण प्राप्त परियोजनाओं की कुल संख्या	परामर्श की कुल संख्या
M. Tech	24	15
Ph. D	34	06

प्रकाशन :—

	पुस्तक प्रकाशित	पुस्तक में प्रकाशित अध्याय	सम्मेलनों में जनर्लस्	पत्रिका में जनर्लस्	आईपी (पेटेंट/कॉपीराइट), डिजाइन/अंतरराष्ट्रीय पेटेंट/पीसीटी) दर्ज	आईपी (पेटेंट/कॉपीराइट), डिजाइन/अंतरराष्ट्रीय पेटेंट/पीसीटी) दर्ज अनुमोदित/पंजीकृत
कुल योग		1	2	2	18	22

वेबिनार/संगोष्ठियाँ/कार्यशालाएँ/सम्मेलन/वार्तालाप:

एमटीटीएस ट्रस्ट के तत्वावधान में राष्ट्रीय गणित बोर्ड और इंटरनेशनल कन्फेरेंस ऑन सॉफ्ट कंप्यूटिंग एंड प्रॉब्लेम सॉल्विंग की वित्तीय सहायता से विभाग ने, "इनिशिएटिव इनटू मैथेमैटिक्स" विषयक एक सप्ताह की कार्यशाला समेत विभिन्न सम्मेलनों/संगोष्ठियों/कार्यशालाओं/अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों का आयोजन किया है।

वास्तुकला एवं नियोजन विभाग

वास्तुकला एवं नियोजन विभाग, वास्तुकला एवं नियोजन के व्यावसायिक क्षेत्रों में उच्च-गुणवत्ता वाली शिक्षा प्रदान करता है। यह बैचलर ऑफ आर्किटेक्चर (बी. आर्क.), मास्टर ऑफ आर्किटेक्चर (एम. आर्क.), मास्टर ऑफ अर्बन एंड रूरल प्लानिंग (एमयूआरपी) एवं पीएच.डी. कार्यक्रम प्रस्तावित करता है। बी. आर्क. कार्यक्रम 1956 में शुरू किया गया था। विभाग को 1969-70 में भारत में मास्टर डिग्री प्रोग्राम, एम. आर्क. एवं वर्ष 1973-74 में एक और एमयूआरपी शुरू करने का अनूठा गौरव प्राप्त है। इस वित्तीय वर्ष के दौरान, एनआईआरएफ ने लगातार चौथे वर्ष वास्तुकला शिक्षा के लिए देश में विभाग को नंबर 1 स्थान दिया है, और 2018 से इंडिया टुडे द्वारा लगातार सात बार 1 स्थान दिया गया है।

कुल संकाय/सहायक/ अतिथि-शिक्षण संकाय	संकाय - 19 अतिथि संकाय - 2 सहायक संकाय - 1
पोस्ट डॉक्टरेट फेलो की संख्या	02
पीएमआरएफ की संख्या	06

डॉ. देबदत्त परिड़ा, डॉ. समीर अली अब्बास अली, डॉ. नवजीत गौरव एवं डॉ. तान्या सरमाह, वास्तुकला एवं नियोजन विभाग में शामिल हुए हैं।

शैक्षणिक गतिविधियां: -

प्रस्तावित कार्यक्रम	नामांकित छात्र	प्रदान की गई उपाधियाँ
बी. आर्क	160	22
एम. आर्क + एम.यू.आर.पी.	49	28
पीएच.डी. (पूर्णकालिक + अंशकालिक)	119	13

अनुसंधान एवं विकास गतिविधियाँ:

विभाग में जलवायु विज्ञान प्रयोगशाला, कंप्यूटर प्रयोगशाला एवं अत्याधुनिक उपकरणों और सॉफ्टवेयर से सुसज्जित कम्प्यूटरीकृत डिज़ाइन स्टूडियो, एक आर्ट लैब और एक वर्कशॉप जैसी सुविधाएँ हैं। इंडो-यूके कार्यक्रम के तहत स्थापित नेट ज़ीरो एमिशन पर एक प्रतिष्ठित प्रयोगशाला, विभाग में नवीनतम उपलब्धि है। इसके साथ ही, विभाग में सात नई प्रयोगशालाएँ स्थापित की गई हैं, जिनके नाम हैं, वर्चुअल रियलिटी लैब, स्पर्श (स्थानिक नियोजन अनुसंधान), शहरी गतिशीलता प्रयोगशाला, सिविक डिज़ाइन लैब, औद्योगिक डिज़ाइन लैब, निर्माण प्रयोगशाला, निर्मित पर्यावरण प्रयोगशाला, समावेशी डिज़ाइन के लिए प्रयोगशाला, सररियल लैब और इंफ्रास्ट्रक्चर प्लानिंग लैब (आईपीएल) जो वास्तुकला एवं नियोजन के विभिन्न क्षेत्रों में उच्च-स्तरीय अनुसंधान करने के लिए हैं।

परियोजना स्थिति	परियोजनाओं की कुल संख्या	परियोजना राशि (लाखों में)	परियोजनाओं की कुल संख्या	परामर्श राशि (लाखों में)
नई	3	456.91 आईएनआर	1	20 आईएनआर
जारी	11	746.85 आईएनआर 80000 जीबीपी	6	257.5 आईएनआर & 10,300 यूएसडी
पूर्ण हुई	10	32.88 आईएनआर	10	183.34 आईएनआर

प्रमुख सुविधाएँ: -

लेजर एनग्रेवर वेगा-48 (150 वाट)

पीटीज़ेड कैमरा 4K एचडी पीपल लिंक एलीट 4के

प्रमुख सुविधाएँ: -

- श्री हिमांशु वंजारी, श्री सुखविंदर कौर, श्री कौशलेंद्र सिंह अहिरवार, श्री लक्ष्मण नानावथ ने मंगलम सीमेंट लिमिटेड और आईआईए इंदौर द्वारा आयोजित उत्तम आर्किटेक्ट अवार्ड 2025 में द्वितीय रनर अप स्थान प्राप्त किया है। (प्रो. सोनल आत्रेय द्वारा निर्देशन)
- मनन मोंगा को साइकिलिंग टु स्कूल में प्रथम पुरस्कार: संस्थान अनुसंधान दिवस में स्थिति आकलन एवं नियोजन रणनीतियाँ (डॉ. शुभजीत साधुखान द्वारा गाइड)
- पारुल सुरैया ने संस्थान अनुसंधान दिवस में स्वास्थ्य सेवा सुलभता में स्थानिक असमानताओं की जांच में तीसरा पुरस्कार प्राप्त किया (डॉ. हर्षित सोसन लाकड़ा एवं डॉ. तान्या सरमा द्वारा मार्गदर्शन)
- श्री कार्तिक मोहन को वीआईटी वेल्लोर में आयोजित 11वें

अंतर्राष्ट्रीय ज़ेमच सम्मेलन 2024 में सर्वश्रेष्ठ शोध पुरस्कार प्राप्त हुआ। (मार्गदर्शक डॉ. पी.एस. चानी)

- सुश्री क्राति ए. माहेश्वरी को केरल के त्रिवेंद्रम में आयोजित 73वें राष्ट्रीय टाउन कंट्री प्लानर्स सम्मेलन में जयपुर शहर में स्ट्रेटिजाईजिंग यूटिलिटेरियन साइक्लेबिलिटी शीर्षक से अपनी मास्टर थीसिस के लिए आईटीपीआई राष्ट्रीय सर्वश्रेष्ठ थीसिस पुरस्कार (महिला वर्ग) से सम्मानित किया गया।
- डॉ. नामिया इस्लाम को मकाऊ (एसएआर, चीन) में आयोजित 29वें एशिया पैसिफिक टूरिज्म एसोसिएशन (एपीटीए) वार्षिक सम्मेलन 2024 में भाग लेने के लिए अनुसंधान राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन (एएनआरएफ), भारत डीएसटी, भारत सरकार से वित्तीय सहायता मिली।

मुख्य बातें: -

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रुड़की एवं आरडब्ल्यूटीएच आचेन यूनिवर्सिटी, जर्मनी के बीच पांच वर्षीय, संस्थान-व्यापी समझौता ज्ञापन (एमओयू)।

वेबिनार/संगोष्ठी/कार्यशालाएं/सम्मेलन/संवाद:-

विभाग ने विभिन्न सम्मेलन /सेमिनार /कार्यशाला /अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किए हैं, उनमें से इस प्रकार हैं रुड़की शहरी संगोष्ठी 2025, डीएपी का 67वां स्थापना दिवस मनाना, द्विवार्षिक सम्मेलन जिसका नाम है, 'रुड़की शहरी संगोष्ठी एवं विशेष व्याख्यान – आर्कएक्सटॉक: वास्तुकला एवं शहरी भविष्य पर परिप्रेक्ष्य के संबंध में

प्रकाशन :—

	पुस्तक प्रकाशन	पुस्तक में प्रकाशित अध्याय	सम्मेलनों में प्रकाशन	जर्नल में शोधपत्र	आईपी (पेटेंट/कॉपीराइट), डिजाइन/अंतरराष्ट्रीय पेटेंट/पीसीटी) दायर	आईपी (पेटेंट/कॉपीराइट), डिजाइन/अंतरराष्ट्रीय पेटेंट/पीसीटी) दर्ज स्वीकृत/पंजीकृत
कुल योग	0	11	34	43	0	0

जैव विज्ञान (जीव शास्त्र) एवं जैव अभियांत्रिकी

वर्ष 1980 में एक जैव विज्ञान केंद्र की स्थापना की गई और फिर 1986 में इसका उत्थान जैव विज्ञान एवं जैव प्रौद्योगिकी के पूर्ण शैक्षणिक विभाग का रूप दे दिया गया। पुन: वर्ष 2002 में इसका नाम बदलकर जैव प्रौद्योगिकी विभाग कर दिया गया। विभाग के कुछ शिक्षण और अनुसंधान कार्यक्रम हैं, जिनमें आधुनिक जैव प्रौद्योगिकी के विभिन्न मूलभूत और व्यावहारिक पक्षों का समावेश किया गया है। व्यावसायिक महत्व की प्रौद्योगिकियों के विकास की दिशा में इन शोधों से प्राप्त ज्ञान के प्रसार पर विशेष बल के साथ जैव प्रौद्योगिकी के अंतर्विषयक क्षेत्रों में शैक्षिक प्रशिक्षण प्रदान करना और अनुसंधान करना विभाग का मुख्य उद्देश्य है। वर्ष 2005 में बी.टेक. (जैव प्रौद्योगिकी) का एक पाठ्यक्रम शुरू किया गया। जनवरी, 2021 एक बार फिर इस विभाग का नाम बदल कर जैव विज्ञान एवं जैव तकनीकी विभाग कर दिया गया। वर्ष 2024 के दीक्षांत समारोह में पैंतीस छात्रों को पीएच.डी. की उपाधि दी गई। डीबीटी के आर्थिक संरक्षण में विभाग का एम.एससी. (जैव प्रौद्योगिकी) प्रोग्राम भी सफलतापूर्वक चल रहा है, जिसमें छात्रों की अनुमोदित क्षमता 30 है। आर्थिक संरक्षण प्राप्त शोध परियोजनाएँ

(डीएसटी, एसईआरबी, डीबीटी और सीएसआईआर आदि से सहायता प्राप्त) सफलतापूर्वक पूरी हो चुकी हैं, और भारत सरकार से आर्थिक सहायता प्राप्त इक्कीस नई शोध परियोजनाएँ भी जारी हैं।

विभाग के शिक्षकों की कुल संख्या	28
अतिथि शिक्षक की कुल संख्या	09
पोस्ट डॉक्टरल फेलो की संख्या	06
पीएमआरएफ की संख्या	04

डॉ. ऋषिकेश पांडेय की आईआईटी रुड़की के जीव विज्ञान (जीव शास्त्र) और जैव तकनीकी विभाग में सहायक प्रोफेसर पद पर नियुक्ति हुई।

शैक्षिक गतिविधियाँ

1. एम.टेक एससीबी प्रोग्राम में बीईसी-513 (कंप्यूटर प्रोग्रामिंग) के एक नए पाठ्यक्रम प्रस्ताव किया गया।
2. एम.एससी. बीईसी-513 (बायॉफिजिकल टेक्नीक्स) पाठ्यक्रम लागू किया गया।

प्रोग्राम (कार्यक्रम) प्रदत्त	नामांकित छात्रों की संख्या	प्रदत्त डिग्रियों की संख्या
बी. टेक.	160	36
एम. टेक.	28	07
एम.एससी.	56	22
पीएच.डी	190	35

अनुसंधान एवं विकास गतिविधियाँ

परियोजना की स्थिति	आर्थिक संरक्षण प्राप्त परियोजनाओं की कुल संक्ष्या	परामर्श की कुल संख्या
नई	21	-
जारी	60	01
संपन्न	27	-

मुख्य सुविधाएँ

- अपराइट कॉन्फोकल माइक्रोस्कोप
- क्रिस्टलाइजेशन रोबो
- एलिस्पॉट रीडर
- फ्लूरोमैक्स प्लस स्पेक्ट्रोफ्लूरोमीटर

छात्रों की उपलब्धि

1. श्री अर्पण कायस्थ को वीएनआईटी नागपुर में आयोजित एनएससी 51 में सर्वश्रेष्ठ मौखिक प्रस्तुति का पुरस्कार दिया गया। (गाइड प्रो. प्रवींद्र कुमार)
2. सुश्री महक सैनी के शोध आलेख 'स्मॉल मॉलिक्यूल आईआईटीआर08367 पोटेंशिएट्स एंटीबैक्टेरियल एफिकेसी ऑफ फॉस्फोमाइसिन एगेंस्ट एसिनेटोबैक्टर बाउमानी बाइ एफ्लक्स पंप इनिहिबिशन' को एसीएस इन्फेक्शस डिजीज के आवरण पृष्ठ पर स्थान दिया गया। (गाइड प्रो. रंजना पठानिया)
3. श्री अरसलान हुसैन को दक्षिण अफ्रीका के केप टाउन में "बैक्टीरियल मॉर्फोजेनेसिस, सर्वाइवल एंड विरुलेंस : मॉलिक्यूल्स, मेटाबॉलिज्म, मेम्ब्रेन" पर आयोजित सम्मेलन में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर का पुरस्कार प्राप्त हुआ। (मार्गदर्शक प्रो. रंजना पठानिया)
4. सुश्री वेदिका जयंत जोशी को आईआईटी बंबई में "इंटर आईआईटी टेक मीट 13.0" के अंतर्गत आयोजित "स्टूडेंट्स एकेडमिक कॉन्फेरेंस" में सर्वश्रेष्ठ पेपर का पुरस्कार प्राप्त हुआ। (गाइड प्रो. एस.आर. यादव)
5. श्री सौम्यदीप बसाक को आईआईटी रुड़की के नैनोटेक्नोलॉजी केंद्र में एसीएस एप्लाइड मटीरियल्स एंड इंटरफेसेस से मान्यता प्राप्त नैनोटेक्नोलॉजी दिवस 2025 के अवसर पर सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार से सम्मानित किया गया। उन्हें माइक्रोफ्लुइडिक विशेषज्ञ गोष्ठी (गाइड प्रो. पी. गोपीनाथ) में माइक्रोफ्लुइडिक्स/चिकित्सा उपकरणों के क्षेत्र में उनके असाधारण योगदान के लिए मेडिकल डिवाइसेस यंग इनोवेटर अवार्ड 2025 से भी सम्मानित किया गया। (गाइड प्रो. पी. गोपीनाथ)
6. श्री प्रीतम सिंह को आईआईटी रुड़की में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर प्रस्तुति पुरस्कार (सीओएमईटी/कॉमेट)-2025 से सम्मानित किया गया। उनके सह-लेखक एस. बक्सी के साथ उन्हें एनआईटी राउरकेला में बायॉप्रॉसेस फॉर सस्टेनेबल एन्वाइरन्मेंट एंड इनर्जी (आईसीएबीएसईई)-2024 विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में सर्वश्रेष्ठ मौखिक (उद्योग-उन्मुख अनुसंधान) प्रस्तुति पुरस्कार से सम्मानित किया गया। (गाइड प्रो. एस. घोष)।
7. श्री दिशारी मल्लिक को देहरादून में आयोजित बायोटेक फ्रंटियर्स 2025 अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में युवा वैज्ञानिक कार्यक्रम में युवा वैज्ञानिक श्रेणी में प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ। (गाइड प्रो. राजेश कुमार)

शिक्षक उद्यमिता विवरण

- प्रो. देवेश भीमसरिया, प्रो जितिन सिंगला और प्रो. राजेश कुमार स्टार्ट-अप-बायो इन्फॉर्मेटिकल्स
- प्रो. प्रणीता पी. सारंगी : आईआईटी रुड़की की एफईपी के अंतर्गत वियाग्नोसिस टेक्नॉलोजीज प्राइवेट लिमिटेड की संस्थापक रहीं। संप्रति, आईएचयूबी, आईआईटीआर में इसका विकास किया जा रहा है।

प्रकाशन :—

	पुस्तक प्रकाशित	पुस्तक में प्रकाशित अध्याय	सम्मेलनों में निबंध	पत्रिका में लेख	आईपी (पेटेंट/कॉपीराइट), डिजाइन/अंतरराष्ट्रीय पेटेंट/पीसीटी) दर्ज	आईपी (पेटेंट/कॉपीराइट), डिजाइन/अंतरराष्ट्रीय पेटेंट/पीसीटी) अनुदानित/पंजीकृत
कुल योग	कोई नहीं	07	19	120	11	01

रासायनिक अभियांत्रिकी विभाग

रासायनिक अभियांत्रिकी विभाग की स्थापना 1963 में रासायनिक अभियांत्रिकी में स्नातक कार्यक्रम के साथ की गई थी। वर्तमान में विभाग, रासायनिक इंजीनियरिंग में स्नातक (बी.टेक.), स्नातकोत्तर (एम.टेक.) एवं डॉक्टरेट (पीएचडी) कार्यक्रम चलाता है। विभाग ने शिक्षण एवं अत्याधुनिक अनुसंधान में बहुत उच्च मानक स्थापित किए हैं।

सहायक/अतिथि-शिक्षण संकाय की कुल संख्या	कुल संकाय संख्या-26
पोस्ट डॉक्टर फेलो की संख्या	08
पीएमआरएफ की संख्या	08

शैक्षणिक गतिविधियां: -

प्रस्तावित कार्यक्रम	नामांकित छात्र	प्रदान की गई उपाधियाँ
बी. टेक.	479	145
एम. टेक.	68	13
पीएच.डी	109	13

अनुसंधान एवं विकास गतिविधियाँ: -

परियोजना स्थिति	परियोजना	राशि लाख रुपये में	परामर्श परियोजना	राशि लाख रुपये में
नए	16	1102.2	1	15.23
जारी	26	1364.62	4	352.0476
पूर्ण हुए	23	2224.07	4	43.424

प्रमुख सुविधाएं: -

- पॉलीजेट 3डी प्रिंटर

- थर्मोग्रविमेत्रिक विश्लेषण

छात्र उपलब्धि: -

1. श्री हरमित एस काडू को शिगन नेक्सजेन टॉपअप फेलोशिप प्राप्त हुई।
2. श्री अमित सिंह को मलेशियाई आयनिक लिक्विड रिसर्च सोसाइटी (एमआईएलआरएस) द्वारा आयोजित वीडियो प्रतियोगिता के लिए रजत पुरस्कार प्राप्त हुआ।
3. श्री हेमंत गोयल ने जीवाईटीआई रनर अप अवार्ड 2024 प्राप्त किया
4. श्री राजीव रंजन ने सर्वश्रेष्ठ मौखिक प्रस्तुति (उत्कृष्टता प्रमाण पत्र): एक परिपत्र अर्थव्यवस्था के लिए मूल्यवान रसायनों में सीओ2 का सतत रूपांतरण", प्रो. प्रकाश बिस्वास के मार्गदर्शन में

अपशिष्ट प्रबंधन को बदलने पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी: परिपत्र अर्थव्यवस्था एवं ऊर्जा स्थिरता प्राप्त किया

5. सुश्री अंजलि गर्ग ने कॉमेट'25 के दौरान आईआईटी रुड़की में आयोजित 3-मिनट थीसिस प्रतियोगिता में 28 प्रतिभागियों में से तीसरा स्थान प्राप्त किया।
6. आईआईटी रुड़की, रिसर्च स्कॉलर डे के अवसर पर सुश्री अरिशा शर्मा ने सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुति पुरस्कार प्राप्त किया।
7. सुश्री सोनम कर्दम को गैसीकरण प्रक्रिया के लिए कटहल के छिलके का कैरक्टराईजेशन, आईसीएएफएम-2024, त्रिभुवन विश्वविद्यालय, नेपाल, (गाइड प्रोफेसर शबीना खानम) में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार प्राप्त हुआ
8. सुश्री दीक्षा वत्स को कॉमनवेल्थ स्प्लिट-साइट छात्रवृत्ति पुरस्कार प्राप्त हुआ।
9. श्री दिनेश पटेल को अल्बर्टा विश्वविद्यालय का दौरा करने के लिए सर्ब ओवीडीएफ फेलोशिप प्राप्त हुई।
10. सुश्री सृष्टि कंबोज को सतत विकास के लिए उन्नत कार्यात्मक सामग्री और उपकरणों पर तीसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार प्राप्त हुआ।

संकाय उद्यमिता विवरण: -

- डॉ. पी. मंडल:- वर्तमान में यास ग्रीनटेक प्राइवेट लिमिटेड अपशिष्ट प्लास्टिक से आर्मी ट्रैकवे और जल उपचार प्रौद्योगिकियों सहित विभिन्न उत्पादों के विकास पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। इसे अपशिष्ट प्लास्टिक से दीवार टाइलों के विकास के लिए निधि प्रयास योजना के तहत आरंभिक अनुदान प्राप्त हुआ है। इसे स्टार्टअप इंडिया के तहत भी पंजीकृत किया गया है।
- डॉ. शिव मोहन रेड्डी:- एनएसएमआर प्राइवेट ने अपशिष्ट से 100 लीटर/ तरल/गैसीय ईंधन उत्पादन (अपशिष्ट से धन प्राप्ति दृष्टिकोण) के पायलट पैमाने पर प्रौद्योगिकी के प्रदर्शन के लिए 55 लाख रुपये का वित्त पोषण जुटाया।

वेबिनार/संगोष्ठी/कार्यशाला/सम्मेलन/संवाद:-

विभाग ने विभिन्न सम्मेलन/सेमिनार/कार्यशाला/अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किए हैं, जिनमें से कुछ हैं ग्लोबल इनिशिएटिव ऑन एकेडमिक नेटवर्क (जीआईएएन) जिसका विषय है 'लघु पैमाने पर गहन दो-चरण प्रसंस्करण' एवं स्पार्क प्रायोजित कार्यशाला "रासायनिक एवं संबद्ध उद्योगों के लिए डीकार्बोनाइजेशन प्रौद्योगिकियां"।

प्रकाशन :—

	पुस्तक प्रकाशन	पुस्तक अध्याय	सम्मेलनों में शोध पत्र	जर्नल में शोध पत्र	आईपी (पेटेंट/कॉपीराइट), डिजाइन/अंतरराष्ट्रीय पेटेंट/पीसीटी) दायर	आईपी (पेटेंट/कॉपीराइट), डिजाइन/अंतरराष्ट्रीय पेटेंट/पीसीटी) स्वीकृत/पंजीकृत
कुल योग	1	04	29	107	9	04

रसायन विज्ञान विभाग

रसायन विज्ञान विभाग की स्थापना **1960** में हुई थी। तब से, इसने देश में उच्चतम स्तर की शैक्षणिक शिक्षा प्रदान की है। विभाग में शिक्षण एवं अनुसंधान का उद्देश्य अंतःविषय के विषयों पर केंद्रित है, जिसने दुनिया भर में ध्यान और प्रशंसा प्राप्त की है।

संकाय/सहायक/अतिथि-शिक्षण संकाय की कुल संख्या	कुल संकाय संख्या-32
पोस्ट डॉक्टर फेलो की संख्या	06
पीएमआरएफ की संख्या	12

डॉ. रंजना बिष्ट एवं डॉ. आकाश कैथल रसायन विज्ञान विभाग में सहायक प्रोफेसर के रूप में शामिल हुए।

शैक्षणिक गतिविधियां: -

विभाग चार कार्यक्रम प्रस्तावित करता है: 2 वर्षीय एम.एससी. (जेएएम के माध्यम से प्रवेश); 5 वर्षीय एकीकृत एम.एससी. (जेईई के माध्यम से प्रवेश); 5 वर्षीय बीएस-एमएस (जेईई के माध्यम से प्रवेश) जिसमें 4 वर्षीय बीएस निकास विकल्प है; एवं पीएचडी उपाधि। 2 वर्षीय एम.एससी. कार्यक्रम एवं एकीकृत एम.एससी. कार्यक्रम दोनों में उपाधि प्रदान करने के लिए आंशिक पूर्ति के रूप में एक पूर्ण वर्ष के लिए एक शोध परियोजना शामिल है। बीएस-एमएस कार्यक्रम के 4 वर्षीय निकास विकल्प के मामले में, शोध परियोजना एक सेमेस्टर के लिए है। नए पाठ्यक्रमों का विवरण इस प्रकार है:

- सीवाईओ-103: विश्लेषण के साधन विधियाँ (बीएस-एमएस, 3 क्रेडिट, प्रो. एम. शंकर द्वारा विकसित)
- सीवाईसी-351: रसायन विज्ञान में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (बीएस-एमएस, 2 क्रेडिट, प्रो. पुनीत गुप्ता द्वारा विकसित)
- सीवाईटी-501: उत्प्रेरण एवं प्रतिक्रिया डिजाइन के लिए
- कम्प्यूटेशनल दृष्टिकोण (एम.एससी./एम.टेक., 3 क्रेडिट, प्रो. पुनीत गुप्ता द्वारा विकसित)
- सीवाई-902: उन्नत अकार्बनिक रसायन विज्ञान (बीएस-एमएस/एमएससी, 3 क्रेडिट, प्रो. सायंती चटर्जी द्वारा विकसित)

प्रोग्राम (कार्यक्रम) प्रदत्त	पंजीकृत छात्र	प्रदत्त डिग्रियों की संख्या
बीएस-एमएस	110	-
एमएससी	86	42
एकीकृत एमएससी	15	14
पीएच.डी	212	31

अनुसंधान एवं विकास गतिविधियाँ: -

इस समय विभाग में अनुसंधान के अग्रणी क्षेत्रों में विशेषज्ञता रखने वाले संकाय हैं। सिंथेटिक कार्बनिक रसायन एवं कटैलिसीस, डोमिनो प्रतिक्रिया, प्रतिक्रिया पद्धति, एसिम्मेट्रिक संश्लेषण, एसिम्मेट्रिक कटैलिसीस, संक्रमण धातु आधारित कटैलिसीस, इलेक्ट्रोकैमिस्ट्री, ऑर्गेनोफ्लोरीन रसायन एवं हिटीरोजेनस कटैलिसीस, एनेर्जी रेलेवेंट कटैलिसीस, विसिबल लाइट फोटोरेडॉक्स कटैलिसीस, इलेक्ट्रोकैमिस्ट्री, कार्बनिक फंकशनल मेटेरियल, पोल्यमेरिक मेंबरनेस, नैनो-जैव इंटरफेसियल रसायन, चुंबकीय एवं ऑप्टिकल नैनोमटेरियल, कूओर्डिनेशन कैमिस्ट्रि, ऊर्जा भंडारण, पर्यावरण उपचार, एंटीमाइक्रोबायल मटेरियल्स, पोर्फिरिन रसायन, सुपरमॉलेक्यूलर स्व-संयोजन, कार्बनिक इलेक्ट्रॉनिक्स, रेडियोफार्मास्युटिकल्स, कैंसर रोधी दवा डिजाइन, बायोइनऑर्गेनिक एवं बायोऑर्गेनिक रसायन, मेग्नेटिक मेटेरियल्स, पोरस मेटेरियल्स, आरओएस-मेडियटेड फोटोडायनामिक थेरेपी के लिए छोटे अणु डिजाइन एवं लक्षित कीमोथेरेपी के लिए प्रोड्रग डिजाइन, उच्च ऊर्जा घनत्व सामग्री, अल्ट्राफास्ट स्पेक्ट्रोस्कोपी, नॉनलाइनियर स्पेक्ट्रोस्कोपी, सेंसर के रूप में क्वांटम डॉट्स, प्लास्मोनिक्स एनेर्जी हार्वेस्टिंग, कोएसेरवेट्स, एक्टिव मैटर, पॉलिमर की सांख्यिकीय यांत्रिकी रासायनिक प्रतिक्रियाओं का अध्ययन करने के लिए कम्प्यूटेशनल विधियों एवं सिलिको विश्लेषण, मॉडलिंग एवं सिमुलेशन, ऊर्जा भंडारण के लिए कम्प्यूटेशनल मेटेरियल विज्ञान, एवं आणविक गतिशीलता सिमुलेशन को अपनाया जा रहा है।

परियोजना स्थिति	प्रायोजित परियोजनाओं की कुल संख्या
नए	16
जारी	26
पूर्ण हुए	23

छात्र उपलब्धि: -

- सुश्री मीरा खत्री को आईआईटी बॉम्बे में 9-12 फरवरी, 2025 को आयोजित "मेन ग्रुप टू मैटेरियल्स -4 (एमएमएम4)" सम्मेलन में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर प्रस्तुति पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- सुश्री कृष्णा पांडे को 1 फरवरी, 2024 को तिरुवनंतपुरम, केरल में "14वें अंतर्राष्ट्रीय हाइ एनर्जि मटिरियल सम्मेलन एवं प्रदर्शनी (एचईएमसीई 2024)" में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर प्रस्तुति पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- सुश्री प्राची भाटिया को 1 फरवरी, 2024 को तिरुवनंतपुरम, केरल में "14वें अंतर्राष्ट्रीय हाइ एनर्जि मटिरियल सम्मेलन एवं प्रदर्शनी (एचईएमसीई 2024)" में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर प्रस्तुति पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

- सुश्री प्राची भाटिया को यू मिलान, इटली, 31 जुलाई, 2024, को निवर्सिटी ऑफ हैदराबाद में "14वें अंतर्राष्ट्रीय कमबसचन एंड प्रोपल्जन कार्यशाला" में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर प्रस्तुति पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- डॉ. मोनोजीत नंदी, भारतीय पेट्रोलियम संस्थान, देहरादून, उत्तराखंड में तकनीकी अधिकारी के रूप में शामिल हुए।
- डॉ. देवेश सिंह, रसायन विज्ञान विभाग, डीएवी पीजी कॉलेज, मुजफ्फरनगर, यूपी में सहायक प्रोफेसर के रूप में शामिल हुए।
- शोध छात्रा सुश्री अद्रिजा घोष को आईआईटी गांधीनगर में एक्सआईएक्स जे-एनओएसटी (7 - 10 अक्टूबर, 2024) में सर्वश्रेष्ठ मौखिक प्रस्तुति पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- सुश्री आर्या सिंह को आईआईटी रुड़की में आयोजित सोसाइटी फॉर नाइट्रिक ऑक्साइड एंड एलाइड रेडिकल्स (एसएनओएआर-2025) सम्मेलन में आरएससी सर्वश्रेष्ठ मौखिक प्रस्तुति पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- श्री विनीत ने सीएसआईआर-नेट ऑल इंडिया रैंक 2 के साथ स्प्रिंग सेमेस्टर 2025 में पोशन लैब जॉइन किया।
- सुश्री बरखा सक्सेना को रसायन विज्ञान विभाग एवं जैवविज्ञान एवं जैवअभियांत्रिकी विभाग, आईआईटी रुड़की द्वारा आयोजित "नेशनल कॉन्फ्रेंस ऑफ सोसाइटी फॉर नाइट्रिक ऑक्साइड एंड एलाइड रेडिकल" में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर प्रस्तुति पुरस्कार मिला।
- श्री दिवाकर चौधरी को प्रतिष्ठित प्रधानमंत्री अनुसंधान फेलोशिप से सम्मानित किया गया।
- श्री विनीत गुणवंत को अंतर्राष्ट्रीय यात्रा पुरस्कार, एआरएनएफ डीएसटी मिला।
- डॉ. प्रीति गहटोरी, अल्बर्टा विश्वविद्यालय, कनाडा में पोस्टडॉक्टरल फेलो के रूप में शामिल हुईं।
- श्री सौम्या रंजन महंत को बार्क मुंबई में उद्योग, स्वास्थ्य एवं पर्यावरण (ईआईएचई) 2025 के लिए इलेक्ट्रोकेमिस्ट्री पर डीएई-बीआरएनएस सम्मेलन में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार प्राप्त हुआ।
- सुश्री श्वेता चौधरी को सीआरएसआई-एसीएस अर्ली करियर रिसर्चर्स सिम्पोजियम 2024 में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार प्राप्त हुआ।
- श्री विकास सिंह ठाकुर को आईआईटी खड़गपुर द्वारा आयोजित आईसीएफएम-2024 में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार प्राप्त हुआ।
- सुश्री तेजल दीक्षित को आईआईटी रुड़की द्वारा आयोजित सोसाइटी ऑफ नाइट्रिक ऑक्साइड एंड एलाइड रेडिकल्स (एसएनओएआर-2025) में सर्वश्रेष्ठ मौखिक प्रस्तुति पुरस्कार प्राप्त हुआ
- श्री कार्तिकेय त्यागी को आईआईटी रुड़की द्वारा आयोजित सोसाइटी ऑफ नाइट्रिक ऑक्साइड एंड एलाइड रेडिकल्स (एसएनओएआर-2025) में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार प्रदान किया गया।
- श्री पंकज सिंह पटवाल को इंस्टीट्यूट रिसर्च स्कॉलर डे 2025 के दौरान पोस्टर प्रस्तुति में प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ।
- सुश्री निवेदिता राणा ने 8-9 फरवरी 2025 को आईआईटी रुड़की में आयोजित तीन मिनट की थीसिस प्रतियोगिता में उभरती प्रतिभाओं के लिए कैरियर ओरिएंटेशन और मेंटरशिप (COMET' 2025) में दूसरा स्थान प्राप्त किया है, जिसका शीर्षक था "कार्यात्मक पोरफिरिन के फोटोफिजिकल गुणों की खोज और प्रकाश संचयन प्रणालियों, फोटोडायनामिक थेरेपी और ऊर्जा भंडारण में उनका अनुप्रयोग"।
- श्री अहमद को 27-28 फरवरी 2025 को उत्तराखंड के डीबीयूयू में ग्रीन सस्टेनेबल सॉल्यूशंस (आईसीजीएसएस) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "मध्यम नमक सांद्रता के तहत अल्ट्रा-स्थिर जलीय सुपरकैपेसिटर के लिए पोरफिरिन-आधारित सहसंयोजक कार्बनिक पॉलिमर-रेप्ड एमडब्ल्यूसीएनटी इलेक्ट्रोड" नामित शीर्षक से उनके पोस्टर प्रस्तुति के लिए सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार मिला।

वेबिनार/संगोष्ठी/कार्यशालाएं/सम्मेलन/संवाद: -

विभाग ने विभिन्न सम्मेलन/सेमिनार/कार्यशाला/अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किए हैं, जिनमें से कुछ हैं प्रोफेसर देवव्रत मैती (शांति स्वरूप भटनागर पुरस्कार विजेता) द्वारा आमंत्रित व्याख्यान, राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 2025 पर ओपन हाउस विज्ञान दिवस और अणुओं एवं समूहों की स्पेक्ट्रोस्कोपी और गतिशीलता।

प्रकाशन :—

	पुस्तक प्रकाशन	पुस्तक अध्याय	सम्मेलनों में शोध पत्र	जर्नल में शोध पत्र	आईपी (पेटेंट/कॉपीराइट), डिजाइन/अंतरराष्ट्रीय पेटेंट/पीसीटी) दायर	आईपी (पेटेंट/कॉपीराइट), डिजाइन/अंतरराष्ट्रीय पेटेंट/पीसीटी) स्वीकृत/पंजीकृत
कुल योग	0	03	0	169	4	5

जानपद अभियांत्रिकी विभाग

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रुड़की में जानपद अभियांत्रिकी विभाग देश का सबसे पुराना और सबसे बड़ा विभाग है। इसकी स्थापना 25 नवंबर, 1847 को रुड़की सिविल इंजीनियरिंग कॉलेज के रूप में की गई थी और 1854 में इसका नाम बदलकर थॉमसन कॉलेज ऑफ सिविल इंजीनियरिंग कर दिया गया। इस विभाग ने कई प्रतिष्ठित इंजीनियर तैयार किए हैं, जिन्होंने भारत के साथ-साथ विदेशों में भी सिविल इंजीनियरिंग परियोजनाओं की योजना और निष्पादन में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

विभाग, जानपद अभियांत्रिकी में स्नातक की उपाधि के लिए चार वर्षों का कार्यक्रम, पांच वर्षों का दोहरा उपाधि कार्यक्रम एवं जानपद अभियांत्रिकी की छह प्रमुख विशेषज्ञताओं (अर्थात पर्यावरण इंजीनियरिंग, जियोमैटिक्स इंजीनियरिंग, जियोटेक्निकल इंजीनियरिंग, हाइड्रोलिक्स इंजीनियरिंग, स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग एवं परिवहन इंजीनियरिंग) में मास्टर उपाधि के लिए दो वर्षों का कार्यक्रम प्रस्तावित करता है। कुल मिलाकर, विभाग में स्नातक की उपाधि के लिए 635 छात्र एवं मास्टर उपाधि के लिए 132 छात्र हैं। इन कार्यक्रमों को सभी विशेषज्ञताओं में मजबूत डॉक्टरेट कार्यक्रमों द्वारा समर्थित किया जाता है। वर्तमान में 314 से अधिक पीएच.डी. शोधार्थी उभरते शोध क्षेत्रों के तहत विभाग में कार्य कर रहे हैं। वर्तमान में विभाग में 30 प्रोफेसर, 05 एसोसिएट प्रोफेसर, 23 सहायक प्रोफेसर, 01 एमेरिटस फेलो, 02 पोस्ट डॉक्टरेट फेलो और 02 तकनीकी अधिकारी कार्य कर रहे हैं।

शैक्षणिक वर्ष 2024-25 के दौरान, संकाय सदस्यों ने अपनी उपलब्धियों के लिए कई सम्मान और पुरस्कार अर्जित किए हैं। उन्होंने कई संस्थानों का दौरा किया और सेमिनार, संगोष्ठियों, सम्मेलनों एवं अल्पकालिक विशेषज्ञ पाठ्यक्रमों में भाग लिया। वर्ष 2024-25 में 47 पीएच.डी. उपाधियाँ प्रदान की गईं। संकाय के पास वर्तमान में 3264.01 लाख रुपये की शोध परियोजनाएं प्रगति पर हैं, और 25 नई परियोजनाएं कुल 2214.44 लाख रुपये की हैं।

संकाय/सहायक/अतिथि-शिक्षण संकाय की कुल संख्या	**59**
पोस्ट डॉक्टर फेलो की संख्या	08
पीएमआरएफ की संख्या	08

डॉ. अभिराज शर्मा एवं डॉ. केतन अरोड़ा, जानपद अभियांत्रिकी विभाग में सहायक प्रोफेसर के रूप में शामिल हुए।

शैक्षणिक गतिविधियां: -

प्रस्तावित कार्यक्रम	नामांकित छात्र	प्रदान की गई उपाधियाँ
बी. टेक.	635	188
एम. टेक.	132	57
पीएच.डी	314	47

अनुसंधान एवं विकास गतिविधियाँ: -

परियोजना की स्थिति	परियोजनाओं की कुल संख्या	परियोजनाओं की कुल संख्या
नई	25	447
जारी	49	15
संपन्न	25	258

प्रमुख सुविधाएं: -

पीएच, चालकता, घुलित ऑक्सीजन इलेक्ट्रोड, पेरिस्टाल्टिक पंप (05), नाइट्रोजन गैस जनरेटर, एपीसीआई जांच, यूवी-वीआईएस

ईएस स्पेक्ट्रोफोटोमीटर, रेफ्रिजरेटेड सेंट्रीफ्यूज, कॉड डाइजेस्टर, माइल्ड स्टील ऑर्बिटल शेकर इनक्यूबेटर, सॉफ्टवेयर के साथ यूएवी के लिए थर्मल सेंसर, डुअल बैंड आरटीके जीएनएसएस रिसीवर (05 नग), मृदा पल्वराइजर - कम ग्राइंडर, ध्वनिक उत्सर्जन प्रणाली, मफल फर्नेस 1500 डिग्री सेल्सियस, प्रयोगशाला वेन शीयर एप्परेटस, फ्रैक्चर मैकेनिक्स क्लीविस ग्रिप्स, और एलईडी रोशनी के साथ ट्रिनोक्यूलर माइक्रोस्कोप

छात्र उपलब्धि: -

- 2024 में एकमात्र एशियाई छात्र के रूप में चयनित सुश्री गोपिका दास को यूनिवर्सिटी ऑफ अलास्का फेयरबैंक्स (यूएएफ) द्वारा आयोजित ग्लेशियोलॉजी में 7वें अंतर्राष्ट्रीय समर स्कूल में भाग लेने के लिए आईयूजीजी, आईजीएस, आईएएससी और आईएसीएस जैसी अंतर्राष्ट्रीय सोसायटियों से वित्तीय सहायता मिली। आईआईटी बॉम्बे 2025 में द्वितीय आईसीएम मीट में मौखिक प्रस्तुति में तीसरा स्थान भी प्राप्त किया।

- सुश्री हेमपुष्पा साहू को जर्मनी के आरडब्ल्यूटीएच आचेन यूनिवर्सिटी से एक शोध परियोजना के लिए 'उन्नत अनुसंधान अवसर कार्यक्रम (एआरओपी)' फेलोशिप मिली। यह फेलोशिप 6 महीने की अवधि के लिए है, जुलाई 2024 से दिसंबर 2024 तक|
- श्री दीपक वर्मा एवं सुश्री रशीदा सौदागर को 7-12 जुलाई, 2024 के दौरान मेगरॉन एथेंस इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस सेंटर, ग्रीस में आयोजित 44वें वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय भूविज्ञान और रिमोट सेंसिंग संगोष्ठी (आईजीएआरएसएस 2024) में भाग लेने के लिए जियोसाइंस एंड रिमोट सेंसिंग सोसाइटी की ओर से 1725 डॉलर का यात्रा अनुदान मिला।
- श्री कुमार ऋषभ गुप्ता को 18-23 अगस्त, 2024 को शिकागो, यूएसए में आयोजित 2024 गोल्डश्मिट कॉन्फ्रेंस में " मोबिलिटी ऑफ मल्टीस्पीसीस सोलुट ट्रांसपोर्ट थ्रु पोरस मीडिया" नामक शोध कार्य प्रस्तुत करने के लिए ईएजी और जीएस की ओर से 2000 यूएसडी का छात्र यात्रा अनुदान मिला। सरकार से एएनआरएफ (डीएसटी) अंतर्राष्ट्रीय यात्रा पुरस्कार भी प्राप्त किया। भारत सरकार एवं अमेरिकन जियोफिजिकल यूनियन (एजीयू) द्वारा एजीयू छात्र यात्रा अनुदान के तहत 9-13 दिसंबर, 2024 को वाशिंगटन डीसी, यूएसए में आयोजित एजीयू 2024 फॉल मीटिंग में "" एक्सप्लोरिंग मल्टीस्पीसीस सोलुट डाइनामिक्स इन सेचूरेटिड पोरस मीडिया : ए सिमुलेशन एंड मोमेंट एनालिसिस अप्रोच " शीर्षक से शोध कार्य प्रस्तुत किया जाएगा।
- सुश्री खिन थिन सोई को 26-30 अगस्त, 2024 को पुर्तगाल के लिस्बन में मृदा यांत्रिकी और भू-तकनीकी इंजीनियरिंग पर XVIII यूरोपीय सम्मेलन (ईसीएसएमजीई) में भाग लेने के लिए अंतर्राष्ट्रीय मृदा यांत्रिकी और भू-तकनीकी इंजीनियरिंग सोसायटी से ईसीएसएमजीई फाउंडेशन यात्रा अनुदान प्राप्त हुआ।
- श्री मुरापाका स्वामी नायडू को 26-30 अगस्त, 2024 को पुर्तगाल के लिस्बन में मृदा यांत्रिकी और भू-तकनीकी इंजीनियरिंग पर XVIII यूरोपीय सम्मेलन (ईसीएसएमजीई) में भाग लेने के लिए अंतर्राष्ट्रीय मृदा यांत्रिकी और भू-तकनीकी इंजीनियरिंग सोसायटी से ईसीएसएमजीई फाउंडेशन यात्रा अनुदान प्राप्त हुआ।
- श्री सुशांत राहुल ने इटली की सालेर्नो यूनिवर्सिटी द्वारा आयोजित प्रतिष्ठित इंटरनेशनल स्कूल फॉर लैंडस्लाइड रिस्क असेसमेंट एंड मिटिगेशन (लारम-2024) में भाग लिया। इस प्रतिष्ठित ग्रीष्मकालीन पाठ्यक्रम के लिए चुने गए दुनिया भर के 40 पीएचडी छात्रों में से एक होने के नाते, उन्होंने 9 से 20 सितंबर, 2024 तक सालेर्नो, इटली के कार्यक्रम में भाग लिया और सफलतापूर्वक पूरा किया।
- श्री सर्वेश कुमार वर्मा को 6-12 सितंबर, 2024 तक नॉर्वे के फिनसे अल्पाइन रिसर्च स्टेशन में ग्लेशियोलॉजी में तीसरी मशीन लर्निंग कार्यशाला में भाग लेने के लिए इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ क्रायोस्फेरिक साइंसेज (आईएसीएस) और ओस्लो विश्वविद्यालय से €2400 का यात्रा अनुदान मिला। साथ ही, 16-20 सितंबर, 2024 को ऑस्ट्रिया के इंसब्रुक विश्वविद्यालय में यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी (ईएसए) द्वारा आयोजित भूमि रिमोट सेंसिंग में उन्नत प्रशिक्षण पर 13वें समर स्कूल में "सैटेलाइट रिमोट सेंसिंग का उपयोग करके ग्लेशियरों और झील बाथिमेट्री का मानचित्रण" पर एक व्याख्यान प्रस्तुत किया।
- श्री पवन सिंह को 28-29 नवंबर, 2024 को क्लॉस्टर्न्यूबर्ग, वियना, ऑस्ट्रिया में डेबरिस कवर्ड ग्लेशियर कार्यशाला में भाग लेने के लिए €1500 की वित्तीय सहायता मिली। उन्होंने "प्रति घंटे से लेकर दैनिक समय के पैमाने पर बर्फ की चट्टान के बैकवेस्टिंग की दरें: मचोई ग्लेशियर, पश्चिमी हिमालय से एक केस स्टडी" पर अपना काम प्रस्तुत किया।
- श्री साहिल कुंडल को 2024 आईईई जीआरएसएस आइडिया प्रोफेशनल डेवलपमेंट माइक्रोग्रांट मिला, जिसका अधिकतम मूल्य 500 अमेरिकी डॉलर है। इसके अलावा, उन्हें एनसीकेयू लाईडर विंटर स्कूल 2025, ताइवान के लिए भी चुना गया।
- सुश्री लीना ध्रुवा को 2-5 दिसंबर, 2024 को आयोजित आईईईई अंतर्राष्ट्रीय भारत भूविज्ञान और सुदूर संवेदन संगोष्ठी इनग्रास 2024 में "कुशल एवं सटीक बड़े पैमाने पर मानचित्रण और कैडस्ट्रल सर्वेक्षण के लिए लाईडर प्रौद्योगिकी" शीर्षक से अपना पेपर प्रस्तुत करने के लिए 250 डॉलर का यात्रा सहायता अनुदान प्राप्त हुआ।
- सुश्री स्निग्धा पांडे को एएनआरएफ (डीएसटी) युवा वैज्ञानिक अंतर्राष्ट्रीय यात्रा सहायता, भारत सरकार द्वारा प्राप्त हुई, ताकि वह 09-13 दिसंबर, 2024 को वाशिंगटन डी.सी., यूएसए में आयोजित एजीयू 2024 फॉल मीटिंग में " एस्सेस्सिंग डिस्टेन्स – बेस्ड डिपरसन मॉडेल्स फॉर सिमुलेटिंग सोलूट ट्रांसपोर्ट इन हिटीरोजेनेस पोरस मीडिया" शीर्षक से संबोधित शोध कार्य प्रस्तुत कर सकें।
- सुश्री मनीषा यादव को 11-14 दिसंबर, 2024 को आईआईटी गुवाहाटी में आयोजित भू-तकनीकी भूकंप इंजीनियरिंग एवं मृदा गतिशीलता में हालिया प्रगति पर 8वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान समानांतर सत्र में " डीफोरमेशन रेस्पोंस ऑफ शैलो रेक्टेंगुलर टनल एमबेडेड इन सेचूरेटिड सेंड सबजेकटिड टु सेस्मिक लोडिंग" शीर्षक वाले पेपर के लिए सर्वश्रेष्ठ पेपर का पुरस्कार प्राप्त हुआ।

- श्री शुभम छाजेड़ को पिछले दिनों भारतीय वाईजीई सम्मेलन में प्रकाशित सर्वश्रेष्ठ शोधपत्र के लिए "आईजीएस-अहमदाबाद चैप्टर यंग जियोटेक्निकल इंजीनियर (वाईजीई) पुरस्कार" से सम्मानित किया गया। पुरस्कार विजेता शोधपत्र का शीर्षक "एई इवेंट काउंट बेस्ड डैमेज इवोल्यूशन एंड इट्स एप्लीकेशन इन माइक्रोमैकेनिकल डैमेज प्लास्टिसिटी मॉडल" है।
- श्री अभिषेक श्रीवास्तव व श्री उस्मान अलीअकबर मोहसेनी को इंग्लैंड की बाथ यूनिवर्सिटी में अपने पीएच.डी. शोध कार्य का एक हिस्सा आगे बढ़ाने के लिए कॉमनवेल्थ स्प्लिट-साइट स्कॉलरशिप, कॉमनवेल्थ स्कॉलरशिप कमीशन (यूके), 2024 प्राप्त हुई।
- श्री आदित्य कुमार ठाकुर को आईएसपीआरएस तकनीकी आयोग IV संगोष्ठी 2024, 22-25 अक्टूबर, 2024, फ्रेमेंटल, पर्थ, ऑस्ट्रेलिया के लिए 1900 यूएसडी का यात्रा अनुदान प्राप्त हुआ।
- श्री सृजन चलावड़ी को आईएसआरएम सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार प्राप्त हुआ: आईएसआरएम 2024 अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी, एआरएमएस 13, सितंबर 2024, नई दिल्ली, भारत में प्रस्तुत शोध पत्र "भारतीय हिमालय में सुरंगों का भूकंपीय व्यवहार" के लिए सामान्य श्रेणी में।

संकाय उद्यमिता विवरण: -

- **प्रो. अमित अग्रवाल:-** मई 2024 में एक वैज्ञानिक स्पिन-ऑफ – परीमित्रा प्राइवेट लिमिटेड की स्थापना की। स्पिन-ऑफ ने दृष्टि टीआईएच आईआईटी इंदौर द्वारा दिशा कार्यक्रम के तहत 30 लाख रुपये का अनुदान प्राप्त किया।
- **सिद्धार्थ खरे:-** भूमिकैम स्टार्टअप को मार्च 2025 में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग डैल योजना के तहत आईआईटी मिलाई इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी फाउंडेशन (आईबीआईटीएफ) से इक्विटी आधारित फंडिंग में 1.33 करोड़ मिले।

वेबिनार/संगोष्ठी/कार्यशालाएं/सम्मेलन/संवाद: -

विभाग ने विभिन्न सम्मेलन/सेमिनार/कार्यशाला/अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किए हैं, उनमें से कुछ इस प्रकार हैं फुटपाथ निर्माण में मिश्रण डिजाइन एवं गुणवत्ता नियंत्रण प्रथाओं पर लघु अवधि पाठ्यक्रम, पहाड़ी ढलानों के इंस्ट्रूमेंटेशन और वास्तविक समय की निगरानी पर आईटीआर-एमओआरटीएच हितधारकों की बैठक और "पहाड़ी क्षेत्रों में भूस्खलन संभावित क्षेत्रों के लागत प्रभावी दीर्घकालिक उपचारात्मक उपायों" पर विशेष विचार-मंथन सत्र, भूस्खलन के लिए यूएवी: भूस्खलन की निगरानी में यूएवी के अनुप्रयोग के बारे में जानें, उत्तर प्रदेश में एफडीआर सड़कों के लिए क्षमता निर्माण पर प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत 46वां प्रशिक्षण पाठ्यक्रम, ड्रोन4एस: स्थिरता और छात्र हैकथॉन के लिए ड्रोन प्रौद्योगिकी प्रयोगशाला, उन्नत सड़क सुरक्षा अनुसंधान में ड्राइविंग सिम्युलेटर और वीआर के अनुप्रयोगों पर कार्यशाला और कई अन्य कार्यक्रम शामिल हैं।

प्रकाशन :—

	पुस्तक प्रकाशन	पुस्तक अध्याय	सम्मेलनों में शोध पत्र	जर्नल में शोध पत्र	आईपी (पेटेंट/कॉपीराइट), डिजाइन/अंतरराष्ट्रीय पेटेंट/पीसीटी) दायर	आईपी (पेटेंट/कॉपीराइट), डिजाइन/अंतरराष्ट्रीय पेटेंट/पीसीटी) स्वीकृत/पंजीकृत
कुल योग	06	10	59	137	08	01

कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की में कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग नवाचार-केंद्रित शिक्षा को बढ़ावा देता है और अत्याधुनिक शोध करता है। विभाग उच्चतम स्तर के शोध एवं शिक्षण के लिए अनुकूल शैक्षणिक वातावरण बनाने और बनाए रखने का निरंतर प्रयास करता है। इसका लक्ष्य विभाग के सैद्धांतिक, सिस्टम और अनुप्रयोग पहलुओं के अच्छे ज्ञान के साथ मानव संसाधन विकसित करना है। विभाग अकादमिक-उद्योग सहयोग और सामाजिक आउटरीच गतिविधियों के विकास की सुविधा भी देता है। विभाग के पास निम्नलिखित व्यापक क्षेत्रों में बेहतर अनुसंधान समूह हैं: कंप्यूटर नेटवर्क और साइबर सुरक्षा, कंप्यूटर आर्किटेक्चर, एल्गोरिदम, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं मशीन लर्निंग, डेटा एनालिटिक्स एवं प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण, क्लाउड कंप्यूटिंग एवं इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी), विज़न एवं इमेज प्रोसेसिंग एवं थ्योरी एवं सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग।

संकाय/सहायक/अतिथि-शिक्षण संकाय की कुल संख्या	22
पोस्ट डॉक्टरेट फेलो की संख्या	03
पीएमआरएफ की संख्या	04

डॉ. रजत साधुखान, डॉ. अवनीश पांडे, डॉ. राघवेंद्र सिंह रोहित एवं डॉ. आकाश कैथ अपराजिता खान अल, कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग में सहायक प्रोफेसर के रूप में शामिल हुए।

शैक्षणिक गतिविधियाँ:

नए पाठ्यक्रम शुरू किए गए-

1. **सीएसएल-530 –** "सिम्मेत्रिक क्रिप्टोसिस्टम का डिज़ाइन एवं विश्लेषण" स्प्रिंग सेमेस्टर **2025** में प्रस्तुत किया गया था। यह पाठ्यक्रम सिम्मेत्रिक कुंजी क्रिप्टोग्राफ़िक एल्गोरिदम के डिज़ाइन एवं सुरक्षा विश्लेषण के साथ सैद्धांतिक और व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करता है।
2. **सीएसएल-506:** प्रोग्राम विश्लेषण एवं परीक्षण
3. **सीएसएल-555:** जटिलता सिद्धांत
4. **सीएसएल-540:** आधुनिक प्रोसेसर डिज़ाइन एवं अनुकूलन

प्रस्तावित कार्यक्रम	नामांकित छात्र	प्रदान की गई उपाधियाँ
बी. टेक.	110	
एम. टेक.	29	
पीएच.डी	2 (पर्यवेक्षक) + 471 (सह-पर्यवेक्षक) प्रो. ए. खान द्वारा	

प्रमुख सुविधाएँ :-

1. **एएमडी 9**वीं पीढ़ी के 128-कोर प्रोसेसर, **512** जीबी रैम एवं न्विडिया आरटीएक्स ए**4000** जीपीयू से लैस केंद्रीकृत उच्च-प्रदर्शन कंप्यूटिंग सर्वर, जिसमें उच्च-बैंडविड्थ पीसीआईई स्लॉट के माध्यम से अतिरिक्त मल्टी-जीपीयू विस्तार के प्रावधान हैं। सर्वर में हाई-स्पीड डेटा प्रोसेसिंग के लिए **4** टीबी एसएसडी एवं विस्तारित स्टोरेज के लिए **10** टीबी एचडीडी शामिल है।
2. **एएमडी राइज़ेन** 9 7950X3D 16-**कोर प्रोसेसर**
3. न्विडिया आरटीएक्स **ए**6000 48 **जीबी**
4. **रैम**128**जीबी**
5. 4**टीबी एसएसडी**

छात्र उपलब्धियां:

1. प्रणव सिंह चिब को न्यूरआईपीएस 2024 में भाग लेने के लिए गूगल इंडिया ट्रैवल ग्रांट (3,000 अमेरिकी डॉलर) प्राप्त हुए
2. उप्पला विवेक नारायण को इंडियाएआई फेलोशिप प्राप्त हुई (गाइड प्रो. प्रवेंद्र सिंह)।
3. मनन गर्ग को इंडियाएआई फेलोशिप प्राप्त हुई (गाइड प्रो. अपराजिता खान)
4. अमन स्वराज को एएनआरएफ ट्रैवल ग्रांट प्राप्त हुई(गाइड डॉ. संदीप कुमार गर्ग)
5. हेम चंद्र जोशी को सैमसंग रिसर्च फेलोशिप प्राप्त हुई (गाइड डॉ. संदीप कुमार गर्ग)।
6. श्री मिथिलेश पांडे को रिसर्च स्कॉलर दिवस पर सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार प्राप्त हुआ(गाइड डॉ. संदीप कुमार गर्ग)।

वेबिनार/संगोष्ठी/कार्यशालाएं/सम्मेलन/संवाद:-

विभाग ने विभिन्न सम्मेलन/सेमिनार/ कार्यशाला/ अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किए हैं, उनमें से कुछ इस प्रकार हैं सीएसई रिसर्च स्कॉलर डे और गूगल डीपमाइंड

संकाय उद्यमिता विवरण: -

प्रो. रक्षा शर्मा ने उर्जा एनालिटिक्स लिमिटेड के नाम से एक सॉफ्टवेयर टूल पंजीकृत कराया है। वह 50% हिस्सेदारी के साथ गैर-कार्यकारी निदेशक के रूप में कार्य कर रही हैं।

प्रकाशन :—

	पुस्तक प्रकाशन	पुस्तक अध्याय	सम्मेलनों में पेपर	जर्नल में पेपर	आईपी (पेटेंट/कॉपीराइट), डिजाइन/अंतरराष्ट्रीय पेटेंट/पीसीटी) दायर	आईपी (पेटेंट/कॉपीराइट), डिजाइन/अंतरराष्ट्रीय पेटेंट/पीसीटी) स्वीकृत/पंजीकृत
कुल योग	06	00	26	31	09	02

डिजाइन (अभिकल्प)

समाज, उद्योग और अन्य हितधारकों के साथ सहयोगशील साझेदारी में मानव-पर्यावरण संबंध पर आधारित डिज़ाइन (अभिकल्प) और अभिनव खोज संस्कृति पर केंद्रित एक विशिष्ट संस्था के रूप में विकास करना डिज़ाइन (अभिकल्प) विभाग का लक्ष्य है। आईआईटी रुड़की में एक डीओडी विभाग की स्थापना के मूलभूत उद्देश्य इस प्रकार हैं :

क) अभिनव खोज (नवाचार) और सृजनात्मक समस्या-समाधान की संस्कृति का सृजन करना।

ख) डिज़ाइन-आधारित शिक्षा प्रदान करना और सुव्यवस्थित डिज़ाइन अभ्यास एक परिवेश का निर्माण करना।

ग) व्यवसाय के अवसर के सृजन को ध्यान रखते हुए अंतर्विषयक डिज़ाइन-केंद्रित शिक्षा, अनुसंधान और उद्यमी गतिविधियों को सरल बनाना।

घ) जमीनी स्तर पर डिज़ाइन नवाचार पद्धतियों का प्रलेखन और अभिलेखीय भंडार का विकास करना।

ड़) सह-निर्माण के माध्यम से संबद्ध सामाजिक समस्याओं का समाधान करने और इन समस्याओं को उत्पादों में परिवर्तित करने के उद्देश्य से शिक्षा और उद्योग जगत के बीच सहयोगशील परिवेश का निर्माण करना।

सहायक/अतिथि-शिक्षण संकाय की कुल संख्या	स्थायी संकाय-03 अतिथि संकाय-01 संयुक्त संकाय-13
पोस्ट डॉक्टरल फेलो की संख्या	01
पीएमआरएफ की संख्या	03

डॉ. मदन कुमार वासुदेवन और डॉ. रणजीत कोंकर आईआईटी रुड़की के डिजाइन विभाग में सहायक प्रोफेसर के पद पर बहाल हुए।

डिजाइन (अभिकल्प)

डिजाइन विभाग ने शैक्षिक सत्र में बैचलर ऑफ डिजाइन (बी. डिस.) प्रोग्राम लागू किया।

प्रस्तावित कार्यक्रम	नामांकित छात्र	प्रदान की गई उपाधियाँ
बी.डिजाइन	18	0
एम. डिजाइन	39	30
पीएच.डी	32	0

अनुसंधान एवं विकास गतिविधियाँ

परियोजना की स्थिति	प्रायोजित परियोजनाओं की कुल संख्या	परामर्श की कुल संख्या
नई	3	कोई नहीं
जारी	6	2
संपन्न	1	0

छात्रों की उपलब्धि

- सुश्री सैयद इफरा को जर्मनी के आचेन स्थित आरडब्ल्यूटीएच आचेन विश्वविद्यालय ने आईजीसीएस और डीएएडी फेलोशिप, एआरओपी फेलोशिप से सम्मानित किया।
- श्री अभिषेक श्रीवास्तव और श्री अंकुश कुमार को भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय (एमओडी) के डीआरडीओ सम्मेलन उन्मेष 2025 में सर्वश्रेष्ठ शोधपत्र का सम्मान प्राप्त हुआ। (गाइड प्रो. सोनल आत्रेय)
- श्री कमलेश आर्य को ग्राम्य विकास मंच से मान्यता प्रमाण पत्र प्रदान किया गया।
- श्री वृषल वर्मा और श्री निखिल चौहान को क्वीन्स विश्वविद्यालय और आईआईटी रुड़की द्वारा आयोजित आईडियाज़-2024 सम्मेलन में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर का पुरस्कार मिला।

मुख्य विशेषताएँ

1. समृद्ध शैक्षिक, संव्यावसायिक और अंतर-सांस्कृतिक अनुभव प्रदान करने और चिरस्थायी स्थानीय एवं वैश्विक सामुदायिक सहभागिता को बढ़ावा देने के लिए, कनाडा के क्वीन्स विश्वविद्यालय और भारत के आईआईटी रुड़की ने सृजनशील मार्गदर्शकों और समाज निर्माताओं की अगली पीढ़ी तैयार करने हेतु सहयोग किया। यूनिवर्सिटी कनाडा (यूनिवकैन) की देखरेख

में रिड्यू हॉल फाउंडेशन (आरएचएफ) से वित्तीय सहायता प्राप्त कार्यक्रम क्यूईएस 2025 उन परियोजनाओं की आर्थिक सहायता करता है, जो जलवायु परिवर्तन अनुकूलन, अनुक्रियाओं और लोच पर बल देती हैं।

2. त्रिभुवन विश्वविद्यालय, नेपाल के मेकैनिकल और एयरोस्पेस इंजीनियरिंग विभाग के सहयोग से डिजाइन विभाग ने 'डिजाइन थिंकिंग एंड एडवान्स्ड इंजीनियरिंग मटीरियल्स फॉर एक्स्ट्रीम एन्वाइन्मेंट्स' विषयक एक कार्यशाला का आयोजन किया।
3. इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए) और उत्तराखंड पर्यटन विकास बोर्ड (यूटीडीबी) के साथ आईआईटी रुड़की ने प्रो. अपूर्व शर्मा और प्रो. इंद्रदीप सिंह के मार्गदर्शन में डिजाइन विभाग द्वारा समर्थित और आईआईटीआर के छात्रों के सहयोग से स्मृति सारस्वत द्वारा प्रवर्तित तीन महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए।

वेबिनार/संगोष्ठियाँ/कार्यशालाएँ/सम्मेलन/वार्तालाप:

विभाग ने प्री-कॉन्फ्रेंस मीटअप मटीटीएस #रोडटुयूएक्सआई24, "वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रॉडक्ट" इनिशिएटिव (भगवानपुर रिजियन), ह्यूमन इंटर फेस इन हायर एजुकेशन थ्रू आर्ट्स इन पेडैगोगी एंड बायॉ-इन्स्पायर्ड डिजाइन (बायॉमिमिक्री हैकाथॉन) समेत विभिन्न सम्मेलनों/संगोष्ठियों/कार्यशालाओं/अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों का आयोजन किया है।

प्रकाशन :—

	पुस्तक प्रकाशित	पुस्तकों में प्रकाशित अध्याय	सम्मेलनों में जनर्ल	पत्रिका जनर्ल	आईपी (पेटेंट/कॉपीराइट), डिजाइन/अंतरराष्ट्रीय पेटेंट/पीसीटी) दर्ज	आईपी (पेटेंट/कॉपीराइट), डिजाइन/अंतरराष्ट्रीय पेटेंट/पीसीटी) अनुमोदित/पंजीकृत
कुल योग	00	06	11	01	01	02

भूकंप अभियांत्रिकी

भूकंप अभियांत्रिकी विभाग एक अंतःविषयक विभाग है, जिसकी स्थापना भूकंप अभियांत्रिकी के विशेष क्षेत्र में जनशक्ति को प्रशिक्षित करने के उद्देश्य से की गई थी, जिससे भयंकर भूकंपों से इंजीनियरिंग बुनियादी ढांचे को होने वाली समस्याओं से निपटा जा सके।

संकाय/सहायक/अतिथि-शिक्षण संकाय की कुल संख्या	22
पीएमआरएफ की संख्या	04

शैक्षणिक गतिविधियाँ: -

भूकंप अभियांत्रिकी विभाग निम्नलिखित विशेषज्ञताओं में स्नातकोत्तर एम.टेक (गेट/प्रायोजन के माध्यम से प्रवेश) एवं पीएच.डी. (चयन/प्रायोजन के माध्यम से) कार्यक्रम प्रस्तावित करता है:

- मृदा गतिकी
- संरचनात्मक गतिकी
- भूकंपीय भेद्यता एवं जोखिम मूल्यांकन

प्रस्तावित कार्यक्रम	नामांकित छात्र	प्रदान की गई उपाधियाँ
बी. टेक.	0	0
एम. टेक.	30	29
पीएच.डी	05	06

अनुसंधान एवं विकास गतिविधियाँ: -

परियोजना स्थिति	प्रायोजित परियोजनाओं की कुल संख्या	परामर्श परियोजनाओं की कुल संख्या
नई	3	कोई नहीं
जारी	6	2
संपन्न	1	0

प्रमुख गतिविधियां: -

लगभग 100 टन की पेलोड क्षमता के साथ 5.0 मीटर x 7.2 मीटर आकार की बड़े पैमाने पर एक-अक्षीय शेक टेबल परीक्षण सुविधा का विकास। यह सुविधा भूकंप और कंपन प्रतिरोध के लिए पूर्ण पैमाने के मॉडल के साथ-साथ असेंबली पर भूकंपीय सिमुलेशन और कंपन परीक्षण करने के लिए आदर्श होगी। शेक टेबल में एक डेटा अधिग्रहण प्रणाली होगी जिसमें परीक्षण के दौरान टेबल पर और मॉडल/नमूनों पर कई एक्सेलेरोमीटर, विस्थापन ट्रांसड्यूसर, स्ट्रेन गेज और अन्य ट्रांसड्यूसर होंगे। इंस्ट्रूमेंटेड स्ट्रक्चरल डेटा के साथ एक्ट्यूएटर डेटा संख्यात्मक सिमुलेशन और विश्लेषणात्मक मॉडलिंग के सत्यापन/अंशांकन के लिए उपयोगी होगा।

1. विभाग में मलबा प्रवाह मॉडलिंग सुविधा विकसित की गई है
2. विभाग में अपतटीय नींव परीक्षण सुविधा विकसित की गई है

छात्र उपलब्धियां :-

- सुश्री नादिया मुबारक ने 6 महीने के लिए अतिथि शोधार्थी के तौर पर बर्मिंघम यूनिवर्सिटी यूके का दौरा किया।
- सुश्री आशिमा शर्मा एवं प्रो. पी.सी. अश्विन कुमार (गाइड) इंडिया वेल्ड्स की टीम का हिस्सा थे, जिसे दूसरे सीआईआई नेशनल कोरोजन मैनेजमेंट प्रैक्टिसेज - कॉम्पिटिशन एंड अवार्ड्स में प्रथम पुरस्कार मिला। टीम को "बेहतर सामग्री चयन / वैकल्पिक सामग्री के माध्यम से जंग का समाधान करना" श्रेणी में मान्यता दी गई।

मुख्य बातें:-

राठौर, जी., कुमार, ए., जक्का, आर.एस., शर्मा, एम.एल., एवं कमल, के. (2024) "एक मजबूत ग्राउंड मोशन सेंसर", पेटेंट संख्या: 496293, प्रौद्योगिकी को भूकंपीय खतरा एवं रिस्क इंवेस्टिगेशन प्राइवेट लिमिटेड को हस्तांतरित किया।

वेबिनार/संगोष्ठी/कार्यशालाएं/सम्मेलन/संवाद:-

विभाग ने विभिन्न सम्मेलन/सेमिनार/ कार्यशाला/ अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किए हैं, उनमें से कुछ इस प्रकार हैं ऑप्टम भू-तकनीकी सॉफ्टवेयर के संख्यात्मक अनुप्रयोगों पर कार्यशाला, भारत में अपतटीय भू-तकनीकी में चुनौतियों और अवसरों पर आईजीएस वेबिनार श्रृंखला और प्राइम व्याख्यान श्रृंखला|

प्रकाशन :—

	पुस्तक प्रकाशन	पुस्तक अध्याय	सम्मेलनों में शोध पत्र	जर्नल में शोध पत्र	आईपी (पेटेंट/कॉपीराइट), डिजाइन/अंतरराष्ट्रीय पेटेंट/पीसीटी) दायर	आईपी (पेटेंट/कॉपीराइट), डिजाइन/अंतरराष्ट्रीय पेटेंट/पीसीटी) स्वीकृत/पंजीकृत
कुल योग		05	43	49	03	04

भू - विज्ञान विभाग

विश्वविद्यालय में भूवैज्ञानिक अध्ययन उन्नीसवीं सदी के मध्य से शुरु हुआ जब कर्नल सर प्रो बी कॉटले (जो थॉमसन इंजीनियरिंग कॉलेज की स्थापना के लिए उत्तरदायी थे) को शिवालिक पर्वतमाला के कशेरुकी जीवाश्मों पर उनके अग्रणी कार्य के लिए रॉयल सोसाइटी, लंदन के फेलो के रूप में चुना गया था। बाद में हेनरी बेनेडिक्ट मेडलिकॉट, जिन्हें 1877 में रॉयल सोसाइटी के फेलो के रूप में भी भर्ती किया गया था, थॉमसन कॉलेज में भूविज्ञान एवं प्रायोगिक विज्ञान में अध्यक्ष बने।

भू - विज्ञान विभाग, जिसे पहले भूविज्ञान एवं भूभौतिकी विभाग के रूप में जाना जाता था, की स्थापना 1960 में हुई थी। छह दशकों की अवधि के दौरान, विभाग भू - विज्ञान के क्षेत्र में अनुसंधान, स्नातकोत्तर प्रशिक्षण एवं परामर्श के अग्रणी केंद्रों में से एक बन गया है। विभाग, यूजीसी (मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय, भारत सरकार) के प्रतिष्ठित विशेष सहायता एवं कोसिस्ट कार्यक्रमों के तहत वित्तीय सहायता प्राप्त करने वाला रहा है।

संकाय/सहायक/अतिथि-शिक्षण संकाय की कुल संख्या	26
पोस्ट डॉक्टरेट फेलो की संख्या	01
पीएमआरएफ की संख्या	08

डॉ. अरुण सिंह भू - विज्ञान विभाग में सहायक प्रोफेसर के रूप में शामिल हुए।

शैक्षणिक गतिविधियाँ: -

विभाग भू - विज्ञान के विभिन्न उपक्षेत्रों में व्यापक ज्ञान एवं व्यावहारिक कौशल प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किए गए शैक्षणिक कार्यक्रमों एवं पाठ्यक्रमों की एक विविध श्रृंखला प्रदान करता है।

2024-25 में शुरू किए गए नए पाठ्यक्रम: कार्बन सीक्वेस्ट्रेशन, ग्रहीय भूविज्ञान, वैश्विक भूभौतिकी, इंजीनियरों के लिए भूविज्ञान, पेट्रोलियम का भूविज्ञान है।

परियोजना स्थिति	प्रायोजित परियोजनाओं की कुल संख्या	परामर्श परियोजनाओं की कुल संख्या
नई	02	11
जारी	07	
संपन्न	24	15

अनुसंधान एवं विकास गतिविधियाँ: -

विभाग अनुसंधान क्षेत्रों की एक विस्तृत श्रृंखला पर ध्यान केंद्रित करता है, जिसमें शामिल हैं: भू प्रणालियों के लिए भूभौतिकीय संकेत प्रसंस्करण अनुप्रयोग, बायोस्ट्रेटीग्राफी, कार्बनिक विकास एवं पैलियोक्लाइमेट अध्ययन, जीपीएस डेटा का उपयोग करके क्रस्टल विरूपण एवं क्षणिक व्यवहार विश्लेषण, विद्युत चुम्बकीय एवं मैग्नेटोटेल्यूरिक विधियाँ, इंजीनियरिंग भूविज्ञान, भूजल पूर्वेक्षण के लिए प्रतिरोधकता डेटा की आगे और पीछे की मॉडलिंग, भूकंपीय डेटा की आगे और पीछे की मॉडलिंग, गुरुत्वाकर्षण एवं चुंबकीय पूर्वेक्षण, उच्च दबाव एवं उच्च तापमान प्रयोगशाला जांच, हिमालयी टेक्टोनिक्स एवं ओरोजेनी, एकीकृत जलाशय लक्षण वर्णन, मेटामॉर्फिक एवं प्रीकैम्ब्रियन टेक्टोनिक्स, समुद्र विज्ञान एवं पैलियोसीनोग्राफी, अयस्क भंडारण भूविज्ञान, रिमोट सेंसिंग एवं जीआईएस, रॉक भौतिकी एवं पेट्रोफिजिक्स, तलछट विज्ञान एवं बेसिन विश्लेषण, भूकंपीय खतरा आकलन, हाइड्रोकार्बन अन्वेषण के लिए भूकंपीय संकेत प्रसंस्करण, भूकंपीय यात्रा समय एवं क्षीणन टोमोग्राफी, मजबूत गति भूकंप विज्ञान, संरचनात्मक एवं विरूपण भूविज्ञान, परिवेशीय शोर अध्ययन का उपयोग कर उपसतही जांच।

प्रस्तावित कार्यक्रम	नामांकित छात्र	प्रदान की गई उपाधियाँ
एकीकृत एम.टेक.	151	25
(भूवैज्ञानिक प्रौद्योगिकी)	158	36
एकीकृत एम.टेक.	37	17
(भूभौतिकीय प्रौद्योगिकी)	120	15

प्रमुख सुविधाएँ: -

- डीएक्यू विश्लेषण मॉड्यूल के साथ प्रत्यक्ष कतरनी परीक्षण उपकरण
- सर्वो-नियंत्रित स्थैतिक त्रिअक्षीय संपीड़न परीक्षण मशीन
- मिनी-सेस III फुलवेव फॉर्म एवं संयुक्त व मैनुअल वाइब्रोमीटर मानक त्रिअक्षीय जियोफोन
- पैलिनोलॉजिकल माइक्रोस्कोप
- माइक्रोवेव पाचन प्रणाली मल्टीवेव 5000 50 हट्र्ज पैकेज

छात्र उपलब्धि: -

- श्री सौम्यरंजन बेहरा को विएना में प्रतिष्ठित ईजीयू असेंबली 2025 में अपना शोधपत्र प्रस्तुत करने के लिए यात्रा अनुदान प्रदान किया गया है।

- श्री अब्दुल लतीफ टीपी को जर्मनी के जीएफजेड पॉट्सडैम में शुरू होने वाली डीएएडी द्विपक्षीय रूप से आयोजित शोध फेलोशिप प्रदान की गई।
- श्री ध्रुव पठानिया ने यूपीएससी संयुक्त भू-वैज्ञानिक परीक्षा उत्तीर्ण की एवं भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में शामिल हो गए।
- सुश्री नोरा कैरोलिन को सीएसआईआर रिसर्च एसोसिएटशिप प्रदान की गई।
- श्री शुभम पाठक को जर्मनी में इंस्टीट्यूट ऑफ एप्लाइड जियोसाइंसेज - जनरल जियोलॉजी केआईटी - कार्लज़ूए इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में पूर्ण रूप से वित्तपोषित ग्रीष्मकालीन शोध इंटर्नशिप (ऑफ़लाइन-मोड) के लिए प्रतिष्ठित डीएएडी वाइज 2024 पुरस्कार प्रदान किया गया।
- श्री राजर्षि सऊद ने आरोहण, आईआईटी रोपड़ लॉन टेनिस में स्वर्ण पदक प्राप्त किया।
- श्री आदित्य कुमार को ओएनजीसी छात्रवृत्ति प्रदान की गई।
- श्री तनवीर अली डार को इंटरनेशनल एसोसिएशन ऑफ हाइड्रोजियोलॉजिस्ट (आईएनसी-आईएएच) के भारतीय राष्ट्रीय अध्याय द्वारा सर्वश्रेष्ठ पीएच.डी. थीसिस पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- श्री प्रहलाद मित्तल को ऑस्ट्रेलियाई राष्ट्रीय यूनिवर्सिटी द्वारा 2024 फ्यूचर रिसर्च टैलेंट अवार्ड प्राप्त हुआ।
- श्री मृदुल शर्मा ने गेट 2025 में जियोफिजिक्स में 21 की एआईआर प्राप्त की

मुख्य विशेषताएं :-

"मेक इन इंडिया" पहल के तहत राष्ट्रीय सुपरकंप्यूटिंग मिशन (एनएसएम) के तहत सीडैक एवं ओएनजीसी के सहयोग से सेसआरटीएम सॉफ्टवेयर का विकास। यह उन्नत रिवर्स टाइम माइग्रेशन (आरटीएम) सॉफ्टवेयर बड़े भूकंपीय डेटासेट का उपयोग करके जटिल भूवैज्ञानिक उप-सतहों की उच्च-रिज़ॉल्यूशन 2डी एवं 3डी भूकंपीय छवियां प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

आर्कियन गोल्ड डिपॉजिट के सल्फर आइसोटोप सिग्रेचर पर विषयगत परियोजना पर यूनिवर्सिटी लावल, कनाडा के साथ चल रहा अनुसंधान सहयोग।

वेबिनार/संगोष्ठी/कार्यशाला/सम्मेलन/संवाद:-

विभाग ने विभिन्न सम्मेलन/ सेमिनार/कार्यशाला/अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किए हैं, जिनमें से कुछ इस प्रकार हैं "सीसआरटीएम सॉफ्टवेयर सूट का उपयोग करके भूकंपीय मॉडलिंग एवं माइग्रेशन" पर कार्यशाला, जिसे सी-डैक के सहयोग से आयोजित किया गया था, "प्राकृतिक संसाधन अनुप्रयोगों में भू-स्थानिक डेटा विज्ञान में प्रगति: अलास्का से केस स्टडीज" पर विशेषज्ञ व्याख्यान एवं "पल्स की जांच करना एवं तापमान लेना: झरने पर्यावरणीय तनावों पर कैसे प्रतिक्रिया करते हैं?" पर अतिथि व्याख्यान।

प्रकाशन :—

	पुस्तक प्रकाशन	पुस्तक अध्याय	सम्मेलनों में शोध पत्र	जर्नल में शोध पत्र	आईपी (पेटेंट/कॉपीराइट), डिजाइन/अंतरराष्ट्रीय पेटेंट/पीसीटी) दायर	आईपी (पेटेंट/कॉपीराइट), डिजाइन/अंतरराष्ट्रीय पेटेंट/पीसीटी) स्वीकृत/पंजीकृत
कुल योग		05	17	48		01

विद्युत अभियांत्रिकी

थॉमसन कॉलेज के विद्युत अभियांत्रिकी विभाग की स्थापना वर्ष 1897 में हुई और यह विश्व में इस तरह की सबसे पहली विशेषज्ञताओं में से एक था, जबकि यह विषय उस समय स्वयं अपनी शैशवावस्था में था। थॉमसन कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग से विद्युत अभियांत्रिकी छात्रों का पहला बैच वर्ष 1900 में स्नातक हुआ। 1923 और 1946 के बीच, कुछ वर्षों के लिए, एक विशेष समिति ने यह संस्तुति की थी कि कॉलेज को विशुद्ध रूप से सिविल

इंजीनियरिंग संस्थान में परिवर्तित किया जा सकता है, परंतु एक अन्य विशेष समिति ने यांत्रिक और विद्युत इंजीनियरिंग विषयों को पुनः खोले जाने का पक्ष लिया। वर्तमान विद्युत इंजीनियरिंग विभाग 1946 में अस्तित्व में आया तथा विद्युत इंजीनियरिंग स्नातकों का प्रथम बैच 1949 में इस कॉलेज से उत्तीर्ण हुआ। प्रारंभ में, इस विभाग ने विद्युत तथा इलेक्ट्रॉनिक्स व दूरसंचार इंजीनियरिंग दोनों में विकल्पों के साथ पाठ्यक्रम चलाये। परंतु बाद में, 1964 में, विभाग को केवल विद्युत इंजीनियरिंग रखे जाने हेतु बढ़ाया गया, तथा इलेक्ट्रॉनिक्स व दूरसंचार इंजीनियरिंग का एक पृथक विभाग सृजित कर दिया गया | वर्तमान में यह विभाग स्नातक और स्नातकोत्तर दोनों स्तरों पर पाठ्यक्रम संचालित करता है तथा पीएच.डी डिग्री व प्रायोजित/परामर्श परियोजनाओं के लिए अनुसंधान कार्य किये जाने हेतु उत्कृष्ट सुविधाएं प्रदान करता है।

आर्कियन गोल्ड डिपॉजिट के सल्फर आइसोटोप सिग्नेचर पर विषयगत परियोजना पर यूनिवर्सिटी लावल, कनाडा के साथ चल रहा अनुसंधान सहयोग।

अनुबद्ध/ आगंतुक- अध्यापन संकाय सदस्यों की कुल संख्या	36
पोस्ट डॉक्टरल फैलोज की संख्या	04
पीएमआरएफ की संख्या	09

प्रो. आशा शर्मा, प्रो. सतीश शामसुंदर बेलखोडे, प्रो. परीक्षित पारी, प्रो. किशोर भास्करराव नंदपुरकर सहायक सहायक प्रोफेसर के रूप में विद्युत (इलेक्ट्रिकल) इंजीनियरिंग विभाग में शामिल हुए|

शैक्षणिक गतिविधियाँ

यह विभाग विद्युत (इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग) में चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम (बी.टेक.) तथा इलेक्ट्रिकल ड्राइव और पावर इलेक्ट्रॉनिक्स, पावर सिस्टम इंजीनियरिंग, सिस्टम्स एंड कंट्रोल, इंस्ट्रूमेंटेशन एंड सिग्नल प्रोसेसिंग एंड इलेक्ट्रिक वेहिकल टेक्नोलोजी में चार स्नातकोत्तर (एम.टेक.) कार्यक्रम चलाता है। इसके अतिरिक्त, विभाग 5 साल की अवधि के दो एकीकृत दोहरी डिग्री (इंटीग्रेटेड डुअल डिग्री) बी.टेक. (इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग) और एम.टेक. (इंस्ट्रूमेंटेशन एंड कंट्रोल), तथा बी.टेक. (इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग) और एम.टेक. (पावर इलेक्ट्रॉनिक्स) कार्यक्रम चलाता है, । साथ ही, डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी (पीएच.डी.) विभाग के शोध का एक प्रतिष्ठित कार्यक्रम है।

संचालित कार्यक्रम	नामांकित छात्र	प्रदान की गई उपाधियाँ
बी. टेक.	694	170
एम. टेक.	108	50
पीएच.डी	191	25

शोध एवं विकास (आर एंड डी) गतिविधियां

परियोजना स्थिति	प्रायोजित	धनराशि लाख रुपयों में	परामर्श	धनराशि लाख रुपयों में
नए	06	166.02	06	18
जारी	21	1001.91	21	464.68
पूर्ण हुए	28	1971.04	15	42.33

प्रमुख सुविधाएँ

- इंटेल ज़ीऑन डब्ल्यू7, 256जीबी रैम और एक एनविडिया 4500 एडीए
- (24जीबी) जीपीयू
- उच्च परिशुद्धता पोर्टेबल पावर एनालाइज़र (फ्लूक नोर्मा 5004)
- ओपैल-आरटी एचआईएल सिम्युलेटर (ओपी4512)
- एफ़आईएसटी प्रयोगशाला में रियल टाइम सिम्युलेटर के साथ बैटरी सेल सिम्युलेटर
- ओपैल-आरटी 4152
- 15किलो वाट रेटिंग का ग्रिड एमुलेटर

छात्र उपलब्धियां

- श्री कौशिक हलदर ने आईईईई के 28वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, पैलेस होटल, सिनाइया, रोमानिया में सिस्टम थ्योरी, कंट्रोल एंड कंप्यूटिंग (आईसीएसटीसीसी) पर, सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र पुरस्कार प्राप्त किया|
- श्री हिमांशु, श्री कौशिक पाटिल, श्री राज अभिनव और श्री सृजन वार्ष्णेय ने सर्वश्रेष्ठ बीटीपी पुरस्कार प्राप्त किया।
- श्री शौर्य शर्मा ने 2024 आईईईई, इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस में पावर इलेक्ट्रॉनिक्स, ड्राइव्स एंड एनर्जी सिस्टम्स (पीईडीईएस) पर शोध पत्र के लिए सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र पुरस्कार प्राप्त किया।
- श्री आर. आदित्य ऋषि, श्री संदीप चांडल, श्री दरबाला एस. महेंद्र, श्री आयुष धाकेर ने सर्वश्रेष्ठ टिंकरिंग परियोजना पुरस्कार प्राप्त किया।
- सुश्री निखिला पाटिल ने आईएनयूपी यूजर्स मीट 2024, आईआईटी बॉम्बे में सर्वश्रेष्ठ अनुसंधान एवं विकास (आरएण्डडी) परियोजना पुरस्कार प्राप्त किया।
- श्री पीयूष कुमार, श्री शुभम, श्री विशाल बाबू और श्री यश ने दीक्षांत समारोह 2024 में व्यावसायिक विकास और नवाचार (सर्वश्रेष्ठ नवप्रवर्तक अभिस्नातक) पुरस्कार प्राप्त किया।

- श्री सुव्रा पटनायक ने "पावर सिस्टम साइबरसिक्यूरिटी हैकाथॉन: प्रोटेक्टिंग द बैकबोन ऑफ मॉडर्न सोसाइटी" में सर्वश्रेष्ठ अभिनव परियोजना पुरस्कार प्राप्त किया।

मुख्य बातें

दक्षिण पूर्व तथा दक्षिण एशिया व ताइवान विश्वविद्यालय अध्यक्षों के फोरम (एसएटीयू), नेशनल चेंग कुंग विश्वविद्यालय (एनसीकेयू), ताइवान के अंतर्गत एनसीकेयू ताइवान के, विद्युत (इलेक्ट्रिकल) इंजीनियरिंग विभाग,के प्रोफेसर ली वांग, के साथ अंतर्राष्ट्रीय सहयोग।

वेबिनार/परिसंवाद/कार्यशालाएं/सम्मेलन :-

विभाग ने, ईवी तथा नवीकरणीय अनुप्रयोगों के लिए पावर कन्वर्टर्स का डिजिटल नियंत्रण व कुशल पावर प्रबंधन तकनीकियां, एआई तथा रोबोटिक्स, संचार, इंटरैक्शन, तेल से भरे ट्रांसफार्मरों का स्वास्थ्य प्रबंधन-क्यों और कैसे, पावर इलेक्ट्रॉनिक्स के लिए सिलिकॉन व डब्ल्यूबीजी पावर सेमीकंडक्टर-रुझान, प्रभाव और चुनौतियां तथा कृत्रिम अ-रैखिक अनुकूलन में प्रगति: सिद्धांत व अनुप्रयोग सहित अनेक सम्मेलन/संगोष्ठियाँ/कार्यशालाएं/ अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किये|

प्रकाशन :—

	प्रकाशित पुस्तकें	पुस्तक अध्याय	सम्मेलनों में शोध पत्र	पत्रिकाओं में शोध पत्र	आईपी फाइल किये गये (पेटेंट/कॉपीराइट, डिजाइन/ अंतर्राष्ट्रीय पेटेंट/ पीसीटी)	आईपी स्वीकृत/पंजीकृत (पेटेंट/कॉपीराइट, डिजाइन/ अंतर्राष्ट्रीय पेटेंट/ पीसीटी)
कुल योग	1	0	106	84	0	0

इलेक्ट्रॉनिक्स व संचार अभियांत्रिकी

1964 में, इलेक्ट्रॉनिक्स व संचार अभियांत्रिकी विभाग की स्थापना इलेक्ट्रॉनिक्स व संचार में इंजीनियरिंग स्नातक उपाधि तथा (ए) उन्नत इलेक्ट्रॉनिक्स और (बी) अनुप्रयुक्त इलेक्ट्रॉनिक्स तथा सर्वोमैकेनिज्म में इंजीनियरिंग निष्णात (मास्टर ऑफ इंजीनियरिंग) की उपाधि प्रदान किये जाने हेतु की गई । 1968 में, स्नातकोत्तर कार्यक्रम को संचार प्रणालियां, नियंत्रण तथा मार्गदर्शन, माइक्रोवेव व रडार, और सॉलिड-स्टेट इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्रों में विशेषज्ञता के साथ पुनरसंरचित किया गया। 1982 में, कंप्यूटर विज्ञान और प्रौद्योगिकी में दो नए स्नातक तथा स्नातकोत्तर कार्यक्रम शुरू किए गये। विभाग की गतिविधियों को ध्यान में रखते हुए, इस विभाग का नाम बदलकर इलेक्ट्रॉनिक्स और कंप्यूटर इंजीनियरिंग विभाग कर दिया गया। जनवरी 2013 में, कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग का एक अलग विभाग बनाया गया तथा इस विभाग का नाम पुनः इलेक्ट्रॉनिक्स व संचार इंजीनियरिंग कर दिया गया। वर्तमान में, इस विभाग में 39 पूर्णकालिक संकाय सदस्य हैं तथा यह विभाग इलेक्ट्रॉनिक्स व संचार इंजीनियरिंग में एक बी. टैक कार्यक्रम व पाँच पूर्णकालिक एम. टैक कार्यक्रम नामत: माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स और वीएलएसआई (एमईवी), संचार प्रणालियाँ, आरएफ और माइक्रोवेव (आरएफएम) इंजीनियरिंग, टेराहर्ट्ज संचार और सेंसिंग (टीसीएस) व सेमीकंडक्टर प्रौद्योगिकी चला रहा है। यह विभाग विशेष रुप से वीएलएसआई के क्षेत्र में काम करने वाले पेशेवरों के लिए विशेष रुप से डिज़ाइन किया गया एक अलग एम.टेक कार्यक्रम भी प्रदान कर रहा है। विभाग में डीसी से 1.1 टेराहर्ट्ज तक की उच्च कलात्मक(स्टेट ऑफ द आर्ट) निरूपण (करेक्टराइजेशन) सुविधाएँ हैं। टेराहर्ट्ज संचार व दूरसंवेदन (सेंसिंग) में एम.टेक किसी भी भारतीय शैक्षणिक संस्थान द्वारा प्रस्तुत किया जाने वाला ऐसा पहला कार्यक्रम है जो 2030 के युग से परे दूरसंचार प्रौद्योगिकी की आवश्यकताओं से सीधे तौर पर संबद्धित है। विभाग के संकाय सदस्य तथा शोध कर्ता इलेक्ट्रॉनिक्स व संचार इंजीनियरिंग के सभी पहलुओं के अत्याधुनिक अनुसंधान में सक्रिय रूप से रत हैं। विभाग के पास अर्धचालक (सेमीकंडक्टर) व साथ ही दूरसंचार प्रौद्योगिकी के प्रौद्योगिकीय क्षेत्र में क्रांति ला देने वाली पारंपरिक तथा साथ ही भविष्य की शोध चुनौतियों को संभालने हेतु अद्यतित बुनियादी ढाँचा और मानव संसाधन हैं। अर्धचालक (सेमीकंडक्टर) व दूरसंचार प्रौद्योगिकी को एक साथ जोड़ने हेतु आवश्यक सूत्र यानि कि साइबर फिजीकल सिस्टम्स (सीपीएस) भी इस विभाग की प्रमुख शोध गतिविधियों का एक भाग है|

इस विभाग के पास निम्नलिखित के व्यापक क्षेत्रों में सुदृढ़ शोध समूह हैं:

1. संचार, नेटवर्क और सिग्नल प्रोसेसिंग
2. आरएफ और माइक्रोवेव
3. माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स और वीएलएसआई
4. टेराहर्ट्ज़ संचार और सेंसिंग
5. स्मार्ट इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम और सेंसर

सहायक/अतिथि-शिक्षण संकाय की कुल संख्या	
पीएमआरएफ की संख्या	08

प्रो. अमिता गिरि ने इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार इंजीनियरिंग विभाग में सहायक प्रोफेसर के रूप में कार्यभार ग्रहण किया।

शैक्षणिक गतिविधियाँ

यह विभाग आरएफ और माइक्रोवेव्स; संचार, नेटवर्क तथा सिग्नल प्रोसेसिंग; और माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स व वीएलएसआई में स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम प्रदान करता है। इन व्यापक क्षेत्रों में विभाग के पास सुदृढ़ अनुसंधान समूह हैं। 'टेराहर्ट्ज़ संचार और सेंसिंग' पर भी एक एम.टेक कार्यक्रम प्रस्तावित करता है जो टेराहर्ट्ज़ इंजीनियरिंग से संबंधित चुनौतियों से निपटने के लिए शैक्षणिक योग्यता देता है। इसके अतिरिक्त, यह विभाग ताइवान विश्वविद्यालयों के साथ सेमीकंडक्टर प्रौद्योगिकी में संयुक्त एम.टेक भी प्रदान करता है|

संचालित कार्यक्रम	पंजीगत छात्र	प्रदान की गई उपाधियाँ
बी. टेक.	474	127
एम. टेक.	87	36
पीएच.डी	216	25

शोध एवं विकास (आर एंड डी) गतिविधियां

- स्वदेशी प्रौद्योगिकी विकास: ई सी ई विभाग के संकाय सदस्य और छात्र या तो स्टार्ट-अप के माध्यम से या अन्य उद्योगों में उत्पाद के रूप में इसे सीधे स्थानांतरित करके स्वदेशी प्रौद्योगिकी के विकास और व्यावसायीकरण की दिशा में सक्रिय रूप से रत हैं।
- जनशक्ति प्रशिक्षण: उद्योगों में जनशक्ति वांछितता की पूर्ति किये जाने हेतु शैक्षणिक तथा अनुसंधान कार्यक्रमों के माध्यम से तकनीकी जनशक्ति को प्रशिक्षित किये जाने के लिए ई सी ई विभाग प्रतिबद्ध है। सेमीकंडक्टर, दूरसंचार, रक्षा और अंतरिक्ष उद्योगों के क्षेत्र में रोजगार योग्य स्नातक व स्नातकोत्तर तैयार किये जाने में हम महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। सामाजिक, कृषि और चिकित्सा क्षेत्रों हेतु कम लागत वाले इलेक्ट्रॉनिक परीक्षण तथा माप उपकरणों के मुद्दों को हल किये जाने पर भी यह विभाग ध्यान केंद्रित कर रहा है।

मुख्य सुविधाएं

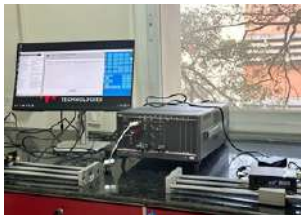

उप -टेराहर्ट्ज़ संचार जांच बैंच

माइक्रोइलैक्ट्रोनिक्स प्रयोगशाला में जोड़ी गई बहु- लक्षित डीसी/आरएफ़ स्पटरिंग प्रणाली

छात्र उपलब्धियां

- श्री अभिषेक कुमार, सुश्री सृष्टि सिंह, श्री हरि शंकर, श्री मनोज कुमार, श्री जय सिंह अमृथा, श्री सुब्रह्मण्यन, सुश्री आयशिका कपूर, श्री नेहेते हेमकांत, सुश्री सुमन, कुमार शीलवर्धन, श्री कैंतुरा आराधना, सुश्री स्मृति सिंह तथा श्री जोतिश्वरन सीए को पीएमआरएफ फेलोशिप हेतु चुना गया है।
- श्री चिन्मय नागपाल और उनकी टीम, ट्रैश टू ट्रेजर हैकाथॉन की ई-वेस्ट श्रेणी में, राष्ट्रीय विजेता के रूप में उभरी।

वेबिनार/परिसंवाद /कार्यशालाएं/सम्मेलन:-

विभाग ने प्रोफेसर ए.के. कमल स्मृति व्याख्यान माला, वीएलएसआई परीक्षण पर लघु कार्यशाला, ``मानव मस्तिष्क कंप्यूटर इंटरैक्शन हेतु एआई'' पर एसईआरबी कार्यशाला, स्पिनट्रॉनिक डिवाइसेज तथा हार्डवेयर सुरक्षा पर स्पार्क कार्यशाला और आईईईई ईडीएस डिस्टिंग्विश व्याख्यान: तृतीय ब्रेकडाउन: एनवीएम तथा एचकेएमजी पीढ़ी के सीएमओएस में खोज एवं इसके अनुप्रयोग सहित विभिन्न सम्मेलन/संगोष्ठियाँ/कार्यशालाएं/ अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किए।

प्रकाशन :—

	प्रकाशित पुस्तकें	पुस्तक अध्याय	सम्मेलनों में शोध पत्र	पत्रिकाओं में शोध पत्र	आईपी फाइल किये गये (पेटेंट/कॉपीराइट, डिजाइन/ अंतर्राष्ट्रीय पेटेंट/ पीसीटी)	आईपी स्वीकृत/पंजीकृत (पेटेंट/कॉपीराइट, डिजाइन/ अंतर्राष्ट्रीय पेटेंट/ पीसीटी)
कुल योग	लागू नहीं	लागू नहीं	51	63	लागू नहीं	लागू नहीं

मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विभाग

मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विभाग, आईआईटी रुड़की (पूर्व में रुड़की विश्वविद्यालय) की स्थापना 1966 में तकनीकी शिक्षा के साथ मानवीय मूल्यों और सामाजिक सरोकारों को एकीकृत करने की दृष्टि से की गई थी। पिछले कुछ वर्षों में, यह एक जीवंत विभाग के रूप में विकसित हुआ है, जिसमें अंग्रेजी, अर्थशास्त्र, मनोविज्ञान, समाजशास्त्र, ललित कला एवं संबंधित अंतर-अनुशासनात्मक विषयों में शिक्षण एवं अनुसंधान कार्यक्रम शामिल हैं। विभाग दो शैक्षणिक कार्यक्रम चलाता है, अर्थशास्त्र में दो वर्षीय एम.एससी. एवं अर्थशास्त्र में पांच वर्षीय बीएस-एमएस। हाल के वर्षों में उल्लेखनीय उपलब्धियों में से एक शोध गतिविधियों और विचारों के आदान-प्रदान में विस्तार रहा है, जो प्रतिष्ठित एवं उच्च प्रभाव वाली पत्रिकाओं में चर्चाओं, परामर्शों व प्रकाशनों की निरंतर वृद्धि से सुगम हुआ है।

संकाय/सहायक/अतिथि-शिक्षण संकाय की कुल संख्या	**32**

शैक्षणिक गतिविधियां: -

- **बीएस-एमएस (अर्थशास्त्र) के लिए पीसीसी की पाठ्यक्रम रूपरेखा**

एचएससी-201: उन्नत सूक्ष्मअर्थशास्त्र, एचएससी-203: उन्नत समष्टि अर्थशास्त्र, एचएससी-205: अर्थमितीय सिद्धांत का परिचय, एचएससी-202: प्रारंभिक विकास अर्थशास्त्र, एचएससी-204: उन्नत अर्थमितीय सिद्धांत।

- **एचएसएसईसी के पाठ्यक्रम की रूपरेखा**

एचएसएस-201: समाजशास्त्र का परिचय, एचएसएस-202: कार्यस्थल पर मानव व्यवहार, एचएसएस-203: अर्थशास्त्र का परिचय, एचएसएस-204: असामान्य मनोविज्ञान का परिचय, एचएसएस-205: संज्ञानात्मक विज्ञान का परिचय, एचएसएस-206: सामाजिक मनोविज्ञान का परिचय, एचएसओ-101: समकालीन भारत में सत्ता एवं राजनीति: मुद्दे और दृष्टिकोण, एचएसओ-102: समाज, संस्कृति एवं विकास, एचएसओ-103: विज्ञान, तकनीक एवं समाज, एचएसओ-104: औद्योगिक समाजशास्त्र, एचएसओ-105: संज्ञानात्मक एर्गोनॉमिक्स, एचएसओ-106: मानव व्यवहार के आयाम, एचएसओ-107: सकारात्मक मनोविज्ञान, एचएसओ-108: लिंग एवं सांस्कृतिक अध्ययन, एचएसओ-109: विकलांगता एवं साहित्य, एचएसओ-110: महिला लेखन, एचएसओ-111: फिल्म एवं साहित्य, एचएसओ-112: चिकित्सा मानविकी, एचएसओ-113: अंग्रेजी में रचनात्मक लेखन, एचएसओ-114: विभाजन साहित्य, एचएसओ-115: कनाडाई साहित्य - उत्तर-उपनिवेशवाद पर दृष्टिकोण, एचएसओ-116: भारतीय डायस्पोरा का कथा साहित्य, एचएसओ-117: व्यवहार का मनोवैज्ञानिक आधार, एचएसएल-901: अष्टाध्यायी के कम्प्यूटेशनल पहलू, एचएसएल-902: कम्प्यूटेशनल भाषाविज्ञान का परिचय, एचएसएल-533: अंतर्राष्ट्रीय वित्त, शोध पद्धति, कथा साहित्य की कला, सॉफ्ट स्किल।

प्रस्तावित कार्यक्रम	नामांकित छात्र	प्रदान की गई उपाधियाँ
(बी.एससी -एम.एससी इ.सी.)	635	188
(एम.एस. पारिस्थितिकी.)	132	57
पीएच.डी. डी	314	47

अनुसंधान एवं विकास गतिविधियाँ:

परियोजना स्थिति	प्रायोजित की कुल संख्या
नई	01
जारी	09
संपन्न	04

छात्र उपलब्धियां: -

1. सुश्री संजुक्ता रॉय को 2024 वार्षिक आईएनएमएस तीन दिवसीय सम्मेलन, आईआईटी मद्रास में सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार प्राप्त हुआ। (गाइड प्रोफेसर बिनोद मिश्रा)
2. सुश्री स्वराली सहस्रबुद्धे को 2025 ग्लोबल बिजनेस रिसर्च कॉन्फ्रेंस में जनरल मैनेजमेंट एंड स्ट्रैटेजी ट्रैक में सर्वश्रेष्ठ पेपर पुरस्कार से सम्मानित किया गया है
3. सुश्री अनीशा ई ने ब्रेमेन इंटरनेशनल ग्रेजुएट स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज (बीआईजीएसएसएस), जर्मनी में विजिटिंग पीएचडी फेलो के रूप में कार्य किया।
4. सुश्री मृणालिनी राज को चार्ल्स वालेस रिसर्च ग्रांट से सम्मानित किया गया।
5. सुश्री सोहिनी सरकार को एशियाई विद्वानों के लिए अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के लिए यात्रा अनुदान प्राप्त हुआ(गाइड प्रोफेसर स्मिता झा)

प्रकाशन :—

	पुस्तक प्रकाशित	पुस्तक अध्याय	सम्मेलनों में पेपर	जर्नल में पेपर	आईपी (पेटेंट/कॉपीराइट), डिजाइन/अंतरराष्ट्रीय पेटेंट/पीसीटी) दायर	आईपी (पेटेंट/कॉपीराइट), डिजाइन/अंतरराष्ट्रीय पेटेंट/पीसीटी) स्वीकृत/पंजीकृत
कुल योग	NA	05	34	55		

जल विज्ञान

जल विज्ञान विभाग भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की के 23 शैक्षणिक विभागों में से एक है। 1972 में, जल विज्ञान में अंतर्राष्ट्रीय स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम की शुरुआत के साथ स्थापित, यह विभाग किसी भी विकासशील देश में इस तरह का पहला कार्यक्रम बन गया। वर्तमान में, विभाग द्वारा प्रस्तुत किये जाने वाले पाठ्यक्रम भारत सरकार तथा यूनेस्को द्वारा समर्थित हैं। विभाग में नौ पूर्णकालिक संकाय सदस्य कार्यरत हैं, जिनमें से प्रत्येक सतही जल के जल विज्ञान (बाढ़ और सूखा), जल संसाधन प्रणालियों, जल विभाजन (वाटरशेड) प्रबंधन, भू-जल विज्ञान, भूजल भूभौतिकी, स्टोकेस्टिक जल विज्ञान, जल-सूचना विज्ञान, पर्यावरण जल विज्ञान, वायुमंडलीय भौतिकी और जलवायु परिवर्तन जैसे क्षेत्रों में विशेषज्ञता रखता है।

संकाय सदस्यों की कुल संख्या संकाय की कुल संख्या	**22**
(अनुबद्ध/ आगंतुक- अध्यापन संकाय) संकाय सदस्यों की कुल संख्या	03
पोस्ट डॉक्टरल फैलोज की संख्या	03
पीएमआरएफ की संख्या	04

शैक्षणिक गतिविधियां

संचालित कार्यक्रम	नामांकित छात्र	प्रदान की गई उपाधियाँ
एम. टेक.	132	57
पीएच.डी	314	47

शोध एवं विकास (आर एण्ड डी) गतिविधियां

परियोजना स्थिति	प्रायोजित परियोजनाओं की कुल संख्या	परामर्श परियोजनाओं की कुल संख्या
नई	07	13
जारी	12	17
संपन्न	05	16

प्रमुख सुविधाएं

- व्यावहारिक (हैंड्स-ऑन) अथवा आभासी (वर्चुअल)/ मिली-जुली (हाइब्रिड)/ सशरीर-उपस्थित (फिजिकल) बैठक के लिए डिजिटल अवसंरचना की अत्याधुनिक (स्टेट ऑफ द आर्ट) सुविधा वाला अधिगम (लर्निंग) स्टूडियो।
- आईसीईडी के माध्यम से केंद्रीय जल आयोग द्वारा प्रायोजित कच्चे बांधों (अर्थन डैम) से होने वाले रिसाव का अध्ययन किये जाने हेतु एक बड़ी प्रायोगिक व्यवस्था।

छात्र उपलब्धियां

- डॉ. दिव्या सरदाना को ईजीयू जनरल असेंबली द्वारा एएनआरएफ अंतर्राष्ट्रीय यात्रा अनुदान मिला|
- सुश्री नागश्री जी.ई. को ड्रेसडेन, जर्मनी में इंस्टीट्यूट फॉर इंटीग्रेटेड मैनेजमेंट ऑफ मैटेरियल फ्लक्सेज एंड ऑफ रिसोर्सेज (यूएनयू-एफ़एलओआरईएस) से फ्यूचर एनवायरनमेंटल लीडर छात्रवृत्ति मिली। इसके अतिरिक्त उन्होंने इकोहाइड्रोलॉजी समर स्कूल में भी भाग लिया।
- सुश्री भव्या स्वामी, श्री पंकज पाटीदार, सुश्री आकांक्षा फौजदार, श्री सौरभ कुमार, सुश्री दीक्षा, सुश्री स्पंदन नस्कर तथा श्री जसवंत सिंह को यूरोपीयन एसोसियेशन ऑफ जियो कैमिस्ट्री से गोल्डश्मिट जियोकैमिस्ट्री इंटर्नेशनल कोन्फ्रेंस अर्ली कैरियर ग्रांट प्राप्त हुयी।
- सुश्री प्रज्ञा बदिका को जर्मन फ़ैडरल मिनिस्ट्री ऑफ एजुकेशन एण्ड रिसर्च से डिजिटल ग्रीन टैलेंट अवार्ड मिला।
- सुश्री आकांक्षा केशरिया को वर्ड ग्राउंडवाटर कांग्रेस-आईएएच से यूनेस्को यात्रा अनुदान मिला।
- श्री जसवंत सिंह को अंतर्राष्ट्रीय यात्रा सहायता, सीएसआईआर विदेश यात्रा अनुदान मिला।
- श्री अजय गुप्ता को कॉमनवेल्थ स्प्लिट-साइट फ़ेलोशिप प्राप्त हुई|
- सुश्री स्पंदिता मित्रा को एपीएआरसी अनुदान प्राप्त हुआ|
- डॉ. रविकुमार और डॉ. रविकुमार गुंटू को डॉक्टोरल रिसर्च में उत्कृष्टता पुरस्कार मिला
- श्री निकुंज मंगुकिया, सुश्री बेजागम विजयकुमार तथा सुश्री सुजाता कुलकर्णी को अंतर्राष्ट्रीय यात्रा सहायता प्राप्त हुई|

- सुश्री प्रज्ञा बडिका को फ्यूचर एनवायर्नमेंटल लीडर स्कॉलरशिप प्राप्त हुई|

मुख्य बातें

- भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की (आईआईटी रुड़की) और समरकंद राज्य विश्वविद्यालय (एसएएम एसयू), संयुक्त मास्टर डिग्री कार्यक्रम (जेएमडीपी) को प्रारंभ किये जाने हेतु अभिवर्धित किये जाने,तथा जल विज्ञान, पर्यावरण विज्ञान, सतत ऊर्जा और सतत विकास लक्ष्यों में अनुसंधान और सहयोग को बढ़ावा दिये जाने हेतु साथ आये हैं।
- 24 जनवरी, 2025 को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की, भारत और बीएआईएफ डवलपमेंट फाउंडेशन के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गये।
- भुवनेश्वर नगर हेतु जल निकासी मास्टर प्लान बनाये जाने के लिये भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की, भारत और भुवनेश्वर नगर निगम (बीएमसी) के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गये।
- उन्नत झिल्ली विज्ञान अनुसंधान और अनुप्रयोगों (एड्वान्स्ड़ मेम्ब्रेन साइंस रिसर्च एण्ड एप्लीकेशन्स) में सहयोग को और मजबूत किये जाने हेतु भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की, भारत तथा हेल्महोल्ट्ज़-ज़ेंट्रम हियरन, जर्मनी के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गये।
- भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की, भारत तथा अंतर्राष्ट्रीय जल प्रबंधन संस्थान (आई डब्ल्यू एम आई), श्रीलंका के बीच 6 मार्च, 2025 को सी जी आई ए आर के तहत समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गये|

वेबिनार्स/परिसंवाद/कार्यशालाएं/सम्मेलन/शैक्षणिक वार्तालाप:

विभाग ने इंडो-जर्मन स्कूल कार्यशाला, प्रवाह 2025, बीआईएस मानक क्लब कार्यशाला, अलवणीकरण, लवण जल की पुनर्प्राप्ति तथा संसाधन निष्कर्षण हेतु गहन झिल्ली विज्ञान अनुसंधान को बढ़ावा देने वाली अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला (मेमसाइ-ब्राइन) एवं "भूभौतिकीय उपकरणों व तकनीकों का उपयोग करके भूजल संसाधन आकलन" सहित विभिन्न सम्मेलन/संगोष्ठियों/ कार्यशालाओं/अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों का आयोजन किया है।

प्रकाशन :—

	प्रकाशित पुस्तकें	पुस्तक अध्याय	सम्मेलनों में शोधपत्र	पत्रिकाओं में शोधपत्र	आईपी फाइल किये गये (पेटेंट/कॉपीराइट, डिजाइन अंतर्राष्ट्रीय पेटेंट/ पीसीटी)	आईपी स्वीकृत/पंजीकृत (पेटेंट/कॉपीराइट, डिजाइन/ अंतर्राष्ट्रीय पेटेंट/ पीसीटी)
कुल योग		02	54	94	03	02

जल एवं नवीकरणीय ऊर्जा विभाग

जल एवं नवीकरणीय ऊर्जा विभाग (एचआरईडी) "नवीकरणीय एवं जल ऊर्जा प्रणाली" तथा "नदियों एवं झीलों का पर्यावरण प्रबंधन" में एमटेक कार्यक्रमों के साथ-साथ उपरोक्त क्षेत्रों में अल्पकालिक राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों के माध्यम से शिक्षा प्रदान कर रहा है। उपर्युक्त के अलावा, विभाग के पास नवीकरणीय ऊर्जा, जलविद्युत एवं जल निकायों के पर्यावरण प्रबंधन के सभी क्षेत्रों को शामिल करते हुए एक जीवंत पीएच.डी. कार्यक्रम है। स्नातक स्तर पर, विभाग न केवल नवीकरणीय ऊर्जा पर वैकल्पिक विषय प्रदान करता है, बल्कि संस्थान में बी.टेक छात्रों को नवीकरणीय ऊर्जा प्रौद्योगिकी में एक लघु कार्यक्रम भी प्रदान करता है। एचआरईडी अपने विविध अंतःविषयक संकायों और प्रत्येक क्षेत्र के लिए विशिष्ट सुसज्जित प्रयोगशालाओं के माध्यम से हाइड्रो, सौर, पवन एवं बायोमास जैसे विभिन्न क्षेत्रों में नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता की पूर्ण प्राप्ति के लिए महत्वपूर्ण इनपुट प्रदान करने के लिए अनुसंधान, विकास एवं प्रशिक्षण सलाहकार सेवाएं प्रदान कर रहा है। एचआरईडी ने अपनी पहुंच का विस्तार हरित हाइड्रोजन, बैटरी, इलेक्ट्रिक वाहन और ग्रिड एकीकरण के क्षेत्रों तक कर लिया है, जिसमें कई वित्त पोषण स्रोतों द्वारा समर्थित सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक अनुसंधान गतिविधियां शामिल हैं।

संकाय/सहायक/अतिथि-शिक्षण संकाय की कुल संख्या	18
पोस्ट डॉक्टर फेलो की संख्या	02
पीएमआरएफ की संख्या	04

प्रो. रविता लांबा एवं प्रो. प्रांजलि शर्मा , जल एवं नवीकरणीय ऊर्जा विभाग में शामिल हुए|

शैक्षणिक गतिविधियाँ :-

विभाग "नवीकरणीय एवं जलविद्युत ऊर्जा प्रणाली" एवं "नदियों और झीलों का पर्यावरण प्रबंधन" में एमटेक कार्यक्रम व पीएच.डी. कार्यक्रम प्रस्तावित करता है। स्नातक स्तर पर, विभाग नवीकरणीय ऊर्जा पर वैकल्पिक विषय प्रदान करता है और संस्थान में बी.टेक. छात्रों को नवीकरणीय ऊर्जा प्रौद्योगिकी में एक छोटा कार्यक्रम प्रस्तावित करता है। विभाग ने शैक्षणिक वर्ष 2024-25 से ऊर्जा इंजीनियरिंग में एक नया बी.टेक कार्यक्रम शुरू किया है।

प्रस्तावित कार्यक्रम	नामांकित छात्र	प्रदान की गई उपाधियाँ
बी. टेक.	20	-
एम. टेक.	37	21
पीएच.डी	69	09

अनुसंधान एवं विकास गतिविधियाँ :-

परियोजना स्थिति	परियोजना परियोजनाओं की कुल संख्या	राशि लाख रुपये में	परामर्श परियोजनाओं की कुल संख्या	राशि लाख रुपये में
नए	16	1102.2	1	15.23
जारी	26	1364.62	4	352.0476
पूर्ण हुए	23	2224.07	4	43.424

प्रमुख सुविधाएं: -

1. ~35 लाख की मॉड्यूलर इलेक्ट्रिक मशीन सेटअप के लिए खरीद ऑर्डर दिया गया, जो यूजी, पीजी एवं पीएचडी छात्रों के लिए अत्याधुनिक इलेक्ट्रिक मशीन प्रशिक्षण एवं शोध सुविधा प्रदान करती है
2. बाथिमेट्री के लिए रेमरीन ड्रैगनफ्लाई-7 प्रो की खरीद
3. एमआरयू द्वारा ऑप्टिमा बायोगैस विश्लेषक की खरीद
4. मल्टी-कल्टीवेटर की स्थापना
5. लेमिनर फ्लो
6. यूवी-विज़ स्पेक्ट्रोफोटोमीटर

छात्र उपलब्धियां: -

- श्री सुनील के सेठी को अनुसंधान नेशनल रिसर्च फाउंडेशन (एएनआरएफ) द्वारा अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक सम्मेलन (एसईआरबी) में भाग लेने के लिए वित्तीय अनुदान की संस्तुति की गई।
- श्री नीतीश प्रसाद: आईआईटी रुड़की में राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस पर तीसरा पुरस्कार प्राप्त किया
- संकाय उद्यमिता विवरण: - सुसविंग्स सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड।

वेबिनार/संगोष्ठी/कार्यशालाएं/सम्मेलन/संवाद:-

विभाग ने विभिन्न सम्मेलन/सेमिनार/ कार्यशाला/ अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किए हैं, उनमें से कुछ इस प्रकार हैं "सतही जल, साइट पर स्वच्छता प्रणालियों एवं जल उपचार सुविधाओं से कार्बन फुटप्रिंट व जीएचजी उत्सर्जन का आकलन" पर कार्यशाला, "बायोमास पावर: संचालन एवं 3 नियामक पहलू" पर विशेषज्ञ वार्ता, "अधिक-से-कम करने वाले क्षेत्रों में ऊर्जा संक्रमण" पर विशेषज्ञ वार्ता, अक्षय ऊर्जा पर अंतर्राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन (आईएनएसओआरई) में "जीवाश्म ईंधन युग के अंत की ओर ऊर्जा संक्रमण" पर पूर्ण वार्ता, अनुसंधान गतिविधियों के लिए रणनीतिक योजना पर कार्यशाला एवं कई अन्य|

प्रकाशन :—

	पुस्तक प्रकाशन	पुस्तक अध्याय	सम्मेलनों में शोध पत्र	जर्नल में शोध पत्र	आईपी (पेटेंट/कॉपीराइट), डिजाइन/अंतरराष्ट्रीय पेटेंट/पीसीटी) दायर	आईपी (पेटेंट/कॉपीराइट), डिजाइन/अंतरराष्ट्रीय पेटेंट/पीसीटी) स्वीकृत/पंजीकृत
कुल योग	06	00	26	31	09	02

प्रबंध अध्ययन विभाग (डीओएमएस)

प्रबंधन अध्ययन विभाग व्यवसाय प्रबंधन में उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा प्रदान करता है, जिसमें मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (एमबीए), पीएचडी एवं कार्यकारी एमबीए (ईएमबीए) जैसे कार्यक्रम शामिल हैं। प्रबंधन अनुसंधान के लिए एक अग्रणी केंद्र के रूप में मान्यता प्राप्त, विभाग एनआईआरएफ रैंकिंग के अनुसार, अनुसंधान आउटपुट के लिए लगातार देश के शीर्ष 20 बिजनेस स्कूलों में शुमार है। इसे क्यूएस रैंकिंग में लगातार 251-300 बैंड में भी रखा गया है। 135 से अधिक शोध विद्वानों के साथ, विभाग प्रबंध अनुसंधान उत्कृष्टता के लिए अनुकूल वातावरण को बढ़ावा देता है। यह इस शोध का समर्थन करने के लिए डेटाबेस की एक विस्तृत श्रृंखला की सदस्यता लेता है। इसके अतिरिक्त, लगभग सभी संकाय सदस्य एनपीटीईएल योजना के माध्यम से ऑनलाइन पाठ्यक्रम प्रदान करते हैं, साथ ही कई एडटेक प्लेटफ़ॉर्म पर विभिन्न दीर्घकालिक पाठ्यक्रम भी प्रदान करते हैं। विभाग कई उद्योग-उन्मुख प्रबंधन विकास कार्यक्रम (एमडीपी) भी आयोजित करता है, जो प्रायोजित और सार्वजनिक भागीदारी दोनों के लिए खुले हैं, और सामाजिक प्रभाव वाली कई प्रायोजित परियोजनाएँ चलाता है।

संकाय/सहायक/अतिथि-शिक्षण संकाय की कुल संख्या	कुल संकाय की संख्या	प्रैक्टिस प्रोफेसर/सहायक
	23	**04**
पोस्ट डॉक्टरेट फेलो की संख्या	03	
पीएमआरएफ की संख्या	04	

प्रो. प्राची जैन एवं प्रो. निशांत गर्ग प्रबंध अध्ययन विभाग में शामिल हो गए हैं।

शैक्षणिक गतिविधियां: -

प्रबंध अध्ययन विभाग व्यवसाय प्रबंधन के व्यवसायी क्षेत्रों में उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा प्रदान करता है और मास्टर्स इन बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (एमबीए), कार्यकारी एमबीए (ईएमबीए) एवं पीएचडी प्रदान करता है। वर्तमान में, 157 छात्र एमबीए कर रहे हैं, 100 छात्र ई-एमबीए कर रहे हैं, जबकि 150 पीएचडी विद्वान विभाग में शोध कर रहे हैं। वर्ष 2024-25 में, 82 छात्रों को एमबीए की उपाधि प्रदान की गई, जबकि 23 छात्रों ने पीएचडी की उपाधि प्राप्त की है। विभाग ने शोध में उत्कृष्टता के लिए बड़ी संख्या में डेटाबेस की सदस्यता ली है।

अनुसंधान एवं विकास गतिविधियाँ : -

परियोजना स्थिति	प्रायोजित	राशि लाख रुपये में
नई	09	234.73
जारी	05	73.23
पूर्ण हुए	13	166.33

प्रमुख सुविधाएं: -

- डीपीआईआईटी - आईपीआर अध्यक्ष, आईआईटी रुड़की द्वारा एक यूट्यूब चैनल, जो बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) जागरूकता एवं शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है।
- शून्य लैब: ऊर्जा संक्रमण के लिए बड़े पैमाने पर अनुकूलन मॉडलिंग के लिए अनुसंधान प्रयोगशाला।
- निर्णय विज्ञान प्रयोगशाला
- आई ट्रैकर सुविधा के साथ उपभोक्ता व्यवहार प्रयोगशाला

Link of YouTube Channel:
www.youtube.com/@IPRCHAIRIITROORKEE

प्रमुख सहयोग

प्रायोजक एजेंसी	श्रेणी
इंटरनेशनल सस्टेनेबल एनर्जी फाउंडेशन, ऑस्टिन, टेक्सास	अंतर्राष्ट्रीय सहयोग
इफकोन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, एवं स्ट्राबैग इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सेफ़्टे सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड (इफकोन - स्ट्राबैग)	कॉर्पोरेट/उद्योग
इंस्टीट्यूट फॉर एनर्जी इकोनॉमिक्स एंड फाइनेंशियल एनालिसिस, लेकवुड, यूएसए	अंतर्राष्ट्रीय सहयोग
रेखी फाउंडेशन फॉर हैप्पीनेस	कॉर्पोरेट/उद्योग
कंटेनर कॉरपोरेशन ऑफ़ इंडिया लिमिटेड, नई दिल्ली कोनकोर	सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम
डीएसटी द्वारा वित्तपोषित इंडो-फ्रेंच (सीईएफआईपीआरए) सहयोगी परियोजना	अंतर्राष्ट्रीय सहयोग
इंडोनेशिया विश्वविद्यालय	अंतर्राष्ट्रीय सहयोग

छात्र उपलब्धियां: -

- श्री अभिज्ञान को टीसीएस इनोवेशन लैब्स, टीसीएस रिसर्च इंटर्नशिप के एक प्रमुख वैज्ञानिक के मार्गदर्शन में टीसीएस रिसर्च में प्रतिष्ठित पीएचडी रिसर्च इंटर्नशिप प्राप्त हुई।
- सुश्री साक्षी तिवारी को नेपाल में आयोजित आईटी एप्लीकेशन एवं प्रबंधन पर 30वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सर्वश्रेष्ठ पेपर का पुरस्कार प्राप्त हुआ।
- श्री हरीश को एसओआईएल स्कूल ऑफ बिजनेस डिजाइन (एसएसओबीडी) द्वारा पोलीटेक्निको डी मिलानो (पोलिमी), मिलान परिसर, इटली के सहयोग से आयोजित "उभरते प्रबंधन रुझान एवं सतत विकास के लिए उन्नत दृष्टिकोण: डिजाइन थिंकिंग समाधानों को अपनाना" विषय पर दूसरे अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सर्वश्रेष्ठ पेपर का पुरस्कार मिला।

वेबिनार/संगोष्ठी/कार्यशाला/सम्मेलन/संवाद:-

कई कार्यशालाएं/वेबिनार/संगोष्ठी/सम्मेलन/संवाद आयोजित किए गए, जिनमें से कुछ में "रक्षा प्रणाली, व्यवसाय-से-सरकार (बी2जी) मॉडल, कॉलेज से कॉर्पोरेट में करियर संक्रमण, एवं विभिन्न व्यावसायिक कार्य कैसे आपस में जुड़ते हैं" पर बीईएल उद्योग वार्ता शामिल है, जिसमें श्री रंजीत करमचंदानी, वरिष्ठ डीजीएम - संचालन निगरानी एवं विश्लेषण, आईआईटी रुड़की के डीओएमएस के एक सम्मानित पूर्व छात्र, श्री भानु प्रकाश श्रीवास्तव, बीईएल में अन्य इकाइयों के निदेशक, एवं श्री अम्बरीश त्रिपाठी, जीएम और बीईएल कोटद्वार के इकाई प्रमुख शामिल थे। यूजी/पीजी स्तर पर शिक्षण में शामिल उच्च शिक्षण संस्थान के संकाय सदस्यों के लिए आईपीआर की मूल बातें पर प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण (टीओटी)। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की, फ्लिपकार्ट में बौद्धिक संपदा पर ऑनलाइन सर्टिफिकेट कोर्स: नवाचार, रचनात्मकता, विकास एवं प्रगति का स्रोत श्री धीरज सिंह, निदेशक - मानव संसाधन (कर्मचारी संबंध) द्वारा "ई-कॉमर्स में कर्मचारी संबंधों का प्रबंधन: चुनौतियां एवं सर्वोत्तम अभ्यास" पर अतिथि व्याख्यान, श्री पीताम्बर शिवनानी, सम्मानित पूर्व छात्र (आईआईटीआर ईई, 1986) और जीई टीएंडडी इंडिया लिमिटेड के पूर्व एमडी व सीईओ द्वारा "अधिग्रहण में उचित परिश्रम एवं सफलता प्राप्त करने में समर्पण, प्रतिबद्धता और कड़ी मेहनत की भूमिका" पर अतिथि व्याख्यान, टीएपी ग्लोबल के संस्थापक एवं सीईओ श्री संदीप संघल द्वारा "व्यावसायिक बदलाव, विकास रणनीतियों एवं बाजार की अस्थिरता को नेविगेट करना" पर तकनीकी सत्र। बैक टु डोम्स एलुमनी श्रृंखला के भाग के रूप में, डोम्स, आईआईटी रुड़की ने वर्वईटा प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड की सह-संस्थापक श्रीमती वसुधा गुप्ता शर्मा को "स्थिरता: नया प्रतिस्पर्धात्मक लाभ" विषय पर अतिथि व्याख्यान के लिए आमंत्रित किया, जिसमें इस बात पर प्रकाश डाला गया कि व्यवसाय किस प्रकार संधारणीय रणनीतियों के माध्यम से विकास को गति दे सकते हैं। डोम्स, आईआईटी रुड़की में "ग्राहक-केंद्रित डिजिटल परिवर्तन और नवाचार में तेजी लाना: परिणाम-संचालित कार्यक्रम सुनिश्चित करना" विषय पर कार्यशाला, जिसमें केपीएमजी के निदेशक श्री सचिन सिंघल द्वारा प्रभावशाली, ग्राहक-केंद्रित डिजिटल पहलों को आगे बढ़ाने में व्यावहारिक अंतर्दृष्टि प्रदान की गई। ईएमबीए छात्रों एवं निफटेम-के, के छात्रों के लिए कैंपस इमर्शन कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिसमें नेतृत्व, व्यवसाय रणनीति, प्रौद्योगिकी और नवाचार में अमूल्य अंतर्दृष्टि प्रदान की गई।

प्रकाशन :—

	पुस्तक प्रकाशित	पुस्तक अध्याय	सम्मेलनों में पेपर	जर्नल में पेपर	आईपी (पेटेंट/कॉपीराइट), डिजाइन/अंतरराष्ट्रीय पेटेंट/पीसीटी) दायर	आईपी (पेटेंट/कॉपीराइट), डिजाइन/अंतरराष्ट्रीय पेटेंट/पीसीटी) स्वीकृत/पंजीकृत
कुल योग			24	29		

गणित

एक स्वतंत्र विभाग के रूप में, गणित विभाग ने 1960 में अपनी वर्तमान स्थिति प्राप्त की। लगातार वृद्धि करते हुए, विभाग गणित में अपने स्वयं के स्नातक और स्नातकोत्तर कार्यक्रम चलाता है। यह विभाग शुद्ध व अनुप्रयुक्त गणित, ऑपरेशन रिसर्च व सांख्यिकी के विभिन्न क्षेत्रों में पीएचडी उपाधि भी प्रदान करता है। गणित के विभिन्न क्षेत्रों में यह विभाग विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के साथ सहयोग करता है। संस्थान की केंद्रीय कंप्यूटिंग सुविधाओं से इतर, इस विभाग में एक अत्याधुनिक (स्टेट ऑफ द आर्ट) कंप्यूटर प्रयोगशाला है। संकाय सदस्य उच्च गुणवत्ता वाले शोध प्रकाशन प्रकाशित करते हैं तथा प्रायोजित और परामर्श अनुसंधान में जुड़े रहते हैं।

(अनुबद्ध/ आगंतुक- अध्यापन संकाय) संकाय की कुल संख्या	31
पोस्ट डॉक्टरल फैलोज की संख्या	2 + 1 (एन बी एच एम)
पीएमआरएफ की संख्या	02

प्रो. गार्गी घोष और प्रो. राहुल कुमार सहायक प्रोफेसर के रूप में गणित विभाग में शामिल हुए।

शैक्षणिक गतिविधियाँ

- विभाग गणित में पाँच वर्षीय एकीकृत यूजी/पीजी कार्यक्रम, और पिछले चार शैक्षणिक सत्रों से पाँच वर्षीय एकीकृत यूजी/पीजी कार्यक्रम की जगह दोहरी डिग्री बीएस-एमएस (गणित और कंप्यूटिंग) कार्यक्रम प्रदान करता है। यह अपना पारंपरिक दो वर्षीय एमएससी (गणित) कार्यक्रम भी चलाता है।
- यह विभाग गणित में दो वर्षीय पीजी कार्यक्रम और गणित में पीएचडी कार्यक्रम प्रदान करता है।

संचालित कार्यक्रम	नामांकित छात्र	प्रदान की गई उपाधियाँ
बी. टैक/ बीएस-एमएस/ इंटीग्रेटेड एम.एससी	239	38
एम. टैक / एम.एससी	73	36
पीएच.डी	106	26

अनुसंधान एवं विकास (आर एंड डी) गतिविधियाँ

विभाग में शुद्ध और अनुप्रयुक्त गणित के विभिन्न क्षेत्रों में विशेषज्ञता रखने वाले संकाय सदस्यों की एक सुदृढ़ और समर्पित टीम है। लगभग 100 पीएचडी स्कोलर्स की विशाल ताकत के साथ, जिनमें से कई को विभिन्न प्रायोजित शोध परियोजनाओं के वित्तपोषण के माध्यम से भर्ती किया गया है, यह विभाग अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों में बहुत सक्रिय भागीदारी दर्शाता है।

परियोजना स्थिति	प्रायोजित परियोजनाओं की कुल संख्या	परामर्श परियोजनाओं की कुल संख्या
नई	07	0
जारी	18	0
संपन्न	24	1

मुख्य बातें

गणित विभाग के आठ यूजी/पीजी छात्रों ने गणित और संबंधित विषयों में गेट 2025 उत्तीर्ण किया । इनमें से तीन छात्रों ने 20 के अंतर्गत रैंक हासिल की।

इस विभाग के छात्रों का स्थानन (प्लेसमेंट) सदैव, वेतन पैकेज और हायरिंग कंपनियों की प्रतिष्ठा दोनों के मामले में, देश में सबसे ऊँचा रहता है। इस साल, यूजी प्रोग्राम के 41 में से 34 छात्रों का चयन परिसर स्थानन (इन-हाउस प्लेसमेंट) के जरिए हुआ।

विभाग के विभिन्न संकाय सदस्य, ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय यूके, एडिनबर्ग विश्वविद्यालय यूके, नॉटिंघम विश्वविद्यालय यूके, टीयू बर्लिन जर्मनी, सीएनआरएस फ्रांस, सवोई मोंट ब्लांक विश्वविद्यालय फ्रांस, मोनाश विश्वविद्यालय ऑस्ट्रेलिया, ससेक्स विश्वविद्यालय यूके, बायो विश्वविद्यालय चिली, बॉन विश्वविद्यालय जर्मनी, ओस्लो विश्वविद्यालय नॉर्वे, आरआईसीएएम ऑस्ट्रिया, केएयूएसटी सऊदी अरब, एबर्टा विश्वविद्यालय लिस्बन पुर्तगाल, आईएसटी लिस्बन पुर्तगाल, वीयरस्ट्रैस इंस्टीट्यूट बर्लिन जर्मनी, फ्री यूनिवर्सिटी बर्लिन जर्मनी सहित विश्वविद्यालयों/संस्थानों के साथ सहयोग में रत हैं|

वेबिनार/परिसंवाद/कार्यशालाएं/सम्मेलन/संवाद: -

विभाग ने, आधुनिक इंजीनियरिंग समस्याओं के लिए उन्नत संख्यात्मक विधियों पर एक इंडो-फ्रेंच कार्यशाला, राष्ट्रीय गणित केंद्र (एनसीएम) द्वारा संचालित रैखिक बीजगणित और मैट्रिक्स समूहों पर शिक्षक संवर्धन कार्यशाला (टीईडब्ल्यू), एएनआरएफ (एसईआरबी) और आईएनवाईएएस द्वारा प्रायोजित डिफ्रेंशियल इक्वेशंस पर कार्यशाला तथा अंतर्राष्ट्रीय गणित दिवस (पाई दिवस) सहित विभिन्न सम्मेलनों /संगोष्ठियों/ कार्यशालाओं/अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों का आयोजन किया ।

प्रकाशन :—

	पुस्तक प्रकाशित	पुस्तक अध्याय	सम्मेलनों में पेपर	जर्नल में पेपर	आईपी (पेटेंट/कॉपीराइट), डिजाइन/अंतरराष्ट्रीय पेटेंट/पीसीटी) दायर	आईपी (पेटेंट/कॉपीराइट), डिजाइन/अंतरराष्ट्रीय पेटेंट/पीसीटी) स्वीकृत/पंजीकृत
कुल योग	0	0	18	110	0	0

यांत्रिक एवं औद्योगिक अभियांत्रिकी

यांत्रिक (मैकेनिकल) अभियांत्रिकी विभाग वर्ष 1946 में अस्तित्व में आया और मैकेनिकल इंजीनियरों का पहला बैच वर्ष 1949 में स्नातक हुआ। 1974 में अपनी रजत जयंती पर इस विभाग का नाम बदलकर यांत्रिक एवं औद्योगिक अभियांत्रिकी विभाग कर दिया गया, जब औद्योगिक अभियांत्रिकी में स्नातक कार्यक्रम शुरू किया गया। वर्तमान में यह यांत्रिक (मैकेनिकल) और औद्योगिक (इंडस्ट्रियल) इंजीनियरिंग के विभिन्न पहलुओं में स्नातक और स्नातकोत्तर दोनों पाठ्यक्रम प्रदान करता है। विभाग मशीन डिजाइन इंजीनियरिंग, प्रोडक्शन एण्ड इंडस्ट्रियल सिस्टम्स इंजीनियरिंग, थर्मल सिस्टम इंजीनियरिंग, वेल्डिंग इंजीनियरिंग और कैड, कैम व रोबोटिक्स में मास्टर ऑफ टेक्नोलॉजी पाठ्यक्रम प्रदान करता है। विभाग में यांत्रिक (मैकेनिकल) और उत्पादन (प्रोडक्शन) और औद्योगिक (इंडस्ट्रियल) इंजीनियरिंग से संबंधित सभी क्षेत्रों में अनुसंधान किए जाने हेतु आधुनिक परिष्कृत उपकरणों के साथ प्रयोगशाला और कार्यशाला की सुविधा है। संकाय सदस्य प्रायोजित अनुसंधान और परामर्श कार्य में सक्रिय रूप से भाग लेते हैं ।

इक्वेशंस पर कार्यशाला तथा अंतर्राष्ट्रीय गणित दिवस (पाई दिवस) सहित विभिन्न सम्मेलनों /संगोष्ठियों/ कार्यशालाओं/अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों का आयोजन किया ।

(अनुबद्ध/ आगंतुक- अध्यापन संकाय) संकाय की कुल संख्या	46 1 अनुबद्ध
पोस्ट डॉक्टरल फैलोज की संख्या	शून्य
पीएमआरएफ की संख्या	08

प्रो. अनुज बिष्ट, प्रो. नितीश आर्य और प्रो. सौरभ शर्मा, आईआईटी रुड़की के यांत्रिक एवं औद्योगिक इंजीनियरी विभाग में सहायक प्रोफेसर के रूप में शामिल हुए ।

शैक्षणिक गतिविधियाँ

संचालित कार्यक्रम	पंजीगत छात्र	प्रदान की गई उपाधियाँ
बी. टेक.	848	211
एम. टेक.	108	48
पीएच.डी	237	18

अनुसंधान एवं विकास (आर एण्ड डी) गतिविधियां

परियोजना स्थिति	प्रायोजित परियोजनाओं की कुल संख्या	कुल परिव्यय	प्रायोजित परियोजनाओं की कुल संख्या	कुल परिव्यय
नए	24	103,17,49,000/-	25	2,34,07,090/-
जारी	37	55,08,67,200/-	29	2,56,01,299/-
पूर्ण हुए	41	16,63,15,000/-		

प्रमुख सुविधाएँ

160 व्यक्तियों के बैठने की क्षमता वाला प्रदीप कापसे ऑडिटोरियम

निर्बाध प्रयोगशाला बिजली आपूर्ति हेतु केंद्रीकृत स्मार्ट रैक सर्वर कक्ष तथा स्मार्ट कंप्यूटर लैब

ऑनलाइन/ऑफलाइन हेतु नया समिति कक्ष/डिजिटल संलग्नता लाउंज, निर्बाध प्रयोगशाला विद्युत आपूर्ति के लिए केंद्रीकृत स्मार्ट रैक सर्वर कक्ष और स्मार्ट कंप्यूटर लैब।

प्रस्तुतिकरण सुविधा "संगोष्ठी कक्ष" एम आई ई डी, पूर्वी खण्ड

विभागीय स्पेस बुकिंग मोबाइल एप "एम आई ई डी - एम ई ई टी"

छात्र उपलब्धियां

- श्री अतुल कुमार हरमुख को चीन के शीआन में आयोजित ' रक्षा प्रौद्योगिकी पर 2024 अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीडीटी 2024)' में सर्वश्रेष्ठ मौखिक प्रस्तुति पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

संकाय उद्यमिता विवरण:

- प्रो. अक्षय द्विवेदी
- प्रो. शैलेश गणपुले

वेबिनार/परिसंवाद/कार्यशाला/सम्मेलन/संवाद:-

हाइड्रोलिक मशीनरी और सिस्टम पर 32वीं आई ए एच आर सिंपोजियम सहित विभाग ने विभिन्न सम्मेलन/सेमिनार/कार्यशाला/अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किए।

प्रकाशन :—

	प्रकाशित पुस्तकें	पुस्तक अध्याय	सम्मेलनों में शोधपत्र	जर्नल में शोधपत्र	आईपी फाइल किये गये (पेटेंट/कॉपीराइट, डिजाइन /अंतर्राष्ट्रीय पेटेंट/ पीसीटी)	आईपी स्वीकृत/पंजीकृत (पेटेंट/कॉपीराइट, डिजाइन /अंतर्राष्ट्रीय पेटेंट/ पीसीटी)
कुल योग	06	00	26	31	09	02

धातुकर्म एवं पदार्थ अभियांत्रिकी विभाग

आईआईटी रुड़की में धातुकर्म एवं पदार्थ अभियांत्रिकी विभाग ने 60 से अधिक वर्षों की अकादमिक उत्कृष्टता का गौरव प्राप्त किया है, जिसमें छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों का एक गतिशील समुदाय है जो नवाचार को बढ़ावा देते हैं और धातुकर्म एवं पदार्थ अभियांत्रिकी की सीमाओं को आगे बढ़ाते हैं। विभाग धातुकर्म एवं पदार्थ अभियांत्रिकी में बी.टेक कार्यक्रम, तीन विषयों में एम.टेक कार्यक्रम प्रस्तावित करता है: औद्योगिक धातुकर्म, पदार्थ अभियांत्रिकी एवं कम्प्यूटेशनल पदार्थ इंजीनियरिंग। विभाग एक जीवंत अनुसंधान प्रशंसित संकाय धातुकर्म एवं पदार्थ इंजीनियरिंग में अग्रणी अनुसंधान करता है, जिसमें पदार्थ संश्लेषण और प्रसंस्करण, पदार्थ लक्षण वर्णन, व्यापक पदार्थ परीक्षण, पदार्थ पुनर्चक्रण, सिमुलेशन और मॉडलिंग के प्रमुख क्षेत्र शामिल हैं। विभाग स्थितिकी तंत्र का भी पोषण करता है, जो अग्रणी क्षेत्रों में पीएच.डी. करने वाले शोध विद्वानों का समर्थन करता है।

संकाय/सहायक/अतिथि-शिक्षण संकाय की कुल संख्या	28
पोस्ट डॉक्टरेट फेलो की संख्या	01
पोस्ट डॉक्टरेट फेलो की संख्या	02
पीएमआरएफ की संख्या	07

प्रो. पिंकू रॉय आईआईटी रुड़की के धातुकर्म एवं पदार्थ अभियांत्रिकी विभाग में सहायक प्रोफेसर के पद पर नियुक्त हुए।

शैक्षणिक गतिविधियां: -

प्रस्तावित कार्यक्रम	नामांकित छात्र	प्रदान की गई उपाधियाँ
बी. टेक.	314	93
एम. टेक.	29	07
पीएच.डी	94	11

अनुसंधान एवं विकास गतिविधियाँ: -

परियोजना स्थिति	प्रायोजित परियोजनाओं की कुल संख्या	राशि रु. (लाखों में)	प्रायोजित परियोजनाओं की कुल संख्या	राशि रु (लाखों में)
नए	14	900.99	1	16.00
जारी	29	1463.30	1	16.00
पूर्ण हुए	-	16,63,15,000/-	1	17.00

प्रमुख सुविधाएं: -

वर्ष 2024-25 में निम्नलिखित प्रमुख सुविधाएं स्थापित की गई हैं:

- कंप्यूटर नियंत्रण इलेक्ट्रॉनिक यूनिवर्सल टेस्टिंग मशीन
- लैब स्केल जेल/मेल्ट स्पिनिंग यूनिट
- रोलिंग/स्लाइडिंग एवं स्लाइडिंग ट्रिबोमीटर आवश्यक पूर्व-आवश्यकताओं के साथ बैलिस्टिक प्रदर्शन के परीक्षण के लिए सिंगल स्टेज गैस गन

छात्र उपलब्धियां: -

- आईआईएम-एटीएम 2024 सर्वश्रेष्ठ पोस्टर/मौखिक प्रस्तुतियाँ श्री बसिती हितेश, श्री गणेश भंडारी, श्री कपिल देव शर्मा और डॉ. परवेंद्र कुमार को प्रदान की गईं|
- आईआईएम सेल गोल्ड मेडल (प्रशंसा प्रमाण पत्र) श्री जगदीश नादुरी को प्रदान किया गया|
- भारत सरकार के मेटी द्वारा एमटेक छात्र श्री प्रांजल शर्मा को इंडिया एआई फेलोशिप प्रदान की गई|
- ज्योति रंजन साहू को - 30 जून-6 जुलाई को फ्रांस के मेट्ज़ में आयोजित 20वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में पदार्थ की बनावट पर प्रथम पोस्टर पुरस्कार मिला।
- संसाधन, संरक्षण एवं पुनर्चक्रण 2024 सर्वाधिक उद्धृत शोध पत्र पुरस्कार, श्री शैला मीर और प्रोफेसर निखिल धवन को प्रदान किया गया, संसाधन पुनर्प्राप्ति के लिए त्यागे गए मुद्रित सर्किट बोर्डों के पुनर्चक्रण पर एक व्यापक समीक्षा की गयी।

गतिविधियां: -

- उच्च-एन्ट्रापी मिश्र धातुओं के मिश्र धातु डिजाइन पर नीदरलैंड के प्रो. फ्रांसेस्को मारेस्का के साथ सहभागिता।
- मेटास्टेबल टीआई-मिश्र धातुओं पर रूस के प्रो. निकिता स्टेपानोव और प्रो. सर्गेई ज़ेरेबत्सोव के साथ सहभागिता।
- उच्च-एन्ट्रापी मिश्र धातुओं के विरूपण तंत्र पर जापान के प्रो. कात्सुशी तनाका के साथ सहभागिता।
- विद्युत स्लाइडिंग संपर्क अनुप्रयोगों के लिए पदार्थ पर स्लोवेनिया के लजुब्लजाना विश्वविद्यालय के प्रो. मिटजान कलिन के साथ भारत-स्लोवेनिया द्विपक्षीय परियोजना सहभागिता।
- इलेक्ट्रॉनिक कचरे से स्थायी चुम्बकों के पुन: उपयोग, मरम्मत, पुनर्चक्रण के लिए डिजिटल और संधारणीय दृष्टिकोण, औद्योगिक संधारणीयता 2023 के लिए भारत-यूके सहयोगी अनुसंधान एवं विकास।

- बॉक्साइटिक खनिजों से ऊर्जा सामग्री की संसाधन दक्षता बढ़ाने के लिए इंजीनियरिंग अनुसंधान कौशल - एक विकास योजना। ब्रिटिश काउंसिल (वैश्विक साझेदारी की ओर अग्रसर - उद्योग-अकादमिक सहयोगात्मक अनुदान)।

प्रकाशन :—

	पुस्तक प्रकाशन	पुस्तक अध्याय	सम्मेलनों में शोध पत्र	जर्नल में शोध पत्र	आईपी (पेटेंट/कॉपीराइट), डिजाइन/अंतरराष्ट्रीय पेटेंट/पीसीटी) दायर	आईपी (पेटेंट/कॉपीराइट), डिजाइन/अंतरराष्ट्रीय पेटेंट/पीसीटी) स्वीकृत/पंजीकृत
कुल योग	-	02	04	65	02	04

कागज़ प्रौद्योगिकी विभाग

शिवालिक की तलहटी में बसे आईआईटी रुड़की के सहारनपुर परिसर में स्थित, कागज़ प्रौद्योगिकी विभाग की जड़ें 1964 में स्कूल ऑफ पेपर टेक्नोलॉजी के रूप में हैं, जिसे रॉयल स्वीडिश सरकार द्वारा समर्थन दिया जाता है। अब आईआईटी रुड़की का एक विभाग पेपर और पैकेजिंग टेक्नोलॉजी में एक विशेष एम.टेक प्रस्तावित करता है। यह कार्यक्रम उद्योग की जरूरतों के अनुरूप है, जो कागज, पैकेजिंग और संबद्ध रासायनिक/प्रक्रिया उद्योगों पर ध्यान केंद्रित करता है। अनुसंधान पर्यावरण प्रबंधन, ऊर्जा-कुशल उत्पादन, उन्नत पल्पिंग/ब्लीचिंग, सेकेंडरी फाइबर प्रसंस्करण, ब्लैक लिकर उपयोग, जैव प्रौद्योगिकी अनुप्रयोगों और नैनो प्रौद्योगिकी और उन्नत कोटिंग्स के माध्यम से मूल्यवर्धित उत्पादों के विकास पर आधारित है।

संकाय/सहायक/अतिथि-शिक्षण संकाय की कुल संख्या	08
पोस्ट डॉक्टरेट फेलो की संख्या	01
पीएमआरएफ की संख्या	03

डॉ. रामजी सुब्रमण्यन प्रैक्टिस प्रोफेसर के रूप में शामिल हुए| वह यूरोप और एशिया में 20 से अधिक वर्षों के औद्योगिक एवं शैक्षणिक अनुभव के साथ टिकाऊ सामग्री और पैकेजिंग के विशेषज्ञ हैं।

शैक्षणिक गतिविधियाँ:

प्रस्तावित कार्यक्रम	नामांकित छात्र	प्रदान की गई उपाधियाँ
एम. टेक.	23	24
पीएच.डी	32	09

अनुसंधान एवं विकास गतिविधियाँ: -

परियोजना स्थिति	प्रायोजित परियोजनाएँ	राशि लाख रुपये में	परामर्श परियोजना	राशि लाख रुपये में
नए	02	8.37 करोड़		
जारी	02	8.37 करोड़	01	5469015.00
पूर्ण हुए	02	4400000.00	46	21787085.00

प्रमुख सुविधाएं:

डीपीटी माइक्रोप्रोसेसर वैक्यूम लीक टेस्टर, एलमेंडॉर्फ टियरिंग टेस्टर मेक-आईडीएम, फ्यूम हुड, पील स्ट्रेंथ टेस्टर, ऑल क्लियर डेसिकेटर वैक्यूम 300 एमएम, हॉट एयर ओवन, पीएच मीटर (3 पॉइंट कैलिब्रेशन के साथ), वॉटर बाथ शेकर, ऑयल फ्री वैक्यूम पंप, डिजिटल मैग्नेटिक स्टिरर, डिजिटल पीएच मीटर, सीओडी पाचन उपकरण, रेडवाग एनालिटिकल बैलेंस, डिजिटल पिपेट सिंगल चैनल (2-20ul), डिजिटल पिपेट सिंगल चैनल (20-200ul), डिजिटल पिपेट सिंगल चैनल (10-1000ul), घुलित ऑक्सीजन मीटर, वॉटर बाथ शेकर, प्रेशर गेज के साथ ऑयल फ्री वैक्यूम पंप, डबल बीम यूवी-स्पेक्ट्रोफोटोमीटर

छात्र उपलब्धियां: -

आईआईटी गुवाहाटी (दिसंबर 2024) में डी. सिंह, वी. रस्तोगी को अनानास के पत्तों से पीएचबी बायोप्लास्टिक पर कार्य के लिए सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र (द्वितीय पुरस्कार) प्राप्त हुआ।

आईआरडीसी-2024, रुड़की में आहूजा एट अल. को एसडीजी के साथ संरेखित टिकाऊ पैकेजिंग के लिए सर्वश्रेष्ठ पोस्टर प्रेजेंटेशन (द्वितीय पुरस्कार) प्राप्त हुआ।

आईएसपीआई-2025 (मार्च 2025) में समीक्षा बिष्ट, प्रो. कीर्तिराज के. गायकवाड़ को सर्वश्रेष्ठ मौखिक प्रस्तुति पुरस्कार प्राप्त हुआ।

आईआईटी गुवाहाटी (दिसंबर 2024) में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में डिंपल सिंह को सर्वश्रेष्ठ छात्र शोध पत्र प्राप्त हुआ।

आईआईपी-आईएसपीआई 2025, नई दिल्ली में अन्नू कुमारी को सर्वश्रेष्ठ पोस्टर (यूरो 200 वाउचर) मिला।

आईआईटी रुड़की के कॉमेट 2025 में प्राची जैन को तीसरा पुरस्कार (पोस्टर) प्राप्त हुआ।

प्राची जैन को चौथे अंतर्राष्ट्रीय माइक्रोबियल खाद्य एवं फ़ीड सम्मेलन, 2025 में भाग लेने के लिए एमआईएफएफआई ट्रैवल अवार्ड मिला।

नवाचार एवं उद्योग जुड़ाव:

सिलिमेनाइट का उपयोग करके एथिलीन स्कैवेंजर तकनीक के लिए प्रदीप कुमार को एसआईईएस एसओपी स्टार अवार्ड 2025, बाजरे से खाद्य स्ट्रॉ के लिए पाटिल तेजस्विनी धनजी को एसआईईएस एसओपी स्टार अवार्ड 2025, मिशन लाइफ चयन: टिकाऊ पैकेजिंग नवाचार के लिए कोडोफी एलएलपी (भूषण पी. मेश्राम), विकिपीडिया मान्यता: "खाद्य पैकेजिंग" अनुभाग में कोडो बाजरा-आधारित खाद्य कप दिखाए गए, बीआईएस कार्निवल 2025 में शोकेस: उत्तराखंड के माननीय मुख्यमंत्री के समक्ष कोडोफी एलएलपी प्रस्तुत, अंतर्राष्ट्रीय उद्योग एक्सपोजर: शेफाली त्रिपाठी को आईजीएसटीसी पीएचडी फेलोशिप से सम्मानित किया गया; डॉ. ओटकर, जर्मनी में टिकाऊ पिज्जा पैकेजिंग पर काम किया।

अन्य गतिविधियां: -

1. **आईआईटी रुड़की, सहारनपुर परिसर में सीआरएम केंद्र:** कागज़ प्रौद्योगिकी विभाग सहारनपुर परिसर में कागज़ परीक्षण के लिए भारत का पहला प्रमाणित संदर्भ सामग्री (सीआरएम) केंद्र स्थापित कर रहा है। एसटीआईपीएल के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।
2. **उन्नत प्रयोगशालाओं का उद्घाटन:-** डीपीटी, सहारनपुर परिसर में चार उन्नत प्रयोगशालाओं- ऊर्जा एवं पर्यावरण लेखा परीक्षा, पैकेजिंग सामग्री परीक्षण, खाद्य और दवा, व वितरण गतिशीलता- का उद्घाटन किया गया। आईआईटी रुड़की में डीपीटी एसआरई कैंपस में भारत का पहला सीआरएम स्थापित कर रहा है, जिसके लिए एसटीआईपीएल के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं डीपीटी और बीआईएस ने संयुक्त रूप से एक कार्यशाला और बीआईएस रासायनिक प्रभाग की बैठक आयोजित की डीपीटी में चार प्रयोगशालाओं का उद्घाटन प्रोफेसर के.के. गायकवाड़, युवा वैज्ञानिक पुरस्कार 2025
3. **टीवी साक्षात्कार -** डीडी उर्दू:- रोजगार से कामयाबी तक - पेपर टेक्नोलॉजी में करियर शीर्षक से एक साक्षात्कार डीडी उर्दू पर प्रसारित किया गया, जिसमें इस क्षेत्र में करियर के अवसरों पर प्रकाश डाला गया।

आईआईटी रुड़की में डीपीटी एसआरई कैंपस में भारत का पहला सीआरएम स्थापित कर रहा है, जिसके लिए एसटीआईपीएल के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं

डीपीटी और बीआईएस ने संयुक्त रूप से एक कार्यशाला और बीआईएस रासायनिक प्रभाग की बैठक आयोजित की

डीपीटी में चार प्रयोगशालाओं का उद्घाटन

प्रोफेसर के.के. गायकवाड़, युवा वैज्ञानिक पुरस्कार 2025

प्रकाशन :—

	पुस्तक प्रकाशन	पुस्तक अध्याय	सम्मेलनों में शोध पत्र	जर्नल में शोध पत्र	आईपी (पेटेंट/कॉपीराइट), डिजाइन/अंतरराष्ट्रीय पेटेंट/पीसीटी) दायर	आईपी (पेटेंट/कॉपीराइट), डिजाइन/अंतरराष्ट्रीय पेटेंट/पीसीटी) स्वीकृत/पंजीकृत
कुल योग	01	05	01	58	08	01

पॉलिमर एवं प्रोसैस अभियांत्रिकी (बहुलक एवं प्रक्रिया अभियांत्रिकी)

आईआईटी रुड़की के पॉलिमर एवं प्रोसेस अभियांत्रिकी विभाग ने शिक्षा, शोध एवं उद्योग सहयोग में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ प्राप्त की हैं। विभाग ने शीर्ष स्तरीय शैक्षणिक कार्यक्रम प्रदान करना जारी रखा, जिसमें संकाय ने शिक्षण, मार्गदर्शन और पाठ्यक्रम विकास में उत्कृष्टता हासिल की। स्नातक और स्नातकोत्तर दोनों पाठ्यक्रमों को उन्नत किया गया, जिसमें नवीनतम उद्योग रुझानों और शोध अंतर्दृष्टि को शामिल किया गया।

संकाय/सहायक/अतिथि-शिक्षण संकाय की कुल संख्या	16
पोस्ट डॉक्टरेट फेलो की संख्या	03
पीएमआरएफ की संख्या	08

डॉ. कुलजीत कौर सहायक प्रोफेसर के रूप में शामिल हुईं, जबकि डॉ. अमेय रेगे एवं डॉ. मोहन गुप्ता सहायक संकाय के रूप में शामिल हुए। प्रो. संकेत देशमुख एवं डॉ. विनोद कुमार शाही भी अतिथि संकाय के रूप में विभाग में शामिल हुए।

शैक्षणिक गतिविधियां -

नए एम.एस.सी. (पॉलिमर साइंस) पाठ्यक्रम को विभाग द्वारा मंजूरी दे दी गई है, तथा सीनेट द्वारा मंजूरी मिलने के बाद इसे शुरू किया जाएगा।

प्रस्तावित कार्यक्रम	नामांकित छात्र	प्रदान की गई उपाधियाँ
एम. टेक.	33	21
पीएच.डी	60	06

अनुसंधान एवं विकास गतिविधियाँ: -

परियोजना स्थिति	प्रायोजित परियोजनाओं की कुल संख्या	राशि रु. (लाखों में)	प्रायोजित परियोजनाओं की कुल संख्या	राशि रु (लाखों में)
नए	05	282.736	-	0
जारी	18	886.22	02	24.3
पूर्ण हुए	06	211.408	-	0

प्रमुख सुविधाएं: -

प्रयोगशाला उन्नत उपकरणों से सुसज्जित है, जिसमें उच्च दबाव झिल्ली सेल, क्रॉसफ्लो झिल्ली सेटअप के लिए उच्च दबाव पंप, डेंसिटोमीटर, घर्षण परीक्षक, प्रयोगशाला बॉल मिल, जल स्नान, 3-चरण प्रेरण मोटर के साथ पंप, जार परीक्षण उपकरण (6 जार), टीजीए और डीएससी शामिल हैं।

कमप्रेशन मोल्डिंग मशीन

3डी प्रिंटर

वैक्युम ओवन

छात्र उपलब्धियां:

श्री हरिओम शरण गुप्ता, श्री नितेश चौधरी, श्री अभिषेक वर्मा, श्री आदित्य पांडे, श्री सलामन अहमद, श्री तुषार कांति मैती, सुश्री छवि वर्मा, सुश्री साक्षी भारद्वाज, श्री अभिनव कुमार सिंह, सुश्री कुमारी प्रिया, श्री नासिर अली, श्री शिवा सिंह, श्री विकास, श्री सुभदीप साहा और सुश्री प्रज्ञा तिवारी को विभिन्न प्रतिष्ठित पुरस्कारों से सम्मानित किया गया, जिनमें सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र/पोस्टर/मौखिक प्रस्तुति पुरस्कार, अंतर्राष्ट्रीय यात्रा अनुदान (एएनआरएफ, एसईआरबी, सीएसआईआर), डीएएडी-केओएसपीआईई फेलोशिप और श्याम एस. बियानी नकद पुरस्कार और विभागीय स्वर्ण पदक जैसे शैक्षणिक सम्मान शामिल हैं।

गतिविधियां: -

विभाग ने फोटोलिथोग्राफी पर एक डीएसटी-एफआईएसटी परियोजना हासिल की और ₹2.07 करोड़ के एक प्रमुख एफआईएसटी अनुदान के लिए स्वीकृति प्राप्त की। प्रो. एन.सी. मिश्रा ने खलीफा विश्वविद्यालय (यूएई), एकेडेमिया सिनिका (ताइवान) और क्यूंग ही विश्वविद्यालय (दक्षिण कोरिया) के विद्वानों के साथ महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय शोध सहभागिता स्थापित की; प्रो. गौरव माणिक ने किंग मोंगकुट यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी नॉर्थ बैंकॉक और खलीफा विश्वविद्यालय के साथ; और आगे प्रो. अमित भटनागर (एलयूटी विश्वविद्यालय, फिनलैंड) और प्रो. राजेश महादेवा (खलीफा विश्वविद्यालय, यूएई) के साथ सहभागिता स्थापित किया गया। इसके अतिरिक्त, 5 नवंबर, 2024 को आईआईटीआर (प्रो. शाम एस.आर.) एवं जलनिधि बिटुमेन स्पेशलिटीज प्राइवेट लिमिटेड, कोलकाता के बीच ₹4 लाख का समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

संकाय उद्यमिता विवरण:

दो पीएचडी छात्रों ने एक संकाय सदस्य के मार्गदर्शन में एक स्टार्ट-अप के लिए पंजीकरण कराया और उद्योग हेतु प्रौद्योगिकी हस्तांतरण पूरा हुआ।

प्रकाशन :—

	पुस्तक प्रकाशन	पुस्तक अध्याय	सम्मेलनों में शोध पत्र	जर्नल में शोध पत्र	आईपी (पेटेंट/कॉपीराइट), डिजाइन/अंतरराष्ट्रीय पेटेंट/पीसीटी) दायर	आईपी (पेटेंट/कॉपीराइट), डिजाइन/अंतरराष्ट्रीय पेटेंट/पीसीटी) स्वीकृत/पंजीकृत
कुल योग	01	03	37	62	14	02

भौतिकी

आईआईटी-रुड़की में भौतिकी विभाग की स्थापना 1960 में हुई । अपनी स्थापना के बाद से ही यह विभाग अभिस्नातक और स्नातकोत्तर दोनों स्तरों पर उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा दिये जाने तथा मौलिक व प्रौद्योगिकीय रुप से निर्णायक क्षेत्रों में अत्याधुनिक शोध कार्य में रत है। इस विभाग में अत्याधुनिक (स्टेट ऑफ द आर्ट) प्रयोगात्मक सुविधाएं व आध्यापन प्रयोगशालाएं हैं।

संकाय/अनुबद्ध/ आगंतुक- अध्यापन संकाय सदस्यों की कुल संख्या	40/01/01
पोस्ट डॉक्टरेट फेलो की संख्या	01
पीएमआरएफ की संख्या	08

प्रो. अभिषेक नाग व प्रो. मंजरी गर्ग आईआईटी रुड़की के भौतिकी विभाग में सहायक प्रोफेसर के रुप में शामिल हुए थे।

शैक्षणिक गतिविधियाँ

भौतिकी विभाग इंजीनियरिंग भौतिकी में बी.टेक., बीएस-एमएस (भौतिकी), एकीकृत एम.एससी. (भौतिकी), एम.एससी. (भौतिकी), फोटोनिक्स में एम.टेक. तथा सॉलिड स्टेट इलेक्ट्रॉनिक मटीरियल्स में एम.टेक. प्रदान करता है। आगे, यह विभाग भारत में भविष्य के सेमीकंडक्टर उद्योगों के लिए कुशल मानव-बल तैयार किये जाने हेतु इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग विभाग, आईआईटी रुड़की और तीन ताइवानी विश्वविद्यालयों के साथ मिलकर सेमीकंडक्टर टेक्नोलॉजीज में एम.टेक. प्रदान करता है। और भी यह कि, विभाग एक सुप्रतिष्ठित पीएचडी कार्यक्रम चलाता है।

प्रस्तावित कार्यक्रम	नामांकित छात्र	प्रदान की गई उपाधियाँ
बी. टेक	205	40
एम. टेक	18	12
पीएच. डी	207	37
एम. एस सी	56	24
इंटीग्रेटेड एम. एस सी	19	16
बीएस- एमएस	84	-

अनुसंधान एवं विकास (आर एण्ड डी) गतिविधियाँ

भौतिकी विभाग विशेषज्ञता के अधिकांश समकालीन क्षेत्रों जैसे कि वायुमंडलीय भौतिकी, परमाणु और आणविक भौतिकी, संघनित पदार्थ भौतिकी, उच्च ऊर्जा भौतिकी, नाभिकीय भौतिकी और प्रकाशिकी व फोटोनिक्स में अत्याधुनिक (स्टेट ऑफ द आर्ट) अनुसंधान में रत है।

परियोजना स्थिति	प्रायोजित परियोजनाओं की कुल संख्या
नई	07
जारी	24
पूरी की जा चुकीं	40

प्रमुख सुविधाएँ

- हाई रेजोल्यूशन डिजिटल माइक्रोस्कोप, आईसीपी-रिएक्टिव-आयन एचिंग (आईसीपी-आरआईई), इलेक्ट्रॉन-बीम लिथोग्राफी (ईबीएल), क्लीन रूम (क्लास 100 और क्लास 1000) सहित नैनोफैब्रिकेशन सुविधा|
- अगली पीढ़ी की स्पिनट्रॉनिक प्रौद्योगिकियों में प्रगति लाये जाने हेतु डेल्टा मोड सिस्टम (मॉडल 6221/2182ए)
- रुड़की में विकसित टेबलटॉप आयन एक्सीलरेटर। यह एक कम ऊर्जा वाली मशीन है और 10 किलोइलेक्ट्रानवोल्ट से 50 किलोइलेक्ट्रानवोल्ट तक हाइड्रोजन, हीलियम, नाइट्रोजन, ऑक्सीज़न तथा आर्गन की ऊर्जावान आयन बीम की आपूर्ति कर सकती है।
- इनवरटेड माइक्रोस्कोप।
- एचपीसी क्लस्टर।

छात्र उपलब्धियाँ

- सुश्री शिखा राठी, फ्रांस के सोरबोन विश्वविद्यालय में पोस्टडॉक्टरल पद पर शामिल हुईं। (गाइड प्रो. ललिता शर्मा)
- श्री आलोक कुमार साहू, हेल्महोल्ट्ज़ इंस्टीट्यूट, जेना, जर्मनी में पोस्टडॉक्टरल पद पर शामिल हुए। (गाइड प्रो. ललिता शर्मा)
- श्री हिमांशु शर्मा को पोलैंड के जकोपेन में "न्यूक्लियर फिजिक्स पर 57वें जकोपेन सम्मेलन" " एक्सट्रीम्स ऑफ द न्यूक्लियर लैंडस्केप " में एसईआरबी अंतर्राष्ट्रीय यात्रा पुरस्कार मिला।
- सुश्री झूमा पान को भारत के आईआईटी खड़गपुर में आयोजित फोटोनिक्स-2024 सम्मेलन में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार मिला। (गाइड प्रो. सचिन कुमार श्रीवास्तव)
- श्री सचिन को यूरोप के चेक गणराज्य में ज़ोंडा समूह में पोस्टडॉक्टरल फ़ेलोशिप से सम्मानित किया गया तथा बाद में वे एनआईटी भोपाल में भौतिकी के सहायक प्रोफेसर के रुप में नियुक्त हुये। (गाइड प्रो. अजय)
- श्री रनोजीत बर्मन को दो साल के लिए आर आई के ई एन, जापान में कार्य किए जाने हेतु "इंटरनेशनल प्रोग्राम एसोसिएट (आईपीए)" फ़ेलोशिप से सम्मानित किया गया। (गाइड प्रो. राजदीप चटर्जी) |

वेबिनार/परिसंवाद /कार्यशाला/सम्मेलन/संवाद: -

विभाग ने 65वें आईईईई मैग्नेटिक्स विशिष्ट व्याख्यान, अंतरिक्ष मौसम विज्ञान व अवसरों पर द्वितीय कार्यशाला तथा तृतीय भारतीय अंतरिक्ष मौसम सम्मेलन सहित विभिन्न सम्मेलन /संगोष्ठियाँ /कार्यशालाएँ /अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किए।

प्रकाशन :—

	प्रकाशित पुस्तकें	पुस्तक अध्याय	सम्मेलनों में शोधपत्र	जर्नल में शोधपत्र	आईपी फाइल किये गये (पेटेंट/कॉपीराइट, डिजाइन /अंतर्राष्ट्रीय पेटेंट/ पीसीटी)	आईपी स्वीकृत/पंजीकृत (पेटेंट/कॉपीराइट, डिजाइन /अंतर्राष्ट्रीय पेटेंट/ पीसीटी)
कुल योग		01	26	119	05	5/1

जल संसाधन विकास एवं प्रबंधन

जल संसाधन विकास एवं प्रबंधन विभाग शिक्षाविदों और क्षेत्र इंजीनियरों का एक संतुलित मिश्रण है। संकाय जल संसाधन विकास परियोजनाओं (जैसे, जल विद्युत, सिंचाई प्रबंधन और बाढ़ नियंत्रण प्रबंधन) की योजना, डिजाइन, निर्माण, संचालन और रखरखाव में अनुभवी है। यह अनुप्रयोग-उन्मुख शैक्षणिक कार्यक्रमों के कार्यान्वयन में मदद करता है। 1955 में अपने सृजन के बाद से, इस विभाग ने 57 देशों के 3108 से अधिक सेवारत इंजीनियरों को प्रशिक्षित किया है। विभाग जल संसाधन विकास और सिंचाई जल प्रबंधन में स्नातकोत्तर प्रशिक्षण (पी.जी. डिप्लोमा/एम.टेक.) प्रदान करता है।

संकाय/अनुबद्ध/ आगंतुक- अध्यापन संकाय सदस्यों की कुल संख्या	18
पोस्ट डॉक्टरल फैलोज की संख्या	शून्य
पीएमआरएफ की संख्या	05

प्रो. एलोरा पाधी और प्रो. अंशुल यादव ने आईआईटी रुड़की के जल संसाधन विकास एवं प्रबंधन विभाग में सहायक प्रोफेसर के पद पर कार्यभार ग्रहण किया।

शैक्षणिक गतिविधियाँ

नया पाठ्यक्रम विकसित: वाटर एण्ड सोसाइटी (डबल्यूआरएस -501)

प्रस्तावित कार्यक्रम	नामांकित छात्र	प्रदान की गई उपाधियाँ
बी. टेक.	-	-
एम. टेक.	128	62
पीएच.डी	77	13

अनुसंधान एवं विकास (आर एण्ड डी) गतिविधियाँ

भूजल और प्रदूषक जल विज्ञान, जल गुणवत्ता, इष्टतम उपचार प्रणाली डिजाइन, कृत्रिम पुनर्भरण, वर्षा जल संचयन, संयुज्य (कनजंक्टिव) जल उपयोग योजना, प्रबंधित जलभृत (एक्यूफर) पुनर्भरण तथा भूजल मात्रा और गुणवत्ता पर इसके प्रभाव, भूजल प्रबंधन अध्ययन में प्रयोगात्मक, संख्यात्मक, डेटा-आधारित मॉडलिंग का एकीकरण व जल पदचिह्न (वाटर फुटप्रिंट) लेखांकन।

परियोजना स्थिति	प्रायोजित परियोजनाओं की कुल संख्या	परामर्श परियोजनाओं की कुल संख्या
नई	11	1
चालू	17	3
पूरी की जा चुकी	9	14

प्रमुख सुविधाएँ

- टोटल ओर्गनिक कार्बन (टीओसी) एनेलाइजर, माइक्रोवेव डाइजेस्टर, लेमिनर फ्लो, BOD इनक्यूबेटर, ऑटो क्लेव, डिजिटल टाईट्रेटर, डिजिटल हॉट प्लेट, रिवर इंजीनियरिंग लैब का विकास, दो एक्सपेरिमेंटल फ़्लूम वांछित हैं और

उन्हें पूरी तरह कार्यात्मक बनाया गया, तीन फ्लो मीटर स्थापित किये गए, दो अल्ट्रासोनिक वेलोसिटी सेंसर स्थापित किये गए, दो अल्ट्रासोनिक जल स्तर सेंसर स्थापित किये गए, एक पिटोट ट्यूब और यू-ट्यूब मैनोमीटर स्थापित किये गए, यूएवी (आइडिया फोर्ज) हेतु आरजीबी कैमरा, एसपीएडी मीटर एसपीएडी502 (कोनिका मिओल्टा), कैनोपी तापमान इन्फ्रारेड रेडियोमीटर (एपोगी), पॉलीटेक्टर III एस तथा मल्टी-स्पेक्ट्रल ड्रोन|

- उन्नत प्रायोगिक अध्ययनों को सुकर बनाये जाने के लिए प्रयोगशाला में 15किलोवाट (एसएम15के सिरीज) पर रेटेड एक बाईडायरेक्शनल पावर सप्लाई यूनिट स्थापित की गई है।
- एक नई ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन एवं पोषक तत्व (जीईएन) प्रोगशाला प्रस्तावित की गई है। यह प्रयोगशाला छात्रों के कृषिय मृदा (एग्रीकल्चरल सॉइल), जल निकायों व औद्योगिक ढेरों से ग्रीनहाउस गैस के उत्सर्जन का परीक्षण किये जाने में सहायक होगी।
- गैस क्रोमैटोग्राफ|

छात्र उपलब्धियाँ

- श्री कार्तिककुमार डी जादव को ईजीयू2025 सम्मेलन में भाग लिये जाने हेतू एएनआरएफ़ अंतर्राष्ट्रीय यात्रा सहायता (आईटीएस) प्राप्त हुई। साथ ही उन्हें ईजीयू 2025 सम्मेलन, वियना, ऑस्ट्रिया में भाग लिये जाने के लिए प्रारंभिक कैरियर वैज्ञानिक यात्रा सहायता (अर्ली कैरियर साइंटिस्ट्स ट्रेवल सपोर्ट) (ईसीएसटीएस) भी मिली
- श्री अजीत कुमार को आईजीडबल्यूसी 2025, रुड़की में "उपचारित अपशिष्ट जल सिंचाई के अंतर्गत कृषिय मृदा में पोटेशियम प्रतिधारण और परिवहन" पर सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र पुरस्कार मिला, साथ ही उन्हें ईजीयू 2025 सम्मेलन, वियना, ऑस्ट्रिया में भाग लिये जाने हेतु प्रारंभिक कैरियर वैज्ञानिक यात्रा सहायता (अर्ली कैरियर साइंटिस्ट्स ट्रेवल सपोर्ट) (ईसीएसटीएस)भी मिली
- श्री देव आनंद ठाकुर को जीएफ़ज़ेड जर्मनी तथा यूनिवर्सिटी ऑफ बिर्मिंघम यूके में अपने पीएच.डी का कुछ भाग पूरा किये जाने के लिए क्रमश: डीएएडी फेलोशिप (जर्मनी) तथा कॉमनवेल्थ स्प्लिटवाइज फेलोशिप (यूनाइटेड किंगडम) प्राप्त हुई।
- श्री वैभव त्रिपाठी को म्यूनिख, जर्मनी में आयोजित हाई(एचआई)वेदर फाइनल कॉन्फ्रेंस 2024 में भाग लिये जाने हेतु विश्व मौसम विज्ञान संगठन से यात्रा अनुदान मिला।
- श्री राहुल देवपा को यंग लीडर्स कॉन्क्लेव में गृह मंत्रालय के राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान से सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र पुरस्कार प्राप्त हुआ।
- श्री योगेश कुमार कुशवाह को कृषि श्रेणी में अग्रणी उत्पाद के अंतर्गत, इंडिया वाटर फाउंडेशन के वाटर ट्रांसवर्सलिटी ग्लोबल अवाड्र्स 2024 से सम्मानित किया गया।
- श्री बरदा प्रसन्न नायक ने ऑस्ट्रिया के वियना में हाइड्रोपावर प्लांट्स 2024 पर 22वीं अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिए जाने हेतु, एसईआरबी अंतर्राष्ट्रीय यात्रा योजना के अंतर्गत, यात्रा अनुदान प्राप्त किया।
- श्री सनी सरदार सोनंदकर को लॉफबोरो यूनिवर्सिटी, यूके में समृद्ध शैक्षणिक यात्रा प्रारम्भ किये जाने हेतु कॉमनवेल्थ स्प्लिट-साइट (पीएचडी) छात्रवृत्ति 2024-25 से सम्मानित किया गया।
- श्री सनी सरदार सोनंदकर को संस्थान अनुसंधान दिवस 2024 में उत्कृष्ट पोस्टर पुरस्कार मिला।
- श्री मुकुंद नारायणन को 14,000 अमेरिकी डॉलर की प्रतिष्ठित क्लिफ-ग्रैड्स (जलवायु, खाद्य व खेती, वैश्विक अनुसंधान गठबंधन विकास छात्रवृत्ति कार्यक्रम) अनुसंधान छात्रवृत्ति मिली।
- सुश्री जयंतीफुल हूजोन को सर्बिया के नोवी सैड विश्वविद्यालय में आयोजित होने वाले समर स्कूल के लिए चुना गया है।

मुख्य बातें

- नवीनीकृत एवं आधुनिकीकृत पीईएचईएम प्रयोगशाला का उद्घाटन

पीईएचईएम प्रयोगशाला का उद्घाटन समारोह

ग्रुप फोटो (निदेशक, संकाय – जल संसाधन विकास एवं प्रबंधन विभाग तथा स्कालर्स - पीईएचईएम)

वेबिनार/परिसंवाद/कार्यशालाएं/सम्मेलन/संवाद:-

विभाग ने, इसरो के सैटेलाइट डेटा हब "भूमिनिधि पोर्टल" पर कार्यशाला, "सतत विकास के लिए जल विद्युत संयत्रों तथा बांध परियोजनाओं में जोखिमों का प्रबंधन और न्यूनीकरण", सिविल इंजीनियरिंग पेशेवरों के कार्य किये जाने हेतु चार अलग-अलग बैचों में "जल निर्मित पर्यावरण तथा आपातकालीन तैयारी", "सतत कृषि के लिए मौसम पूर्वानुमान की भूमिका" पर क्षेत्रीय कार्यशाला, "सतत कृषि के लिए मौसम पूर्वानुमान का महत्व" पर एक दिवसीय कार्यशाला तथा जल संसाधन हेतु भरत सिंह चेयर के तत्वावधान में "हिमनद झील आवेग बाढों (जीएलओएफ) पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव" सहित विभिन्न सम्मेलन/संगोष्ठियाँ/कार्यशालाएँ/ अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किये।

प्रकाशन :—

	प्रकाशित पुस्तकें	पुस्तक अध्याय	सम्मेलनों में शोधपत्र	पत्रिकाओं में शोधपत्र	आईपी फाइल किये गये (पेटेंट/कॉपीराइट, डिजाइन /अंतर्राष्ट्रीय पेटेंट/ पीसीटी)	आईपी स्वीकृत/पंजीकृत (पेटेंट/कॉपीराइट, डिजाइन /अंतर्राष्ट्रीय पेटेंट/ पीसीटी)
कुल योग	00	04	28	50	03	02

नैनोप्रौद्योगिकी केंद्र

नैनो प्रौद्योगिकी केंद्र की स्थापना दिसंबर 2005 में उत्कृष्टता केंद्रों में से एक के रूप में की गई थी। केंद्र से जुड़े संकाय सदस्य संस्थान में अत्याधुनिक सुविधाओं के विकास में शामिल हैं और नैनो विज्ञान एवं नैनो प्रौद्योगिकी के विभिन्न वर्तमान पहलुओं पर अंतःविषय अनुसंधान को जोरदार तरीके से आगे बढ़ा रहे हैं। केंद्र और आईआईसी में नैनो प्रौद्योगिकी से संबंधित कई तरह के अत्याधुनिक उपकरण चालू किए गए हैं, जिसमें बहु-विषयक संकाय सदस्य शामिल हैं। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के विशाल विषयों पर 'नैनो विज्ञान' के बड़े प्रभाव को देखते हुए, 'नैनो प्रौद्योगिकी' में एम.टेक कार्यक्रम 2008 में शुरू किया गया था। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य बी.टेक/एम.एससी छात्रों को नैनोस्केल सामग्रियों की विभिन्न अवधारणाओं, उनके संश्लेषण, लक्षण वर्णन, नए गुणों, अनुप्रयोगों और भविष्य के दृष्टिकोणों के बारे में बुनियादी ज्ञान प्रदान करना है। ये एक बहु-विषयक क्षेत्र हैं, इसलिए मॉडलिंग और सिमुलेशन, भौतिकी, रसायन विज्ञान, नैनो सामग्री के जैविक और तकनीकी पहलुओं पर ज्ञान प्रदान करने के लिए कई ऐच्छिक पाठ्यक्रम तैयार किए गए हैं। इसके अलावा, यह छात्रों को विभिन्न नैनो संरचनाओं के संश्लेषण, लक्षण वर्णन और स्पष्टीकरण के लिए उन्नत तरीकों पर व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है। इस विशेषज्ञता का उपयोग नवीन सामग्रियों और नैनो उपकरणों के निर्माण के लिए किया जा सकता है।

संकाय संख्या सहायक/ विजिटिंग-शिक्षण संकाय	संकाय : 03; संयुक्त संकाय : 20
पोस्ट डॉक्टरेट फेलो की संख्या	03
पीएमआरएफ की संख्या	04

डॉ. अंकुश कुमार एवं डॉ. राजेश कुमार उलगानाथन नए कोर संकाय के रूप में केंद्र में शामिल हुए।

शैक्षणिक गतिविधियां:-

प्रस्तावित कार्यक्रम	नामांकित छात्र	प्रदान की गई उपाधियाँ
एम. टेक.	29	07
पीएच.डी	94	11

अनुसंधान एवं विकास गतिविधियाँ: -

परियोजना स्थिति	प्रायोजित	राशि लाख रुपये में	कंसल्टेंसी	राशि लाख रुपये में
नए	5	197.95	-	-
जारी	6	304.18	1	5.9
पूर्ण हुए	2	82.2	-	-

प्रमुख सुविधाएं:

- पतली फिल्म और नैनोस्ट्रक्चर विकास के लिए सीवीडी
- नैनोफाइबर निर्माण के लिए इलेक्ट्रोस्पिनिंग
- नैनोमटेरियल का इलेक्ट्रिकल, ऑप्टिकल और संरचनात्मक लक्षण वर्णन

छात्र उपलब्धियां:

- श्री आई. अहमद एवं श्री एम. तस्लीम को ग्रीन सस्टेनेबल सॉल्यूशंस (आईसीजीएसएस) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार प्राप्त हुआ।
- सुश्री आकांक्षा पाठक को "फार्मास्युटिकल इनोवेशन को वास्तविकता में बदलने पर सम्मेलन 2025" में सर्वश्रेष्ठ मौखिक प्रस्तुति पुरस्कार प्राप्त हुआ।
- सुश्री किरण सेबेस्टियन को आईआईटी रुड़की में नैनोटेक्नोलॉजी दिवस 2025 के दौरान आरएससी नैनोस्केल द्वारा सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार से सम्मानित किया गया। साथ ही, प्रतिष्ठित जापान विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी (जेएसटी) युवा भारतीय शोधकर्ता कार्यक्रम (YIRP) 2024 से सम्मानित किया गया, जो एक वर्ष तक के लिए एक संकाय सदस्य के साथ एक जापानी विश्वविद्यालय में काम करने का एक अनूठा अवसर है। पुरस्कार विजेता वर्तमान में प्रोफेसर गणेश पांडियन के मार्गदर्शन में क्योटो विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट फॉर इंटीग्रेटेड सेल-मटेरियल साइंसेज (डब्लूपीआई- आईसेम्स) में वर्ल्ड प्रीमियर इंटरनेशनल रिसर्च सेंटर इनिशिएटिव में अतिथि अनुसंधान सहयोगी के रूप में नामांकित हैं।
- श्री ओमल सूर्या एस को आईआईटी रुड़की में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
- हरीश गणेशन को "इंडो-जापान सिम्पोजियम ऑन नैनोथेरानोस्टिक्स (2024) इनजाना" में मौखिक प्रस्तुति के लिए प्रशंसा पुरस्कार मिला।
- डॉ. दामिनी वर्मा को ब्रिटिश काउंसिल के सहयोग से डीएसटी द्वारा शुरू किए गए अंतरिक्ष में महिला एवं संबद्ध विज्ञान नेतृत्व

कार्यक्रम (डब्लूआईएसएलपी) के लिए चुना गया। साथ ही, सिंगापुर के नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ सिंगापुर में आयोजित 18वें इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन बायोमेडिकल इंजीनियरिंग (आईसीबीएमई 2024) में मौखिक भाषण प्रस्तुति के लिए डीबीटी सीटीईपी अंतर्राष्ट्रीय यात्रा अनुदान से सम्मानित किया गया। उन्हें स्प्रिंगर नेचर के डिस्कवर इलेक्ट्रोकेमिस्ट्री जर्नल में अतिथि संपादक के रूप में भी चुना गया।

- श्री अक्षय कुमार सालुंके को नैनोटेक्नोलॉजी दिवस पर 'रॉयल सोसाइटी ऑफ केमिस्ट्री-नैनोस्केल' मौखिक प्रस्तुति पुरस्कार प्राप्त हुआ।
- श्री परमोद कुमार को नैनोटेक्नोलॉजी दिवस पर 'एसीएस-एप्लाइड नैनोमटेरियल्स' पोस्टर प्रस्तुति पुरस्कार प्राप्त हुआ।

अन्य मुख्य बातें:

- आईआईटी रुड़की एवं क्योटो विश्वविद्यालय ने स्वस्थ उम्र बढ़ने पर ध्यान केंद्रित करते हुए क्योटो, जापान में संयुक्त अनुसंधान प्रयोगशाला का उद्घाटन किया

संकाय उद्यमिता विवरण: -

- आईआईटी रुड़की में इनक्यूबेट किया गया एक स्टार्टअप एडवांस्ड मेम्ब्रेन होराइजन (मेमएच) प्राइवेट लिमिटेड, प्रोफेसर भास्कर ज्योति डेका द्वारा स्थापित किया गया था, जो हाइड्रोलॉजी विभाग में सहायक प्रोफेसर और सेंटर फॉर नैनोटेक्नोलॉजी में संयुक्त संकाय हैं। कंपनी जल उपचार, अपशिष्ट जल प्रबंधन एवं औद्योगिक अनुप्रयोगों के लिए उन्नत झिल्ली प्रौद्योगिकियों को विकसित करने में माहिर है, जो अनुसंधान-संचालित उद्यमिता के लिए संस्थान की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

वेबिनार/संगोष्ठी/कार्यशालाएं/सम्मेलन/संवाद: -

केंद्र ने कई कार्यक्रम आयोजित किए हैं जिनमें से कुछ हैं नैनो प्रौद्योगिकी दिवस, प्रो. विजया अग्रवाल स्मारक व्याख्यान, अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला जिसका शीर्षक है "विलवणीकरण, ब्राइन रिक्लेमेशन एवं संसाधन निष्कर्षण के लिए डीप मेम्ब्रेन विज्ञान अनुसंधान को बढ़ावा देना मेमसाइ-ब्राइन 2024 और कई अन्य विशेषज्ञ व्याख्यान।

प्रकाशन :—

	पुस्तक	पुस्तक अध्याय	सम्मेलनों में पेपर	जर्नल में पेपर	आईपी लागू	आईपी स्वीकृत
कुल योग	01	05	01	58	08	01

फोटोनिक्स एवं क्वान्टम संचार प्रौद्योगिकी केंद्र

फोटोनिक्स एवं क्वांटम संचार प्रौद्योगिकी केंद्र का ध्येय विशिष्ट उद्देश्यों के साथ अग्रणी अनुसंधान किया जाना है, जिसमें फोटोनिक्स, क्वांटम संचार तथा संबद्ध प्रौद्योगिकियों के लिए घटकों, उपकरणों और प्रणालियों का विकास शामिल है, लेकिन यह इन्हीं तक सीमित नहीं है। केंद्र का उद्देश्य उद्योग व शिक्षा जगत में इन प्रौद्योगिकियों के कार्यान्वयन तथा उन्नति हेतु वांछित कुशल जनशक्ति का निर्माण किया जाना भी है, जिसे प्रासंगिक शैक्षणिक कार्यक्रम और पाठ्यक्रम चलाकर पूरा किया जाएगा।

संकाय/अनुबद्ध/ आगंतुक- अध्यापन संकाय सदस्यों की कुल संख्या	**12**

शैक्षणिक गतिविधियां

संचालित कार्यक्रम	पंजीकृत छात्र	प्रदान की गई उपाधियाँ
पीएच.डी	106	26

अनुसंधान एवं विकास (आर एण्ड डी) गतिविधियां

परियोजना की स्थिति	प्रायोजित परियोजनाओं की कुल संख्या
नई	01
चालू	04
पूरी की जा चुकी	04

प्रमुख सुविधाएँ

आर्बिट्रेरी फ़ंक्शन जनरेटर: 2-सीएच, 25 मेगाहर्ट्ज साइनवेव आवृत्ति

प्रकाशन :—

	प्रकाशित पुस्तकें	पुस्तक अध्याय	सम्मेलनों में शोधपत्र	जर्नल में शोधपत्र	आईपी फाइल किये गये (पेटेंट/कॉपीराइट, डिजाइन /अंतर्राष्ट्रीय पेटेंट/ पीसीटी)	आईपी स्वीकृत/पंजीकृत (पेटेंट/कॉपीराइट, डिजाइन /अंतर्राष्ट्रीय पेटेंट/ पीसीटी)
कुल योग		01	03	12		

अंतरिक्ष विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी केंद्र

इस केंद्र का विचार है कि अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी संबंधित अवधारणा-सिद्ध डिजाइनों, तत्रों व प्रणालियों के विकास में निर्धारित लक्ष्यों के साथ अग्रणी अनुसंधान संचालित करके आईआईटी रुड़की अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में प्रमुखता हासिल करेगा | अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में शैक्षणिक उन्नति, प्रशिक्षण, मानव संसाधन विकास, उद्यमशीलता और नवाचार को बढ़ावा देकर, यह केंद्र देश के क्रांतिकारी प्रौद्योगिकीय परिदृश्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

संकाय/अनुबद्ध/ आगंतुक- अध्यापन संकाय सदस्यों की कुल संख्या	13 संयुक्त व 4 आगंतुक

शैक्षणिक गतिविधियां

अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी में एम.टेक. व पीएच.डी.

प्रस्तावित कार्यक्रम	पंजीगत छात्र
बी. टेक.	--
एम. टेक.	11
पीएच.डी	08

अनुसंधान एवं विकास (आर एण्ड डी) गतिविधियां

अंतरिक्ष अनुप्रयोगों हेतु एंटेना तथा माइक्रोवेव सबसिस्टम का डिज़ाइन, ऐरे सिग्नल प्रोसेसिंग, नाभकीय विकिरण डिटेक्टर व अंतरिक्ष सामग्री में विकिरण प्रेरित प्रभाव, अंतरिक्ष और वायुमंडलीय भौतिकी, अंतरिक्ष मौसम, सूर्य-पृथ्वी इंटरैक्शन, मैग्नेटोस्फीयर-आयनोस्फीयर ऊर्जा युग्मन, कॉमन्स, अंतरिक्ष मलबे का शासन और प्रबंधन, अंतरिक्ष विनियम, बाहरी अंतरिक्ष व अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था, निकट पृथ्वी अंतरिक्ष: पृथ्वी का आयनमंडल, मेसोस्फेरिक रसायन विज्ञान और गतिविज्ञान, वायुमंडलीय गुरुत्वाकर्षण तरंगें, ऑप्टिकल उपकरण: सक्रिय और निष्क्रिय रिमोट सेंसिंग, एयरग्लो फोटोमीटर, एयरग्लो इमेजर, एयरग्लो स्पेक्ट्रोमीटर, सोडियम लिडार, छवि विश्लेषण: ऑलस्की इमेजर, ऑप्टिकल और थर्मल इमेज प्रोसेसिंग, ग्रहीय विज्ञान: शुक्र और मंगल के वायुमंडल का अन्वेषण, वायुमंडलीय व अंतरिक्ष भौतिकी: वायुमंडलीय अशांति, सौर व तारकीय संवहन, भू- और खगोल भौतिकी अशांत प्रवाह, प्रत्यक्ष संख्यात्मक सिमुलेशन, कम्प्यूटेशनल द्रव भौतिकी, मैग्नेटोहाइड्रोडायनामिक टर्बुलेंस, आणविक मॉडलिंग, इंटरस्टेलर केमिस्ट्री, पोलारिमेट्रिक रडार आधारित रिमोट सेंसिंग, एसएआर इमेज डेनोइजिंग, विभाजन और वर्गीकरण, तथा एसएआर इंटरफेरोमेट्री, निर्देशित लोचदार तरंगें, गैर-विनाशकारी मूल्यांकन, लोचदार तरंग प्रसार के लिए परिमित व स्पेक्ट्रल परिमित तत्व, इन्फ्लेटेबल स्पेस स्ट्रक्चर, स्पेस डिप्लॉयमेंट मैकेनिज्म, सम्मिश्रित व स्मार्ट सामग्री, गणितीय मॉडलिंग, वायरलेस संचार के लिए वीएलएसआई, आरएफ आईसी डिजाइन, सैटेलाइट संचार के लिए सर्किट और सिस्टम डिजाइन, एनालॉग सीएमओएस आईसी डिजाइन और आरएफ तथा माइक्रोवेव में इसका अनुप्रयोग, अंतरिक्ष अनुप्रयोगों, सैटेलाइट और पृथ्वी स्टेशनों, सैटेलाइट पेलोड मैकेनिकल डिजाइन के लिए उन्नत सामग्रियों में प्रसंस्करण-सूक्ष्म संरचना-गुण संबंध।

परियोजना की स्थिति	प्रायोजित परियोजनाओं की कुल संख्या
नई	12
चालू	12
पूरी की जा चुकी	01

प्रमुख सुविधाएँ

- एनालॉग डिस्कवरी 3 प्रो बंडल (मात्रा 1)
- 2. डीसीएस-बी वीएलएसआई आधारित डिजिटल संचार प्रशिक्षण प्रणाली (मात्रा 1)
- एरोसोल साइज डिस्ट्रीब्यूशन (मात्रा 1)
- माइक्रोप्रोसेसर फ्लेम फोटोमीटर (ग्राफ़िकल डिस्प्ले) (मात्रा 1)
- ऑल इन वन पीसी (मात्रा 10)
- ओपीएस के साथ इंटरएक्टिव पैनल आर86ई (मात्रा 1)

वेबिनार/परिसंवाद/कार्यशालाएं/सम्मेलन/संवाद

इस केंद्र ने, सीमांत क्षेत्रों के लिए सिरेमिक्स: नजर आती हुई उन्नति और संभावनाएं, (सीईआर एपी 2024), पर चतुर्थ वैश्विक सिरेमिक नेतृत्व गोलमेज सम्मेलन, अंतरिक्ष मौसम विज्ञान एवं अवसरों पर द्वितीय कार्यशाला, तृतीय भारतीय अंतरिक्ष मौसम सम्मेलन व

सतता हेतु अंतरिक्ष: विज्ञान, प्रौद्योगिकी, शिक्षा और नीति (एस2:एसटीईपी 2025 पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन तथा छठा भारतीय ग्रहीय विज्ञान सम्मेलन (इंडियन प्लेनेटरी साइंस कोन्फ्रेंस) (आईपीएससी-2025) सहित विभिन्न सम्मेलन/संगोष्ठियाँ/कार्यशालाएँ/अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किये।

प्रकाशन :—

	प्रकाशित पुस्तकें	पुस्तक अध्याय	सम्मेलनों में शोधपत्र	जर्नल में शोधपत्र	आईपी फाइल किये गये (पेटेंट/कॉपीराइट, डिजाइन /अंतर्राष्ट्रीय पेटेंट/ पीसीटी)	आईपी स्वीकृत/पंजीकृत (पेटेंट/कॉपीराइट, डिजाइन /अंतर्राष्ट्रीय पेटेंट/ पीसीटी)
कुल योग	00	00	05	22	00	00

सतत ग्रामीण विकास केंद्र (सीएसआरडी)

सतत ग्रामीण विकास केंद्र (सीएसआरडी) के लिए एक नए केंद्र की स्थापना को अभिशासक परिषद द्वारा 27 जुलाई 2023 को आयोजित अपनी 67वीं बैठक में प्रस्ताव के माध्यम से मंजूरी दी गई है। इस केंद्र का उद्देश्य विभिन्न विषयों में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी का लाभ उठाकर "अगली पीढ़ी के गांव" बनाना है। यह केंद्र शैक्षणिक एवं समुदाय-उन्मुख कार्यक्रमों के अलावा कृषि एवं जल प्रबंधन, खाद्य संरक्षण एवं प्रसंस्करण, ग्रामीण नवाचार एवं उत्पाद विकास, नवीकरणीय ऊर्जा स्रोत, अपशिष्ट प्रबंधन, रणनीतिक योजना और उद्यमिता पर ध्यान केंद्रित करता है।

गतिविधियाँ: -

एनएचपीसी लिमिटेड, फरीदाबाद ने "ग्रामीण समुदायों को सशक्त बनाना: मीरापुर और बेलाडी-साल्हापुर गांव, हरिद्वार, उत्तराखंड में भविष्य के विकास हेतु सतत योजना" पर एक परियोजना प्रायोजित की है। सिविल इंजीनियरिंग विभाग के प्रोफेसर आर.डी. गर्ग इस परियोजना के मुख्य अन्वेषक (पी.आई.) हैं और जल संसाधन विकास एवं प्रबंधन विभाग के प्रोफेसर आशीष पांडे इस परियोजना के सह-पी.आई. हैं।

वेबिनार/संगोष्ठी/कार्यशाला/सम्मेलन/संवाद: -

"ग्रामीण समुदायों को सशक्त बनाना: भविष्य के विकास के लिए सतत योजना" विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला 13 दिसंबर, 2024 को एपीजे अब्दुल कलाम ब्लॉक, आईआईटी रुड़की में आयोजित की गई। सतत ग्रामीण विकास केंद्र एवं क्षेत्रीय समन्वय संस्थान (आरसीआई), उन्नत भारत अभियान (यूबीए), आईआईटी रुड़की द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित कार्यशाला एवं एनएचपीसी - एक सीएसआर पहल द्वारा समर्थित, इस कार्यक्रम में टिकाऊ कृषि, जल प्रबंधन एवं ग्रामीण आजीविका विकास को बढ़ावा देने के लिए विशेषज्ञों और किसानों को एक साथ लाया गया। कार्यशाला में मीरापुर और बेल्दी-साल्हापुर गांवों के 25 किसानों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और इसमें जैविक खेती, अपशिष्ट प्रबंधन और जलवायु-लचीले समुदायों के निर्माण में किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) की भूमिका पर व्यावहारिक सत्र शामिल थे।

गतिविधियाँ :-

एनएचपीसी लिमिटेड, फरीदाबाद ने "ग्रामीण समुदायों को सशक्त बनाना: मीरापुर और बेलाडी-साल्हापुर गांव, हरिद्वार, उत्तराखंड में भविष्य के विकास हेतु सतत योजना" पर एक परियोजना प्रायोजित की है। सिविल इंजीनियरिंग विभाग के प्रोफेसर आर.डी. गर्ग इस परियोजना के मुख्य अन्वेषक (पी.आई.) हैं और जल संसाधन विकास एवं प्रबंधन विभाग के प्रोफेसर आशीष पांडे इस परियोजना के सह-पी.आई. हैं।

वेबिनार/संगोष्ठी/कार्यशाला/सम्मेलन/संवाद :-

"ग्रामीण समुदायों को सशक्त बनाना: भविष्य के विकास के लिए सतत योजना" विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला 13 दिसंबर, 2024 को एपीजे अब्दुल कलाम ब्लॉक, आईआईटी रुड़की में आयोजित की गई। सतत ग्रामीण विकास केंद्र एवं क्षेत्रीय समन्वय संस्थान (आरसीआई), उन्नत भारत अभियान (यूबीए), आईआईटी रुड़की द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित कार्यशाला एवं एनएचपीसी - एक सीएसआर पहल द्वारा समर्थित, इस कार्यक्रम में टिकाऊ कृषि, जल प्रबंधन एवं ग्रामीण आजीविका विकास को बढ़ावा देने के लिए

विशेषज्ञों और किसानों को एक साथ लाया गया। कार्यशाला में मीरापुर और बेल्दी-साल्हापुर गांवों के 25 किसानों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और इसमें जैविक खेती, अपशिष्ट प्रबंधन और जलवायु-लचीले समुदायों के निर्माण में किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) की भूमिका पर व्यावहारिक सत्र शामिल थे।

परिवहन प्रणाली केंद्र (सीट्रांस)

सी.टी.आर.ए.एन.एस. (सीट्रांस), परिवहन एवं अवसंरचना के क्षेत्र में आई.आई.टी. रुड़की का उत्कृष्टता केंद्र है। केंद्र का उद्देश्य परिवहन एवं प्रबंधन प्रणालियों के अध्ययन के लिए एक समग्र दृष्टिकोण विकसित करना है। सी.टी.आर.ए.एन.एस. मुख्य रूप से विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान, वास्तुकला एवं नियोजन एवं प्रबंधन पृष्ठभूमि से इंजीनियरों, वास्तुकारों, योजनाकारों, वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं की सामूहिक भागीदारी के साथ एक बहु-विषयक पहल है। सी.टी.आर.ए.एन.एस. का उद्देश्य परिवहन प्रणालियों में जनशक्ति विकास के लिए बहु-विषयक अनुसंधान और शिक्षा को बढ़ावा देना है, जिसमें सड़क परिवहन, गैर-मोटर चालित परिवहन (एन.एम.टी.), रेल परिवहन, अंतर्देशीय जल परिवहन, वायु परिवहन, माल और रसद परिवहन आदि जैसे परिवहन के सभी साधन शामिल हैं।

संकाय/सहायक/अतिथि-शिक्षण संकाय की कुल संख्या	15
पीएमआरएफ की संख्या	02

प्रोफेसर दिव्यभारती एवं प्रोफेसर तुषार प्रमोद चौधरी केंद्र में शामिल हो गए हैं

शैक्षणिक गतिविधियां: -

सीट्रांस को अपने एम.टेक. कार्यक्रम में संशोधन की घोषणा करते हुए प्रसन्नता हो रही है, जिसका नाम अब एम.टेक. इन ट्रांसपोर्टेशन सिस्टम्स मैनेजमेंट है, जो सीनेट की स्वीकृति के बाद जुलाई 2013 से चल रहे मौजूदा एम.टेक. इन इंफ्रास्ट्रक्चर सिस्टम्स की जगह लेगा। यह परिवर्तन एन.ई.पी. 2020 एवं उद्योग की उभरती मांगों के अनुरूप है, जिसमें मुख्य रूप से परिवहन प्रबंधन एवं परिवहन अवसंरचना दोनों पर जोर दिया गया है। यह परिवर्तन सिनर्जिया 2023 के दौरान पूर्व छात्रों और उद्योग विशेषज्ञों के साथ व्यापक चर्चा के बाद किया गया है। पाठ्यक्रम में परिवहन प्रणाली विश्लेषण, सार्वजनिक परिवहन संचालन एवं प्रबंधन, परिवहन रसद, परिवहन एवं स्वास्थ्य, व समावेशी परिवहन के डिजाइन जैसे नए अत्याधुनिक पाठ्यक्रम शामिल किए गए हैं, जो उभरते उद्योग और सरकार की जरूरतों को पूरा करने के लिए एक बहु-विषयक, व्यावहारिक दृष्टिकोण सुनिश्चित करते हैं। अनुसंधान के पहचाने गए संबंधित क्षेत्रों में पीएचडी कार्यक्रम शुरू किए जा रहे हैं, जो प्रतिभाशाली और समर्पित उम्मीदवारों के लिए खुले हैं। केंद्र परिवहन प्रणालियों के विभिन्न विशिष्ट क्षेत्रों में जनशक्ति को प्रशिक्षित करने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों के साथ-साथ विशेषज्ञ पाठ्यक्रमों का आयोजन करेगा। सेवारत शिक्षकों/इंजीनियरों/पेशेवरों की प्रतिनियुक्ति के लिए विभिन्न शिक्षण/अनुसंधान और अन्य संगठनों से संपर्क किया जाएगा। केंद्र भविष्य में एम.टेक. कार्यक्रम चलाएगा। निकट भविष्य में परिवहन अवसंरचना प्रणाली, रेल इंजीनियरिंग और परिवहन अर्थशास्त्र में मॉड्यूलर/प्रायोजित प्रकार के साथ-साथ खुले प्रवेश के माध्यम से ये कार्यक्रम चलाए जाएंगे।

प्रस्तावित कार्यक्रम	नामांकित छात्र	प्रदान की गई उपाधियाँ
बी. टेक.	-	-
एम. टेक.	19	08
पीएच.डी	22	03

अनुसंधान एवं विकास गतिविधियाँ:

प्रायोजित अनुसंधान एवं विकास तथा परामर्श परियोजनाएं परिवहन प्रणाली के संबंधित क्षेत्रों में की जाती हैं। भारत सरकार के मंत्रालयों/विभागों, सरकारी निगमों/उपक्रमों/प्राधिकरणों आदि से संभावित वित्त पोषण की संभावना है। केंद्र में बहुविषयक क्षेत्रों में संकाय द्वारा परामर्श गतिविधियां की जाती हैं। इस केंद्र के साथ-साथ अन्य विभागों में उपलब्ध सुविधाओं का उपयोग परामर्श परियोजनाओं को आकर्षित करने के लिए किया जाता है। हाल ही में अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) ने "सार्वजनिक परिवहन प्रणाली के एकीकृत विकास" पर एक बहु-संस्थागत राष्ट्रीय समन्वित परियोजना को मंजूरी दी है। यह परियोजना सीटीआरएएनएस द्वारा समन्वित है। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार ने "शहरी मल्टीमॉडल मास ट्रांसपोर्ट सिस्टम के डिजाइन और विश्लेषण" पर एक शोध परियोजना प्रायोजित की है।

परियोजना स्थिति	प्रायोजित	राशि लाख रुपये में	कंसल्टेंसी	राशि लाख रुपये में
जारी	3	₹95,99,330	-	-
पूर्ण हुए	3	₹68,24,000	9	₹2,60,14,000

विशेष: -

सीएलए ग्लोबल-इंडस वैल्यू कंसल्टिंग प्राइवेट लिमिटेड के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर।

आईआईटी रुड़की ने संयुक्त अनुसंधान परियोजनाओं, उद्योग परियोजनाओं, संयुक्त पर्यवेक्षण और छात्रों के प्लेसमेंट में सुधार के लिए सीएलए ग्लोबल-इंड स वैल्यू कंसल्टिंग प्राइवेट लिमिटेड के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। समझौते के बाद, भारत सरकार के शिपिंग मंत्रालय के तहत श्यामा प्रसाद मुखर्जी पोर्ट कोलकाता के लिए 'एस्टेट मास्टर प्लानिंग 2054' पर 3.6 करोड़ रुपये की एक संयुक्त परियोजना शुरू की गई है। प्रोफेसर उत्तम कुमार रॉय के नेतृत्व में इस परियोजना को क्रियान्वित किया जा रहा है। कुछ और पहल पाइपलाइन में हैं।

वेबिनार/संगोष्ठी/कार्यशाला/सम्मेलन/संवाद: -

केंद्र ने कई कार्यक्रम आयोजित किए हैं, जिनमें से कुछ हैं प्रोफेसर आशीष वर्मा (भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी) में परिवहन प्रणाली इंजीनियरिंग के प्रोफेसर), डॉ. संदीप अग्रवाल (अल्बर्टा विश्वविद्यालय में भू एवं वायुमंडलीय विज्ञान विभाग में प्रोफेसर), डॉ. नयन शर्मा (जलवायु लचीला रणनीतियों के साथ ब्रह्मपुत्र नदी अध्ययन का नेतृत्व करने के लिए गुवाहाटी विश्वविद्यालय में उत्कृष्टता के प्रोफेसर), डॉ. मेघना वर्मा (आरआईएम) और थिंकक्वेस्ट-2024

प्रकाशन :—

	पुस्तक प्रकाशित	पुस्तक अध्याय	सम्मेलनों में पेपर	जर्नल में पेपर	आईपी (पेटेंट/कॉपीराइट), डिजाइन/अंतरराष्ट्रीय पेटेंट/पीसीटी) दायर	आईपी (पेटेंट/कॉपीराइट), डिजाइन/अंतरराष्ट्रीय पेटेंट/पीसीटी) स्वीकृत/पंजीकृत
कुल योग	01	05	09	11	00	00

आपदा न्यूनीकरण एवं प्रबंधन उत्कृष्टता केंद्र

केंद्र का उद्देश्य शिक्षा एवं अनुसंधान के महत्वपूर्ण क्षेत्रों में अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप उत्कृष्टता प्राप्त करना है। क्षेत्रीय मुद्दे, विशेष रूप से भूकंप, सुनामी, बाढ़, चक्रवात, आग, हिमस्खलन, भूस्खलन, बादल फटना और उनकी प्रारंभिक चेतावनियाँ अन्य केन्द्रित क्षेत्र हैं। केंद्र में प्रस्तुत किए जाने वाले पाठ्यक्रम आपदा न्यूनीकरण एवं प्रबंधन में दो वर्षीय स्नातकोत्तर विशेषज्ञता पाठ्यक्रम और भूकंप, भूस्खलन, चक्रवात, बाढ़, सुनामी, साइबर अपराध, हिमस्खलन, आग, औद्योगिक आपदा, सीबीआरएन (रासायनिक, जैविक, रेडियोलॉजिकल और परमाणु) और जियोमैटिक्स प्रौद्योगिकी पर केंद्रित डॉक्टरेट कार्यक्रम हैं। केंद्र में 11 संयुक्त संकाय सदस्य और आपदा से संबंधित क्षेत्र में विशेषज्ञता वाले तीन मुख्य संकाय सदस्य हैं। केंद्र में तीन अतिथि प्रोफेसर हैं। केंद्र की अंतःविषयक प्रकृति भारत सरकार और अन्य राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय वित्त पोषण एजेंसियों से प्रायोजित वित्त पोषण के माध्यम से विभिन्न शोध और परामर्श परियोजनाओं का समर्थन करती है।

संकाय/सहायक/अतिथि-शिक्षण संकाय की कुल संख्या	03 – नियमित 11 – संयुक्त संकाय 03 – अतिथि संकाय
पीएमआरएफ की संख्या	06

शैक्षणिक कार्यक्रम:

प्रस्तावित कार्यक्रम	नामांकित छात्र	उपाधियाँ प्रदान की गई
एम. टेक.	21	128
पीएच.डी	51	21

अनुसंधान एवं विकास गतिविधियाँ:

परियोजना स्थिति	प्रायोजित परियोजनाएँ	राशि लाख रुपये में	परामर्श परियोजनाएँ	राशि लाख रुपये में
नए	02	170.94	05	115.60
जारी	12	806.76	09	979.20
पूर्ण हुए	00	00	1	7.12

प्रमुख सुविधाएं: -

1. उत्तराखंड के रानीचौरी में उच्च ऊंचाई वाले अशांत प्रवाह अवलोकन स्थल को पृथ्वी की सतह और वायुमंडल के बीच ऊष्मा, गति, नमी एवं कार्बन प्रवाह के आदान-प्रदान का अध्ययन करने के लिए अत्याधुनिक उपकरणों के साथ विकसित किया गया है। यह स्थल हिमालयी क्षेत्र में भूमि-वायुमंडल की अंतःक्रियाओं का अध्ययन करने के लिए एक महत्वपूर्ण सुविधा है, जो एनडब्लूपी मॉडल के सुधार का समर्थन करती है।

2. वर्षा-प्रेरित मलबे की स्लाइड का अनुकरण करने और विफलता तंत्र को समझने के लिए कृत्रिम वर्षा सिम्युलेटर के साथ एक कम-स्केल फ़्लूम उपकरण विकसित किया गया है। 2024-2025 के दौरान आद्रतांश सेंसर और मैट्रिक सक्शन सेंसर के साथ उपकरण को उन्नत किया गया है।

निर्मित प्रायोगिक फ्लूम का योजनाबद्ध आरेख और सेंसर की स्थिति: (ए) शीर्ष दृश्य, और (बी) सामने का दृश्य।

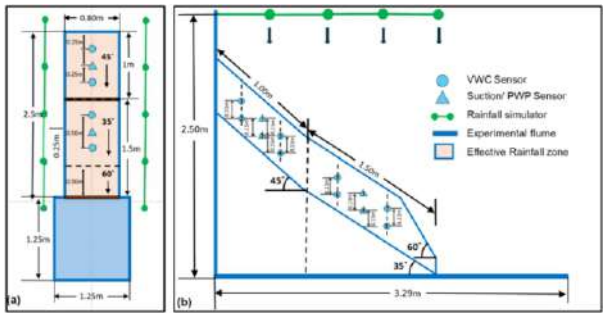

क) प्रायोगिक फ्लूम सेटअप का सामने का दृश्य जिसमें नीचे की ओर कंकर चिपके हुए हैं, और (ख) प्रायोगिक फ्लूम का पार्श्व दृश्य जिसमें सामग्री भरी हुई है और सेंसर लगाए गए हैं।

छात्र उपलब्धियां: -

प्रोफेसर पीयूष श्रीवास्तव के अधीन कार्यरत श्री आनंदु प्रभाकरन को वायुमंडलीय विज्ञान, भू – विज्ञान एवं पर्यावरण विज्ञान श्रेणी में प्रतिष्ठित रमन-चारपाक फेलोशिप 2024 से सम्मानित किया गया, ताकि वे छह महीने की अवधि के लिए फ्रांस में वन अग्नि पर अपने डॉक्टरेट अध्ययन को जारी रख सकें।

प्रमुख: -

भूस्खलन पूर्व चेतावनी प्रणाली से संबंधित परियोजनाओं में होक्काइडो विश्वविद्यालय, जापान के साथ सहभागिता।

फ्लैश फ्लड एवं तलछट आपदाओं से संबंधित परियोजनाओं में प्लायमाउथ विश्वविद्यालय के साथ सहभागिता।

वेबिनार/संगोष्ठी/कार्यशालाएं/सम्मेलन/संवाद:-

केंद्र ने विभिन्न सम्मेलन/सेमिनार/कार्यशाला/अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किए, उनमें से कुछ इस प्रकार हैं 'लचीले भविष्य के लिए अगली पीढ़ी को सशक्त बनाना' विषय पर अंतर्राष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण दिवस (आईडीडीआरआर-2024), केंद्र का पहला शोध छात्र दिवस अभूतपूर्व वर्षा-प्रेरित भूस्खलन प्रारंभिक चेतावनी तकनीकों (एसयूआरई-अलर्ट) के लिए प्रणाली, बदलती जलवायु और पर्यावरणीय जोखिमों में आपदा प्रबंधन एवं लचीला बुनियादी ढांचा, भारत मौसम विज्ञान विभाग में विश्व मौसम विज्ञान दिवस 2025 समारोह, एमओईएस, भारत सरकार, मौसम और जलवायु सेवाओं पर राष्ट्रीय हितधारकों की बैठक और भारत मौसम विज्ञान विभाग का 150वां स्थापना दिवस, आपदा न्यूनीकरण एवं प्रबंधन उत्कृष्टता केंद्र (सीओईडीएमएम) आईआईटी रुड़की ने विश्व बैंक द्वारा नई दिल्ली में भारत में आपदा जोखिम प्रबंधन के वित्तपोषण पर अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।

प्रकाशन :—

	पुस्तक प्रकाशन	पुस्तक अध्याय	सम्मेलनों में शोध पत्र	जर्नल में शोध पत्र	आईपी (पेटेंट/कॉपीराइट), डिजाइन/अंतरराष्ट्रीय पेटेंट/पीसीटी) दायर	आईपी (पेटेंट/कॉपीराइट), डिजाइन/अंतरराष्ट्रीय पेटेंट/पीसीटी) स्वीकृत/पंजीकृत
कुल योग	00	02	10	14		

भारतीय ज्ञान प्रणाली केंद्र

केंद्र का उद्देश्य भारतीय ज्ञान प्रणाली के सभी पहलुओं पर अंतःविषयक अनुसंधान (इंटर डिसीप्लीनरी रिसर्च) को बढ़ावा दिया जाना तथा आगे के नवाचारों और सामाजिक अनुप्रयोगों के लिए भारतीय ज्ञान प्रणाली के ज्ञान को फैलाना है। अभिस्नातक व स्नातकोत्तर स्तर पर, यह केंद्र भारतीय ज्ञान प्रणाली, संस्कृत भाषा और योग के विहंगावलोकन (ओवरव्यूह) से संबंधित क्रेडिट पाठ्यक्रम प्रदान करता है। अनुसंधान के संदर्भ में, यह केंद्र अनेक क्षेत्रों में संलिप्त है जैसे कि भारतीय भाषाओं में विषयवस्तु (टेक्स्ट) के लिए कंप्यूटरीकरण, जनजातीय अध्ययन, योग, भारतीय मनोविज्ञान, प्रबंधन, भारतीय वास्तुकला, भारतीय परिप्रेक्ष्य से स्वास्थ्य व आरोग्यता (वैलनेस)।

संकाय/अनुबद्ध/ आगंतुक- अध्यापन संकाय सदस्यों की कुल संख्या	10 संयुक्त संकाय तथा 1 आगंतुक संकाय
पोस्ट डॉक्टरेट फेलो की संख्या	00
पीएमआरएफ की संख्या	00

श्री अनिल कुमार सुकुमार पिल्लई, आईआईटी रुड़की के भारतीय ज्ञान प्रणाली केंद्र में आगंतुक संकाय(विजिटिंग फैकल्टी के) रूप में शामिल हुए।

शैक्षणिक गतिविधियाँ

केंद्र द्वारा निम्नलिखित पाठ्यक्रम चलाये जाते हैं।

- आईकेएस-102: वसंत सत्र (स्प्रिंग सेशन)में अभिस्नातक(यूजी) प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए भारतीय ज्ञान प्रणाली का परिचय (2- क्रेडिट)
- आईकेओ-101: शरद सत्र (ओटम सेशन) में अभिस्नातक (यूजी) द्वितीय वर्ष के छात्रों के लिए संसूचना (कम्यूनिकेशन) हेतु संस्कृत (3-क्रेडिट)
- आईकेओ-102: शरद सत्र(ओटम सेशन) में अभिस्नातक (यूजी) द्वितीय वर्ष के छात्रों के लिए सांख्य और योग सूत्र में चैतन्य अध्ययन (कोंशियसनैस स्टडीज़) (3-क्रेडिट)
- आईकेएस-501: शरद सत्र(ओटम सेशन) में स्नातकोत्तर (पीजी) प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए भारतीय ज्ञान प्रणाली का परिचय (2-क्रेडिट)
- आईकेएस-502: शरद सत्र (ओटम सेशन) में स्नातकोत्तर (पीजी) प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए योग दर्शन (फ़िलासफ़ी ऑफ योग) (2-क्रेडिट)

अनुसंधान एवं विकास (आर एंड डी) गतिविधियाँ

परियोजना की स्थिति	प्रायोजित परियोजनाओं की कुल संख्या
नई	01
चालू	02
पूरी की जा चुकी	01

मुख्य बातें

- "स्नातक संस्थानों में हाशिए पर पड़े और वंचित छात्रों के लिए सकारात्मक कार्रवाई योजनाओं व शैक्षणिक सहायता हेतु प्रयोगसिद्ध शोध तथा एआई-संचालित वेब-टेक समाधान" हेतु भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद द्वारा प्रायोजित एक शोध परियोजना प्राप्त की, जिसमें प्रोफेसर राम

मनोहर सिंह पीआई और 2 विशेषज्ञ सह-पीआई के रूप में शामिल हैं। स्वीकृत राशि 22 लाख रुपये है।

- उत्तराखंड संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार तथा देव संस्कृति विश्वविद्यालय, हरिद्वार के साथ आपसी हित के भारतीय ज्ञान प्रणाली क्षेत्रों में कार्य किये जाने हेतु समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।
- प्रोफेसर रश्मि गौर (मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विभाग) ने "विवा गौर मेमोरियल इंटर्नशिप" के नाम पर 5,00,000/- रुपये की राशि दान की। यह वार्षिक इंटर्नशिप भारतीय ज्ञान प्रणालियों से संबंधित विषयों पर शोध/शैक्षणिक कार्य किये जाने के लिए प्रतिभाशाली छात्रों की सहायता करेगी।

वेबिनार/परिसंवाद/कार्यशाला/सम्मेलन/संवाद:

केंद्र ने विभिन्न सम्मेलन/संगोष्ठी/कार्यशाला/अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किए हैं, जिनमें " जैवपदार्थों और सांख्य का विद्युतचुंबकीय अनुनाद: प्रधान सममिति व अनुनाद आवृत्तियों का अध्ययन" विषय पर वेबिनार तथा "चैतन्य के ब्रह्मांड में एक यात्रा" विषय पर वेबिनार शामिल हैं।

प्रकाशन :—

	प्रकाशित पुस्तकें	पुस्तक अध्याय	सम्मेलनों में शोधपत्र	जर्नल में शोधपत्र	आईपी फाइल किये गये (पेटेंट/कॉपीराइट, डिजाइन /अंतर्राष्ट्रीय पेटेंट/ पीसीटी)	आईपी स्वीकृत/पंजीकृत (पेटेंट/कॉपीराइट, डिजाइन /अंतर्राष्ट्रीय पेटेंट/ पीसीटी)
कुल योग			1	2		

बांधों हेतु अंतरराष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र

इस केंद्र की स्थापना आईआईटी रुड़की और केंद्रीय जल आयोग, जल संसाधन मंत्रालय के बीच घनिष्ठ सहयोग से की गई है। यह केंद्र भारतीय और विदेशी बांध अधिकारियों के लिए बांध सुरक्षा और पुनर्वास में मास्टर और पीएच.डी कार्यक्रम चलाता है। 11 अप्रैल, 2023 को आईआईटी रुड़की में बांधों हेतु अंतरराष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र (आईसीईडी) की स्थापना जल विज्ञान, सिविल इंजीनियरिंग, भूकंप इंजीनियरिंग और आईआईटी रुड़की के अन्य विभागों के संकाय सदस्यों और केंद्रीय जल आयोग तथा राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों द्वारा आईआईटी रुड़की और केंद्रीय जल आयोग, जल संसाधन मंत्रालय के बीच घनिष्ठ सहयोग से की गई। इस केंद्र के ध्यान- केंद्रण (फोकस) क्षेत्र भूकंपीय खतरे का मानचित्रण तथा विश्लेषण, जलाशय अवसादन व गाद नियंत्रण और प्रबंधन, बांधों हेतु अंतर्वाह (इनफ़्लो) पूर्वानुमान, व्यापक जोखिम आकलन और लंबे समय तक चलना- बांधों का पूरा जीवन चक्र हैं। केंद्र के मुख्य उद्देश्य निम्नलिखित हैं:-

- भारतीय तथा विदेशी बांध अधिकारियों के लिए बांध सुरक्षा तथा पुनर्वास के मास्टर्स व पीएच.डी कार्यक्रम चलाना।
- बांध इंजीनियरिंग में मौलिक व अनुप्रयुक्त अनुसंधान संचालित करना तथा विश्व स्तरीय अनुसंधान प्रयोगशालाएँ विकसित किया जाना।
- भारत और विदेशों में अग्रणी संगठनों के साथ साझेदारी विकसित करना।
- अल्पकालिक कार्यक्रम चलाना तथा भारत व विदेशों के बांध मालिकों को परामर्श प्रदान किया जाना।

संकाय/अनुबद्ध/ आगंतुक- अध्यापन संकाय सदस्यों की कुल संख्या	08 प्रोफेसर ऑफ प्रेक्टिस/ आगंतुक प्रोफेसर
पोस्ट डॉक्टरल फैलोज की संख्या	04
पीएमआरएफ की संख्या	-

शैक्षणिक गतिविधियां

संचालित कार्यक्रम	पंजीगत छात्र	प्रदान की गई उपाधियाँ
बी. टेक.	00	00
एम. टेक.	26	22
पीएच.डी	07	-

अनुसंधान एवं विकास (आर एंड डी) गतिविधियाँ

परियोजना स्थिति	प्रायोजित परियोजनाओं की कुल संख्या	परामर्श परियोजनाओं की कुल संख्या
चालू	17	3

मुख्य बातें

आईसीईडी ने निम्नलिखित संगठनों के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं:

1. दामोदर घाटी निगम, कोलकाता
2. भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड (बीबीएमबी), चंडीगढ़
3. वेस्टर्न सिडनी विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया
4. एनजीआई नॉर्वे
5. एनएचपीसी लिमिटेड, सेक्टर 33, फरीदाबाद
6. टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड ऋषिकेश

वेबिनार/परिसंवाद/कार्यशालाएं/सम्मेलन/संवाद:-

इस केंद्र ने विभिन्न सम्मेलन/संगोष्ठी/ कार्यशाला/ अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किए हैं जिनमें जलाशय अवसादन, बांधों में रिसाव का आकलन और प्रबंधन, बांधों के भूकंपीय खतरे का मानचित्रण पर 4 दिवसीय लघु अवधि प्रशिक्षण कार्यक्रम शामिल है।

प्रकाशन :—

	प्रकाशित पुस्तकें	पुस्तक अध्याय	सम्मेलनों में शोधपत्र	जर्नल में शोधपत्र	आईपी फाइल किये गये (पेटेंट/कॉपीराइट, डिजाइन /अंतर्राष्ट्रीय पेटेंट/ पीसीटी)	आईपी स्वीकृत/पंजीकृत (पेटेंट/कॉपीराइट, डिजाइन /अंतर्राष्ट्रीय पेटेंट/ पीसीटी)
कुल योग	00	00	04	19	00	00

मेहता फैमिली स्कूल ऑफ डेटा साइंस एंड आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस

आईआईटी रुड़की में मेहता फैमिली स्कूल ऑफ डेटा साइंस एंड आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एमएफ़एसडीएसएआई) संस्थान की सबसे युवा शैक्षणिक इकाइयों में से एक है, जिसे 2021 में भूपत और ज्योति मेहता फैमिली फाउंडेशन की उदार सहायता से स्थापित किया गया । हम आर्टिफ़िशियल इंटेलीजेंस तथा मशीन लर्निंग में शिक्षा व अनुसंधान को उन्नत किये जाने हेतु समर्पित हैं, तथा सभी शैक्षणिक स्तरों पर विविध प्रकार के पाठ्यक्रम चला रहे हैं। यह स्कूल डेटा साइंस और आर्टिफ़िशियल इंटेलीजेंस में बी.टैक पाठ्यक्रम, डेटा साइंस के साथ-साथ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में दो एम. टैक प्रोग्राम व पीएच.डी प्रोग्राम प्रदान करता है।

संकाय/अनुबद्ध/ आगंतुक- अध्यापन संकाय सदस्यों की कुल संख्या	27
पोस्ट डॉक्टरल फैलोज की संख्या	0
पीएमआरएफ की संख्या	1

प्रो. टीना शर्मा और प्रो. चेतन रालेकर मेहता फैमिली स्कूल ऑफ डेटा साइंस एंड आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, आईआईटी रुड़की में आगंतुक संकाय (विजिटिंग फैकल्टी) के रूप में शामिल हुए।

शैक्षणिक गतिविधियाँ

संचालित कार्यक्रम	पंजीगत छात्र	प्रदान की गई उपाधियाँ
बी. टेक.	124	-
एम. टेक.	88	24
पीएच.डी	22	-

अनुसंधान एवं विकास (आर एंड डी) गतिविधियाँ

परियोजना स्थिति	प्रायोजित परियोजनाओं की कुल संख्या	परामर्श परियोजनाओं की कुल संख्या
नई	05	02
चालू	11	01
पूरी की जा चुकी	06	01

प्रकाशन :—

	प्रकाशित पुस्तकें	पुस्तक अध्याय	सम्मेलनों में शोधपत्र	जर्नल में शोधपत्र	आईपी फाइल किये गये (पेटेंट/कॉपीराइट, डिजाइन /अंतर्राष्ट्रीय पेटेंट/ पीसीटी)	आईपी स्वीकृत/पंजीकृत (पेटेंट/कॉपीराइट, डिजाइन /अंतर्राष्ट्रीय पेटेंट/ पीसीटी)
कुल योग	03	00	16	37	00	01

आईआईटी रुड़की की पहल

बधिरों हेतु अनुश्रुति अकादमी

आईआईटी रुड़की परिसर में 1989 में स्थापित अनुश्रुति अकादमी फॉर द डेफ (एएडी) श्रवण बाधित बच्चों की सहायता के लिए भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की (आईआईटीआर) की एक सामाजिक पहल है। यह अकादमी आरंभिक अंत:क्षेप (अर्ली इंटरवेंशन), वाक (स्पीच) और श्रवण प्रशिक्षण (ओड़ीटरी ट्रेनिंग) पर ध्यान केंद्रित करते हुये प्री-नर्सरी से ग्रेड 12 तक की शिक्षा प्रदान करती है | यह बिना किसी सरकारी अनुदान के स्वायत्तता बनाए रखते हुए तथा व्यक्तिगत व संगठनात्मक योगदान पर भरोसा रखते हुये एक अद्वितीय "समुदाय-आधारित मॉडल" पर चल रही है। शिक्षण के साथ-साथ, आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देते हुये अनुश्रुति अकादमी फॉर द डेफ सिलाई, खाना पकाने व कंप्यूटर कौशल जैसे व्यावसायिक प्रशिक्षण प्रदान करती है | उन्नत ऑडियोलॉजी सुविधाओं से युक्त, यह अकादमी छात्रों को आत्मविश्वास के साथ मुख्यधारा के स्कूलों व समाज में जाने हेतु सशक्त बनाते हुये निःशुल्क श्रवण मूल्यांकन तथा अंत:क्षेप (इंटरवेंशन) संचालित करती है।

अकादमी ने पहली मंजिल पर वॉशरूम के साथ छह नई कक्षाओं को जोड़कर अपने भवन का विस्तार किया है। इसके अतिरिक्त, ग्राउंड फ्लोर को पहली मंजिल से जोड़ने के लिए एक जीने का निर्माण किया गया है, व आपातकालीन निकास के रुप में उपयोग किये जाने हेतु एक रैंप का निर्माण कार्य चल रहा है। स्कूल ने चार इंटरेक्टिव फ्लैट पैनल भी लगाए हैं तथा अन्य कक्षाओं हेतु और इंटरेक्टिव फ्लैट पैनल प्राप्त किये जाने की योजना है।

सीपीआर प्रशिक्षण

24.04.2024 को, डॉ. सुधी अग्रवाल व डॉ. मधुरिमा यादव द्वारा अनुश्रुति अकादमी फॉर द डेफ में सीओएलएस (सीपीआर) गतिविधि आयोजित की गई। कक्षा 5 से 8 तक के छात्रों ने, यह सीखते हुये कि हृदयाघात से पीड़ित किसी व्यक्ति की सहायता कैसे की जाए, इस जीवन रक्षक गतिविधि में भाग लिया। प्रधानाचार्या श्रीमती विभूति सैनी और शिक्षकों ने भी इसमें भाग लेकर इस महत्वपूर्ण कौशल को सीखा।

अग्नि सुरक्षा पर जागरूकता

22.05.2024 को, आईआईटी रुड़की के संरक्षा अधिकारी श्री विश्वनंदन और उनकी टीम ने अनुश्रुति अकादमी फॉर द डेफ के बच्चों व स्टाफ हेतु अग्नि सुरक्षा प्रदर्शन (डिमोंस्ट्रेशन) आयोजित किया, जिसमें उन्हें आपातकालीन स्थिति में आग बुझाने के तरीके बताए गए। टीम ने प्रत्येक प्रकार की अग्नि दुर्घटना व उससे निपटने के तरीके दिखाए। बच्चों ने संरक्षा अधिकारी द्वारा संचालित सभी प्रैक्टिकल स्वयं करके देखे।

12 जुलाई, 2024 को प्रो. गौरव रहेजा (आईआईटी रुड़की) और डॉ. जितेंद्र अग्रवाल (सार्थक एजुकेशनल ट्रस्ट) ने अनुश्रुति अकादमी फॉर द डेफ का दौरा किया और छात्रों से उनकी करियर संबंधी आकांक्षाओं पर बातचीत की। डॉ. अग्रवाल ने उन्हें सार्थक के कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल करने का वचन दिया, जो अब हरिद्वार में एक नई शाखा के साथ और सहज सुलभ है।

27 जुलाई, 2024 को, नैसकॉम की अध्यक्ष सुश्री देबजानी घोष ने जब आईआईटी रुड़की के दीक्षांत समारोह 2024 में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया तो अनुश्रुति अकादमी फॉर द डेफ का दौरा किया। उन्होंने शिक्षकों के समर्पण की प्रशंसा की व सुनने तथा बोलने के कौशल के महत्व पर बल दिया। उन्होंने सीखने में कोडिंग और एआई उपकरणों को एकीकृत किये जाने हेतु प्रोत्साहित किया तथा प्रशासन को छात्र सशक्तिकरण के लिए व्यावसायिक पाठ्यक्रमों को बढ़ाने की सलाह दी।

शैक्षिक यात्रा

28 सितंबर, 2024 को 60 छात्रों और 12 कर्मचारियों ने क्षेत्रीय विज्ञान केंद्र, देहरादून का दौरा किया। यह यात्रा एक रोमांचक और शैक्षिक अनुभव था, जिसमें शिक्षकों ने विभिन्न वैज्ञानिक अवधारणाओं को समझाया। छात्रों के लिए यह एक अत्यंत समृद्ध और आनंददायक अध्ययन यात्रा थी।

पूर्व छात्रों के हालिया करियर और शैक्षणिक गतिविधियों पर अद्यतन जानकारी

हाल ही में, और अतीत में, हमारे स्कूल के कई छात्रों ने अपनी 12वीं कक्षा पूर्ण की है तथा अब वे निम्नलिखित मार्ग अपना रहे हैं:

1. कुमारी सना वर्तमान में एक पार्लर में मेकअप आर्टिस्ट के रूप में कार्य किये जाने का प्रशिक्षण ले रही हैं।
2. कुमारी प्रियंका पाल ट्रेंड्स स्टोर, रुड़की में कार्यरत हैं।
3. कुमारी सरला मेथोडिस्ट डिग्री कॉलेज, रुड़की में अपनी स्नातक (बीए) की पढ़ाई कर रही हैं।
4. कुमारी मानवी राणा कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, रुड़की में अपना स्नातकोत्तर (एमबीए) पूर्ण कर रही हैं।
5. श्री ओम बंसल आईआईटी रुड़की, अनुश्रुति एकेडमी फॉर द डेफ में कला शिक्षक के रूप में कार्यरत हैं।

1. कुमारी सना (बाईं ओर)

2. कुमारी प्रियंका पाल

3. कुमारी सरला (लाल तीर से चिह्नित)

4. कुमारी मानवी राणा

5. श्री ओम बंसल

फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता

26 अक्टूबर, 2024 को, तीन उत्साही अनुश्रुति एकेडमी फॉर द डेफ छात्रों-बरीरा, आरव (नर्सरी), और सिदरा (केजी) ने राष्ट्रीय जल विज्ञान संस्थान में एक फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता में भाग लिया। उनकी रचनात्मकता और उत्साह सराहनीय था, जिसके लिए उन्हें भागीदारी प्रमाण पत्र मिले। इस कार्यक्रम के मजेदार माहौल ने उनके आत्मविश्वास को बढ़ाया, हमें उनकी उत्साहपूर्ण भागीदारी पर गर्व है।

दिव्य कला मेला-मेगा प्रदर्शनी तथा जॉब मेला

19 दिसंबर, 2024 को, हमारे छात्रों तथा स्टाफ ने भारत सरकार द्वारा इंडिया गेट, नई दिल्ली में आयोजित जॉब फेयर और प्रदर्शनी में उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस कार्यक्रम से मूल्यवान करियर एक्सपोजर, नेटवर्किंग अवसर और इंटरैक्टिव कार्यशालाओं का लाभ मिला। आइडिया, अमेज़न व फिलिपकार्ट जैसी प्रसिद्ध कंपनियों ने उपस्थित लोगों के साथ जुड़कर करियर के बारे में समझ प्रदान की| सभी प्रतिभागियों के लिए यह अनुभव उत्साह वर्धक और प्रेरक था।

उन्नत भारत अभियान (यू बी ए)

यह मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार की एक प्रमुख पहल है, जिसका उद्देश्य उच्च शिक्षा संस्थानों की सक्रिय भागीदारी के माध्यम से ग्रामीण भारत में परिवर्तनकारी बदलाव लाना है। इस पहल के अंतर्गत, आईआईटी रुड़की ने हरिद्वार जिले के पाँच गाँवों, बेलड़ी-साल्हापुर, गोपालपुर, रिठौरा ग्रंट, मीरपुर-मुवाज़रपुर और पूरनपुर, को गोद लिया है | ये गाँव आकार, जनसंख्या तथा सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि में अलग-अलग हैं, किन्तु इनकी कृषि, आजीविका और ग्रामीण विकास से संबंधित चुनौतियाँ एक जैसी हैं। उन्नत भारत अभियान पहल, इन गांवों में, सतत प्रथाओं (स्स्टेनेबल प्रेक्टिसेज), क्षमता निर्माण (केपेसिटी बिल्डिंग) तथा उद्यमशीलता सहायता (एंट्रीप्रीनोरियल सपोर्ट) के माध्यम से, जीवन गुणवत्ता के सुधार हेतु छात्रों व शिक्षकों के तकनीकी ज्ञान व अभिनव क्षमताओं का लाभ उठाये जाने पर केंद्रित है | प्रत्येक गाँव, प्रभावशाली ग्रामीण विकास मॉडलों के प्रयोग (पाइलटिंग) एवं कार्यान्वयन हेतु, अपने-आपको आदर्श बनाते हुये, सामुदायिक कार्य के विशिष्ट अवसर प्रस्तुत करता है।

मोमबत्ती निर्माण पहल

उन्नत भारत अभियान (यू बी ए) के अंतर्गत, कौशल विकास व आय सृजन के माध्यम से महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा दिये जाने हेतु, पाँच गाँवों- बेलडी, गोपालपुर, मीरपुर, रिठौरा-ग्रंट और पूरनपुर में मोमबत्ती निर्माण की पहल शुरु की गई। विगत वर्ष की सफलता के आधार पर, स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने सजावटी मोमबत्तियों में निवेश, उत्पादन, प्रबंधन और बिक्री करके इस पहल का नेतृत्व किया। उन्होंने प्रशिक्षण प्राप्त किया, थॉम्सो व दिवाली जैसे आयोजनों में अपने उत्पाद बेचे, कई ऑर्डर पूरे किए और मुनाफ़ा कमाया। इस परियोजना ने उद्यमशीलता को बढ़ावा दिया, आत्मविश्वास बढ़ाया तथा सामुदायिक सहयोग को प्रोत्साहित किया। स्टॉलों के प्रबंधन व वित्त में महिलाओं के बढ़े हुये स्वामित्व ने आत्मनिर्भरता की ओर बदलाव को चिह्नित किया। अपनी दीर्घकालिक संभावनाओं को उजागर करते हुये यह पहल टिकाऊ व असर कारक दोनों साबित हुई।

एलोवेरा जैल निर्माण

उन्नत भारत अभियान के अंतर्गत शुरु की गई एलोवेरा जैल की पहल का उद्देश्य एलोवेरा की खेती और जैल उत्पादन के माध्यम से स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को सशक्त बनाकर उनकी स्थायी आजीविका को बढ़ावा दिया जाना है। पर्यावरण-अनुकूल उद्यमिता को बढ़ावा दिये जाने हेतु डिज़ाइन की गई यह परियोजना सतत खेती को प्रोत्साहित करते हुए आय का एक वैकल्पिक स्रोत प्रदान करती है। पूरनपुर और रिठौरा में महिलाओं की सकारात्मक प्रतिक्रिया के बाद, एलोवेरा के 275 पौधे रियायती दरों पर वितरित किए गए। यह पहल आत्मनिर्भरता, कृषि जागरूकता और दीर्घकालिक सामुदायिक विकास को बढ़ावा देती है।

आत्मरक्षा प्रशिक्षण शिविर

आईआईटी रुड़की द्वारा उन्नत भारत अभियान (यूबीए) पहल के एक भाग के रूप में, डालूवाला गांव के वरिष्ठ माध्यमिक सरकारी स्कूल में आत्मरक्षा प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया। कक्षा 6 से 12 तक की 80 से अधिक लड़कियों ने इसमें, आत्मविश्वास वृद्धि तथा सुरक्षा सुनिश्चित किए जाने हेतु आवश्यक आत्मरक्षा कौशल सीखते हुये, भाग लिया। इस सत्र का नेतृत्व आईआईटी रुड़की के प्रशिक्षक श्री अभिषेक के द्वारा अपने छात्रों के सहयोग से किया गया। इस पहल ने ग्रामीण समुदायों में सशक्तिकरण, सुरक्षा व कौशल विकास के लिए उन्नत भारत अभियान की प्रतिबद्धता को उजागर किया।

Total girls participated in self defence camp

कंगन निर्माण पहल

आईआईटी रुड़की द्वारा उन्नत भारत अभियान के एक भाग के रूप में, ग्रामीण महिलाओं को एक सरल, रचनात्मक तथा कम निवेश वाली गतिविधि के माध्यम से सशक्त बनाये जाने हेतु कंगन निर्माण पहल की शुरुआत की गई। व्यवहार्यता तथा बाजार संभाव्यता का आकलन किए जाने के बाद, उत्साही भागीदारी के साथ परियोजना को लॉन्च किया गया। महिलाओं द्वारा तैयार किए गए कंगन थोमसो'24 में बेचे गए, जिससे महिलाओं को आय व पहचान मिली। इस पहल का उद्देश्य कौशल को बढ़ाना, आत्मविश्वास वृद्धि तथा स्थायी आजीविका में सहायता किया जाना था।

Ms Kumkum describing all the varieties of bracelets to be made.

राल कला (रेजिन आर्ट) पहल

उन्नत भारत अभियान के अंतर्गत राल कला पहल की शुरुआत की गई। इस पहल का उद्देश्य मीरापुर और रिठौरा गांव के स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को रचनात्मक कौशल से युक्त करके उन्हें बाजार में बिक सकने योग्य राल आधारित उत्पाद निर्माण हेतु सशक्त किया जाना है। राल कला में रंग तथा सजावट मिश्रित एपॉक्सी राल का उपयोग करके आभूषण, कोस्टर तथा भीत- सज्जा जैसी अनूठी, टिकाऊ वस्तुएं बनाई जाती हैं। वैयक्तिक रुझानों, सोशल मीडिया अपील तथा उपहार बाजार द्वारा संचालित बढ़ती मांग के साथ, राल कला एक उच्च-मार्जिन, टिकाऊ व्यवसाय मॉडल प्रदान करती है। इसके लिये वांछित सामग्रियों में राल, रंग, सांचे, उपकरण व संरक्षा सामाग्री शामिल हैं। उत्पादों को ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म, स्थानीय बाज़ारों, आईआईटी रुड़की परिसर आउटलेट तथा सरस मेला जैसे आयोजनों के माध्यम से बेचा जा सकता है।

विविधता और समावेश समिति (डिन सी)

आईआईटी रुड़की के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स ने 8 मार्च, 2022 को अपनी 64वीं बैठक में विविधता और समावेश समिति (डिन सी) की स्थापना को मंजूरी दी। डिन सी के उद्देश्य संस्थान की संस्कृति को समृद्ध किया

जाना, संकाय, गैर-संकाय और छात्रों के बीच जुड़ाव को सुदृढ़ किया जाना तथा विविध प्रतिभाओं को आकर्षित किया जाना है। इस समिति में विभिन्न विभागों के संकाय, गैर-संकाय, तकनीकी और प्रबंधन पेशेवरों के साथ-साथ राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय छात्र प्रतिनिधि शामिल हैं। "विविधता और समावेश के माध्यम से उत्कृष्टता को बढ़ावा देना" के आदर्श वाक्य के अंतर्गत संचालित, यह पहल एक समावेशी वातावरण बनाये जाने हेतु आईआईटी रुड़की के समर्पण को दर्शाती है जहाँ प्रत्येक व्यक्ति के योगदान को मान्यता और महत्व दिया जाता है। सक्रिय प्रयासों के माध्यम से, डिन सी का उद्देश्य संस्थान के भीतर अकादमिक उत्कृष्टता और सामाजिक सामंजस्य दोनों को मजबूत करते हुए सम्मान, समझ और सहयोग को बढ़ावा दिया जाना है।

शैक्षणिक वर्ष 2024-25 में, विविधता और समावेश समिति (डिन सी) ने आईआईटी रुड़की समुदाय में विविधता और समावेश की संस्कृति को बढ़ावा दिये जाने के उद्देश्य से विभिन्न प्रकार की इंटरैक्टिव गतिविधियाँ और जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किए।

विवरण इस प्रकार हैं:

i. अगस्त 2024 और जनवरी 2025 में आईआईटी रुड़की के स्नातक, स्नातकोत्तर और पीएचडी छात्रों के लिए विविधता और समावेश पर अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिसमें विभिन्नताओं को अपनाने और समावेशिता को बढ़ावा दिये जाने के महत्व पर जोर दिया गया।

ii. एस ए ए डी आर आई, हिंदी प्रकोष्ठ तथा क्राई आईआईटी रुड़की के सहयोग से डिन सी ने स्कूली छात्रों को आपदाओं, भेद्यताओं व जोखिमों के बारे में शिक्षित किये जाने हेतु 11 मई 2024 को एक स्कूल सुरक्षा कार्यक्रम का आयोजन किया। आस–पास के स्कूलों के, कक्षा 6 से 9 तक के, लगभग 70 छात्रों ने इस पहल में भाग लिया। कार्यक्रम में आपदा तैयारियों के बारे में जागरुकता बढ़ाये जाने पर ध्यान केंद्रित किया गया तथा छात्रों को आपदा जोखिम न्यूनीकरण हेतु सेंडाई फ्रेमवर्क (एसएफ़डीआरआर) के लक्ष्यों और प्राथमिकताओं से परिचित कराया गया। हीट वेव, जल प्रबंधन और अग्नि सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विशेष व्याख्यान तथा इंटरैक्टिव सत्र आयोजित किए गए। इसके अतिरिक्त, आईआईटी रुड़की अग्नि संरक्षा विभाग ने बचाव विधियों का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया, जिसमें छात्रों को विभिन्न अग्निशमन यंत्रों और अग्निशमन उपकरणों को उपयोग किये जाने का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त हुआ। इस मनोहर और सूचनाप्रद कार्यक्रम के माध्यम से, छात्र आकस्मिकताओं से बेहतर ढंग से निपटने के लिए आवश्यक संरक्षा ज्ञान एवं कौशल से युक्त हुये|

iii. परिसर में विविधता और समावेशिता को बढ़ाने के अवसरों की पहचान किये जाने हेतु डिन सी ने अगस्त 2024 में छात्रों एवं स्टाफ की मूल्यवान प्रतिसूचना (फीड बैक) एकत्र किए जाने के लिए एक विस्तृत विविधता और समावेश सर्वेक्षण आयोजित किया| अपेक्षाकृत एक बड़ा परिप्रेक्ष्य प्राप्त किये जाने हेतु, सर्वेक्षण को यह सुनिश्चित किये जाते हुये कि परिसर समुदाय के सभी वर्गों की आवाज़ सुनी गई है, आईआईटी रुड़की के अंदर असंगठित जनशक्ति स्टाफ तक आगे बढ़ाया गया| इस पहल का लक्ष्य मौजूदा समावेशिता परिदृश्य का आकलन किया जाना तथा सभी के लिए एक स्वागत योग्य और न्यायसंगत वातावरण के परिपोषण हेतु अधिक प्रभावी रणनीतियां विकसित किये जाने की समझ एकत्रित किया जाना था।

iv. 23 अक्टूबर, 2024 को डिन सी ने दुनिया भर की प्रतिभाओं को प्रदर्शित करने वाले एक जीवंत कार्यक्रम " सांस्कृतिक चौराहा, जहाँ वैश्विक विविधता का अद्वितीय क्षमताओं से मिलन होता है (कल्चरल क्रॉसरोड, वेयर ग्लोबल डाइवर्सिटी मीट्स यूनीक एबिलिटीज़) "की सगर्व मेजबानी की। यह दर्शनीय कार्यक्रम पारंपरिक नृत्यों, संगीत प्रदर्शनों और कलात्मक अभिव्यक्तियों का एक समिश्रण था, जिससे सांस्कृतिक विविधता और एकता के एक अविस्मरणीय उत्सव का सृजन हुआ। आकर्षक प्रदर्शनों की एक श्रृंखला के साथ, समावेशिता की भावना को

बढ़ावा देते हुए इस कार्यक्रम ने वैश्विक परंपराओं की समृद्धि को उजागर किया। आदर एवं आपसी प्रशंसा के मूल्यों को सुदृढ़ करते हुये कल्चरल क्रॉसरोड ने छात्रों को विविध प्रतिभाओं और दृष्टिकोणों से जुड़ने के लिए एक मंच के रूप में कार्य किया| राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय छात्रों की उत्साहपूर्ण प्रतिभागिता ने संस्थान की विविधता और समावेश के लिए प्रतिबद्धता को और सुदृढ़ करते हुये इस पहल को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई | इस तरह की पहलों के माध्यम से, आईआईटी रुड़की एक ऐसा समावेशी और न्यायसंगत वातावरण बनाये जाने के अपने विजन की अनवरतता को बनाए हुये है जहाँ प्रत्येक व्यक्ति की अनूठी क्षमताओं और सांस्कृतिक विरासत को महत्व दिया जाता है और उसका आनंद उठाया जाता है |

V. डिन सी ने 17-19 जनवरी 2025 को आई आर एम यू एन सोसायटी द्वारा आयोजित आईआईटी रुड़की मॉडल यूनाइटेड नेशंस कार्यक्रम मुनार्की'25 में सहयोग किया। "कूटनीति का शासन (रेन ऑफ डिप्लोमेसी)" थीम वाले इस कार्यक्रम ने छात्रों के सभा में बोलने, शोध तथा सौदेबाजी के कौशल को बढ़ाते हुये, उन्हें यूएन-शैली की बहसों में शामिल होने का एक मंच प्रदान किया। इस कार्यक्रम की विशेषता 'छात्र संसद' थी, जो शिक्षा, स्वच्छता और उचित कृषि मूल्य निर्धारण जैसे जमीनी मुद्दों को संबोधित किये जाने के लिए आस-पास के गांवों के युवाओं को सशक्त बनाने वाला एक सामाजिक सम्मेलन था। कार्यक्रम में हाशिए के समुदायों हेतु समान अवसर मानदंडों के पुनर्मूल्यांकन पर अखिल भारतीय हितधारक बैठक (एआईएसएम) तथा युद्ध प्रभावित क्षेत्रों में महिलाओं व अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा पर संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार आयोग (यूएनएचआरसी) सत्र भी शामिल था। आई आर एम यू एन के साथ साझेदारी में आयोजित , मुनार्की'25 ने कूटनीति, समावेशिता और युवा सशक्तिकरण को सुदृढ़ किये जाते हुये वैश्विक तथा सामाजिक मुद्दों पर सार्थक चर्चाओं को बढ़ावा दिया, साथ ही छात्रों को आवश्यक नेतृत्व कौशल से युक्त किया।

vi. डिन सी ने 27 जनवरी से 9 फरवरी तक विरासत का आयोजन किये जाने में स्पिक मैके आईआईटी रुड़की का भी सहयोग किया | यह वार्षिक उत्सव भारत की समृद्ध विरासत और सांस्कृतिक परंपराओं को संरक्षित किये जाने तथा उन्हें बढ़ावा दिये जाने हेतु समर्पित है। इस जीवंत उत्सव के भाग के रूप में, प्रतिभागियों को भारत की कलात्मक और सांस्कृतिक विरासत के साथ गहरा जुड़ाव प्रदान किये जाते हुये कार्यशालाओं और प्रदर्शनों की एक विविधतापूर्ण श्रृंखला आयोजित की गई | उत्सव में कठपुतली, कर्नाटक वायलिन तथा कोडियट्टम पर आकर्षक सत्र के साथ-साथ एक मंत्रमुग्ध कर देने वाला सितार वादन भी शामिल था। इसके अतिरिक्त, एक प्रतिष्ठित मूवी स्क्रीनिंग ने सिनेमाई विरासत को प्रदर्शित किया, जबकि एक वार्ता सत्र और समग्र खाद्य महोत्सव ने पारंपरिक बुद्धिमत्ताव आरोग्य प्रथाओं की समझ प्रदान की। विरासत 25 के माध्यम से भारत की विविध कलात्मक परम्पराओं को जानने एवं उनका

आनंद उठाये जाने हेतु संकाय एवं छात्रों के लिए एक तल्लीनता प्रदान करने वाले मंच का सृजन करते हुये आईआईटी रुड़की ने सांस्कृतिक अभिमूल्यन तथा समावेशिता के पोषण हेतु अपनी प्रतिबद्धता को सुदृढ़ किया

अस्मिता (एक कौशल प्रबंधन, सुधार तथा प्रशिक्षण अकादमी|

महिला स्शक्तिकरण । अवसर सृजन ।

अस्मिता केवल एक प्रशिक्षण केंद्र नहीं है - बल्कि महिलाओं की प्रगति और सशक्तिकरण का प्रतीक है। खास परिसर में ही स्थित यह अकादमी महिलाओं, विशेषत: वंचित पृष्ठभूमि से आने वाली महिलाओं को सार्थक रोज़गार के ज़रिए आर्थिक स्वतंत्रता हासिल करने में मदद करके उनके उत्थान हेतु समर्पित है। अस्मिता में, हर व्यक्ति की ज़रूरतों के हिसाब से कौशल विकास किया जाता है:

- **कुशल महिलाओं और लड़कियों** को संबंधित नौकरी के अवसरों से जोड़ा जाता है।
- **अर्ध-कुशल व्यक्ति** अपनी योग्यताएँ बढ़ाने तथा परिष्कृत किए जाने पर केंद्रित प्रशिक्षण प्राप्त करते हैं।
- **शुरुआती लोगों को** अपना आत्मविश्वास और विशेषज्ञता बनाने का साधन प्रदान करते हुये सिलाई, कढ़ाई तथा विभिन्न हस्तशिल्प की मूल बातें बताई जाती हैं|

प्रत्येक कक्षा तथा प्रत्येक पड़ाव पर, अस्मिता उज्जवलतर भविष्यों को आकार दे रही है। व्यावसायिक प्रशिक्षण से इतर, अस्मिता, हाशिए पर रहने वाली महिलाओं, लड़कियों और लड़कों को मुफ़्त शिक्षा देकर सहानुभूति के साथ अपने मिशन को आगे बढ़ाती है। इस पहल ने अकादमिक प्रदर्शन और व्यक्तिगत विकास दोनों में उल्लेखनीय प्रगति की है। स्कूल के शिक्षकों के अनुसार, सभी बच्चों ने पाठ्येतर गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग ले कर तथा अधिक आत्मविश्वासी व अभिव्यक्तिशील बन कर प्रभावशाली सुधार दिखाया है।

वयस्क साक्षरता अनुभाग

वयस्क साक्षरता अनुभाग 2013 से, नियमित कक्षाएं संचालित कर रहा है, जिसमें मुख्य रूप से 30 से 50 वर्ष आयु की ऐसी महिलाएं शामिल होती हैं, जो आधारभूत साक्षरता कौशल सीखना चाहती हैं। पिछले कुछ वर्षों से, नामांकन में लगातार वृद्धि हुई है, जिसमें परिसर समुदाय के विभिन्न भागों की महिलाएं शामिल हो रही हैं। वर्तमान में, पंजीकृत छात्रों के लिए प्रति माह आठ बार कक्षाएं आयोजित की जाती हैं।

शैक्षणिक वर्ष 2024-2025 में, इस कार्यक्रम में उत्साहजनक प्रगति दिखाई दी। इस वर्ष पाँच छात्र नामांकित हैं, जिनमें से सभी पाठ्यक्रम से सक्रिय रूप से जुड़े हुये हैं।

इस वर्ष के फोकस की मुख्य बातें निम्नलिखित हैं:

- प्रवाह एवं आत्मविश्वास में सुधार के लिए छोटे पैराग्राफ और कहानियों को जोर से पढ़ने पर जोर।
- वर्णमाला पहचान में निरंतर अभ्यास।
- हिंदी में उल्लेखनीय सुधार के साथ पढ़ने, लिखने और सस्वर पाठ गतिविधियों में नियमित भागीदारी।
- लिखित संचार कौशल को बढ़ाने के लिए हिंदी में अनौपचारिक पत्र लेखन की शुरुआत।
- छात्र अपनी साक्षरता यात्रा में लगातार अभ्यास कर रहे हैं तथा विकास का प्रदर्शन कर रहे हैं।

अध्यापन अनुभाग

नया अध्यापन सत्र 15 अप्रैल 2024 को शुरु हुआ।

उसी परिसर में एक नया क्लासरुम बनाया गया, जिसमें 2 कंप्यूटर, एक प्रिंटर, स्क्रीन वाला एक प्रोजेक्टर और सभी आवश्यक फर्नीचर

मौजूद थे। अध्यापन तथा अधिगम (लर्निंग) के पूरे अनुभव को और भी आरामदायक बनाये जाते हुये नए एयर कंडीशनर भी लगाए गए, जिससे औसतन, कक्षा में लगभग 22 छात्र थे, और उन्होंने अपनी पढ़ाई तथा समग्र समझ दोनों में अद्भुत प्रगति दिखाई है।"

उपहार, सिलाई, मसाला और डोसा बैटर अनुभाग

कुशन कवर, टेबल रनर, बैग, ज्वेलरी किट और साड़ी कवर जैसी वस्तुओं को पेश करते हुये उपहार अनुभाग अपने हस्तनिर्मित उत्पादों की श्रेणी का विस्तार करना जारी रखता है | हाल ही में जोडे गये- खूबसूरती से चित्रित कोस्टर्स- को अच्छी तरह से लिया गया और यह संग्रह में एक रचनात्मक स्पर्श जोड़ता है।

मसाला अनुभाग में, होली के त्योहार हेतु बनाए गए विशेष हर्बल रंग सहित विभिन्न प्रकार के मसाला मिश्रण सावधानी से तैयार किए जाते हैं | इन उत्पादों ने अपनी गुणवत्ता और प्रामाणिकता के लिए आईआईटी परिसर के भीतर और बाहर दोनों जगह लोकप्रियता हासिल की है।

इस बीच, डोसा बैटर अनुभाग लगातार साप्ताहिक आधार पर ताजा, उच्च गुणवत्ता वाला डोसा बैटर तैयार करता है। अपने स्वाद तथा बनावट के लिए प्रसिद्ध, यह ग्राहकों का पसंदीदा बना रहता है।

व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों से , अर्ध-कुशल लोगों को अपनी क्षमताओं को बढ़ाने का मौका मिलता है, जबकि बिना किसी अनुभव वाले लोग सिलाई, कढ़ाई और अन्य शिल्प की मूल बातें सीखते हैं। कुछ तो यहाँ तक सोचते हैं की प्रशिक्षण समाप्त करने के बाद वे अपना खुद का बुटीक खोलेंगे!

श्री प्रमित गुप्ता (अमेरिका) द्वारा ₹1,01,802.49 का उदारता पूर्वक दिया गया दान अस्मिता के बुनियादी ढांचे में सुधार और इसकी सुविधाओं के विस्तार हेतु समर्पित है।

प्रमाणपत्र वितरण

नेल आर्ट कार्यशाला

अध्यापन अनुभाग में बाहर से आये परीक्षक को मोमेंटों

सिलाई अनुभाग के छात्र

संस्थान लेखा

तुलन पत्र का सार
कुल आय एवं व्यय का सार
एमओई व्ययों का विवरण
अन्य लेखों का विवरण

- प्रायोजित अनुसंधान परियोजनाएँ
- परामर्श एवं परीक्षण परियोजनाएँ
- सामान्य समग्र निधि
- अक्षय निधि
- अनुदान प्राप्त हुए
- भारत सरकार से प्राप्त अनुदान/सहायता
- संगोष्ठी एवं सम्मेलन से प्राप्तियाँ

दिनांक 31 मार्च 2025 के तुलन पत्र का सार

धनराशि रुपयों में

निधि स्रोत	अनुसूची	चालूवर्ष	पिछला वर्ष
समग्र निधि	1	5,36,82,80,654	4,33,56,34,026
नामित/निश्चित/अक्षय निधि	2	9,22,89,57,648	7,84,74,95,795
चालू देयताएं व प्रावधान	3	23,99,48,59,858	22,48,20,89,659
जमानती ऋण	3A	2,62,30,57,712	2,58,81,69,126
कुल		**41,21,51,55,872**	**37,25,33,88,606**
निधियों का अनुप्रयोग	**अनुसूची**	**चालूवर्ष**	**पिछला वर्ष**
स्थिर परिसंपत्तिया	4		
मूर्त परिसंपत्तिया		19,23,60,27,337	18,58,04,45,453
अमूर्त परिसंपत्तिया पूंजीगत कार्य प्रगति पर है		7,75,13,562	14,64,38,793
निश्चित/अक्षय निधि से निवेश	5	4,73,77,57,503	3,54,53,81,699
दीर्घकालिक		7,50,40,65,178	6,56,64,46,185
अल्पअवधि			
निवेश - अन्य	6	3,13,04,45,203	3,21,69,45,203
चालू परिसंपत्तिया	7	4,70,94,12,554	3,33,98,87,821
ऋण, अग्रिम एवं जमा	8	1,81,99,34,535	1,85,78,43,451
कुल		**41,21,51,55,872**	**37,25,33,88,606**

कुल आय एवं व्यय के विवरण का सार 2024-2025

(लाख रुपयों में)

लेखा शीर्ष	रोकड़ शेष	प्राप्तियां	अन्य प्राप्तियां	कुल उपलब्ध निध	वर्ष के दौरान व्यय
एमओई मुख्य खाता/टीएसए	0.00	82515.03	3109.97	85625.00	85625.00
पीएम रिसर्च फेलोशिप	0.00	1852.13	0.00	1852.13	1852.13

(लाख रुपयों में)

लेखा शीर्ष	रोकड़ शेष	प्राप्तियां	अन्य प्राप्तियां	कुल उपलब्ध निधि	वर्ष के दौरान
आसियान फेलोशिप	0.00	35.77	0.00	35.77	35.77
मिश्रित (यू.जी.सी.)	10.61	0.00	18.09	28.70	0.71
सीएसआईआर	41.05	4.68	0.80	46.53	27.71
शुल्क	1436.11	0.00	17917.99	19354.10	15917.09
बीआरपी	380.02	0.00	806.35	1186.37	693.58
राष्ट्रीय छात्रवृति	237.09	817.66	8.19	1062.94	836.33
भारत सरकार	255.44	153.94	205.69	615.07	397.72
कुल	**3268.89**	**80053.87**	**24688.63**	**99401.08**	**105651.06**

एमओई व्यय का विवरण

(लाख रुपयों में)

क्र. सं.	लेखा शीर्ष	व्यय 2024-25
1.	**उपकरण**	
(i)	पुराने हो चुके उपकरणों को बदला जाना तथा प्रयोगशालाओं का आधुनिकीकरण	7375.15
(iii)	कार्यालय उपकरण/स्वचालन	942.95
2.	**कंप्यूटर सुविधाओं का उन्नतकरण**	177.69
3.	**नेटवर्किंग एवं बहुगतिविधि सुविधाओं का उन्नयन**	2394.64
4.	**पुस्तकालय का सुदृढीकरण**	746.34
5.	**भवनों का नवीनीकरण/ विस्तार (सहायक सेवाओं सहित)**	
(i)	फर्नीचर- (छात्रावास, विभाग, प्रशासनिक कार्यालय आदि हेतु)	518.71
(ii)	एसटीसी और डीआईए	95.55
(iii)	शौचालयों का नवीनीकरण/आधुनिकीकरण कार्य	353.42
(iv)	हिमालयन भवन हेतु रसोई उपकरण	259.89
(v)	लिफ्टों का एसआईटीसी	48.28
(vi)	प्रशासनिक भवन का निर्माण	819.00
(vii)	अन्य नवीनीकरण/आधुनिकीकरण कार्य	486.81
(viii)	आईआईटीआर के विभाग, आवास एवं छात्रावास में जलरोधक कार्य	196.37
(ix)	नया छात्रावास विज्ञान कुंज रुड़की (ईडब्ल्यूएस)	1240.00
(x)	आईआईटीआर के जेम्स थॉमसन भवन का नवीनीकरण	30.04
(xi)	रुड़की/सहारनपुर परिसर हेतु सड़क	67.93
(xii)	विभागों का नवीनीकरण	576.80
(xiii)	रुड़की एवं सहारनपुर परिसर में संकायों हेतु ए.सी.	450.11
(xiv)	क्रीड़ा संबंधित कार्य	64.44
(xv)	मेहता फैमिली स्कूल डीएस एंड एआई	489.00
(xvi)	व्हील चेयर लिफ्ट	45.14

(लाख रुपयों में)

क्र. सं.	लेखा शीर्ष	व्यय 2024-25
(xvii)	अतिथि गृह का नवीनीकरण	4.98
(xviii)	ग्रेटर नोएडा	15.84
	कुल	**17399.08**
6.	**संस्थापन सेवाएं व्यय**	
(i)	वेतन एवं भत्ता	25465.20
(ii)	ओवरटाइम भत्ते एवं मानदेय	2.52
(iii)	एल.टी.सी	222.32
(iv)	संतान शिक्षा भत्ता	165.73
(v)	चिकित्सा व्यय	934.51
(vi)	संकाय विकास हेतु भत्ता (पीडीए)	557.57
(vii)	प्रतिपूर्ति (टेली-इंटरनेट)	79.46
(viii)	सेवानिवृत्ति लाभ	2567.71
	कुल	**299,95.02**
7.		
(i)	विभागीय संचालन लागत	2794.81
(ii)	आकस्मिकता	362.72
(iii)	छात्रों की सुविधाएं /पाठ्यक्रम/अन्य शैक्षिक व्यय	719.09
8.	**सहायतावृत्ति/अध्येतावृत्ति/मेरिट-कम-मीन्स**	**9233.01**
9.	**अनुरक्षण व्यय**	
(i)	विद्युत एवं परिसंपत्ति अनुरक्षण	1604.24
(ii)	जल विद्युत व ईंधन/विद्युत	2688.10
(iii)	संपत्ति कर	26.89
(iv)	उपकरणों/फर्नीचर/वाहनों की मरम्मत एवं अनुरक्षण	3023.41
10.	**अन्य व्यय**	**1158.93**
11.	**पेंशन एवं पेंशन संबंधी लाभ**	**9904.14**
12.	**आउटसोर्सिंग प्रशासन व संपदा, सुरक्षा**	**5283.77**
13.	**एचईएफए ब्याज का भुगतान**	**1431.79**
	कुल	**38230.90**
	कुल योग	**856,25.00**

अन्य लेखों का विवरण

सामान्य समग्र निधि

(लाख रुपयों में)

विवरण	धनराशि
प्रारंभिक शेष (एफडीआर सहित)	510,62.49
प्राप्तियां/विभिन्न लेखों से स्थानांतरित	62,82.98
भुगतान (ऋण सहित)	12,49.84
अंतिम शेष (एफडीआर सहित)	560,95.63

अक्षय निधि

(लाख रुपयों में)

विवरण	धनराशि
प्रारंभिक शेष (एफडीआर सहित)	97,57.16
प्राप्तियां/विभिन्न लेखों से स्थानांतरित	68,95.65
भुगतान (ऋण सहित)	32,65.42
अंतिम शेष (एफडीआर सहित)	133,87.39

दान प्राप्तियाँ

(लाख रुपयों में)

योजना/ कार्यक्रम	प्राप्त धनराशि
दान प्राप्तियां	61,02.42
कुल	**61,02.42**

भारत सरकार से प्राप्त अनुदान/सहायता

(लाख रुपयों में)

योजना/ कार्यक्रम	प्राप्त धनराशि
एसटीएसी	98.04
ईसीएमआर	13.32
ईडीसीआईएल	
डीबीटी	42.58
अन्य	205.69
कुल	**359.63**

मुख्य संरक्षक एवं संरक्षक/संकाय सलाहकार

आजाद भवन	प्रो. एस. पी. प्रधान (मुख्य संरक्षक) प्रो. रितेश कुमार (संरक्षक) प्रो. विश्वेन्द्र सिंह पूनिया (स्वास्थ्य, संरक्षक)
कॉटले भवन	प्रो. तरुण शर्मा (मुख्य संरक्षक) प्रो. आशुतोष शर्मा (संरक्षक) प्रो. रिद्म सिंह (स्वास्थ्य संरक्षक)
गंगा भवन	प्रो. अंकिक कुमार गिरि (मुख्य संरक्षक) प्रो. दीपक कुमार ओझा (संरक्षक) प्रो. रिदम सिंह (स्वास्थ्य. संरक्षक)
गोविन्द भवन	प्रो. बिष्णु प्रसाद दास (मुख्य संरक्षक) प्रो. नीतेश कुमार (संरक्षक) प्रो. पी. विनोद (स्वास्थ्य. संरक्षक)
जवाहर भवन	प्रो. बसंत यादव (मुख्य संरक्षक) प्रो. नितिन खंडेलवाल (संरक्षक) प्रो. हेमन्त कुमार (स्वास्थ्य. संरक्षक)
हिमालय भवन	प्रो. बसंत यादव (मुख्य संरक्षक) प्रो. नितिन खंडेलवाल (संरक्षक) प्रो. हेमन्त कुमार (स्वास्थ्य. संरक्षक)
कस्तूरबा भवन	प्रो. सरबानी बनर्जी (मुख्य संरक्षक) प्रो. कृतिका कोठारी (संरक्षक) प्रो. सुगंधा महेश्वरी (स्वास्थ्य. संरक्षक)
विज्ञान भवन (छात्राएं)	प्रो. प्रणिता सारंगी (मुख्य संरक्षक) प्रो. स्वास्तिका बनर्जी (संरक्षक) प्रो. इंद्रा गुप्ता (स्वास्थ्य. संरक्षक)
विज्ञान भवन (छात्र)	प्रो. पार्था प्रतिम रॉय (मुख्य संरक्षक) प्रो. अंकित अग्रवाल (संरक्षक) प्रो. विश्वेन्द्र सिंह पूनिया (स्वास्थ्य. संरक्षक)

राधा कृष्णन भवन	प्रो. गौरव शर्मा (मुख्य संरक्षक) प्रो. पीयूष श्रीवास्तव (संरक्षक) प्रो. तरुण गंगवार (स्वास्थ्य. संरक्षक)
राजेन्द्र भवन	प्रो. डी. भरत (मुख्य संरक्षक) प्रो. सौरभ शर्मा (संरक्षक) प्रो. आशीष यादव (संरक्षक) प्रो. हेमन्त कुमार सुमन (स्वास्थ्य. संरक्षक)
राजीव भवन	प्रो. उदय सिंह (मुख्य संरक्षक) प्रो. शमिक बसक (संरक्षक) प्रो. तरुण गंगवार (स्वास्थ्य. संरक्षक)
रविन्द्र भवन	प्रो.अखिलेश कुमार मिश्रा (मुख्य संरक्षक) प्रो. मोहित प्रकाश मोहंती (संरक्षक) प्रो. पी. विनोद (स्वास्थ्य. संरक्षक)
सरोजनी भवन	प्रो. हर्षित सोसन लाकड़ा (मुख्य संरक्षक) प्रो. अपराजिता सिंह (संरक्षक) प्रो. श्रुति सेनगुप्ता (स्वास्थ्य. संरक्षक)
ईडब्लूएस छात्रावस	प्रो. शुभजीत साधुखान (मुख्य संरक्षक) प्रो. अरुणि महापात्रा (संरक्षक)
हिमगिरी अपार्टमेंट्स	प्रो. राम जिवारी
के.आई.एच., ए.एन.के. एवं विवाहितों हेतु छात्रावास (जीपी,एंमआरसी,डीएसबी, आजाद विंग एवं क्यूआरएसटी ब्लाक, विकास नगर)	प्रो. पी.के. शर्मा (मुख्य संरक्षक)
मालवीय भवन एवं इंदिरा भवन, एसआरई परिसर	प्रो. प्रदीप के. माजी (मुख्य संरक्षक) प्रो. कुलजीत कौर (संरक्षक) प्रो. शाम सुंदर (स्वास्थ्य. संरक्षक)

*(सीएचडब्लू)-मुख्य संरक्षक, (डब्लू)-संरक्षक, (वैलनेस. डब्लू)-स्वास्थ्य संरक्षक

संकाय सलाहकार, सांस्कृतिक सोसाइटी/स्पिक मैके/ सिनेमा क्लब	प्रो. राम मनोहर सिंह
संकाय सलाहकार, एनसीसी एवं एनएसएस	प्रो. धर्मेन्द्र प्रताप सिंह
संकाय सलाहकार, हिमालयन एक्सप्लोरर क्लब	प्रो. अजंता गोस्वामी
अध्यक्ष, क्रीड़ा परिषद (आईएससी)	प्रो. नागेंद्र कुमार
संकाय सलाहकार, क्रीड़ा	प्रो. भानु प्रकाश. वेल्लंकी
निदेशक द्वारा नामित	प्रो. सुमित यादव

विभाग प्रमुख

- **प्रो. महुआ मुखर्जी**
  वास्तुकला एवं नियोजन विभाग
- **प्रो. मिली पंत**
  अनुप्रयुक्त गणित एवं वैज्ञानिक संगणन विभाग
- **प्रो. संजय घोष (1.02.2024 से प्रभावी)**
  जैव विज्ञान एवं जैव अभियांत्रिकी विभाग
- **प्रो. प्रसेनजीत मंडल**
  रासायनिक अभियांत्रिकी विभाग
- **प्रो. राम कृष्ण पेद्दिन्ती**
  रसायन विज्ञान विभाग
- **प्रो. नरेंद्र कुमार समाधिया**
  जानपद अभियांत्रिकी विभाग
- **प्रो. आर. बालासुब्रमण्यन**
  कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग
- **प्रो. अपूर्व कुमार शर्मा**
  डिज़ाइन विभाग
- **प्रो. बी. के. माहेश्वरी**
  भूकंप अभियांत्रिकी विभाग
- **प्रो. संदीप सिंह**
  भू - विज्ञान विभाग
- **प्रो. भावेश आर. भालजा**
  विद्युत अभियांत्रिकी विभाग
- **प्रो. संजीव मन्हास**
  इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी विभाग

- **प्रो. स्मिता झा**
  मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विभाग
- **प्रो. सुमित सेन**
  जल विज्ञान विभाग
- **प्रो. संजीव कुमार प्रजापति**
  जल एवं नवीकरणीय ऊर्जा विभाग
- **प्रो. रजत अग्रवाल**
  प्रबंध अध्ययन विभाग
- **प्रो. महेशानंद**
  गणित विभाग
- **प्रो. अक्षय द्विवेदी**
  यांत्रिक एवं औद्योगिक अभियांत्रिकी विभाग
- **प्रो. बी. वी. मनोज कुमार**
  धातुकर्म एवं पदार्थ अभियांत्रिकी विभाग
- **प्रो. कीर्तिराज के. गायकवाड़**
  कागज़ प्रौद्योगिकी विभाग
- **प्रो. अभिजीत मैती**
  बहुलक एवं प्रक्रिया अभियांत्रिकी विभाग
- **प्रो. विपुल रस्तोगी**
  भौतिकी विभाग
- **प्रो. थंगा राज चैल्लया**
  जल संसाधन विकास एवं प्रबंधन विभाग
- **प्रो. संजीव कुमार**
  मेहता फैमिली स्कूल फॉर डेटा साइंस एंड आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एमएफएसडीएसएआई)

- **प्रो. अनबानंदम रमेश**
  परिवहन प्रणाली केंद्र (सीट्रान्स)
- **प्रो. एम. शंकर**
  नैनो प्रौद्योगिकी केंद्र
- **प्रो. सतीश कुमार पेद्दोजू**
  संस्थान कंप्यूटर केंद्र (आईसीसी)
- **प्रो. प्रविंद्र कुमार**
  संस्थान उपकरण केंद्र (आईआईसी)
- **प्रो. अमित धीमान**
  आपदा न्यूनीकरण एवं प्रबंधन उत्कृष्टता केंद्र (सीओईडीएमएम)
- **प्रो. अजय वासन**
  फोटोनिक्स एवं क्वांटम संचार प्रौद्योगिकी केंद्र (सीपीक्यूसीटी)
- **प्रो. सौमित्र सतपथी**
  सतत ऊर्जा केंद्र (सीएफएसई)
- **प्रो. एस.एच. उपाध्याय**
  अंतरिक्ष विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी केंद्र (सीएसएसटी)
- **प्रो. अनिल के. गौरीशेट्टी**
  समग्र उन्नति हेतु भारतीय ज्ञान प्रणाली केंद्र (आईकेएसएचए)
- **प्रो. आशीष पांडे**
  सतत ग्रामीण विकास केंद्र (सीएसआरडी)
- **प्रो. एम. एल. शर्मा**
  अंतर्राष्ट्रीय बांध उत्कृष्टता केंद्र (आईसीईडी)
- **प्रो. करुण रावत**
  सेमीकंडक्टर डिजाइन एवं प्रौद्योगिकी केंद्र (सीएसडीटी)

प्रकाशन सांख्यिकी का विवरण

क्रम सं	विभाग/केन्द्र	पुस्तक/पुस्तक अध्याय	सम्मेलन/पत्रिकाएँ लेख	बौद्धिक संपदा दायर	आईपी स्वीकृत
1	वास्तुकला एवं नियोजन विभाग	0/2	2/21	4	1
2	अनुप्रयुक्त गणित एवं वैज्ञानिक कंप्यूटिंग विभाग	0/0	0/13	0	1
3	जैव विज्ञान एवं जैव अभियांत्रिकी विभाग	1/5	0/123	17	17
4	रासायनिक अभियांत्रिकी विभाग	0/6	0/98	10	5
5	रसायन विज्ञान विभाग	0/6	0/183	11	2
6	जानपद अभियांत्रिकी विभाग	3/7	6/209	7	2
7	संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग	0/2	0/13	15	1
8	डिज़ाइन विभाग	0/1	1/2	4	2
9	भूकंप अभियांत्रिकी विभाग	0/0	0/21	5	5
10	भू - विज्ञान विभाग	0/2	0/62	2	0
11	विद्युत अभियांत्रिकी विभाग	1/3	1/28	16	6
12	इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार विभाग	1/2	0/66	21	5
13	मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विभाग	0/1	0/26	0	0
14	जल विज्ञान विभाग	0/2	1/49	3	0
15	जल एवं नवीकरणीय ऊर्जा विभाग	0/6	0/41	3	0
16	प्रबंध अध्ययन विभाग	0/2	1/56	5	1
17	गणित विभाग	0/2	2/108	0	0
18	यांत्रिक एवं औद्योगिक अभियांत्रिकी विभाग	0/15	0/167	12	6
19	धातुकर्म एवं पदार्थ अभियांत्रिकी विभाग	0/0	1/72	5	0
20	कागज़ प्रौद्योगिकी विभाग	0/0	0/35	6	6
21	बहुलक एवं प्रक्रिया अभियांत्रिकी विभाग	1/8	1/49	14	4
22	भौतिकी विभाग	0/1	5/229	16	7
23	जल संसाधन विकास एवं प्रबंधन विभाग	0/1	0/54	5	1
24	आपदा न्यूनीकरण एवं प्रबंधन उत्कृष्टता केंद्र	0/1	0/3	1	1
25	नैनो प्रौद्योगिकी केंद्र	0/0	0/8	9	4
26	फोटोनिक्स एवं क्वांटम संचार प्रौद्योगिकी केंद्र	0/0	0/0		
27	परिवहन प्रणाली केंद्र	0/1	0/1		
	कुल	7/77	21/1737	191	77

संस्थान

प्रो. कमल किशोर पंत
निदेशक

प्रो उदय प्रताप सिंह
उप निदेशक

प्रो. डी.एस. आर्य
कुलशासक, प्रशासन

प्रो. राहुल देव गर्ग
कुलशासक, संसाधन एवं पूर्व छात्र

प्रो. दीपक खरे
कुलशासक, वित्त एवं नियोजन

प्रो. ए.के. शर्मा
कुलशासक, संकाय मामले

प्रो. अक्षय द्विवेदी
कुलशासक, प्रायोजित अनुसंधान एवं औद्योगिक परामर्श

प्रो. बार्जीव त्यागी
कुलशासक, छात्र कल्याण

प्रो. नवीन नवानी
कुलशासक, शैक्षणिक मामले

प्रो. इंद्रदीप सिंह
कुलशासक, इन्फ्रास्ट्रक्चर

विमल चंद्र श्रीवास्तव
कुलशासक, अंतर्राष्ट्रीय संबंध

प्रो. सुजय चट्टोपाध्याय
कुलशासक, सहारनपुर परिसर

श्री प्रशांत गर्ग
कुलसचिव

श्री जी. के. रस्तोगी
वित्त अधिकारी

वित्त समिति

पद्म श्री डॉ. बी .वी.आर. मोहन रेड्डी अध्यक्ष, अभिशासक परिषद, भा.प्रौ.सं. रुड़की एवं कार्यकारी अध्यक्ष साइएंट लिमिटेड हैदराबाद	अध्यक्ष
प्रो. के .के पंत निदेशक, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की	सदस्य
सदस्य अतिरिक्त. सचिव (टीई), भारत सरकार, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार उच्च शिक्षा विभाग, नई दिल्ली	सदस्य
प्रधान सचिव हरियाणा सरकार तकनीकी शिक्षा विभाग, चंडीगढ़	सदस्य
प्रो. यू. पी. सिंह रसायन विज्ञान विभाग भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की	सदस्य
कुलशासक, वित्त एवं नियोजन, (पदेन) भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की	सदस्य
श्री प्रशांत गर्ग कुलसचिव, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की	सचिव

भवन एंव कार्य समिति

प्रो. के .के. पंत निदेशक, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की	अध्यक्ष
प्रो. यू. पी. सिंह रसायन विज्ञान विभाग भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की	सदस्य
कुलशासक, इंफ्रास्ट्रक्चर भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की	सदस्य
श्री सुरेंद्र सिंह पूर्व अपर महानिदेशक, सी.पी.डब्लू.डी. फ्लैट न0 बी604, प्रिंस अपार्टमेंट 54 आईपी एक्सेंटेशन, पतपरगंज, दिल्ली-110092	सदस्य
श्री राकेश गुप्ता पूर्व वरिष्ठ कार्यकारिणी निदेशक, एनबीसीसी (इंडिया लिमिटेड). बी-603 विद्युत अपार्टमेंट प्लाट एन 81 आईपी एक्सेंटेशन पतपरगंज दिल्ली-110092	सदस्य
प्रो. सी.एस.पी. ओझा जानपद अभियांत्रिकी विभाग भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की	सदस्य
प्रो. अखिल उपाध्याय जानपद अभियांत्रिकी. विभाग भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की	सदस्य

प्रो. बरजीव त्यागी विद्युत अभियांत्रिकी विभाग भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की	सदस्य
संस्थान अभियंता भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की	सदस्य
कुलशासक, वित्त एवं नियोजन भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की	विशेष आमंत्रित
श्री प्रशांत गर्ग कुलसचिव, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की	सचिव

ADMINISTRATION / OFFICERS

अध्यक्ष ,अभिशासक परिषद	श्री बी. वी. आर. मोहन रेड्डी
निदेशक	प्रो. कमल किशोर पंत
उप निदेशक	प्रो. उदय प्रताप सिंह
कुलशासक, प्रशासन	प्रो. डी. एस. आर्य
कुलशासक, संकाय मामले	प्रो. अश्विनी कुमार शर्मा
कुलशासक, प्रायोजित अनुसंधान एवं औद्योगिक परामर्श	प्रो. अक्षय द्विवेदी
कुलशासक, शैक्षणिक मामले	प्रो. नवीन कुमार नवानी
कुलशासक, छात्र कल्याण	प्रो. बरजीव त्यागी
कुलशासक, वित्त एवं नियोजन	प्रो. दीपक खरे
कुलशासक, संसाधन एवं पूर्व छात्र मामले	प्रो. आर. डी. गर्ग
कुलशासक, इंफ्रास्ट्रक्चर	प्रो. यू. के. शर्मा (31.07.2024 तक) प्रो. इंद्रदीप सिंह (01.08.2024 से)
कुलशासक, अंतर्राष्ट्रीय संबंध	प्रो. विमल चंद्र श्रीवास्तव
सहारनपुर परिसर	प्रो. सुजय चट्टोपाध्याय (21.03.2025 तक) प्रो. मिली पंत (22.03.2025 से)
सह कुलशासक इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन(एडीआईआई)	प्रो. विवेक कुमार मलिक
सह कुलशासक संकाय मामले	प्रो. आनंद बुलुसु
सह, डीओएसडब्लू (भवन एवं मेस)	प्रो. प्रदीप कुमार झा
सह, डीओएसडब्लू (छात्र स्वस्थता)	डॉ. अवलोकिता अग्रवाल
सह, डीओएसडब्ल्यू (छात्र गतिविधियां)	प्रो. एम. वी. सुनील कृष्णा
सह कुलशासक कॉरपोरेट इंटरेक्शन (एडीसीआई)	प्रो. साई रामुदु मेका
सह कुलशासक, इंफ्रास्ट्रक्चर (विद्युत एवं एसी)	प्रो. अनुब्रत डे (31.07.2024 तक) प्रो. जीवानंद एस. (01.08.2024 से)
सह कुलशासक, इंफ्रास्ट्रक्चर (सिविल)	प्रो. ई. राजसेकर
एडीओएए (आईटी सिस्टम और प्रवेश)	प्रो. ए. स्वामीनाथन (26.04.2024 तक) प्रो. मीनाक्षी रावत (27.04.2024 से)
एडीओएए (पाठ्यक्रम)	प्रो. मीनाक्षी रावत (26.04.2024 तक) प्रो. फाल्गुनी पटनायक (27.04.2024 से)
एडीओएए (मूल्यांकन)	प्रो. एन.के. नवानी (04.04.2024 तक) प्रो. प्रदीप श्रीवास्तव (05.04.2024 से)
सह कुलशासक इंफ्रास्ट्रक्चर (परियोजना)	प्रो. पी. सी. अश्विन कुमार (30.04.2024 तक) प्रो. संजय चिकरमाने (w.e.f.) 01.05.2024)
प्रोफेसर प्रभारी, परिवहन	प्रो. सुधाकर सुबुधि (31.01.2025 तक) प्रो. हर्ष चौहान (01.02.2025 से प्रभावी)
प्रोफेसर प्रभारी, स्थापन एवं इंटर्नशिप प्रकोष्ठ	प्रो. कौशिक पाल

प्रोफेसर प्रभारी, अतिथि गृह	प्रो. योगेश कुमार शर्मा (30.04.2024 तक) प्रो. संजीव कुमार (01.05.2024 से)
प्रोफेसर प्रभारी, सुरक्षा	प्रो. अमित धीमान (05.01.2025 तक) प्रो. अंकित बंसल (06.01.2025 से)
प्रोफेसर प्रभारी, जीएनईसी	प्रो. आर. बालासुब्रमण्यन
प्रोफेसर प्रभारी, अभिलेखागार	प्रो. राम सतीश पसुपुलेती (31.12.2024 तक) प्रो. नवजीत गौरव (01.01.2025 से)
प्रोफेसर प्रभारी, संरक्षा	प्रो. ए.एस. मौर्य
प्रोफेसर प्रभारी, एस.टी.ई.पी./टाइड्स	प्रो. एस. के. मन्हास
प्रोफेसर प्रभारी, समावेश एवं सुगम्य सेवाएं (आईएएस)	प्रो. ई. राजसेकर
समन्वयक, बौद्धिक संपदा अधिकार प्रकोष्ठ	प्रो. विवेक कुमार मलिक (सह कुलशासक इनोवेशन और इनक्यूबेशन)
समन्वयक, भवन एवं सड़क निर्माण भवन एवं सड़क में प्रौद्योगिकी	प्रो. भूपिंदर सिंह
अध्यक्ष, राजभाषा प्रकोष्ठ	प्रो. के.एम. सिंह (26.09.2024 तक) प्रो. अविनाश पाराशर (27.09.2024 से प्रभावी)
मुख्य सतर्कता अधिकारी	प्रो. तनुजा श्रीवास्तव
एससी/एसटी के लिए संपर्क अधिकारी	प्रो. अरिंदम विश्वास
संपर्क अधिकारी (ओबीसी)	प्रो. राम जिवारी
केंद्रीकृत नोडल लोक शिकायत अधिकारी	प्रो. सी.एस.पी. ओझा (28.02.2025 तक)
लोक शिकायत निवारण एवं निगरानी प्रणाली	प्रो. रामाआसरे प्रसाद (01.03.2025 से प्रभावी)
छात्र लोकपाल अधिकारी	प्रो. बशेश्वर प्रसाद
प्रोफेसर प्रभारी, कैरियर विकास प्रकोष्ठ	प्रो. रजत रस्तोगी
प्रभारी अधिकारी, जीएनईसी	श्री रवि कुमार चौहान
प्रोफेसर प्रभारी, रैंकिंग समिति	प्रो. मीनाक्षी रावत
समन्वयक, सतत शिक्षा केंद्र	प्रो. कौशिक घोष
समन्वयक, ई-लर्निंग सेंटर	प्रो. रंजना पठानिया
समन्वयक, आईआईटीआर-एनबीसीसी, आर एंड डी, जीनएनईसी	प्रो. सोनलिसा रे
समन्वयक, राष्ट्रीय शहद प्रमाणीकरण एवं खाद्य सुरक्षा केंद्र	प्रो. नवीन कुमार नवानी (04.10.2024 से प्रभावी)
कुलसचिव	श्री प्रशांत गर्ग
वित्त अधिकारी	श्री जी.के. रस्तोगी
संयुक्त कुलसचिव	डॉ. सुमन कुमार (जेएनयू, नई दिल्ली में ग्रहणाधिकार पर) डॉ. शीबा रमोला श्री अभिषेक कुमार श्री संजीव कुमार जैन्थ (प्रतिनियुक्ति 20.12.2024 से)

उप कुलसचिव	मेजर रीति उपाध्याय (सेवानिवृत्त) श्री लोकेश वर्मा श्री मनीष कुमार भोमिया श्री अन्बू आर. श्री जितेन्द्र डिमरी (26.09.2024 से)
सहायक कुलसचिव	श्रीमती बीबी एम. बरभुइया (ब्रह्मपुत्र बोर्ड, गुवाहाटी में प्रतिनियुक्ति पर) श्री दिलीप कुमार टोप्पो श्री जैन सिंह श्री ललित कुमार डॉ. मनोज भट्ट श्री बने सिंह मीणा (जेएनयू में ग्रहणाधिकार पर) श्री वी. विजयराज श्री महावीर सिंह श्री ज्योति गुरुंग श्री आदित्य चौहान श्री मयंक प्रताप सिंह श्री दीपांशु श्री साहिल सरदाना श्रीमती अनिता चौहान श्री लेखराज श्री अलगु सुंदर ए (17.10.2024 से)
हिंदी अधिकारी	श्रीमती सपना गुप्ता

संस्थान कार्य विभाग

संस्थान अभियंता	श्री अजय शर्मा लेफ्टिनेंट कर्नल दीपक कुमार ठाकुर (24.09.2024 से)
संस्थान वास्तुविद	श्री भवनीश लाल
अधिशासी अभियंता	श्री नेपाल सिंह श्री अनिल कुमार बर्नवाल श्री त्रिलोक नाथ तिवाड़ी श्री अंशुल पाल
सहायक अधिशासी अभियंता	श्री प्रदीप कुमार दौहरे श्री ओम ए वर्मा (एम्स, ऋषिकेश में प्रतिनियुक्ति पर)

	श्री नरेंद्र सिंह राणा
	श्री नीरज
	श्री मयूर शर्मा
	श्री जितेंद्र मीणा

महात्मा गांधी केंद्रीय पुस्तकालय

अध्यक्ष, पुस्तकालय सलाहकार समिति	प्रो. महेंद्र सिंह (31.01.2025 तक)
	प्रो. जी. जे. चक्रपाणि (01.02.2025 से प्रभावी)
पुस्तकालयाध्यक्ष	डॉ. सी. जयकुमार (30.04.2024 को सेवानिवृत्त)
उप पुस्तकालयाध्यक्ष	डॉ. संजीव कुमार सनी
	(कार्यवाहक पुस्तकालयाध्यक्ष 01.05.2024 से प्रभावी)
सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष	डॉ. अमरेंद्र कुमार शर्मा (25.10.2024 से प्रभावी)
	श्री रामनिवास सोनी
	डॉ. रिमई अटोनरिंग
	श्री सखावत हुसैन

चिकित्सालय

अध्यक्ष, अस्पताल सलाहकार समिति	प्रो. इंद्र वीर सिंह
मुख्य चिकित्सा अधिकारी	डॉ. एम. के. झा
चिकित्सा अधिकारी	डॉ. (श्रीमती) वंदना सुहास खोबरागड़े
	डॉ. राव फरमान खान
	डॉ. आलोक आनंद
सामान्य चिकित्सा अधिकारी	डॉ. अनंत चौधरी
	डॉ. विभू शर्मा
	डॉ. विपिन कुमार
	डॉ. रवि कुमार गुप्ता
	डॉ. श्यामाश्री चक्रवर्ती डे
	डॉ. जी चंदना
	डॉ. साधना
	डॉ. सुरेश कुमार मीणा
चिकित्सा अधिकारी (दंत चिकित्सा)	डॉ. दिशा श्रीवास्तव (27.06.2024 से प्रभावी)

परिशिष्ट 3 – छात्रों को पुरस्कार

पदक और पुरस्कार (वार्षिक वर्ष 2023-24)

संस्थान स्तर के पदक और पुरस्कार (मुख्य समारोह)

अचिंत्य नाथ,
बी.टेक. (कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी)

जेईई (एडवांस्ड) के माध्यम से प्रवेश लेने वाले बी.टेक./ बी.आर्क./ आई.डी.डी./ एकीकृत एम.एससी./ एकीकृत एम.टेक. उपाधि प्राप्त छात्रों में सर्वश्रेष्ठ सीजीपीए के लिए प्रेसीडेंट गोल्ड मेडल ।

पार्थ सारथी मिश्रा,
बी.टेक. (इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी)

जेईई (एडवांस्ड) के माध्यम से प्रवेश लेने वाले बी.टेक./बी.आर्क./आईडीडी/ एकीकृत एम.एससी./ एकीकृत एम.टेक. उपाधि प्राप्त छात्रों में सर्वश्रेष्ठ सर्वांगीण प्रदर्शन के लिए डायरेक्टर गोल्ड मेडल। छात्र से न्यूनतम 9.0 सीजीपीए बनाए रखने की अपेक्षा की जाती है।

उज्ज्वल कुमार दुबे,
बी.टेक. (कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी)

यूजी/पीजी छात्रों के बीच समाज सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्टता के लिए प्रेसीडेंट ऑफ इंडिया डॉ. शंकर दयाल शर्मा गोल्ड मेडल। छात्र से न्यूनतम 8.0 सीजीपीए बनाए रखने की अपेक्षा की जाती है।

अक्षत अग्रवाल,
बी.टेक. (कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी)

जेईई (एडवांस्ड) के माध्यम से प्रवेश लेने वाले बी.टेक./बी.आर्क./आईडीडी/एकीकृत एम.एससी./ एकीकृत एम.टेक. उपाधि प्राप्त छात्रों में दूसरा उच्चतम सीजीपीए प्राप्त करने के लिए इंस्टीटयूट सिल्वर मेडल।

रिद्धम सदाना,
एकीकृत एम.टेक. (भूभौतिकीय प्रौद्योगिकी)

जेईई (एडवांस्ड) के माध्यम से प्रवेश लेने वाले बी.टेक./बी.आर्क./आईडीडी/ एकीकृत एम.एससी./ एकीकृत एम.टेक. स्नातक छात्रों में तीसरा उच्चतम सीजीपीए प्राप्त करने के लिए इंस्टीटयूट ब्रोंज मेडल।

भूषण पुषीराम मेश्राम,
एम.टेक. संवेष्टन तकनीकी

सर्वश्रेष्ठ नवाचार की श्रेणी के अंतर्गत अभियांत्रिकी/वास्तुकला के उपाधि प्राप्त यूजी और पीजी छात्रों के बीच अंतिम वर्ष में अभिनव परियोजना/थीसिस के लिए प्रोफेशनल डेवेलपमेंट एवं इनोवेशन अवार्ड।

अपूर्ब प्रसाद पैधी,
बी.टेक. (इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी)

बी.टेक. की उपाधि प्राप्त करने वाले छात्रों के बीच अंतिम वर्ष के पाठ्यक्रम के एक भाग के रूप में सार्थक, प्रासंगिक, अभिनव, प्रभावशाली एवं व्यावसायिक रूप से व्यवहार्य परियोजना के लिए सिंघल टेक फॉर सोसाइटी अवार्ड।

अभिमन्यु पठानिया,
एम.टेक. जल एवं नवीकरणीय ऊर्जा विभाग

उपाधि प्राप्त यूजी/पीजी (पी.एच.डी. सहित) छात्रों के बीच हरित/नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान के लिए ए.के. गोयल ग्रीन एनर्जी प्राइज एवं गोल्ड मेडल।

संस्थान स्तरीय पदक एवं पुरस्कार (पुरस्कार समारोह)

अवंतिका वर्मा,
बैचलर ऑफ आर्किटेक्चर

बी.आर्क की उपाधि प्राप्त छात्रों के बीच उच्चतम सीजीपीए हासिल करने के लिए **श्रीमती चंद्रावती गोल्ड मेडल।**

बी.आर्क की उपाधि प्राप्त छात्रों के बीच सर्वश्रेष्ठ परियोजना के लिए **बेस्ट प्रोजेक्ट अवार्ड।**

बी.आर्क. की उपाधि प्राप्त छात्रों में सर्वोच्च सीजीपीए प्राप्त करने के लिए **श्रीमती कैलाश कम्बो अवार्ड।**

बी.आर्क. की उपाधि प्राप्त छात्रों में सर्वोच्च सीजीपीए प्राप्त करने के लिए **एवरेस्ट अवार्ड ऑफ एक्सीलेंस।**

बी.आर्क. की उपाधि प्राप्त छात्रों में सर्वोच्च सीजीपीए प्राप्त करने के लिए **आर्किटेक्ट यशपाल गुप्ता अवार्ड ऑफ एक्सीलेंस।**

प्रांजल नैथानी,
बैचलर ऑफ आर्किटेक्चर

एम.बी.ए., बी.आर्क., एम. आर्क., एम.यू.आर.पी., एम.एस.सी. अर्थशास्त्र एवं एकीकृत एम.बी.ए. कार्यक्रमों की उपाधि प्राप्त छात्रों के बीच अंतिम वर्ष की परियोजना या किसी अन्य पहल के हिस्से के रूप में ग्रामीण भारत के विकास में महत्वपूर्ण योगदान के लिए **सर्विस ओरिएंटेड नेचुरल साईंस इनोवेशन एंड एप्लीकेशन (SONIA) एक्सीलेंस अवार्ड।**

पारंगी चावला,
बी.टेक. जैवविज्ञान एवं जैवअभियांत्रिकी

बी.टेक. (बायोटेक्नोलॉजी) की उपाधि प्राप्त छात्रों में सर्वोच्च सीजीपीए प्राप्त करने के लिए **श्रीमती मेविस बर्था विल्किंसन गोल्ड मेडल।**

रिया सहाय
बी.टेक. जैवविज्ञान एवं जैवअभियांत्रिकी

उपाधि प्राप्त करने वाली यूजी छात्राओं में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए ओम बाला थापर कैश प्राइज। छात्रा से न्यूनतम 8.0 सीजीपीए बनाए रखने की अपेक्षा की जाती है।

साना टंडन,
बी.टेक. रासायनिक अभियांत्रिकी

बी.टेक. (रासायनिक अभियांत्रिकी) की उपाधि प्राप्त छात्रों के बीच उच्चतम सीजीपीए प्राप्त करने के लिए **कपिल गर्ग गोल्ड मेडल।**
रासायनिक अभियांत्रिकी की उपाधि प्राप्त बी.टेक. छात्रों के बीच सर्वश्रेष्ठ परियोजना के लिए **बेस्ट प्रोजेक्ट अवार्ड।**

सभी बी.टेक. कार्यक्रमों की उपाधि प्राप्त छात्राओं के बीच दूसरा उच्चतम सीजीपीए प्राप्त करने के लिए **प्रो. रणवीर सिंह शास्त्री नकद पुरस्कार।**

बी.टेक. (रासायनिक अभियांत्रिकी) की उपाधि प्राप्त छात्रों के बीच उच्चतम सीजीपीए प्राप्त करने के लिए **प्रेम प्रकाश गुप्ता कैश प्राइज।**

गुरु निगम दास,
बी.टेक. रासायनिक अभियांत्रिकी

बी.टेक. (रासायनिक अभियांत्रिकी) की उपाधि प्राप्त छात्रों के बीच अंतिम वर्ष में सर्वोत्तम अभियांत्रिकी परियोजना और सबसे अभिनव कार्य के लिए **आस्था मुकुल दीक्षित पुरस्कार।**

वंदना,
बी.टेक. रासायनिक अभियांत्रिकी

जेईई (एडवांस्ड) के माध्यम से प्रवेश लेने वाले बी.टेक./बी.आर्क./आईडीडी/ एकीकृत. एम.एससी./ एकीकृत एम.टेक. उपाधि प्राप्त छात्रों के बीच शैक्षणिक और खेल में उत्कृष्टता के लिए **सरोजिनी नायडू कप।** छात्र से न्यूनतम 8.0 सीजीपीए बनाए रखने की अपेक्षा की जाती है।

साकेत वर्धन,
बी.टेक. (रासायनिक अभियांत्रिकी)

पर्यावरणीय स्थिरता में सर्वाधिक महत्वपूर्ण योगदान और लाभ के साथ अंतिम वर्ष की परियोजना में उत्कृष्ट कार्य के लिए **बागची पुरस्कार फॉर एनवायरमेंटल सस्टेनेबिलिटी** प्रदान किया गया।

रोहिणी श्रीवास्तव,
बी.टेक. पॉलिमर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी

बी.टेक. (पॉलिमर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी) की उपाधि प्राप्त छात्रों के बीच सर्वोच्च सीजीपीए प्राप्त करने के लिए **डिपार्टमेंट गोल्ड मेडल।**

वंश मेहरा,
बी.टेक. पॉलिमर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी

बी.टेक. (पॉलिमर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी) की उपाधि प्राप्त छात्रों के बीच सर्वश्रेष्ठ परियोजना के लिए **बेस्ट प्रोजेक्ट अवार्ड।**

गदामसेट्टी नागा वेंकट सिवा साई गणेश,
एकीकृत एम.एस.सी. रसायन विज्ञान

एकीकृत एम.एस.सी रसायन विज्ञान की उपाधि प्राप्त छात्रों के बीच उच्चतम सीजीपीए प्राप्त करने के लिए **डिपार्टमेंट गोल्ड मेडल।**

सौरभ सिंह नेगी,
एकीकृत एम.एससी. रसायन विज्ञान

एकीकृत एम.एससी. रसायन विज्ञान की उपाधि प्राप्त छात्रों के बीच उच्चतम परियोजना हेतु **बेस्ट प्रोजेक्ट अवार्ड।**

काशवी सिंह,
बी.टेक. जानपद अभियांत्रिकी

बी.टेक. (जानपद अभियांत्रिकी) की उपाधि प्राप्त छात्रों के बीच उच्चतम सीजीपीए हासिल करने के लिए **मनमोहन दास सेठ गोल्ड मेडल।**

सभी बी.टेक. कार्यक्रमों की उपाधि प्राप्त छात्राओं के बीच उच्चतम सीजीपीए हासिल करने के लिए **श्रीमती रमा देवी कृष्ण भटनागर कैश प्राइज।**

बी.टेक. (जानपद अभियांत्रिकी) की उपाधि प्राप्त छात्रों के बीच उच्चतम सीजीपीए प्राप्त करने के लिए **प्रभाकर स्वरुप जानपद अभियांत्रिकी पुरस्कार।**

बी.टेक. (जानपद अभियांत्रिकी) की उपाधि प्राप्त छात्रों के बीच उच्चतम सीजीपीए प्राप्त करने के लिए **श्री शिव नंदन स्वरुप और अवध नारायण भटनागर कैश प्राइज।**

बी.टेक. (जानपद अभियांत्रिकी) की उपाधि प्राप्त छात्रों के बीच उच्चतम सीजीपीए प्राप्त करने के लिए **राय बहादुर सोहन लाल भाटिया मेडल।**

यूजी कार्यक्रमों की उपाधि प्राप्त छात्राओं की बीच उच्चतम सीजीपीए प्राप्त करने के लिए **कर्नल बाजपेयी नकद पुरस्कार।**

पर्यावरण अभियांत्रिकी में उत्कृष्टता, पर्यावरण अभियांत्रिकी से संबंधित अनिवार्य विषयों में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने और बी.टेक. (जानपद अभियांत्रिकी) की स्नातक छात्राओं के बीच अंतिम वर्ष के बाद 8.0 और उससे अधिक का समग्र रूप से सीजीपीए प्राप्त करने हेतु **प्रो. (श्रीमती) रेणु भार्गव नकद पुरस्कार।**

बी.टेक. (जानपद अभियांत्रिकी) की उपाधि प्राप्त छात्रों के बीच सर्वोच्च सीजीपीए प्राप्त करने के लिए **मधुसूदन दयाल मिथल मेडल।**

अंकित कुमार,
बी.टेक. (जानपद अभियांत्रिकी)

बी.टेक. (जानपद अभियांत्रिकी) की उपाधि प्राप्त छात्रों के बीच उच्चतम परियोजना के लिए **बेस्ट प्रोजेक्ट अवार्ड।**

अश्विनी कुमार,
बी.टेक. (जानपद अभियांत्रिकी)

बी.टेक. (जानपद अभियांत्रिकी) की उपाधि प्राप्त छात्रों के बीच उच्चतम परियोजना के लिए **बेस्ट प्रोजेक्ट अवार्ड।**

अवनीश सिंह,
बी.टेक. (जानपद अभियांत्रिकी)

बी.टेक. (जानपद अभियांत्रिकी) की उपाधि प्राप्त छात्रों के बीच उच्चतम परियोजना के लिए **बेस्ट प्रोजेक्ट अवार्ड।**

बुलुसु अनंथा साई श्री हर्षा,
बी.टेक. (जानपद अभियांत्रिकी)

बी.टेक. (जानपद अभियांत्रिकी) की उपाधि प्राप्त छात्रों के बीच उच्चतम परियोजना के लिए **बेस्ट प्रोजेक्ट अवार्ड।**

धीरज चौहान,
बी.टेक. (जानपद अभियांत्रिकी)

बी.टेक. (जानपद अभियांत्रिकी) की उपाधि प्राप्त छात्रों के बीच उच्चतम परियोजना के लिए **बेस्ट प्रोजेक्ट अवार्ड।**

ऋत्विक कौशिक,
बी.टेक. (जानपद अभियांत्रिकी)

बी.टेक. (जानपद अभियांत्रिकी) की उपाधि प्राप्त छात्रों के बीच उच्चतम परियोजना के लिए **बेस्ट प्रोजेक्ट अवार्ड।**

करंदे चेतन बापू,
बी.टेक. (जानपद अभियांत्रिकी)

बी.टेक. (जानपद अभियांत्रिकी) की उपाधि प्राप्त छात्रों के बीच उच्चतम परियोजना के लिए **बेस्ट प्रोजेक्ट अवार्ड।**

केशव,
बी.टेक. (जानपद अभियांत्रिकी)

बी.टेक. (जानपद अभियांत्रिकी) की उपाधि प्राप्त छात्रों के बीच उच्चतम परियोजना के लिए **बेस्ट प्रोजेक्ट अवार्ड।**

मोहित कुमार मीना,
बी.टेक. (जानपद अभियांत्रिकी)

बी.टेक. (जानपद अभियांत्रिकी) की उपाधि प्राप्त छात्रों के बीच उच्चतम परियोजना के लिए **बेस्ट प्रोजेक्ट अवार्ड।**

नितेश मोरया,
बी.टेक. (जानपद अभियांत्रिकी)

बी.टेक. (जानपद अभियांत्रिकी) की उपाधि प्राप्त छात्रों के बीच उच्चतम परियोजना के लिए **बेस्ट प्रोजेक्ट अवार्ड।**

पलाश भटनागर,
बी.टेक. (जानपद अभियांत्रिकी)

बी.टेक. (जानपद अभियांत्रिकी) की उपाधि प्राप्त छात्रों के बीच उच्चतम परियोजना के लिए **बेस्ट प्रोजेक्ट अवार्ड।**

पिंटेश कुमार मेघवाल,
बी.टेक. (जानपद अभियांत्रिकी)

बी.टेक. (जानपद अभियांत्रिकी) की उपाधि प्राप्त छात्रों के बीच उच्चतम परियोजना के लिए **बेस्ट प्रोजेक्ट अवार्ड।**

प्रथमेश रघुनाथ पाटिल,
बी.टेक. (जानपद अभियांत्रिकी)

बी.टेक. (जानपद अभियांत्रिकी) की उपाधि प्राप्त छात्रों के बीच उच्चतम परियोजना के लिए **बेस्ट प्रोजेक्ट अवार्ड।**

पुनीत सैनी,
बी.टेक. (जानपद अभियांत्रिकी)

बी.टेक. (जानपद अभियांत्रिकी) की उपाधि प्राप्त छात्रों के बीच उच्चतम परियोजना के लिए **बेस्ट प्रोजेक्ट अवार्ड।**

राहुल गोयल,
बी.टेक. (जानपद अभियांत्रिकी)

बी.टेक. (जानद अभियांत्रिकी) की उपाधि प्राप्त छात्रों के बीच उच्चतम परियोजना के लिए **बेस्ट प्रोजेक्ट अवार्ड।**

माणिक गोयल,
बी.टेक. (जानपद अभियांत्रिकी)

सांस्कृतिक गतिविधि, उद्यमिता एवं नेतृत्व के क्षेत्र में समग्र उत्कृष्टता के लिए **कुणाल कौशल अवार्ड फॉर आल राउंड एक्सीलेंस।** न्यूनतम सीजीपीए आवश्यकता 7.5 है।

मनुवंश राय,
बी.टेक. (जानपद अभियांत्रिकी)

बी.टेक. (जानपद अभियांत्रिकी) की उपाधि प्राप्त छात्रों के बीच पर्यावरण अभियांत्रिकी के अनिवार्य पाठ्यक्रमों में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने के लिए जानपद अभियांत्रिकी **में प्रो. सी.एल. तोशनीवाल पुरस्कार।** समग्र सी.जी.पी.ए. के आधार पर निर्णय लिया जाएगा।

सुगंधा गुप्ता,
बी.टेक. (जानपद अभियांत्रिकी)

बी.टेक. (जानपद अभियांत्रिकी) की उपाधि प्राप्त छात्रों में दूसरा सर्वोच्च सीजीपीए प्राप्त करने के लिए **विनय कृष्ण कैश प्राइज।**

आई.आई.टी. रुड़की की बी.टेक और बी.आर्क. शाखाओं में सर्वश्रेष्ठ सर्वांगीण उपाधि प्राप्त छात्र के लिए **श्रेयस कुमार कक्षा 1998 गोल्ड मेडल** प्रदान किया गया, पूर्व-अंतिम सेमेस्टर के अंत में 9.0 या उससे अधिक सीजीपीए वाले उम्मीदवारों के लिए आवेदन खुले हैं।

बी.टेक. (जानपद अभियांत्रिकी) के उपाधि प्राप्त छात्रों के बीच दूसरा सर्वोच्च सीजीपीए प्राप्त करने के लिए **श्री एम.ए. राव कैश प्राइज** दिया गया।

वंशिका,
बी.टेक. (जानपद अभियांत्रिकी)

सांस्कृतिक गतिविधि, उद्यमिता और नेतृत्व के क्षेत्र में समग्र उत्कृष्टता के लिए **कुणाल कौशल अवार्ड।** न्यूनतम सीजीपीए आवश्यकता 7.5 है।

अचिंत्य नाथ,
बी.टेक. (कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी)

बी.टेक. (कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी) की उपाधि प्राप्त छात्रों

के बीच उच्चतम परियोजना के लिए **बेस्ट प्रोजेक्ट अवार्ड।**

बी.टेक. (कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी) की उपाधि प्राप्त छात्रों के बीच उच्चतम सी.जी.पी.ए. प्राप्त करने के लिए **डॉ. ए.एन. खोसला मेडल।**

बी.टेक. (कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी) की उपाधि प्राप्त छात्रों के बीच उच्चतम सी.जी.पी.ए. प्राप्त करने के लिए **राय बहादुर सोहन लाल भाटिया कैश प्राइज।**

ईशु गुप्ता,
बी.टेक. (कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी)

बी.टेक. (कम्प्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी) की उपाधि प्राप्त छात्रों के बीच उच्चतम परियोजना के लिए **बेस्ट प्रोजेक्ट अवार्ड।**

पारितोष काबरा,
बी.टेक. (कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी)

बी.टेक. (कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी) की उपाधि प्राप्त छात्रों के बीच सर्वश्रेष्ठ परियोजना के लिए **बेस्ट प्रोजेक्ट अवार्ड।**

सूर्य प्रकाश जी.,
बी.टेक. (कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी)

जजेस चॉइस श्रेणी के तहत अभियांत्रिकी /वास्तुकला के उपाधि प्राप्त यूजी छात्रों के बीच अंतिम वर्ष में अभिनव परियोजना के लिए **प्रोफेशनल डेवेलपमेंट एंड इनोवेशन अवार्ड।**

अंशुल आलोक घरडे,
बी.टेक. (कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी)

जजेस चॉइस श्रेणी के तहत अभियांत्रिकी/वास्तुकला की उपाधि प्राप्त यूजी छात्रों के बीच अंतिम वर्ष में अभिनव परियोजना के लिए **प्रोफेशनल डेवेलपमेंट एंड इनोवेशन अवार्ड।**

सगीराजू राम प्रभास वर्मा,
बी.टेक. (कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी)

जजेस चॉइस श्रेणी के तहत अभियांत्रिकी /वास्तुकला की उपाधि प्राप्त यूजी छात्रों के बीच अंतिम वर्ष में अभिनव परियोजना के लिए **प्रोफेशनल डेवेलपमेंट एंड इनोवेशन अवार्ड।**

थारुनिस्वर आर,
बी.टेक. (कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी)

जजेस चॉइस श्रेणी के तहत अभियांत्रिकी /वास्तुकला की उपाधि प्राप्त यूजी छात्रों के बीच अंतिम वर्ष में अभिनव परियोजना के लिए **प्रोफेशनल डेवेलपमेंट एंड इनोवेशन अवार्ड।**

दीया पंचोली,
बी.टेक. (कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी)

बी.टेक./बी.आर्क. की उपाधि प्राप्त छात्राओं में उत्कृष्ट समग्र प्रदर्शन के लिए लक्ष्मी देवी एवं **श्री बनाद्रि दास कैश प्राइज। छात्रा से न्यूनतम 8.0 सीजीपीए बनाए रखने की अपेक्षा की जाती है।**

ऋचा,
बी.टेक. (कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग)

बी.टेक./बी.आर्क. की उपाधि प्राप्त करने वाली छात्राओं में उत्कृष्ट समग्र प्रदर्शन के लिए **श्रीमती कौशल्या आर्य कैश प्राइज।** छात्रा से न्यूनतम 8.0 सीजीपीए बनाए रखने की अपेक्षा की जाती है।

प्रज्ञान्श चतुर्वेदी,
बी.टेक. (कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी)

जेईई (एडवांस्ड) के माध्यम से प्रवेश लेने वाले बी.टेक./बी.आर्क./आईडीडी/एकीकृत एम.एससी./ एकीकृत एम.टेक. उपाधि प्राप्त छात्रों में दूसरे सर्वश्रेष्ठ सर्वांगीण प्रदर्शन के लिए **श्री एम.ए. राउ कैश अवार्ड** प्रदान किया गया। छात्र से न्यूनतम 9.0 सीजीपीए बनाए रखने की अपेक्षा की जाती है।

रिद्धम सदाना,
एकीकृत एम.टेक. (जियोफिजिकल प्रौद्योगिकी)

एकीकृत एम.टेक. (जियोफिजिकल प्रौद्योगिकी) की उपाधि प्राप्त छात्रों के बीच उच्चतम सीजीपीए प्राप्त करने के लिए **फ्राउ ओडिली शिफर गोल्ड मेडल।**

एकीकृत एम.टेक. (जियोफिजिकल प्रौद्योगिकी) की उपाधि प्राप्त छात्रों के बीच उच्चतम परियोजना के लिए **बेस्ट प्रोजेक्ट अवार्ड।**

स्नातक यूजी/पीजी छात्रों के बीच शैक्षणिक उत्कृष्टता और उत्कृष्ट सामुदायिक सेवा के लिए **केदार नाथ अग्रवाल, आई.एस.ई मेमोरियल ट्रॉफी एवं कैश प्राइज** प्रदान किया गये। छात्र से न्यूनतम 8.0 सीजीपीए बनाए रखने की अपेक्षा की जाती है।

कनिष्क हंस सुगोत्रा,
एकीकृत एम.टेक. (भूवैज्ञानिक प्रौद्योगिकी)

एकीकृत एम.टेक. (भूवैज्ञानिक प्रौद्योगिकी) की उपाधि प्राप्त छात्रों के बीच सर्वश्रेष्ठ परियोजना के लिए **बेस्ट प्रोजेक्ट अवार्ड।**

आकृति जैन,
बी.टेक. (विद्युत अभियांत्रिकी)

बी.टेक. (विद्युत अभियांत्रिकी) की उपाधि प्राप्त छात्रों के बीच उच्चतम सीजीपीए हासिल करने के लिए **श्रीमती सुख देवी कुलश्रेष्ठ गोल्ड मेडल।**

बी.टेक. (विद्युत अभियांत्रिकी) की उपाधि प्राप्त छात्राओं के बीच उच्चतम सीजीपीए हासिल करने के लिए **एयर कमोडोर एस.सी. मेहरा स्कोलरशिप।**

बी.टेक./बी.आर्क. की उपाधि प्राप्त छात्राओं के बीच उत्कृष्ट समग्र प्रदर्शन के लिए **दुर्गा अवार्ड।** छात्रा से न्यूनतम 8.0 सीजीपीए बनाए रखने की अपेक्षा की जाती है।

सृजन वार्ष्णेय,
बी.टेक. (विद्युत अभियांत्रिकी)

बी.टेक. (विद्युत अभियांत्रिकी) की उपाधि प्राप्त छात्रों के बीच उच्चतम परियोजना के लिए **बेस्ट प्रोजेक्ट अवार्ड।**

हिमांशी,
बी.टेक. (विद्युत अभियांत्रिकी)

बी.टेक. (विद्युत अभियांत्रिकी) की उपाधि प्राप्त छात्रों के बीच उच्चतम परियोजना के लिए **बेस्ट प्रोजेक्ट अवार्ड।**

कौशिक पाटिल,
बी.टेक. (विद्युत अभियांत्रिकी)

बी.टेक. (विद्युत अभियांत्रिकी) की उपाधि प्राप्त छात्रों के बीच उच्चतम परियोजना के लिए **बेस्ट प्रोजेक्ट अवार्ड।**

राज अभिनव,
बी.टेक. (विद्युत अभियांत्रिकी)

बी.टेक. (विद्युत अभियांत्रिकी) की उपाधि प्राप्त छात्रों के बीच उच्चतम परियोजना के लिए **बेस्ट प्रोजेक्ट अवार्ड।**

पीयूष कुमार,
बी.टेक. ((विद्युत अभियांत्रिकी)

जज चॉइस श्रेणी के तहत अभियांत्रिकी एवं वास्तुकला की उपाधि प्राप्त यूजी छात्रों के बीच अंतिम वर्ष में अभिनव परियोजना के लिए **प्रोफेशनल डेवेलपमेंट एंड इनोवेशन अवार्ड।**

शुभम,
बी.टेक. (विद्युत अभियांत्रिकी)

जज चॉइस श्रेणी के तहत अभियांत्रिकी/वास्तुकला की उपाधि प्राप्त यूजी छात्रों के बीच अंतिम वर्ष में अभिनव परियोजना के लिए **प्रोफेशनल डेवेलपमेंट एंड इनोवेशन अवार्ड।**

विशाल बाबू,
बी.टेक. (विद्युत अभियांत्रिकी)

जज चॉइस श्रेणी के तहत अभियांत्रिकी/ वास्तुकला के उपाधि प्राप्त यूजी छात्रों के बीच अंतिम वर्ष में अभिनव परियोजना के लिए **प्रोफेशनल डेवेलपमेंट एंड इनोवेशन अवार्ड।**

यश,
बी.टेक. (विद्युत अभियांत्रिकी)

सर्वश्रेष्ठ नवाचार श्रेणी के तहत अभियांत्रिकी/ वास्तुकला की उपाधि प्राप्त यूजी छात्रों के बीच अंतिम वर्ष में अभिनव परियोजना के लिए सर्वश्रेष्ठ नवाचार की श्रेणी के तहत **प्रोफेशनल डेवेलपमेंट एंड इनोवेशन अवार्ड।**

प्रियांश राठी,
बी.टेक. (इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी)

बी.टेक. (इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी) की उपाधि प्राप्त छात्रों में सर्वोच्च सीजीपीए प्राप्त करने के लिए **श्री हरि चंद नागलिया गोल्ड मेडल।**

अंशुल गुसाईं,
बी.टेक. (इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी)

बी.टेक. (इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी) की उपाधि प्राप्त छात्रों के बीच सर्वश्रेष्ठ परियोजना के लिए **बेस्ट प्रोजेक्ट अवार्ड।**

प्रांतनील देबनाथ,
बी.टेक. (इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी)

बी.टेक. (इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी) की उपाधि प्राप्त छात्रों के बीच सर्वश्रेष्ठ परियोजना के लिए **बेस्ट प्रोजेक्ट अवार्ड।**

चिरायु मोर,
बी.टेक. इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी

आईआईटी रुड़की में उपाधि प्राप्त यूजी/पीजी (पी.एच.डी. सहित) छात्रों की बीच उद्यमिता संस्कृति को बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान के लिए **हरि कृष्ण मित्तल लीडरशिप अवार्ड।**

श्रेय अग्रवाल,
बी.टेक. (इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी)

इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी विभाग में सर्वश्रेष्ठ बी.टेक. परियोजना की लिए **तेजवानी गोल्ड मेडल** (क्लास ऑफ 98), जो नवाचार, गहराई और संभावित प्रभाव पर आधारित है। छात्र से पूर्व-अंतिम फाइनल सेमेस्टर के अंत में न्यूनतम 9.0 सीजीपीए बनाए रखने की अपेक्षा की जाती है।

अपूर्व प्रसाद पैधी,
बी.टेक. (इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी)

बी.टेक./बी.आर्क. की उपाधि प्राप्त करने वाले पुरुष छात्रों में उत्कृष्ट समग्र प्रदर्शन के लिए **डॉ. ए.एस. आर्य कैश प्राइज।** छात्र से न्यूनतम 8.0 सीजीपीए बनाए रखने की अपेक्षा की जाती है।

साहिल गोयल,
एकीकृत एम.एस.सी. अनुप्रयुक्त गणित (एम.एस.एम.)

एकीकृत एम.एस.सी. अनुप्रयुक्त गणित (एम.एस.एम.) की उपाधि प्राप्त छात्रों में सर्वोच्च सी.जी.पी.ए. प्राप्त करने के लिए **डिपार्टमेंट गोल्ड मेलड।**

श्री लाल रघुदेवराम सिंह,
एकीकृत एम.एस.सी. अनुप्रयुक्त गणित (एम.एस.एम.)

एकीकृत एम.एस.सी. अनुप्रयुक्त गणित (एम.एस.एम.) की उपाधि प्राप्त छात्रों के बीच सर्वश्रेष्ठ परियोजना के लिए **बेस्ट प्रोजेक्ट अवार्ड।**

वैभव शर्मा,
बी.टेक. (यांत्रिक अभियांत्रिकी)

बी.टेक. (यांत्रिक अभियांत्रिकी) की उपाधि प्राप्त छात्रों में सर्वोच्च सीजीपीए प्राप्त करने के लिए **श्री विद्या दत्त गोल्ड मेडल।**

अभ्युदय नरवत,
बी.टेक. (यांत्रिक अभियांत्रिकी)

बी.टेक. (यांत्रिक अभियांत्रिकी) की उपाधि प्राप्त छात्रों के बीच सर्वश्रेष्ठ परियोजना के लिए **बेस्ट प्रोजेक्ट अवार्ड।**

मुंधे सुशांत उत्तम,
बी.टेक. (यांत्रिक अभियांत्रिकी)

बी.टेक. (यांत्रिक अभियांत्रिकी) की उपाधि प्राप्त छात्रों के बीच सर्वश्रेष्ठ परियोजना के लिए **बेस्ट प्रोजेक्ट अवार्ड।**

तेज वरुण गोरलामुदीवेती,
बी.टेक. (यांत्रिक अभियांत्रिकी)

बी.टेक. (यांत्रिक अभियांत्रिकी) की उपाधि प्राप्त छात्रों के बीच सर्वश्रेष्ठ परियोजना के लिए **बेस्ट प्रोजेक्ट अवार्ड।**

यश गुप्ता,
बी.टेक. (यांत्रिक अभियांत्रिकी)

बी.टेक. (यांत्रिक अभियांत्रिकी) की उपाधि प्राप्त छात्रों के बीच सर्वश्रेष्ठ परियोजना के लिए **बेस्ट प्रोजेक्ट अवार्ड।**

अंश सैनी,
बी.टेक. (यांत्रिक अभियांत्रिकी)

जज चॉइस श्रेणी के तहत अभियांत्रिकी/ वास्तुकला की उपाधि प्राप्त यूजी छात्रों के बीच अंतिम वर्ष में अभिनव परियोजना के लिए **प्रोफेशनल डेवेलपमेंट एंड इनोवेशन अवार्ड।**

बक्शी ऋषिकेश शिरीष,
बी.टेक. (यांत्रिक अभियांत्रिकी)

जज चॉइस श्रेणी के तहत अभियांत्रिकी/ वास्तुकला की उपाधि प्राप्त यूजी छात्रों के बीच अंतिम वर्ष में अभिनव परियोजना के लिए **प्रोफेशनल डेवेलपमेंट एंड इनोवेशन अवार्ड।**

हर्ष पाल,
बी.टेक. (यांत्रिक अभियांत्रिकी)

जज चॉइस श्रेणी के तहत अभियांत्रिकी/ वास्तुकला की उपाधि प्राप्त यूजी छात्रों के बीच अंतिम वर्ष में अभिनव परियोजना के लिए **प्रोफेशनल डेवेलपमेंट एंड इनोवेशन अवार्ड।**

पार्थ शर्मा,
बी.टेक. (यांत्रिक अभियांत्रिकी)

जज चॉइस श्रेणी के तहत अभियांत्रिकी/ वास्तुकला की उपाधि प्राप्त यूजी छात्रों के बीच अंतिम वर्ष में अभिनव परियोजना के लिए **प्रोफेशनल डेवेलपमेंट एंड इनोवेशन अवार्ड।**

अश्विन कोराडे,
बी.टेक. (यांत्रिक अभियांत्रिकी)

बी.टेक./एकीकृत एम.एससी./एम.टेक. और द्विउपाधि कार्यक्रमों के उपाधी प्राप्त छात्रों के बीच अंतिम वर्ष की परियोजना या आईआईटी रुड़की की किसी अन्य पहल के हिस्से के रूप में ग्रामीण भारत के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए **रुरल इंडिया**

टेक्लोनोलोजी बेस्ड अपलिफ्टमेंट (आरआईटीयू) अवार्ड। यह पुरस्कार अधिकतम दो योग्य टीमों को दिया जाता है।

किंशु कुमार,
बी.टेक. (यांत्रिक अभियांत्रिकी)

बी.टेक./एकीकृत एम.एससी./एम.टेक. और द्विउपाधि कार्यक्रमों के उपाधि प्राप्त छात्रों के बीच अंतिम वर्ष की परियोजना या आईआईटी रुडकी की किसी अन्य पहल के हिस्से के रुप में ग्रामीण भारत के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए **रुरल इंडिया टेक्लोनोलोजी बेसड अपलिफ्टमेंट (आरआईटीयू) अवार्ड।** यह पुरस्कार अधिकतम दो योग्य टीमों को दिया जाता है।

सुश्री निकिता,
बी.टेक. (यांत्रिक अभियांत्रिकी)

बी.टेक./एकीकृत एम.एससी./एम.टेक. और द्विउपाधि कार्यक्रमों के उपाधि प्राप्त छात्रों के बीच अंतिम वर्ष की परियोजना या आईआईटी रुडकी की किसी अन्य पहल के हिस्से के रुप में ग्रामीण भारत के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए **रुरल इंडिया टेक्लोनोलोजी बेस्ड अपलिफ्टमेंट (आरआईटीयू) अवार्ड।** यह पुरस्कार अधिकतम दो योग्य टीमों को दिया जाता है।

अयान श्री,
बी.टेक. (यांत्रिक अभियांत्रिकी)

बी.टेक./एकीकृत एम.एससी./एम.टेक. और द्विउपाधि कार्यक्रमों के उपाधि प्राप्त छात्रों के बीच अंतिम वर्ष की परियोजना या आईआईटी रुडकी की किसी अन्य पहल के हिस्से के रुप में ग्रामीण भारत के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए **रुरल इंडिया टेक्लोनोलोजी बेस्ड अपलिफ्टमेंट (आरआईटीयू) अवार्ड।** यह पुरस्कार अधिकतम दो योग्य टीमों को दिया जाता है।

वैष्णवी गुप्ता,
बी.टेक. (यांत्रिक अभियांत्रिकी)

बी.टेक. (यांत्रिक अभियांत्रिकी) की उपाधि प्राप्त छात्राओं में सर्वोच्च सीजीपीए प्राप्त करने के लिए **मेधावी गर्ल पी.के. कापसे अवार्ड।**

हर्ष पांडे,
बी.टेक. (उत्पादन एवं औद्योगिक अभियांत्रिकी)

बी.टेक. (उत्पादन एवं औद्योगिक अभियांत्रिकी) की उपाधि प्राप्त छात्रों में सर्वोच्च सीजीपीए प्राप्त करने के लिए **श्री आनंद कुमार जैन गोल्ड मेडल।**

नवोदित राय,
बी.टेक. (उत्पादन एवं औद्योगिक अभियांत्रिकी)

बी.टेक. (उत्पादन एवं औद्योगिक अभियांत्रिकी) उपाधि प्राप्त छात्रों की बीच सर्वश्रेष्ठ परियोजना के लिए **बेस्ट प्रोजेक्ट अवार्ड।**

निकिता बंसल,
बी.टेक. (उत्पादन एवं औद्योगिक अभियांत्रिकी)

बी.टेक. (उत्पादन एवं औद्योगिक अभियांत्रिकी) उपाधि प्राप्त छात्रों की बीच सर्वश्रेष्ठ परियोजना के लिए **बेस्ट प्रोजेक्ट अवार्ड।**

समीर राय,
बी.टेक. (उत्पादन एवं औद्योगिक अभियांत्रिकी)

बी.टेक. (उत्पादन एवं औद्योगिक अभियांत्रिकी) उपाधि प्राप्त छात्रों की बीच सर्वश्रेष्ठ परियोजना के लिए **बेस्ट प्रोजेक्ट अवार्ड।**

समर्थ शिरीष गुडवाला,
बी.टेक. (उत्पादन एवं औद्योगिक अभियांत्रिकी)

बी.टेक. (उत्पादन एवं औद्योगिक अभियांत्रिकी) उपाधि प्राप्त छात्रों की बीच सर्वश्रेष्ठ परियोजना के लिए **बेस्ट प्रोजेक्ट अवार्ड।**

रायलन क्रिस्टोफर फर्नांडीस,
बी.टेक. (धातुकर्म एवं सामग्री अभियांत्रिकी)

बी.टेक. (धातुकर्म एवं सामग्री अभियांत्रिकी) की उपाधि प्राप्त छात्रों के बीच उच्चतम सीजीपीए हासिल करने के लिए **फ्राउ गर्ट्रूड फेल्डेन गोल्ड मेडल।**

बी.टेक. (धातुकर्म एवं सामग्री अभियांत्रिकी) की उपाधि प्राप्त छात्रों के बीच उच्चतम सीजीपीए हासिल करने के लिए **श्रीमती लीला सक्सेना मेमोरियल कैश प्राइज।**

मनीत राज गुप्ता,
बी.टेक. (धातुकर्म एवं पदार्थ अभियांत्रिकी)

बी.टेक. (धातुकर्म एवं सामग्री अभियांत्रिकी) की उपाधि प्राप्त छात्रों के बीच सर्वश्रेष्ठ परियोजना के लिए **बेस्ट प्रोजेक्ट अवार्ड।**

प्रथमेश दिनेश सतपुते,
बी.टेक. (धातुकर्म एवं पदार्थ अभियांत्रिकी)

बी.टेक. (धातुकर्म एवं सामग्री अभियांत्रिकी) की उपाधि प्राप्त छात्रों के बीच सर्वश्रेष्ठ परियोजना के लिए **बेस्ट प्रोजेक्ट अवार्ड।**

पाहुल सिंह साहनी,
बी.टेक. (धातुकर्म एवं पदार्थ अभियांत्रिकी)

उपाधि प्राप्त यूजी छात्रों की बीच अपने क्षेत्र में अभिनव कार्य के लिए **एन.एस. अग्रवाल इनोवेशन अवार्ड।**

अर्नव अरोड़ा,
बी.टेक. (अभियांत्रिकी भौतिकी)

बी.टेक. (अभियांत्रिकी भौतिकी) की उपाधि प्राप्त छात्रों के बीच उच्चतम सीजीपीए प्राप्त करने के लिए **डिपार्टमेंट गोल्ड मेडल।**

बी.टेक. (अभियांत्रिकी भौतिकी) की उपाधि प्राप्त छात्रों के बीच सर्वश्रेष्ठ परियोजना के लिए **बेस्ट प्रोजेक्ट अवार्ड।**

मानव धारेवा,
एकीकृत एम.एस.सी. भौतिकी

एकीकृत एम.एस.सी. भौतिकी की उपाधि प्राप्त छात्रों के बीच उच्चतम सीजीपीए हासिल करने के लिए **डिपार्टमेंट गोल्ड मेडल।**

सुस्मित वाल्चे,
एकीकृत एम.एस.सी. भौतिकी

एकीकृत एम.एस.सी. भौतिकी की उपाधि प्राप्त छात्रों के बीच सर्वश्रेष्ठ परियोजना के लिए **बेस्ट प्रोजेक्ट अवार्ड।**

दीक्षा शर्मा,
एम.यू.आर.पी.

एम.यू.आर.पी. के उपाधि प्राप्त छात्रों की बीच सर्वोच्च सी.जी.पी.ए. प्राप्त करने के लिए **डिपार्टमेंट गोल्ड मेडल।**

एम.यू.आर.पी. के उपाधि प्राप्त छात्रों की बीच सर्वोच्च सी.जी.पी.ए. प्राप्त करने के लिए **श्रीमती कैलाश कम्बो पुरस्कार।**

वेंडी लालनुनपरी हालिडे,
एम.यू.आर.पी.

वास्तुकला एवं नियोजन के एम.आर्क. या एम.यू.आर.पी. पाठ्क्रयम की उपाधि प्राप्त छात्रों के बीच ग्रामीण भारत की बेहतरी या एन.जी.ओ. के लिए इमारतों के डिजाइन/निर्माण से संबंधित परियोजना कार्य हेतु **ब्र. सी. सेल्वम एवं श्रीमती एक्स. एस्पिरिथ** सेल्वम अवार्ड।

अनुषा विजयन,
एम.आर्क.

एम.आर्क की उपाधि प्राप्त छात्रों में सर्वोच्च सीजीपीए प्राप्त करने के लिए **श्रीमती कैलाश कम्बो अवार्ड।**

कदली वोल्गा,
एम.आर्क.

एम.बी.ए., बी.आर्क., एम.आर्क., एम.यू.आर.पी., एम.एससी. अर्थशास्त्र और एकीकृत एम.बी.ए. पाठ्यक्रमों की उपाधि प्राप्त छात्रों के बीच अंतिम वर्ष की परियोजना या आईआईटी रुड़की में किसी अन्य पहल के हिस्से के रूप में ग्रामीण भारत के विकास में महत्वपूर्ण योगदान के लिए **सर्विस ओरिएटेड नैचुरल साईस इनोवेशन एंड एप्लीकेशन (एसओएनआईए) एक्सीलेंस अवार्ड।** यह अधिकतम दो योग्य टीमों को दिया जाना है।

कृतिका गर्ग,
एम.एस.सी. बायोटेक्नोलॉजी

जैवविज्ञान एवं जैवअभियांत्रिकी विभाग के एम.एस.सी. पाठ्यक्रम की उपाधि प्राप्त छात्रों के बीच उच्चतम सीजीपीए के लिए **डिपार्टमेंट गोल्ड मेडल।**

कोलानुवादा निखिल साई वर्मा,
एम.टेक. बायोप्रोसेस अभियांत्रिकी

जैवविज्ञान एवं जैवअभियांत्रिकी विभाग के एम.एस.सी. पाठ्यक्रम की उपाधि प्राप्त छात्रों के बीच उच्चतम सीजीपीए के लिए **डिपार्टमेंट गोल्ड मेडल।**

दधानिया रुशित राजेशभाई,
एम.टेक. रासायनिक अभियांत्रिकी

रासायनिक अभियांत्रिकी विभाग के एम.टेक. कार्यक्रम की उपाधि प्राप्त छात्रों के बीच उच्चतम सीजीपीए के लिए **श्रीमती प्रेम लता नागालिया गोल्ड मेडल।**

श्रुति गोयल,
एम.एस.सी. रसायन विज्ञान

रसायन विज्ञान विभाग की एम.एस.सी. कार्यक्रम की उपाधि प्राप्त छात्रों के बीच उच्चतम सीजीपीए के लिए **डिपार्टमेंट गोल्ड मेडल।**

एम.एस.सी. रसायन विज्ञान की उपाधि प्राप्त छात्रों के बीच उच्चतम सीजीपीए के लिए **डॉ. हरि जी. गर्ग कैश प्राइज।**

ओम धवल सोनी,
एम.टेक. पर्यावरण इंजीनियरिंग

जानपद अभियांत्रिकी विभाग के एम.टेक. कार्यक्रम की उपाधि प्राप्त छात्रों के बीच उच्चतम सीजीपीए प्राप्त करने के लिए **श्री सुरेश चंद्र कपूर गोल्ड मेडल।**

पर्यावरण अभियांत्रिकी में विशेषज्ञता के साथ एम.टेक. जानपद अभियांत्रिकी की उपाधि प्राप्त छात्रों के बीच उच्चतम सीजीपीए प्राप्त करने के लिए पर्यावरण अभियांत्रिकी में **प्रो. सी.एल. तोशनीवाल अवार्ड।**

एम.टेक. जानपद अभियांत्रिकी की उपाधि प्राप्त छात्रों के बीच पर्यावरणीय पहलुओं के क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ शोध प्रबंध के लिए पर्यावरण के लिए **कठपालिया अवार्ड फॉर एनवायरमेंट।**

दुष्यंत पृथ्वी प्रकाश,
एम.टेक. जियोस्थैनिक अभियांत्रिकी

जियोस्पेशियल अभियांत्रिकी में विशेषज्ञता के साथ एम.टेक. जानपद अभियांत्रिकी की उपाधि प्राप्त छात्रों में सर्वोच्च सीजीपीए प्राप्त करने के लिए **अम्बा प्रसाद - कलावती मेमोरियल कैश प्राइज।**

शादानी प्रियंका जयपालदास,
एम.टेक. भूतकनीकी अभियांत्रिकी

भूतकनीकी अभियांत्रिकी में विशेषज्ञता के साथ जानपद अभियांत्रिकी की उपाधि प्राप्त छात्रों में सर्वोच्च सीजीपीए प्राप्त करने के लिए **तारा चंद कांति देवी कैश अवार्ड।**

अंशुल मौर्य,
एम.टेक. परिवहन अभियांत्रिकी

परिवहन अभियांत्रिकी में विशेषज्ञता के साथ एम.टेक जानपद अभियांत्रिकी की उपाधि प्राप्त छात्रों में सर्वोच्च सीजीपीए प्राप्त करने के लिए **सुनीता बहादुर मेमोरियल मेडल।**

मृदुल त्यागी,
एम.टेक. कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी

एम.टेक. कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग की उपाधि प्राप्त छात्रों में सर्वोच्च सीजीपीए प्राप्त करने के लिए **डिपार्टमेंट गोल्ड मेडल।**

एम.टेक. कंप्यूटर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी की उपाधि प्राप्त छात्रों में सर्वोच्च सीजीपीए प्राप्त करने के लिए **तरुण गोयल मेमोरियल कैश प्राइज।**

मिरांडे समृद्धि अशोक,
एम.डिज़ाइन. इंडस्ट्रियल डिसाईन

डिज़ाइन विभाग के एम.डिज़ाइन. पाठ्यक्रम की उपाधि प्राप्त छात्रों में सर्वोच्च सीजीपीए प्राप्त करने के लिए **डिपार्टमेंट गोल्ड मेडल।**

असावा ऐश्वर्या संतोष,
नवप्रवर्तन प्रबंधन में स्नातकोत्तर

डिज़ाइन विभाग की नवप्रवर्तन प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम के उपाधि प्राप्त छात्रों में सर्वोच्च सीजीपीए प्राप्त करने के लिए **डिपार्टमेंट गोल्ड मेडल।**

सुचित्रा कुमुद,
एम.टेक. आपदा न्यूनीकरण एवं प्रबंधन

आपदा न्यूनीकरण एवं प्रबंधन की एम.टेक. कार्यक्रम(ओं) के उपाधि प्राप्त छात्रों में सर्वोच्च सीजीपीए प्राप्त करने के लिए **डिपार्टमेंट गोल्ड मेडल।**

शिखा चौबे,
एमएससी. अनुप्रयुक्त भूविज्ञान

भू- विज्ञान विभाग के एमएससी कार्यक्रम के उपाधि प्राप्त छात्रों में सर्वोच्च सीजीपीए प्राप्त करने के लिए **डिपार्टमेंट गोल्ड मेडल।**

शुभम तिवारी,
एम.टेक. मृदा गतिकी

एम.टेक. मृदा गतिकी के उपाधि प्राप्त छात्रों में सर्वोच्च सीजीपीए प्राप्त करने के लिए **इंडियन सर्विस ऑफ इंजीनियर कैश प्राइज्ञ।**

अक्षय कुमार,
एम.टेक. संरचनात्मक गतिकी

भूकंप अभियांत्रिकी के एम.टेक. कार्यक्रम(ओं) की उपाधि प्राप्त छात्रों में सर्वोच्च सीजीपीए प्राप्त करने के लिए **श्रीमती ललित किशोरी गोल्ड मेडल।**

एम.टेक. संरचनात्मक गतिकी के उपाधि प्राप्त छात्रों में सर्वोच्च सीजीपीए प्राप्त करने के लिए **इंडियन सर्विस ऑफ इंजीनियर कैश प्राइज।**

प्रतीक कुमार,
एम.टेक. प्रणाली एवं नियंत्रण

विद्युत अभियांत्रिकी विभाग के एम.टेक. कार्यक्रम(ओं) की उपाधि प्राप्त छात्रों में सर्वोच्च सीजीपीए प्राप्त करने के लिए **श्री बेवन रॉस विल्किंसन गोल्ड मेडल।**

गोरला पवन कुमार रेड्डी,
एम.टेक. संचार प्रणाली

इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी विभाग की एम.टेक. पाठ्यक्रमों के उपाधि प्राप्त छात्रों में सर्वोच्च सीजीपीए प्राप्त करने के लिए **डिपार्टमेंट गोल्ड मेडल।**

एम.टेक./एम.आर्क./एम.यू.आर.पी. पाठ्यक्रमों की उपाधि प्राप्त छात्रों में सर्वोच्च सीजीपीए प्राप्त करने के लिए **लक्ष्मी देवी एवं श्री बनाद्रि दास कैश प्राइज।**

अहाना साहा,
एम.एससी. अर्थशास्त्र

मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विभाग की एम.एससी. कार्यक्रम के उपाधि प्राप्त छात्रों में सर्वोच्च सीजीपीए प्राप्त करने के लिए **डिपार्टमेंट गोल्ड मेडल।**

तेजश सिंह,
एम.टेक. नदियों एवं झीलों का पर्यावरण प्रबंध

जल एवं नवीकरणीय ऊर्जा विभाग के एम.टेक. पाठ्यक्रम की उपाधि प्राप्त छात्रों में सर्वोच्च सीजीपीए प्राप्त करने के लिए **डिपार्टमेंट गोल्ड मेडल।**

सुधीर कुमार सिंह,
एम.टेक. नदियों एवं झीलों का पर्यावरण प्रबंध

एम.टेक. नदियों एवं झीलों का पर्यावरण प्रबंधन की उपाधि प्राप्त छात्रों में सर्वोच्च सीजीपीए प्राप्त करने के लिए **छत्तीसगढ़ स्टेट पावर जेनेरेशन कोरपोरेशन हाइड्रो अवार्ड।** इस छात्र को समान या इससे अधिक राशि का कोई पुरस्कार नहीं मिल रहा है।

अनीश कुमार वर्मा,
एम.टेक. नदियों एवं झीलों का पर्यावरण प्रबंध

एम.टेक. नदियों और झीलों के पर्यावरण प्रबंधन की उपाधि प्राप्त छात्रों में से सर्वश्रेष्ठ शोध प्रबंध के लिए **इलेक्ट्रोस्टील अवार्ड कैश प्राइज।**

मीनाक्षी मित्तल,
एम.टेक. नदियों एवं झीलों का पर्यावरण प्रबंध

एम.टेक. नदियों और झीलों के पर्यावरण प्रबंधन में उपाधि प्राप्त छात्राओं में सर्वोच्च सीजीपीए प्राप्त करने के लिए **मीनाक्षी पावर अवार्ड।**

अभिमन्यु पठानिया,
एम.टेक. जल एवं नवीकरणीय ऊर्जा

एम.टेक. जल एवं नवीकरणीय ऊर्जा की उपाधि प्राप्त छात्रों में से सर्वश्रेष्ठ शोध प्रबंध के लिए **इलेक्ट्रोस्टील अवार्ड कैश प्राइज।**

अवनीश यादव,
एम.टेक. जल एवं नवीकरणीय ऊर्जा

जल एवं नवीकरणीय ऊर्जा विभाग के उपाधि प्राप्त छात्रों में से जल विद्युत विषय में सर्वश्रेष्ठ शोध प्रबंध के लिए **ए.के. गोयल हाइड्रोपावर अवार्ड।** छात्र को इसके समान या इससे अधिक राशि का कोई पुरस्कार नहीं मिला है।

उर्वी सिंह,
एम.टेक. जल एवं नवीकरणीय ऊर्जा

एम.टेक. जल एवं नवीकरणीय ऊर्जा की उपाधि प्राप्त छात्रों में सर्वोच्च सीजीपीए प्राप्त करने के लिए **छत्तीसगढ़ स्टेट पावर जेनेरेशन कोरपोरेशन हाइड्रो अवार्ड।** इस छात्र को समान या इससे अधिक राशि का कोई पुरस्कार नहीं मिल रहा है।

वर्तिका दुबे,
एम.टेक. जल एवं नवीकरणीय ऊर्जा

एम.टेक. जल एवं नवीकरणीय ऊर्जा की उपाधि प्राप्त छात्रों में सर्वोच्च सीजीपीए प्राप्त करने के लिए **बीएसएचपीसी कैश प्राइज।**

एम.टेक. जल एवं नवीकरणीय ऊर्जा की उपाधि प्राप्त छात्राओं में सर्वोच्च सीजीपीए प्राप्त करने के लिए **मीनाक्षी पावर अवार्ड।**

सागर गुप्ता,
एम.टेक. वाटरशेड मेनेजमेंट

जल विज्ञान विभाग के एम.टेक. कार्यक्रम(ओं) की उपाधि प्राप्त छात्रों में सर्वोच्च सीजीपीए प्राप्त करने के लिए डिपार्टमेंट गोल्ड मेडल।

एम.टेक./एम.आर्क./एम.यू.आर.पी. कार्यक्रमों की उपाधि प्राप्त छात्रों में सर्वोच्च सीजीपीए प्राप्त करने के लिए **लक्ष्मी देवी एवं श्री बनाद्रि दास को नकद पुरस्कार।**

वरुण भसीन,
एम.टेक. बांध सुरक्षा एवं पुनर्वास

अंतर्राष्ट्रीय बांध उत्कृष्टता केंद्र के एम.टेक. कार्यक्रम(ओं) की उपाधि प्राप्त छात्रों में सर्वोच्च सीजीपीए प्राप्त करने के लिए **डिपार्टमेंट गोल्ड मेडल।**

सब्यसाची सिंह,
एम.बी.ए.

मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन की उपाधि प्राप्त छात्रों में सर्वोच्च सीजीपीए प्राप्त करने के लिए **जी.एम. सिंघवी मेमोरियल गोल्ड मेडल।**

अविप्सा पात्रा,
एम.एससी. गणित

गणित विभाग के एम.एससी. कार्यक्रम की उपाधि प्राप्त छात्रों में सर्वोच्च सीजीपीए प्राप्त करने के लिए **डिपार्टमेंट गोल्ड मेडल।**

एम.एससी./एम.टेक. (विज्ञान) कार्यक्रमों की उपाधि प्राप्त छात्रों में सर्वोच्च सीजीपीए प्राप्त करने के लिए **डॉ. ए.एन. खोसला मेडल।**

निशीथ भारद्वाज,
एम.टेक. उत्पादन एवं औद्योगिक प्रणाली अभियांत्रिकी

यांत्रिक एवं औद्योगिक अभियांत्रिकी विभाग के एम.टेक. कार्यक्रम(ओं) की उपाधि प्राप्त छात्रों में सर्वोच्च सीजीपीए प्राप्त करने के लिए डिपार्टमेंट गोल्ड मेडल।

आयुष शर्मा,
एम.टेक. डेटा विज्ञान

मेहता फैमिली स्कूल ऑफ डेटा साइंस एंड आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के एम.टेक. कार्यक्रम(ओं) के उपाधि प्राप्त छात्रों में सर्वोच्च सीजीपीए प्राप्त करने के लिए **प्रो. कुमकुम गर्ग गोल्ड मेडल।**

गांधी मानव,
एम.टेक. आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस

एम.टेक. आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपाधि प्राप्त छात्रों में सर्वोच्च सीजीपीए प्राप्त करने के लिए **श्रीमती चंदर मोहिनी कपूर एवं जीवन कपूर को मेरिट प्राइज।**

शिवांकित वासुदेवा,
एम.टेक. पदार्थ अभियांत्रिकी

धातुकर्म एवं पदार्थ अभियांत्रिकी विभाग के एम.टेक. कार्यक्रम(ओं) की उपाधि प्राप्त छात्रों में सर्वोच्च सीजीपीए प्राप्त करने के लिए **डिपार्टमेंट गोल्ड मेडल।**

मोहम्मद सलमान राशिद,
एम.टेक. संवेष्टन तकनीकी

कागज़ प्रौद्योगिकी विभाग के एम.टेक. कार्यक्रम(ओं) की उपाधि प्राप्त छात्रों में सर्वोच्च सीजीपीए प्राप्त करने के लिए **डिपार्टमेंट गोल्ड मेडल।**

एम.टेक. संवेष्टन तकनीकी के उपाधि प्राप्त छात्रों में सर्वोच्च सीजीपीए प्राप्त करने के लिए **श्याम एस. बियानी कैश अवार्ड।**

लिंगाला लक्ष्मण राव,
एम.टेक. संवेष्टन तकनीकी

बी.टेक., एकीकृत एम.एससी., एम.टेक. और द्विउपाधि कार्यक्रमों के उपाधि प्राप्त छात्रों के बीच या अंतिम वर्ष की परियोजना के रूप में या किसी अन्य पहल के हिस्से के रूप में ग्रामीण भारत के विकास में महत्वपूर्ण योगदान के लिए **रुरल इंडिया टेक्नोलोजी बेस्ड अपलिफ्टमेंट (आरआईटीयू) एक्सीलेंस अवार्ड।** यह पुरस्कार अधिकतम दो योग्य टीमों को प्रदान किया जाएगा।

हर्षा,
एम.एससी. भौतिकी

भौतिकी विभाग के एम.एससी. कार्यक्रम की उपाधि प्राप्त छात्रों में सर्वोच्च सीजीपीए प्राप्त करने के लिए **डिपार्टमेंट गोल्ड मेडल।**

तनय शुक्ला,
एम.टेक. फोटोनिक्स

भौतिकी विभाग के एम.टेक. कार्यक्रम(ओं) की उपाधि प्राप्त छात्रों में सर्वोच्च सीजीपीए प्राप्त करने के लिए **डिपार्टमेंट गोल्ड मेडल।**

प्रज्ञा तिवारी,
एम.टेक. पॉलीमर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी

पॉलिमर एवं प्रोसेस अभियांत्रिकी विभाग के एम.टेक. कार्यक्रम(ओं) की उपाधि प्राप्त छात्रों में सर्वोच्च सीजीपीए प्राप्त करने के लिए **डिपार्टमेंट गोल्ड मेडल।**

बेस्ट वुमेन इनोवेटर की श्रेणी में अभियांत्रिकी /वास्तुकला की उपाधि प्राप्त स्नातकोत्तर छात्रों के बीच अंतिम वर्ष में अभिनव परियोजना के लिए **प्रोफेशनल डेवेलपमेंट एंड इनोवेशन अवार्ड।**

एम.टेक. पॉलीमर विज्ञान एवं अभियांत्रिकी की उपाधि प्राप्त छात्रों में सर्वोच्च सीजीपीए प्राप्त करने के लिए **श्याम एस. बियानी कैश प्राइज।**

ओशिन अग्रवाल,
एम.टेक. इंफ्रास्ट्रक्चर सिस्टम्स

परिवहन प्रणालियों के एम.टेक. कार्यक्रम(ओं) की उपाधि प्राप्त छात्रों में सर्वोच्च सीजीपीए प्राप्त करने के लिए **डिपार्टमेंट गोल्ड मेडल।**

परिवहन प्रणालियों के एम.टेक. इंफ्रास्ट्रक्चर सिस्टम्स की उपाधि प्राप्त छात्रों में सर्वोच्च सीजीपीए प्राप्त करने के लिए **श्री रवि मोहन मंगल कैश प्राइज।** न्यूनतम सीजीपीए 8.5 आवश्यक है।

नवराज पोखरेल,
एम.टेक. सिंचाई जल प्रबंधन

जल संसाधन विकास एवं प्रबंधन विभाग के एम.टेक. कार्यक्रम(ओं) की उपाधि प्राप्त छात्रों में सर्वोच्च सीजीपीए प्राप्त करने के लिए **एस.के. कुमार गोल्ड मेडल।**

जल संसाधन विकास एवं प्रबंधन विभाग के एम.टेक. कार्यक्रमों की उपाधि प्राप्त छात्रों में सर्वोच्च सीजीपीए प्राप्त करने के लिए **डॉ. ए.एन. खोसला पदक।**

योमिफ डेरेजे सिमे,
एम.टेक. पेयजल एवं स्वच्छता

जल संसाधन विकास एवं प्रबंधन विभाग के एम.टेक. कार्यक्रमों की उपाधि प्राप्त छात्रों के बीच पर्यावरणीय पहलुओं के क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ शोध प्रबंध के लिए **कठपालिया अवार्ड फॉर एनवायरमेंट।**